

सामान्य ज्ञान



लेखक

RWA TEAM

रोजगार पब्लिकेशन

प्रकाशक:

Rojgar Publication

(A Unit of Rojgar Coaching Center)

(प्रकाशक एवं वितरक)

Bilaspur, Greater Noida

Gautam Buddh Nagar

UP. 203202

Email: rojgarwithankit@gmail.com

Mobile : 9818489147

ISBN – 978-81-975841-4-5

सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

भारतीय कॉपीराइट के अंतर्गत इस पुस्तक में समाहित समस्त सामग्री (टाईटल-डिजाइन, अन्दर का मैटर आदि) के सर्वाधिकार 'Rojgar Publication' के पास सुरक्षित हैं, इसके लिए कोई व्यक्ति/संस्था/समूह इस पुस्तक की पाठ्य सामग्री को आंशिक या पूर्ण रूप से तोड़-मरोड़कर या किसी अन्य भाषा में प्रकाशित नहीं कर सकता। उल्लंघन करने वाले कानूनी तौर पर हर्जे-खर्चे व हानि के जिम्मेदार स्वयं होंगे। न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा।

Distributor :

Rohit General Store

Bilaspur, Greater Noida

Mobile : 9557571762, 9266311040

अंकित भाटी सर की कलम से



प्रिय साथियों

वर्तमान प्रतिस्पर्धी परीक्षा के परिदृश्य में किसी भी Exam में GS का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है। प्रश्नों का स्तर दिन-प्रतिदिन एक ऐसे स्तर पर पहुँच गया है, जहाँ कंटेंट के लिए एक सटीक समझ आवश्यक है। इस स्थिति में विद्यार्थी के समक्ष सारगर्भित कंटेंट के सतत अध्ययन से उसके सफल होने की संभावना अत्यधिक बढ़ जाती है। यह पुस्तक हमारे पब्लिकेशन की सबसे पहली पुस्तक है, जिसे येलो बुक के नाम से जाना जाता है जो हमारी ऑफलाइन की कोचिंग के नोट्स का सार है। कोचिंग के शुरुआती दौर वाले नोट्स को इस पुस्तक में समाहित करने का ईमानदार प्रयास किया गया है। हाल ही में लगातार बढ़ रहे Exam के स्तर का अवलोकन करने के पश्चात् हमने इस पुस्तक के Updated Version पर कार्य किया है। इस पुस्तक की थ्योरी हमने गत वर्षों के प्रश्नों को शामिल करने का प्रयास किया है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पुस्तक का Updated Version आपके सिलेक्शन में अवश्य सहायक सिद्ध होगा।

वैसे तो इस पुस्तक को त्रुटि के स्तर पर गहनता से जाँचा गया है, लेकिन फिर भी यह दावा करना कि पुस्तक त्रुटिरहित है, अव्यावहारिक ही होगा।

पंक्ति में खड़े अंतिम विद्यार्थी तक शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित हो सके, इसी उद्देश्य से यह सफर शुरू किया था, आज भी इसके लिए हम पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। हम आपके उत्तम भविष्य की कामना करते हैं।

शुभकामनाओं सहित

अंकित भाटी

(Founder of RWA)

विषय-सूची

- | | |
|---|-----------|
| 1. इतिहास (History) | 5 – 34 |
| 2. भूगोल (Geography) | 35 – 73 |
| 3. भारतीय राजव्यवस्था (Indian Polity) | 74 – 95 |
| 4. भारतीय अर्थव्यवस्था (Indian Economy) | 96 – 126 |
| 5. विज्ञान (Science) | 127 – 177 |
| 6. कंप्यूटर (Computer) | 178 – 195 |
| 7. स्टैटिक जी.के. (Static G.K.) | 196 – 245 |

प्राचीन भारत का इतिहास

- इतिहास के जनक **हेरोडोटस** है। इन्होंने **हिस्टोरिका** नामक पुस्तक लिखी।
- **प्रागैतिहासिक काल**: इस काल का कोई लिखित साक्ष्य उपलब्ध नहीं है, केवल पुरातात्विक साक्ष्य उपलब्ध हैं।
- इस काल को 3 भागों में विभाजित किया गया है-
 1. पुरापाषाण काल
 2. मध्यपाषाण काल
 3. नवपाषाण काल
- आग का आविष्कार **पुरापाषाण काल** में हुआ था।
- पहिए का आविष्कार **नवपाषाण काल** में हुआ था।
- कृषि का आविष्कार **नवपाषाण काल** में हुआ था।
- मनुष्य ने घर बनाने की प्रवृत्ति **नवपाषाण काल** में सीखी।
- मनुष्य ने सबसे पहले **कुत्ते** को अपना पालतू पशु बनाया।
- पुरापाषाण काल में मानव की जीविका का मुख्य आधार **शिकार** था।
- **पुरापाषाण काल** में पत्थर के औजार सबसे पहले पाए गए थे।

SSC GD-2023

- **भीमबेटका**, पुरापाषाण काल का एक प्रसिद्ध स्थल मध्य प्रदेश में स्थित है।
SSC CGL-2023
- उच्च पुरापाषाणकालीन हड्डी की बनी मातृदेवी की प्रतिमा **बेलन घाटी (उत्तर प्रदेश)** से प्राप्त हुई है।
SSC MTS-2022
- प्राचीन भारतीय इतिहास के **नवपाषाण काल** में मिट्टी के बर्तनों का पता लगाया गया था।
SSC Selection Posts-2023
- मनुष्य ने सबसे पहले **ताँबा** धातु का प्रयोग किया।
- मनुष्य द्वारा प्रयोग किया जाने वाला प्रथम औजार **कुल्हाड़ी** था।
- मनुष्य द्वारा बोई गई सबसे पहली फसल **जौ (यव)** थी।
- प्राचीन सिक्कों को **आहत सिक्के** कहा जाता है। आहत सिक्के (पंचमार्क सिक्के) ई.पू. पाँचवीं सदी के हैं। ठप्पा मारकर निर्मित किए जाने के कारण भारतीय भाषा में इन्हें **आहत मुद्रा** भी कहते हैं।
- **रोमिला थापर** के अनुसार, लोहे का प्रयोग 800 ई.पू. में आरंभ हुआ था।

प्रमुख वेद

- भारत के सबसे प्राचीन ग्रंथ वेद का शाब्दिक अर्थ- **ज्ञान** है।
- वेदों की कुल संख्या **4** हैं-
SSC CHSL-2023
 1. ऋग्वेद
 2. यजुर्वेद
 3. सामवेद
 4. अथर्ववेद

- **ऋग्वेद**: यह सबसे प्राचीन वेद है। **SSC Selection Posts-2023**
- ऋग्वेद में 10 मंडल, 1028 सूक्त तथा लगभग 10,600 ऋचाएँ हैं।
- ऋग्वेद की पाँच शाखाएँ हैं।
- ऋग्वेद में 25 नदियों का उल्लेख भी मिलता है।
- ऋग्वेद में एक बार गंगा नदी तथा तीन बार यमुना नदी का नाम लिया गया है।
- गायत्री मंत्र जिसकी रचना ऋषि विश्वामित्र ने की थी, उसका उल्लेख ऋग्वेद के तीसरे मंडल में है।
- ऋग्वेद के सातवें मंडल में राजा सुदास तथा 10 जनों के बीच युद्ध का वर्णन है। इस युद्ध में राजा सुदास की जीत हुई तथा यह युद्ध परुष्णी नदी (वर्तमान रावी नदी) के तट पर लड़ा गया था। **SSC CGL-2023**
- देवता सोम का उल्लेख नौवें मंडल में है।
- **यजुर्वेद**: यह वेद गद्य व पद्य दोनों में लिखा गया है। यह कर्मकांड प्रधान था।
- यजुर्वेद के 2 भाग हैं- 1. कृष्ण यजुर्वेद 2. शुक्ल यजुर्वेद
- **सामवेद**: इस वेद में संगीत की जानकारी मिलती है। इसलिए इसे **भारतीय संगीत का जनक** भी कहते हैं।
- साम का शाब्दिक अर्थ- **गान** है।
- सामवेद में मुख्यतः सूर्य की स्तुति के मंत्र तथा कुल 1875 ऋचाएँ हैं।
- **अथर्ववेद**: यह वेद सबसे बाद में लिखा गया है। इसे **अथर्वगिरस वेद** भी कहते हैं। इस वेद में जादू-टोना, तंत्र-मंत्र, चिकित्सा, विवाह तथा लौकिक जीवन का उल्लेख है। **SSC CGL-2023**
- अथर्ववेद को **ब्रह्मवेद** भी कहा जाता है।
- अथर्ववेद की **पिप्पलाद एवं शौनक**, ये दो शाखाएँ सर्वाधिक प्रचलित हैं।
- अथर्ववेद में ये बताया गया है कि **सभा एवं समिति** प्रजापति की दो पुत्रियाँ हैं।

वेदांग

- वेदांग की कुल संख्या 6 हैं-

1. शिक्षा
2. ज्योतिष
3. व्याकरण
4. कल्प
5. निरुक्त
6. छंद

ब्राह्मण ग्रंथ

क्र.सं.	प्रमुख वेद	ब्राह्मण ग्रंथ
1.	ऋग्वेद	ऐतरेय व कौषीतकी (शंखायन)
2.	यजुर्वेद	शतपथ व तैत्तिरीय
3.	सामवेद	पंचविश व षडविश
4.	अथर्ववेद	गोपथ

पुराण

- पुराणों की कुल संख्या 18 हैं।
- पुराणों के रचयिता, **लोमहर्ष** व उनके पुत्र **उग्रश्रवा** हैं।
- पुराणों में सबसे प्राचीन एवं प्रामाणिक पुराण **मत्स्य पुराण** है।
- वर्तमान में उपलब्ध पुराण गुप्त काल के आस-पास के हैं।
- विष्णु पुराण का संबंध **मौर्य वंश** से, मत्स्य पुराण का संबंध **सातवाहन वंश** से तथा वायु पुराण का संबंध **गुप्त वंश** से है।

महत्त्वपूर्ण तथ्य

- अर्थशास्त्र** पुस्तक के लेखक **चाणक्य** है। इसे **विष्णुगुप्त तथा कौटिल्य** के नाम से भी जाना जाता है।
- अर्थशास्त्र** पुस्तक मूलतः **राजनीति शास्त्र** से संबंधित है। इसमें मौर्यकालीन इतिहास की जानकारी वर्णित है।
- राजतरंगिणी** पुस्तक के लेखक **कल्हण** है। इसमें कश्मीर के राजाओं का इतिहास वर्णित है।
- अष्टाध्यायी** पुस्तक के लेखक **पाणिनी** है। यह एक संस्कृत व्याकरण ग्रंथ है।
- सबसे प्राचीन स्मृति **मनु स्मृति** है। इसके लेखक **मनु** है।
- कथासरित्सागर (**रचनाकार-सोमदेव**) साहित्यिक कृति मूल रूप से संस्कृत भाषा में लिखी गई थी। **SSC CPO-2024**
- तमिल भाषा में सबसे प्राचीन महाकाव्य **शिलप्पादिकारम् (रत्नजड़ित पायल)** पाँचवीं-छठी शताब्दी ईस्वी में इलंगो आदिगल द्वारा लिखा गया था। **SSC CGL-2024**

सिन्धु घाटी सभ्यता या हड़प्पा सभ्यता

- रेडियो कार्बन-14 पद्धति के द्वारा, सिन्धु घाटी सभ्यता का काल निर्धारण **2500 ई.पू. से 1750 ई.पू.** माना गया है।
- हड़प्पा टीले का सर्वप्रथम उल्लेख 1826 ई. में चार्ल्स मैसन द्वारा किया गया। हड़प्पा संस्कृति को **कांस्ययुगीन सभ्यता** भी कहते हैं। यहाँ के लोगों को ताँबे में टिन मिलाकर काँसा (काँस्य) बनाने की विधि आती थी। **SSC CPO-2019**
- सिन्धु घाटी सभ्यता की खोज **रायबहादुर दयाराम साहनी** ने 1921 ई. में की थी। **IB ACIO Grade-II 2024**
- सिन्धु घाटी सभ्यता के मुख्य निवासी **द्रविड़ तथा भूमध्यसागरीय** थे।
- सिन्धु घाटी सभ्यता एक **नगरीय सभ्यता** थी।
- सिन्धु घाटी सभ्यता का प्रमुख बन्दरगाह **लोथल** को माना जाता है। **SSC CGL-2019**
- सिन्धु घाटी सभ्यता की लिपि **भावात्मक (चित्रात्मक)** थी। यह लिपि दाएँ से बाएँ लिखी जाती थी।
- सिन्धु घाटी सभ्यता में नगर तथा घरों को बनाने के लिए **ग्रिड पद्धति** अपनाई गई।
- सिन्धु समाज **मातृसत्तात्मक** था।
- सिन्धु घाटी सभ्यता के लोग मिठास के लिए **शहद** का प्रयोग करते थे।
- सैंधववासी दशमलव प्रणाली पर आधारित बांट का प्रयोग करते थे।
- लोथल से **घोड़े की लघु मृण्मूर्ति** प्राप्त हुई है।
- जुते हुए खेत के साक्ष्य **कालीबंगा** से प्राप्त हुए हैं।

- नक्काशीदार ईंटों के प्रयोग के साक्ष्य भी **कालीबंगा** से प्राप्त हुए हैं।
- 1948 ई. में; अर्नेस्ट मैके ने उल्लेख किया कि हड़प्पा सभ्यता के **लोथल** शहर में जल निकासी की व्यवस्था हेतु नालियों को पकी ईंटों से बनाया गया था। **SSC Selection Posts-2023**

सिन्धु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थल

क्र.सं.	प्रमुख स्थल	अवस्थिति	नदी का नाम
1.	हड़प्पा	पाकिस्तान	रावी
IB ACIO Grade-II 2024			
2.	मोहनजोदड़ो	पाकिस्तान	सिन्धु
SSC CPO-2023			
3.	चन्हूदड़ो	पाकिस्तान	सिन्धु
4.	कालीबंगा	राजस्थान	घग्घर
5.	लोथल	गुजरात	भोगवा
6.	रोपड़	पंजाब	सतलज
7.	आलमगीरपुर	मेरठ	हिंडन
8.	रंगपुर	गुजरात	भादर
9.	धौलावीरा	गुजरात	-
10.	बनावली	हरियाणा	-
11.	राखीगढ़ी	हरियाणा	-
SSC CGL-2022			
12.	सुत्कागंडोर	पाकिस्तान	दाश्क

- हड़प्पाकालीन स्थल **सुरकोटवा** गुजरात में स्थित है। **SSC CPO-2019**
- भारत का सबसे प्राचीन नगर **मोहनजोदड़ो** था, जिसे **मृतकों का टीला** कहा जाता है।
- मोहनजोदड़ो से प्राप्त सबसे बड़ी इमारत **अन्नागार** है।
- मोहनजोदड़ो से एक कांस्य की मूर्ति **नर्तकी** मिली है।
- हड़प्पाकालीन स्थल मोहनजोदड़ो पाकिस्तान के **सिंध प्रांत** में स्थित है। **SSC CPO-2019**
- हड़प्पाकालीन स्थल मोहनजोदड़ो को **सिंध का बाग** कहा जाता था। **SSC GD-2021**
- सिन्धु घाटी सभ्यता के मोहनजोदड़ो स्थल से एक अद्भुत निर्माण **विशाल स्नानागार** के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। **SSC MTS-2023**
- हड़प्पा सभ्यता के दक्षिणतम स्थल **दैमाबाद (महाराष्ट्र)** से रथ की मूर्ति/प्रतिमा प्राप्त हुई है। **SSC CPO-2017**
- इनकी मुख्य फसल **गेहूँ और जौ** थी तथा ये **सूती एवं ऊनी** वस्त्रों का प्रयोग करते थे।
- अग्निकुंड** लोथल तथा कालीबंगा से प्राप्त हुए हैं। कालीबंगा का अर्थ-**काली चूड़ियाँ** है।
- मनके बनाने के कारखाने **लोथल तथा चन्हूदड़ो** से प्राप्त हुए हैं।
- चावल के साक्ष्य **लोथल** से प्राप्त हुए हैं।
- हड़प्पा की मोहरों पर **एक सींग वाले पशु** का चित्र मिलता है। हड़प्पाकालीन मोहरें **सेलखड़ी पत्थर** की बनी हुई थी।
- सिन्धु घाटी सभ्यता के लोग **मातृदेवी** की पूजा करते थे।

- मनोरंजन के लिए ये लोग मछली पकड़ना, शिकार करना, पशु-पक्षी को आपस में लड़ाना तथा पासा खेलना आदि विधियों का प्रयोग करते थे। इनको तलवार का ज्ञान नहीं था और आग में पकी हुई मिट्टी को **टेराकोटा** कहा जाता था।
- सिन्धु घाटी सभ्यता के लोग **लाल मिट्टी** से बर्तन बनाते थे तथा उस पर **काले रंग** से डिजाइन करते थे।
- सिन्धु घाटी सभ्यता के विनाश का कारण **बाढ़** को माना जाता है।

वैदिक सभ्यता

- वैदिक काल को दो भागों में विभाजित किया गया है-
 - ऋग्वैदिक काल (1500-1000 ई.पू.)
 - उत्तरवैदिक काल (1000-600 ई.पू.)
- प्रारंभिक वैदिक काल में धनवान व्यक्ति को **गोमत** के रूप में जाना जाता था। **SSC CGL-2023, 2024**
- मैक्स मूलर ने बताया आर्य मूल रूप से मध्य एशिया बैक्ट्रिया के निवासी थे।
- आर्यों द्वारा निर्मित सभ्यता **वैदिक सभ्यता** थी।
- आर्य शब्द का अर्थ- **श्रेष्ठ** होता है।
- आर्यों की भाषा **संस्कृत** थी और यह **ग्रामीण सभ्यता** थी।
- प्रशासन की इकाई को पाँच भागों में विभाजित किया गया था-
 - कुल
 - ग्राम
 - विश
 - जन
 - राष्ट्र
- आर्यों की मुख्य (प्रमुख) सामाजिक इकाई **जन** थी। **SSC CGL-2023**
- ग्राम के मुखिया को **ग्रामणी** कहते थे।
- विश** का प्रधान **विशपति** कहलाता था तथा **जन** के प्रधान को **राजा या जनपति** कहते थे।
- सभा एवं समिति** राजा को सलाह देने वाली संस्थाएँ थी। स्त्रियाँ दोनों में भाग ले सकती थी।
- पुत्री को **दुहिता** कहा जाता था तथा गाय को **अधन्या** माना जाता था।
- ऋग्वैदिक समाज को व्यवसाय के आधार पर चार वर्णों में बाँटा गया था-
 - ब्राह्मण
 - क्षत्रिय
 - वैश्य
 - शूद्र
- आर्यों का समाज **पितृसत्तात्मक** था। समाज की सबसे छोटी इकाई **परिवार या कुल** थी जिसका मुखिया **पिता** होता था और उसे **कुलप या गृहपति** कहते थे।
- स्त्रियाँ इस काल में अपने पति के साथ यज्ञ कार्यों में भाग लेती थी।
- बाल-विवाह तथा पर्दा-प्रथा का प्रचलन नहीं था।
- विधवा अपने मृत पति के छोटे भाई से विवाह कर सकती थी।
- जीवनभर अविवाहित रहने वाली महिलाओं को **अमाजू** कहा जाता था।
- आर्यों का प्रिय पेय पदार्थ सोमरस था। यह वनस्पति से बनाया जाता था।
- उपनिषदों की कुल संख्या 108 मानी जाती हैं।
- वैदिक आर्य सप्त-सिन्धु नामक क्षेत्र में रहते थे, जिसका अर्थ सात नदियों द्वारा अपवाहित क्षेत्र है। इन सात नदियों में से एक **झेलम नदी** है, जिसका प्राचीन नाम **वितस्ता** है। **SSC CGL-2023**
- आर्यों का मुख्य व्यवसाय **पशुपालन और कृषि** था। तम्बाकू का ज्ञान वैदिक काल के लोगों को नहीं था।

- आर्यों का प्रिय पशु **घोड़ा** और प्रिय देवता **इन्द्र** थे। आर्यों के वस्त्र ऊन, सूत तथा चर्म से निर्मित होते थे।
- अयस्** शब्द का वैदिक काल में प्रयोग हुआ है। इस काल के लोग लौह धातु से परिचित नहीं थे।
- गविष्टि** गाय की महत्ता बताने वाला शब्द है। वेदों में गाय की हत्या करने वालों के लिए **मृत्युदंड** तथा उन्हें **देश से निकालने** का भी प्रावधान था।
- वैदिक काल में चार प्रकार की वर्ण व्यवस्था प्रचलित थी-
 - ब्राह्मण
 - क्षत्रिय
 - वैश्य
 - शूद्र**SSC CGL-2024**
- उत्तरवैदिक काल में **वैश्य वर्ण** मुख्य रूप से कृषि, पशुपालन एवं व्यापार जैसे कार्य करता था। **SSC CGL-2023**
- उत्तरवैदिक काल में सामाजिक व्यवस्था का आधार वर्णाश्रम को माना जाता है।
- उत्तरवैदिक काल में यज्ञ को अधिक महत्त्व दिया गया जिसके फलस्वरूप ब्राह्मणों की शक्ति तथा कार्यक्षेत्र में अपाररूप से वृद्धि दर्ज की गई।
- उत्तरवैदिक काल में गोत्र व्यवस्था की स्थापना की गई।
- उत्तरवैदिक काल में इन्द्र के स्थान पर प्रजापति देवता सबसे प्रिय हो गए।
- उत्तरवैदिक काल में मुख्य उद्योग वस्त्र निर्माण था।
- उत्तरवैदिक काल में महाकाव्यों की संख्या दो थी-
 - महाभारत (**पुराना नाम-जयसहिता**)
 - रामायण
- उत्तरवैदिक काल में पशुपालन के स्थान पर कृषि प्रथम व्यवसाय बन गया था।
- उत्तरवैदिक काल में आर्य हाथी, बाघ, नमक, चावल और मछली से परिचित हो गए थे।

प्रमुख ऋग्वैदिककालीन नदियाँ

क्र.सं.	प्राचीन नाम (नदी)	आधुनिक नाम (नदी)
1.	परुष्णी	रावी
2.	शतुद्रि	सतलज
3.	वितस्ता	झेलम
4.	अस्किनी	चेनाब/चिनाब
5.	विपासा	व्यास
6.	गोमती	गोमल

प्रमुख दर्शन एवं उनके प्रवर्तक

क्र.सं.	प्रमुख दर्शन	प्रवर्तक
1.	योग दर्शन	पतंजलि
2.	न्याय दर्शन	गौतम
3.	चार्वाक दर्शन	चार्वाक
4.	सांख्य दर्शन	कपिल मुनि (सबसे प्राचीन दर्शन)
5.	पूर्व मीमांसा	जैमिनी
SSC Selection Posts-2023		
6.	उत्तर मीमांसा	बादरायण
7.	वैशेषिक दर्शन	उलूक/कणाद

प्रमुख महाजनपद एवं राजधानी

क्र.सं.	प्रमुख महाजनपद	राजधानी
1.	काशी	वाराणसी
2.	अंग	चम्पा
3.	मगध	राजगृह/गिरिब्रज
4.	वज्जि	वैशाली
SSC CGL-2023		
5.	चेदि	शुक्तिमती
6.	वत्स	कौशांबी
7.	पांचाल	अहिच्छत्र/कापिल्य
8.	मत्स्य	विराट
9.	शूरसेन	मथुरा
10.	कुरु	इन्द्रप्रस्थ
11.	गांधार	तक्षशिला
12.	कंबोज	राजपुर/हाटक
13.	अवन्ति	-
14.	अश्मक (दक्षिण भारत का एकमात्र महाजनपद)	पोटली
15.	मल्ल	कुशीनगर/पावा
16.	कोशल/कोसल	श्रावस्ती/अयोध्या
SSC CGL-2023		

- मगध महाजनपद गंगा एवं सोन नदियों से घिरा हुआ था।

SSC CGL-2023

जैन धर्म

- जैन धर्म के संस्थापक तथा प्रथम तीर्थंकर **ऋषभदेव (उपनाम-आदिनाथ)** थे।
- जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर **पार्श्वनाथ** थे, जो काशी के राजा अश्वसेन के पुत्र थे।
- महावीर स्वामी** जैन धर्म के 24वें तथा अंतिम तीर्थंकर थे। महावीर स्वामी का जन्म 540 ई.पू. में कुंडग्राम (वैशाली) में हुआ था।
- इनके पिता का नाम **सिद्धार्थ** था जो **ज्ञातुक कुल** के सरदार थे और इनकी माता का नाम **त्रिशला देवी** था जो **लिच्छवि राजा चेटक की** बहन थी।
- महावीर स्वामी की पत्नी का नाम **यशोदा** तथा पुत्री का नाम **प्रियदर्शना** था।
- महावीर स्वामी के बचपन का नाम **वर्द्धमान** था।
- महावीर स्वामी ने 30 वर्ष की आयु में माता-पिता की मृत्यु के पश्चात् अपने बड़े भाई **नंदिवर्द्धन** से अनुमति लेकर संन्यासी जीवन को स्वीकारा था।
- 12 वर्ष की कठोर तपस्या के पश्चात् **जृम्भिकग्राम** में **ऋजुपालिका नदी** के किनारे साल के वृक्ष के नीचे इनको **ज्ञान (कैवल्य)** की प्राप्ति हुई।
- इन्द्रियों को जीतने के कारण इनका नाम **महावीर** पड़ा था।
- इन्होंने अपने उपदेश **प्राकृत (अर्धमागधी)** भाषा में दिए।
- महावीर के प्रथम अनुयायी उनके दामाद **जामालि** थे।
- जैन धर्म में 18 पापों की कल्पना की गई है।

- जैन साहित्य को **आगम** कहा जाता है।
- जैन धर्म में हुए तीर्थंकरों का जीवन **कल्पसूत्र** नामक पुस्तक में वर्णित है। यह **भद्रबाहु** ने लिखी है।
- जैन धर्म के त्रिरत्न हैं-
1. सम्यक् दर्शन 2. सम्यक् ज्ञान 3. सम्यक् आचरण
- जैन धर्म में ईश्वर की मान्यता नहीं है। इसमें आत्मा की मान्यता है।
- महावीर स्वामी **पुनर्जन्म और कर्मवाद** में विश्वास रखते थे।
- जैन धर्म में पूर्ण ज्ञान को **कैवल्य ज्ञान** कहा गया है।
- जैन धर्म का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत **अहिंसा** था।
- 72 वर्ष की आयु में महावीर स्वामी की मृत्यु **468 ई.पू.** में **पावापुरी (राजगीर)** में हो गई।
- जैन मठों को **बसादि (बसदिस)** कहा जाता था।
- मौर्योत्तर युग में **मथुरा** जैन धर्म का प्रसिद्ध केन्द्र था।
- खजुराहो (मध्य प्रदेश) में जैन मंदिर का निर्माण **चंदेल शासकों** ने कराया था।
- जैन धर्म को मानने वाले राजा निम्नलिखित थे-
1. उदयिन 2. वंदराजा 3. चन्द्रगुप्त मौर्य
4. खारवेल 5. अमोघवर्ष 6. चंदेल शासक
- जैन धर्म ने अपने आध्यात्मिक विचारों को **सांख्य दर्शन** से प्राप्त किया है।
- प्रथम जैन संगीति लगभग 300 ई.पू. में **पाटलिपुत्र** में हुई थी, जिसका अध्यक्ष **स्थूलभद्र** था।
- द्वितीय जैन संगीति छठी शताब्दी में **वल्लभी (गुजरात)** में हुई थी, जिसका अध्यक्ष **देवर्धि क्षमाश्रमण** था।
- प्रथम जैन संगीति में जैन धर्म दो भागों में विभाजित हुआ था-
1. श्वेताम्बर (सफेद वस्त्र धारण करने वाले)
2. दिगम्बर (नग्न रहने वाले)
- श्वेताम्बर **स्थूलभद्र** के शिष्य तथा दिगम्बर **भद्रबाहु** के शिष्य थे।
- पर्यूषण पर्व जैन समुदाय के लोगों द्वारा मनाया जाता है।

SSC CGL-2024

बौद्ध धर्म

- बौद्ध धर्म के संस्थापक **गौतम बुद्ध** थे। इन्हें एशिया का **ज्योति पुंज** भी कहा जाता है।
- इनका जन्म **563 ई.पू.** में **कपिलवस्तु** के **लुम्बिनी** नामक स्थान पर हुआ था।
- इनके पिता का नाम **शुद्धोधन** था, जो **शाक्य गण** के मुखिया थे।
- इनकी माता **मायादेवी** की मृत्यु इनके जन्म के 7वें दिन ही हो गई थी। इनका पालन-पोषण इनकी मौसी **प्रजापति गौतमी** ने किया।
- गौतम बुद्ध के बचपन का नाम **सिद्धार्थ** था। इनका विवाह 16 वर्ष की अवस्था में **यशोधरा** के साथ हुआ था। इनके पुत्र का नाम **राहुल** था।
- सिद्धार्थ जब कपिलवस्तु की सैर पर निकले तो उन्होंने बूढ़ा व्यक्ति, बीमार व्यक्ति, शव तथा संन्यासी को देखा जिससे उनका मन विचलित हो गया।
- सिद्धार्थ ने लोगों के दुःखों को दूर करने का निश्चय लेते हुए 29 वर्ष की आयु में गृहत्याग दिया, जिसे बौद्ध धर्म में **महाभिनिष्क्रमण** कहा जाता है।
- सिद्धार्थ ने ज्ञान की खोज में इधर-उधर भटकने के बाद सर्वप्रथम वैशाली के समीप आलारकलाम तथा रुदकरामपुत्र नामक दो गुरुओं से शिक्षा ली थी। आलारकलाम सांख्य संप्रदाय के अनुयायी थे। 6 वर्ष की कठोर तपस्या

के पश्चात् उनको वैशाख पूर्णिमा की रात निरंजना (फल्गु) या पुनपुन नदी के किनारे **पीपल के वृक्ष** के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई।

IB ACIO Grade-II 2024

- गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ में दिया, जिसे बौद्ध ग्रंथों में **धर्मचक्रप्रवर्तन** के नाम से जाना जाता है।
- महात्मा बुद्ध ने तपस्सु एवं भल्लिक नामक दो शूद्रों को बौद्ध धर्म का सर्वप्रथम अनुयायी बनाया।
- बुद्ध अपना प्रचार करते हुए पावा पहुँचे; जहाँ वे एक लुहार की आम्रवाटिका में ठहरे, उसने बुद्ध को खाने में कुछ दे दिया, जिससे उन्हें उदर विकार (पेचिश) हो गया और भयानक पीड़ा उत्पन्न हुई तत्पश्चात् वे कुशीनगर गए। यहाँ 483 ई.पू. में 80 वर्ष की अवस्था में बुद्ध ने अपना शरीर त्याग दिया। इसे बौद्ध ग्रंथों में **महापरिनिर्वाण** कहा जाता है।
- बुद्ध पावा से कुशीनगर चले गए और यही पर सुभद्र को अपना अंतिम उपदेश दिया था।
- बौद्ध धर्म के त्रिरत्न हैं- **बुद्ध, धम्म तथा संघ**।
- बौद्ध भिक्षुओं के निवास स्थान को **विहार** तथा पूजा स्थल को **चैत्य** कहा जाता है।
- चतुर्थ बौद्ध संगीति के बाद बौद्ध धर्म दो भागों **हीनयान तथा महायान** में विभाजित हो गया।

IB ACIO Grade-II 2024

- महात्मा बुद्ध के ज्ञान प्राप्त करने की घटना को बौद्ध धर्म में **सम्बोधि** कहा जाता है।
- बौद्ध साहित्य के तीन पिटक **सुत्तपिटक, विनयपिटक तथा अभिधम्मपिटक** हैं।
- अपने प्रिय शिष्य आनंद के आग्रह पर बुद्ध ने बौद्ध संघ में स्त्रियों के प्रवेश को अनुमति दी।
- महाबोधि मंदिर परिसर का महात्मा बुद्ध के जीवन से सीधा संबंध है।

SSC MTS-2022

- आजीवक संप्रदाय की स्थापना **मक्खलि पुत्र गोशाल** ने की थी।
- बौद्ध धर्म की पवित्र दिशा **दक्षिण** थी।
- बौद्ध धर्म का प्रचार **पालि** भाषा में किया गया था।
- बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश श्रावस्ती में दिए।
- बौद्ध ग्रंथों में संस्कृत का प्रयोग अभिधम्मपिटक से प्रारंभ होता है।
- बौद्ध धर्म के अनुसार इच्छा सब कष्टों का कारण है।
- निर्वाण बौद्ध धर्म का परम लक्ष्य है, जिसका अर्थ है- **दीपक का बुझ जाना अर्थात् जीवन-मरण चक्र से मुक्त हो जाना**।
- बुद्ध अनात्मवादी थे परन्तु पुनर्जन्म में विश्वास करते थे।
- कालान्तर में महायान संप्रदाय दो भागों में विभाजित हो गया था- **शून्यवाद (माध्यमिक) और विज्ञानवाद (योगाचार)**।
- शून्यवाद के प्रवर्तक नागार्जुन थे।
- विज्ञानवाद के प्रवर्तक मैत्रेयनाथ थे।
- सुत्तपिटक को प्रारंभिक बौद्ध धर्म का **इन्साइक्लोपीडिया** कहा जाता है।
- बुद्ध के पूर्व जन्म की कथाएँ (जातक कथाएँ) सुत्तपिटक में वर्णित हैं।
- तिब्बत में बौद्ध धर्म का प्रचार करने वाले बौद्ध भिक्षु **पद्मसंभव** थे।
- नालंदा तथा विक्रमशिला विश्वविद्यालय बौद्ध शिक्षा के प्रधान केन्द्र थे।
- बुद्ध ने दुःख निरोध प्रतिपद आष्टांगिक मार्ग को मध्यम मार्ग (मध्यम प्रतिपद) की संज्ञा दी है।

□ अशोक, मिनाण्डर, कनिष्क, हर्षवर्द्धन ने बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में अपना विशिष्ट योगदान दिया था।

- बिहार एवं बंगाल के पाल शासकों ने बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में अद्वितीय योगदान दिया था।
- बुद्ध के पंचशील सिद्धांत का वर्णन छांदोग्य उपनिषद् में मिलता है।
- उल्लांबना त्योहार मुख्य रूप से बौद्ध धर्म के महायान संप्रदाय से संबंधित है।

IB ACIO Grade-II 2024**बौद्ध संगीति**

संगीति	अवधि/वर्ष	स्थान	अध्यक्ष	शासनकाल
प्रथम बौद्ध संगीति	483 ई.पू.	राजगृह	महाकस्यप/ महाकस्सप	अजातशत्रु
द्वितीय बौद्ध संगीति	383 ई.पू.	वैशाली	साबकमीर/ सुब्बुकामी	कालाशोक
तृतीय बौद्ध संगीति	250-51 ई.पू.	पाटलिपुत्र	मोग्गलि- पुत्तत्तस्स	अशोक
चतुर्थ बौद्ध संगीति	प्रथम शताब्दी	कुंडलवन (कश्मीर)	वसुमित्र	कनिष्क

शैव धर्म

- भगवान शिव की पूजा करने वालों को **शैव धर्म** वाला माना गया है।
- शिवलिंग की पूजा का प्रथम साक्ष्य **हड़प्पा** से मिला है।
- ऋग्वेद में शिव का उल्लेख **रुद्र** के रूप में हुआ है।
- अथर्ववेद में शिव को **भव, शर्व, पशुपति तथा भूपति** नाम दिया गया है।
- **पाशुपत संप्रदाय** शैवों का सबसे प्राचीन संप्रदाय है। इसके संस्थापक **लकुलीश** थे जिन्हें भगवान शिव के 18 अवतारों में से एक माना गया है।
- कुषाण शासकों की मुद्रा पर **शिव एवं नंदी** का एक साथ चित्र मिलता है।
- लिंग पूजा का स्पष्ट वर्णन **मत्स्य पुराण** में मिलता है।

ईसाई धर्म

- ईसाई धर्म के संस्थापक **ईसा मसीह** हैं। इन्हें यीशु नाम से भी पुकारा जाता है।
- ईसाई धर्म का प्रमुख धार्मिक ग्रंथ **बाइबिल** है।
- ईसा मसीह का जन्म **जेरूसलम** के निकट **बैथलेहम** नामक स्थान पर हुआ था।
- ईसा मसीह के जन्म को **क्रिसमस** के रूप में मनाया जाता है।
- जीवन के प्रथम 30 वर्षों में ये **बढ़ई** का काम करते थे।
- इनके पहले दो शिष्य **एंड्रयू तथा पीटर** थे।
- ईसा मसीह को सूली पर **पोंटियस पिलेट (रोमन गवर्नर)** ने चढ़ाया था।
- ईसाई धर्म का प्रमुख चिन्ह **क्रॉस (+)** है।

इस्लाम धर्म

- इस्लाम धर्म के संस्थापक **हजरत मुहम्मद साहब** थे। **SSC CGL-2024**
- इनका जन्म **570 ई.** में **मक्का** में हुआ था।
- इनके पिता का नाम **अब्दुल्ला** तथा माता का नाम **अमीना** था।

- हजरत मुहम्मद साहब को 610 ई. में मक्का के पास **हीरा नामक गुफा** में ज्ञान की प्राप्ति हुई।
- 622 ई. में पैगम्बर के मक्का से मदीना की यात्रा को इस्लाम धर्म में **हिजरी संवत्** के नाम से जाना जाता है।
- हजरत मुहम्मद साहब की शादी 25 वर्ष की आयु में **खदीजा नामक विधवा** से हुई थी।
- हजरत मुहम्मद साहब की पुत्री का नाम **फातिमा** तथा दामाद का नाम **हजरत अली** था।
- इस्लाम धर्म का प्रमुख धार्मिक ग्रंथ **कुरान** है।
- हजरत मुहम्मद साहब की मृत्यु 632 ई. में हुई तथा इन्हें मदीना में दफनाया गया।
- हजरत मुहम्मद साहब की मृत्यु के बाद इस्लाम धर्म दो भागों में विभाजित हो गया- **शिया व सुन्नी**।
- **शिया** मुहम्मद साहब के दामाद की शिक्षाओं में विश्वास करते थे और **सुन्नी** मुहम्मद साहब के कथनों व कार्यों पर विश्वास करते थे।
- अली की हत्या 661 ई. में कर दी गई। अली के पुत्र हुसैन की हत्या 680 ई. में कर्बला (ईराक) में कर दी गई।
- हजरत मुहम्मद साहब के उत्तराधिकारी **खलीफा** कहलाए। इस्लाम जगत में खलीफा पद 1924 ई. तक रहा क्योंकि इसी वर्ष इसको तुर्की शासक मुस्तफा कमालपाशा ने समाप्त कर दिया था।

पारसी धर्म

- पारसी धर्म का संस्थापक **जरथुस्ट्र (ईरानी)** था।
- इनकी शिक्षाओं का संकलन **जेंद अवेस्ता** नामक ग्रंथ में है, जो पारसियों का प्रमुख धार्मिक ग्रंथ है।
- पारसियों का मुख्य त्योहार **नौरोज** है।
- पारसी धर्म **एकैकाधिदेववादी धर्म** है।
- इनके अनुयायी एक ईश्वर **अहुर मज्दा** को मानते हैं।

सिख धर्म

- सिख धर्म की स्थापना **गुरु नानक देव** ने की थी। ये सिखों के **पहले गुरु** थे।
- गुरु नानक देव मुगल बादशाह **बाबर तथा हुमायूँ** के समकालीन थे।
- गुरु नानक देव ने **लंगर (पंगत)** व्यवस्था का प्रचलन कराया। इन्होंने ही अनेक **संगत (धर्मशाला)** स्थापित की।
- गुरु नानक देव का जन्म 1469 ई. में **तलवंडी (ननकाना साहिब)** में हुआ था।
- गुरु नानक देव की मृत्यु 1539 ई. में **करतारपुर** में हुई थी।
- **गुरु अंगद** सिखों के **दूसरे गुरु** थे। इनका मूल नाम **लहना** था।
- **गुरुमुखी लिपि** का आरंभ गुरु अंगद ने किया। इन्होंने **लंगर (पंगत)** व्यवस्था को स्थाई बना दिया।
- सिखों के **तीसरे गुरु गुरु अमरदास** थे। गुरु अमरदास ने हिन्दू मान्यताओं के विपरीत अनेक कार्य प्रारंभ किए।
- इन्होंने सिखों के लिए हिन्दुओं से अलग एक विवाह पद्धति बनाई जिसे **लवन** कहते हैं।
- एक बार **अकबर** ने **गुरु अमरदास** से मुलाकात की और इनकी पुत्री **बीबीभानी** को कई गाँव दान में दिए।

- सिखों के **चौथे गुरु गुरु रामदास** थे। अकबर ने **गुरु रामदास** की पत्नी **बीबीभानी** को 500 बीघा जमीन भी दी थी। **गुरु रामदास** ने इसी जमीन पर **अमृतसर जलाशय तथा अमृतसर शहर** की स्थापना की। अमृतसर शहर का पहले नाम रामदासपुर रखा गया था।
- **गुरु अर्जन (अर्जुन) देव** सिखों के **पाँचवें गुरु** थे। इन्होंने **आदिग्रंथ** की रचना की।
- मुगल बादशाह **जहाँगीर** ने **गुरु अर्जुन देव** की हत्या 1606 ई. में **राजकुमार खुसरो** की सहायता करने के कारण करवा दी।
- सिखों के **छठे गुरु गुरु हरगोविंद** थे। इन्होंने सिखों को एक **सैन्य संगठन** का रूप दिया तथा **अकाल तख्त** का निर्माण भी कराया।
- सिखों के **सातवें गुरु गुरु हरराय** थे तथा इन्होंने दाराशिकोह को सहयोग प्रदान किया था।
- सिखों के **आठवें गुरु गुरु हरकिशन** थे। इन्होंने दिल्ली जाकर औरंगजेब को गुरु पद के बारे में समझाया था। इनकी मृत्यु चेचक से हुई थी।
- सिखों के **नौवें गुरु गुरु तेगबहादुर** थे। इस्लाम स्वीकार न करने के कारण औरंगजेब ने इनकी हत्या करवा दी थी।
- सिखों के **दसवें व अंतिम गुरु गुरु गोविंद सिंह** थे।
- गुरु गोविंद सिंह का जन्म 1666 ई. में **पटना** में हुआ था। इनके निवास स्थान को आनंदपुर साहिब कहते थे।
- गुरु गोविंद सिंह की मृत्यु 1708 ई. में **नांदेड़** नामक स्थान पर हुई।
- इन्होंने पाहुल प्रणाली की भी शुरुआत की।
- इन्होंने सिखों के लिए पाँच ककार (पंचमकार) अनिवार्य किए थे-
 1. केश 2. कंधा 3. कृपाण
 4. कच्छा 5. कड़ा
- इन्होंने ही पुरुषों के नाम के अंत में **सिंह** तथा महिला के नाम के अंत में **कौर** जोड़ने को कहा।
- **खालसा पंथ** की स्थापना 1699 ई. में बैसाखी के दिन गुरु गोविंद सिंह ने की थी।
- इनके दो पुत्र फतेह सिंह व जोरावर सिंह को वजीर खाँ ने दीवार में चिनवा दिया।
- गुरु गोविंद सिंह ने **आदिग्रंथ** को वर्तमान स्थायी रूप दिया था और यह भी कहा कि गुरुवाणी अब सिख संप्रदाय के लिए गुरु का काम करेगी।

- गुरु गोविंद सिंह की मृत्यु 1708 ई. में **नांदेड़** नामक स्थान पर हुई।
- इन्होंने पाहुल प्रणाली की भी शुरुआत की।
- इन्होंने सिखों के लिए पाँच ककार (पंचमकार) अनिवार्य किए थे-
 1. केश 2. कंधा 3. कृपाण
 4. कच्छा 5. कड़ा

- इन्होंने ही पुरुषों के नाम के अंत में **सिंह** तथा महिला के नाम के अंत में **कौर** जोड़ने को कहा।

- **खालसा पंथ** की स्थापना 1699 ई. में बैसाखी के दिन गुरु गोविंद सिंह ने की थी।

- इनके दो पुत्र फतेह सिंह व जोरावर सिंह को वजीर खाँ ने दीवार में चिनवा दिया।

- गुरु गोविंद सिंह ने **आदिग्रंथ** को वर्तमान स्थायी रूप दिया था और यह भी कहा कि गुरुवाणी अब सिख संप्रदाय के लिए गुरु का काम करेगी।

बन्दा बहादुर

- इनका जन्म 1670 ई. में पूँछ जिले के राजौरी गाँव में हुआ था। इनके बचपन का नाम लक्ष्मण देव था।
- इनके पिता का नाम रामदेव था।
- इन्होंने लौहगढ़ को अपनी राजधानी बनाया। इन्होंने गुरु नानक देव तथा गुरु गोविंद सिंह के नाम के सिक्के चलाए।
- इन्होंने सरहिंद प्रांत के मुगल फौजदार वजीर खाँ की हत्या कर दी।
- मुगल बादशाह फर्रुखसियर के आदेश पर 1716 ई. में बन्दा बहादुर को मृत्युदंड दिया गया।

महाराजा रणजीत सिंह

- इनका जन्म गुजराँवाला में **13 नवंबर, 1780** को हुआ था।
- **25 अप्रैल, 1809** को महाराजा रणजीत सिंह तथा चार्ल्स मेटकॉफ (ब्रिटिश ईस्ट इंडिया के प्रतिनिधित्वकर्ता) के बीच **अमृतसर की संधि** हुई।

- महाराजा रणजीत सिंह का विदेश मंत्री **फकीर अजीजुद्दीन** और वित्त मंत्री **दीनानाथ** था।
- महाराजा रणजीत सिंह की मृत्यु **1839 ई.** में हुई।
- भैरोवाल की संधि**, 1846 ई. में अंग्रेजों तथा राजा दलीप सिंह के बीच हुई।
- महाराजा रणजीत सिंह के अधीन पंजाब की धार्मिक राजधानी **अमृतसर** और राजनीतिक राजधानी **लाहौर** थी।

वैष्णव धर्म

- वैष्णव धर्म की जानकारी **उपनिषदों** से मिलती है।
- इसका विकास **भागवत धर्म** से हुआ था।
- वैष्णव धर्म के प्रवर्तक **वासुदेव कृष्ण** थे, जो **वृष्णवंशीय यादव** कबीले के थे। इनका निवास स्थान **मथुरा** था।
- श्रीकृष्ण** का सबसे पहले उल्लेख **छांदोग्य उपनिषद्** में मिलता है, जिसमें इनको **देवकीपुत्र** कहा गया है और **अंगिरस** का शिष्य भी बताया गया है।
- विष्णु के 10 अवतारों का उल्लेख **मत्स्य पुराण** में मिलता है।

प्रमुख मत तथा आचार्य

क्र.सं.	प्रमुख मत	आचार्य
1.	विशिष्टाद्वैत	रामानुजाचार्य
2.	शुद्धाद्वैत	वल्लभाचार्य
3.	द्वैत	मध्वाचार्य
4.	द्वैताद्वैत	निंबार्काचार्य

मगध राज्य (प्रमुख वंश)

हर्यक वंश

- हर्यक वंश का संस्थापक बिम्बिसार था, जो 544 ई.पू. में मगध की गद्दी पर बैठा। इसको श्रेणिक के नाम से भी जाना जाता था।
- बिम्बिसार ने ब्रह्मदत्त को हराकर अंग राज्य को मगध राज्य में मिला लिया।
- बिम्बिसार ने राजगृह को अपनी राजधानी बनाया।
- बिम्बिसार ने वैवाहिक संबंध स्थापित कर अपने साम्राज्य का विस्तार किया।
- बिम्बिसार ने लगभग 52 वर्षों तक मगध पर शासन किया।
- बिम्बिसार की हत्या इसके पुत्र अजातशत्रु ने कर दी और यह 492 ई.पू. में मगध की गद्दी पर बैठा।
- अजातशत्रु का उपनाम कुणिक था। इसका विवाह कोशल/कोसल नरेश प्रसेनजित की पुत्री वाजिरा के साथ हुआ था।
- अजातशत्रु प्रारंभ में जैन धर्म का अनुयायी था।
- अजातशत्रु ने लगभग 32 वर्षों तक मगध पर शासन किया।
- अजातशत्रु के मंत्री का नाम वत्सकार था। इसकी सहायता से अजातशत्रु ने वैशाली पर विजय प्राप्त की थी।
- अपने पिता अजातशत्रु की हत्या कर उदायिन मगध की गद्दी पर बैठा।
- उदायिन ने पाटलिपुत्र (कुसुमपुरा) की स्थापना की। यह जैन धर्म का अनुयायी था।
- हर्यक वंश के अंतिम राजा उदायिन का पुत्र नागदशक था।

शिशुनाग वंश

- नागदशक को उसके मंत्री शिशुनाग ने गद्दी से हटाकर 412 ई.पू. में शिशुनाग वंश की स्थापना की थी।
- शिशुनाग ने अपनी राजधानी पाटलिपुत्र से बदलकर वैशाली में स्थापित की थी।
- शिशुनाग ने अवंति तथा वत्स राज्यों को मगध साम्राज्य में मिला लिया।
- शिशुनाग का उत्तराधिकारी कालाशोक था।

नंद वंश

- नंद वंश का संस्थापक महापद्मनंद था।
- नंद वंश का अंतिम राजा धनानंद था।
- नंद वंश सर्वाधिक धनी राज्य एवं अपनी विशाल सेना के लिए प्रसिद्ध था।
- धनानंद सिकंदर के समकालीन था। इसको चन्द्रगुप्त मौर्य ने युद्ध में पराजित करके मगध पर मौर्य वंश की स्थापना की।

सिकंदर (यूनानी आक्रमणकारी)

- सिकंदर का जन्म 356 ई.पू. में हुआ था। इसके पिता का नाम फिलिप द्वितीय था। यह मकदूनिया का राजा था।
- सिकंदर का गुरु अरस्तू था। अरस्तू का गुरु प्लेटो तथा प्लेटो का गुरु सुकरात था।
- सिकंदर ने भारत पर 326 ई.पू. में आक्रमण किया था।
- सिकंदर का युद्ध पंजाब के राजा पुरु (पोरस) के साथ हुआ। यह युद्ध झेलम नदी पर लड़ा गया। इस युद्ध को इतिहास में **हाईडेस्पीज या झेलम (वितस्ता)** का युद्ध भी कहते हैं।
- 19 महीने तक भारत में रहने के पश्चात् सिकंदर की सेना ने व्यास नदी को पार करने से मना कर दिया था।
- सिकंदर की अंतिम विजय पाटल थी।
- सिकंदर के प्रिय घोड़े का नाम बरुकेफला था।
- सिकंदर 325 ई.पू. में भारत से लौटा। यह भारतीय दार्शनिक कालानास को अपने साथ ले गया।
- सिकंदर की मृत्यु 323 ई.पू. में 33 वर्ष की अवस्था में बेबीलोन में हो गई।

मौर्य वंश

- मौर्य वंश की स्थापना चन्द्रगुप्त मौर्य ने की थी।
- मौर्य शासन लगभग 137 वर्षों तक रहा।
- चन्द्रगुप्त मौर्य को सैंड्रोकोटस भी कहा जाता है।
- चन्द्रगुप्त मौर्य का प्रधानमंत्री चाणक्य था। इसकी सहायता से चन्द्रगुप्त मौर्य ने धनानंद को हराया था।
- चाणक्य/कौटिल्य ने अर्थशास्त्र नामक पुस्तक लिखी जिसका संबंध मौर्य साम्राज्य के प्रशासनिक एवं सैन्य संगठन से है।

SSC Selection Posts-2023

- मैकियावेली के प्रसिद्ध ग्रंथ प्रिंस की तुलना कौटिल्य के अर्थशास्त्र से की जाती है।
- मालवा, गुजरात व महाराष्ट्र को सर्वप्रथम चन्द्रगुप्त मौर्य ने जीता था।
- चन्द्रगुप्त मौर्य 322 ई.पू. में मगध की राजगद्दी पर बैठा।
- चन्द्रगुप्त मौर्य जैन धर्म का अनुयायी था। इसका धार्मिक गुरु भद्रबाहु था।

- सेल्यूकस निकेटर ने अपनी पुत्री कार्नेलिया की शादी चन्द्रगुप्त मौर्य के साथ कर दी।
- चन्द्रगुप्त मौर्य ने सेल्यूकस निकेटर को 500 हाथी उपहार में दिए थे।
- मेगस्थनीज जो सेल्यूकस निकेटर का राजदूत था, वह चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था। **SSC CPO-2024**
- मेगस्थनीज ने इंडिका नामक पुस्तक लिखी।
- चन्द्रगुप्त मौर्य के बारे में जानकारी रुद्रदामन प्रथम के जूनागढ़ अभिलेख से मिलती है। यह अभिलेख ब्राह्मी लिपि में है।
- चन्द्रगुप्त मौर्य और सेल्यूकस निकेटर के बीच हुए युद्ध का वर्णन एप्पियानस ने अपनी पुस्तक में किया।
- आमरण अनशन के कारण चन्द्रगुप्त मौर्य की मृत्यु 298 ई.पू. में श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) में हुई। **SSC CPO-2023**

बिन्दुसार

- चन्द्रगुप्त मौर्य का उत्तराधिकारी बिन्दुसार था। यह 298 ई.पू. में मगध की गद्दी पर बैठा।
- बिन्दुसार को अमित्रघात भी कहते थे। अमित्रघात का अर्थ- **शत्रु विनाशक** होता है।
- बिन्दुसार आजीवक संप्रदाय का अनुयायी था।
- बिन्दुसार के दरबार में डायमेकस नामक यूनानी राजदूत को सीरियन राजा एण्टियोकस प्रथम ने भेजा था। **SSC CGL-2024**
- बौद्ध विद्वान तारानाथ ने बिन्दुसार को 16 राज्यों का विजेता बताया था।
- जैन ग्रंथों में बिन्दुसार को सिंहसेन कहा गया है।
- तक्षशिला में हुए दो विद्रोहों को दबाने के लिए बिन्दुसार ने प्रथम बार सुसीम तथा द्वितीय बार अशोक को भेजा था। तक्षशिला में हुए इन विद्रोहों का मुख्य कारण अधिकारियों का दुर्व्यवहार था।

अशोक

- बिन्दुसार का उत्तराधिकारी अशोक महान हुआ जो 269 ई.पू. में मगध की राजगद्दी पर बैठा।
- राजगद्दी पर बैठने के समय अशोक अवर्ति (उज्जैन) का राज्यपाल था।
- अशोक ने कश्मीर में श्रीनगर बसाया।
- मास्की एवं गुर्जरा अभिलेख में अशोक का नाम अशोक मिलता है।
- पुराणों में अशोक को अशोकवर्धन कहा गया है।
- अशोक का नाम देवानापिय पियदस्सि (देवताओं का प्रिय) भी है। **SSC CGL-2024, SSC CPO-2024**
- अशोक ने राजगद्दी पर बैठने के 8 वर्ष बाद 261 ई.पू. में कलिंग पर आक्रमण कर दिया और कलिंग की राजधानी तोसली पर अधिकार कर लिया।
- कलिंग के युद्ध में भयंकर मार-काट को देखकर अशोक को बहुत दुःख हुआ और उसने कभी-भी युद्ध न करने का निर्णय लिया। इस युद्ध के बाद अशोक ने बौद्ध धर्म अपना लिया। **SSC CPO-2023**
- अशोक के प्रधानमंत्री का नाम राधागुप्त तथा अशोक के धार्मिक गुरु का नाम उपगुप्त था।
- राधागुप्त की सहायता से मौर्य शासक अशोक ने मगध का सिंहासन प्राप्त किया था। **IB ACIO Grade-II 2024**
- अशोक की माता का नाम सुभद्रांगी था। वह चंपा के एक ब्राह्मण की पुत्री थी।

- भारत में शिलालेख का सर्वप्रथम प्रचलन अशोक ने किया।
- मौर्य शासक अशोक के मुख्य शिलालेखों की संख्या 14 हैं। **SSC CPO-2024**
- मौर्य शासक अशोक के प्रथम शिलालेख में पशु बलि पर प्रतिबंध की घोषणा की गई थी। **SSC CPO-2024**
- अशोक द्वारा शिलालेखों में ब्राह्मी, खरोष्ठी, ग्रीक एवं आरमेइक लिपि का प्रयोग हुआ है।
- अशोक ने बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए अपने पुत्र महेन्द्र एवं पुत्री संघमित्रा को श्रीलंका भेजा। **SSC CPO-2024**
- अशोक के शिलालेख 1837 ई. में सर्वप्रथम जेम्स प्रिंसेप ने पढ़े थे।
- अशोक के शिलालेख की खोज 1750 ई. में फेन्थेलेर ने की थी।
- अशोक के दरबार में डायोनिसियस नामक राजदूत आया था, जो मिस्र के राजा फिलाडेल्फस (टॉलमी द्वितीय) ने भेजा था।
- कलिंग के युद्ध का वर्णन अशोक के 13वें शिलालेख में है। **SSC CGL-2024**
- अशोक के समय में मौर्य साम्राज्य में प्रांतों की संख्या पाँच थी।
- मध्य प्रदेश में स्थित **साँची के स्तूप** का निर्माण तथा सारनाथ के स्तंभ का निर्माण अशोक ने करवाया था। **SSC MTS-2023**
- मौर्य वंश का अंतिम शासक बृहद्रथ था। बृहद्रथ की हत्या इसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने 185 ई.पू. में कर दी तथा शुंग वंश की नींव डाली। **SSC CPO-2023**

मौर्योत्तर काल (प्रमुख देशी शासक)**शुंग वंश**

- पुष्यमित्र शुंग, शुंग वंश का संस्थापक था। यह मौर्य शासक बृहद्रथ का सेनापति था।
- पुष्यमित्र शुंग ब्राह्मण जाति का था।
- इस युग में प्रथम स्मृति ग्रंथ मनु स्मृति के वर्तमान स्वरूप की रचना की गई।
- पुष्यमित्र शुंग ने अपने राजपुरोहित पतंजलि से दो अश्वमेध यज्ञ कराए।
- पुष्यमित्र शुंग को कलिंग नरेश खारवेल ने पराजित किया था।
- कलिंग नरेश खारवेल जैन धर्म का अनुयायी था।
- शुंग वंश का अंतिम शासक देवभूति था।

कण्व वंश

- देवभूति की हत्या वासुदेव ने कर दी और मगध की गद्दी पर कण्व वंश की नींव डाली।
- कण्व वंश का अंतिम राजा सुशर्मा/सुशर्मन था।
- सुशर्मा/सुशर्मन की हत्या शिमुक/सिमुक ने कर दी और सातवाहन वंश की नींव डाली।

सातवाहन वंश

- सातवाहन वंश की राजधानी प्रतिष्ठान/पैठाण थी, जो महाराष्ट्र में गोदावरी नदी के किनारे स्थित थी।
- सातवाहन वंश को अहार या राष्ट्र नामक उपविभागों में विभाजित किया गया था जिसका अर्थ- **जिला** था। **SSC CGL-2024**

- सातवाहन वंश की भाषा प्राकृत और लिपि ब्राह्मी थी।
- सातवाहनों में मातृसत्तात्मक सामाजिक व्यवस्था थी।
- ब्राह्मणों को भूमि दान में देने की प्रथा का आरंभ सातवाहन वंश के शासकों ने किया।

SSC Selection Posts-2023

- गौतमी पुत्र शातकर्णी इस वंश का सबसे शक्तिशाली एवं महान राजा था।
- गौतमी पुत्र शातकर्णी ने राजराजा और महाराजा की उपाधि धारण की थी।

SSC CGL-2024

मौर्योत्तर काल (प्रमुख विदेशी शासक)

- भारत पर आक्रमण करने वाले प्रमुख विदेशी आक्रमणकारियों का क्रम निम्नलिखित हैं-
1. हिंद-यूनानी 2. शक 3. पहलव 4. कुषाण

हिंद-यूनानी

- सर्वप्रथम भारत की सीमा में प्रवेश करने का श्रेय डेमेट्रियस प्रथम को जाता है। इसने साकल को अपनी राजधानी बनाया।
- हिंद-यूनानी शासकों में सबसे विख्यात शासक मिनाण्डर था।
- इसकी राजधानी साकल (आधुनिक सियालकोट) थी। यह शिक्षा का प्रमुख केन्द्र थी।
- मिनाण्डर ने नागार्जुन (नागसेन) से बौद्ध धर्म की दीक्षा ली।
- मिनाण्डर के प्रश्न तथा नागसेन द्वारा दिए गए उत्तर एक बौद्ध ग्रंथ में है, इस ग्रंथ का नाम मिलिन्दपन्हो है।
- भारत में सबसे पहले सोने के सिक्के हिंद-यूनानियों ने चलाए थे।
- हेलेनिस्टिक कला हिंद-यूनानियों द्वारा चलाई गई एक प्राचीन कला थी।
- भारतीय रंग-मंच में यवनिका (पर्दे) का प्रचलन भी हिंद-यूनानियों ने कराया था।

शक

- यूनानियों के बाद शक आए। शकों की पाँच शाखाएँ थी।
- शक मूलतः मध्य एशिया के निवासी थे। शक भारत में बोलन दर्रे से आए थे।
- प्रथम शक राजा मोगा था। यह तक्षशिला के प्रमुख शासकों में से एक था।
- शकों का सबसे प्रतापी राजा रुद्रदामन प्रथम था जिसका शासन गुजरात के एक बड़े भाग पर था।
- रुद्रदामन प्रथम ने मौर्यों द्वारा निर्मित सुदर्शन झील (गुजरात) का जीर्णोद्धार करवाया।
- रुद्रदामन प्रथम ने मौर्यों द्वारा निर्मित सुदर्शन झील (गुजरात) का जीर्णोद्धार करवाया।
- रुद्रदामन प्रथम संस्कृत भाषा का बड़ा प्रेमी था। इसने विशुद्ध संस्कृत भाषा में सबसे पहले जूनागढ़ अभिलेख जारी किया।
- रुद्रदामन का गिरनार शिलालेख शुद्ध संस्कृत भाषा में लिखित प्रारंभिक भारत का पहला राजकीय शिलालेख है।

SSC CGL-2023, 2024

SSC CGL-2024

पहलव/पार्थियन

- पार्थियन लोगों का मूल निवास स्थान ईरान को माना जाता है।
- पश्चिमोत्तर भारत में शकों के आधिपत्य के पश्चात् पार्थियन लोगों का आधिपत्य हुआ था।
- भारत में पार्थियन साम्राज्य का वास्तविक संस्थापक मिथ्रेडेत्स प्रथम था।

कुषाण

- पहलवों के बाद में कुषाण आए जो यूची और तोखरी भी कहलाते थे।
- यूची नामक एक कबीला पाँच भागों में विभाजित था। उनमें से एक कुषाण थे।
- कुषाण वंश की स्थापना कुजुल कडफिसस ने 15 ई. में की थी।
- इस वंश का सबसे महान राजा कनिष्क था। इसकी राजधानी पुरुषपुर (पेशावर) थी।
- कुषाणों की दूसरी राजधानी मथुरा थी। कनिष्क ने 78 ई. में गद्दी पर बैठने के समय एक संवत् चलाया, जो शक संवत् कहलाता है। वर्तमान में यह संवत् भारत सरकार द्वारा प्रयोग में लाया जा रहा है।
- कनिष्क बौद्ध धर्म के महायान संप्रदाय का अनुयायी था।
- कुषाण शासकों ने बड़ी संख्या में स्वर्ण मुद्राएँ जारी कीं।
- कनिष्क ने कश्मीर विजय के बाद वहाँ कनिष्कपुर नगर बसाया। इसने महाराजा देवपुत्र कनिष्क की उपाधि ली थी।
- कुषाण वंश के प्रसिद्ध शासक कनिष्क को द्वितीय अशोक के उपनाम से भी जाना जाता था।
- कनिष्क के दरबार में चरक (राजवैद्य) रहता था, जिसने चरक संहिता लिखी।
- अश्वघोष कनिष्क का राजकवि था तथा इसने बुद्धचरितम् नामक पुस्तक लिखी।
- कनिष्क के दरबार में नागार्जुन, वसुमित्र, पार्श्व जैसे विद्वान भी रहते थे।
- नागार्जुन ने माध्यमिक सूत्र नामक पुस्तक लिखी थी। नागार्जुन को भारत का आइंस्टीन भी कहा जाता है।
- कुषाण वंश का अंतिम शासक वासुदेव द्वितीय था।
- गांधार शैली तथा मथुरा शैली का विकास कनिष्क के शासनकाल में सर्वाधिक हुआ था।
- रेशम बनाने की सबसे पहले तकनीक का आविष्कार चीन में हुआ।
- रेशम मार्ग पर नियंत्रण रखने वाले शासकों में सबसे प्रसिद्ध कुषाण थे। इससे कुषाणों को बहुत अधिक आय होती थी।

SSC MTS-2023

SSC CPO-2023

गुप्त वंश

- गुप्त वंश का उदय तीसरी शताब्दी के अंत में हुआ था।
- गुप्त वंश का संस्थापक श्रीगुप्त था तथा इसका उत्तराधिकारी घटोत्कच हुआ।
- गुप्त वंश का प्रथम महान सम्राट चन्द्रगुप्त प्रथम था। यह 319 ई. में गद्दी पर बैठा। इसे ही गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।
- चन्द्रगुप्त प्रथम ने लिच्छवी राजकुमारी कुमारदेवी से विवाह किया।
- चन्द्रगुप्त प्रथम ने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की। चन्द्रगुप्त प्रथम ने गुप्त संवत् (319-20 ई.) चलाया।
- चन्द्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी समुद्रगुप्त था।
- समुद्रगुप्त को भारत का नेपोलियन कहते हैं। समुद्रगुप्त को भारत का नेपोलियन विंसेट स्मिथ ने कहा था।
- समुद्रगुप्त की प्रमुख उपाधि: अप्रतिरथ, पराक्रमांक, व्याघ्रपराक्रमांक, परमभागवत, कविराज।
- समुद्रगुप्त का दरबारी कवि हरिषेण था, जिसने प्रयाग प्रशस्ति लेख की रचना की थी।

- समुद्रगुप्त विष्णु का उपासक था।
- समुद्रगुप्त संगीत प्रेमी भी था। इसे इसके सिक्कों पर वीणा बजाते हुए दिखाया गया है।
- समुद्रगुप्त का उत्तराधिकारी चन्द्रगुप्त द्वितीय हुआ, जो 380 ई. में गद्दी पर बैठा।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय ने **विक्रमादित्य** की उपाधि धारण की इसलिए इसे चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य भी कहते हैं। **SSC MTS-2023**
- चन्द्रगुप्त द्वितीय के समय में चीनी बौद्ध यात्री फाह्यान भारत आया था।
- शकों पर विजय के उपलक्ष्य में चन्द्रगुप्त द्वितीय ने चाँदी के सिक्के चलाए।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय के दरबार में कालिदास, धन्वतरि, क्षपणक, **अमरसिंह**, शंकु, बेतालभट्ट, घटकपर्, वराहमिहिर एवं वररुचि जैसे विद्वान रहते थे। **SSC Selection Posts-2024**
- चन्द्रगुप्त द्वितीय का उत्तराधिकारी **कुमारगुप्त प्रथम** था, जिसका कार्यकाल (415-455 ई.) तक था। **SSC MTS-2023**
- कुमारगुप्त प्रथम की मुद्रा मयूर आकृति की थी।
- नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना कुमारगुप्त प्रथम ने की।
- कुमारगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी स्कन्दगुप्त था, जिसका कार्यकाल (455-467 ई.) तक था।
- हूणों का प्रथम आक्रमण स्कन्दगुप्त के काल में हुआ।
- जूनागढ़ अभिलेख में हूणों को म्लेच्छ कहा गया है।
- हूणों का प्रतापी शासक तोरमाण था।
- गुप्त वंश का अंतिम शासक विष्णुगुप्त तृतीय था।
- गुप्त काल में पुलिस विभाग के बड़े अधिकारी को दंडपाशिक कहा जाता था।
- गुप्त राजाओं ने सर्वाधिक स्वर्ण मुद्राएँ जारी की, जिन्हें दीनार कहा जाता था।
- पहली बार सती होने का प्रमाण 510 ई. में भानुगुप्त के ऐरण अभिलेख से मिलता है। **SSC CGL-2023**
- गरुड़ गुप्त वंश का राजकीय चिह्न था।
- अजन्ता की गुफाओं का निर्माण गुप्त काल में हुआ।
- बाघ की गुफा का निर्माण भी गुप्त काल में ही हुआ था।
- मंदिर बनाने की कला का जन्म भी गुप्त काल में ही हुआ था।
- गुप्त राजाओं की शासकीय भाषा संस्कृत थी।
- गुप्त काल में दास प्रथा भी प्रचलित थी।
- संस्कृत भाषा के प्रसिद्ध कवि कालिदास के द्वारा रचित अभिज्ञानशाकुन्तलम्, प्रथम भारतीय रचना है जिसका अनुवाद यूरोपीय भाषा में हुआ।
- सांस्कृतिक उपलब्धियों के कारण गुप्त काल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग कहा जाता है।

गुप्तोत्तर काल

पुष्यभूति वंश या वर्द्धन वंश

- इस वंश का संस्थापक पुष्यभूति था। इसकी राजधानी थानेश्वर थी।
- इस वंश का प्रथम प्रतापी राजा प्रभाकरवर्द्धन हुआ। इसने परम भट्टारक की

उपाधि धारण की। यह इस वंश का चौथा शासक था। इसकी पत्नी का नाम यशोमति था, वह अपने पति के साथ सती हो गई थी। इसके दो पुत्र थे-

1. राज्यवर्द्धन
 2. हर्षवर्द्धन
- इसकी पुत्री का नाम राज्यश्री था। राज्यश्री का विवाह कन्नौज के राजा गृहवर्मन के साथ हुआ।
 - मालवा के शासक देवगुप्त ने गृहवर्मन की हत्या कर दी और राज्यश्री को बन्दी बनाकर कारागार में डाल दिया।
 - राज्यवर्द्धन ने देवगुप्त को मार डाला, परन्तु देवगुप्त के मित्र गौड़ राजा शशांक ने राज्यवर्द्धन को मार दिया।
 - शशांक शैव धर्म का अनुयायी था। इसने बोधिवृक्ष को कटवा दिया था।
 - राज्यवर्द्धन की मृत्यु के बाद 606 ई. में हर्षवर्द्धन थानेश्वर की गद्दी पर बैठा। इसको शिलादित्य के नाम से भी जाना जाता है। हर्षवर्द्धन ने कुल 41 वर्षों तक शासन किया। हर्षवर्द्धन ने शशांक को पराजित करके कन्नौज पर अधिकार कर इसे अपनी राजधानी बनाया।
 - हर्षवर्द्धन और पुलकेशिन द्वितीय के बीच नर्मदा नदी के तट पर युद्ध हुआ, जिसमें हर्षवर्द्धन की पराजय हुई।
 - पुलकेशिन द्वितीय ने उत्तर भारत के शासक हर्षवर्द्धन को पराजित करके दक्षिणपथेश्वर (दक्षिण का स्वामी) की उपाधि धारण की थी।

SSC CGL-2024

- चीनी यात्री ह्वेनसांग हर्षवर्द्धन के दरबार में भारत आया था। वह नालंदा विश्वविद्यालय में पढ़ने के लिए भारत आया था। **SSC CGL-2023**
- ह्वेनसांग ने शूद्रों को कृषक कहा है।
- ह्वेनसांग के अनुसार, ध्रुवसेन द्वितीय प्रयाग (इलाहाबाद) में हर्षवर्द्धन की सभा में शामिल हुए थे। **SSC CGL-2023**
- प्रारंभ में हर्षवर्द्धन शिव की पूजा करता था, परन्तु ह्वेनसांग से मिलने के बाद वह बौद्ध धर्म की महायान शाखा से जुड़ गया।
- बाणभट्ट हर्षवर्द्धन का दरबारी कवि था, जिसने हर्षचरित तथा कादम्बरी नामक पुस्तकें लिखी। **SSC CPO-2024**
- हर्षवर्द्धन के शासनकाल की अवधि (606-647 ई. तक) है।

SSC CGL-2023

- हर्षवर्द्धन द्वारा रचित नाटक-
 1. प्रियदर्शिका
 2. रत्नावली
 3. नागानन्द
- हर्षवर्द्धन ने ये तीनों नाटक संस्कृत भाषा में लिखे थे।
- हर्षवर्द्धन के समय में मथुरा सूती वस्त्रों के लिए प्रसिद्ध था।
- हर्षवर्द्धन को भारत का अंतिम हिन्दू सम्राट माना जाता है।

पाल वंश

- पाल वंश की स्थापना 750 ई. (8वीं शताब्दी) में गोपाल ने की थी। **SSC CGL-2024**
- पाल शासकों ने बंगाल प्रांत में अपना प्रभुत्व स्थापित किया था। **SSC JE-2024**
- गोपाल बौद्ध धर्म का अनुयायी था। गोपाल ने ओदन्तपुरी में एक मठ की स्थापना की थी।
- पाल वंश के अन्य प्रमुख शासक धर्मपाल, देवपाल, महिपाल प्रथम, रामपाल आदि थे।

- पाल वंश के शासक बौद्ध धर्म के अनुयायी थे।
- पाल वंश का सबसे महान शासक धर्मपाल था।
- धर्मपाल ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की थी।

SSC CGL-2024

- सोमपुर महाविहार का निर्माण धर्मपाल ने कराया था।
- कन्नौज के लिए त्रिपक्षीय संघर्ष में सबसे पहले पाल वंश की तरफ से धर्मपाल ने भाग लिया था।
- अरब यात्री सुलेमान ने देवपाल को प्रतिहार राष्ट्रकूट शासकों से अधिक शक्तिशाली बताया है।
- देवपाल ने नालंदा में बौद्ध विहार बनवाने के लिए 5 गाँवों की आमदनी दे दी थी।

नोट- पाल, प्रतिहार एवं राष्ट्रकूट राजवंश के मध्य त्रिपक्षीय संघर्ष हुआ था।

SSC CGL-2024

सेन वंश

- सेन वंश की स्थापना सामंत सेन ने की थी।
- सेन वंश का प्रथम महान शासक विजय सेन था, जो शैव धर्म का अनुयायी था।
- लक्ष्मण सेन बंगाल का अंतिम हिन्दू शासक था। हलायुद्ध लक्ष्मण सेन का न्यायाधीश तथा मंत्री था।
- लक्ष्मण सेन के दरबार में जयदेव रहता था, जिसने गीत गोविंद नामक पुस्तक लिखी।

गुर्जर प्रतिहार वंश

- मिहिरभोज की ग्वालियर प्रशास्ति में प्रतिहारों ने स्वयं को मर्यादा पुरुषोत्तम राम के अनुज लक्ष्मण का वंशज बताया है।
- इस वंश की स्थापना हरिश्चन्द्र नामक राजा ने की, किन्तु इस वंश का प्रथम वास्तविक महत्त्वपूर्ण शासक नागभट्ट प्रथम बताया गया है।
- मिहिरभोज प्रथम (836-885 ई.) इस वंश का प्रतापी शासक था।
- मिहिरभोज ने राष्ट्रकूट शासक कृष्ण द्वितीय को हराकर मालवा प्राप्त किया।
- मिहिरभोज वैष्णव धर्मानुयायी था।
- मिहिरभोज ने अपनी राजधानी कन्नौज को बनाया।
- मिहिरभोज के बाद उसके पुत्र महेन्द्रपाल प्रथम (885-910 ई.) ने शासन किया।
- गुर्जर प्रतिहार वंश का अंतिम शासक यशपाल था।

तोमर वंश

- तोमर वंश की स्थापना अनंगपाल तोमर ने की थी।
- अनंगपाल तोमर ने दिल्ली नगर की स्थापना की और इसे अपनी राजधानी बनाया।

शाकंभरी का चौहान वंश

- चौहान वंश की स्थापना वासुदेव ने अजमेर के निकट शाकंभरी में की।
- वासुदेव ने अपनी राजधानी अहिच्छत्रपुर में स्थापित की।
- अजयराज (पृथ्वीराज प्रथम के पुत्र) ने अजमेर नगर की स्थापना की और इसे अपनी राजधानी बनाया।
- विग्रहराज चतुर्थ की रचना का नाम हरिकेलि/हरिकेल नाटक है। इसका दरबारी कवि सोमदेव था।

- इस वंश का सबसे शक्तिशाली राजा विग्रहराज चतुर्थ हुआ। इसने तोमर राजाओं को हराकर दिल्ली पर अधिकार कर लिया। अढ़ाई दिन का झोंपड़ा; जोकि अजमेर में स्थित एक मस्जिद है, शुरू में यह विग्रहराज चतुर्थ द्वारा बनवाया गया एक संस्कृत विद्यालय था।

- इस वंश का प्रसिद्ध राजा पृथ्वीराज तृतीय था। चन्द्रबरदाई इसका दरबारी कवि था जिसने पृथ्वीराज रासो लिखी।

SSC CGL-2024

महत्त्वपूर्ण तथ्य

- तराईन का प्रथम युद्ध 1191 ई. में पृथ्वीराज चौहान तथा मुहम्मद गौरी के बीच हुआ। इस युद्ध में पृथ्वीराज चौहान की जीत हुई।
- तराईन का द्वितीय युद्ध 1192 ई. में पृथ्वीराज चौहान तथा मुहम्मद गौरी के बीच हुआ। इस युद्ध में पृथ्वीराज चौहान की हार हुई। तराईन के द्वितीय युद्ध में विजय के पश्चात् मुहम्मद गौरी ने पृथ्वीराज चौहान के पुत्र गोविंद को अपनी अधीनता में अजमेर का शासक बनाया था।

चंदेल वंश

- इस वंश की स्थापना ननुक ने 9वीं शताब्दी में की थी। इनकी राजधानी खजुराहो थी।
- इस वंश का प्रथम प्रतापी राजा यशोवर्मन था। इसने कन्नौज पर आक्रमण कर दिया और प्रतिहार राजा देवपाल को हराया।
- यशोवर्मन ने खजुराहो के प्रसिद्ध चतुर्भुज मंदिर (विष्णु मंदिर) का निर्माण करवाया।
- कंदरिया महादेव मंदिर का निर्माण राजा विद्याधर ने कराया।
- विद्याधर एकमात्र ऐसा राजा हुआ है, जिसने महमूद गजनवी का विरोध किया था।
- विद्याधर ने गुर्जर प्रतिहार शासक राज्यपाल की हत्या कर दी थी, क्योंकि उसने महमूद गजनवी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था।
- इस वंश का अंतिम शासक परमर्दिदेव या परमल था।

परमार वंश

- परमार वंश का संस्थापक **उपेन्द्र (कृष्णराज)** था। इसकी राजधानी धारा नगरी थी।
- पूर्व में परमारों की राजधानी उज्जैन थी।
- इस वंश का महान शासक राजा भोज था। भोज को कविराज के उपनाम से जाना जाता है। इसने भोजसर तालाब तथा भोजपुर नगर की स्थापना की। राजा भोज ने अपनी राजधानी में सरस्वती मंदिर का निर्माण करवाया था।

SSC Selection Posts-2023

तुर्कों के आक्रमण से पूर्व प्रमुख भारतीय राजवंश

राष्ट्रकूट वंश

- प्रारंभ में राष्ट्रकूट कर्नाटक के चालुक्यों के अधीनस्थ थे।
- इसका संस्थापक दन्तिदुर्ग (752 ई.) था। इसकी राजधानी मान्यखेत थी। इसका उत्तराधिकारी कृष्ण प्रथम था।
- राष्ट्रकूट वंश में कृष्ण प्रथम, कृष्ण द्वितीय, ध्रुव प्रथम, इन्द्र तृतीय, गोविंद तृतीय, कृष्ण तृतीय आदि शासक थे।
- एलोरा का भव्य कैलाश मंदिर राष्ट्रकूट राजा कृष्ण प्रथम के शासनकाल के दौरान बनाया गया था।

SSC Selection Posts-2023

SSC CGL-2024

- ध्रुव प्रथम राष्ट्रकूट वंश का पहला शासक था, जिसने कन्नौज पर अधिकार करने हेतु त्रिपक्षीय संघर्ष में भाग लिया और विजय प्राप्त की।
- ध्रुव को धारावर्ष भी कहा जाता था।
- ध्रुव का उत्तराधिकारी गोविंद तृतीय था। इसके बाद अमोघवर्ष राजगद्दी पर बैठा।
- राष्ट्रकूट वंश का राजा अमोघवर्ष जैन धर्म को मानता था।
- आदि पुराण का लेखक जिनसेन अमोघवर्ष के दरबार में रहता था। महान गणितज्ञ महावीराचार्य भी इसके दरबार में रहते थे।
- राष्ट्रकूट वंश का अंतिम महान शासक कृष्ण तृतीय था। इसी के दरबार में कन्नड़ का कवि पोन्न रहता था, जिसने शान्ति पुराण नामक पुस्तक लिखी।
- इन्द्र तृतीय के शासनकाल में अरब निवासी अलमसूदी भारत आया था।
- राष्ट्रकूटों ने अपने राज्य में मुसलमान व्यापारियों को बसने तथा इस्लाम के प्रचार की स्वीकृति दी थी।
- इस वंश का अंतिम राजा कर्क द्वितीय था, जिसको चालुक्य वंश के शासक तैलप द्वितीय ने हराया था।

पल्लव वंश

- पल्लव वंश का वास्तविक संस्थापक सिंह विष्णु को माना जाता है। इसकी राजधानी काँचीपुरम थी।
- सिंह विष्णु के दरबार में लेखक भारवि रहता था, जिसने किरातार्जुनीयम् नामक पुस्तक लिखी।
- महेन्द्र वर्मन प्रथम, नरसिंह वर्मन प्रथम, महेन्द्र वर्मन द्वितीय, परमेश्वर वर्मन प्रथम, नरसिंह वर्मन द्वितीय आदि इस वंश के प्रमुख शासक थे।

SSC CGL-2024

- पल्लव वंश का अंतिम शासक अपराजितवर्मन था।
- महाबलीपुरम के रथ मंदिर का निर्माण पल्लव शासक नरसिंह वर्मन प्रथम ने कराया था।
- नरसिंह वर्मन प्रथम ने वातापीकोण्ड की उपाधि धारण की थी। यह इस वंश का सबसे शक्तिशाली शासक था।
- अरबों के आक्रमण के समय पल्लवों का शासक नरसिंह वर्मन द्वितीय था।
- नरसिंह वर्मन द्वितीय ने आगमप्रिय की उपाधि धारण की थी।
- नरसिंह वर्मन द्वितीय ने काँची के कैलाशनाथ मंदिर का निर्माण कराया। इस मंदिर का निर्माण द्रविड़ शैली में हुआ था।
- नरसिंह वर्मन द्वितीय का दरबारी कवि दंडी/दंडिन था, जिसने दशकुमारचरितम् नामक पुस्तक लिखी।

चोल वंश

- चोल पल्लवों के सामंत थे।
- इस वंश का संस्थापक विजयालय था।
- विजयालय ने नरकेसरी की उपाधि धारण की थी। इसकी राजधानी तंजौर थी।
- चोल वंश का प्रतीक बाघ था।
- आदित्य प्रथम ने पल्लवों को हराने के बाद कोदंडराम की उपाधि धारण की।
- राजारज प्रथम ने श्रीलंका पर आक्रमण किया था।
- राजारज प्रथम शैव धर्म का अनुयायी था।

SSC CGL-2024

- तंजौर में राजाराजेश्वर मंदिर (बृहदेश्वर मंदिर) राजाराज प्रथम ने बनवाया था। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है।
- सबसे महान चोल शासकों में से एक राजाराज प्रथम ने 985 ई. से 1014 ई. तक शासन किया था।
- चोल साम्राज्य का सर्वाधिक विस्तार राजेन्द्र प्रथम ने किया। श्रीलंका में बौद्ध विहारों को राजेन्द्र प्रथम ने नुकसान पहुँचाया। इसने पाल वंश के शासक महिपाल को हराकर गंगईकोण्डचोल की उपाधि धारण की।
- राजेन्द्र प्रथम ने अपनी नई राजधानी गंगईकोण्डचोलपुरम में बनाई।
- चोल वंश का अंतिम शासक राजेन्द्र तृतीय था।
- स्थानीय स्वशासन चोल वंश की मुख्य विशेषता थी।
- चोल काल में भूमिकर उपज का 1/3 भाग होता था।
- चोल काल में मानक सिक्के को कलंजु कहा जाता था।
- चोल काल का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण बन्दरगाह कावेरीपट्टनम था।
- चोल वंश की नौसेना शक्ति को भारतीय इतिहास में बहुत शक्तिशाली माना गया है।
- नटराज प्रतिमा को चोल कला का सांस्कृतिक निचोड़ कहा जाता है।

SSC MTS-2023

SSC CGL-2024

मध्यकालीन भारत का इतिहास

अरब एवं तुर्क आक्रमण

- चचनामा पुस्तक से हमें अरबों के सिंध पर आक्रमण की जानकारी मिलती है।
- भारत पर सबसे पहले मुहम्मद बिन कासिम (अरबी) ने 711 ई. में सिंध पर आक्रमण किया और विजय प्राप्त की। (कुछ स्रोतों के अनुसार, 712 ई.)
- आक्रमण के समय सिंध पर दाहिर का शासन था। सिंध पर आक्रमण का आदेश अरब के सूबेदार अल-हज्जाज ने दिया था।
- भारत पर अरबों के आक्रमण का प्रमुख उद्देश्य धन-दौलत को लूटना तथा इस्लाम धर्म का प्रचार करना था।
- अरबों के सिंध पर विजय की जानकारी चचनामा से प्राप्त होती है।
- अरबों ने सिंध में ऊँट पालन और खजूर की खेती का भी प्रचलन किया।

SSC CGL-2024

SSC CGL-2022

महमूद गजनी

- महमूद गजनी का जन्म 971 ई. में हुआ था।
- महमूद गजनी के पिता का नाम सुबुक्तगीन था।
- महमूद गजनी 998 ई. में राजगद्दी पर बैठा।
- महमूद गजनी ने भारत पर पहला आक्रमण 1000 ई. में किया।
- महमूद गजनी ने भारत पर 17 बार आक्रमण किया। इसके आक्रमण का प्रमुख उद्देश्य भी धन को लूटना था।
- महमूद गजनी एक मूर्तिभंजक आक्रमणकारी था। महमूद गजनी ने 1001 ई. में राजा जयपाल को हराया।
- महमूद गजनी ने 1025-26 ई. के दौरान सोमनाथ के मंदिर (सौराष्ट्र, गुजरात) पर आक्रमण किया।
- महमूद गजनी का भारत पर अंतिम आक्रमण 1027 ई. में जाटों के विरुद्ध था।

SSC MTS-2023

- महमूद गजनी ने गजनी में एक विश्वविद्यालय भी स्थापित किया था।
- अलबरूनी, फिरदौसी, उल्बी तथा फरूखी जैसे विद्वान महमूद गजनी के दरबार में रहते थे।
- अलबरूनी मुख्य रूप से अरबी भाषा में लिखता था।

DP Const. 2020

- शाहनामा की रचना फिरदौसी ने की तथा किताब-उल-हिन्द की रचना अलबरूनी ने की। ये दोनों महमूद गजनी के साथ भारत आए थे।
- महमूद गजनी की मृत्यु 1030 ई. में हुई।

मुहम्मद गौरी

- मुहम्मद गौरी ने भारत पर पहला आक्रमण 1175 ई. में मुल्तान पर किया तथा दूसरा आक्रमण 1178 ई. में पाटन (गुजरात) पर किया।
- पाटन के शासक भीम द्वितीय ने मुहम्मद गौरी को बुरी तरह हराया था।
- चंदावर का युद्ध मुहम्मद गौरी और जयचन्द के बीच 1194 ई. में हुआ। इस युद्ध में मुहम्मद गौरी की जीत हुई।

SSC CGL-2024, SSC CHSL-2023

- मुहम्मद गौरी के साथ आने वाला प्रथम सूफी संत शेख मुईनुद्दीन चिश्ती था।
- मुहम्मद गौरी के सिक्कों पर देवी लक्ष्मी की आकृति अंकित थी।
- मुहम्मद गौरी की हत्या 1206 ई. में हुई।

दिल्ली सल्तनत**गुलाम वंश/मामलूक वंश: (1206-1290 ई. तक)**

- गुलाम वंश की स्थापना 1206 ई. में कुतुबुद्दीन ऐबक ने की थी।
- गुलाम वंश को मामलूक वंश के नाम से भी जाना जाता है।

IB ACIO Grade-II 2024

- कुतुबुद्दीन ऐबक मुहम्मद गौरी का गुलाम था तथा मुहम्मद गौरी के समय यह दिल्ली का गवर्नर भी था।
- कुतुबुद्दीन ऐबक ने अपनी राजधानी लाहौर बनाई थी।
- कुतुबुद्दीन ऐबक को लाख बख्शा भी कहा जाता है जिसका अर्थ है- लाखों का दान देने वाला।
- कुतुबुद्दीन ऐबक का अर्थ- चन्द्रमा का स्वामी भी होता है।
- कुतुबुद्दीन ऐबक ने दिल्ली की कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद तथा अजमेर की अढ़ाई दिन का झोंपड़ा नामक मस्जिद का निर्माण करवाया।
- दिल्ली की कुतुबमीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने प्रारंभ करवाया।
- कुतुबुद्दीन ऐबक ने अपनी पुत्री की शादी इल्तुतमिश से की थी।
- नालंदा विश्वविद्यालय को बख्तियार खिलजी ने ध्वस्त करवाया, जो कुतुबुद्दीन ऐबक का सेनापति था।
- कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु 1210 ई. में चौगान (पोलो) खेलते हुए घोड़े से गिरकर हो गई। इसे लाहौर में दफनाया गया। **SSC CPO-2023**
- कुतुबुद्दीन ऐबक का उत्तराधिकारी आरामशाह हुआ, जिसकी हत्या इल्तुतमिश ने की और वह दिल्ली की गद्दी पर बैठा।
- इक्ता प्रणाली इल्तुतमिश ने चलाई। इल्तुतमिश दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक था। यह एक इल्बरी तुर्क था।

- इल्तुतमिश ने 40 तुर्क अमीर तथा गुलामों का एक संगठन बनाया जिसे तुर्कान-ए-चहलगानी के नाम से जाना जाता है।

- इल्तुतमिश ने सबसे पहले शुद्ध अरबी सिक्के जारी किए।
- इसके समय चाँदी के सिक्कों को टंका तथा ताँबे के सिक्कों को जीतल कहा जाता था। **SSC CGL-2024**

- इल्तुतमिश, कुतुबुद्दीन ऐबक का गुलाम तथा दामाद था। कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु के समय इल्तुतमिश बदायूँ का गवर्नर था।
- इल्तुतमिश अपनी राजधानी लाहौर से बदलकर दिल्ली लाया। इल्तुतमिश पहला शासक था जिसने 1229 ई. में बगदाद के खलीफा से सुल्तान पद की स्वीकृति ली।

- भारत में पहला मकबरा निर्मित कराने का श्रेय इल्तुतमिश को जाता है।
- इल्तुतमिश की मृत्यु 1236 ई. में हुई।

- इल्तुतमिश के बाद उसका पुत्र रुकनुद्दीन फिरोज गद्दी पर बैठा, जोकि एक अयोग्य शासक था। शासन की बागडोर उसकी माँ शाह तुर्कान के हाथों में थी। तुर्की के अमीरों ने इसको गद्दी से हटा दिया और रजिया सुल्तान को राजगद्दी पर बैठाया।

- रजिया सुल्तान पहली मुस्लिम महिला शासिका थी जिसने शासन की बागडोर संभाली।

- रजिया सुल्तान की शासनावधि 1236-1240 ई. तक थी।

SSC CGL-2024

- वह पर्दा प्रथा का त्याग कर पुरुषों की तरह दरबार में आने लगी।

- रजिया सुल्तान की शादी अल्तुनिया से हुई।

- रजिया सुल्तान की हत्या 1240 ई. में डाकुओं द्वारा कर दी गई।

- 1246 ई. में नासिरुद्दीन महमूद दिल्ली का शासक बना।

- बलबन ने अपनी पुत्री का विवाह नासिरुद्दीन महमूद के साथ किया। 1265 ई. में नासिरुद्दीन महमूद की मृत्यु के बाद बलबन उसका उत्तराधिकारी बना।

- बलबन का वास्तविक नाम बहाउद्दीन था। यह इल्तुतमिश का गुलाम था।

- बलबन 1265 ई. में दिल्ली की गद्दी पर बैठा। इसने कई बार दिल्ली को मंगोलों के आक्रमण से बचाया था।

- बलबन ने 40 तुर्क अमीर तथा गुलामों के संगठन का विनाश कर दिया।

- बलबन ने सिजदा और पैबोस नामक प्रथा चलाई। **SSC CPO-2024**

- बलबन ने फारसी त्योहार नवरोज मनाने की प्रथा आरंभ की।

- बलबन ने दीवान-ए-अर्ज (सैन्य विभाग) की स्थापना की थी।

SSC CGL-2024

- बलबन ने मुख्य रूप से विस्तार के बजाय सुदृढीकरण की नीति अपनाई थी। **SSC CGL-2024**

- बलबन ने दैवीय अधिकार सिद्धांत का समर्थन किया था।

- बलबन के दरबार में फारसी के प्रसिद्ध कवि अमीर खुसरो रहते थे।

- बलबन ने अपने शत्रुओं के विरुद्ध लौह एवं रक्त की नीति अपनाई।

- गुलाम वंश का अंतिम शासक शम्सुद्दीन क्यूमर्स था।

- गुलाम वंश का अंत जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ने किया था।

IB ACIO Grade-II 2024

खिलजी वंश: (1290-1320 ई. तक)

□ खिलजी वंश की स्थापना 1290 ई. में जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ने की।

IB ACIO Grade-II 2024

- जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ने किलोखरी को अपनी राजधानी बनाया।
- फिरोज खिलजी की हत्या 1296 ई. में अलाउद्दीन खिलजी ने कड़ा-मानिकपुर (इलाहाबाद) में कर दी।
- अलाउद्दीन खिलजी के बचपन का नाम अली गुर्शास्य था।
- अलाउद्दीन खिलजी ने स्थायी सेना रखी और सैनिकों को नकद वेतन देने की व्यवस्था की। **SSC JE-2024**
- अलाउद्दीन खिलजी ने बेईमानी को रोकने के लिए मूल्य नियंत्रण प्रणाली या बाजार नियंत्रण प्रणाली की व्यवस्था की।
- अलाउद्दीन खिलजी ने अलाई दरवाजा तथा सीरी का किला बनवाया।
- अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति का नाम मलिक काफूर था।
- मलिक काफूर को हजार दीनारी भी कहा जाता है।
- मलिक काफूर ने अलाउद्दीन खिलजी की दक्षिण की विजयों का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया था। **SSC CPO-2022**
- घोड़ों को दागने तथा सैनिकों का हुलिया लिखने की प्रथा का आरंभ अलाउद्दीन खिलजी ने किया।
- अलाउद्दीन खिलजी के समय चित्तौड़ (मेवाड़) का शासक राणा रतन सिंह था।
- अलाउद्दीन खिलजी ने सिकंदर-ए-सानी की उपाधि धारण की।
- अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल में मंगोलों ने कई बार आक्रमण किया था।
- देवगिरी पर द्वितीय आक्रमण अलाउद्दीन खिलजी ने मलिक काफूर के नेतृत्व में 1307-08 ई. में किया था। **SSC CGL-2024**
- दक्षिण भारत में सैन्य अभियान शुरू करने वाला दिल्ली सल्तनत का प्रथम सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी था। **SSC Selection Posts-2024**
- अलाउद्दीन खिलजी की मृत्यु 1316 ई. में हुई।
- मुबारक खिलजी कभी-कभी दरबार में स्त्रियों के वस्त्र पहनकर आता था।
- मुबारक खिलजी की हत्या उसके वजीर खुसरो शाह ने 1320 ई. में कर दी और दिल्ली के सिंहासन पर बैठा।
- खुसरो शाह की हत्या गाजी मलिक उर्फ गयासुद्दीन तुगलक ने की।

तुगलक वंश: (1320-1414 ई. तक)

- 1320 ई. में गयासुद्दीन तुगलक खुसरो शाह को पराजित करके दिल्ली के सिंहासन पर बैठा। इसने कई बार मंगोलों के आक्रमण को विफल किया था।
- गयासुद्दीन तुगलक ने दिल्ली में तुगलकाबाद नगर की स्थापना की। इस नगर में रोमन शैली में एक दुर्ग का निर्माण करवाया गया, जिसे छप्पनकोट कहते हैं। **SSC CPO-2024**
- निजामुद्दीन औलिया ने गयासुद्दीन तुगलक के बारे में कहा था कि 'दिल्ली अभी बहुत दूर है।'
- गयासुद्दीन तुगलक की मृत्यु 1325 ई. में जौना खाँ द्वारा निर्मित लकड़ी के महल के नीचे दबकर हो गई।
- मध्यकालीन सभी सुल्तानों में मुहम्मद-बिन-तुगलक सबसे शिक्षित एवं योग्य व्यक्ति था।

- मुहम्मद-बिन-तुगलक को पागल बादशाह भी कहा जाता है। इसका साम्राज्य 23 प्रांतों में बँटा हुआ था।
- मुहम्मद-बिन-तुगलक ने कृषि के विकास के लिए **दीवान-ए-अमीर कोही** नामक विभाग की स्थापना की। **SSC CGL-2024**
- मुहम्मद-बिन-तुगलक ने अपनी राजधानी दिल्ली से देवगिरी को बनाया और इसका नाम दौलताबाद रखा। वह फिर से 1335 ई. में अपनी राजधानी को दिल्ली ले आया।
- मुहम्मद-बिन-तुगलक ने सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन किया।
- मुहम्मद-बिन-तुगलक प्रथम सुल्तान था, जो हिन्दुओं के त्योहारों में भी भाग लेता था।
- मोरक्को यात्री इब्नबतूता मुहम्मद-बिन-तुगलक के दरबार में 1333 ई. में आया। **SSC CPO-2022**
- इब्नबतूता ने किताब-उल-रेहला नामक पुस्तक लिखी।
- विदेशी यात्री इब्नबतूता के अनुसार; दिल्ली के लोग सुल्तान को अपशब्दों भरे पत्र लिखते थे, जिसके कारण सुल्तान ने उन्हें दंडित करने के लिए राजधानी को स्थानांतरित करने का निर्णय लिया था। **SSC CGL-2024**
- मुहम्मद-बिन-तुगलक की मृत्यु 1351 ई. में हुई।
- 1351 ई. में फिरोजशाह तुगलक शासक बना। इसने ओडिशा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर को ध्वस्त करवा दिया था।
- फिरोजशाह तुगलक ब्राह्मणों पर जजिया कर लगाने वाला पहला मुसलमान शासक था।
- फिरोजशाह तुगलक ने अपने शासनकाल में संस्कृत से फारसी भाषा में हिन्दू ग्रंथों के अनुवाद की व्यवस्था की थी। **SSC JE-2024**
- फिरोजशाह तुगलक ने जौनपुर, फिरोजपुर, फिरोजाबाद तथा फतेहाबाद जैसे लगभग 300 नगरों की स्थापना की।
- फिरोजशाह तुगलक के शासनकाल में दासों की संख्या सर्वाधिक थी।
- फिरोजशाह तुगलक ने लगभग 1200 फलों के बाग लगवाए।
- मेरठ और टोपरा से अशोक के स्तंभों को लाकर दिल्ली में फिरोजशाह तुगलक ने स्थापित किया।
- फिरोजशाह तुगलक ने अपने शासनकाल में अनेक बड़ी नहरों का निर्माण करवाया था।
- फिरोजशाह तुगलक ने अपनी आत्मकथा फुतूहात-ए-फिरोजशाही की रचना की।
- तुगलक वंश का अंतिम शासक नासिरुद्दीन महमूद शाह तुगलक था।
- तैमूर ने नासिरुद्दीन महमूद शाह तुगलक के समय में 1398 ई. में दिल्ली पर आक्रमण किया था।

सैय्यद वंश: (1414-1451 ई. तक)

- सैय्यद वंश की स्थापना खिज़्र खाँ ने की थी।
- खिज़्र खाँ ने रैय्यत-ए-आला की उपाधि धारण की।
- खिज़्र खाँ ने तैमूर की सहायता की थी।
- यमुना के किनारे मुबारकाबाद की स्थापना खिज़्र खाँ के पुत्र मुबारक शाह ने की थी।
- सैय्यद वंश का अंतिम शासक अलाउद्दीन आलमशाह था।

बहमनी साम्राज्य

- सैय्यद वंश का शासन लगभग 37 वर्षों तक चला।
- 'तारीख-ए-मुबारकशाही' पुस्तक के लेखक याह्या बिन सरहिन्दी का दावा है कि दिल्ली सल्तनत के सैय्यद वंश के संस्थापक पैगंबर मुहम्मद के वंशज थे। **SSC CPO-2024**

लोदी वंश: (1451-1526 ई. तक)

- लोदी वंश की स्थापना बहलोल लोदी ने की थी। यह 1451 ई. में गाजी की उपाधि के साथ दिल्ली की गद्दी पर बैठा।
- लोदी वंश प्रथम अफगान वंश था जिसने दिल्ली पर शासन किया।
- बहलोल लोदी के पुत्र निजाम खॉ (सिकंदर लोदी) ने आगरा नगर की स्थापना 1504 ई. में की थी।
- सिकंदर लोदी ने आगरा को अपनी राजधानी बनाया था।
- गुलरूखी उपनाम से फारसी कविताएँ लिखने वाला पहला सुल्तान सिकंदर लोदी था।
- सिकंदर लोदी ने भूमि मापने के लिए गज-ए-सिकंदरी पैमाना जारी किया।
- मोट की मस्जिद 1505 ई. के आस-पास सिकंदर लोदी के वजीर मियाँ भुआँ द्वारा निर्मित की गई थी। **SSC CPO-2023**
- गले की बीमारी के कारण सिकंदर लोदी की मृत्यु 1517 ई. में हुई। मृत्यु के दिन ही इसका ज्येष्ठ पुत्र इब्राहिम लोदी राजगद्दी पर बैठा।
- इब्राहिम लोदी मध्यकालीन भारत का एकमात्र सुल्तान था, जो युद्ध भूमि में मारा गया।
- दिल्ली सल्तनत का अंतिम सुल्तान इब्राहिम लोदी था। **SSC CGL-2024**

- काबुल के शासक बाबर को भारत पर आक्रमण करने के लिए लाहौर (पंजाब) के गवर्नर दौलत खॉ तथा इब्राहिम लोदी के चाचा आलम खॉ लोदी ने बुलाया था।
- 21 अप्रैल, 1526 को पानीपत के प्रथम युद्ध में इब्राहिम लोदी बाबर से हार गया।

विजयनगर साम्राज्य

- विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई. में हरिहर तथा बुक्का नामक दो भाइयों ने की थी। **SSC CPO-2023**
- विजयनगर साम्राज्य की राजधानी हम्पी थी।
- विजयनगर साम्राज्य तुंगभद्रा नदी के किनारे स्थित था।
- विजयनगर साम्राज्य को मध्य युग का प्रथम हिन्दू साम्राज्य माना जाता है।
- विदेशी यात्री अब्दुर्रज्जाक ने देवराय द्वितीय के शासनकाल में विजयनगर की यात्रा की थी। **SSC CGL-2023**
- विजयनगर साम्राज्य का महानतम शासक कृष्णदेव राय था। यह बाबर के समकालीन था।
- अष्टदिग्गज कृष्णदेव राय के दरबार में रहने वाले आठ कवियों को कहा जाता था।
- कृष्णदेव राय तेलुगू साहित्य का महान विद्वान था। इसने आमुक्तमाल्यद ग्रंथ की रचना की। **SSC Selection Posts-2023**
- कृष्णदेव राय के शासनकाल को तेलुगू साहित्य का स्वर्ण युग कहा जाता है।
- तालीकोटा/राक्षसी तंगड़ी का युद्ध 1565 ई. में हुआ था। **SSC CGL-2023**

- बहमनी साम्राज्य की स्थापना 1347 ई. में जफर खॉ (हसन गंगू) ने की थी।
- 1347 ई. में सरदारों एवं अमीरों ने जफर खॉ (हसन गंगू) को अलाउद्दीन हसन बहमन शाह की उपाधि देकर शासक बनाया था। इसने अपनी राजधानी गुलबर्गा बनाई थी। **SSC Selection Posts-2023**
- अलाउद्दीन हसन बहमन शाह ने गुलबर्गा का नाम अहसानाबाद रखा था।

मुगल साम्राज्य**बाबर: (1526-1530 ई. तक)**

- पानीपत का प्रथम युद्ध 1526 ई. में बाबर तथा इब्राहिम लोदी के बीच हुआ। इसमें बाबर की जीत हुई। **SSC CPO-2023**
- बाबर का जन्म 1483 ई. को फरगना में हुआ था।
- बाबर का वास्तविक नाम जहीरुद्दीन मुहम्मद था। **SSC CGL-2024**
- मुगल संस्थापक बाबर जब लगभग 12 वर्ष का था तब इसे 1494 ई. में फरगना राज्य का उत्तराधिकार प्राप्त हुआ था। **SSC CHSL-2023**
- इसके पिता का नाम उमर शेख मिर्जा था। बाबर का भारत में प्रथम अभियान 1518-19 ई. में युसूफजाई जाति के खिलाफ था।
- बाबर ने पानीपत के प्रथम युद्ध में तुलगमा/तुलुगमा युद्ध नीति तथा तोपखाने का प्रयोग किया।
- उस्ताद अली तथा मुस्तफा खॉ बाबर के दो तोप निशानेबाज थे।
- बाबर ने कलंदर की उपाधि धारण की थी।
- **खानवा का युद्ध** 1527 ई. में बाबर और राणा साँगा के बीच हुआ। इसमें बाबर की जीत हुई तथा इसने गाजी की उपाधि धारण की। **SSC CGL-2024, SSC JE-2024**

- **चंदेरी का युद्ध** 1528 ई. में बाबर और मेदिनीराय के बीच हुआ। इसमें बाबर की जीत हुई। **SSC CPO-2024**
- **घाघरा का युद्ध** 1529 ई. में बाबर और बंगाल तथा बिहार की संयुक्त सेना के बीच हुआ। इसमें बाबर की जीत हुई। **SSC CPO-2024**
- बाबर ने अपनी आत्मकथा **तुजुक-ए-बाबरी (बाबरनामा)** को तुर्की भाषा में लिखा, जिसका अनुवाद मुख्य रूप से फारसी भाषा में अब्दुल रहीम खान-ए-खाना ने किया। **CISF HCM-2023**
- बाबर को मुबइयान नामक पद्यशैली का भी जन्मदाता माना जाता है।
- बाबर की मृत्यु 1530 ई. में आगरा में हुई।
- बाबर का उत्तराधिकारी हुमायूँ था। **SSC CGL-2024**
- बाबर का मकबरा काबुल (अफगानिस्तान) में है।

हुमायूँ: (1530-1540 ई. तथा 1555-1556 ई. तक)

- प्रथम बार हुमायूँ 1530 ई. में गद्दी पर बैठा। हुमायूँ ने दिल्ली में दीनपनाह की स्थापना की।
- **चौसा का युद्ध** 1539 ई. में हुमायूँ तथा शेरशाह सूरी के बीच हुआ। इस युद्ध में शेरशाह की जीत हुई। **SSC CGL-2024**
- **कनौज (बिलग्राम) का युद्ध** 1540 ई. में हुमायूँ तथा शेरशाह सूरी के बीच हुआ। इस युद्ध में हुमायूँ पुनः हार गया और भारत छोड़कर चला गया।

- सरहिन्द विजय के पश्चात् हुमायूँ 1555 ई. में दोबारा दिल्ली की गद्दी पर बैठा।
- हुमायूँ ज्योतिष में विश्वास रखता था। हुमायूँ सोमवार को सफेद, शनिवार को काला तथा रविवार को पीला वस्त्र पहनता था।
- हुमायूँ का मकबरा दिल्ली में स्थित है। इसका निर्माण हुमायूँ की पत्नी हमीदा बानो बेगम ने करवाया था। **SSC CHSL-2023**
- हुमायूँ की मृत्यु 1556 ई. में दीनपनाह के पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिरकर हो गई थी।

शेरशाह सूरी: (1540-1545 ई. तक)

- शेरशाह सूरी का प्रारंभिक नाम फरीद ख़ाँ था। इसके पिता का नाम हसन ख़ाँ था।
- कन्नौज (बिलग्राम) की लड़ाई 1540 ई. में शेरशाह सूरी तथा हुमायूँ के मध्य हुई थी।

SSC CPO-2024

- शेरशाह सूरी दिल्ली की गद्दी पर 1540 ई. में लगभग 68 वर्ष की उम्र में बैठा था।
- शेरशाह सूरी को अकबर का अग्रदूत भी कहते हैं।
- शेरशाह सूरी ने यात्रियों की सुविधा हेतु अपने शासनकाल में अनेक सराएँ निर्मित करवाईं। **SSC CHSL-2023**
- ग्रैंड ट्रंक रोड (जी.टी. रोड) का निर्माण शेरशाह सूरी ने करवाया।
- शेरशाह सूरी ने पाटलिपुत्र का नाम पटना रखा।
- शेरशाह सूरी की मृत्यु तोप के फट जाने के कारण हुई।
- शेरशाह सूरी का मकबरा बिहार के सासाराम में है।
- शेरशाह सूरी ने दिल्ली में स्थित दीनपनाह को विध्वंस कर पुराने किले का निर्माण किया।

अकबर: (1556-1605 ई. तक)

- अकबर का जन्म 1542 ई. में अमरकोट के राणा वीरसाल के महल में हुआ था।
- अकबर का राज्याभिषेक 1556 ई. में कलानौर में हुआ। **SSC CGL-2024**
- अकबर का संरक्षक बैरम ख़ाँ था। बैरम ख़ाँ 1556 से 1560 ई. तक अकबर का संरक्षक रहा। अकबर निरक्षर (अनपढ़) था।
- पानीपत का द्वितीय युद्ध 5 नवंबर, 1556 को अकबर तथा हेमू के बीच हुआ।
- हेमू सूर वंशी आदिलशाह का प्रधानमंत्री था। आदिलशाह ने हेमू को विक्रमादित्य की उपाधि दी। हेमू 22 लड़ाईयाँ लड़ चुका था और एक में भी उसे पराजय नहीं झेलनी पड़ी।
- अकबर ने गुजरात विजय की स्मृति में अपनी राजधानी फतेहपुर सीकरी में बुलंद दरवाजा बनवाया। **SSC Selection Posts-2023**
- गुजरात विजय को स्मिथ ने विश्व का सबसे तेज (द्रुतगामी) आक्रमण कहा था।
- हल्दीघाटी का युद्ध 1576 ई. में अकबर और महाराणा प्रताप के बीच हुआ। महाराणा प्रताप का सेनापति हकीम ख़ाँ सूर था।
- राजपूत राजा महाराणा प्रताप ने अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की थी।

- अकबर ने 1562 ई. में दास प्रथा का अंत, 1563 ई. में तीर्थ यात्रा कर की समाप्ति तथा 1564 ई. में जजिया कर को भी समाप्त कर दिया।
- अकबर ने 1582 ई. में दीन-ए-इलाही धर्म चलाया। हिन्दू राजा बीरबल ने इस धर्म को स्वीकार किया। दीन-ए-इलाही धर्म का पुरोहित अबुल फजल था।
- अकबर ने 1575 ई. में इबादत खाने की स्थापना फतेहपुर सीकरी में की और इसका उद्देश्य प्रत्येक बृहस्पतिवार को धार्मिक वाद-विवाद निपटाना था। **SSC CGL-2023**
- अकबर पर सबसे अधिक प्रभाव हिन्दू धर्म का पड़ा।
- अकबर ने 1583 ई. में इलाही संवत् चलाया।
- अकबरनामा तथा आईन-ए-अकबरी नामक पुस्तकें अबुल फजल ने लिखीं।
- अकबर के शासनकाल में हुए भूमि संबंधित सुधारों का श्रेय **टोडरमल** को जाता है, जोकि उसका **राजस्व मंत्री** था।

IB ACIO Grade-II 2024, SSC CGL-2024

- टोडरमल अकबर के दरबार में आने से पहले शेरशाह सूरी के दरबार में रहता था।
- **अकबर के नवरत्न:** राजा मानसिंह, **तानसेन**, बीरबल, अबुल फजल, टोडरमल, मुल्ला दो प्याजा, हकीम हुकाम, फैजी तथा अब्दुल रहीम खान-ए-खाना। **SSC CGL-2024**
- हकीम हुकाम अकबर की रसोई का प्रधान था।
- तानसेन का जन्म ग्वालियर में हुआ। इसके बचपन का नाम रामतनु पांडे था।
- अब्दुल रहीम खान-ए-खाना एक कवि तथा बैरम ख़ाँ का पुत्र था।
- तुलसीदास अकबर और महाराणा प्रताप के समकालीन थे।
- भित्ती चित्रकारी का प्रचलन अकबर के समय में हुआ था। बसावन को अकबर के समय का सबसे अच्छा चित्रकार माना जाता है।
- अकबर ने अपनी राजधानी आगरा से फतेहपुर सीकरी बनाई थी।
- अकबर ने ईसाइयों को आगरा तथा लाहौर में गिरजाघर बनाने की अनुमति दी थी।
- अकबर ने बीरबल को कविराज तथा राजा की उपाधि दी। बीरबल की मृत्यु युसूफजाईयों का विद्रोह दबाते हुए हुई थी। बीरबल का वास्तविक नाम महेशदास था।
- अकबर की मृत्यु अतिसार के कारण 1605 ई. में हुई।
- अकबर का मकबरा सिकन्दरा (आगरा) में है।

जहाँगीर: (1605-1627 ई. तक)

- जहाँगीर का वास्तविक नाम सलीम था। अकबर सलीम को शेखु बाबा के नाम से पुकारता था।
- जहाँगीर 1605 ई. में गद्दी पर बैठा।
- जहाँगीर ने न्याय की जंजीर आगरा किले के यमुना तट पर लगवाई थी।
- इस न्याय की जंजीर में 60 घंटियाँ थीं।
- जहाँगीर ने तमगा कर पर प्रतिबंध लगा दिया।
- शहजादा खुसरो ने 1606 ई. में जहाँगीर के विरुद्ध विद्रोह कर दिया था।
- नूरजहाँ मिर्जा ग्यास बेग की पुत्री थी। नूरजहाँ का वास्तविक नाम मेहरुन्निसा था।
- जहाँगीर ने 1611 ई. में नूरजहाँ से शादी कर ली तथा इसके पिता को एत्मादुद्दौला की उपाधि दी।

- एत्मादुद्दौला का मकबरा नूरजहाँ ने बनवाया था।
- मुगल चित्रकला जहाँगीर के समय में चरम पर पहुँची।
- **जहाँगीर के दरबार के प्रमुख चित्रकार:** मंसूर, अबुल हसन, बिसनदास।
- उस्ताद मंसूर पक्षी विशेषज्ञ चित्रकार था।
- जहाँगीर की मृत्यु 1627 ई. में हुई।
- जहाँगीर पर सबसे अधिक प्रभाव अब्दुल रहीम खान-ए-खाना का हुआ था।

शाहजहाँ: (1628-1658 ई. तक)

- शाहजहाँ 1628 ई. में गद्दी पर बैठा।
- शाहजहाँ के बचपन का नाम खुर्रम था।
- शाहजहाँ का विवाह अर्जुमंदबानो बेगम के साथ हुआ था। जिसको मुमताज महल के नाम से भी जाना जाता है।
- मुमताज महल आसफ ख़ाँ की पुत्री थी।
- शाहजहाँ का संघर्ष सिखों के **छठे गुरु गुरु हरगोविंद** से हुआ।
- शाहजहाँ ने औरंगजेब को दक्षिण का सूबेदार नियुक्त किया।
- शाहजहाँ को कोहिनूर हीरा मीर जुमला ने भेंट किया था। कोहिनूर हीरा गोलकुंडा की खान से निकाला गया था।
- मुगल काल में गोलकुंडा हीरे का सबसे बड़ा केन्द्र था।
- शाहजहाँ के चार पुत्र थे, जिनमें दाराशिकोह उसे सबसे ज्यादा प्रिय था। शाहजहाँ ने दाराशिकोह को अप्रत्यक्ष रूप से अपना उत्तराधिकारी घोषित किया और शाह-ए-बुलंद-इकबाल की उपाधि दी।
- शाहजहाँ के मयूर सिंहासन का निर्माण बेग बादल ख़ाँ ने किया। इसे तख्त-ए-ताउस भी कहते थे।
- दिल्ली की जामा मस्जिद शाहजहाँ ने बनवाई। **SSC CGL-2022**
- शाहजहाँ के काल को वास्तुकला का स्वर्ण युग कहा जाता है।
- दाराशिकोह ने 52 उपनिषदों का फारसी में अनुवाद किया था।
- महाभारत का फारसी में अनुवाद रज्मनामा के नाम से बदायूनी ने किया था।
- ताजमहल की रूपरेखा उस्ताद अहमद लाहौरी ने तैयार की तथा यह ईशा ख़ाँ की देख-रेख में बनवाया गया।
- 1659 ई. में दाराशिकोह और औरंगजेब के बीच अंतिम लड़ाई देवराई की घाटी में हुई, जिसमें औरंगजेब की जीत हुई।
- दाराशिकोह को इस्लाम धर्म की अवहेलना करने के कारण मृत्युदंड दिया गया।
- औरंगजेब ने शाहजहाँ को कैद करके आगरा के किले में रखा जहाँ इसकी मृत्यु 1666 ई. में हुई।

औरंगजेब: (1658-1707 ई. तक)

- प्रथम बार औरंगजेब 1658 ई. में दिल्ली की गद्दी पर बैठा तथा इसका दूसरी बार राज्याभिषेक 1659 ई. में हुआ।
- औरंगजेब मुमताज महल का पुत्र था।
- औरंगजेब को जिन्दा पीर भी कहा जाता है।
- औरंगजेब ने प्रथम युद्ध ओरछा के जुझार सिंह के विरुद्ध लड़ा।
- औरंगजेब ने 1668 ई. में हिन्दू त्योहारों पर रोक लगा दी।
- पुरंदर की संधि 1665 ई. में शिवाजी और महाराजा जयसिंह के बीच हुई। **SSC CGL-2021**
- औरंगजेब के विरुद्ध मथुरा का जाट विद्रोह, जाट नेता गोकुला के नेतृत्व में 1669 ई. में हुआ।
- औरंगजेब ने जजिया कर अपने शासनकाल में फिर से लागू कर दिया।

- औरंगजेब के दरबार में हिन्दू मनसबदार सर्वाधिक थे। इनकी संख्या लगभग 33 प्रतिशत थी।
- बनारस के विश्वनाथ मंदिर तथा मथुरा के केशवदेव मंदिर को औरंगजेब ने 1669 ई. में तुड़वा दिया था।
- इस्लाम धर्म स्वीकार न करने के कारण सिखों के **नौवें गुरु गुरु तेगबहादुर** की हत्या औरंगजेब ने करवा दी।
- औरंगजेब की मृत्यु 1707 ई. में हुई। **SSC MTS-2021**

मुगल काल से संबंधित अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य

- मुगल काल की राजभाषा फारसी थी।
- मुगलकालीन सेना संगठन मनसबदारी प्रथा कहलाती थी, कुछ मनसबदारों को नकद वेतन देने की व्यवस्था थी।
- मुगल सेना 5 भागों में विभाजित थी।
- निसार सिक्कों का प्रचलन जहाँगीर ने किया तथा आना सिक्का शाहजहाँ ने चलाया।
- औरंगजेब एक कुशल वीणावादक था।
- अकबर नक्कारा (नगाड़ा) बजाता था।
- मुगल साम्राज्य का प्रथम कठपुतली शासक जहाँदार शाह था।
- जहाँदार शाह को लम्पट मूर्ख भी कहा जाता था।
- मुगल शासक मुहम्मद शाह को रंगीला बादशाह भी कहा जाता था।
- फर्रुखसियर की हत्या सैय्यद बंधुओं ने की थी।
- सैय्यद बंधुओं को भारतीय इतिहास का नृप निर्माता कहा जाता है।
- नादिरशाह ने भारत पर आक्रमण 1739 ई. में किया तथा यह अपने साथ मयूर सिंहासन ले गया।
- अंतिम मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर द्वितीय था। अंग्रेजों ने इसको निर्वासित करके रंगून भेज दिया, जहाँ 1862 ई. में इसकी मृत्यु हो गई।

मराठा साम्राज्य

- शिवाजी का जन्म 1627 ई. में शिवनेर के किले में हुआ था। (**कुछ स्रोतों के अनुसार, 1630 ई.**)
- शिवाजी के पिता का नाम शाहजी भोंसले और माता का नाम जीजाबाई था।
- शिवाजी पर सर्वाधिक प्रभाव गुरु दादाजी कोंडदेव का था। दादाजी कोंडदेव शिवाजी के संरक्षक भी थे।
- शिवाजी के आध्यात्मिक गुरु रामदास थे। गुरु रामदास ने दासबोध तथा आनंदवन भवन नामक पुस्तकें लिखी।
- शिवाजी ने सबसे पहले 1646 ई. में तोरण के किले पर अधिकार कर लिया।
- शिवाजी ने पहली बार मुगलों से 1657 ई. में युद्ध किया। **SSC CHSL-2022**
- शिवाजी ने 1659 ई. में सलहार के युद्ध में मुगलों को पराजित किया।
- शिवाजी के मंत्रिमंडल को **अष्टप्रधान** कहा जाता है। **SSC MTS-2022**

नोट- अष्टदिग्गज कृष्णदेव राय के दरबार में रहते थे।

- अष्टप्रधान के अंतर्गत सबसे महत्त्वपूर्ण पद पेशवा का होता था और पेशवा को प्रधानमंत्री कहा जाता था एवं अमात्य वित्त मंत्री को कहा जाता था।
- मराठा साम्राज्य की राजभाषा मराठी थी।
- चौथ तथा सरदेशमुखी शिवाजी द्वारा लगाए जाने वाले दो कर थे।

- शिवाजी की राजस्व व्यवस्था मलिक अम्बर द्वारा अपनाई गई रैयतवाड़ी प्रथा पर आधारित थी।
- शिवाजी का राज्याभिषेक 1674 ई. में काशी के प्रसिद्ध विद्वान गंगा भट्ट ने रायगढ़ में किया था और शिवाजी को छत्रपति की उपाधि दी।
- पेशवा का पद बालाजी विश्वनाथ के बाद वंशानुगत हो गया।
- शिवाजी ने भूमि मापने के लिए काठी नामक मापक का प्रयोग किया।
- शिवाजी की मृत्यु 1680 ई. में हुई।
- शिवाजी के उत्तराधिकारी संभाजी हुए।
- संभाजी ने औरंगजेब के विद्रोही पुत्र मुहम्मद अकबर को शरण दी।
- संभाजी को औरंगजेब द्वारा बहादुरगढ़ में मार दिया गया। संभाजी की मृत्यु के बाद उसका भाई राजाराम राजा बना।
- 1700 ई. में राजाराम की मृत्यु के बाद उसकी विधवा पत्नी ताराबाई ने अपने चार वर्षीय पुत्र को शिवाजी द्वितीय के नाम से गद्दी पर बैठाया। ताराबाई ने मुगलों से संघर्ष जारी रखा।
- 1713 ई. में बालाजी विश्वनाथ प्रधानमंत्री बना।
- बाजीराव प्रथम शिवाजी के बाद गुरिल्ला युद्ध का सबसे बड़ा प्रतिपादक था।
- बालाजी बाजीराव को नाना साहब के नाम से भी जाना जाता है।

आधुनिक भारत का इतिहास

1857 ई. की क्रांति

- 1857 ई. की क्रांति 10 मई, 1857 को मेरठ छावनी से शुरू हुई।
SSC CGL-2024, SSC JE-2024
 - 29 मार्च, 1857 को मंगल पांडे नामक एक सैनिक ने बैरकपुर छावनी में गाय की चर्बी मिले कारतूस को मुँह से काटने से स्पष्ट मना कर दिया।
 - मंगल पांडे ने सैन्य अधिकारी मेजर साजेंट तथा लेफ्टिनेंट बाग की हत्या गोली मारकर कर दी थी।
 - मंगल पांडे 34वीं रेजिमेंट का एक सैनिक था। **SSC MTS-2023**
- नोट-** 1857 ई. की क्रांति के समय भारत का गवर्नर जनरल कैनिंग और इंग्लैंड का प्रधानमंत्री पामस्टन था।

1857 ई. की क्रांति के प्रमुख केन्द्र

दिल्ली	बहादुरशाह जफर, बख्त खाँ
कानपुर	नाना साहब, तात्या टोपे
झाँसी	रानी लक्ष्मीबाई
इलाहाबाद	लियाकत अली
बरेली	खान बहादुर खाँ
फैजाबाद	मौलवी अहमदुल्लाह
जगदीशपुर (बिहार)	कुँवर सिंह
SSC MTS-2023	
लखनऊ	बेगम हजरत महल

नोट- तात्या टोपे का वास्तविक नाम रामचन्द्र पांडुरंग था। 1859 ई. में अंग्रेजों ने इन्हें शिवपुरी (मध्य प्रदेश) में फाँसी पर लटका दिया था।

बंगाल के प्रमुख गवर्नर

रॉबर्ट क्लाइव

- प्लासी का युद्ध (1757 ई.)। **SSC CGL-2024**
- बंगाल में द्वैध शासन का प्रारंभ किया।
- रॉबर्ट क्लाइव ने 12 अगस्त, 1765 को मुगल बादशाह शाहआलम द्वितीय से इलाहाबाद की प्रथम संधि तथा 16 अगस्त, 1765 को अवध के नवाब शुजाउद्दौला से इलाहाबाद की द्वितीय संधि की। **SSC CPO-2023**

वेंसिटार्ट

- बक्सर का युद्ध (1764 ई.)। **SSC CGL-2024, SSC CPO-2022**

वॉरेन हेस्टिंग्स

- बंगाल का अंतिम गवर्नर।
- बंगाल में द्वैध शासन को समाप्त किया। **SSC CHSL-2023**

बंगाल के प्रमुख गवर्नर जनरल

वॉरेन हेस्टिंग्स (1774-1785 ई. तक)

- बंगाल का अंतिम गवर्नर (1772-1774 ई. तक)।
- बंगाल का प्रथम गवर्नर जनरल (1774-1785 ई. तक)।
- प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध (1775-1782 ई.)।
- सालबाई की संधि (1782)।
- द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध (1780-1784 ई.)।
- इसके समय में ही 1780 ई. में भारत के प्रथम समाचार-पत्र बंगाल गजट का प्रकाशन जेम्स ऑगस्टस हिक्की ने कलकत्ता से किया। **SSC CHSL-2023**

- वॉरेन हेस्टिंग्स ने 1781 ई. में कलकत्ता में मुस्लिम शिक्षा के विकास हेतु प्रथम मदरसा स्थापित किया। **SSC CGL-2024**

- इसके समय में ही रेग्युलेशन एक्ट (1773) के तहत 1774 ई. में कलकत्ता में एक सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की गई।

- पिट्स इंडिया एक्ट (1784)। **SSC CGL-2024**

- अपने कार्यकाल की समाप्ति के पश्चात् जब यह 1785 ई. में इंग्लैंड पहुँचा तो इस पर महाभियोग चलाया गया।

कॉर्नवालिस (1786-1793 ई. तथा 1805 ई.)

- इसने 1793 ई. में बंगाल प्रांत में **स्थाई बन्दोबस्त** की पद्धति लागू की थी जिसके तहत किसानों को उपज का कुछ भाग कंपनी को देना पड़ता था। **SSC CGL-2024**

- कॉर्नवालिस को भारत में नागरिक सेवा का जनक माना जाता है।

- तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध (1790-1792 ई.)।

सर जॉन शोर (1793-1798 ई.)

- चार्टर अधिनियम (1793) से संबंधित।

- अहस्तक्षेप की नीति से संबंधित।

वेलेजली (1798-1805 ई.)

- सहायक संधि (1798) पद्धति की शुरुआत की।

SSC CGL-2024, SSC Selection Posts-2023

- चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध (1799 ई.)।

- ❑ बसीन की संधि (1802)।
- ❑ वेलेजली स्वयं को बंगाल का शेर कहता था।
- ❑ 1800 ई. में फोर्ट विलियम कॉलेज की कलकत्ता में स्थापना की।
- ❑ द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध (1803-1805 ई.)। **SSC CGL-2023**

मिन्टो प्रथम (1807-1813 ई.)

- ❑ इसके काल में महाराणा रणजीत सिंह और अंग्रेजों के बीच 1809 ई. में अमृतसर की संधि हुई।
- ❑ चार्टर अधिनियम (1813) से संबंधित।

हेस्टिंग्स (1813-1823 ई.)

- ❑ सुगौली की संधि (1816)।
- ❑ पिंडारियों का दमन।
- ❑ आंग्ल-नेपाल युद्ध (1814-1816 ई.)।
- ❑ 1817 ई. में कलकत्ता में डेविड हेयर ने हिन्दू कॉलेज की स्थापना की।

विलियम बेंटिक (1828-1833 ई.)

- ❑ बंगाल का अंतिम गवर्नर जनरल (1828-1833 ई. तक)।
- ❑ राजा राममोहन राय के सहयोग से विलियम बेंटिक ने 1829 ई. में सती प्रथा को समाप्त कर दिया। **SSC CGL-2024, CISF HCM-2023**
- ❑ विलियम बेंटिक ने शिशु बालिका की हत्या पर भी रोक लगा दी थी।
- ❑ विलियम बेंटिक ने टगी प्रथा (1830) को भी समाप्त कर दिया। इसमें कर्नल स्लीमैन ने भी सहयोग किया था।

भारत के प्रमुख गवर्नर जनरल**विलियम बेंटिक (1833-1835 ई.)**

- ❑ भारत का प्रथम गवर्नर जनरल (1833-1835 ई. तक)।
- ❑ विधि आयोग का गठन।
- ❑ भारत में अंग्रेजी शिक्षा की शुरुआत मैकाले ने विलियम बेंटिक के समय में की। **SSC CHSL-2023**
- ❑ चार्टर अधिनियम (1833) से संबंधित। **DP Const. 2020**

चार्ल्स मेटकॉफ (1835-1836 ई.)

- ❑ चार्ल्स मेटकॉफ को भारतीय प्रेस का मुक्तिदाता कहा जाता है क्योंकि इसने अपने एक वर्ष के कार्यकाल में प्रेस से प्रतिबंध हटा दिए थे।

एलनबरो (1842-1844 ई.)

- ❑ दास प्रथा (1843) की समाप्ति।
- ❑ रविवार के अवकाश की शुरुआत।
- ❑ 'ओल्ड मैन इन हरी' के उपनाम से प्रसिद्ध।

हॉर्डिंग प्रथम (1844-1848 ई.)

- ❑ नरबली प्रथा पर प्रतिबंध।
- ❑ प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध (1845-1846 ई.)।

डलहौजी (1848-1856 ई.)

- ❑ डलहौजी को भारत में रेलवे का जनक माना जाता है। इसके समय में ही भारत में प्रथम बार 16 अप्रैल, 1853 को बंबई से ठाणे/थाणे के बीच (दूरी-34 किमी.) रेल चलाई गई। **SSC CPO-2024**

- ❑ डलहौजी ने शिमला को ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाया।
- ❑ डाकघर अधिनियम (1854) पारित तथा भारत में प्रथम बार डाक टिकट की शुरुआत हुई। **SSC CGL-2024**

- ❑ डलहौजी ने शिक्षा में सुधार के लिए वुड्स डिस्पैच/चार्ल्स वुड की शिक्षा नीति (1854) को लागू किया। **SSC CGL-2024**

- ❑ डलहौजी के शासनकाल को व्यपगत सिद्धांत (Doctrine of Lapse) के कारण अधिक याद किया जाता है। इस सिद्धांत को राज्य हड़प नीति भी कहते थे। इस नीति के अंतर्गत सर्वप्रथम सतारा (1848) को अंग्रेजी साम्राज्य में विलीन किया गया। **SSC CPO-2023**

- ❑ अवध (1856) पर कुशासन का आरोप लगाकर डलहौजी ने अंग्रेजी साम्राज्य में मिला लिया। इस समय अवध का नवाब वाजिद अली शाह था। **SSC GD-2023**

- ❑ विधवा पुनर्विवाह अधिनियम (1856) का मसौदा निर्मित किया था। **SSC CGL-2024**

कैनिंग (1856-1857 ई.)

- ❑ भारत का अंतिम गवर्नर जनरल।
- ❑ इसके समय में ही 10 मई, 1857 को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम मेरठ से शुरू हुआ। **SSC CGL-2024, SSC MTS-2019**
- ❑ 1857 ई. में बंबई, कलकत्ता तथा मद्रास में तीन नए विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई।

भारत के प्रमुख वायसराय**कैनिंग (1858-1862 ई.)**

- ❑ भारत का प्रथम वायसराय।
- ❑ विधवा पुनर्विवाह अधिनियम (1856) लागू।
- ❑ नील विद्रोह (1859-60 ई.)। **SSC JE-2024**
- ❑ भारत शासन अधिनियम (1858)। **SSC CPO-2024, SSC CGL-2023, 2024**

- ❑ भारतीय परिषद् अधिनियम (1861)। **SSC CGL-2024**

- ❑ उच्च न्यायालय अधिनियम (1861)।

मेयो (1869-1872 ई.)

- ❑ अंग्रेजों के समय में प्रथम जनगणना 1872 ई. में हुई। **SSC CGL-2023**

- ❑ मेयो की हत्या शेर अली (अफगान) ने पोर्ट ब्लेयर में चाकू मारकर कर दी थी।

लिटन (1876-1880 ई.)

- ❑ वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट (1878) पारित। **SSC MTS-2023**
- ❑ इंडियन आर्म्स एक्ट (1878) पारित।
- ❑ द्वितीय आंग्ल-अफगान युद्ध (1878-1880 ई.)।

रिपन (1880-1884 ई.)

- ❑ वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट समाप्त। **SSC CPO-2022**
- ❑ स्थानीय स्वशासन का जनक रिपन को कहा जाता है। **SSC CGL-2024**

- 1881 ई. में नियमित जनगणना रिपन के समय में ही शुरू हुई।
- 1881 ई. में प्रथम कारखाना अधिनियम (श्रमिक सुधार हेतु) रिपन के द्वारा लाया गया।
- इसके कार्यकाल में इल्बर्ट बिल पेश किया गया।

डफरिन (1884-1888 ई.)

- 28 दिसंबर, 1885 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना।

SSC CPO-2023

- 1887 ई. में इलाहाबाद विश्वविद्यालय की स्थापना की गई।

कर्जन (1899-1905 ई.)

- भारतीय विश्वविद्यालय सुधार अधिनियम (1904)।
- प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम (1904)।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की स्थापना।
- बंगाल का विभाजन (1905)।

SSC CGL-2023

SSC CGL-2023

मिन्टो द्वितीय (1905-1910 ई.)

- 1906 ई. में मुस्लिम लीग की स्थापना सलीमुल्लाह तथा आगा खॉं ने ढाका में की थी।
- 1907 ई. में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का सूरत (गुजरात) में विभाजन हो गया और यह गरम दल एवं नरम दल में विभाजित हो गई।
- मार्ले-मिन्टो सुधार अधिनियम (1909) पारित।

SSC CGL-2020, 2023, 2024

हार्डिंग द्वितीय (1910-1916 ई.)

- इसके समय में ही ब्रिटिश सम्राट जॉर्ज पंचम 1911 ई. में भारत आया था तथा इसने 1911 ई. में ही बंगाल विभाजन को समाप्त कर दिया।
- भारत की राजधानी कलकत्ता से बदलकर दिल्ली बनाए जाने की घोषणा 1911 ई. में हुई थी।
- प्रथम विश्व युद्ध (1914) में प्रारंभ।

DP Const. 2020

चेम्सफोर्ड (1916-1921 ई.)

- 1916 ई. में पूना में महिला विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।
- 1917 ई. में शिक्षा से संबंधित सैडलर आयोग गठित हुआ।
- 1919 ई. में रौलेट एक्ट पारित हुआ, जिसे भारतीय इतिहास में काला कानून कहा जाता है।
- 13 अप्रैल, 1919 को जलियाँवाला बाग हत्याकांड (नरसंहार) अमृतसर में हुआ।

रीडिंग (1921-1926 ई.)

- एकमात्र यहूदी वायसराय।
- 1921 ई. में मोपला विद्रोह केरल में शुरू हुआ।

SSC Selection Posts-2023

- 4 फरवरी, 1922 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में **चौरी-चौरा कांड** हुआ जिसके बाद महात्मा गाँधी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।
(कुछ स्रोतों के अनुसार; 5 फरवरी, 1922) **SSC CGL-2024**
- 1923 ई. में मोतीलाल नेहरू और चित्तरंजन दास ने इलाहाबाद में स्वराज पार्टी की स्थापना की।

इरविन (1926-1931 ई.)

- 3 फरवरी, 1928 को साइमन कमीशन बंबई पहुँचा।
- साइमन कमीशन का विरोध करने पर लाला लाजपत राय की लाठी से पीटकर हत्या कर दी गई।
- 1929 ई. में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन लाहौर में हुआ। इस अधिवेशन के अध्यक्ष पं. जवाहरलाल नेहरू थे। लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव पारित हुआ था।

- दांडी मार्च (1930)।

SSC CGL-2024

- गाँधी-इरविन समझौता (1931)।

SSC CGL-2024

विलिंगडन (1931-1936 ई.)

- 16 अगस्त, 1932 को रैम्से मैकडोनाल्ड (तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री) ने विवादास्पद सांप्रदायिक पंचाट की घोषणा की।
- 1932 ई. में पूना समझौता महात्मा गाँधी और डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बीच हुआ।
- भारत सरकार अधिनियम (1935)।

SSC CGL-2024

लिनलिथगो (1936 से 1944 ई.)

- 1 सितंबर, 1939 को द्वितीय विश्व युद्ध प्रारंभ।
- अगस्त प्रस्ताव (1940)।
- क्रिप्स मिशन (1942)।
- भारत छोड़ो आंदोलन (1942)।

SSC CHSL-2023

वेवेल (1944 से 1947 ई.)

- शिमला सम्मेलन (1945)।
- कैबिनेट मिशन 1946 ई. में भारत आया; जिसमें तीन सदस्य थे- **स्टैफोर्ड क्रिप्स, पैथिक लॉरेंस तथा ए.वी. अलेक्जेंडर।**

माउंटबेटन (1947-1948 ई.)

- माउंटबेटन को स्वतंत्र भारत का अंतिम ब्रिटिश वायसराय तथा प्रथम गवर्नर जनरल माना जाता है।
- 3 जून, 1947 को माउंटबेटन योजना द्वारा भारत का विभाजन कर दिया गया।
- 15 अगस्त, 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ।

SSC CGL-2023

ब्रिटिशकालीन भारत की प्रमुख संस्थाएँ/संगठन/सभा एवं आंदोलन

प्रमुख संस्थाएँ/संगठन/सभा एवं आंदोलन	स्थापना वर्ष	संस्थापक/संबंधित मुख्य व्यक्ति
कलकत्ता मदरसा	1781	वॉरेन हेस्टिंग्स
एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल	1784	सर विलियम जोन्स
SSC CPO-2022		
संस्कृत कॉलेज	1791	जोनाथन डंकन
आत्मीय सभा*	1815	राजा राममोहन राय
SSC CGL-2024, SSC CPO-2023		

हिन्दू कॉलेज	1817	राजा राममोहन राय, डेविड हेयर (डच घड़ीसाज)
फरायजी आंदोलन	-	हाजी शरीयतुल्लाह
वेदान्त कॉलेज	1825	राजा राममोहन राय
युवा (यंग) बंगाल आंदोलन	19वीं सदी के तृतीय एवं चतुर्थ दशक में	हेनरी लुइस विवियन डेरॉजियो
SSC JE-2024		
ब्रह्म सभा/ब्रह्म समाज	1828	राजा राममोहन राय
SSC CGL-2023, 2024		
धर्म सभा	1830	राधाकांत देव
लैंडहोल्डर्स सोसायटी	1838	द्वारकानाथ टैगोर
तत्वबोधिनी सभा	1839	देबेन्द्रनाथ टैगोर
SSC CGL-2023		
परमहंस मंडली	1849	दादोबा पांडुरंग तखंडकर, दुर्गाराम मेहताजी
SSC CPO-2023		
रहनुमाई मजदयास्नन सभा	1851	नौरोजी फरदोनजी, दादाभाई नौरोजी, एस.एस. बंगाली
SSC JE-2024		
श्री नारायण गुरु धर्म परिपालन (SNDP) आंदोलन	-	श्री नारायण गुरु स्वामी
SSC MTS-2023		
राधास्वामी आंदोलन	1861	तुलसीराम (शिव दयाल सिंह)
वेद समाज	1864	के. श्रीधरलु नायडू, केशव चन्द्र सेन
SSC Selection Posts-2023		
ईस्ट इंडिया एसोसिएशन	1866	दादाभाई नौरोजी
SSC GD-2023		
भारतवर्षीय ब्रह्म समाज (नव विधान ब्रह्म समाज)	1866	केशव चन्द्र सेन
देवबन्द आंदोलन	1866-67	मुहम्मद कासिम नानोतवी, राशिद अहमद गंगोही
प्रार्थना समाज	1867	डॉ. आत्माराम पांडुरंग
SSC GD-2023, SSC CGL-2024		
पूना सार्वजनिक सभा	1870	महादेव गोविंद रानाडे
सत्यशोधक समाज	1873	ज्योतिराव गोविंदराव फुले (ज्योतिबा फुले)
SSC GD-2023		

थियोसोफिकल सोसायटी	1875	मैडम एच.पी. ब्लावैट्स्की, कर्नल ऑल्कॉट
SSC CGL-2024		
आर्य समाज	1875	स्वामी दयानन्द सरस्वती
SSC CGL-2023, 2024		
मोहम्मडन एंग्लो ओरिएंटल स्कूल (अलीगढ़)	1875	सर सैय्यद अहमद खाँ
SSC CPO-2024		
अलीगढ़ आंदोलन	-	सर सैय्यद अहमद खाँ
साइन्टिफिक सोसायटी	-	सर सैय्यद अहमद खाँ
इंडियन एसोसिएशन (भारत संघ)	1876	सुरेन्द्रनाथ बनर्जी, आनंद मोहन बोस
SSC GD-2023		
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	1885	एलन ऑक्टोवियन ह्यूम (ए.ओ. ह्यूम)
दयानन्द एंग्लो वैदिक स्कूल	1886	महात्मा हंसराज
देव समाज	1887	शिव नारायण अग्निहोत्री
शारदा सदन	1889	पंडिता रमाबाई सरस्वती
वहाबी आंदोलन	-	सैय्यद अहमद बरेलवी
अहमदिया आंदोलन	19वीं सदी	मिर्जा गुलाम अहमद
रामकृष्ण मिशन	1897	स्वामी विवेकानन्द
SSC MTS-2023		
मित्र मेला	1899	विनायक दामोदर सावरकर, गणेश सावरकर
गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय	-	स्वामी श्रद्धानन्द
अभिनव भारत	1904	विनायक दामोदर सावरकर
SSC MTS-2023		
द सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसायटी	1905	गोपालकृष्ण गोखले
SSC MTS-2023		
मुस्लिम लीग	1906	सलीमुल्लाह, आगा खाँ
सेवा सदन	1908	बहराम एम. मालाबारी, दीवान दयाराम गिडूमल
भारत स्त्री मंडल	1910	सरलाबाई देवी चौधरानी
गदर पार्टी	1913	लाला हरदयाल, सोहन सिंह भाकना, करतार सिंह सराबा
होमरूल लीग	1916	बाल गंगाधर तिलक, एनी बेसेन्ट

खिलाफत आंदोलन	1919-20	मुहम्मद अली एवं शौकत अली (अली बंधु)
ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस	1920	लाला लाजपत राय, नारायण मल्हार जोशी
SSC CGL-2024, SSC CPO-2023		
आत्म-सम्मान आंदोलन	1920 दशक	का ई.वी. रामासामी नायकर
विश्व भारती	1921	रवीन्द्रनाथ टैगोर
SSC CGL-2024		
स्वराज पार्टी	1923	चित्तरंजन दास, मोतीलाल नेहरू
नौजवान भारत सभा	1926	भगत सिंह, यशपाल, छबील दास
फॉरवर्ड ब्लॉक	1939	सुभाष चन्द्र बोस
SSC MTS-2023		

नोट- कुछ इतिहासकारों ने आत्मीय सभा का स्थापना वर्ष 1814 ई. को माना है।

प्रमुख उपाधि, प्राप्तकर्ता एवं प्रदाता

प्रमुख उपाधि	प्राप्तकर्ता/संबंधित व्यक्तित्व	प्रदाता/प्रदानकर्ता
महात्मा	गाँधीजी	रवीन्द्रनाथ टैगोर
राष्ट्रपिता	महात्मा गाँधी	सुभाष चन्द्र बोस
वन मैन बाउंड्री फोर्स	महात्मा गाँधी	माउंटबेटन
सरदार	वल्लभभाई पटेल	बारडोली क्षेत्र की महिलाएँ
देशरत्न/अजातशत्रु	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	महात्मा गाँधी
गुरुदेव	रवीन्द्रनाथ टैगोर	महात्मा गाँधी
देशनायक	सुभाष चन्द्र बोस	रवीन्द्रनाथ टैगोर
देशभक्तों के देशभक्त	सुभाष चन्द्र बोस	महात्मा गाँधी
विवेकानन्द	स्वामी विवेकानन्द	महाराजा खेतड़ी
राजा	राजा राममोहन राय	अकबर द्वितीय
दीनबंधु	चार्ल्स फ्रेयर एंड्रूज	महात्मा गाँधी
नाइटिंगेल ऑफ इंडिया	सरोजिनी नायडू	महात्मा गाँधी
SSC CHSL-2023		
भारतीय अशांति का जनक	बाल गंगाधर तिलक	वेलेन्टाइन शिरोल/चिरोल

लोकप्रिय उपनाम	प्रमुख व्यक्ति
बिहार केसरी	डॉ. श्रीकृष्ण सिंह
सीमांत गाँधी	खान अब्दुल गफ्फार ख़ाँ
राष्ट्रपिता, बापू	महात्मा गाँधी

वयोवृद्ध पुरुष	दादाभाई नौरोजी
SSC Selection Posts-2023	
जननायक	कपूरी ठाकुर
शेर-ए-कश्मीर	शेख मोहम्मद अब्दुल्ला
लौह पुरुष, भारत का बिस्मार्क, सरदार	वल्लभभाई पटेल
SSC CHSL-2023	
शांति पुरुष	लाल बहादुर शास्त्री
पंजाब केसरी	लाला लाजपत राय
बंगाल केसरी	आशुतोष मुखर्जी
दीनबंधु	सी.एफ. एंड्रूज
लोकमान्य	बाल गंगाधर तिलक
लोकनायक	जयप्रकाश नारायण
SSC CGL-2024	
लोकहितवादी	गोपालहरि देशमुख
देशबंधु	चित्तरंजन दास
SSC CGL-2024	
राजर्षि	पुरुषोत्तमदास टंडन
बंगबंधु	शेख मुजीबुर्रहमान
गुरुदेव	रवीन्द्रनाथ टैगोर
गुरुजी	एम.एस. गोलवलकर
महामना	पं. मदन मोहन मालवीय
बिहार विभूति	डॉ. अनुग्रह नारायण सिन्हा
स्पैरो	मेजर जनरल राजेन्द्र सिंह
भारतीय फिल्मों के पितामह	धुंडीराज गोविंद फाल्के
विरोधाभासों का मिश्रण	मुहम्मद-बिन-तुगलक
विद्रोही कवि	काजी नजरूल इस्लाम
मैन ऑफ डेस्टिनी	नेपोलियन बोनापार्ट
लिटिल कार्पोरल	नेपोलियन बोनापार्ट
राजाजी	चक्रवर्ती राजगोपालाचारी
भारतीय पुनर्जागरण के प्रभात नक्षत्र	राजा राममोहन राय
कायदे आजम	मुहम्मद अली जिन्ना
देशरत्न/अजातशत्रु	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
कश्मीर का अकबर	जैन-उल-आबिदीन
भारत का नेपोलियन	समुद्रगुप्त

भारतीय मैकियावेली	चाणक्य
फ्यूहरर	एडोल्फ हिटलर
भारत का शेक्सपियर	महाकवि कालिदास
महात्मा गाँधी के पाँचवें पुत्र	जमनालाल बजाज
ब्लैक गाँधी	मार्टिन लूथर किंग (जूनियर)
लाल, बाल, पाल	लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, बिपिन चन्द्र पाल
नेताजी	सुभाष चन्द्र बोस
चाचा	जवाहरलाल नेहरू
ताऊ	चौधरी देवीलाल
शहीद-ए-आजम	सरदार भगत सिंह
भारत कोकिला	सरोजिनी नायडू
स्वर कोकिला	लता मंगेशकर
विश्वकवि, कविगुरु	रवीन्द्रनाथ टैगोर
तूती-ए-हिन्द	अमीर खुसरो
बाबूजी	जगजीवन राम

भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित प्रमुख वचन एवं नारे

प्रमुख वचन एवं नारे	संबंधित मुख्य व्यक्ति
जन-गण-मन अधिनायक जय हे!	रवीन्द्रनाथ टैगोर
वन्दे मातरम्	बंकिम चन्द्र चटर्जी
SSC CGL-2023	
सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा	मुहम्मद इकबाल
SSC CPO-2024	
स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, मैं इसे लेकर रहूँगा।	बाल गंगाधर तिलक
SSC JE-2024	
इंकलाब जिन्दाबाद	भगत सिंह/हसरत मोहानी

SSC CPO-2022	
साम्राज्यवाद का नाश हो	भगत सिंह
जय हिन्द	सुभाष चन्द्र बोस
तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा	सुभाष चन्द्र बोस
दिल्ली चलो	सुभाष चन्द्र बोस
करो या मरो	महात्मा गाँधी
हे राम!	महात्मा गाँधी
भारत छोड़ो	महात्मा गाँधी
साइमन कमीशन वापस जाओ/साइमन गो बैक	लाला लाजपत राय
हू लिक्स इफ इंडिया डाइज	जवाहरलाल नेहरू
आराम हराम है	जवाहरलाल नेहरू
वेदों की ओर लौटो	स्वामी दयानन्द सरस्वती
SSC CGL-2023	
कर मत दो	सरदार वल्लभभाई पटेल
जय जवान, जय किसान	लाल बहादुर शास्त्री
सरफरोशी की तमन्ना, अब हमारे दिल में है	रामप्रसाद बिस्मिल
मारो फिरंगी को	मंगल पांडे
जय जगत्	विनोबा भावे
संपूर्ण क्रांति	जयप्रकाश नारायण
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा	श्यामलाल गुप्ता 'पार्षद'
मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी ब्रिटिश सरकार के ताबूत में एक-एक कील का काम करेगी।	लाला लाजपत राय

नोट-

- ❖ नारे 'इंकलाब जिन्दाबाद' का व्यापक रूप से प्रयोग/प्रचलन भगत सिंह ने किया था लेकिन इस नारे के मूल रचनाकार हसरत मोहानी थे।
- ❖ 'जय जवान, जय किसान' का नारा 1965 ई. के भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय प्रचलित हुआ था।
- ❖ 'भारत छोड़ो' एवं 'साइमन कमीशन वापस जाओ' नारों को क्रमशः महात्मा गाँधी एवं लाला लाजपत राय ने लोकप्रिय बनाया था।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख अधिवेशन

प्रमुख अधिवेशन आयोजन वर्ष	आयोजन स्थल	अधिवेशन अध्यक्ष	महत्त्वपूर्ण तथ्य/सम्बन्धित घटनाएँ
1885 (पहला)	बंबई (महाराष्ट्र)	व्योमेश चन्द्र बनर्जी	प्रथम अधिवेशन में कुल 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।
CISF HCM-2023, SSC JE-2024			
1886 (दूसरा)	कलकत्ता	दादाभाई नौरोजी	प्रथम पारसी अध्यक्ष
SSC CGL-2023			
1887 (तीसरा)	मद्रास	बदरुद्दीन तैय्यबजी	प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष

1888 (चौथा)	इलाहाबाद (वर्तमान में प्रयागराज)	जॉर्ज यूले	प्रथम अंग्रेज (यूरोपीय) अध्यक्ष
1889 (पाँचवां)	बंबई (महाराष्ट्र)	विलियम वेडरबर्न	-
1890	कलकत्ता	फिरोजशाह मेहता	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के इस अधिवेशन को कलकत्ता विश्वविद्यालय की प्रथम महिला स्नातक कादम्बिनी गांगुली ने सम्बोधित किया था।
1896	कलकत्ता	रहीमतुल्ला एम. सयानी	प्रथम बार रवीन्द्रनाथ टैगोर ने 'बन्दे मातरम्' गाया था।
CISF HCM-2023			
1901	कलकत्ता	दिनशाँ ई. वाचा	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के किसी वार्षिक अधिवेशन में महात्मा गाँधी ने प्रथम बार हिस्सा लिया था।
1905	बनारस	गोपालकृष्ण गोखले	बंग-भंग आन्दोलन की आलोचना तथा स्वदेशी एवं विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का समर्थन किया गया।
SSC CPO-2024			
1906	कलकत्ता	दादाभाई नौरोजी	प्रथम बार 'स्वराज (स्वशासन)' शब्द का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मंच से प्रयोग।
SSC CGL-2023			
1907	सूरत	डॉ. रासबिहारी घोष	नरम दल तथा गरम दल के मध्य भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम विभाजन।
1908	मद्रास	डॉ. रासबिहारी घोष	इस अधिवेशन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संविधान का निर्माण किया गया।
1911	कलकत्ता	पं. बिशन नारायण धर	प्रथम बार 'जन-गण-मन' गाया गया था।
1915	बंबई (महाराष्ट्र)	सत्येन्द्र प्रसन्ना सिन्हा	तत्कालीन बंबई के गवर्नर विलिंगडन ने भाग लिया था।
SSC CGL-2023			
1916	लखनऊ	अंबिका चरण मजूमदार	नरम दल तथा गरम दल के मध्य एकीकरण/भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग में समझौता।
SSC CPO-2023			
1917	कलकत्ता	एनी बेसेन्ट	प्रथम महिला अध्यक्ष
1919	अमृतसर	मोतीलाल नेहरू	इस अधिवेशन में जलियाँवाला बाग हत्याकांड (नरसंहार) की कड़ी निन्दा की गई थी।
1920	नागपुर	सी. विजयराघवाचारियर	इस अधिवेशन में असहयोग आन्दोलन के कार्यक्रम का अनुमोदन हुआ।
1920 (विशेष सत्र)	कलकत्ता	लाला लाजपत राय	-
1922	गया (बिहार)	चित्तरंजन दास	-
1923 (विशेष सत्र)	दिल्ली	मौलाना अबुल कलाम आज़ाद	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सबसे युवा अध्यक्ष।
1924	बेलगांव (कर्नाटक)	महात्मा गाँधी	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का एकमात्र अधिवेशन जिसकी अध्यक्षता महात्मा गाँधी ने की थी।
SSC CGL-2024			
1925	कानपुर	सरोजिनी नायडू	प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष
1927	मद्रास	एम.ए. अंसारी	इस अधिवेशन में पूर्ण स्वाधीनता की माँग की गई एवं साइमन कमीशन के बहिष्कार का प्रस्ताव पारित हुआ था।
1928	कलकत्ता	मोतीलाल नेहरू	-
1929	लाहौर	जवाहरलाल नेहरू	पूर्ण स्वराज की माँग की गई थी।
SSC GD-2023, SSC CHSL-2023			

1931	कराची	सरदार वल्लभभाई पटेल	इस अधिवेशन में गाँधी-इरविन पैक्ट का अनुमोदन किया गया था।
1933	कलकत्ता	नेली सेनगुप्त	-
1936	लखनऊ	जवाहरलाल नेहरू	-
1937	फैजपुर (महाराष्ट्र)	जवाहरलाल नेहरू	यह प्रथम ऐसा अधिवेशन था जो किसी गाँव में आयोजित हुआ था।
1938	हरिपुरा (गुजरात)	सुभाष चन्द्र बोस	इस अधिवेशन में राष्ट्रीय नियोजन समिति का गठन किया गया था।
1939	त्रिपुरी (मध्य प्रदेश)	सुभाष चन्द्र बोस	इस अधिवेशन में सुभाष चन्द्र बोस ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया था।
SSC MTS-2023			
1940	रामगढ़ (झारखंड)	मौलाना अबुल कलाम आजाद	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर लगातार 6 वर्षों तक रहे।
1946	मेरठ	आचार्य जे.बी. कृपलानी	स्वतंत्रता से पूर्व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अंतिम अधिवेशन एवं आचार्य जे.बी. कृपलानी भारत की आजादी के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष थे।

प्रारंभिक भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन में 72 सदस्यों ने हिस्सा लिया था। यह अधिवेशन बंबई में हुआ था। पहले यह पूना में होना था परन्तु वहाँ प्लेग की बीमारी फैलने के कारण नहीं हो पाया। इस अधिवेशन के अध्यक्ष डब्ल्यू.सी. बनर्जी थे।
- बंकिम चन्द्र चटर्जी ने कहा, कांग्रेस के लोग पदों के भूखे राजनीतिज्ञ हैं।
- ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स का चुनाव लड़ने वाले सर्वप्रथम भारतीय दादाभाई नौरोजी थे, ये लिबरल पार्टी से चुनाव जीते थे।
- 'पाँवटी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया' पुस्तक के लेखक दादाभाई नौरोजी हैं। **SSC CGL-2024**
- 1906 ई. में कलकत्ता में हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन की अध्यक्षता करते हुए दादाभाई नौरोजी ने प्रथम बार स्वराज शब्द का प्रयोग किया था।
- बाल गंगाधर तिलक ने महाराष्ट्र में गणपति उत्सव तथा शिवाजी उत्सव नामक त्योहार प्रारंभ किए। **DP Const. 2020**
- वेलेन्टाइन शिरोल/चिरोल ने बाल गंगाधर तिलक को भारतीय अशांति का जनक कहा था।
- कर्जन ने 19 जुलाई, 1905 को बंगाल के विभाजन की घोषणा की। (**कुछ स्रोतों के अनुसार; 20 जुलाई, 1905**) **SSC CPO-2022**
- बंगाल विभाजन के विरोध में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने कलकत्ता के टाउन हॉल में स्वदेशी आंदोलन का प्रारंभ 1905 ई. में किया। इस दौरान रवीन्द्रनाथ टैगोर ने प्रसिद्ध गीत आमार सोनार बांग्ला लिखा।
- 16 अक्टूबर, 1905 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा पूरे बंगाल में शोक दिवस मनाया गया।
- बंगाल विभाजन का मुख्य कारण वास्तविक रूप से बंगाल में उत्पन्न राष्ट्रीय चेतना को नष्ट करना था।
- 30 दिसंबर, 1906 को सलीमुल्लाह तथा आगा खॉं ने ढाका में मुस्लिम लीग की स्थापना की थी। **SSC MTS-2023**
- 1908 ई. के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अमृतसर अधिवेशन में मुस्लिम लीग ने पृथक् निर्वाचन मंडल की माँग की थी।
- गदर पार्टी की स्थापना 1913 ई. में लाला हरदयाल एवं सोहन सिंह भाकना

ने सैन फ्रांसिस्को (यू.एस.ए.) में की थी।

SSC CGL-2024, SSC JE-2024

- कामागाटामारू प्रकरण 1914 ई. में घटित हुआ था। इस प्रकरण के अंतर्गत 1914 ई. में कुछ भारतीय लोगों के कनाडा में प्रवेश प्रतिबंध को लेकर आंदोलन हुआ था। **SSC CGL-2023**

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का तृतीय एवं अंतिम चरण (1919-1947 ई.)

- भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का तृतीय चरण गाँधी युग के नाम से जाना जाता है।
- महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को गुजरात के पोर्बन्दर में हुआ था। इनका विवाह 13 वर्ष की आयु में कस्तूरबा गाँधी से हुआ। **SSC CGL-2024, SSC MTS-2023**
- महात्मा गाँधी 1893 ई. में एक गुजराती व्यापारी दादा अब्दुल्ला का मुकदमा लड़ने के लिए डरबन (दक्षिण अफ्रीका) गए थे।
- 9 जनवरी, 1915 को गाँधीजी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे और गोपालकृष्ण गोखले को अपना राजनीतिक गुरु बनाया।

SSC GD-2023

- गोपालकृष्ण गोखले के राजनीतिक गुरु महादेव गोविंद रानाडे थे।
- गाँधीजी ने अहमदाबाद में साबरमती आश्रम की स्थापना की थी।
- अपने प्रारंभिक दिनों में गाँधीजी ने ब्रिटिश सरकार के युद्ध प्रयासों में सहायता की, जिसके परिणामस्वरूप ब्रिटिश सरकार ने उन्हें 1915 ई. में कैसर-ए-हिन्द की उपाधि दी।
- गाँधीजी ने भारत में सत्याग्रह का पहला प्रयोग 1917 ई. में **चम्पारण (बिहार)** में किया था।

SSC MTS-2023, SSC CGL-2023, 2024

- राजकुमार शुक्ल के कहने पर महात्मा गाँधी किसानों की समस्याएँ सुनने के लिए चम्पारण गए थे। **SSC CGL-2023**
- भारत में 1917-18 ई. के दौरान गाँधीजी ने चम्पारण किसान आंदोलन, खेड़ा किसान आंदोलन तथा अहमदाबाद मजदूर आंदोलन का सफल नेतृत्व किया। **SSC CHSL-2023**

- महात्मा गाँधी जॉन रस्किन की पुस्तक अनटू दिस लास्ट से बहुत अधिक प्रभावित थे।

रौलेट एक्ट (1919 ई.)

- यह अधिनियम सर सिडनी रौलेट की अध्यक्षता में सेडिशन कमेटी की सिफारिशों के आधार पर पारित किया गया।
- रौलेट एक्ट के द्वारा ब्रिटिश सरकार किसी भी व्यक्ति को बिना मुकदमा चलाए जेल में बन्द कर सकती थी। इसलिए भारतीय जनता ने इसे काला कानून कहा।
- गाँधीजी ने रौलेट एक्ट की आलोचना करते हुए सत्याग्रह करने का निश्चय किया था। 6 अप्रैल, 1919 को गाँधीजी के अनुरोध पर देशभर में हड़तालों का आयोजन हुआ। ब्रिटिश सरकार ने गाँधीजी के पंजाब एवं दिल्ली में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। 9 अप्रैल, 1919 को गाँधीजी को दिल्ली में प्रवेश करने के साथ ही गिरफ्तार कर लिया गया। इससे जनता में आक्रोश बढ़ गया जिसके कारण गाँधीजी को बंबई ले जाकर रिहा कर दिया गया, परन्तु जनता का आक्रोश इससे भी कम नहीं हुआ।

जलियाँवाला बाग हत्याकांड (1919 ई.)

- रौलेट एक्ट के विरोध में जगह-जगह पर पंजाब में जनसभाएँ आयोजित की जा रही थी। इस दौरान ब्रिटिश सरकार ने पंजाब के लोकप्रिय नेता डॉ. सैफुद्दीन किचलू तथा डॉ. सत्यपाल को गिरफ्तार कर लिया। इसी गिरफ्तारी का विरोध करने के लिए 13 अप्रैल, 1919 को एक जनसभा अमृतसर के जलियाँवाला बाग में आयोजित की गई। तत्कालीन पंजाब के लेफ्टिनेंट गवर्नर जनरल डायर ने जनसभा में उपस्थित निहत्थी भीड़ पर गोलियाँ चलवा दी थी।
- इस हत्याकांड के विरोध में वायसराय की कार्यकारिणी के सदस्य पद से शंकर नायर ने त्यागपत्र दे दिया।
- इस हत्याकांड के विरोध में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी 'नाइटहुड' की उपाधि वापस कर दी। **SSC CGL-2024**
- इस हत्याकांड के विरोध में महात्मा गाँधी ने अपनी 'कैसर-ए-हिन्द' की उपाधि वापस कर दी। **SSC MTS-2023**
- इस हत्याकांड की जाँच हंटर आयोग ने की थी। सरकारी रिपोर्ट (**हंटर आयोग की रिपोर्ट**) के अनुसार, 379 लोग मारे गए थे लेकिन वास्तव में संख्या इससे कहीं ज्यादा थी।

खिलाफत आंदोलन (1919-20 ई.)

- खिलाफत आंदोलन शौकत अली तथा मुहम्मद अली (अली बंधुओं) ने 1919-20 ई. में शुरू किया था। इस आंदोलन को महात्मा गाँधी का समर्थन भी प्राप्त था।
- इस आंदोलन की शुरुआत भारतीय मुसलमानों ने तुर्की के ऑटोमन साम्राज्य की रक्षा व खलीफा के पद को बनाए रखने हेतु की थी।

असहयोग आंदोलन (1920 ई.)

- 1920 ई. के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव चित्तरंजन दास ने प्रस्तावित किया था। **SSC GD-2023**
- गाँधीजी द्वारा 1 अगस्त, 1920 को असहयोग आंदोलन शुरू कर दिया गया। **SSC GD-2023**
- 4 फरवरी, 1922 (**कुछ स्रोतों के अनुसार; 5 फरवरी, 1922**) को

गोरखपुर जिले के चौरी-चौरा नामक स्थान पर आंदोलनकारी भीड़ ने एक थाने में आग लगा दी थी। इस घटना से गाँधीजी बहुत दुःखी हुए और उन्होंने **12 फरवरी, 1922 को असहयोग आंदोलन समाप्त** कर दिया।

SSC CGL-2024, SSC JE-2024, SSC MTS-2023

- मार्च, 1922 में गाँधीजी को गिरफ्तार कर लिया गया और 6 वर्ष की सजा सुनाई गई।
- बाल गंगाधर तिलक ने असहयोग आंदोलन का समर्थन किया था परन्तु इस आंदोलन के प्रथम दिन ही इनकी मृत्यु हो गई थी।

स्वराज पार्टी (1923 ई.)

- स्वराज पार्टी की स्थापना 1923 ई. में मोतीलाल नेहरू और चित्तरंजन दास ने इलाहाबाद में की थी। **SSC GD-2023, SSC CGL-2023**

हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (1924 ई.)

- 1924 ई. में रामप्रसाद बिस्मिल, चन्द्रशेखर आज़ाद, शचीन्द्रनाथ सान्याल आदि ने मिलकर हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एच.आर.ए.) की स्थापना कानपुर में की थी।

काकोरी कांड (1925 ई.)

- यह घटना 9 अगस्त, 1925 को काकोरी नामक स्थान पर हुई; जिसमें एक 8 डाउन ट्रेन में रखे सरकारी खजाने को लूटा गया था।
- इस घटना में कई लोगों को अभियुक्त बनाया गया; जिनमें से रामप्रसाद बिस्मिल, राजेन्द्र लाहिड़ी, अशफाक उल्ला खॉं तथा रोशन सिंह को फाँसी दी गई थी। **SSC CPO-2022**

नोट- कुछ समय पूर्व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय काकोरी कांड का नाम परिवर्तित करके काकोरी ट्रेन एक्शन कर दिया गया है।

हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (1928 ई.)

- 1928 ई. में चन्द्रशेखर आज़ाद ने हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एच.एस.आर.ए.) की स्थापना दिल्ली में की थी। **SSC MTS-2023, SSC GD-2023, SSC Selection Posts-2023**

महत्त्वपूर्ण तथ्य

- 1928 ई. में ही भगत सिंह, चन्द्रशेखर आज़ाद और राजगुरु ने पुलिस अधिकारी साण्डर्स की लाहौर में हत्या कर दी।
- 8 अप्रैल, 1929 को भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने केन्द्रीय विधानमंडल में बम फेंका तथा भगत सिंह ने इंकलाब जिन्दाबाद का नारा लगाया था।
- 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को अंग्रेजों द्वारा फाँसी दे दी गई थी। **SSC MTS-2023**
- 27 फरवरी, 1931 को चन्द्रशेखर आज़ाद इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में पुलिस से मुठभेड़ में शहीद हो गए।
- सूर्यसेन के नेतृत्व में चटगाँव शस्त्रागार पर छापा मारा गया था। **SSC MTS-2023, SSC CGL-2024**
- राजद्रोह के आरोप में 1934 ई. में सूर्यसेन को फाँसी दे दी गई।

साइमन कमीशन (1927-28 ई.)

- नवंबर, 1927 में सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में एक आयोग गठित हुआ, जिसमें कोई भी भारतीय सदस्य नहीं था।

- साइमन कमीशन फरवरी, 1928 में बंबई (भारत) आया था।
- इरविन के सुझावों पर भारतीयों को साइमन कमीशन से बाहर रखा गया था।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इसका बहिष्कार किया। जहाँ-जहाँ यह आयोग गया, वहाँ आयोग को काले झंडे दिखाए गए।
- 17 नवंबर, 1928 को साइमन कमीशन का विरोध करते समय पुलिस की लाठी लगने से लाला लाजपत राय की मृत्यु हो गई।

SSC CGL-2023

- साइमन कमीशन ने अपनी रिपोर्ट मई, 1930 में प्रस्तुत की थी।

नेहरू रिपोर्ट (1928 ई.)

- साइमन कमीशन का बहिष्कार करने पर बर्किंगहैड ने भारतीयों को संविधान बनाने की चुनौती दी। भारतीय नेताओं ने इस चुनौती को स्वीकार कर लिया तथा इसके बाद 1928 ई. में दिल्ली में एक सम्मेलन का आयोजन हुआ।
- मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता वाली समिति ने अगस्त, 1928 में एक रिपोर्ट पेश की जिसे नेहरू रिपोर्ट के नाम से जाना जाता है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन (1929 ई.)

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन दिसंबर, 1929 में आयोजित किया गया।
- इस अधिवेशन के अध्यक्ष पं. जवाहरलाल नेहरू थे।
- इस अधिवेशन में पूर्ण स्वराज की माँग की गई थी। **SSC CGL-2024**

सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930 ई.)

- सविनय अवज्ञा आंदोलन का प्रारंभ महात्मा गाँधी ने 1930 ई. में किया था।
- 12 मार्च, 1930 को महात्मा गाँधी ने ऐतिहासिक नमक सत्याग्रह आंदोलन प्रारंभ कर दिया था। इसे दांडी मार्च भी कहा जाता है।
- गाँधीजी ने साबरमती आश्रम से अपने 78 अनुयायियों के साथ दांडी मार्च किया।
- 24 दिन की लम्बी यात्रा के पश्चात् 6 अप्रैल, 1930 को दांडी में गाँधीजी ने नमक कानून तोड़ दिया। यही से सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ हुआ।
- नमक कानून के उल्लंघन पर गाँधीजी को गिरफ्तार कर लिया गया तथा यरवदा जेल में रखा गया। इसके बाद सविनय अवज्ञा आंदोलन का नेतृत्व अब्बास तैयबजी ने किया।
- वेब मिलर एक अमेरिकी पत्रकार था, जिसको दांडी मार्च के समय साबरमती आश्रम में गाँधीजी ने ठहराया था।

खुदाई खिदमतगार (लाल कुर्ती) आंदोलन

- खुदाई खिदमतगार (लाल कुर्ती) आंदोलन खान अब्दुल गफ्फार ख़ाँ ने शुरू किया। **SSC CGL-2024, SSC MTS-2023**
- इस आंदोलन के माध्यम से खान अब्दुल गफ्फार ख़ाँ ने सविनय अवज्ञा आंदोलन को भी सहयोग दिया था।

गोलमेज सम्मेलन (1930-1932 ई.)

- प्रथम गोलमेज सम्मेलन 1930 ई. में लंदन में हुआ। इस सम्मेलन का उद्घाटन ब्रिटेन के सम्राट जॉर्ज पंचम ने किया तथा इस सम्मेलन की अध्यक्षता ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री रैम्से मैकडोनाल्ड ने की थी।
- द्वितीय गोलमेज सम्मेलन 1931 ई. में लंदन में हुआ। महात्मा गाँधी ने द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया, परन्तु सांप्रदायिक प्रकरण पर विवाद होने

के कारण गाँधीजी वहाँ से निराश होकर वापस आ गए और ये सम्मेलन विफल हो गया।

SSC Selection Posts-2023

- तृतीय गोलमेज सम्मेलन 1932 ई. में लंदन में हुआ था। इस सम्मेलन का भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने बहिष्कार किया।

नोट- डॉ. भीमराव अम्बेडकर एकमात्र भारतीय थे, जो तीनों गोलमेज सम्मेलन में उपस्थित रहे।

- गाँधी-इरविन समझौता 5 मार्च, 1931 को हुआ था। इसको दिल्ली समझौता भी कहा जाता है। **IB ACIO Grade-II 2024**

पूना समझौता/पूना पैक्ट (1932 ई.)

- पूना समझौता सितंबर, 1932 में महात्मा गाँधी और डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बीच हुआ।

महत्त्वपूर्ण तथ्य

- द्वितीय विश्व युद्ध 1939 ई. में प्रारंभ हुआ था। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अंग्रेजों के सामने प्रस्ताव रखा कि यदि आप हमको स्वतंत्र घोषित कर देते हैं तो हम इस युद्ध में आपकी सहायता करेंगे।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के इस प्रस्ताव के उत्तर में वायसराय लिनलिथगो ने 8 अगस्त, 1940 को अगस्त प्रस्ताव प्रस्तुत किया।
- पाकिस्तान शब्द का जनक इंग्लैंड के कैम्ब्रिज में पढ़ने वाला एक छात्र चौधरी रहमत अली था।
- क्रिप्स मिशन मार्च, 1942 में भारत आया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों ने इस मिशन को अस्वीकार कर दिया था।

भारत छोड़ो आंदोलन (1942 ई.)

- भारत छोड़ो आंदोलन अगस्त, 1942 में महात्मा गाँधी ने शुरू किया था। इस आंदोलन के शुरू होते ही महात्मा गाँधी को गिरफ्तार कर लिया गया और आगा ख़ाँ पैलेस में कैद करके रखा गया। मुस्लिम लीग ने इस आंदोलन का समर्थन नहीं किया था।
- खराब स्वास्थ्य होने के कारण महात्मा गाँधी को मई, 1944 में रिहा कर दिया गया।
- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान लुई फिशर महात्मा गाँधी के साथ थे।
- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान महात्मा गाँधी ने 'करो या मरो' का नारा भी दिया था। **SSC JE-2024**

कैबिनेट मिशन (1946 ई.)

- कैबिनेट मिशन 24 मार्च, 1946 को भारत आया था।
- कैबिनेट मिशन में 3 सदस्य थे-
 1. स्टैफोर्ड क्रिप्स (अध्यक्ष)
 2. पैथिक लॉरेंस
 3. ए.वी. अलेक्जेंडर
- कैबिनेट मिशन योजना के द्वारा भारत के संविधान का निर्माण हुआ था।

एटली की घोषणा (1947 ई.)

- ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एटली ने 20 फरवरी, 1947 को घोषणा की थी कि सभी अंग्रेज जून, 1948 से पहले भारत के लोगों को सत्ता सौंपकर सदा के लिए भारत को छोड़ देंगे।

माउंटबेटन योजना (1947 ई.)

- 3 जून, 1947 को माउंटबेटन ने एक योजना की घोषणा की जिससे माउंटबेटन योजना कहा जाता है। यह योजना भारत विभाजन की योजना थी। इसका उद्देश्य भारत को स्वतंत्र करना था। इसके अलावा, मुस्लिम लोगों को यह चुनना था कि वे भारत में रहेंगे या पाकिस्तान में। इस योजना के द्वारा भारत को स्वतंत्र कर दिया गया एवं पाकिस्तान का निर्माण हुआ।
- पं. जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बने।
- पाकिस्तान के प्रथम गवर्नर जनरल मुहम्मद अली जिन्ना थे।
- माउंटबेटन योजना के विभाजन प्रस्ताव का समर्थन गोविंद वल्लभ पंत एवं मौलाना अबुल कलाम आज़ाद (जो पहले विभाजन प्रस्ताव के पक्ष में नहीं थे) ने किया था।
- कुछ अन्य प्रमुख नेताओं में पं. जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गाँधी तथा जे. बी. कृपलानी इस विभाजन के प्रस्ताव के पक्ष में थे।
- विभाजन के प्रस्ताव को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा भी समर्थन मिला था।
- डॉ. सैफुद्दीन किचलू इस विभाजन के प्रस्ताव के पक्ष में नहीं थे।
- माउंटबेटन स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल बने।
- भारत की आज़ादी के समय इंग्लैंड का सम्राट जॉर्ज-VI था।
- भारत की आज़ादी के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष जे.बी. कृपलानी थे।

कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

- मुस्लिम लीग ने सबसे पहले पाकिस्तान की माँग 1940 ई. में की थी।
- मुस्लिम लीग ने मुक्ति दिवस 1939 ई. में तथा प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस 1946 ई. में मनाया। **CISF HCM-2023**
- सविनय अवज्ञा आंदोलन में पठान सत्याग्रहियों पर गोली चलाने से गढ़वाल राइफल्स ने इनकार कर दिया।
- 1939 ई. में महात्मा गाँधी द्वारा प्रस्तावित प्रत्याशी पट्टाभि सीतारमैया को हराकर सुभाष चन्द्र बोस भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए।
- 13 मार्च, 1940 को लंदन में सरदार ऊधम सिंह ने जनरल डायर की गोली मारकर हत्या कर दी।
- गाँधीजी ने 1940 ई. में पवनार (महाराष्ट्र) में व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया। इसके प्रथम सत्याग्रही विनोबा भावे, दूसरे सत्याग्रही जवाहरलाल नेहरू एवं तीसरे सत्याग्रही ब्रह्मदत्त थे। इस आंदोलन को दिल्ली चलो आंदोलन भी कहा गया।
- 1943 ई. में जापान ने अंडमान एवं निकोबार द्वीप सुभाष चन्द्र बोस को सौंप दिए थे।
- भगत सिंह के विरुद्ध मुखबिरी करने के कारण फणीन्द्रनाथ घोष की हत्या बैकुण्ठ शुक्ल ने की थी।
- गाँधीजी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सदस्यता से दो बार त्यागपत्र दिया था- (1925 ई. में और 1930 ई. में)
- महात्मा गाँधी ने कहा था- 'मैं देश के बालू से ही कांग्रेस से भी बड़ा आंदोलन खड़ा कर दूँगा।'
- जवाहरलाल नेहरू ने कहा था- 'मैं एक क्रांतिकारी के रूप में कार्य करता हूँ।'
- दीनबंधु मित्र के नाटक **नील दर्पण** में नील की खेती करने वाले किसानों पर हुए अत्याचार का उल्लेख है। **SSC CGL-2024**

- स्वामी विवेकानन्द ने 1893 ई. में शिकागो में विश्व धर्म सम्मेलन को संबोधित किया। **SSC CGL-2024**
- 1929 ई. में स्वामी सहजानन्द सरस्वती ने बिहार प्रांतीय किसान सभा का गठन किया था। **SSC CGL-2024**
- सबसे कम उम्र में फाँसी की सजा पाने वाला क्रांतिकारी खुदीराम बोस था।
- भगत सिंह को फाँसी की सजा सुनाने वाला न्यायाधीश जी.सी. हिल्टन था।
- सबके लिए एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर का नारा श्री नारायण गुरु ने दिया।
- 'द इंडियन स्ट्रगल' पुस्तक के लेखक सुभाष चन्द्र बोस है। **SSC CGL-2024**
- सुभाष चन्द्र बोस के राजनीतिक गुरु देशबंधु चित्तरंजन दास थे। **SSC CGL-2024**
- शुद्धि आंदोलन के प्रवर्तक स्वामी दयानन्द सरस्वती थे।
- आर्य महिला समाज की स्थापना पंडिता रमाबाई ने की थी।

IB ACIO Grade-II 2024

- 19वीं शताब्दी के भारत की महिला समाज सुधारक ताराबाई शिंदे ने 'स्त्री-पुरुष तुलना' की रचना की थी। **SSC CGL-2024**
- 19वीं शताब्दी के भारतीय पुनर्जागरण का पिता राजा राममोहन राय को कहा जाता है।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की अध्यक्षता में भारत छोड़ो प्रस्ताव को पारित किया।
- ए.ओ. ह्यूम को हरमिट ऑफ शिमला कहा जाता है।
- रौलेट एक्ट (1919) को 'बिना अपील, बिना वकील तथा बिना दलील का कानून' कहा गया।
- 22 दिसंबर, 1939 को कांग्रेस मंत्रिमंडल ने सामूहिक रूप से त्यागपत्र दिया। इस दिन को मुस्लिम लीग ने मुक्ति दिवस के रूप में मनाया।
- राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कुख्यात सेल्यूलर (सेलुलर) जेल पोर्ट ब्लेयर, अंडमान में स्थित है।

विश्व इतिहास से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य**प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918 ई.)**

- प्रथम विश्व युद्ध 28 जुलाई, 1914 को शुरू हुआ तथा 11 नवंबर, 1918 तक चला।
- प्रथम विश्व युद्ध का तात्कालिक कारण सर्बिया द्वारा ऑस्ट्रिया के राजकुमार 'फर्डिनेंड' की हत्या करना था।
- ऑस्ट्रिया का साथ देने के लिए जर्मनी युद्ध में कूदा तथा सर्बिया के साथ में रूस आ गया। रूस की सहायता के लिए ब्रिटेन और फ्रांस आए एवं बाद में अमेरिका ने भी भाग ले लिया। जर्मनी के साथ इटली और बुल्गारिया भी थे।
- प्रथम विश्व युद्ध में संपूर्ण विश्व दो खेमों में बँट गया- **मित्र राष्ट्र एवं धुरी राष्ट्र।**
- **धुरी राष्ट्रों** में जर्मनी, इटली, हंगरी और ऑस्ट्रिया तथा **मित्र राष्ट्रों** में इंग्लैंड, जापान, रूस, फ्रांस और अमेरिका थे।
- 1918 ई. में अमेरिका का राष्ट्रपति वुडरो विल्सन था।
- वर्साय की संधि 1919 ई. में हुई थी।
- प्रथम विश्व युद्ध को 'महान युद्ध' के नाम से भी जाना जाता है।

द्वितीय विश्व युद्ध (1939-1945 ई.)

- द्वितीय विश्व युद्ध 1939 ई. में शुरू हुआ।
- इस युद्ध की शुरुआत जर्मनी ने पोलैंड पर आक्रमण करके की।
- यह युद्ध वर्साय की संधि के उल्लंघन के कारण प्रारंभ हुआ था।
- जापान, इटली और जर्मनी मिलकर धुरी राष्ट्र कहलाए।
- इस युद्ध में जापान ने चीन पर हमला कर दिया तथा इटली ने इथोपिया पर अधिकार कर लिया था।
- पोलैंड की सहायता के लिए ब्रिटेन, फ्रांस तथा अमेरिका आगे आए थे। ये देश मिलकर मित्र राष्ट्र कहलाए।
- यह युद्ध 6 वर्षों तक चला। यह 1945 ई. में समाप्त हुआ।
- अमेरिका ने क्रमशः 6 अगस्त, 1945 और 9 अगस्त, 1945 को जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिरा दिए।
- 24 अक्टूबर, 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई थी।
- 1945 ई. में अमेरिका का राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट था।
- हिटलर नाजीवाद विचारधारा से तथा मुसोलिनी फांसीवाद विचारधारा से संबंधित था।
- हिटलर जर्मनी का चांसलर 1933 ई. में बना।
- हिटलर ने एक पुस्तक लिखी जिसका नाम मीन केम्फ (मेरा संघर्ष) है।

अमेरिका की क्रांति

- अमेरिका को स्वतंत्रता 4 जुलाई, 1776 को प्राप्त हुई थी।
- बोस्टन टी पार्टी की घटना का संबंध अमेरिका की क्रांति से है, यह घटना 1773 ई. में हुई थी।
- अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन थे।
- अब्राहम लिंकन अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति थे।
- अमेरिका में सबसे पहले लिखित संविधान लागू हुआ था।
- अमेरिका की क्रांति का नारा था- 'प्रतिनिधित्व नहीं तो कर नहीं।'

औद्योगिक क्रांति

- औद्योगिक क्रांति की शुरुआत इंग्लैंड से हुई थी क्योंकि इंग्लैंड के पास कच्चे माल और पूँजी की अधिकता थी।
- औद्योगिक क्रांति की दौड़ में जर्मनी, इंग्लैंड का विरोधी था।

पुनर्जागरण

- पुनर्जागरण का प्रारंभ इटली से हुआ था।
- इटली के महान कवि दांते को पुनर्जागरण का अग्रदूत माना जाता है।
- दांते ने डिवाइन कॉमेडी नामक पुस्तक लिखी है।
- दांते के बाद पुनर्जागरण में पैट्रॉक नामक व्यक्ति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- पैट्रॉक को मानववाद का संस्थापक माना जाता है। यह इटली का निवासी था।
- आधुनिक विश्व का प्रथम राजनीतिक चिंतक मैकियावेली को माना जाता है।
- मैकियावेली ने द प्रिंस नामक पुस्तक लिखी।
- लियोनार्दो द विंची, माइकल एंजेलो और राफेल; ये तीनों इटली के महान चित्रकार थे।

- लियोनार्दो द विंची ने मोनालिसा तथा द लास्ट सपर नामक चित्र बनाए।
- द लास्ट जजमेंट माइकल एंजेलो ने तथा मेडोना का चित्र राफेल ने बनाया है।
- सौरमंडल की खोज कोपरनिकस ने की थी।
- जर्मनी के प्रसिद्ध वैज्ञानिक केप्लर ने ग्रहों की गति के नियम प्रतिपादित किए।
- बाइबिल का जर्मन भाषा में अनुवाद मार्टिन लूथर ने किया था।
- यूटोपिया नामक प्रसिद्ध पुस्तक थॉमस मोर ने लिखी, जो इंग्लैंड का निवासी था।
- शेक्सपियर इंग्लैंड का निवासी था और इसने रोमियो एवं जूलियट नामक कृति की रचना की।
- धर्म सुधार आंदोलन की शुरुआत 16वीं सदी में यूरोप से हुई थी।
- अमेरिका की खोज कोलम्बस ने 1492 ई. में की थी।
- भारत की खोज 1498 ई. में वास्कोडिगामा ने की थी, जोकि पुर्तगाल का निवासी था।
- समुद्री मार्ग से पूरे विश्व का चक्कर लगाने वाला प्रथम व्यक्ति मैगलन था।

इंग्लैंड की क्रांति

- इंग्लैंड की गौरवपूर्ण क्रांति 1688 ई. में हुई।
- सौ वर्षों का युद्ध इंग्लैंड और फ्रांस के बीच हुआ।
- गुलाबों का युद्ध इंग्लैंड में हुआ।
- इंग्लैंड में ग्रह युद्ध सात वर्षों तक चला।

फ्रांस की क्रांति

- फ्रांस की क्रांति 1789 ई. में लुई 16वें के शासनकाल में हुई।
- समानता, स्वतंत्रता एवं बंधुत्व फ्रांस की क्रांति का नारा था।
- लुई 16वाँ 1774 ई. में फ्रांस की गद्दी पर बैठा।
- लुई 16वें को देशद्रोह के आरोप में फाँसी दी गई थी।
- माप-तौल की दशमलव प्रणाली फ्रांस की देन है।
- फ्रांस की क्रांति में रूसो, वोल्टेयर एवं मॉटेस्क्यू ने सबसे अधिक योगदान दिया।
- द सोशल कॉन्ट्रैक्ट नामक पुस्तक रूसो ने लिखी थी।
- कानून की आत्मा की रचना मॉटेस्क्यू ने की थी।
- लैटर्स ऑन द इंग्लिश पुस्तक की रचना वोल्टेयर ने की है।
- वोल्टेयर ने कहा था कि 'सौ चूहों की अपेक्षा एक शेर का शासन अच्छा होता है।'
- नेपोलियन, फ्रांस का सम्राट 1804 ई. में बना।
- नेपोलियन को आधुनिक फ्रांस का जन्मदाता भी माना जाता है।
- ट्रफैलगर का युद्ध 1805 ई. में हुआ था।
- नेपोलियन ने इंग्लैंड को सबसे पहले बनियों का देश कहा।
- वाटरलू की लड़ाई 1815 ई. में हुई और इस लड़ाई में नेपोलियन की हार हुई। नेपोलियन को बन्दी बनाकर सेंट हेलेना द्वीप भेज दिया गया, यहाँ पर इसकी मृत्यु 1821 ई. में हो गई।
- नेपोलियन को लिटिल कॉर्पोरल भी कहा जाता है।

इटली का एकीकरण

- इटली के एकीकरण का जनक जोसेफ मेजिनी को माना जाता है।
- इटली के एकीकरण में सबसे बड़ी बाधा ऑस्ट्रिया उत्पन्न कर रहा था। गैरीबाल्डी ने लाल कुर्ती नाम से सेना का संगठन किया था।

रूस की क्रांति

- समाजवाद शब्द का सबसे पहले प्रयोग रॉबर्ट ओवेन ने किया था।
- कार्ल मार्क्स जर्मनी का निवासी था। कार्ल मार्क्स ने दास कैपिटल तथा कम्युनिस्ट मैनीफेस्टो नामक पुस्तक लिखी।
- दुनिया के मजदूरों एक हो जाओ, यह नारा कार्ल मार्क्स ने दिया था।
- रूस के शासक को जार कहा जाता था।
- रूस को जार के शासक से मुक्ति अलेक्जेंडर द्वितीय ने 1917 ई. में दिलाई थी।
- रूस की क्रांति 1917 में हुई तथा इस क्रांति का प्रमुख नेता लेनिन था।
- आधुनिक रूस का निर्माता स्टालिन को माना जाता है।

जर्मनी का एकीकरण

- जर्मनी का एकीकरण बिस्मार्क ने किया।
- जर्मनी का सबसे शक्तिशाली राज्य प्रशा था।
- बिस्मार्क जर्मनी का एकीकरण प्रशा के नेतृत्व में चाहता था। यह 1862 ई. में प्रशा का चांसलर बना।

- बिस्मार्क को सबसे अधिक भय फ्रांस से था।
- जर्मनी में नाजीवाद का उदय हिटलर के नेतृत्व में हुआ।
- एक राष्ट्र, एक नेता का नारा हिटलर ने दिया।
- हिटलर ने 30 अप्रैल, 1945 को आत्महत्या की।

तुर्की

- तुर्की को यूरोप का मरीज कहा जाता है।
- आधुनिक तुर्की का निर्माता मुस्तफा कमाल अतातुर्क को माना जाता है। यह तुर्की का पहला राष्ट्रपति था।
- रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी का संस्थापक मुस्तफा कमाल पाशा/मुस्तफा कमाल अतातुर्क था।

चीनी क्रांति

- 1911 ई. में हुई चीनी क्रांति का नायक डॉ. सनयात सेन था।
- डॉ. सनयात सेन को चीन का राष्ट्रपिता कहा जाता है।
- चीनी साम्यवादी गणतंत्र का प्रथम अध्यक्ष माओत्से तुंग था।
- चीन के द्वार खोलने का श्रेय ब्रिटेन को दिया जाता है।
- चीन एशिया का मरीज के नाम से जाना गया।
- चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना 1921 ई. में हुई।
- विश्व में सर्वप्रथम कागजी मुद्रा का प्रचलन चीन में हुआ।

- ❑ भूगोल के नामकरण एवं इस विषय को प्राथमिक स्तर पर व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने का श्रेय यूनान के निवासियों को जाता है।
- ❑ भूगोल का जनक **इरेटोस्थनीज** को माना जाता है।
- ❑ आधुनिक भूगोल का जनक **अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट** को माना जाता है।

ब्रह्माण्ड (Universe)

- ❑ सूक्ष्मतम अणुओं से लेकर विशाल आकाशगंगाओं के सम्मिलित रूप को ब्रह्माण्ड कहा जाता है।
- ❑ 'कॉसमॉस' ब्रह्माण्ड के लिए प्रयोग होने वाला दूसरा शब्द है।
- ❑ ब्रह्माण्ड का निर्माण महाविस्फोट सिद्धान्त (Big-Bang Theory) से हुआ है इस सिद्धान्त का प्रतिपादन 'जॉर्ज लेमैत्रे' (Georges Lemaitre) ने किया एवं बाद में रॉबर्ट वेगनर ने वर्ष 1967 में इस सिद्धान्त की व्याख्या की।
- ❑ ब्रह्माण्ड का व्यास लगभग 93 अरब प्रकाश-वर्ष है।
- ❑ ब्रह्माण्ड में लगभग 100 अरब आकाशगंगाएँ (Galaxy) हैं।

SSC CHSL- 2023

- ❑ ब्रह्माण्ड का निर्माण महाविस्फोट सिद्धान्त (Big-Bang Theory) से हुआ है इस सिद्धान्त का प्रतिपादन 'जॉर्ज लेमैत्रे' (Georges Lemaitre) ने किया एवं बाद में रॉबर्ट वेगनर ने वर्ष 1967 में इस सिद्धान्त की व्याख्या की।
- ❑ ब्रह्माण्ड का व्यास लगभग 93 अरब प्रकाश-वर्ष है।
- ❑ ब्रह्माण्ड में लगभग 100 अरब आकाशगंगाएँ (Galaxy) हैं।

मंदाकिनी (Galaxy)

- ❑ तारों का ऐसा समूह, जो धुंधला सा दिखाई पड़ता है तथा जो तारा निर्माण प्रक्रिया की शुरुआत का गैस पुंज है, मंदाकिनी कहलाता है।
- ❑ हमारी पृथ्वी की मंदाकिनी का नाम दुग्धमेखला या आकाशगंगा है। इसका 80% भाग सर्पीलाकार (Spiral) है, जिसकी तीन भुजाएँ हैं। सूर्य इनमें से दूसरी भुजा पर स्थित है।
- ❑ इस मंदाकिनी को सबसे पहले गैलीलियो ने देखा था।
- ❑ आकाशगंगा के सबसे नजदीक मंदाकिनी को देवयानी कहते हैं।
- ❑ आकाशगंगाओं के दूर जाने की पुष्टि **डॉप्लर प्रभाव** द्वारा होती है।
- ❑ ओरियन नेबुला हमारी आकाशगंगा का सबसे शीतल और चमकीले तारों का समूह है।
- ❑ **निहारिका (Nebula):** आकाशगंगा में स्थित निहारिका धूल और गैस के मेघ होते हैं।
- ❑ यदि गैस उद्दीप्त होती है अथवा मेघ सीधे प्रतिबिम्बित होते हैं अथवा अधिक दूरी की वस्तुओं से प्रकाश ढक जाता है, तब निहारिका दिखाई देती है।

SSC CHSL- 2024

सौरमण्डल (Solar System)

- ❑ सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाने वाले विभिन्न ग्रहों, क्षुद्र ग्रहों, धूमकेतुओं, उल्काओं तथा अन्य आकाशीय पिण्डों के समूह को सौरमण्डल कहते हैं।
- ❑ सौरमण्डल की खोज कॉपरनिकस ने की थी।

तारा (Star)

- ❑ तारा एक विशाल आकार का खागोलीय पिंड होता है, जो अपना प्रकाश व ऊष्मा उत्सर्जित करता है। तथा निहारिकाओं से उत्पन्न होता है। ये आकार, द्रव्यमान और तापमान में सूर्य से व्यास में 450 गुना छोटे से 1000 गुना तक बड़े होते हैं।
- ❑ तारों में पाई जाने वाली गैसों में हाइड्रोजन 71%, हीलियम 26.5% तथा अन्य तत्व 2.5% होते हैं।
- ❑ तारों में हाइड्रोजन व हीलियम में संलयन की प्रक्रिया पाई जाती है।
- ❑ तारों में नाभिकीय संलयन की प्रक्रिया हाती है।
- ❑ किसी तारे की जीवन अवधि उसके आकार पर निर्भर करती है।
- ❑ पृथ्वी का सबसे निकटतम तारा **सूर्य** है।
- ❑ साइरस (Sirius) पृथ्वी से देखा जाने वाला सर्वाधिक चमकीला तारा है।

सूर्य (Sun)

- ❑ सूर्य सौरमण्डल का प्रधान है। यह हमारी मंदाकिनी दुग्धमेखला के केन्द्र से लगभग 30,000 प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित है। यह हमारी मंदाकिनी के केन्द्र के चारों ओर 250 किमी./से. की गति से परिक्रमा कर रहा है।
- ❑ सूर्य के केन्द्र का तापमान 15 मिलियन डिग्री सेल्सियस है।
- ❑ इसको मंदाकिनी की परिक्रमा करने में **25 करोड़** वर्ष लगते हैं, जिसे ब्रह्माण्ड वर्ष कहते हैं।
- ❑ सूर्य अपने अक्ष पर **पूर्व से पश्चिम** की ओर घूमता है।
- ❑ सूर्य की ऊर्जा का स्रोत **नाभिकीय संलयन** है।
- ❑ सूर्य के प्रकाश को पृथ्वी तक पहुँचने में लगभग 8 मिनट 20 सेकंड का समय लगता है।
- ❑ सौर ऊर्जा को उत्तरी ध्रुव पर आरोरा बोरियालिस व दक्षिणी ध्रुव पर आरोरा ऑस्ट्रेलिस कहते हैं।
- ❑ सूर्य हमारी पृथ्वी से 109 गुना बड़ा है।
- ❑ जब सूर्य की सतह पर धब्बा दिखाई पड़ता है, तो उस समय पृथ्वी पर चुम्बकीय झंझावत उत्पन्न होते हैं। इससे चुम्बकीय सुई की दिशा बदल जाती है एवं रेडियो टेलीविजन व बिजली चलित मशीन आदि में गड़बड़ी उत्पन्न हो जाती है।
- ❑ सूर्य के बाद पृथ्वी का सबसे निकट का तारा प्रॉक्सिमा सेन्चुरी है। जो अल्फा सेन्चुरी समूह का एक तारा है, जो पृथ्वी से लगभग 4 प्रकाश वर्ष दूर है।
- ❑ साइरस या डॉगस्टार पृथ्वी से लगभग **9 प्रकाश वर्ष** दूर हैं। यह सूर्य से 2 गुने द्रव्यमान वाला तारा है यह रात्रि में सर्वाधिक चमकता है।
- ❑ एक जीवधारी के रूप में पृथ्वी का वैज्ञानिक नाम 'ग्रीन प्लैनेट' है।

SSC CHSL- 2023

SSC CHSL- 2023

तारों का रंग, तापमान एवं उम्र

- ☐ तारों के रंग से उसके तापमान को ज्ञात किया जाता है।
- ☐ तारों द्वारा मुक्त ऊष्मा के आधार पर उनकी उम्र ज्ञात की जा सकती है।

नीला व सफेद	युवा (आद्य तारा)
नारंगी	प्रायु
लाल	वृद्ध

- ☐ अंततः विस्फोट के बाद तारे की मृत्यु हो जाती है या वह 'कृष्ण विवर' (Black Hole) बन जाता है।

चन्द्रशेखर सीमा (Chandrasekhar Limit):

- ☐ एस. चन्द्रशेखर भारतीय मूल के अमेरिकी खगोल भौतिकविद् थे, जिन्होंने श्वेत वामन तारों के जीवन अवस्था के बारे में सिद्धांत दिया।
- ☐ 1.44 M☉ सौर द्रव्यमान ही श्वेत वामन के द्रव्यमान की ऊपरी सीमा है इसे ही चन्द्रशेखर सीमा कहते हैं।
- ☐ इन्हें डब्ल्यू. ए. फाउलर के साथ संयुक्त रूप से वर्ष 1983 में नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया।

नक्षत्र (Asterism):

- ☐ एक निश्चित आकृति में व्यवस्थित तारों के समूह को 'नक्षत्र' कहते हैं। इनकी संख्या 27 मानी जाती है। भारतीय मनीषियों ने एक 28वें नक्षत्र 'अभिजीत' की परिकल्पना की है।
- ☐ एक नक्षत्र दिवस 23 घण्टे, 56 मिनट का होता है।

धूमकेतु/पुच्छल तारे:-

- ☐ धूमकेतु आकाश में धूल बर्फ और गैस से निर्मित पिंड होते हैं। जो सूर्य के परवलयाकार पथ पर अनियमित परिक्रमा करते हैं।
- ☐ जब भी कोई धूमकेतु सूर्य के नजदीक पहुँच जाता है तो वह गर्म होने के बाद उसमें गैसों का फुहार निकलने लगता है जिससे पूँछ जैसी आकृति बन जाती है। उसे 'पुच्छल तारा' कहते हैं।
- ☐ पुच्छल तारे की पूँछ हमेशा सूर्य के विपरीत दिशा में होती है।
- ☐ सौरमण्डल के छोर पर बहुत ही छोटे-छोटे अरबों पिण्ड मौजूद हैं, जो धूमकेतु या पुच्छल तारे कहलाते हैं।
- ☐ धूमकेतु की पूँछ हमेशा सूर्य से दूर होती हुई दिखाई देती है।
- ☐ हैली नामक पुच्छल तारा 76 वर्षों बाद दिखाई देता है, यह अन्तिम बार वर्ष 1986 में दिखाई दिया था, अगली बार यह वर्ष 2062 में दिखाई देगा।
- ☐ **उल्का/उल्कापिण्ड (Meteors/meteorite):** मंगल और बृहस्पति के मध्य क्षुद्र ग्रहों के साथ अरबों की संख्या में उल्का पाये जाते हैं, परन्तु वरुण ग्रह के पश्चात् क्यूपर बेल्ट (Kuiper belt) उल्काओं का सबसे बड़ा स्रोत है।
- ☐ **ब्लू मून (Blue moon):** एक कैलेण्डर माह में दो पूर्णिमा हो तो दूसरी पूर्णिमा का चांद ब्लू मून कहलाता है। इसका मुख्य कारण दो पूर्णिमाओं के बीच 31 दिनों से कम का अन्तराल होना है।
- ☐ **बौने ग्रह:** ऐसे ग्रह जो आकार, द्रव्यमान, गुरुत्वाकर्षण बल एवं अपने परिभ्रमण चक्र में अंतर्राष्ट्रीय खगालीय संघ (IAU) द्वारा वर्ष 2006 में निर्धारित ग्रहों की परिभाषा से भिन्नता रखते हो उन्हें बौने ग्रह की श्रेणी में रखा गया है।
वर्तमान में यम (प्लूटो), सेरेस, चेरॉन, एरीस, हौमिया, मेकमेक आदि को बौने ग्रहों में रखा गया है।

SSC CGL- 2022

- ☐ **क्षुद्र ग्रह (Asteroids):** मंगल व बृहस्पति की कक्षाओं के बीच कुछ छोटे-छोटे आकाशीय पिण्ड हैं, जो सूर्य की परिक्रमा दीर्घवृत्तीय कक्षा में पश्चिम से पूर्व की ओर कर रहे हैं। उन्हें क्षुद्र ग्रह कहते हैं।

SSC CHSL- 2023

- ☐ क्षुद्र ग्रह जब पृथ्वी से टकराता है तो पृथ्वी के पृष्ठ पर विशाल गर्त बनाता है, लोनार झील (महाराष्ट्र) इसका उदाहरण है।
- ☐ फोर वेस्टा एकमात्र क्षुद्र ग्रह है जिसे नग्न आंखों से देखा जा सकता है।
- ☐ 'सेरेस' सबसे बड़ा एवं सर्वाधिक चमकीला क्षुद्र ग्रह है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- ☐ दो आकाशगंगाओं के मध्य का स्थान काला होता है।
- ☐ केपलर को 'नवीन खगोलशास्त्र' का जबकि कॉपरनिकस को 'आधुनिक खगोलशास्त्र' का जनक कहा जाता है।
- ☐ पृथ्वी के चुम्बकीय क्षेत्र का अक्ष भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न होता है। उत्तरी गोलार्द्ध में पृथ्वी का चुम्बकीय ध्रुव कनाडा के उत्तर में 'क्वीन एलिजाबेथ द्वीप' पर स्थित है।
- ☐ प्रोटोस्टार या आदि तारे को 'भ्रूण तारा' भी कहा जाता है।
- ☐ 1916 ई. में अल्बर्ट आइंस्टीन ने 'सापेक्षता के सिद्धान्त' के माध्यम से पहली बार ब्लैक होल की भविष्यवाणी की थी।
- ☐ 1967-68 ई. में जॉन ए. व्हीलर ने सर्वप्रथम 'ब्लैक होल' शब्द का प्रयोग किया था।
- ☐ हिग्स-बोसॉन कण को 'गॉड पार्टिकल' कहा जाता है।

महत्वपूर्ण शब्दावली

लाल दानव	ये मृत्योन्मुख तारे होते हैं। जब किसी तारे में हाइड्रोजन घटने लगती है, तो उसमें लालिमा दिखने लगती है।
वामन तारे	जिन तारों का प्रकाश सूर्य के प्रकाश से कम होता है, वे वामन तारे कहलाते हैं।
नोवा	यह अत्यधिक चमक के साथ अचानक दिखाई देता है तथा बाद में अपने मूल स्तर पर वापस मंद पड़ जाता है। इसको नोवा तारे कहते हैं।
सुपरनोवा	जब कोई विशाल तारा अपने जीवन के अंतिम चरणों में पहुँचकर विस्फोट होता है, तो उसे सुपरनोवा कहते हैं। सुपरनोवा एक मृतप्राय तारा है।
कृष्ण विवर (Black Hole)	जब किसी तारे का अंत होता है, तो उसका भार तीन गुना अधिक हो जाता है। निपात होने के साथ ही यह इतना सघन हो जाता है कि प्रकाश भी इसके गुरुत्व से निकल नहीं पाता यह अंधक्षेत्र हो जाता है, इसे देखा नहीं जा सकता। इसे कृष्ण विवर या ब्लैक होल कहते हैं। अमेरिका के जॉन व्हीलर ने वर्ष 1967 में सर्वप्रथम ब्लैक होल शब्द का प्रयोग किया था।
पल्सर	घूमते हुए न्यूट्रॉन तारे को पल्सर कहते हैं, जो विद्युत चुम्बकीय तरंगें छोड़ते हैं।
ध्रुव तारा	प्राचीन काल में लोग तारे को देखकर दिशा का ज्ञान प्राप्त करते थे। ध्रुव एक तारा है, जो ठीक पृथ्वी के उत्तर में है।
सप्तर्षि	सप्तर्षि सात तारों का समूह है। यह आकाश में उत्तर की ओर दिखाई देता है।

SSC CHSL- 2024

ग्रह (Planet)

ग्रह वह खगोलीय पिण्ड है, जो निम्न शर्तों को पूरा करता है।

1. जो सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करता है।
2. उसमें पर्याप्त गुरुत्वाकर्षण बल हो, जिससे वह गोल स्वरूप ग्रहण कर सके।
3. ग्रहों की यह उपर्युक्त परिभाषा वर्ष 2006 के प्राग सम्मेलन में तय हुई थी तथा अगस्त, 2006 में यम (pluto) को ग्रहों की श्रेणी से हटा दिया, इसलिए ग्रहों की संख्या 9 से घटकर 8 रह गयी। यम को अब बौने ग्रह की श्रेणी में रखा गया है। **SSC MTS- 2022**

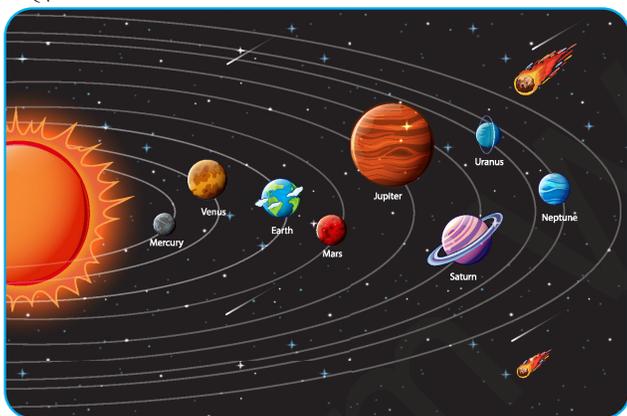
□ ग्रहों को दो भागों में विभाजित किया जाता है:-

1. पार्थिव या आन्तरिक ग्रह- बुध, शुक्र, पृथ्वी तथा मंगल

SSC Selection Posts- 2024

2. बाहरी या जोवियन ग्रह- बृहस्पति, शनि, अरुण तथा वरुण

□ मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, तथा शनि को नग्न आँखों से देखा जा सकता है।

**बुध (Mercury)**

- यह सूर्य के सबसे नजदीक स्थित सौरमंडल का सबसे छोटा ग्रह है।
- इसका सबसे विशिष्ट गुण चुम्बकीय क्षेत्र का होना।
- यह सूर्य की परिक्रमा सबसे कम समय (88 दिन) में पूरी करता है। यह ग्रह सूर्य निकलने के दो घण्टे पहले दिखाई पड़ता है।
- इसका तापान्तर सभी ग्रहों में सबसे अधिक है।
- इस ग्रह पर केलोरिस बेसिन पाया जाता है।

नोट- बुद्ध तथा शुक्र ऐसे ग्रह हैं, जिनका कोई उपग्रह नहीं है।

SSC MTS- 2021**शुक्र (Venus)**

- यह पृथ्वी का सबसे निकटतम ग्रह है।
- यह सबसे चमकीला ग्रह है तथा यह सबसे गर्म ग्रह है।
- इसे 'सांझ का तारा' व 'भोर का तारा' कहा जाता है, क्योंकि यह शाम को पश्चिम दिशा में तथा सुबह को पूर्व दिशा में दिखाई देता है।
- इसे पृथ्वी की बहन तथा जुड़वा ग्रह भी कहते हैं, क्योंकि यह घनत्व, आकार एवं व्यास में पृथ्वी के समान है। **SSC CHSL- 2023, 24**

- 'शुक्र एवं अरुण' की परिक्रमण दिशा विपरीत (पूरब से पश्चिम) अर्थात् दक्षिणावर्त है जबकि अन्य सभी ग्रहों की दिशा (पश्चिम से पूर्व) वामावर्त है।

पृथ्वी (Earth)

- पृथ्वी आकार में पाँचवा सबसे बड़ा ग्रह है तथा पार्थिव ग्रहों में सबसे बड़ा है, वहीं सूर्य से दूरी के क्रम में तीसरे स्थान पर है।
- पृथ्वी सौरमण्डल का एकमात्र ऐसा ग्रह है जिस पर जीवन है। इसका एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह चन्द्रमा है।
- वर्तमान में पृथ्वी की औसत आयु 4.5 अरब वर्ष मानी जाती है। **DSSSB- 2022**

- पृथ्वी अपने अक्ष पर 23½° पर झुकी हुई है यह ध्रुवों के पास थोड़ी चपटी होने के कारण इसके आकार को 'भूआभ' (Geoid) कहा जाता है।
- इसका विषुवतीय व्यास 12,756 किमी. व ध्रुवीय व्यास 12,714 किमी. है।
- यह अपने अक्ष पर पश्चिम से पूर्व की ओर 1,610 किमी./घण्टा की चाल से 23 घण्टे, 56 मिनट, 4 सेकंड में पूरा चक्कर लगाती है, इसे घूर्णन व दैनिक गति भी कहते हैं।
- सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमण 365 दिन, 5 घंटे, 48 मिनट एवं 46 सेकंड अर्थात् लगभग एक वर्ष का होता है।
- पृथ्वी को सूर्य का एक चक्कर लगाने में लगे समय को **सौर वर्ष** कहते हैं।
- वार्षिक गति के कारण ही पृथ्वी पर ऋतु परिवर्तन होती है तथा दिन-रात का छोटा बड़ा होने का यही कारण है।
- जल की उपस्थिति के कारण इसे 'नीला ग्रह' भी कहा जाता है।
- इसका अक्ष अपनी कक्षा के सापेक्ष 66½°, का कोण बनाता है।

नोट-

गोल्डीलॉक्स जोन: यह निवास योग्य क्षेत्र या जीवन क्षेत्र (पृथ्वी सदृश) भी कहा जाता है।

किसी तारे से उस दूरी वाले क्षेत्र को गोल्डीलॉक्स जोन कहा जाता है, जहाँ पर किसी ग्रह की सतह पर तरल जल काफी मात्रा में मौजूद हो सकता है।

चन्द्रमा (Moon)

- चन्द्रमा की सतह व उसकी अतिरिक्त स्थिति का अध्ययन करने वाला विज्ञान **सेलेनोलॉजी** कहलाता है।
- चन्द्रमा पर धूल के मैदान को 'शान्ति का सागर' कहते हैं यह चन्द्रमा का पिछला भाग है जिस पर अंधेरा रहता है।
- चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर स्थित **लीबनिट्ज पर्वत** चन्द्रमा का सबसे ऊँचा (35,000 फीट) पर्वत है।
- चन्द्रमा को जीवाश्म ग्रह भी कहते हैं।
- पृथ्वी से चन्द्रमा के **59%** भाग को देख सकते हैं।
- चन्द्रप्रकाश पृथ्वी तक पहुँचने में लगभग **1.3 सेकंड** का समय लेता है।

HP TGT- 2017

- चन्द्रमा पर वायुमंडल नहीं है।
- चन्द्रमा व पृथ्वी के बीच की औसतन दूरी लगभग 3,84,400 किमी. है।
- चन्द्रमा पृथ्वी के अक्ष के लगभग समान्तर है। इसका परिक्रमण पथ भी दीर्घ वृत्ताकार है।
- चन्द्रमा की परिभ्रमण तथा परिक्रमण अवधि लगभग 27 दिन, 8 घंटे है।
- चन्द्रमा का गुरुत्वीय क्षेत्र पृथ्वी के गुरुत्वीय क्षेत्र का 1/6 भाग है।

- चन्द्रमा का पथ परवलयकार होने के कारण पृथ्वी एवं चन्द्रमा के बीच की दूरी घटती-बढ़ती रहती है।
- जब पृथ्वी एवं चन्द्रमा की बीच की दूरी न्यूनतम होती है तो उसे पेरीजी (उपभू) कहते हैं। इसी घटना को सुपरमून भी कहते हैं।

SSC CHSL- 2021

- जब पृथ्वी एवं चन्द्रमा की बीच की दूरी अधिकतम हो तब उसे अपोजी (अपभू) कहते हैं।

मंगल (Mars)

- यह आकार की दृष्टि से सातवाँ बड़ा तथा सूर्य से दूरी के क्रम में चौथा ग्रह है।
- इसे सूर्य की परिक्रमा करने में लगभग 687 दिन लगते हैं।
- इसे लाल ग्रह कहा जाता है। इसका रंग लाल 'आयरन आक्साइड' की अधिकता के कारण दिखाई देता है।
- मंगल आंतरिक ग्रहों में सबसे बाहरी ग्रह है।
- अपने अक्ष पर 25° झुके होने के कारण मंगल पर पृथ्वी के समान ही लगभग समान अवधि के दिन व रात होते हैं।
- फोबोस तथा डिमोस मंगल के दो उपग्रह हैं। तथा डिमोस सौरमंडल का सबसे छोटा उपग्रह है।
- यहाँ पृथ्वी के समान दो ध्रुव हैं, जिसके कारण यहाँ पृथ्वी के समान ऋतु परिवर्तन होता है।
- मंगल ग्रह पर सौरमण्डल का सबसे बड़ा ज्वालामुखी ओलम्पस मोन्स तथा सौरमण्डल का सबसे ऊँचा पर्वत निक्स ओलंपिया है, जो माउंट एवरेस्ट से 3 गुना ऊँचा है।

बृहस्पति (Jupiter)

- यह सौरमण्डल का सबसे बड़ा और भारी ग्रह है।
- यह लगभग 12 वर्षों में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण करता है। इसलिए पृथ्वी के 12 वर्ष, बृहस्पति के एक वर्ष के बराबर हैं।
- यह अपने अक्ष लगभग 9 घंटे 56 मिनट में एक चक्कर लगाता है।
- यह दूसरा सर्वाधिक उपग्रहों वाला ग्रह है, इसके कुल उपग्रहों की संख्या 95 है।
- बृहस्पति के चंद्रमा 'आयो' सौरमण्डल का सबसे अधिक ज्वालामुखीय रूप से सक्रिय पिंड है।
- बृहस्पति का पलायन वेग (59.6 किमी/सेकंड) जो सभी ग्रहों में सर्वाधिक है।
- इसके बड़े आकार के कारण इसे 'तारा सदृश' भी कहा जाता है।
- इसे **Master of Gods** ग्रह भी कहते हैं।
- बृहस्पति तारा एवं ग्रह दोनों के गुणों से युक्त है इसलिए इसे 'लघु सौरतंत्र' भी कहते हैं।
- बृहस्पति का उपग्रह गनीमैड सौरमंडल का सबसे बड़ा उपग्रह है। इसका रंग पीला है।
- बृहस्पति ग्रह को 'दीर्घकाय गैस ग्रह' या 'गैस दानव' के रूप में जाना जाता है।

SSC CHSL- 2020

शनि (Saturn)

- यह आकार में दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है तथा सूर्य से दूरी के क्रम में 6वें

स्थान पर आता है।

SSC CHSL- 2024

- शनि के चारों ओर वलय (मोटी प्रकाश वाली कुण्डली) है, जिनकी संख्या 7 है।
- टाईटन शनि का उपग्रह है, जो सौरमण्डल का दूसरा सबसे बड़ा उपग्रह है।

SSC MTS- 2023

- टाईटन उपग्रह पर पृथ्वी के समान वायुमण्डल है।
- शनि का घनत्व 0.7 ग्राम प्रति घन सेमी. है, जो सभी ग्रहों में सबसे कम है।
- शनि ग्रह का ऊपरी वायुमंडल पीली अमोनिया कणों की परतों से घिरा है, जिससे यह पीले रंग का दिखाई देता है।
- शनि ग्रह के उपग्रहों की संख्या 146 है।
- यह अंतिम ग्रह है जिसे नग्न आँखों से देखा जा सकता है।

अरुण (Uranus)

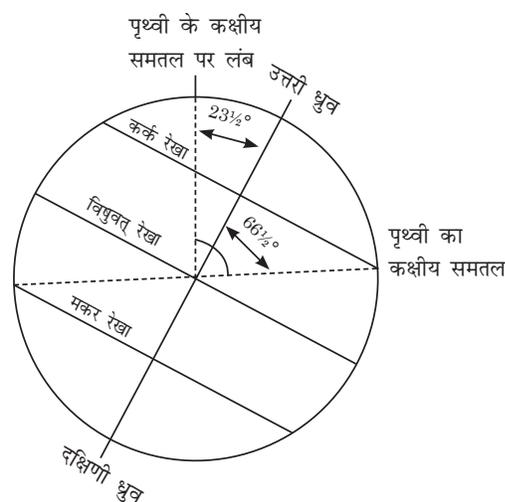
- यह आकार में तीसरा सबसे बड़ा ग्रह है। तथा सूर्य से दूरी के क्रम में 7वाँ स्थान है।
- यह अपने अक्ष पर 'पूर्व से पश्चिम' की ओर घूमता है।
- अक्षीय झुकाव अधिक होने के कारण इसे 'लेटा हुआ ग्रह' भी कहते हैं।
- इस ग्रह की खोज 'सर विलियम हर्शेल' ने वर्ष 1781 में की थी।
- इसे सूर्य की परिक्रमा करने में 84 वर्ष लगते हैं।
- अरुण के कुल 28 उपग्रह हैं।
- मीथेन गैस की अधिकता के कारण यह नीले-हरे रंग का दिखाई देता है।

वरुण (Neptune)

- वरुण ग्रह आकार में चौथा तथा सूर्य से दूरी के क्रम में 8वें स्थान पर है।
- इस ग्रह के चारों ओर मीथेन गैस के बादल छाये हुए हैं।
- इसे सूर्य की परिक्रमा करने में लगभग 165 वर्ष लगते हैं।
- यह हरे-नीले रंग का प्रतीत होता है तथा सर्वाधिक ठण्डा ग्रह है।
- इसके 16 उपग्रह हैं। 'ट्राइटन' (Triton) इसका प्रमुख उपग्रह है। ट्राइटन पर उष्णोत्स (गीजर) के प्रमाण मिले हैं।
- वरुण ग्रह सौरमंडल का सबसे तेज हवा चलने वाला ग्रह है।

SSC MTS- 2021

पृथ्वी की गतियाँ



पृथ्वी की दो गतियाँ हैं:-

1. **घूर्णन (दैनिक गति)**- पृथ्वी सदैव अपने अक्ष पर **पश्चिम से पूर्व** की ओर घूमती है जिसे पृथ्वी का घूर्णन कहते हैं। इसके कारण दिन व रात होते हैं, अतः इसे दैनिक गति कहते हैं।
2. **परिक्रमण (वार्षिक गति)**- पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक दीर्घवृत्तीय मार्ग पर परिक्रमा करती है जिसे परिक्रमण या वार्षिक गति कहते हैं। पृथ्वी को सूर्य की परिक्रमा पूरी करने में लगभग **365 दिन 6 घंटे** लगते हैं। पृथ्वी की इस गति के कारण ऋतुएँ बदलती हैं।

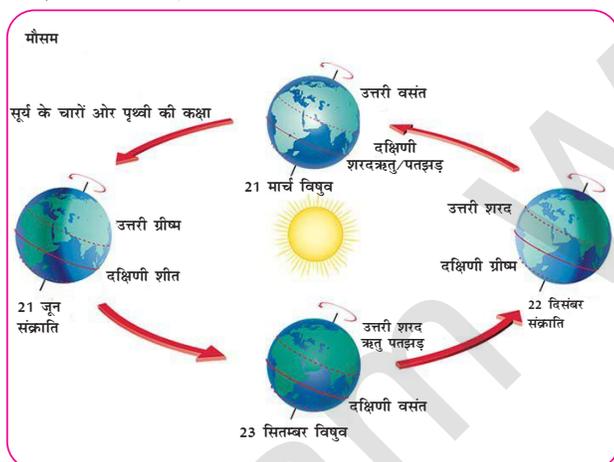
□ **उपसौर (Perihelion):** जब पृथ्वी सूर्य के सबसे पास होती है उसे उपसौर कहते हैं ऐसा **3 जनवरी** को होता है।

SSC Selection Posts- 2024

□ **अपसौर (Aphelion)** जब पृथ्वी सूर्य से अधिकतम दूरी पर होती है उसे अपसौर कहते हैं ऐसी स्थिति **4 जुलाई** को होती है,

SSC Selection Posts- 2024

□ **एपसाइड रेखा:** उपसौरिक व अपसौरिक को मिलाने वाली काल्पनिक रेखा सूर्य के केन्द्र से गुजरती है इसे एपसाइड रेखा कहते हैं।



□ **अक्षांश रेखा:** विषुवत वृत्त के उत्तर तथा दक्षिण में भू-मध्य रेखा समान्तर स्थित काल्पनिक रेखाओं को अक्षांश रेखा कहा जाता है।

➤ भूमध्य रेखा के उत्तर में स्थित अक्षांश रेखाओं को उत्तरी अक्षांश रेखाएँ व दक्षिण में स्थित अक्षांश रेखाओं को दक्षिणी अक्षांश रेखा कहते हैं।

➤ नोट:- भूमध्य रेखा 0° की अक्षांश रेखा है, अतः इस पर स्थित सभी स्थानों का अक्षांश 0° होगा।

□ **कर्क रेखा:** भूमध्य रेखा के उत्तर में $23\frac{1}{2}^\circ$ अक्षांश को कर्क रेखा कहते हैं।

□ **मकर रेखा:** भूमध्य रेखा के दक्षिण में $23\frac{1}{2}^\circ$ अक्षांश को मकर रेखा कहते हैं।

□ **देशान्तर रेखा:** उत्तरी ध्रुव को दक्षिणी ध्रुव से मिलाने वाली काल्पनिक रेखाओं को देशान्तर रेखाएँ कहते हैं।

ये समान्तर नहीं होती हैं।

इन रेखाओं की लम्बाई बराबर होती हैं।

इंग्लैण्ड के ग्रीनविच स्थान से गुजरने वाली देशान्तर रेखा को प्रधान मध्याह्न रेखा माना गया है तथा इसके देशान्तर का मान 0° है।

प्रधान मध्याह्न रेखा के बाईं ओर की रेखाएँ पश्चिमी देशान्तर व दाईं ओर की रेखाएँ पूर्वी देशान्तर कहलाती हैं।

एक देशान्तर से दूसरे देशान्तर के बीच समयांतराल 4 मिनट होता है तथा इनके बीच की दूरी को 'गोरे' कहा जाता है।

□ **कर्क संक्रांति:** 21 जून को सूर्य कर्क रेखा पर लम्बवत् पड़ता है इसे कर्क संक्रांति कहते हैं। इस दिन उत्तरी गोलार्द्ध में सबसे बड़ा दिन होता है।

□ **मकर संक्रांति:** 22 दिसम्बर को सूर्य मकर रेखा पर लम्बवत् पड़ता है, इसे मकर संक्रांति कहते हैं। इस दिन दक्षिणी गोलार्द्ध में सबसे बड़ा दिन होता है।

□ **विषुव:** यह पृथ्वी पर वह स्थिति है जब सूर्य की किरणें विषुवत रेखा पर लम्बवत् पड़ती हैं तो सम्पूर्ण पृथ्वी पर दिन व रात बराबर होते हैं। 23 सितम्बर, 21 मार्च को यह स्थिति होती है। इसे क्रमशः शरद विषुव व बसंत विषुव कहते हैं।

नोट- पृथ्वी के अपने अक्ष पर झुके होने के कारण दिन व रात छोटा-बड़ा होता है।

सूर्य ग्रहण (Solar eclipse)

□ जब कभी दिन के समय सूर्य व पृथ्वी के बीच में चन्द्रमा आ जाता है, तो उसे सूर्य ग्रहण कहते हैं।

□ जब सूर्य का एक भाग छिप जाता है तो उसे आंशिक सूर्य ग्रहण कहते हैं। जब पूरा सूर्य ही कुछ समय के लिए छिप जाता है तो उसे पूर्ण सूर्य ग्रहण कहते हैं। पूर्ण सूर्य ग्रहण हमेशा अमावस्या के दिन होता है।

□ अधिकतम एक वर्ष में 5 सूर्यग्रहण हो सकते हैं।

चन्द्र ग्रहण (Lunar eclipse)

□ जब सूर्य व चन्द्रमा के बीच में पृथ्वी आ जाती है तो इसे चन्द्रग्रहण कहते हैं। चन्द्रग्रहण हमेशा पूर्णिमा की रात्रि में ही होता है। प्रत्येक पूर्णिमा को चन्द्रग्रहण नहीं होता है।

□ एक वर्ष में अधिकतम 3 बार चन्द्रग्रहण हो सकता है।

□ सूर्य ग्रहण के समान चन्द्रग्रहण भी आंशिक व पूर्ण हो सकता है।

□ वरुण ग्रह

अन्तर्राष्ट्रीय तिथि रेखा

□ 180° देशान्तर को अन्तर्राष्ट्रीय तिथि रेखा कहा जाता है क्योंकि इस रेखा के दोनों ओर तिथियों में एक दिन का अन्तर है इस रेखा के पूर्व की ओर जाने पर 1 दिन बढ़ जाता है व पश्चिम की ओर जाने पर 1 दिन घट जाता है।

□ अन्तर्राष्ट्रीय तिथि रेखा आर्कटिक सागर, बेरिंग स्ट्रेट तथा प्रशांत महासागर से गुजरती है। इसका निर्धारण 22 अक्टूबर, 1884 में वाशिंगटन में किया गया।

□ नोट:- बेरिंग जलसंधि अन्तर्राष्ट्रीय तिथि रेखा के समान्तर है।

□ विश्व को 24 टाइम जोनों में विभाजित किया गया है। USA में आधिकारिक तौर पर 9 टाइम जोन हैं लेकिन 2 अनाधिकारिक टाइम जोन भी हैं। इस तरह कुल 11 टाइम जोन हैं।

□ रूस को 11 टाइम जोन में तथा ऑस्ट्रेलिया को 8 टाइम जोन में बाँटा गया है।

□ विश्व में सर्वाधिक टाइम जोन फ्रांस (12) में है।

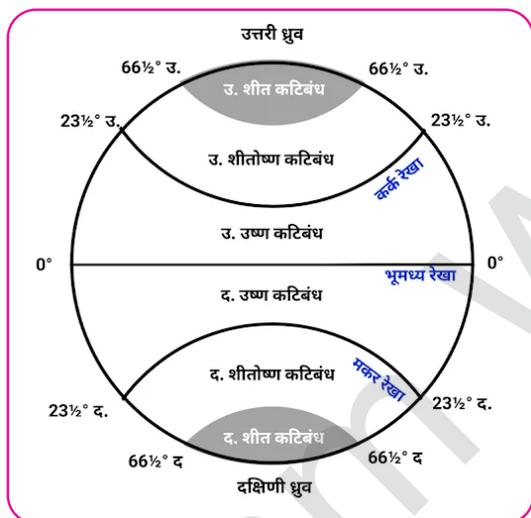
SSC MTS- 2021

- ❑ ब्रिटेन में 9 टाइम जोन है।
- ❑ छोटे से देश डेनमार्क में 5 टाइम जोन है।
- ❑ प्रत्येक टाइम जोन 15° बराबर होता है।
- ❑ यहाँ तापमान अत्यन्त ही कम रहता है, जिसके फलस्वरूप यहाँ हमेशा बर्फ जमी रहती है।

SSC CHSL- 2023

ताप कटिबंधों का प्रादेशिक वितरण

1. विषुवत् रेखीय प्रदेश
2. अंतरा-उष्ण कटिबंधीय प्रदेश
3. उष्ण कटिबंधीय प्रदेश
4. उपोष्ण कटिबंधीय प्रदेश
5. शीतोष्णकटिबंधीय प्रदेश
6. टुंड्रा प्रदेश
7. ध्रुवीय प्रदेश



विषुवत् रेखीय प्रदेश

- ❑ यह विषुवत् रेखा के दोनों ओर 5° उत्तरी तथा 5° दक्षिणी अक्षांशों के मध्य अवस्थित है।
- ❑ यहाँ वर्ष भर सूर्य की किरणें लंबवत् पड़ती हैं, जिससे वर्ष भर उच्च तापमान बना रहता है, जिससे वार्षिक तापांतर न्यूनतम होता है।

उष्ण कटिबंधीय प्रदेश

- ❑ दोनों गोलार्द्धों में 12° से 25° अक्षांशों के मध्य अवस्थित हैं। निम्न अक्षांशों से उच्च अक्षांशों की ओर तापमान घटता जाता है। गर्मियों में दिन की अवधि 14 घंटे तथा सर्दियों में रात की अवधि 14 घंटे की होती है।

उपोष्ण कटिबंधीय प्रदेश

- ❑ इस प्रदेश का विस्तार 25° से 45° अक्षांशों के मध्य दोनों गोलार्द्धों में है।
- ❑ सूर्य की किरणों के आपेक्षाकृत अत्यधिक तिरछेपन के कारण सर्दियों में तापमान अधिक कम हो जाता है।

शीतोष्ण कटिबंधीय प्रदेश

- ❑ दोनों गोलार्द्धों में 45° से 66 1/2° अक्षांशों के मध्य का क्षेत्र शीतोष्ण कटिबंध के अंतर्गत आता है।

टुंड्रा प्रदेश

- ❑ टुंड्रा प्रदेश, शीतोष्ण कटिबंधीय तथा ध्रुवीय प्रदेशों के मध्य स्थित हैं।
- ❑ सूर्य की किरणें इतनी तिरछी हो जाती हैं, कि अधिकांश भागों में प्रायः धरातल के समानांतर हो जाती हैं। इसके कारण सूर्याताप कम मिल पाता है, जिससे तापमान अत्यधिक कम हो जाता है।

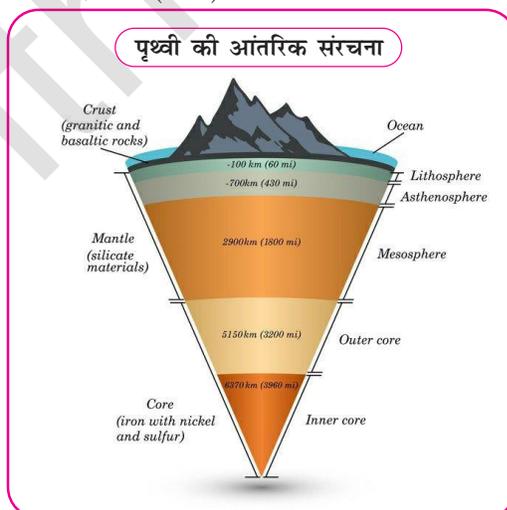
ध्रुवीय प्रदेश

- ❑ यह प्रदेश उत्तरी तथा दक्षिणी ध्रुवों के चारों ओर फैला हुआ है।
- ❑ सूर्य कभी क्षितिज पर प्रकट नहीं हो पाता है। सूर्याताप के अभाव के कारण दैनिक तापांतर नगण्य होता है।
- ❑ यहाँ पर 6 माह की रात तथा 6 माह का दिन होता है।

पृथ्वी की आंतरिक संरचना

- ❑ पृथ्वी के अन्दर के हिस्से को तीन भागों में बाटा गया है।

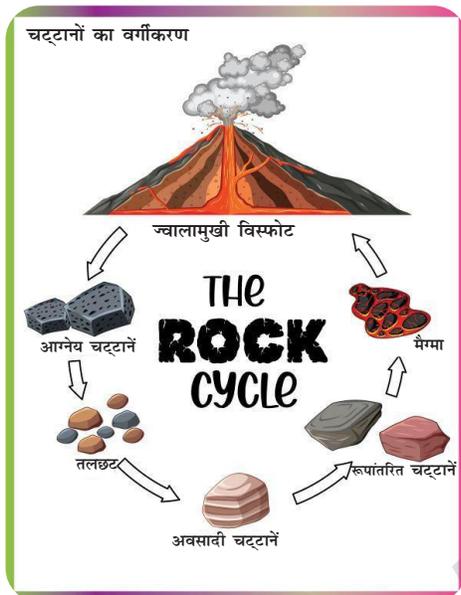
1. भूपर्पटी (Crust)
2. मॅटल (mantle)
3. केन्द्रीय भाग (Core)



1. **भूपर्पटी (Crust)**- पृथ्वी के ऊपरी भाग को भू-पर्पटी कहते हैं। यह अन्दर की तरफ 34 किमी. तक का क्षेत्र है। यह मुख्यतः बेसाल्ट चट्टानों से बना टोस भाग है।
SSC CHSL- 2020
इसके दो भाग हैं:- 1. सियाल (SiAl) 2. सीमा (SiMa)
सियाल क्षेत्र में सिलिका एवं एलुमिनियम तथा सीमा क्षेत्र में सिलिका व मैग्नीशियम की बहुलता होती है।
भू-पटल की रचना सामग्री:- ऑक्सीजन (46.60%), सिलिकन (27.72%) तथा एल्युमीनियम (8.13%)
2. **मॅटल (Mantle):** 2,900 किमी. मोटा यह क्षेत्र मुख्यतः बेसाल्ट चट्टानों का बना है। इस हिस्से में मैग्मा चैम्बर पाये जाते हैं। यह पृथ्वी के कुल आयतन का 83% भाग घेरे हुए है।
क्रस्ट और मॅटल को मोहो असंबद्धता अलग करती है।
SSC CHSL- 2020
3. **केन्द्रीय भाग (Core):** पृथ्वी का केन्द्रीय भाग निकेल तथा लोहा का बना है, पृथ्वी का केन्द्रीय भाग संभवतः द्रव अथवा प्लास्टिक अवस्था में है। यह पृथ्वी के कुल आयतन का 16% भाग घेरे हुये है। इसे नीफे (NiFe) कहते हैं।

चट्टान (Rock)

- पृथ्वी की सतह के कठोर भाग को चट्टान कहते हैं।
- उत्पत्ति के आधार पर चट्टानें तीन प्रकार की होती हैं।



1. आग्नेय चट्टानें

- यह मैग्मा व लावा के जमने से बनती है जैसे- ग्रेनाइट, बेसाल्ट, डायोराइट, ग्रेबो आदि।
- आग्नेय चट्टान जीवाश्मरहित होती है, आर्थिक रूप से यह बहुत ही सम्पन्न चट्टान है, इसमें लोहा, निकिल, ताँबा, सीसा, जस्ता, क्रोमाइट, मैग्नीशियम, सोना, प्लेटीनम तथा चुम्बकीय लोहा पाये जाते हैं।
- बेसाल्ट में लोहे की मात्रा सर्वाधिक होती है इस चट्टान से काली मिट्टी का निर्माण होता है।

2. अवसादी चट्टानें

- प्रकृति के कारकों द्वारा निर्मित छोटी-छोटी चट्टानें किसी स्थान पर जमा हो जाती हैं, बाद में दबाव या रासायनिक प्रतिक्रिया या अन्य कारणों द्वारा ठोस परत में निर्मित हो जाती है। इन्हें ही अवसादी चट्टान कहते हैं। जैसे-बलुवा पत्थर, चूना पत्थर, स्लेट, नमक की चट्टान आदि।
- अवसादी चट्टानें परतदार होती हैं।
- इनमें जीव-जन्तु व वनस्पति के जीवाश्म पाये जाते हैं।

SSC CGL- 2022

- इन चट्टानों में लौह अयस्क, फास्फेट, कोयला एवं सीमेंट बनाने की चट्टान पायी जाती हैं।
- खनिज तेल अवसादी चट्टानों में पाया जाता है।
- दामोदर, महानदी व गोदावरी नदी बेसिन की अवसादी चट्टानों में कोयला पाया जाता है।

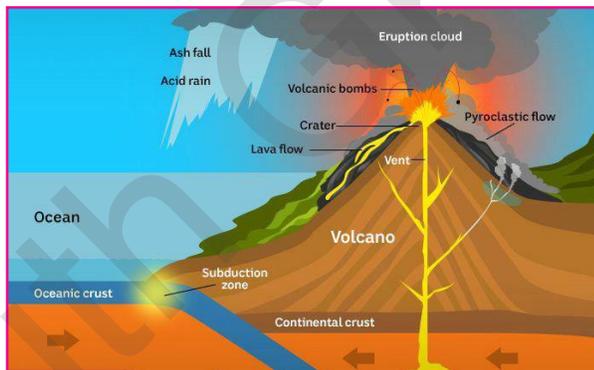
3. कायान्तरित या रूपांतरित चट्टानें

- ताप, दाब व रासायनिक क्रियाओं के कारण अवसादी व आग्नेय चट्टानों से कायान्तरित चट्टानों का निर्माण होता है। जैसे- स्लेट, संगमरमर, शिस्ट आदि।

- स्लेट निम्न श्रेणी की रूपांतरित चट्टान होती है। **SSC CHSL- 2020**

ज्वालामुखी (Volcano)

- ज्वालामुखी भू-पटल पर वह प्राकृतिक छेद व दरार है, जिससे होकर पृथ्वी का पिघला पदार्थ लावा, राख, भाप व अन्य गैसें बाहर निकलती हैं बाहर हवा में उड़ा हुआ लावा शीघ्र ही ठण्डा होकर छोटे-छोटे टुकड़ों में बदल जाता है जिसे सिंडर कहते हैं। **SSC GD- 2023**
- ज्वालामुखी फटने से जो गैसें निकलती है उनमें जलवाष्प का प्रतिशत सबसे अधिक होता है।



- **नोट- स्ट्राम्बोली** ज्वालामुखी भूमध्य सागर में इटली के सिसली के उत्तर में लिपारी द्वीप पर स्थित है।

- इस ज्वालामुखी से सदैव प्रज्वलित गैस बाहर निकलती रहती है, जिससे आस-पास का भाग प्रकाशित रहता है। इसी कारण इस ज्वालामुखी को भू-मध्य सागर का प्रकाश स्तम्भ कहते हैं। यह ज्वालामुखी एक सक्रिय ज्वालामुखी का उदाहरण है।

- **ज्वालामुखी तीन प्रकार के होते हैं:-**

1. **सक्रिय ज्वालामुखी (Active Volcano):** ये वे ज्वालामुखी है, जो अकसर फटते रहते हैं वर्तमान समय में विश्व में 500 सक्रिय ज्वालामुखी है। इनमें इटली का एटना तथा स्ट्राम्बोली प्रमुख है। कोटोपैक्सी (इक्वाडोर), मौनालोआ (हवाई द्वीप), बैरन द्वीप (अण्डमान) तथा माउण्ट एटना (सिसली) सभी सक्रिय ज्वालामुखी हैं।

2. **प्रसुप्त ज्वालामुखी (Dormant Volcano):** ये वे ज्वालामुखी है जिनमें निकट अतीत में कोई उद्गार नहीं हुआ है लेकिन कभी भी उद्गार हो सकता है। जापान का 'फ्यूजीयामा' ज्वालामुखी तथा अण्डमान-निकोबार का नारकोडम ज्वालामुखी प्रसुप्त ज्वालामुखी के उदाहरण हैं।

3. **शान्त ज्वालामुखी (Extinct Volcano):** जिन ज्वालामुखियों में लंबे समय से कोई उद्गार नहीं हुआ है और न ही इन्हें भविष्य में कभी उद्गार होने की सम्भावना है। उन्हें शांत ज्वालामुखी कहते हैं। कोह सुल्तान (ईरान), पोपा (म्यामार) तथा किलीमंजारो (तंजानिया) सभी शान्त ज्वालामुखी हैं।

- ज्वालामुखी फटने से जो गैसें निकलती है उनमें जलवाष्प का प्रतिशत सबसे अधिक होता है।

- ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप में एक भी ज्वालामुखी नहीं है।

- विश्व का सबसे ऊँचा ज्वालामुखी कोटोपैक्सी (इक्वाडोर) में है।

- ज्वालामुखी पर्वत माउंट सेंट हेलेंस 'संयुक्त राज्य अमेरिका' में स्थित है।

- ☐ **गेसर:-** जब ज्वालामुखी फटता है तो दरारों से जल तथा जलवाष्प ऊँचाई पर निकलकर गिरता है, इसे ही गेसर कहते हैं।

भूकम्प (Earthquake)

- ☐ भूकम्प भूपटल की कम्पन अथवा लहर है, जो धरातल के नीचे अथवा ऊपर चट्टानों के ढीलेपन या गुरुत्वाकर्षण की समस्थिति में क्षणिक अवस्था होने पर उत्पन्न होती है।
- ☐ **सिस्मोलॉजी:** इसमें भूकम्प का अध्ययन किया जाता है। भूकम्प में तीन प्रकार की तरंगें होती हैं:-
1. **प्राथमिक तरंगें (P-wave):** यह तरंग पृथ्वी के अन्दर प्रत्येक माध्यम से होकर गुजरती हैं, इसका औसत वेग लगभग 8 किमी./से. होता है। यह गति अन्य सभी तरंगों से सबसे अधिक है।
 2. **अनुप्रस्थ तरंगें (S-wave):** इन्हें अनुप्रस्थ तरंगें भी कहते हैं यह तरंग केवल ठोस माध्यम से होकर गुजरती हैं इनका औसत वेग 4 किमी./से. होता है।
इन्हें द्वितीयक तरंगें (Secondary Waves) अथवा गौण तरंगें भी कहते हैं।
 3. **धरातलीय तरंगें (L-wave):** इन्हें धरातलीय या लम्बी तरंगों के नाम से भी जानते हैं, इन तरंगों की खोज एडवर्ड हफ लव ने की थी इसलिए इन्हें लव तरंगों के नाम से जाना जाता है। ये तरंगें मुख्यतः धरातल तक ही सीमित रहती हैं ये ठोस, द्रव तथा गैस तीनों माध्यमों से गुजर सकती है। ये तरंगें अत्यधिक विनाशकारी होती हैं।
- ☐ भूकम्पीय तरंगों को सीस्मोग्राफ नामक यंत्र से मापा जाता है।

SSC CHSL- 2020

महत्वपूर्ण तथ्य:-

- ✦ L तरंगें केवल धरातल के पास ही चलती हैं।
 - ✦ केवल P-तरंगें ही पृथ्वी के केन्द्रीय भाग से गुजर सकती हैं।
 - ✦ सभी भूकम्पीय तरंगों का वेग अधिक घनत्व वाले पदार्थों से गुजरने पर बढ़ जाता है तथा कम घनत्व वाले पदार्थों से गुजरने पर घट जाता है।
- ☐ **केन्द्र-** भूकम्प के उदभव स्थान को उसका केन्द्र कहते हैं। P, S, L तरंगें केन्द्र के पास पहुँचती हैं।
- ☐ **अधिकेन्द्र-** भूकम्प के केन्द्र के ठीक ऊपर पृथ्वी की सतह पर स्थित बिन्दु को भूकम्प का अधिकेन्द्र कहते हैं। अधिकेन्द्र पर सबसे पहले P-तरंगें पहुँचती हैं।
- ☐ **सुनामी-** अन्तः सागरीय भूकम्प द्वारा उत्पन्न लहरों को जापानी भाषा में सुनामी कहा जाता है, जिसका अर्थ बंदरगाही लहरें होता है।
- नोट:-** रिक्टर स्केल का आविष्कार-चार्ल्स एफ. रिक्टर ने वर्ष 1935 में किया था।

पर्वत (Mountain)

- ☐ उत्पत्ति के आधार पर पर्वत चार प्रकार के होते हैं।
1. **ब्लॉक पर्वत:** जब चट्टानों में स्थित भ्रंश के कारण मध्य भाग नीचे धंस जाता है तथा अगल-बगल के भाग ऊँचे उठे प्रतीत होते हैं, तो इसे ब्लॉक पर्वत कहते हैं। उदाहरण:- ब्लॉक फॉरेस्ट (जर्मनी), सतपुड़ा पर्वत (भारत), वोस्जेस (फ्रांस), साल्ट रेंज (पाकिस्तान), कैलिफोर्निया का 'सिएरा नेवादा' पर्वत विश्व का सबसे अधिक विस्तृत ब्लॉक पर्वत

- है।
2. **अवशिष्ट पर्वत:** ये पर्वत चट्टानों के अपरदन के कारण निर्मित होते हैं। जैसे- विध्यांचल, सतपुड़ा, नीलगिरि (इलायची), पारसनाथ, राजमहल की पहाड़ियाँ (भारत) तथा सिएरा (स्पेन)।
 3. **ज्वालामुखी पर्वत:** ज्वालामुखी उद्गार से निकले पदार्थों के जमाव से निर्मित शंकु या पर्वतनुमा स्थलाकृति को ज्वालामुखी पर्वत कहते हैं। जापान का माउंट फ्यूजीयामा व तंजानिया का माउंट किलिमंजारो तथा अमेरिका का माउंट रेनियर। आदि ज्वालामुखी पर्वत के उदाहरण हैं।
 4. **वलित पर्वत:** ये पृथ्वी की आंतरिक शक्तियों से धरातल की चट्टानों के मुड़ जाने से बनते हैं। ये लहरदार पर्वत हैं। जैसे-हिमालय, आल्प्स, यूराल, रॉकीज, एण्डीज आदि।
- SSC CGL- 2022 नोट-** वलित पर्वतों के निर्माण का आधुनिक सिद्धान्त प्लेट टेक्टोनिक की संकल्पना पर आधारित है।
- भारत की अरावली पर्वत श्रृंखला विश्व के सबसे पुराने अवशिष्ट पर्वतों में गिनी जाती है। अरावली पर्वत की सबसे ऊँची चोटी गुरुशिखर (1722 मी.) है।

विश्व की प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ

नाम	स्थिति	सर्वोच्च चोटी
एंडीज	दक्षिण अमेरिका	अकोंकागुआ
रॉकीज पर्वत श्रेणी	उत्तरी अमेरिका	माउंट एल्वर्ट
हिमालय-काराकोरम - हिन्दुकुश	दक्षिणी मध्य एशिया	माउंट एवरेस्ट
ग्रेट डिवाइडिंग रेंज	ऑस्ट्रेलिया	कोस्युस्को
ट्रान्स अंटार्कटिका पर्वत	अंटार्कटिका	माउंट विन्सन मैसिफ
यूराल पर्वत श्रेणी	मध्य रूस	गोरा नैरोडनाया
एटलस पर्वत	अफ्रीका	जेवेल टाउबकाल
पश्चिमी घाट	भारत	अनाइमुदी
जाग्रोस पर्वत श्रेणी	ईरान	काश-मस्तान (माउंट देना)
काकेशस श्रेणी	रूस	एल्ब्रुश
अलास्का श्रेणी	अमेरिका	माउंट मैकिनले
अप्लेशियन्स श्रेणी	पूर्वी USA-कनाडा	माउंट मिचेल
आल्प्स	यूरोप	माउंट ब्लैंक

पठार (Plateau)

- ☐ धरातल का वह भाग जो अपने आस-पास के स्थल से ऊँचा तथा उसका शीर्ष भाग चौड़ा व सपाट होता है, वह पठार कहलाता है।
- ☐ विश्व का सबसे अधिक ऊँचा पठार तिब्बत का पठार (पामीर का पठार) है, इसकी औसत ऊँचाई 4,500 मी. है।
- ☐ विश्व का दूसरा सबसे ऊँचा पठार बोलीविया का पठार है।
- ☐ चेरापूँजी या मेघालय पठार जल द्वारा निर्मित पठार है।
- ☐ भारत में छोटा नागपुर का पठार तथा संयुक्त राज्य अमेरिका में ओजार्क का पठार गुम्बदाकार पठार है।

प्रमुख पठार व उनकी स्थिति

नाम	स्थिति
एशिया माइनर (अनातोलिया का पठार)	तुर्की
मेसेटा पठार	आइबेरिया प्रायद्वीप (स्पेन)
चियापास पठार	दक्षिणी मेक्सिको
कोलम्बिया पठार	USA
ग्रेट बेसिन पठार	USA
कोलोरैडो पठार	USA
ग्रीनलैंड पठार	ग्रीनलैंड
मेडागास्कर का पठार	मेडागास्कर द्वीप
लॉरेंटियन पठार	कनाडा

मैदान (Plain)

500 फीट से कम ऊँचाई वाले भू-पृष्ठ के समतल भाग को मैदान कहते हैं। विश्व की कुल जनसंख्या का 90% भाग मैदानों में निवास करता है। सामान्यतः मैदान का निर्माण नदी के द्वारा होता है।

बनावट के आधार पर मैदान तीन प्रकार के होते हैं:-

- अपरदनात्मक मैदान:** नदी, हिमानी, पवन जैसी शक्तियों के अपरदन से अपरदनात्मक मैदान बनते हैं।
- निक्षेपणात्मक मैदान:** नदी निक्षेप द्वारा बड़े-बड़े मैदानों का निर्माण होता है इसमें गंगा, सतलज तथा ह्वांगहो नदी के मैदान प्रमुख हैं।
- संरचनात्मक मैदान:** महाद्वीपीय निम्न तट के उत्थान अथवा भूमि के नीचे धंसने के कारण बने मैदान को संरचनात्मक मैदान कहते हैं।

नोट-

समप्राय भूमि (Penplain)- नदियों द्वारा पर्वतों के अपरदन के फलस्वरूप समतल भूमि के रूप में निक्षेपण द्वारा निर्मित मैदान को समप्राय भूमि या पेनीप्लेन कहते हैं।

इन क्षेत्रों में पाई जाने वाली शैलों को 'मोनेडनॉक' कहते हैं।

वन (Forest)

वन निम्न प्रकार के होते हैं।

- उष्ण कटिबन्धीय सदाबहार वन:** इस प्रकार के वन विषुवत रेखीय प्रदेश व उष्ण कटिबन्धीय प्रदेशों में पाये जाते हैं, यहाँ 200 सेमी. से अधिक वर्षा होती है यहाँ पेड़ों की पत्तियाँ चौड़ी होती हैं। विश्व का सबसे बड़ा साँप एनोकोन्डा इन्हीं वनों में पाया जाता है।
- उष्ण कटिबन्धीय अर्द्ध पतझड़ वन:** यहाँ 150 सेमी. से कम वर्षा होती है। साल, सागवान तथा बांस इन्हीं वनों में पाये जाते हैं।
- विषुवतरेखीय वन:** ये वन वृक्ष तथा झाड़ियों के मिश्रण होते हैं। जैतून, कॉक, तथा ओक यहां के मुख्य वृक्ष हैं।
- टैगा वन:** ये सदाबहार वन है यहा के वृक्षों की पत्तियाँ नुकीली होती है।
- टुण्ड्रा वन:** ये वन बर्फ से ढके रहते हैं। गर्मी में यहाँ घास, काई तथा लाइकेन के पौधे उगते हैं।
- पर्वतीय वन:** यहाँ चौड़ी पत्ती वाले शंकुधारी वृक्ष पाये जाते हैं।
- घास के मैदान:** घास भूमियों को दो वर्गों में विभाजित किया गया है।

- उष्ण कटिबन्धीय- सवाना (अफ्रीका), कम्पोज (ब्राजील), लानोस (बेनेजुएला)
- शीतोष्ण कटिबन्धीय- प्रेयरी (USA व कनाडा), पम्पास (अर्जेन्टीना), वेल्ड (अफ्रीका)

महाद्वीप (Continent)

पृथ्वी पर भूभाग की सबसे बड़ी इकाई को महाद्वीप कहते हैं। पृथ्वी को सात महाद्वीपों में बांटा गया है, जो अग्रलिखित हैं-एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, अण्टार्कटिका, यूरोप तथा ऑस्ट्रेलिया।



एशिया (Asia)

- यह संसार का सबसे बड़ा महाद्वीप है, यह विश्व के लगभग 30% क्षेत्रफल पर फैला हुआ है।
- इस महाद्वीप से होकर विषुवत रेखा, कर्क रेखा तथा आर्कटिक रेखा गुजरती हैं।
- लाल सागर व स्वेज नहर एशिया महाद्वीप को अफ्रीका महाद्वीप से अलग करते हैं।
- बेरिंग जलसंधि एशिया महाद्वीप को उत्तरी अमेरिका महाद्वीप से अलग करती है।
- बेरिंग जलसंधि अन्तर्राष्ट्रीय तिथि रेखा के समान्तर स्थित है।
- एशिया महाद्वीप में विश्व की लगभग 60% जनसंख्या निवास करती है। इसलिए यह विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला महाद्वीप है।
- विश्व में सिंचाई नहरों का सबसे बड़ा जाल पाकिस्तान में है, इसलिए पाकिस्तान को 'नहरों का देश' कहा जाता है।
- विश्व का सर्वाधिक डाकघर वाला देश भारत है।
- म्याँमार अपने सुन्दर बौद्ध मन्दिरों के लिए प्रसिद्ध है।
- मलेरिया की दवा 'कुनेन' सिनकोना वृक्ष की छाल से बनाई जाती है विश्व में सबसे अधिक सिनकोना इण्डोनेशिया में होता है।
- विश्व में सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाला देश इण्डोनेशिया है।
- श्रीलंका की सबसे लम्बी नदी महावैली गंगा है।
- एशिया में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा देश चीन तथा सबसे छोटा देश मालदीव है।
- विश्व की सबसे गहरी झील बैकाल साइबेरिया क्षेत्र में स्थित है।
- एशिया का सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला देश मकाउ है।
- स्वेज नहर भूमध्य सागर को लाल सागर से जोड़ती है।

RRB NTPC- 2021

- एशिया का सबसे घना बसा द्वीप जावा (इण्डोनेशिया) में है।
- स्थलरुद्ध (Landlock):- जिन देशों की सीमा समुद्र से नहीं लगती है, उन्हें स्थलरुद्ध देश कहते हैं।
- एशिया में कुल 12 स्थलरुद्ध देश हैं- कजाकिस्तान, मंगोलिया, नेपाल, भूटान, लाओस, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, अजरबैजान, अर्मेनिया तथा अफगानिस्तान। इन देशों में सबसे बड़ा स्थलरुद्ध देश कजाकिस्तान है।
- **स्वर्णिम त्रिभुज**: एशिया के लाओस, थाइलैण्ड तथा म्यांमार स्वर्णिम त्रिभुज के अन्तर्गत आते हैं।
- विश्व की सबसे बड़ी झील **कैस्पियन सागर** पाँच देशों (कजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अजरबैजान, रूस) से सीमा बनाती हैं, जो एशिया में स्थित है।
- विश्व का सबसे गहरा गर्त मेरियाना गर्त (लगभग 11,034 मी.) प्रशांत महासागर में स्थित है।
- विश्व का सबसे ऊँचा पठार पामीर का पठार है। वर्तमान में यह तिब्बत (चीन) में स्थित है। इसे 'संसार की छत' भी कहते हैं।

SSC CHSL- 2023

- एशिया महाद्वीप में तीन प्रमुख प्रायद्वीप हैं:- अरब प्रायद्वीप, दक्कन प्रायद्वीप तथा इण्डो चीन प्रायद्वीप। अरब प्रायद्वीप विश्व का सबसे बड़ा प्रायद्वीप है। जिसमें सात देश (सउदी अरब, ओमान, यमन, UAE, बहरीन, कतर तथा कुवैत) शामिल हैं।
- विश्व की सर्वोच्च चोटी **माउंट एवरेस्ट** (8848.86 मी.) नेपाल में स्थित है, जो हिमालय पर्वत श्रृंखला का भाग है। नेपाल में इसे 'सागरमाथा' के नाम से जानते हैं।
- चीन विश्व का सबसे अधिक मछली पकड़ने वाला देश है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- विश्व की सर्वाधिक लवणता वाली झील - वान झील (तुर्किये)
- विश्व का सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान - माँसिनराम (मेघालय, भारत)
- स्थलखंड पर विश्व का सबसे नीचा स्थान - मृतसागर (इजराइल और जार्डन)
- विश्व की सबसे गहरी झील - बैकाल झील इसकी गहराई 1,700 मीटर है। इस झील को 'रूस के गैलापागोस' के नाम से जानते हैं।
- जापान 4 प्रमुख द्वीपों पर स्थित है, होन्शू, होक्काइडो, शिकोकू, क्यूशू

SSC CPO- 2020**यूरोप (Europe)**

- यह विश्व का सबसे अधिक नगरीकृत महाद्वीप है।
- यूरोप को एशिया से यूराल पर्वतमाला, यूराल नदी, कॉकेशस पर्वत श्रेणी तथा कैस्पियन सागर अलग करते हैं।
- यूरोप महाद्वीप की सबसे महत्वपूर्ण नदी डेन्यूब है, यह काला सागर में गिरती है।
- यूरोप की सबसे लम्बी नदी वोल्गा नदी है, आगे जाकर यह डान नदी में मिल जाती है।
- पो नदी को इटली की गंगा भी कहते हैं।
- इंग्लिश चैनल फ्रांस को इंग्लैंड से अलग करता है, तथा यह अटलांटिक महासागर का एक हिस्सा है।
- यूरोप महाद्वीप का सबसे बड़ा नगर लंदन है, जो टेम्स नदी के तट पर स्थित है।

- क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा देश रूस है। यह यूरोप महाद्वीप में स्थित है।
 - इटली को 'यूरोप का भारत' कहा जाता है क्योंकि यह देश भी भारत की तरह कृषि प्रधान है तथा यहाँ हिमालय पर्वत की तरह आल्प्स पर्वत स्थित है।
 - गल्फ स्ट्रीम जलधारा 'यूरोप का गर्म कम्बल' के नाम से जानी जाती है।
 - स्विट्जरलैण्ड देश को यूरोप का खेल का मैदान कहा जाता है।
 - फ्रांस की राजधानी पेरिस है, जो सीन नदी के तट पर स्थित है इस नगर को फैशन की नगरी भी कहते हैं।
 - शैम्पेन शराब विश्व में सबसे अधिक फ्रांस में बनती है।
 - फ्रांस को सुरा और सुंदरियों का देश भी कहा जाता है।
 - फ्रांस की सीन नदी इंग्लिश चैनल में गिरती है।
 - फ्रांस को भूमि तथा जलवायु की दृष्टि से लघु यूरोप कहा जाता है।
 - फ्रांस यूरोप का एकमात्र देश, जो खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर है। इसलिए इसे किसानों का देश भी कहते हैं।
 - यूरोप में स्थित फिनलैंड को 'हजारों झीलों का देश' तथा नार्वे को 'मध्य रात्रि के सूर्य' का देश कहते हैं।
 - ब्रेनर दर्रा, ऑस्ट्रिया और इटली के बीच आल्प्स पर्वत श्रृंखला में स्थित है तथा सेंट बर्नार्ड दर्रा स्विट्जरलैंड और इटली के बीच स्थित है।
 - रूस के मास्को को पाँच सागरों का बन्दरगाह भी कहा जाता है।
 - बेनेलक्स देश: बेल्जियम, नीदरलैंड, लक्जमबर्ग को लो लैंड कंट्री 'निम्न भूमि के देश' कहा जाता है।
 - स्कैंडिनेवियन में 5 देश शामिल हैं- आइसलैंड, नॉर्वे, स्वीडन, डेनमार्क तथा फिनलैंड।
- नोट:** भौगोलिक रूप से स्कैंडिनेवियन प्रायद्वीप में नॉर्वे, स्वीडन और फिनलैंड सम्मिलित किए जाते हैं। किन्तु भाषा एवं संस्कृति के आधार पर डेनमार्क व आइसलैंड को भी सम्मिलित किया जाता है।
- बाल्टिक देश: एस्टोनिया, लिथुआनिया एवं लातविया।
 - बाल्कन प्रायद्वीप में शामिल देश: सर्बिया, मोंटेनेग्रो, बुल्गारिया, रोमानिया, अल्बानिया, ग्रीस, स्लोवेनिया, क्रोएशिया, बोस्निया-हर्जोगोविना, मैसेडोनिया, कोसोवो।
 - यूरोप की सबसे बड़ी झील लाडोगा (रूस) है।
 - यूनाइटेड किंगडम की सर्वोच्च चोटी 'बेन नेविस' है, जो स्कॉटलैंड में अवस्थित है।
 - ग्रीनविच रेखा या प्रधान देशान्तर रेखा यूनाइटेड किंगडम की राजधानी लंदन से गुजरती है।
 - राइन नदी फ्रांस व जर्मनी के बीच सीमा बनाती है, वहीं ओडर नदी पोलैंड और जर्मनी की सीमा निर्धारित करती है। रूर राइन की सहायक नदी है, जो विट्टिमिनस कोयले के लिए विश्व प्रसिद्ध है।
 - रूर बेसिन को जर्मनी का काला प्रदेश तथा 'औद्योगिक हृदय स्थल' कहा जाता है।
 - जर्मनी का 'पिग-आयरन' पूरे विश्व में प्रसिद्ध है।
 - इंग्लिश चैनल तथा डोबर जलसंधि यू.के. को यूरोप से अलग करते हैं।
 - यूरोप का यूक्रेन गणराज्य विश्व का प्रमुख गेहूँ उत्पादक देश है। इसलिए इसे विश्व का अन्न भण्डार तथा 'रोटी की डलिया' कहते हैं।
 - आल्प्स पर्वत का सर्वाधिक भाग स्विट्जरलैण्ड देश में है। इस पर्वत की सबसे ऊँची चोटी माउण्ट ब्लांक है, जो फ्रांस में स्थित है।

- ❑ यूरोप में स्थित मत्स्य ग्रहण क्षेत्र के रूप में 'डॉगर बैंक' व 'ग्रेट फिशर बैंक' विश्व प्रसिद्ध है।
- ❑ स्ट्रॉम्बोली को 'भूमध्य सागर का प्रकाश स्तंभ' भी कहते हैं।
- ❑ इटली की राजधानी रोम को 'शाश्वत नगर' कहते हैं।
- ❑ दुनिया की सबसे लम्बी सुरंग 'गोथर्ड सुरंग' (57 किमी.) है, जिसका निर्माण स्विटजरलैंड ने अल्प्स पर्वतीय क्षेत्र में किया।
- ❑ वेनिस को 'एड्रियाटिक की रानी' (The queen of the adriatic) कहा जाता है।
- ❑ जर्मनी में निर्मित कील नहर बाल्टिक सागर को उत्तरी सागर से जोड़ती है।

उत्तरी अमेरिका (North America)

- ❑ उत्तरी अमेरिका महाद्वीप क्षेत्रफल की दृष्टि से तीसरा तथा जनसंख्या की दृष्टि से चौथा बड़ा महाद्वीप है।
- ❑ उत्तर अमेरिका एक मात्र महाद्वीप है, जिसमें एक भी स्थलरुद्ध देश नहीं है।
- ❑ इस महाद्वीप का सबसे बड़ा द्वीप ग्रीनलैंड है, जो प्राकृतिक रूप से उत्तरी अमेरिका के अंतर्गत व राजनीतिक रूप से यूरोप के डेनमार्क के अधिकार क्षेत्र में आता है।
- ❑ इसकी खोज कोलम्बस ने 1492 ई. में की थी अतः इसे नई दुनिया कहते हैं।
- ❑ 100° पश्चिमी देशान्तर रेखा इस महाद्वीप के मध्य से गुजरती है।
- ❑ 49° उत्तरी अक्षांश कनाडा एवं USA की सीमा निर्धारित करता है।
- ❑ उत्तरी अमेरिका का नाम अमेरिगो वेस्पुची नामक साहसी व्यक्ति के नाम पर अमेरिका पड़ा।
- ❑ पनामा नहर उत्तरी अमेरिका व दक्षिणी अमेरिका को जोड़ती है। इससे प्रशांत महासागर तथा अंधमहासागर के बीच यातायात आसान हो गया है।
- ❑ पनामा नहर के दो बन्दरगाह पनामा तथा कोलोन हैं।
- ❑ विश्व में सर्वाधिक सोयाबीन उत्पादन करने वाला देश U.S.A है। सबसे अधिक मक्का भी यहीं पर होती है।
- ❑ अमेरिका एवं विश्व का सबसे गर्म स्थान डेथ वैली (USA) में स्थित है।
- ❑ ब्लैक हिल्स, ब्लू हिल्स, ग्रीन हिल्स ये पहाड़ियाँ U.S.A में स्थित हैं।
- ❑ फिल्म उद्योग के लिए केलिफोर्निया का लॉस एंजिल्स शहर विश्व प्रसिद्ध है। हॉलीवुड यहीं पर है।
- ❑ सिलिकॉन वैली अमेरिका के केलिफोर्निया में स्थित है, जो कि सॉफ्टवेयर व कम्प्यूटर उद्योग के लिए प्रसिद्ध है।
- ❑ मेक्सिको विश्व का सर्वाधिक चाँदी उत्पादक देश है।
- ❑ उत्तरी अमेरिका के मूल निवासियों को रेड इण्डियन कहते हैं।
- ❑ एस्कमो का घर बर्फ का बना होता है जिसे इग्लू कहते हैं।
- ❑ U.S.A के दक्षिण पूर्वी तट पर चलने वाला चक्रवात टारनेडो व हरिकेन कहलाता है।
- ❑ क्यूबा द्वीप को गन्ने का प्रमुख उत्पादक होने के कारण चीनी का कटोरा कहा जाता है।
- ❑ सेंट लॉरेंस नदी झीलों से मिलकर विश्व का सबसे लम्बा आंतरिक जलमार्ग बनाती है।
- ❑ 'डच हार्बर' अमेरिका का नौसैनिक स्टेशन है, जो अल्यूशियन द्वीपों के उनालास्का द्वीप पर स्थित एक पत्तन है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जून, 1942 में जापान द्वारा इसी पत्तन पर हमला किया गया था।
- ❑ कनाडा विश्व में यूरैनियम का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

- ❑ विंडसर शहर को 'कनाडा का डेट्रॉयट' व हैमिल्टन शहर को 'कनाडा का बर्मिंघम' कहा जाता है।
- ❑ क्यूबा द्वीप के उत्तर में बहामास द्वीप समूह स्थित है। यहाँ की राजधानी 'नसाऊ' न्यू प्रोविडेंस द्वीप पर स्थित है।
- ❑ ग्रेटर एंटलीज के सबसे बड़े द्वीप क्यूबा को 'एंटलीज का मोती' कहा जाता है।
- ❑ कनाडा में स्थित प्रमुख झीलें- ग्रेट स्लैव, अथाबास्का, रेंडियर तथा विनोपेग, ग्रेट बियर (इसके ऊपर से आर्कटिक वृत्त गुजरता है)
- ❑ अमेरिका और कनाडा की सीमा पर पाँच झीलें स्थित हैं। जिसे ग्रेट लेक्स के नाम से जाना जाता है।

सुपीरियर

- ❖ विश्व की सबसे बड़ी मीठे व ताजे पानी की झील
- ❖ सू-नहर सुपीरियर झील को ह्यूरोन झील से जोड़ती है।

मिशिगन

- ❖ यह झील पूर्णतः अमेरिका में स्थित है।
- ❖ इसके तट पर अमेरिका के गैरी, शिकागो एवं मिलवाँकी शहर स्थित हैं।

ह्यूरोन

- ❖ इस झील के तट पर 'सडबरी' शहर स्थित है जो विश्व स्तर पर निकेल उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।

इरी

- ❖ इरी और ओंटेरियो के मध्य नियाग्रा जल प्रपात स्थित है।
- ❖ इसी के तट पर अमेरिकी शहर 'डेट्रॉयट' स्थित है, जो ऑटोमोबाइल के लिए प्रसिद्ध है।

ओंटेरियो

- ❖ इस झील से 'सेंट लॉरेंस' नदी का उद्गम होता है।
- ❖ इसके तट पर कनाडा के टोरंटो, हैमिल्टन एवं किंग्सटन शहर स्थित हैं।

- ❑ कनाडा की सबसे लम्बी नदी-मैकेन्जी जिसका उद्गम ग्रेट स्लैव झील से होता है तथा मुहाना आर्कटिक महासागर के ब्यूफोर्ट सागर में है।
- ❑ अप्लेशियन पर्वत की सर्वोच्च चोटी माउंट मिशेल (2,037 मी.) है। इस पर्वत के पूर्वी किनारे पर 'पीडमॉन्ट का पठार' स्थित है। अप्लेशियन पर्वतीय क्षेत्र की प्रमुख नदी हडसन है, जिसके किनारे 'न्यूयार्क' शहर स्थित है।
- ❑ अलास्का पर्वत श्रेणी की सर्वोच्च चोटी 'माउंट मैकिनले' (नया नाम देनाली), जिसकी ऊँचाई लगभग 6,194 मी. है। यह चोटी U.S.A की सर्वोच्च चोटी है।
- ❑ रॉकी पर्वत की सर्वोच्च चोटी 'माउंट एल्बर्ट' (4,399 मी.) है।
- ❑ ग्रेट बेसिन के दक्षिण में कोलोरेडो का पठार अवस्थित है, यहाँ विश्व प्रसिद्ध 'ग्रैंड केनियन' स्थित है, जो विश्व का सबसे बड़ा केनियन है।
- ❑ अमेरिका के केलिफोर्निया राज्य में 'मोजावे मरुस्थल' स्थित है यह उत्तर अमेरिका का सबसे गर्म मरुस्थल है।
- ❑ अमेरिका का 'एक्रॉन' विश्व का सबसे बड़ा सिंथेटिक टायर बनाने वाला केन्द्र है।

दक्षिण अमेरिका (South America)

- ❑ दक्षिण अमेरिका का अधिकांश विस्तार दक्षिणी गोलार्द्ध में है।
- ❑ यह विश्व का चौथा सबसे बड़ा महाद्वीप है।
- ❑ दक्षिणी अमेरिका का सर्वाधिक नगरीकृत देश उरूग्वे है।
- ❑ दक्षिणी अमेरिका का सबसे बड़ा स्थलबद्ध देश बोलिविया है।

- ब्राजील का सैंटोस बन्दरगाह कॉफी बन्दरगाह के नाम से जाना जाता है।
- ब्राजील विश्व में सबसे अधिक कॉफी उत्पादन करने वाला देश है।
- ब्राजील का साओ पाउलो विश्व की कॉफी मण्डी के नाम से जाना जाता है।
- ब्राजील में कहवा (कॉफी) के बागों को फैज़ेंडा कहते हैं।
- विश्व में सबसे अधिक सांप ब्राजील में पाये जाते हैं।
- विश्व का सबसे ऊँचा झरना एन्जल (वेनेजुएला) चुरून नदी पर स्थित है, जो कैरोनी नदी की सहायक नदी है।
- दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप उत्तरी अमेरिका से पनामा जलसंधि द्वारा अलग हुआ है।
- अमेजन नदी अपवाह क्षेत्र व जल आयतन की दृष्टि से विश्व की सबसे बड़ी व दूसरी सबसे लम्बी नदी है।
- अमेजन नदी का उद्गम एंडीज पर्वत (पेरू) से मुहाना अटलांटिक महासागर में होता है इसके मुहाने को विषुवत रेखा काटती है।
- दक्षिण पेरु व उत्तरी चिली के उष्णकटिबंधीय मरुस्थलीय क्षेत्र को 'अटाकामा का मरुस्थल' कहते हैं। यह विश्व का सबसे शुष्क मरुस्थल है। यहाँ पर स्थित 'अरिका' विश्व का सबसे शुष्कतम स्थल है।
- अर्जेंटीना के 'ग्रान चाको' क्षेत्र में गेहूँ का उत्पादन होता है जबकि पंपास क्षेत्र में पशुओं के लिए पोषक 'अल्फा-अल्फा' नामक घास का उत्पादन किया जाता है। **SSC CHSL- 2023**
- बेलीविया के पठार को 'अल्टी-प्लेनो' भी कहते हैं। यह टिन के भण्डार के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण क्षेत्र है।
- बोलीविया के पठार पर 'टिटिकाका झील' अवस्थित है, जो विश्व की सबसे ऊँची नौगम्य झील है।
- बोलीविया की राजधानी 'ला-पाज' टिटिकाका झील के किनारे अवस्थित है, जो विश्व की सर्वाधिक ऊँचाई पर स्थित राजधानी है।
- इक्वाडोर की सबसे ऊँची चोटी 'चिम्बोराजो' (लगभग 6,269 मी.) है।
- चिली-अर्जेंटीना सीमा पर स्थित 'ओजोस डेल सलाडो पर्वत' (लगभग 6,908 मी.) विश्व का सबसे ऊँचा सक्रिय ज्वालामुखी पर्वत है। (कुछ स्रोतों में 'कोटोपैक्सी')।
- एंडीज पर्वत श्रेणी विश्व की सबसे लम्बी तथा हिमालय के बाद दूसरी सबसे ऊँची नवीन पर्वत श्रेणी है। **Delhi Police Cons. 2020**
- इस पर्वत श्रेणी की सर्वोच्च चोटी 'एकांकगुआ' (लगभग 6,960 मी.) है, जो चिली व अर्जेंटीना की सीमा पर अवस्थित है।

अफ्रीका (Africa)

- अफ्रीका महाद्वीप क्षेत्रफल व जनसंख्या दोनों ही दृष्टि से एशिया के बाद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है।
- अफ्रीका महाद्वीप जिब्राल्टर जलसंधि द्वारा यूरोप से अलग होता है।
- अफ्रीका महाद्वीप के पूर्व में हिन्द महासागर और पश्चिम में अटलांटिक महासागर स्थित है।
- अफ्रीका एकमात्र ऐसा महाद्वीप है जिससे होकर विषुवत रेखा, कर्क रेखा तथा मकर रेखा गुजरती है।
- नील नदी विश्व की सबसे लम्बी नदी है जिसकी लम्बाई 6,695 किमी. है। नील नदी को 'मिस्र का वरदान' कहा जाता है। यह नदी 'श्वेत नील' एवं 'ब्लू नील' के मिलने से बनी है। नील नदी का मुहाना भूमध्य सागर में है।
- नील नदी पर अस्वान बांध का निर्माण किया गया। इस बांध से निर्मित जलाशय को 'नासिर झील' कहते हैं।
- नाइजर नदी, पॉम ऑयल को ले जाने हेतु जलीय मार्ग उपलब्ध कराती है, जिसके कारण इसे 'पॉम ऑयल रिवर' कहते हैं। इस नदी के मुहाने

- पर नाइजीरिया का 'हारकोर्ट' बंदरगाह अवस्थित है। माली की राजधानी 'बामाको' भी इसी नदी के तट पर अवस्थित है।
- कांगो (जायरे) नदी अफ्रीका की दूसरी सबसे लम्बी नदी है। यह नदी विषुवत रेखा को दो बार काटती हुई यह नदी अटलांटिक महासागर में गिरती है। इस नदी के बेसिन में विश्व की सबसे छोटे कद वाली जनजाति 'पिग्मी' निवास करती है।
- कांगों नदी विषुवत रेखा को तथा लिम्पोपो नदी मकर रेखा को दो बार काटती है।
- अफ्रीका में स्थित किम्बरले की खान विश्व की सबसे बड़ी हीरे की खान है इसलिए इसे 'हीरों का देश' कहा जाता है।
- गोल्ड कोस्ट के नाम से जाना जाने वाला देश घाना है।
- स्टेनली जलप्रपात लुआलाबा नदी (कांगो नदी) पर स्थित है।
- विक्टोरिया जलप्रपात जाम्बेजी नदी पर स्थित है।
- **हॉर्न ऑफ अफ्रीका**, अफ्रीका के पूर्वी भाग को कहा जाता है। इसके अन्तर्गत इथियोपिया, जिबूती तथा सोमालिया तथा इरीट्रिया देश आते हैं।
- दक्षिण अफ्रीका की राजधानी 'प्रिटोरिया' (प्रशासनिक) है। यहाँ का सबसे बड़ा शहर 'जोहान्सबर्ग' है तथा 'ब्लोमफॉन्टेन' यहाँ की न्यायिक राजधानी है। केप टाउन दक्षिण अफ्रीका विधायी राजधानी है।
- अफ्रीका को अंधमहाद्वीप (Dark continent) भी कहते हैं क्योंकि यह आर्थिक, सामाजिक, औद्योगिक व सांस्कृतिक क्षेत्र में काफी पिछड़ा हुआ है।
- अफ्रीका महाद्वीप में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश **नाइजीरिया** है तथा अफ्रीका महाद्वीप में सबसे अधिक नगरीकृत देश **लीबिया** है।
- दक्षिणी सूडान अफ्रीका महाद्वीप का नया देश है यह वर्ष 2011 में बना था तथा यह UNO का 193वाँ सदस्य देश है।
- अफ्रीका महाद्वीप में बुशमैन (कालाहारी), पिग्मी (कांगो बेसिन), बद्दू (सहारा मरुस्थल) आदि जनजातियाँ पायी जाती हैं।
- अफ्रीका में घास के मैदानों को 'सवाना' तथा दक्षिणी अफ्रीका में 'वैल्ड' कहते हैं। **SSC CHSL- 2020**
- सिनई स्थलसंधि एशिया और अफ्रीका के मध्य स्थित है, जो लाल सागर को भूमध्य सागर से अलग करती है तथा एशिया महाद्वीप को अफ्रीका महाद्वीप से जोड़ती है।
- इसी स्थलसंधि पर **स्वेज नहर** का निर्माण (वर्ष 1869) कर लाल सागर को भूमध्य सागर से जोड़ा गया है तथा मिस्र द्वारा इसका राष्ट्रीयकरण वर्ष 1956 में किया गया।
- स्वेज नहर के निर्माण के समय 164 किमी. लम्बी और 8 मीटर गहरी थी कई विस्तार के बाद स्वेज नहर की अनुमानित लम्बाई 193 किमी. तथा 24 मीटर गहरी और 205 मीटर चौड़ी है।
- स्वेज नहर के भूमध्य सागरीय तट पर 'पोर्ट सईद' तथा लाल सागर तट पर 'स्वेज बंदरगाह' (Suez Port) अवस्थित है।
- विश्व की दूसरी सबसे बड़ी मोटे पानी की झील व अफ्रीका की सबसे बड़ी झील **विक्टोरिया** है। इस झील से विषुवत रेखा गुजरती है तथा यह विश्व की सबसे बड़ी उष्णकटिबंधीय झील है। विक्टोरिया झील का विस्तार केन्या, युगाण्डा व तंजानिया में है तथा श्वेत नील का उद्गम इसी झील से होता है।
- अफ्रीका में नवीनतम मोड़दार पर्वत के रूप में 'एटलस पर्वत' का विकास हुआ इसकी सर्वोच्च चोटी 'माउंट टूबकल' (लगभग 4,167 मी.) है, जो मोरक्को में स्थित है।

- ❑ 'माउंट केमरून' अफ्रीका का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी पर्वत है, जो केमरून के तटीय क्षेत्र में स्थित है।
- ❑ अफ्रीका की सर्वोच्च चोटी तंजानिया में स्थित 'माउंट किलिमंजारो' है।
- ❑ विश्व का सबसे विशाल हीरा कुलिनन है, जो वर्ष 1905 में दक्षिण अफ्रीका की प्रीमियर खान से खोजा गया था।
- ❑ विश्व में सबसे अधिक सोना भी दक्षिण अफ्रीका में पाया जाता है।
- ❑ दक्षिण अफ्रीका के जोहांसबर्ग को सोने का नगर भी कहा जाता है।
- ❑ दक्षिण अफ्रीका में विश्व का 90% क्रोमियम होता है।
- ❑ अफ्रीका महाद्वीप में सीसल नामक पौधो से जूट पैदा होता है।
- ❑ अफ्रीका महाद्वीप का प्रमुख खजूर उत्पादक देश मिस्र है यहाँ के किसानो को फेलाहा कहते हैं।
- ❑ मिस्र को एशिया व यूरोप महाद्वीप का जक्शन कहते हैं।
- ❑ कांगों देश को वनों का देश कहा जाता है।
- ❑ एण्टवर्प (बेल्जियम) विश्व का हीरा व्यापार का सबसे बड़ा केन्द्र है।

ऑस्ट्रेलिया (Australia)

- ❑ यह सबसे छोटा महाद्वीप है, जो दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित है।
- ❑ इस महाद्वीप को महाद्वीप भी कहते हैं। इस महाद्वीप की खोज का प्रथम प्रयास 'जेम्स कुक' ने किया था।
- ❑ ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों को एबोर्जिन्स कहते हैं।
- ❑ ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप को 'टॉरस जलसंधि' न्यू गिनी द्वीप से अलग करती है। वही कोरल सागर को अराफुरा सागर से जोड़ती है।
- ❑ 'बास जल संधि' ऑस्ट्रेलिया मुख्य भूमि को तस्मानिया द्वीप से अलग करती है। तथा तस्मान सागर को ग्रेट ऑस्ट्रेलियन बाइट (दक्षिणी सागर) से जोड़ता है।
- ❑ मकर रेखा ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप को दो भागों में विभाजित करती है। अर्थात् यह ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप के लगभग मध्य से गुजरती है।
- ❑ ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पूर्वी तट पर विश्व प्रसिद्ध ग्रेट बेरियर रीफ का विकास हुआ यह संसार की सबसे लम्बी प्रवाल भित्ति है, इसकी कुल लम्बाई लगभग 2,000 किमी. है। इसे 'अंडर वाटर गार्डन' (Underwater Garden) भी कहते हैं।
- ❑ ऑस्ट्रेलिया विश्व प्रसिद्ध मेरिनो ऊन का प्रमुख उत्पादक देश है।
- ❑ यहाँ विश्व में भेड़ पालने वाले मजदूरों को 'जेकारू' कहते हैं।
- ❑ ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख पर्वत श्रृंखला ग्रेट डिवाइडिंग रेंज है। इस पर्वतश्रेणी और इस महाद्वीप का सर्वोच्च पर्वत शिखर कोस्यूसको (2,228 मी.) है।
- ❑ बॉक्सहाइड सबसे अधिक ऑस्ट्रेलिया में होता है।
- ❑ गिब्सन और विक्टोरिया इस महाद्वीप के प्रमुख मरुस्थल है।
- ❑ ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप को प्यासी भूमि का देश, लैंड ऑफ कंगारू व द लैंड ऑफ गोल्डन फ्लीस कहते हैं।
- ❑ न्यूजीलैंड को दक्षिण का ब्रिटेन कहते हैं। न्यूजीलैंड की खोज एबेल तस्मान ने की थी।
- ❑ न्यूजीलैंड में एमू और कोकाबरा नामक पक्षी पाये जाते हैं। एमू की टाँगें लम्बी होती हैं और इसके पंख नहीं होते हैं।
- ❑ माओरी न्यूजीलैंड के मूल निवासी है। 'कीवी' न्यूजीलैंड का राष्ट्रीय पक्षी है।

- ❑ न्यूजीलैंड की सर्वोच्च चोटी 'माउंट कुक' है।
- ❑ न्यूजीलैंड की सबसे लम्बी नदी 'वाइकाटो' है।

अंटार्कटिका (Antarctica)

- ❑ अंटार्कटिका महाद्वीप विश्व का पाँचवा सबसे बड़ा महाद्वीप है। यह दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित है।
- ❑ यह महाद्वीप तीनों महासागरों हिन्द महासागर, प्रशांत महासागर और अटलान्टिक महासागर से घिरा हुआ है।
- ❑ इस महाद्वीप का 98% भाग सदा बर्फ से ढका रहता है। इसी कारण इसे श्वेत महाद्वीप कहते हैं।
- ❑ क्वीन ऑफ मोड पर्वत श्रेणी इस महाद्वीप को दो बराबर भागों में बाटती है।
- ❑ नोट- अंटार्कटिका महाद्वीप की खोज-केप्टन जेम्स क्लार्क ने की थी।
- ❑ इस महाद्वीप की खोज का पहला प्रयास अंग्रेज नाविक 'जेम्स कुक' ने किया था लेकिन वह मुख्य भूमि तक नहीं पहुँच पाया था।
- ❑ इस महाद्वीप की मुख्य भूमि की खोज करने का श्रेय 'फेबियन वॉन बेलिंग्स हॉसन' को जाता है।
- ❑ माउंट एरेबुस शिखर एक सक्रिय ज्वालामुखी शिखर है।
- ❑ एल्सवर्थ पर्वत श्रेणी में अंटार्कटिका की सर्वोच्च चोटी 'विन्सन मैसिफ' स्थित है।
- ❑ 'पाल्मर प्रायद्वीप' वर्ष में कुछ समय के लिए बर्फ से मुक्त रहता है। फलतः यहाँ काई व लाइकेन जैसी वनस्पतियाँ पाई जाती हैं।
- ❑ रॉस सागर व वेडेल सागर अंटार्कटिका में स्थित हैं। इस महाद्वीप को 'गतिशील महाद्वीप' भी कहा जाता है। विश्व का सबसे बड़ा ग्लेशियर लैबर्ट यहीं अवस्थित है।
- ❑ अंटार्कटिका महाद्वीप वैज्ञानिक खोजों के लिए प्रसिद्ध है, अतः इसे 'विज्ञान के लिए समर्पित' महाद्वीप भी कहते हैं।
- ❑ अंटार्कटिका में व्हेल (whale) और सील (Seal) पाये जाते हैं यहाँ पर पेंगुइन जैसे न उड़ने वाले पक्षी व 'क्रिल मछली' के झुण्ड पाये जाते हैं। यहाँ के उड़ने वाले पक्षियों में 'अल्बट्रोस' तथा 'पेट्रेल' पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं।
- ❑ दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचने वाले प्रथम व्यक्ति रोआल्ड एमुंडसेन (1911) थे।

अंटार्कटिका में भारत की स्थिति

- ❑ दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचने वाले प्रथम व्यक्ति डॉ. गिरीराज सिरौही थे।
- ❑ भारत ने अपना पहला अंटार्कटिका अभियान वर्ष 1981-82 में प्रारम्भ किया था इस अभियान का नेतृत्व (डॉ. एस. जे. कासिम) ने किया था।
- ❑ भारत के अंटार्कटिका पर अपने शोधकेन्द्र:-

दक्षिण गंगोत्री	1984
मैत्री	1989
भारती	2012

महासागर (Ocean)

- ❑ सम्पूर्ण पृथ्वी का लगभग ¾ भाग (71% भाग) पर जलमण्डल का विस्तार है।
- ❑ पृथ्वी पर उपस्थित जल की कुल मात्रा का 97.5% जल महासागर में है, जोकि खारा पानी है।

❑ कुल जल का 2.5% भाग ही स्वच्छ तथा मीठा है।

SSC CPO- 2024

❑ विश्व के जल संसाधनों में भारत का अंश 4% है।

SSC G.D- 2023

❑ महासागर में तीन मुख्य तापमान परतें हैं।

- सतही परत या मिश्रित परत
- थर्मोकलाइन
- गहरे महासागर

Delhi Police Cons. 2024

❑ महासागरीय जल के दो महत्वपूर्ण गुण हैं।

- तापमान
- लवणता

❑ महासागर:- जल मण्डल का वह भाग जिसकी कोई निश्चित सीमा न हो महासागर कहलाता है सबसे बड़ा तथा गहरा प्रशांत महासागर है। महासागरों की औसत गहराई 3,800 मी. होती है।

❑ विश्व में सबसे अधिक लवणता तुर्की की वान झील में है। दूसरा स्थान मृत सागर का है।

❑ प्रशान्त महासागर में गुआम द्वीप के निकट स्थित मेरियाना गर्त सबसे गहरा गर्त है। इसकी गहराई लगभग 11 किमी. है। इसे 'चैलेन्जर गर्त' भी कहते हैं।

SSC Selection Posts- 2024

❑ ग्रेट बेरियर रीफ ऑस्ट्रेलिया के क्वींस लैंड के समीप स्थित है। यह संसार की सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति है, जो प्रशांत महासागर में स्थित है।

❑ विश्व के प्रमुख गर्त

मेरियाना गर्त	प्रशांत महासागर
टोंगा गर्त	प्रशांत महासागर
मिंडनाओ गर्त	प्रशांत महासागर
सुण्डा गर्त	हिन्द महासागर

प्रशान्त महासागर

❑ यह धरातल के एक-तिहाई भाग को ढकता है इसकी आकृति त्रिभुजाकार है एवं, इसका क्षेत्र सम्पूर्ण स्थल के क्षेत्रफल से अधिक है।

SSC CHSL- 2023

❑ इसका शीर्ष भाग बेरिंग जलसंधि पर तथा आधार अंटार्कटिका महाद्वीप पर है। इसके पश्चिम में एशिया महाद्वीप तथा ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, पूर्व में उत्तर-दक्षिण अमेरिका महाद्वीप तथा दक्षिण में अंटार्कटिका महाद्वीप स्थित है।

❑ इस विशाल महासागर में लगभग 20,000 से अधिक द्वीप हैं।

❑ हवाई कटक एक ज्वालामुखीकृत कटक है, जिस पर हवाई एवं होनोलुलू द्वीप अवस्थित है।

अटलान्टिक महासागर

❑ यह सम्पूर्ण संसार का छठा भाग है। इसका क्षेत्रफल प्रशांत महासागर का लगभग आधा और संसार के क्षेत्रफल का लगभग 16% है।

❑ इस महासागर की आकृति अंग्रेजी वर्णमाला के S आकृति से मिलती जुलती है। तथा यह विश्व का दूसरा सबसे बड़ा महासागर है।

Delhi Police Cons. 2020

❑ इसके पश्चिम में उत्तरी अमेरिका महाद्वीप तथा दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप, पूर्व में यूरोप व अफ्रीका महाद्वीप तथा दक्षिण में अंटार्कटिका स्थित है।

❑ बरमुडा भी दक्षिण अंटार्कटिका महासागर में स्थित है।

हिन्द महासागर

❑ इसके उत्तर में एशिया महाद्वीप, दक्षिण में अंटार्कटिका महाद्वीप, पूर्व में ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप तथा पश्चिम में अफ्रीका महाद्वीप स्थित है। यह एक अर्द्धमहासागर है।

❑ इस महासागर में सुंडा गर्त (जावा गर्त) अवस्थित है, जो कि 23,560 फीट गहरा है इसके अतिरिक्त 'डायमेटिना गर्त' यहीं अवस्थित है।

❑ इस महासागर का सबसे बड़ा द्वीप मेडागास्कर है।

SSC CGL- 2022

❑ डियागो गार्शिया द्वीप भी हिन्द महासागर में स्थित है।

❑ मॉरीशस व रीयूनियन द्वीप भी इसी महासागर में स्थित है। इस द्वीप का निर्माण ज्वालामुखी प्रक्रिया से हुआ है।

❑ लक्षद्वीप व मालदीव प्रवाल द्वीपों के उदाहरण है।

महासागरीय जल धाराएँ

❑ एक निश्चित दिशा में बहुत अधिक दूरी तक महासागर के जल के विशाल प्रवाह को महासागरीय जलधारा कहते हैं। ये निम्न दो प्रकार की होती हैं-

- गर्म जलधारा:** यह जलधारा प्रायः भू-मध्य रेखा से ध्रुवों के ओर चलती है निम्न अक्षांशों से उच्च अक्षांशों की तरफ बहने वाली जलधारा को गर्म जलधारा कहते हैं। ये धाराएँ जिन क्षेत्रों में चलती है वहाँ तापमान बढ़ा देती है।
- ठण्डी जलधारा:** उच्च अक्षांशों से निम्न अक्षांशों की ओर बहने वाली जलधारा को ठण्डी जलधारा कहते हैं। ये प्रायः ध्रुवों से भू-मध्य रेखा की तरफ चलती है, ये धाराएँ जिन क्षेत्रों में जाती है, वहाँ तापमान घटा देती है।

नोट- उत्तरी गोलार्द्ध की जलधाराएँ अपने दाईं ओर व दक्षिणी गोलार्द्ध की जलधाराएँ अपने बाईं ओर बहती हैं। यह कॉरिओलिस बल के प्रभाव से होता है।

उपर्युक्त दिये गये कथन का अपवाद हिन्द महासागर के उत्तरी भाग में पाया जाता है इस भाग में धाराओं के बहने की दिशा मानसून निर्धारित करता है यहाँ गर्म जलधाराएँ ठण्डे सागर की ओर व ठण्डी जलधाराएँ गर्म सागरों की ओर बहने लगती हैं।

प्रशान्त महासागर की जलधाराएँ

गर्म जलधाराएँ	ठण्डी जलधाराएँ
एलनीनो जलधारा	कैलिफोर्निया की जलधारा
क्यूरोसियो की जलधारा	अंटार्कटिका की जलधारा
सुशीमा की जलधारा	हम्बोल्ट की जलधारा
अलास्का की जलधारा	क्यूराइल की जलधारा

अटलान्टिक महासागर की जलधाराएँ

गर्म जलधाराएँ	ठण्डी जलधाराएँ
गल्फ स्ट्रीम जलधारा	लेब्राडोर की जलधारा
फ्लोरिडा जलधारा	फॉकलैंड की जलधारा
ब्राजील जलधारा	कनारी की जलधारा

हिन्द महासागर की जलधाराएँ

गर्म जलधाराएँ	ठण्डी जलधाराएँ
मोजाम्बिक की जलधारा	पश्चिम ऑस्ट्रेलिया की जलधारा
अगुलहास की जलधारा	सोमाली की जलधारा

- न्यूफाउण्डलैण्ड के समीप गल्फस्ट्रीम व लेब्राडोर की जलधारा मिलती है जहाँ गर्म जलधारा व ठण्डी जलधारा आपस में मिलती है वहा 'प्लैक्टन नामक घास' पायी जाती है। यह स्थान मछली पालन के लिए बहुत अधिक विकसित होता है। मछली पालन के लिए प्रसिद्ध स्थान ग्रैण्ड बैंक न्यूफाउण्डलैण्ड के समीप अटलांटिक महासागर में स्थित है।

ज्वार-भाटा (Tides)

- चन्द्रमा तथा सूर्य की आकर्षण शक्ति के कारण सागर के जल को ऊपर उठने तथा नीचे गिरने को ज्वार-भाटा कहते हैं।
- सागर के जल को ऊपर उठकर आगे बढ़ने को ज्वार तथा सागर के जल को नीचे गिरकर पीछे लौटने को भाटा कहते हैं।
- अमावस्या व पूर्णिमा के दिन चन्द्रमा, सूर्य व पृथ्वी एक सीध में होते हैं अतः इस दिन उच्च ज्वार उत्पन्न होता है।
- चन्द्रमा का ज्वार उत्पादक बल सूर्य की अपेक्षा दो गुना होता है क्योंकि यह सूर्य की तुलना में पृथ्वी से अधिक निकट है।
- जब सूर्य व चन्द्रमा पृथ्वी के केन्द्र पर समकोण बनाते हैं। तो उस दिन निम्न ज्वार उत्पन्न होता है।
- पृथ्वी के प्रत्येक स्थान पर प्रतिदिन 12 घण्टे 26 मिनट बाद ज्वार आता है तथा ज्वार के 6 घण्टे 13 मिनट बाद भाटा आता है।
- ज्वार प्रतिदिन दो बार आता है। एक बार चन्द्रमा के आकर्षण से और दूसरी बार पृथ्वी के अपकेन्द्रीय बल से।
- इंग्लैण्ड के दक्षिण में स्थित साउथैम्पटन में प्रतिदिन ज्वार 4 बार आता है।
- महासागर के जल का उच्चतम तापमान अगस्त में तथा न्यूनतम तापमान फरवरी में अंकित किया जाता है।

वायुमण्डल (Atmosphere)

- पृथ्वी के चारों ओर से घिरे हुए वायु के विस्तृत फैलाव को वायुमण्डल कहते हैं।
- वायुमण्डल में विभिन्न प्रकार की गैस पायी जाती है।

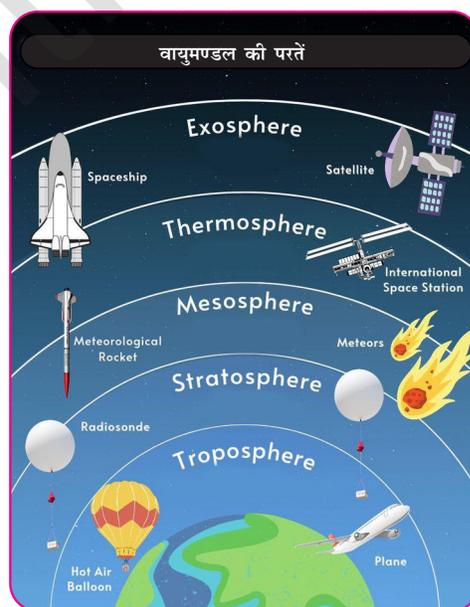
नाइट्रोजन	78.07%
ऑक्सीजन	20.93%
कार्बन-डाईऑक्साइड	0.03%
ऑर्गन	0.93%

वायुमण्डल में पायी जाने वाली प्रमुख गैसें

- नाइट्रोजन-** यह गैस वायुमण्डल में सबसे अधिक मात्रा में पायी जाती है। यह गैस वायुमण्डल में 128 किमी. की ऊँचाई तक फैली हुई है। यदि वायुमण्डल में नाइट्रोजन नहीं होती तो आग पर नियंत्रण रखना कठिन हो जाता है। नाइट्रोजन से पेड़-पौधों में प्रोटीन का निर्माण होता है जो भोजन का मुख्य अंग है।
- ऑक्सीजन-** यह गैस वायुमण्डल में 64 किमी. की ऊँचाई तक फैली हुई है, परन्तु 16 किमी. से ऊपर जाकर इसकी मात्रा बहुत कम हो जाती है। ऑक्सीजन के बिना हम ईंधन नहीं जला सकते अतः यह ऊर्जा का मुख्य स्रोत है।
- कार्बन-डाईऑक्साइड-** यह सबसे भारी गैस है इसी कारण यह सबसे

निचली परत में मिलती है। फिर भी इसका विस्तार 32 किमी. की ऊँचाई तक है। यह गैस 'ग्रीन हाउस प्रभाव' के लिए जिम्मेदार है और वायुमण्डल की निचली परत को गर्म रखती है।

- ओजोन-** यह गैस ऑक्सीजन का ही एक विशेष रूप है। यह वायुमण्डल में अधिक ऊँचाई तक बहुत कम मात्रा में मिलती है यह सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों से हमें बचाती है। यदि वायुमण्डल में ओजोन गैस की मात्रा कम हो जाये तो सूर्य की पराबैंगनी किरणें अधिक मात्रा में पृथ्वी तक पहुँचकर कैंसर जैसी भयानक बीमारियाँ फैला सकती है।
- नोट-** ओजोन परत को C.F.C (क्लोरो-फ्लोरो-कार्बन) गैस नुकसान पहुँच रही है।
- जलवाष्प-** वायुमण्डल में जलवाष्प सबसे अधिक परिवर्तनशील व असमान वितरण वाली गैस है। यह 8 किमी. की ऊँचाई तक पायी जाती है। इसके संघनन होने के कारण बादल, वर्षा, कोहरा, ओस तथा हिम आदि का निर्माण होता है यह एक कम्बल का काम करती है, जिससे पृथ्वी न तो अत्यधिक गर्म होती है न ही अत्यधिक ठण्डी।
- आकाश का रंग नीला धूल कण के कारण दिखाई देता है।
- कार्बन डाईऑक्साइड तथा जलवाष्प पृथ्वी के तापमान को बनाये रखते हैं।
- वायुमण्डल की संरचना:-वायुमण्डल को निम्न परतों में बांटा गया है।



1. क्षोभमण्डल (Troposphere):

- यह वायुमण्डल की सबसे निचली परत है। इस मण्डल को अधोमण्डल भी कहते हैं इसकी ऊँचाई ध्रुवों पर 8 किमी. व विषुवत रेखा पर लगभग 18 किमी. होती है।
- क्षोभमण्डल की औसत ऊँचाई 13 किमी. है। **SSC CHSL-2023**
- इस मंडल की ऊँचाई बढ़ने के साथ-साथ तापमान में कमी होती जाती है तथा प्रति 165 मी. की ऊँचाई पर औसत 1° सेल्सियस तापमान घटता जाता है। इसे ही 'सामान्य ताप ह्रास दर' कहा जाता है।
- इस परत का ट्रोपोस्पेयर नामकरण 'टीजरेंस डी बोट' ने किया था।
- सभी वायुमण्डलीय घटनाएँ जैसे बादल, आँधी तथा वर्षा इसी मण्डल में होती है।
- इसको संवहन मण्डल भी कहते हैं।

2. समतापमण्डल (Stratosphere)

- इसकी धरातल से ऊँचाई लगभग 50 किमी. है। इस परत की औसत मोटाई लगभग 40 किमी. है।
- यह क्षोभमंडल के ऊपर की परत है।
- इसमें तापमान समान रहता है।
- इसकी मोटाई ध्रुवों पर सबसे अधिक होती है। कभी-कभी विषुवत रेखा पर इसका लोप हो जाता है।
- इस मण्डल की निचली सीमा वायुयान उड़ाने के लिए आदर्श मानी जाती है।

SSC CHSL- 2023

ओजोन मण्डल (Ozonosphere):

- ओजोन मंडल 15-35 किमी. तक विस्तृत है।
- इस मण्डल में एक ओजोन गैस परत पायी जाती है, जो सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों को अवशोषित कर लेती है इस लिए इसे पृथ्वी का सुरक्षा कवच कहते हैं।
- ओजोन परत को नष्ट करने वाली गैस C.F.C है, जो A.C, फ्रिज जैसे उपकरणों से निकलती है।
- ओजोन परत की मोटाई नापने में डॉब्सन इकाई का प्रयोग किया जाता है। ओजोन परत का रंग हल्का नीला है।

3. मध्यमण्डल (Mesosphere):

- मध्यमण्डल का विस्तार सागर तल से 50-80 किमी. ऊँचाई तक समताप मंडल के ठीक ऊपर पाया जाता है।
- इस मंडल में क्षोभमंडल की तरह ऊँचाई बढ़ने के साथ-साथ तापमान में कमी होने लगती है।
- उल्का पिंड मध्यमंडल में आकर नष्ट हो जाते हैं।

SSC CHSL- 2023

- मध्यमण्डल की ऊपरी सीमा अर्थात् 80 किमी. की ऊँचाई पर तापमान लगभग -100°C तक हो जाता है। इस न्यूनतम तापमान की सीमा को 'मेसोपाउज' (Mesopause) कहते हैं जो आयनमंडल को मध्यमंडल से अलग करती है।
- इस मंडल में गर्मियों के दिनों में ध्रुवों के ऊपर 'नॉकटीलुसेंट बादलों' अथवा 'निशादीप्त बादलों' का निर्माण होता है।

SSC CGL- 2022

4. आयनमण्डल (Ionosphere)

- इसकी ऊँचाई 80 से 640 किमी. तक होती है। (कुछ स्रोतों में 400 किमी. है।)
- इस मण्डल में रेडियो, टी.वी., रडार तथा फोन की संचार किरणें परावर्तित होती हैं।
- संचार उपग्रह इसी मण्डल में पाये जाते हैं।
- इस मंडल में अरोरा ऑस्ट्रालिस व अरोरा बोरियालिस जैसी परिघटनाएँ घटित होती हैं।
- इस मंडल में ऊँचाई के साथ-साथ कई परतों का विकास होता है जैसे- D, E, F तथा G परतें।

5. बाह्य मण्डल (Exosphere)

- 640 किमी. से ऊपर के भाग को बाह्य मण्डल कहते हैं। इसकी ऊपर की कोई सीमा निर्धारित नहीं है।
- इस मंडल में 'वान अलेन रेडिएशन बेल्ट' की उपस्थिति होती है जिसमें पृथ्वी के 'मेनेटिक फील्ड' द्वारा पकड़े गये आवेशित कण पाए जाते हैं।
- इस मण्डल में हाइड्रोजन व हीलियम गैस की प्रधानता होती है।

- समदाब रेखा:** समान वायुदाब वाले स्थानों को मिलाने वाली काल्पनिक रेखा समदाब रेखा कहलाती है।

विश्व की प्रमुख जनजातियाँ

जनजाति	देश
माओरी	न्यूजीलैण्ड
एस्कीमो	टुण्ड्रा प्रदेश, अलास्का, ग्रीनलैण्ड
खिरगीज	किर्गिस्तान
सेमांग	मलेशिया
जुलु	दक्षिण अफ्रीका
हैदा, होपी, यांकी	अमेरिका
याकूत	टुण्ड्रा प्रदेश (उत्तर-पूर्वी साइबेरिया)
रेड इण्डियन	उत्तरी अमेरिका
यूकाधिर	साइबेरिया
अफरीदी	पाकिस्तान
मसाई	केन्या, तंजानिया, युगांडा
SSC CHSL- 2024	
बोरो	ब्राजील (अमेजन बेसिन)
नीग्रो	मध्य अफ्रीका
पिग्मी	कांगो बेसिन
बददू	अरब मरुस्थल
बुशमैन	कालाहारी मरुस्थल
वेद्दा	श्रीलंका
ओंग	भारत
एटा	फिलीपीन्स
तातार	साइबेरिया
फेल्लाह	मिस्र
हक्का	चीन, (यलो रिवर बेसिन)
इन्का	पेरू
पुनन	मध्य बोरिनियो
पोकोमो	केन्या

विश्व के प्रमुख फसल उत्पादक देश

फसल	प्रथम	द्वितीय
गेहूँ	चीन	भारत
धान	चीन	भारत
SSC CGL- 2022		
गन्ना	ब्राजील	भारत
कपास	भारत	चीन
केला	भारत	चीन
नारियल	इंडोनेशिया	फिलीपींस
तम्बाकू	चीन	USA
प्राकृतिक रबर	थाईलैंड	इंडोनेशिया
आलू	चीन	भारत

फसल	प्रथम	द्वितीय
प्याज	चीन	भारत
जूट	बांग्लादेश	भारत
दलहन	भारत	चीन
जौ	रूस	कनाडा
ज्वार	अमेरिका	भारत
सोयाबीन	अमेरिका	ब्राजील
मूँगफली	चीन	भारत
सूरजमुखी	यूक्रेन	रूस
सेब	चीन	अमेरिका
मसाले	भारत	तुर्की
अंगूर	इटली	फ्रांस
संतरा	ब्राजील	चीन

पेरिस	फ्रांस	सीन
लाहौर	पाकिस्तान	रावी
कराची	पाकिस्तान	सिंधु
बुडापेस्ट	हंगरी	डेन्यूब
मैड्रिड	स्पेन	मैजियर
पर्थ	ऑस्ट्रेलिया	स्वान
न्यूयॉर्क	अमेरिका	हडसन
वाशिंगटन	अमेरिका	पोटोमैक
मिलान	इटली	पो
वार्डिआक्स	फ्रांस	गैरोनी
ली हार्वे	फ्रांस	सीन
ब्रेमेन	जर्मनी	वेजर
हैम्बर्ग	जर्मनी	एल्ब
वारसा	पोलैंड	बिस्तुला
कीव	यूक्रेन	नीपर
मॉस्को	रूस	मास्कवा
ग्वांगझू	चीन	सीक्यांग
नाम पेन्ह	कंबोडिया	मेकॉन्ग
बैंकॉक	थाईलैंड	चाओफ्राया
पोर्टलैंड	यूएसए	कोलंबिया
बैंकूवर	कनाडा	फ्रेजर
मॉण्ट्रियल	कनाडा	सेंट लॉरेंस
ब्यूनस आयर्स	अर्जेंटीना	पराना
खार्तुम	सूडान	ब्लू नील व श्वेत नील के संगम पर
जुब	दक्षिणी सूडान	श्वेत नील

विश्व के प्रमुख खनिज उत्पादक देश

खनिज	प्रथम	द्वितीय
कोयला	चीन	USA
लौह अयस्क	ऑस्ट्रेलिया	चीन
ताँबा	चिली	पेरू
सोना	चीन	ऑस्ट्रेलिया
चाँदी	मैक्सिको	चीन
एल्यूमीनियम	चीन	भारत
टिन	चीन	इंडोनेशिया
यूरेनियम	कजाखिस्तान	नामीबिया
मैंगनीज	द. अफ्रीका	गैबॉन
रॉक फास्फेट	चीन	मोरक्को
सीमेंट	चीन	भारत
कोबाल्ट	कांगो	रूस
ग्रेफाइट	चीन	मेडागास्कर
जिप्सम	चीन	अमेरिका
सीसा	चीन	ऑस्ट्रेलिया
टंगस्टन	चीन	वियतनाम
टाइटैनियम	चीन	जापान
हीरा	रूस	बोत्सवाना
प्राकृतिक गैस	अमेरिका	रूस

नदियों के किनारे बसे विश्व के प्रमुख नगर

शहर	देश	नदी
लंदन	इंग्लैंड	टेम्स
बर्लिन	जर्मनी	स्प्रि
वियना	ऑस्ट्रिया	डेन्यूब
बगदाद	इराक	टिगरिस
काहिरा	मिस्र	नील
रोम	इटली	टाइबर

विश्व की प्रमुख नहरें

कील नहर (जर्मनी)	उत्तरी सागर + बाल्टिक सागर
के. पी. नहर (भारत)	आंध्र प्रदेश + तमिलनाडु
स्वेज नहर (मिस्र)	लाल सागर + भूमध्य सागर
UPPSC 2019	
सू नहर (U.S.A)	सुपीरियर झील + ह्यूरोन झील
पनामा नहर (पनामा)	अटलान्टिक महासागर+प्रशांत महासागर (केरिबियन सागर)
SSC GD 2023	
मैनचेस्टर नहर (ग्रेट ब्रिटेन)	मैनचेस्टर + लीवर पुल
ईरी नहर (USA)	ईरी झील + मिशीगन झील
गोटा नहर (स्वीडन)	स्टाकहोम + गुटेनबर्ग
न्यु वाटर वे (जर्मनी)	उत्तरी सागर + राटरडम
पनामा नहर	इसका निर्माण वर्ष 1914 में हुआ। प्रारम्भ में इस पर अमेरिका का अधिकार था परन्तु वर्ष 2000 से इस पर पनामा का अधिकार हो गया।

विश्व की प्रमुख जलसन्धियाँ

जलसन्धि का नाम	संकेत : किस-किस को जोड़ती है भौगोलिक स्थिति
मलक्का जलसन्धि	अंडमान सागर एवं दक्षिणी चीन सागर (इंडोनेशिया-मलेशिया)
पाक जलसन्धि	मन्नार एवं बंगाल की खाड़ी (भारत-श्रीलंका)
SSC CPO- 2020	
सुण्डा जलसन्धि	जावा सागर एवं हिन्द महासागर (इंडोनेशिया)
SSC CHSL- 2023	
सुशीमा जलसन्धि	जापान सागर एवं पूर्वी चीन महासागर (जापान)
मोजाम्बिक चैनल	हिन्द महासागर मोजाम्बिक-मालागासी
टोरस जलसन्धि	अराफुरा सागर एवं पापुआ की खाड़ी (पापुआ-न्यूगिनी-ऑस्ट्रेलिया)
बेरिंग जलसन्धि	बेरिंग सागर एवं चुकसी सागर (अलास्का-रूस)
डेविस जलसन्धि	बेफिन खाड़ी एवं अटलांटिक महासागर (ग्रीनलैंड-कनाडा)
डोवर जलसन्धि	इंग्लिश चैनल एवं उत्तरी सागर (इंग्लैंड-फ्रांस)
फ्लोरिडा जलसन्धि	मैक्सिको की खाड़ी, अटलांटिक महासागर (USA)
हार्मुज जलसन्धि	फारस की खाड़ी एवं ओमान की खाड़ी (ओमान-ईरान)
हडसन जलसन्धि	हडसन की खाड़ी व अटलांटिक महासागर (कनाडा)
जिब्राल्टर जलसन्धि	भूमध्य सागर एवं अटलांटिक महासागर (स्पेन-मोरक्को)
मैगलन जलसन्धि	प्रशांत एवं दक्षिण अटलांटिक महासागर (चिली)

विश्व के कुछ प्रमुख देश तथा शहर के पुराने एवं नए नाम

नये नाम	पुराने नाम
जायरे	कांगो
थाईलैंड	स्याम
ताइवान	फॉर्मोसा
सूरीनाम	डच गुआना
नामीबिया	दक्षिण-पश्चिमी अफ्रीका
इराक	मेसोपोटामिया
ईरान	पर्शिया
यांगून	रंगून

घाना	गोल्ड कोस्ट
कंबोडिया	कंपूचिया, खमेर
इथियोपिया	अबीसीनिया
बीजिंग	पीकिंग
म्यांमार	बर्मा
जिम्बाब्वे	दक्षिण रोडेशिया
जाम्बिया	उत्तरी रोडेशिया

विश्व के प्रमुख भौगोलिक उपनाम

लौंग का द्वीप	जंजीबार
यूरोप का वाराणसी	लीडेन सिटी (स्विट्जरलैण्ड)
मरकत द्वीप	आयरलैण्ड
सात पहाड़ियों नगर	रोम
पोप का शहर	रोम
ईटरनल सिटी	रोम
पवनों का देश	डेनमार्क SSC GD- 2022
पश्चिम का बेबीलोन	रोम
रक्तवर्ण महिला	रोम
प्राचीन विश्व की सामग्री	रोम
एम्पायर सिटी	न्यूयार्क (U.S.A)
संसार की छत	पामीर का पठार
सात टापुओं का नगर	मुम्बई
भारत का मसालों का बगीचा	केरल
श्वेत शहर	बेलग्रेड
मोतियों का द्वीप	बहरीन
पवन चक्कियों की भूमि	नीदरलैंड
अंधमहाद्वीप	अफ्रीका
दक्षिण का ब्रिटेन	न्यूजीलैंड
नील नदी की देन	मिस्र
उगते सूर्य का देश	जापान
डूबते सूर्य का देश	ब्रिटेन
मध्य रात्रि के सूर्योदय का देश	नार्वे
पूर्व का मैनचेस्टर	ओसाका
विश्व का चीनी का कटोरा	क्यूबा
एण्टीलीज का मोती	क्यूबा
चीन का शोक	ह्वंगहो नदी (पीली नदी)
कंगारूओं की भूमि	ऑस्ट्रेलिया
झीलों का देश	फिनलैण्ड
भू-मध्य सागर का द्वार	जिब्राल्टर
हजारों हाथियों की भूमि	लाओस
सफेद हाथियों की भूमि	थाईलैण्ड
ग्रेनाइट सिटी	एवरडीन
अरब सागर की रानी	कोच्चि (केरल)

क्वेकर सीटी	फिलाडेल्फिया
यूरोप का खेल का मैदान	स्विट्जरलैण्ड
लैण्ड ऑफ थडराबोल्ड (वज्र भूमि का देश), लैंड ऑफ द थंडर ड्रैगन	भूटान
हिन्द महासागर का मोती	श्रीलंका
पूर्व का मोती, रत्नद्वीप	श्रीलंका
यूरोप के बारूद का पीपा	बाल्कन
विश्व की जनत	पेरिस
स्वर्णिम पैगोडा का देश	म्यांमार

विश्व की प्रमुख भौगोलिक खोजें

उत्तरी ध्रुव	रॉबर्ट पियरी (U.S.A, 1909)
दक्षिणी ध्रुव	एमंडसन (नार्वे, 1911)
सौरमण्डल की खोज	कोपरनिकस (पोलैण्ड)
हवाई द्वीप समूह की खोज	कैप्टन कुक
स्वेज नहर का निर्माण	फर्डिनेंड डी लेसेप्स (1869)
ग्रहों की गति का नियम	केप्लर (जर्मनी)
भारत की खोज	वास्कोडिगामा (पुर्तगाल, 1498)
विश्व का भ्रमण	मैगलन
अमेरिका की खोज	कोलम्बस (1492)
द. प्रशांत महासागर की खोज	मैगलन

विश्व के प्रसिद्ध स्थान

व्हाइट हाउस	वाशिंगटन DC (USA)
पेंटागन	वाशिंगटन DC (USA)
ओपेरा हाउस	सिडनी (ऑस्ट्रेलिया)
एफिल टावर	पेरिस (फ्रांस)
मर्डेका पैलेस	जकार्ता (इण्डोनेशिया)
झुकी हुई मीनार	पीसा ((इटली)
डाउनिंग स्ट्रीट	लंदन
कालोसियम	रोम (इटली)
स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी	न्यूयार्क (USA)

AHC group- C 2019

विश्व की प्रमुख नदी

नाम	उद्गम	मुहाना
नील नदी	विक्टोरिया झील	भूमध्य सागर
ब्रह्मपुत्र नदी	मानसरोवर झील	बंगाल की खाड़ी
सिन्धु नदी	मानसरोवर झील	अरब सागर
इरावती नदी	एन'माई और माली का संगम	बंगाल की खाड़ी
डेन्यूब नदी	ब्लैक फॉरेस्ट (जर्मनी)	काला सागर
अमेजन नदी	एंडीज पर्वत, पेरू	अटलांटिक महासागर
नाइजर नदी	गिनी तट	गिनी की खाड़ी

नाम	उद्गम	मुहाना
मीकांग नदी	तिब्बत का पठार	दक्षिणी चीन सागर

नदी	विशेषताएँ
नील नदी	विक्टोरिया झील से निकलने वाली यह नदी विश्व की सबसे लम्बी नदी है। अस्वान बाँध व नासिर झील इसी पर स्थित है।
अमेजन नदी	आयतन की दृष्टि से विश्व की यह सबसे बड़ी एवं लंबाई में विश्व की दूसरी सबसे लम्बी नदी है।
मिसिसिपी-मिसौरी नदी	यह विश्व का सबसे बड़ा नदी-तंत्र बनाती है। यह नदी पक्षी-पाद डेल्टा (Bird Foot Delta) बनाती है।
रियो-ग्रांडे नदी	यह संयुक्त राज्य अमेरिका व मैक्सिको की सीमा बनाती है।
सेंट-लॉरेंस नदी	यह विश्व का व्यस्ततम आंतरिक जल परिवहन मार्ग है। नियाग्रा जलप्रपात इसी नदी पर स्थित है।
कोलोरैडो नदी	विश्व प्रसिद्ध ग्रेड केनियन एवं हूवर बाँध इसी नदी पर स्थित है।
राइन नदी	यह यूरोप का सबसे व्यस्ततम आंतरिक जल परिवहन मार्ग है। इसे 'कोयला नदी' (Coal River) भी कहा जाता है। यूरोप का व्यस्ततम बंदरगाह रॉटरडम इसी पर स्थित है।
डेन्यूब नदी	जर्मनी के ब्लैक फॉरेस्ट पर्वत से निकलने वाली यह नदी यूरोपीय देशों के राजधानियों बेलग्रेड (यूगोस्लाविया), बुखारेस्ट (रोमनिया), बुडापेस्ट (हंगरी) व वियना (ऑस्ट्रेलिया) से गुजरते हुए काला सागर में गिरती है।
वोल्गा नदी	वल्दाई पहाड़ी से निकलने वाली यह नदी कैस्पियन सागर में गिरती है। यह यूरोप की सबसे लंबी नदी है।
नाइजर नदी	गिनी की खाड़ी में गिरने वाली यह नदी तेल नदी के नाम से प्रसिद्ध है।
जाम्बेजी नदी	विक्टोरिया जल-प्रपात व करीबा बाँध इसी पर स्थित है।
मेकांग नदी	यह दक्षिण-पूर्व एशिया की सबसे लंबी नदी है।
मर्रे डार्लिंग नदी	यह कोशियुस्को पर्वत से निकलती है एवं ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी नदी है।

मकर रेखा को दो बार काटती है -लिम्पोपो नदी (दक्षिण अफ्रीका)

भूमध्य रेखा को दो बार काटती है -कांगो नदी (अफ्रीका)

UKPSC- 2016

कर्क रेखा को दो बार काटती है -माही नदी (भारत)

MPPSC- 2018

अमूर नदी रूस तथा चीन के बीच में सीमा बनाती है।

विक्टोरिया जल प्रपात तथा करीबा बांध जाम्बेजी नदी पर स्थित है।

मिसिसिपी नदी का अपवाह तंत्र उत्तर अमेरिका का सबसे बड़ा अपवाह तंत्र है। तथा इस नदी के मुहाने पर ऑलियंस बंदरगाह स्थित है। और इस नदी के द्वारा बनाया गया डेल्टा पक्षी के पंजे जैसा होता है।

विश्व के प्रमुख औद्योगिक नगर

नगर	उद्योग
डेट्रॉयट	ऑटोमोबाइल (USA)
हॉलीवुड	फिल्म उद्योग (USA)
हवाना	सिगार (क्युबा)
मैनचेस्टर	सूती वस्त्र उद्योग (इंग्लैण्ड)
ओसाका	सूती वस्त्र उद्योग (जापान)

विश्व की प्रमुख वनस्पति

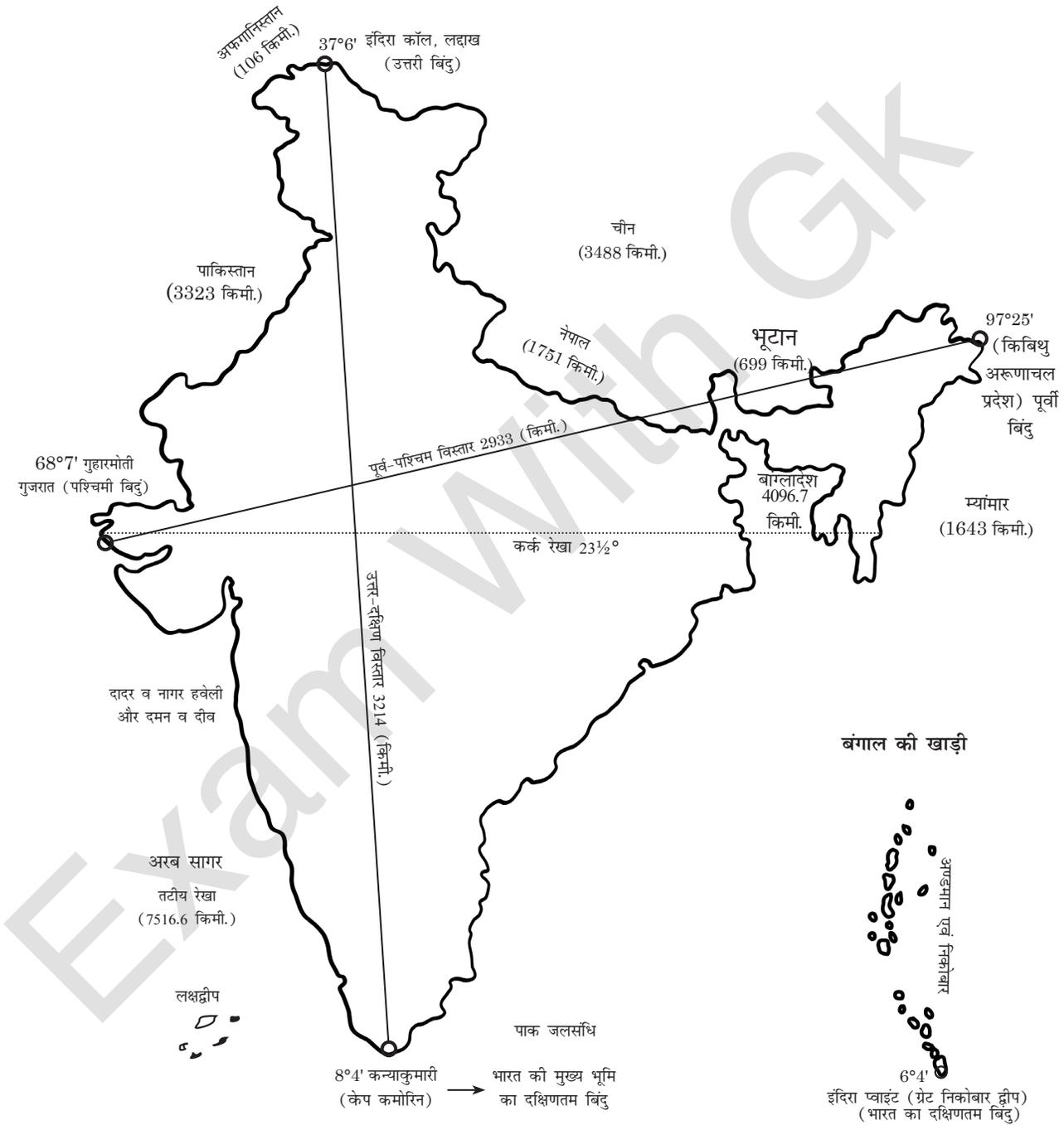
वनस्पति	क्षेत्र
हैलोफाइट	लवणीय मृदा में पायी जाने वाली वनस्पति
ट्रोपोफाइट	उष्ण कटिबंधीय जलवायु वाली वनस्पति
मेसोफाइट	मिट्टी में उगने वाले पौधे हैं (इष्टतम मिट्टी के पानी में)
लिथोफाइट	चट्टानों में पायी जाने वाली
हाइग्रोफाइट	दलदली क्षेत्रों में पाई जाने वाली

विश्व के प्रमुख देशों की राजधानी एवं मुद्रा

प्रमुख देश	राजधानी	मुद्रा
कनाडा	ओटावा	डॉलर
मैक्सिको	मैक्सिको सिटी	पीसो
संयुक्त राज्य अमेरिका (यू.एस.ए.)	वाशिंगटन डी.सी.	डॉलर
जर्मनी	किंगस्टन	डॉलर
ब्राजील	ब्रासीलिया	रियल
अर्जेंटीना	ब्यूनस आयर्स	पीसो
त्रिनिदाद एंड टोबैगो	पोर्ट ऑफ स्पेन	डॉलर
भारत	नई दिल्ली	रुपया
चीन	बीजिंग	रेनमिन्बी (मूल इकाई- युआन)
मंगोलिया	उलानबटोर/उलानबाटार	तुगरिक/टग्रिक
पाकिस्तान	इस्लामाबाद	रुपया
नेपाल	काठमांडू	रुपया
श्रीलंका	श्री जयवर्द्धनपुरा कोटे (विधायी) एवं कोलंबो (कार्यकारी और न्यायिक)	रुपया
बांग्लादेश	ढाका	टका
भूटान	थिम्पू	नुलट्रम
म्यांमार	नेपीडॉ (नेप्यीताव)	क्यात
ईरान	तेहरान	रियाल
कुवैत	कुवैत सिटी	दिनार
अफगानिस्तान	काबुल	अफगानी
इराक	बगदाद	दिनार
इंडोनेशिया	जकार्ता (प्रस्तावित राजधानी-नुसंतारा)	रुपिया

इजराइल	जेरूसलम	न्यू शेकेल
मलेशिया	क्वालालंपुर	रिंगित
तुर्की	अंकारा	लीरा
मालदीव	माले	रुफिया
दक्षिण कोरिया	सिओल	वॉन
वियतनाम	हनोई	डांग
थाईलैंड	बैंकाक	बहत
संयुक्त अरब अमीरात	अबूधाबी	दिरहम
सऊदी अरब	रियाद	रियाल
ताइवान	ताइपे	डॉलर
कतर	दोहा	रियाल
ओमान	मस्कट	रियाल
जॉर्डन	अम्मान	दिनार
जापान	टोक्यो	येन
रूस	मॉस्को	रूबल
सीरिया	दमिश्क	पाउण्ड
सिंगापुर	सिंगापुर	डॉलर
नॉर्वे	ओस्लो	क्रोन
डेनमार्क	कोपेनहेगन	क्रोन
फ्रांस	पेरिस	यूरो
स्वीडन	स्टॉकहोम	क्रोना
इंग्लैंड	लंदन	पाउण्ड
यूक्रेन	कीव	हिरिन्विया
सर्बिया	बेलग्रेड	दिनार
किर्गिजस्तान	बिशकेक	सोम
बेल्जियम	ब्रुसेल्स	यूरो
लक्समबर्ग	लक्समबर्ग	यूरो
इटली	रोम	यूरो
ऑस्ट्रेलिया	केनबरा	डॉलर
न्यूजीलैंड	वेलिंगटन	डॉलर
नाइजीरिया	अबुजा	नैरा/नाइरा
मॉरीशस	पोर्ट लुईस	रुपया
मोरक्को	रबात	दिरहम
टोगो	लोमे	फ्रैंक
मिस्र	काहिरा	पाउण्ड
सेशेल्स	विक्टोरिया	रुपया
जिम्बाब्वे	हरारे	डॉलर
केन्या	नैरोबी	शिलिंग
नीदरलैंड्स	एम्सटर्डम	यूरो
फिनलैंड	हेलसिंकी	यूरो
आयरलैंड	डबलिन	यूरो
जर्मनी	बर्लिन	यूरो
पुर्तगाल	लिस्बन	यूरो

भारत का भूगोल



भारत: एक नजर में

भारत: सामान्य परिचय	
देश	भारत (अन्य नाम- आर्यावर्त जम्बूद्वीप, भारतवर्ष, हिन्दुस्तान, इंडिया)
राजधानी	नई दिल्ली
भौगोलिक स्थिति	उत्तरी-पूर्वी गोलार्द्ध में अवस्थित
ज्यामितीय आकार	चतुष्कोणीय
अक्षांशीय विस्तार	8° 4' उत्तरी अक्षांश से 37° 6' उत्तरी अक्षांश
देशांतरीय विस्तार	68° 7' पूर्वी देशांतर से 97° 25' पूर्वी देशांतर
भौगोलिक विस्तार	लम्बाई (उत्तर से दक्षिण 3,214 किमी.) चौड़ाई (पूर्व से पश्चिम 2,933 किमी.)
SSC CHSL- 2023	
क्षेत्रफल	32,87,263 वर्ग किमी.
विश्व के कुल क्षेत्रफल का %	2.4%
क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व में स्थान	7वाँ (रूस, कनाडा, अमेरिका, चीन, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया)
स्थलीय सीमा	15,106.7 किमी.
जल तटीय सीमा	7,516.6 किमी.
जलवायु	मानसूनी जलवायु
कुल जनसंख्या	1,21,08,54,977 (2011)
विश्व की जनसंख्या का प्रतिशत	17.5% (2011)
जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में स्थान	द्वितीय (प्रथम चीन)
दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर	17.64%
❖ पुरुष जनसंख्या	62,32,70,258 (2011)
❖ महिला जनसंख्या	58,75,84,719 (2011)
❖ ग्रामीण जनसंख्या	83.37 करोड़ (68.84%)
❖ शहरी जनसंख्या	37.71 करोड़ (31.16%)
लिंगानुपात	943 प्रति हजार पुरुषों पर
शिशु लिंगानुपात	918 प्रति हजार पुरुषों पर
जनसंख्या घनत्व	382 व्यक्ति/वर्ग किमी.
कुल साक्षरता	74.04% SSC MTS- 2020
❖ पुरुष साक्षरता	82.14%
❖ महिला साक्षरता	65.46%
अनुसूचित जाति जनसंख्या	20,13,78, 086 (कुल जनसंख्या का 16.6%)
अनुसूचित जनजाति जनसंख्या	10,42,81,034 (कुल जनसंख्या का 8.6%)
राज्यों की संख्या	28
केंद्र शासित प्रदेशों की संख्या	8

अंतर्राष्ट्रीय सीमा से जुड़े राज्य/ केन्द्रशासित प्रदेश	18
किसी भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा से न लगने वाले स्थलरुद्ध राज्यों की संख्या	5
भारत की स्थलीय सीमा से सम्बन्धित देश	7

- ❑ क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत 7वाँ सबसे बड़ा देश है।
 1. रूस
 2. कनाडा
 3. USA
 4. चीन
 5. ब्राजील
 6. ऑस्ट्रेलिया
 7. भारत
 8. अर्जेंटीना
- ❑ जनसंख्या की दृष्टि से चीन विश्व का पहला सबसे बड़ा देश है।
 1. चीन
 2. भारत
 3. USA
 4. इण्डोनेशिया
 5. ब्राजील
 6. पाकिस्तान
 7. बांग्लादेश
 8. रूस
- ❑ त्रिपुरा और बांग्लादेश की सीमा 'शून्य रेखा' कहलाती है।
- ❑ भारत की स्थल सीमा रेखा की लंबाई 15,200 किमी. है। इसके तटीय भाग की कुल लंबाई 7516.5 किमी. है। **SSC MTS- 2021**
नोट:- परन्तु भारत की तटरेखा की लंबाई मुख्य भू-भाग को छोड़कर 6,100 किमी. है।
 - ❑ सबसे लम्बी तटरेखा वाला राज्य गुजरात है तथा दूसरे स्थान पर आन्ध्र प्रदेश है।
 - ❑ प्रादेशिक जल सीमा- 12 समुद्री मील तक
 - ❑ संलग्न क्षेत्र मंडल- 24 समुद्री मील तक
 - ❑ अनन्य क्षेत्र मंडल- 200 समुद्री मील तक
 - ❑ सबसे छोटी तट रेखा वाला राज्य गोवा है।
 - ❑ भारत का क्षेत्रफल विश्व के क्षेत्रफल 2.42% है। जबकि भारत की जनसंख्या विश्व की जनसंख्या का 17.5% है।
 - ❑ भारत का सबसे दक्षिणतम बिन्दु इन्दिरा प्वाँइन्ट है यह अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह में स्थित है। इसका पहले नाम पिगमेलियन प्वाँइन्ट था। यह भू-मध्य रेखा से 876 किमी. दूर है।
 - ❑ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में लगभग 572 द्वीप हैं। **SSC MTS- 2021**
 - ❑ भारत का सबसे उत्तरी बिंदु इन्दिरा कॉल है जो जम्मू-कश्मीर में स्थित है।
 - ❑ भारत का सबसे पश्चिमी बिन्दु सरक्रीक (गुहारमोती), गुजरात है तथा पूर्वी बिन्दु किबिथु (अरूणाचल प्रदेश) में है।
 - ❑ भारत के 9 राज्य तट रेखा से लगे हुये हैं।
 - ❑ कर्क रेखा भारत के मध्य से (8 राज्यों से) गुजरती है।
 - 1. राजस्थान
 - 2. गुजरात
 - 3. मध्य प्रदेश
 - 4. छत्तीसगढ़
 - 5. झारखण्ड
 - 6. पं० बंगाल
 - 7. त्रिपुरा
 - 8. मिजोरम
 - ❑ भारतीय उपमहाद्वीप में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका तथा मालदीव शामिल हैं। **Delhi Police Cons. 2020**

□ भारत के पड़ोसी देश तथा उनसे लगने वाले राज्य:-

चीन	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश
पाकिस्तान	जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, लद्दाख
अफगानिस्तान	लद्दाख
भूटान	सिक्किम, असम, पं. बंगाल, अरुणाचल प्रदेश
म्याँमार	अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मिजोरम, मणिपुर
नेपाल	उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, उत्तराखण्ड
बांग्लादेश	असम, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल

SSC MTS- 2023

□ भारत की जलीय सीमा से कुल 7 देश लगे हुए हैं।

1. पाकिस्तान
2. श्री लंका
3. मालदीव
4. म्याँमार
5. थाईलैण्ड
6. बांग्लादेश
7. इण्डोनेशिया

□ दक्षिण में भारत, श्रीलंका से पाक जलसंधि तथा मन्नार की खाड़ी के द्वारा अलग होता है।

□ श्रीलंका का जाफना प्रायद्वीप एलीफेंटा दर्रे से जुड़ा है। एलिफेंटा दर्रे श्रीलंका का सबसे बड़ा नमक क्षेत्र और महत्वपूर्ण सैन्य अड्डा है।

□ भारत का मानक समय इलाहाबाद के निकट मिर्जापुर से गुजरने वाली 82½° पूर्वी देशान्तर से लिया गया है।

SSC CHSL- 2024 & SSC CGL- 2021

□ 82½° पूर्वी देशान्तर रेखा भारत के 5 राज्यों से होकर गुजरती है - उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा तथा आन्ध्र प्रदेश।

□ भारत का मानक समय ग्रीनविच माध्य समय से 5 घंटे 30 मिनट आगे है।

SSC CHSL- 2023

□ पृथ्वी की चुम्बकीय विषुवत रेखा त्रिवेन्द्रम (केरल) से गुजरती है।

□ तीनों ओर बांग्लादेश से घिरा हुआ राज्य त्रिपुरा है।

□ तीन अर्द्ध चन्द्राकार समुद्र तट कन्याकुमारी में मिलते हैं।

□ भारत में पायी जाने वाली समस्त चट्टानों में आर्थिक दृष्टि से धारवाड़ चट्टानें सबसे अधिक महत्वपूर्ण चट्टानें हैं। सोना, ताँबा, लोहा तथा जस्ता इन्हीं में पाया जाता है।

□ भारत में रामेश्वरम् के निकट धनुषकोड़ी और श्रीलंका के बीच समुद्र में डूबी प्रवाल द्वीप की एक रेखा जिसे 'आदम का पुल' कहते हैं।

पश्चिमी तटों के नाम

गुजरात से गोवा	कोंकण तट
गोवा से कर्नाटक	केनरा तट/कन्नड़ तट
कर्नाटक से केरल	मालाबार तट

पूर्वी तटों के नाम

कन्याकुमारी से कृष्णा डेल्टा	कोरोमण्डल तट
Delhi Police Cons. 2020	
कृष्णा डेल्टा से गोदावरी डेल्टा	गोलकुण्डा तट
गोदावरी डेल्टा से उत्तरी तटीय भाग	उत्तरी सरकार तट

प्रमुख चैनल/जलसंधि	विभाजित क्षेत्र
8° चैनल	मालदीव-मिनीकाँय (भारत)
9° चैनल	मिनीकाँय-लक्षद्वीप
Delhi Police Cons.- 2023	
6° चैनल	ग्रेट निकोबार-सुमात्रा (इंडोनेशिया)
10° चैनल	अंडमान (लघु अंडमान) व निकोबार (कार निकोबार)
SSC CHSL- 2023	
ग्रेट चैनल	इंदिरा पॉइंट- इंडोनेशिया
पाक जलसंधि	भारत-श्रीलंका (तमिलनाडु-जाफना प्रायद्वीप)
कोको जलसंधि	अंडमान-कोको द्वीप (म्याँमार)

भारत के प्रमुख दर्रे

बुर्जिला दर्रा	श्रीनगर को गिलगित से जोड़ता है।
शिपकीला दर्रा	शिमला तथा तिब्बत को जोड़ता है।
यांग्याप दर्रा	इसी दर्रे से बहूपुत्र नदी भारत में प्रवेश करती है।
जोजीला दर्रा	कश्मीर घाटी को लेह से जोड़ता है।
जैलेप्ला दर्रे	सिक्किम (तिस्ता नदी)
बोमडिला दर्रा	अरुणाचल प्रदेश
दिफू दर्रा	अरुणाचल प्रदेश
काराकोरम दर्रा	भारत - चीन
नाथुला दर्रा	सिक्किम (भारत-चीन)
लिपुलेख दर्रा	उत्तराखंड
पीरपंजाल दर्रा	जम्मू-कश्मीर
बनिहाल दर्रा	जम्मू-कश्मीर
रोहतांग दर्रा	हिमाचल प्रदेश
बारालाचा दर्रा	हिमाचल प्रदेश

□ दक्षिण भारत के दर्रे:

1. थाल घाट - मुम्बई-नासिक
2. भोर घाट - मुम्बई-पुणे
3. पाल घाट - केरल-तमिलनाडु

□ सीमा सड़क संगठन (BRO) ने 19,300 फीट की ऊँचाई पर स्थित पूर्वी लद्दाख के उमलिंग ला दर्रा क्षेत्र में दुनिया की सबसे ऊँची मोटर योग्य सड़क पर ब्लैक टॉपिंग का निर्माण किया गया।

□ NH-1A लेह को जोजीला दर्रा से होते हुये कश्मीर घाटी से जोड़ता है।

भारत का भौतिक स्वरूप

□ भारत की भौगोलिक आकृतियों का विभाजन-

1. उत्तर का हिमालय पर्वत श्रृंखला
2. प्रायद्वीपीय पठार
3. तटवर्ती मैदान
4. भारतीय द्वीप समूह
5. उत्तर भारत का मैदान
6. भारतीय मरुस्थलीय प्रदेश

□ हिमालय पर्वत भारत के उत्तरी सीमा पर स्थित है। इसकी आकृति एक 'चाप के आकार' की है।

❑ इस पर्वत श्रृंखला की उत्पत्ति टेथिस सागर पर प्लेट टेक्टोनिक (विवर्तनिकी) सिद्धांत के आधार पर हुई है। प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत के अनुसार इंडियन एवं यूरोशियन प्लेटों के टकराव से हिमालय का निर्माण हुआ है।

❑ यह विश्व की नवीन वलित पर्वत श्रृंखला है।

Delhi Police Cons. 2020

❑ भारत की उत्तरी सीमा पर अवस्थित हिमालय पर्वतश्रृंखलाएँ विश्व में सबसे ऊँची हैं।

❑ ट्रांस हिमालय महान हिमालय के उत्तर में तिब्बत में स्थित है।

❑ कंचनजंगा विश्व की तीसरी सबसे ऊँची चोटी है, जो सिक्किम और नेपाल की सीमा पर स्थित है। **SSC MTS- 2021**

❑ काराकोरम, लद्दाख, जास्कर आदि ट्रांस हिमालय की पर्वत श्रेणियाँ स्थित हैं। काराकोरम श्रेणी को 'उच्च एशिया की रीढ़' कहा जाता है।

❑ भारत की सबसे ऊँची चोटी K2 (गॉडविन ऑस्टिन) है, जो काराकोरम श्रेणी में स्थित है, जिसकी उँचाई 8,611 मी. है। **SSC CPO- 2024**

❑ वृहद हिमालय लघु हिमालय से 'मेन सेन्ट्रल थ्रस्ट' द्वारा अलग होता है।

❑ माउंट एवरेस्ट (8848.86 मी.) विश्व की सर्वोच्च चोटी है। इसे तिब्बती भाषा में चोमोलुंगमा एवं नेपाल में सागरमाथा कहा जाता है।

❑ मध्य हिमालय, महान हिमालय के दक्षिण में स्थित है।

❑ **लघु हिमालय:** पीरपंजाल, धौलाधार, मसुरी, नागटिब्बा एवं महाभारत पर्वत श्रेणियाँ स्थित हैं। इनकी ढालों पर पाए जाने वाले छोटे-छोटे घास के मैदानों को कश्मीर में मर्ग कहते हैं। जैसे- गुलमर्ग, सोनमर्ग और उत्तराखंड में इन्हे बुग्याल या पयार कहा जाता है।

❑ शिवालिक हिमालय का विस्तार पंजाब के पोटवार बेसिन से कोसी नदी तक है। इसके निचले भाग को तराई कहा जाता है।

❑ शिवालिक को जम्मू में जम्मू पहाड़ियाँ तथा अरुणाचल प्रदेश में डाफला, मिशमी और अबोर पहाड़ियों के नाम से जाना जाता है।

❑ लघु हिमालय एवं शिवालिक श्रेणी के बीच कई घाटियाँ पाई जाती हैं, जिन्हें पूर्व में द्वार (हरिद्वार, कोटद्वार) एवं पश्चिम में दून (देहरादून) कहा जाता है। **SSC CHSL- 2023**

❑ अरावली पर्वतमाला:-यह राजस्थान में स्थित पर्वत श्रेणी है तथा विश्व की सबसे प्राचीन पर्वतमाला है। अरावली पर्वतमाला का सबसे ऊँचा पर्वत शिखर 'गुरु शिखर' (1,722 मी.) है। **SSC CHSL- 2021**

❑ अरावली के पश्चिम की ओर से माही तथा लूनी नदी निकलती हैं। लूनी नदी कच्छ के रण में जाकर विलीन हो जाती है।

कश्मीर या पंजाब हिमालय	सिंधु और सतलज के मध्य 569 किमी. लंबा जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में फैला।
कुमायूँ हिमालय	सतलज व काली नदी के मध्य हिमाचल हिमालय का भाग है, जो 320 किमी. उत्तराखंड में विस्तृत है।
नेपाल हिमालय	काली और तीस्ता नदी के मध्य 800 किमी. फैला हुआ है।
असम हिमालय	तीस्ता तथा दिहांग नदियों के बीच 720 किमी. की लंबाई में सिक्किम, असम, अरुणाचल प्रदेश व भूटान देश में फैला हुआ है।

❑ **मालवा का पठार:** यह मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित है। यह ज्वालामुखी चट्टानों का बना हुआ है। इससे चम्बल और बेतवा नदी निकलती है।

❑ **छोटा नागपुर का पठार:** इसका विस्तार बिहार, झारखण्ड, ओडिशा एवं पं. बंगाल में पाया जाता है। इसमें ग्रेनाइट चट्टानों की प्रधानता है। इस पठार को 'भारत का रूर' कहा जाता है। महानदी, स्वर्णरेखा, सोन व दामोदर नदी इस पठार की मुख्य नदियाँ हैं।

❑ **सतपुड़ा:** इसकी पहाड़ियाँ मध्य प्रदेश राज्य में हैं ये ज्वालामुखी चट्टानों से बनी हैं।

❑ इसकी सबसे ऊँची चोटी 'धूपगढ़' है। इसके पूर्वी हिस्से से ताप्ती नदी निकलती है। **SSC CHSL- 2023**

❑ **नीलगिरी:** यह तमिलनाडु में स्थित है, जो एक ब्लॉक पर्वत है। इसकी सबसे ऊँची चोटी 'डोडाबेट्टा' (2637 मीटर) है। ये दक्षिण भारत की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है।

❑ नीलगिरी की पहाड़ी पर पूर्वी घाट और पश्चिमी घाट मिलते हैं।

❑ **अन्नामलाई:** अन्नामलाई पहाड़ी पर स्थित दक्षिण भारत की सबसे ऊँची चोटी अनाईमुडी (2695 मीटी) हैं।

❑ **पैकाल:** ये छत्तीसगढ़ राज्य में है। इस पहाड़ी का सर्वोच्च शिखर अमरकंटक है, जो कि एक ब्लॉक पर्वत है। इस पहाड़ी के पश्चिम ओर से नर्मदा नदी निकलती है तथा दक्षिण की तरफ से महानदी निकलती है।

❑ **विंध्यांचल:** यह उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश आदि राज्यों में विस्तृत है ये परतदार चट्टानों का बना है। विंध्य पर्वत श्रृंखला उत्तर भारत को दक्षिण भारत से अलग करता है।

❑ विंध्याचल पर्वत की तलहटी में भीमबेटका के शैलाश्रय पाये जाते हैं। **SSC MTS- 2023**

भारत की प्रमुख झीलें

भारत की प्रमुख झीलें

❑ चिल्का झील भारत की सबसे बड़ी लैगून एवं खारे पानी की झील है, जो ओडिशा (उत्तरी सरकार तट) पर स्थित है। यहाँ पर भारतीय नौसेना का प्रशिक्षण केन्द्र भी है। **SSC CPO- 2024**

❑ भारत में सबसे अधिक खारे पानी की झील सांभर झील, राजस्थान में है।

❑ भारत में सबसे बड़ी मीठे पानी की झील वुलर झील, जम्मू-कश्मीर में है। झेलम नदी इसके पानी का मुख्य स्रोत है। **SSC CHSL- 2023**

❑ भारत की सबसे बड़ी कृत्रिम झील गोविन्द बल्लभ पंत सागर है, जो रिहन्द नदी पर बनाए गए बाँध से बनी है। यह उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में स्थित है।

❑ मानव निर्मित झीलों के नाम - पेरियार झील, गोविन्द सागर झील, नागार्जुन सागर, स्टेनले जलशय, राणा प्रताप व जवाहर सागर, गोविन्द बल्लभ पंत सागर।

भारत में लैगून झीलें

चिल्का झील	ओडिशा (सबसे बड़ी)
पुलीकट झील	तमिलनाडु
कोलेरू झील	आन्ध्र प्रदेश

भारत में प्रमुख झीलें

झील	राज्य/ केन्द्रशासित प्रदेश	
डल झील	जम्मू-कश्मीर	
वुलर झील	जम्मू-कश्मीर	
मानसबल झील	जम्मू-कश्मीर	
शेषनाग झील	जम्मू-कश्मीर	
बेरीनाग झील	जम्मू-कश्मीर	
अनंतनाग झील	जम्मू-कश्मीर	
नागिन झील	जम्मू-कश्मीर	
आंचार झील	जम्मू-कश्मीर	
कंवर झील (गोखुर झील)	बिहार	SSC CHSL- 2023
उमियम झील	मेघालय	
सातताल झील	उत्तराखंड	
नैनीताल झील	उत्तराखंड	
भीमताल	उत्तराखंड	
राकसताल झील	उत्तराखंड	
द्रोणसागर झील	उत्तराखंड	
देवताल झील	उत्तराखंड	
नौकुचियाताल	उत्तराखंड	
खुर्पाताल	उत्तराखंड	
भोजताल	मध्य प्रदेश	SSC MTS- 2021
पैंगो त्सो झील	लद्दाख	
लोकटक झील	मणिपुर	
सांभर झील	राजस्थान	
पंचपदरा झील	राजस्थान	
राजसमंद झील	राजस्थान	
पिछौला झील	राजस्थान	SSC MTS- 2021
जयसमंद झील	राजस्थान	
फतेहसागर झील	राजस्थान	
डींडवाना झील	राजस्थान	
चेम्बरमबक्कम झील	तमिलनाडु	
पुलीकट झील	तमिलनाडु (4% हिस्सा) व आंध्र प्रदेश (96% हिस्सा)	
कोलेरू झील	आंध्र प्रदेश	
हुसैन सागर झील	आंध्र प्रदेश	
चिल्का झील	ओडिशा	
अंसुपा	ओडिशा	
लोनार झील	महाराष्ट्र	
वेम्बनाड झील (भारत की सबसे लम्बी झील)	केरल	SSC CHSL- 2023
अष्टमदी झील	केरल	
पेरियार झील	केरल	
चोलामू झील	सिक्किम	

कांकरिया झील	गुजरात
सुरसागर झील	गुजरात
हमीरसर झील	गुजरात
उलसूर झील	कर्नाटक
सूरजकुण्ड झील	हरियाणा
रेणुका झील	हिमाचल प्रदेश
मच्छियाल झील	हिमाचल प्रदेश
सूरजताल	हिमाचल प्रदेश
गोविन्द सागर झील	हिमाचल प्रदेश

भारत की नदियाँ

- सिंधु नदी:** इसका उद्गम मानसरोवर झील के निकट बोखर-चू ग्लेशियर से होता है। इसकी लंबाई 2,880 किमी. है तथा भारत में 1,114 किमी. है। इसकी सहायक नदियाँ - सतलज, चिनाव, रावी, व्यास, झेलम है।
- झेलम नदी:** इसका उद्गम वेरीनाग के समीप शेषनाग झील से इसकी लंबाई 724 किमी. है इसका उपनाम वितस्ता है। वुलर झील इसी नदी के किनारे है।
झेलम की सहायक नदी किशन गंगा है। **SSC MTS- 2021**
- रावी नदी:** इसका उद्गम हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित रोहतांग दर्रे के समीप है इसकी लंबाई 725 किमी है इसका उपनाम परूष्णी व इरावती है।
- चिनाव नदी:** इसका उद्गम चंद्रा तथा भागा नदियों के संगम से होता है ये सिंधु की सबसे बड़ी सहायक नदी है इसकी लंबाई 1,180 किमी. है इसका उपनाम अस्कनी है।
- व्यास नदी:** इसका उद्गम हिमाचल प्रदेश के रोहतांग दर्रे के समीप व्यास कुंड से होता है यह हरिके नामक स्थान पर सिंधु नदी पर मिल जाती है। इसकी लंबाई 470 किमी. है विपाशा इसका उपनाम है।
SSC CHSL- 2023
- सतलज नदी:** यह चिनाव की सहायक नदी है इसका उद्गम मानसरोवर झील के समीप राकसताल झील से होता है तथा शिपकिला दर्रे के पास से भारत में प्रवेश करती है। इसकी लंबाई (भारतीय क्षेत्र) 1,050 किमी. है तथा कुल लंबाई 1,450 किमी. है। भाखड़ा नागल बाँध इसी नदी पर बनाया गया है।
- गंगा नदी:** गंगा नदी का उद्गम भागीरथी और अलकनंदा नदियों का सम्मिलित रूप है, जो देवप्रयाग के निकट मिलकर गंगा कहलाती है जिसका मुख्य स्रोत गंगोत्री हिमनद है, यमुना इसकी सबसे बड़ी सहायक नदी है।
SSC CGL- 2021
इसकी लंबाई 2,525 किमी. है, यह नदी आगे बांग्लादेश में प्रवेश करती है जहाँ इसे **पद्मा** के नाम से जाना जाता है। गंगा ब्रह्मपुत्र का डेल्टा विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा माना जाता है। इसकी सहायक नदियाँ - रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, कोशी, बूढ़ी गंडक, महानंदा आदि।
गंगा नदी की सर्वाधिक लंबाई उत्तर प्रदेश में है **SSC MTS- 2021**

प्रयाग	नदियाँ	
देवप्रयाग	भागीरथी-अलकनंदा	SSC CHSL- 2023

कर्णप्रयाग	अलकनन्दा-पिण्डार Delhi Police Cons. 2020
रूद्रप्रयाग	मन्दाकिनी-अलकनन्दा
विष्णु प्रयाग	धौलीगंगा-अलकनन्दा
नन्द प्रयाग	नन्दाकिनी-अलकनन्दा

❖ **केदारनाथ (शिव धाम):-** मन्दाकिनी नदी पर स्थित है। आदि शंकराचार्य का समाधि स्थल है।

❖ **बद्रीनाथ (विष्णु धाम):-** अलकनन्दा नदी पर स्थित है। यह आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित 4 पीठों में से एक है।

8. यमुना नदी: इसका उद्गम बन्दरपूँछ के पश्चिमी ढाल पर स्थित यमुनोत्री हिमनद से निकलती है यह प्रयागराज में गंगा में मिल जाती है इसकी लंबाई लगभग 1,370 किमी. है।

यमुना की सहायक नदियाँ चंबल, सिंध, बेतवा, केन

SSC MTS- 2021

9. ब्रह्मपुत्र नदी: इस नदी का उद्गम मानसरोवर झील के निकट कैलाश श्रेणी के 'चेमायुंगडुंग हिमानी' से होता है इस नदी का तिब्बत में नाम 'सांगपो' है। यह नदी भारत के अरुणाचल प्रदेश से प्रवेश करती है लोहित तथा दिबांग के मिलने के बाद इस नदी का नाम ब्रह्मपुत्र पड़ा।

SSC CHSL- 2020

इस नदी पर विश्व का सबसे बड़ा नदी द्वीप माजुली द्वीप है जो असम में स्थित है।

SSC CHSL- 2023

यह नदी आगे बांग्लादेश में प्रवेश करती है जहाँ इसे 'जमुना' के नाम से जाना जाता है। इसकी कुल लंबाई 2,900 किमी. है। इसकी सहायक नदियाँ - दिबांग, लोहित, सुबनसिरी, कामेंग, मानस, तीस्ता, धुबरी आदि।

SSC CHSL- 2023

10. नर्मदा नदी: इस नदी का उद्गम मैकाल पर्वत श्रेणी के अमरकंटक पहाड़ी (मध्य प्रदेश) से होता है। इसकी लंबाई 1,312 किमी. है यह नदी डेल्टा की बजाय ऐश्चुरी का निर्माण करती है, इस नदी पर **धुँआधार जलप्रताप** बना है।

SSC CHSL- 2023

यह नदी 'खम्भात की खाड़ी' में गिरती है यह नदी विध्यांचल तथा सतपुड़ा के मध्य भ्रंश घाटी से होकर प्रवाहित होती है।

नर्मदा नदी की सहायक नदियाँ- हिरन, शक्कर, तवा, दूधी, गंजाल आदि।

SSC MTS- 2023

11. ताप्ती नदी: इस नदी का उद्गम मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के मुलताई से होता है इस नदी की लंबाई 724 किमी. है।

SSC CHSL- 2023

यह नदी सतपुड़ा तथा अजन्ता के मध्य भ्रंश घाटी में प्रवाहित होती हुई 'खम्भात की खाड़ी' में ऐश्चुरी का निर्माण करती है। गुजरात में **उकाई जल विद्युत परियोजना** द्वारा इसका प्रयोग होता है।

12. महानदी: इस नदी का उद्गम छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में अमरकंटक पठार (सिहावा पहाड़ी) से होता है, यह नदी बंगाल की खाड़ी में डेल्टा का निर्माण करती है।

SSC MTS- 2021

ब्रह्मणी तथा वैतरणी इसकी सहायक नदियाँ हैं। **हीराकुण्ड** तथा **टिकरापारा बाँध** इस नदी पर बने हैं तथा इसकी लंबाई 851 किमी. है।

13. गोदावरी नदी: इस नदी का उद्गम महाराष्ट्र के नासिक जिले से त्रयम्बकेश्वर पहाड़ी से होता है। यह प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लंबी नदी है।

SSC CHSL- 2023

जिसे **दक्षिण की गंगा** कहा जाता है, जिसकी कुल लंबाई 1,465 किमी. है यह महाराष्ट्र आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश में प्रवाहित होती है इसकी सहायक नदियाँ प्राणहिता, पूर्णा, पेनगंगा, वर्धा, वेनगंगा, इंद्रावती और मंजीरा है।

14. कृष्णा नदी: इस नदी का उद्गम महाराष्ट्र में स्थित महाबलेश्वर की पहाड़ियों से होता है इसकी कुल लंबाई 1,400 किमी. है यह प्रायद्वीप भारत की दूसरी सबसे लंबी नदी है यह नदी महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश में प्रवाहित होती है। इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ कोयना, पंचगंगा, दूधगंगा, घाटप्रभा, मालाप्रभा, तुंगभद्रा, भीमा तथा मुसी।

Delhi Police Cons. 2023, SSC CGL, CHSL- 2019, 23

15. कावेरी नदी: इस नदी का उद्गम कर्नाटक के ब्रह्मगिरी पहाड़ी से होता है। इस नदी की लंबाई 800 किमी. है तथा इस नदी पर शिव समुद्रम जलप्रपात बनता है, यह नदी केरल, कर्नाटक तथा तमिलनाडु में प्रवाहित होती है। इस को नदी को दक्षिण भारत की सबसे पवित्र नदी माना जाता है इसलिए इसे **दक्षिण भारत की गंगा** कहते हैं। इसके अपवाह क्षेत्र को 'दक्षिण भारत का चावल का कटोरा' कहा जाता है। इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ हेमावती, लोकापावनी, शिमसा व अर्कावती है।

16. पेनार नदी: इस नदी का उद्गम कर्नाटक की नंदीदुर्ग पहाड़ी से होता है यह नदी कृष्णा तथा कावेरी के मध्य प्रवाहित होती है।

17. वैगई नदी: इस नदी का उद्गम तमिलनाडु राज्य के मद्रै जिले में स्थित वरुसनाडु की पहाड़ी से होता है। यह नदी 'पाक की खाड़ी' में गिरती है।

18. हुगली नदी: यह गंगा की एक शाखा है, जो धुलिया नामक जगह से बंगाल की खाड़ी से अलग होती है। इस नदी के किनारे कलकत्ता बंदरगाह स्थित है इसे विश्व की सबसे अधिक 'विश्वासघाती नदी' कहा जाता है। हुगली नदी की सहायक नदियाँ दामोदर, मयूराक्षी, कंगसावती है।

SSC CHSL- 2021

19. दामोदर नदी: इस नदी का उद्गम झारखंड के छोटा नागपुर के पठार से होता है। इस नदी को 'बंगाल का शोक' कहा जाता है।

SSC CGL- 2022

20. रामगंगा नदी: इस नदी का उद्गम उत्तराखंड की गढ़वाल की पहाड़ी से होता है यह नदी **जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क** के मध्य से गुजरती है। इसी कारण इस नेशनल पार्क का नाम रामगंगा नेशनल पार्क है।

21. कोसी नदी: इस नदी का उद्गम गोसाईथान चोटी के उत्तर से होता है यह नदी सात नदियों से मिलकर बनती है तथा इस नदी को सप्त कोसी भी कहा जाता है। इसकी लंबाई 720 किमी. है। यह नदी समय-समय पर अपना मार्ग बदलती रहती है। इसी कारण इसे 'बिहार का शोक' कहा जाता है।

नदियों के किनारे बसे प्रमुख नगर

नदी का नाम	भारतीय नगर	सम्बन्धित राज्य/ केन्द्रशासित राज्य
सरयू	अयोध्या	उत्तर प्रदेश
राप्ती	गोरखपुर	उत्तर प्रदेश
गोमती	लखनऊ	उत्तर प्रदेश
गोमती	जौनपुर	उत्तर प्रदेश
गंगा	प्रयागराज	उत्तर प्रदेश

गंगा	कन्नौज	उत्तर प्रदेश
गंगा	कानपुर	उत्तर प्रदेश
गंगा	वाराणसी	उत्तर प्रदेश
यमुना	मथुरा	उत्तर प्रदेश
यमुना	आगरा	उत्तर प्रदेश
यमुना	इटावा	उत्तर प्रदेश
यमुना	नई दिल्ली	दिल्ली
गंगा	हरिद्वार	उत्तराखंड
अलकनंदा	बद्रीनाथ	उत्तराखंड
केदारनाथ	मंदाकिनी नदी	उत्तराखंड
हुगली	कोलकाता	पश्चिम बंगाल
साबरमती	अहमदाबाद	गुजरात
महानदी	कटक	ओडिशा
ब्रह्मपुत्र	डिब्रूगढ़	असम
ब्रह्मपुत्र	गुवाहाटी	असम
नर्मदा	जबलपुर	मध्य प्रदेश
गंगा	पटना	बिहार
कृष्णा	विजयवाड़ा	आंध्र प्रदेश
गोदावरी	राजमुंदरी	आंध्र प्रदेश
चंबल	कोटा	राजस्थान
मूसी	हैदराबाद	तेलंगाना
सतलुज	लुधियाना	पंजाब
क्षिप्रा	उज्जैन	मध्य प्रदेश
Delhi Police- 2020		
सतलुज	फिरोजपुर	पंजाब
झेलम	श्रीनगर	जम्मू एवं कश्मीर
ताप्ती	सूरत	गुजरात
गोदावरी	नासिक	महाराष्ट्र

भारत में कृषि

- ☐ भारत के कुल क्षेत्रफल पर लगभग 51% भाग पर कृषि की जाती है। इसमें 4% भाग पर चारागाह, लगभग 21% भाग पर वन तथा 24% बंजर भूमि है।
- ☐ भारत में कृषि जनगणना प्रत्येक 5 वर्ष में की जाती है। कृषि जनगणना का क्षेत्र कार्य तीन चरणों में किया जाता है। प्रत्येक चरण एक वर्ष की अवधि का होता है।
- ☐ सबसे ज्यादा वन मध्य प्रदेश में है। कृषि राज्य सूची का विषय है।
- ☐ स्वतंत्र भारत के पहले खाद्य एवं कृषि मंत्री **रफ़ी अहमद किदवई** थे।
- ☐ सबसे ज्यादा श्रमिक कपड़ा उद्योग में लगे हुए हैं, तथा सबसे ज्यादा महिला चाय उद्योग में लगी हुई हैं।
- ☐ भारत की प्रमुख खाद्य फसलें चावल और गेहूँ हैं।

- ☐ देश में गेहूँ के लिए प्रथम स्थान उत्तर प्रदेश का है तथा प्रति हेक्टेयर के द्रष्टिकोण से पंजाब का प्रथम स्थान है।

हरित क्रांति

- ☐ भारत में हरित क्रांति का जनक **डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन** को कहा जाता है। जिन्हें वर्ष 2024 में भारत रत्न (मरणोपरान्त) दिया गया।
- ☐ भारत में सबसे ज्यादा हरित क्रांति का प्रभाव पंजाब, हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश में देखा गया।
- ☐ भारत में हरित क्रांति वर्ष 1967-68 में शुरू हुई थी।

SSC GD- 2023

- ☐ विश्व में हरित क्रांति का जनक **'नॉर्मन बोरलॉग'** को कहा जाता है।
- ☐ हरित क्रांति शब्द सर्वप्रथम विलियम एस. गौड ने दिया था।
- ☐ हरित क्रांति भारत में सबसे ज्यादा सफल गेहूँ और चावल की फसल में रही है।
- ☐ फलों एवं सब्जियों के उत्पादन में भारत का विश्व में दूसरा स्थान है तथा पहला स्थान चीन का है।
- ☐ तिलहन प्रौद्योगिकी मिशन की शुरुआत वर्ष 1986 में हुई थी।

विभिन्न प्रकार की कृषि विधियाँ

सेरीकल्चर	रेशम कीट पालना
एपीकल्चर	मधुमक्खी पालन
पिसीकल्चर	मछली पालन
विटीकल्चर	अंगूर की खेती
फ्लोरीकल्चर	फूलों की खेती
वर्मीकल्चर	केंचुआ पालन
पोमीकल्चर	फलों का उत्पादन
हॉर्टीकल्चर	बागवानी
ओलेरीकल्चर	सब्जी का उत्पादन
एरोपोनिक्स	हवा में पौधों को उगाना
हाइड्रोपोनिक्स	जल में पौधों को उगाना

विभिन्न कृषि क्रांतियाँ

नीली क्रांति	मछली उत्पादन
रजत क्रांति	अण्डा/कुक्कुट उत्पादन
हरित क्रांति	खाद्यान्न उत्पादन
भूरी क्रांति	उर्वरक/कोको उत्पादन
पीली क्रांति	तिलहन उत्पादन
सुनहरी क्रांति	फल/शहद उत्पादन
बादामी क्रांति	मसाला उत्पादन
गुलाबी क्रांति	झींगा मछली/प्याज उत्पादन
लाल क्रांति	टमाटर/मांस उत्पादन
कृष्ण क्रांति	पेट्रोलियम उत्पादन
अमृत क्रांति	नदी जोड़ो परियोजना
श्वेत क्रांति	दुग्ध उत्पादन
सुनहरा रेशा क्रांति	जूट उत्पादन

रजत रेशा क्रांति	कपास उत्पादन
सेफ्रॉन क्रांति	केसर उत्पादन
हरित सोना क्रांति	बॉस उत्पादन
मूक क्रांति	मोटे अनाज का उत्पादन
परामनी क्रांति	भिण्डी उत्पादन
इंद्रधनुषीय क्रांति	सभी क्षेत्रों के उत्पादन में वृद्धि करने में

- डॉ. वर्गीज कुरियन ने 'ऑपरेशन फ्लड' (1970 में शुरूआत) कार्यक्रम चलाया था, जो दुग्ध उत्पादन से सम्बन्धित है।

प्रमुख मसालों के शीर्ष उत्पादक राज्य

फसलें	शीर्ष उत्पादक राज्य
केसर	कश्मीर
छोटी इलायची	केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक
बड़ी इलायची	सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड
अदरक	मध्य प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा
हल्दी	महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक
मिर्च	आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश
धनिया (बीज)	मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान
जीरा (बीज)	गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश
लौंग	तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल

प्रमुख फलों के शीर्ष उत्पादक राज्य

फल	शीर्ष उत्पादक
सेब	जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड
खरबूजा	उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश
संतरा	मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र
आम	आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक
केला	आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात
अखरोट	जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश
काजू	महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, ओडिशा
बादाम	जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र
पपीता	आंध्र प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश
अंगूर	महाराष्ट्र, कर्नाटक आंध्र प्रदेश
अमरूद	उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार
अनानास	प. बंगाल, असम, त्रिपुरा
नारियल	केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु
अनार	महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक
नींबू	आंध्र प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र
तरबूज	उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश तमिलनाडु

- तम्बाकू की पत्तियों को सुखाने की प्रक्रिया को **क्योरिंग** कहते हैं, जिससे पत्तियों में वांछित रंग एवं गंध आदि गुणों का विकास होता है।
- विश्व में तम्बाकू का सबसे बड़ा उत्पादक एवं उपभोक्ता देश चीन है।
- अन्न भण्डारण करते समय दानों में नमी 10% से नीचे होनी चाहिए अन्यथा कीट प्रकोप का भय रहता है।

- दलहनी फसलों के उत्पादन हेतु कोबाल्ट आवश्यक तत्व है।
- मक्का में व्हाइट बड एवं धान में खैरा रोग जस्ता की कमी के कारण होता है।
- सबसे उच्च कोटि का कहवा अरेबिका होता है।
- झूम खेती:- इसमें जंगलों को काटकर भूमि साफ की जाती है तथा इसके बाद इस भूमि पर खेती की जाती है।
- **रबी की फसल:** यह अक्टूबर-नवम्बर में बोई जाती है तथा अप्रैल- मई में काटी जाती है। जैसे-गेहूँ, जौ, चना, मटर, सरसो, आलू तथा राई आदि।

SSC CGL- 2022, Delhi Police. Cons. 2023

- **खरीफ की फसल:** यह जून-जुलाई में बोई जाती है तथा सितंबर-अक्टूबर में काटी जाती है। जैसे-चावल, गन्ना, तिलहन, ज्वार, कपास तथा बाजरा आदि। **SSC CHSL- 2023, SSC CPO- 2024**
- **जायद की फसल:** यह मार्च-अप्रैल में बोई जाती है और जून तक काट ली जाती है। जैसे- खीरा, ककड़ी, तरबूज, करेला आदि।

रबी और खरीफ के बीच की फसल ऋतु- जायद **SSC CHSL- 2023**

भारत के प्रमुख कृषि संस्थान

संस्थान	अवस्थिति
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान	नई दिल्ली
राष्ट्रीय मांस व पॉल्ट्री बोर्ड	दिल्ली
केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान	राजमुंद्री (आंध्र प्रदेश)
केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान	शिमला
केंद्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान	लखनऊ
केंद्रीय नारियल अनुसंधान संस्थान	कासरगोड (केरल)
केंद्रीय जूट प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान	कोलकाता
भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान	कानपुर (उत्तर प्रदेश)
राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)	मुंबई (महाराष्ट्र)
राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड	हैदराबाद (तेलंगाना)
राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान	कटक
राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान	करनाल (हरियाणा)
भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान	लखनऊ
विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय	फरीदाबाद (हरियाणा)
चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान	जयपुर
भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान	वाराणसी
केंद्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान	मैसूर
केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान	बीकानेर (प. बंगाल)
भारतीय चाय बोर्ड	कोलकाता

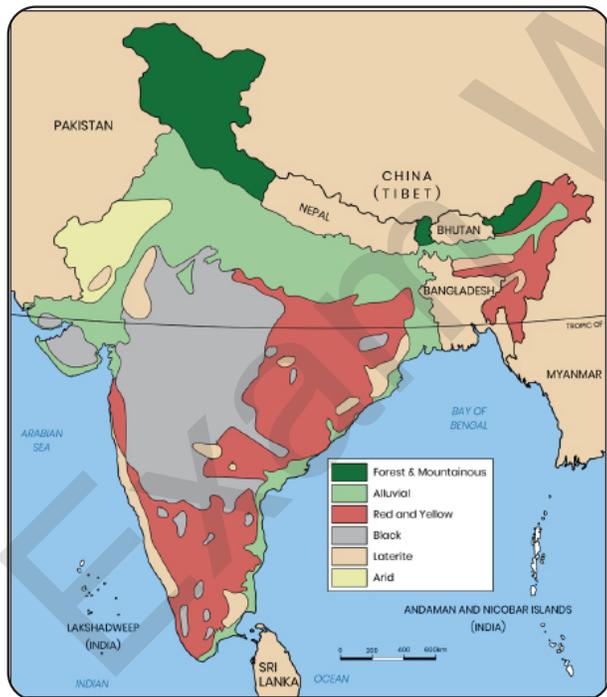
स्थानांतरी कृषि (Shifting Cultivation)

राज्य	कृषि का स्थानीय नाम
उत्तर-पूर्वी राज्य	'झूम' या 'झूमिंग कृषि'

SSC CGL- 2019	
मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़	देप्पा, डाहिया या बेबर
ओडिशा	पामाडावी या ब्रिंगा
पश्चिमी घाट	कुमारी
झारखंड	कुरुवा
SSC CHSL- 2024	
हिमालय क्षेत्र	खिल
राजस्थान	वात्रा या वाल्तरे
आंध्र प्रदेश	पोडु या पेंडा
मेघालय	बोगमा
मणिपुर	पामलू
छत्तीसगढ़ का बस्तर जिला, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह	दीपा

भारत की मिट्टियाँ

- मिट्टी के अध्ययन को पेडोलॉजी कहते हैं।
- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने भारत की मिट्टियों को 8 भागों में बाटा है।



1. **जलोढ़ मिट्टी (Alluvial Soil):** यह नदियों द्वारा लायी गयी मिट्टी है इस मिट्टी में पोटाश अधिक मात्रा में पाया जाता है जबकि नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व ह्यूमस की कमी पायी जाती है।

भारत में सबसे ज्यादा जलोढ़ मिट्टी (लगभग 43%) पायी जाती है।

SSC MTS- 2021, SSC CHSL- 2024

भारत का उत्तरी मैदान जलोढ़ मिट्टी से निर्मित है।

SSC MTS- 2021

ये दो प्रकार की होती है – बांगर तथा खार।

2. **काली मिट्टी (Black Soil):** इसका निर्माण बेसाल्ट चट्टानों के टूटने-फूटने से हुआ है।

इस मिट्टी को रेगुर मिट्टी भी कहते हैं। यह मिट्टी कपास की खेती के लिए उपयुक्त होती है। इस मिट्टी में आयरन, चूना, मैग्नेशियम पाया जाता है। **Delhi Police Cons. 2020, SSC CGL- 2022**

जबकि नाइट्रोजन, पोटाश, फॉस्फोरस की कमी पायी जाती है। टाइटेनीफेरस मैग्नेटाइट एवं जीवांश की उपस्थिति के कारण इस मिट्टी का रंग काला होता है। इस मिट्टी के अन्य नाम- रेगुर, चेनोजम, कपासी, लावा मिट्टी आदि।

यह मिट्टी भारत में सबसे ज्यादा महाराष्ट्र गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा में पायी जाती है।

3. **लाल और पीली मिट्टी (Red and Yellow Soil):** इस मिट्टी में सिलिका तथा आयरन पाया जाता है।

लाल मिट्टी का लाल रंग लौह-ऑक्साइड के कारण होता है।

लाल मिट्टी में चूना मिलाकर इसे उपजाऊ बनाया जा सकता है।

इस मिट्टी की उपज क्षमता कम होती है।

4. **लैटेराइट मिट्टी (Laterite Soil):** इस मिट्टी में आयरन और सिलिका पाई जाती है। **Delhi Police Cons. 2020**

यह मिट्टी चाय और इलायची की खेती के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होती है। **SSC CHSL- 2023**

5. **पर्वतीय मिट्टी (Hilly Soil):** इसे वनीय मृदा भी कहा जाता है। यह मिट्टी हिमालय की घाटियों की ढलानों पर 2700 से 3000 मीटर की ऊँचाई के भागों में पाई जाती है।

इस मिट्टी में जीवांश की अधिकता होती है।

इस मिट्टी में चाय, कहवा, मसाले एवं फलों की खेती की जाती है।

6. **शुष्क एवं मरुस्थलीय मिट्टी (Arid and Desert Soil):** इस मिट्टी का विस्तार शुष्क व अर्द्धशुष्क क्षेत्रों में अरावली पर्वत एवं सिंधु घाटी एवं मध्यवर्ती क्षेत्रों में जैसे- पश्चिमी राजस्थान, उत्तरी गुजरात, दक्षिणी हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पाई जाती है। इस मिट्टी में मोटे अनाज की खेती होती है।

यह मृदा देश की कुल मृदा का लगभग 4.32 प्रतिशत है।

7. **लवणीय व क्षारीय मिट्टी (Saline Soil):** यह अंतःक्षेत्रीय मिट्टी है। इसका विस्तार सभी जलवायु क्षेत्रों में है यह राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, तमिलनाडु में विस्तृत है।

इस मिट्टी में सोडियम व पोटेशियम की मात्रा अधिक होने के कारण यह लवणीय होती है। इस मिट्टी में जिप्सम डालकर सिंचित किया जा सकता है।

8. **पीट एवं जैव मृदा (Peat and Biotic Soil):** इस मृदा का निर्माण नदियों द्वारा निर्मित डेल्टाई क्षेत्रों में जल का भराव तथा उच्च आर्द्रता होने के कारण हुआ है। **SSC CHSL- 2021**

यह उच्च लवणीय मृदा है लेकिन इसमें पोटाश तथा फॉस्फेट की कमी होती है।

भारत में प्रमुख बहुउद्देशीय परियोजनाएँ

परियोजना	नदी	लाभान्वित राज्य
दामोदर घाटी परियोजना	दामोदर नदी	पश्चिम बंगाल, झारखंड

भाखड़ा नांगल परियोजना	सतलज नदी	हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान
हीराकुंड बांध परियोजना	महानदी	ओडिशा
नागार्जुन सागर परियोजना	कृष्णा नदी	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना
पोचंपाद परियोजना	गोदावरी नदी	तेलंगाना
इडुक्की परियोजना	पेरियार नदी	केरल
सरदार सरोवर परियोजना, इंदिरा सागर बांध	नर्मदा नदी	मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात

SSC CHSL- 2023

बाणसागर परियोजना	सोन नदी	बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश
तिलैया परियोजना	बराकर नदी	झारखंड
नाथपा झाकरी परियोजना	सतलुज नदी	हिमाचल प्रदेश
उरी परियोजना	झेलम नदी	जम्मू-कश्मीर
बगलिहार परियोजना	चेनाब नदी	जम्मू-कश्मीर

SSC CHSL- 2019

चंबल परियोजना	चंबल नदी	मध्य प्रदेश, राजस्थान
तुलबुल परियोजना	झेलम नदी	जम्मू-कश्मीर
अलमट्टी बांध परियोजना	कृष्णा नदी	आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र
रिहंद परियोजना	रिहंद नदी	उत्तर प्रदेश
किशनगंगा परियोजना	किशनगंगा नदी	जम्मू-कश्मीर
केन-बेतवा लिंक परि.	केन-बेतवा नदी	उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश
गांधी सागर बांध	चंबल नदी	मध्य प्रदेश
टिहरी बांध परियोजना	भागीरथी नदी	उत्तराखंड
श्रीसैलम परियोजना	कृष्णा नदी	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना
मेट्टूर परियोजना	कावेरी नदी	तमिलनाडु

SSC CPO- 2023

शरावती परियोजना	शरावती नदी	कर्नाटक, गोवा, तमिलनाडु
शिवसमुद्रम परियोजना	कावेरी नदी	कर्नाटक
हिडकल परियोजना	घाटप्रभा नदी	कर्नाटक
काकरापारा परियोजना	ताप्ती नदी	गुजरात
रणजीत सागर बांध (थीन बांध) परियोजना	रावी नदी	पंजाब
दुलहस्ती परियोजना	चेनाब नदी	जम्मू-कश्मीर
माताटीला बांध	बेतवा नदी	उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश
तुंगभद्रा परियोजना	पेन्नार, तुंगभद्रा नदी	आंध्र प्रदेश, कर्नाटक
उकाई परियोजना	ताप्ती नदी	गुजरात

रेल परिवहन

- भारतीय रेल एशिया की दूसरी सबसे बड़ी तथा विश्व की चौथी सबसे बड़ी रेलवे सेवा है। अमेरिका दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क वाले देशों की सूची में प्रथम स्थान पर है। चीन दूसरे तथा रूस तीसरे स्थान पर है।
- विश्व की पहली सार्वजनिक रेलगाड़ी इंग्लैंड के स्टॉकटन और डार्लिंगटन के बीच वर्ष 1825 में चली थी।

- भारत में सबसे पहले रेल अप्रैल, 1853 में मुंबई से थाणे के बीच चली थी, जिसकी दूरी 34 किमी. थी। यह डलहौजी के समय में चली थी।
- भारतीय रेलवे बोर्ड की स्थापना वर्ष 1905 में हुई।
- भारतीय रेलवे का राष्ट्रीयकरण वर्ष 1951 में हुआ।
- भारत में चार प्रकार की रेलवे लाइन हैं-
 - ब्रॉड गेज - 1.676 मीटर
 - मीटर गेज - 1 मीटर
 - नैरो गेज - 0.610 मीटर
 - स्टैंडर्ड गेज (दिल्ली मेट्रो) - 1.435 मीटर
- देश में सबसे लंबी दूरी तय करने वाली रेलगाड़ी विवेक एक्सप्रेस है। यह डिब्रुगढ़ (असम) से कन्याकुमारी (तमिलनाडु) के बीच 4,286 किमी. (लगभग) की दूरी तय करती है। **SSC MTS- 2022**
- भारत की सबसे तेज गति से चलने वाली रेलगाड़ी वंदे भारत (ट्रेन-18) है।
- उत्तर प्रदेश का गोरखपुर रेलवे प्लेटफॉर्म दुनिया का सबसे बड़ा (1366.33) रेलवे प्लेटफॉर्म था। परंतु अब कर्नाटक का सिद्धारूढ़ स्वामीजी हुबली प्लेटफॉर्म (1.5 किमी.) को दुनिया का सबसे लंबा प्लेटफॉर्म होने का गौरव प्राप्त है।
- विश्व का सबसे लंबा रेलमार्ग ट्रांस-साइबेरियन रेलमार्ग है। मॉस्को से व्लादिवोस्तोक तक लगभग 9,289 किमी. लंबा है।
- कोकण रेलवे: महाराष्ट्र के रोहा से मैंगलोर तक जाता है। इस ट्रेक की लंबाई 760 किमी. है। इस ट्रेक पर सबसे पहली रेलगाड़ी वर्ष 1998 में चली थी। **RRB NTPC- 2021**
- कोकण रेलवे महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक राज्यों को लाभ पहुँचाता है।
- भारत में सबसे पहले मेट्रो रेल कोलकाता में 24 अक्टूबर, 1984 में चली।
- दिल्ली मेट्रो रेल का प्रारम्भ दिसम्बर, 2002 में किया गया। यह मेट्रो तीस हजारी से शाहदरा तक चलायी गयी। उस समय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे।
- रेल इंजन के कारखाने-चिन्नरंजन, वाराणसी तथा पटियाला में हैं।
- सवारी डिब्बों के कारखाने कपूरथला, पेराम्पुर, बेंगलुरु तथा कोलकाता में स्थित हैं।
- रेलगाड़ी के पहिये बनाने का कारखाना छपरा (बिहार), सारण तथा बेंगलुरु में स्थित है।

रेलवे जोन तथा उनके मुख्यालय

जोन	मुख्यालय
मध्य रेलवे	मुंबई
पूर्वी रेलवे	कोलकाता
पूर्वी तट रेलवे	भुवनेश्वर
पूर्व-मध्य रेलवे	हाजीपुर
उत्तर रेलवे	दिल्ली
उत्तर-मध्य रेलवे	प्रयागराज
उत्तर-पूर्वी (पूर्वोत्तर) रेलवे	गोरखपुर
उत्तर-पूर्वी सीमांत रेलवे	मालीगाँव (गुवाहाटी)
उत्तर-पश्चिम रेलवे	जयपुर

दक्षिण रेलवे	चेन्नई
दक्षिण- मध्य रेलवे	सिकंदराबाद
दक्षिण-पूर्व रेलवे	कोलकाता
दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे	बिलासपुर
दक्षिण-पश्चिम रेलवे	हुबली
पश्चिम रेलवे	मुंबई
पश्चिम-मध्य रेलवे	जबलपुर
मेट्रो रेलवे	कोलकाता
दक्षिण तट रेलवे (18वां)	विशाखापट्टनम

भारत में रेलवे की उत्पादन इकाइयाँ

कारखाना	स्थापना वर्ष	राज्य	विवरण
चितरंजन लोकोमोटिव	1950	चितरंजन (प. बंगाल)	रेल के विद्युत इंजन बनाने का सबसे पुराना कारखाना।
इण्टीग्रल कोच फैक्ट्री	1955	पेरम्बूर, चेन्नई (तमिलनाडु)	सवारी डिब्बों का निर्माण।
रेल कोच फैक्ट्री	1985	कपूरथला (पंजाब)	रेल डिब्बों का निर्माण
डीजल इंजन आधुनिकीकरण कारखाना	1981	पटियाला (पंजाब)	डीजल इंजनों के संघटकों का निर्माण
डीजल लोकोमोटिव वर्क्स	1961	वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	डीजल इंजन व विद्युत शटर्स का निर्माण

- चिनाव नदी पर विश्व का सबसे ऊँचा रेल पुल बनाया गया है।
- भारत में पहली बुलेट ट्रेन जापान के सहयोग से मुम्बई व अहमदाबाद के मध्य चलाई जाएगी। इस परियोजना में जापान द्वारा 88,000 करोड़ का ऋण दिया गया है।
- भारत की पहली अंडरवाटर मेट्रो सेवा कोलकाता में हुगली नदी में शुरू की गई, जिसकी लंबाई 520 मी. है। यह मेट्रो रेल सेवा कोलकाता और हावड़ा शहरों को जोड़ेगी।

वायु परिवहन

- भारत में वायु परिवहन की शुरुआत वर्ष 1911 में हुई। यह इलाहाबाद से नैनी के बीच में हुई।
- एयर इण्डिया का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के नाम	शहर/राज्य
राजीव गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	हैदराबाद, तेलंगाना
श्री गुरु रामदास जी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	अमृतसर, पंजाब
लोकप्रिय गोपीनाथ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	बारदोलोई, असम
बीजू पटनायक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	गुवाहाटी, असम
इन्दिरा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	धुवनेश्वर, ओडिशा
	नई दिल्ली

DSSSB- 2022

वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	पोर्ट ब्लेयर (श्री विजयपुरम), अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	अहमदाबाद, गुजरात
केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	बेंगलुरु, कर्नाटक
छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	मुंबई, महाराष्ट्र
डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	नागपुर, महाराष्ट्र
तिरुचिरापल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु
चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	लखनऊ, उत्तर प्रदेश
लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	वाराणसी, उत्तर प्रदेश
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	कोलकाता, पश्चिम बंगाल
बागडोगरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल
मैंगलोर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	मैंगलोर, कर्नाटक
चंडीगढ़ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	चंडीगढ़
स्वामी विवेकानन्द एयरपोर्ट	रायपुर, छत्तीसगढ़

- अक्टूबर, 2021 में सरकार ने एयर इंडिया को टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड को बेच दिया।
- वर्तमान में भारत में कुल 34 अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, 10 कस्टम हवाई अड्डे तथा 103 घरेलू हवाई अड्डे हैं।
- 1 जून, 2022 को इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पूरी तरह से जलविद्युत एवं सौर ऊर्जा के संयोजन से संचालित होने वाला भारत का पहला हवाई अड्डा बना गया है।
- केरल में स्थित कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पूर्ण रूप से सौर ऊर्जा द्वारा संचालित होने वाला विश्व का पहला हवाई अड्डा है।

सड़क परिवहन

- भारत विश्व की सबसे बड़ी सड़क प्रणाली वाले देशों में से द्वितीय स्थान पर है। अमेरिका का विश्व में प्रथम स्थान है।
- देश में कुल यातायात का 40% भाग राष्ट्रीय राजमार्ग सम्पन्न कराता है।
- भारत का सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग-44 है।

SSC MTS- 2022, MPPSC- 2013

- यह उत्तर में श्रीनगर से आरम्भ होकर दक्षिण में कन्याकुमारी में समाप्त होता है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग जम्मू-कश्मीर (UT), पंजाब, हरिद्वार, दिल्ली (UT), उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु आदि राज्यों से गुजरता है।
- राष्ट्रीय राजमार्ग-1 और राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को सम्मिलित रूप से **ग्रांड ट्रंक रोड** कहा जाता है।
- राष्ट्रीय राजमार्ग का नियन्त्रण केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, (PWD) द्वारा किया जाता है।
- PWD - 1854 (डलहौजी)

- ❑ राष्ट्रीय राजमार्ग -15; राजस्थान के मरुस्थल से होकर गुजरता है।
- ❑ स्वर्णिम चतुर्भुज योजना 1999 के अन्तर्गत भारत के चार महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता को राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-44, 19, 48, 16) से जोड़ना है। इसकी लंबाई 5,846 किमी. है।
- ❑ भारत में सड़कों का सबसे अधिक घनत्व **केरल** में है।
- ❑ भारत में सड़कों का सबसे कम घनत्व **जम्मू-कश्मीर** में है।
- ❑ भारत में सड़कों की सबसे अधिक लम्बाई **महाराष्ट्र** में है।
- ❑ NHAI (National Highways Authority of India) - स्थापना 1988
- ❑ BRO (Border Roads Organisation) - स्थापना 7 मई, 1960 **नोट-** BRO, रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत कार्य करता है।
- ❑ हाइवे और एक्सप्रेसवे में मुख्य अंतर एक्सेस कंट्रोल का है। हाइवे आमतौर पर 4 लेन का होता है जबकि एक्सप्रेसवे ज्यादा लेन (6 या 8) का होता है तथा एक्सप्रेसवे में प्रवेश प्रतिबंधित (एक्सेस कंट्रोल) हो जाता है।
- ❑ हाइवे पर दो पहिया (Two Wheeler) वाहन को चलाने की अनुमति होती है किंतु एक्सप्रेसवे पर दो पहिया वाहनों को चलाने की अनुमति नहीं होती है।
- ❑ भारत का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे (8 लेन) है जिसकी लंबाई लगभग 1,386 किमी. है।
- ❑ भारत का सबसे पहला एक्सप्रेसवे- मुंबई-पुणे (6 लेन) एक्सप्रेसवे
- ❑ भारत का सबसे चौड़ा एक्सप्रेसवे- दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे

कुछ प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग

राष्ट्रीय राजमार्ग	कहाँ से कहाँ तक
NH -1	J & K से लद्दाख
NH -2	डिब्रूगढ (असम) से तुईपांग (मिजोरम)
NH -3	अटारी (भारत-पाकिस्तान बॉर्डर) - लेह
NH -4	पोर्ट ब्लेयर-चिड़िया टापू (अंडमान निकोबार द्वीप समूह)
NH -5	फिरोजपुर (पंजाब) - शिपकी ला (हिमाचल प्रदेश)
NH -6	जोराबात (असम) - जोखावथर (मिजोरम)
NH -7	फाजिल्का (भारत-पाकिस्तान बॉर्डर) - माना (उत्तराखंड)
NH -8	करीमगंज (असम) - भारत/बांग्ला देश बार्डर (त्रिपुरा)
NH-19- (पुराना नाम: NH 2)	आगरा-कोलकाता
NH-48- (पुराना नाम: NH 4 + NH 8)	दिल्ली-चेन्नई
NH -16-(पुराना नाम: NH 5 + NH 6)	कोलकाता-चेन्नई

भारत के प्रमुख एक्सप्रेस-वे

एक्सप्रेस वे	लंबाई (किमी.)	राज्य
पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे	341	उत्तर प्रदेश
आगरा-लखनऊ	302	उत्तर प्रदेश

बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस-वे	296.70	उत्तर प्रदेश
यमुना एक्सप्रेस-वे	165	उत्तर प्रदेश
मुंबई-नासिक	150	महाराष्ट्र
अहमदाबाद-वडोदरा	93.1	गुजरात
मुंबई-पुणे	94.5	महाराष्ट्र
जयपुर-किशनगढ़	90	राजस्थान
दुर्गापुर-एक्सप्रेस-वे	65	पश्चिम-बंगाल
हैदराबाद आउटर रिंग रोड	158	तेलंगाना

- ❑ **दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे:** यह भारत का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे है। यह दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुजरेगा जिसकी कुल लंबाई 1,386 किमी. है।

जल परिवहन

- ❑ केन्द्रीय जलमार्ग प्राधिकरण की स्थापना वर्ष 1987 में की गयी थी। इसका मुख्यालय कोलकाता में है। देश के जलमार्गों को दो भागों में बाँटा जाता है।
- 1. **आंतरिक जलमार्ग:** यह परिवहन नदियों, नहरों एवं झीलों के द्वारा होता है।
- 2. **सामुद्रिक जलमार्ग:** इस दृष्टि से भारत का सम्पूर्ण प्रायद्वीपीय तटीय भाग काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- ❑ प्रयागराज से हल्दिया तक जलमार्ग को 22 अक्टूबर, 1986 को राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-1 घोषित किया गया था। यह सबसे लम्बा जलमार्ग भी है। इसकी लम्बाई 1,620 किमी. है।

SSC CPO- 2024

भारत के राष्ट्रीय जलमार्ग

जलमार्ग संख्या	कहाँ से कहाँ तक
राष्ट्रीय जलमार्ग-1	प्रयागराज से हल्दिया
SSC CHSL- 2023	
राष्ट्रीय जलमार्ग-2	सादिया से धुबरी (ब्रह्मपुत्र नदी)
राष्ट्रीय जलमार्ग-3	कोल्लम से कोट्टापुम
राष्ट्रीय जलमार्ग-4	काकीनाडा से पुदुचेरी
राष्ट्रीय जलमार्ग-5	तलचर से धामरा
राष्ट्रीय जलमार्ग-6	लखीपुर से भांगा

भारत के प्रमुख बंदरगाह

- ❑ प्रायद्वीपीय भारत के 13 बड़े बंदरगाहों में से पश्चिमी तट पर स्थित 6 बंदरगाह तथा उसकी अवस्थिति इस प्रकार है-
 - महाराष्ट्र - मुंबई बंदरगाह
 - महाराष्ट्र - न्हावाशेवा बंदरगाह
 - गुजरात - कांडला बंदरगाह
- SSC CHSL- 2024, SSC MTS- 2021**
- गोवा - मोरमुगाओ बंदरगाह **SSC CHSL- 2021**
- केरल - कोचीन बंदरगाह
- कर्नाटक - न्यू मैंगलौर बंदरगाह
- ❑ प्रायद्वीपीय भारत के पूर्वी तट पर स्थित बंदरगाह एवं उसकी अवस्थिति इस प्रकार है-

- तमिलनाडु - तूतीकोरिन बंदरगाह
 - तमिलनाडु - चेन्नई बंदरगाह
 - तमिलनाडु - एन्नौर बंदरगाह
 - आंध्र प्रदेश - विशाखापत्तनम बंदरगाह
 - ओडिशा - पारादीप बंदरगाह
 - पश्चिम बंगाल - कोलकाता और हल्दिया बंदरगाह
- पोर्ट ब्लेयर (श्री विजयपुरम) बंदरगाह, भारत का ऐसा एकमात्र बंदरगाह है जो केन्द्रशासित प्रदेश अंडमान-निकोबार में स्थित है।
- जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह का दूसरा नाम न्हावाशेवा बंदरगाह भी है।
- भारत के कुछ बंदरगाह एवं उनकी अवस्थिति इस प्रकार है-

बंदरगाह	राज्य
रत्ना गिरी बंदरगाह	महाराष्ट्र
ओखा बंदरगाह	गुजरात
मांडवी बंदरगाह	गुजरात
पोरबंदर बंदरगाह	गुजरात
भावनगर बंदरगाह	गुजरात
कासरगोड बंदरगाह	केरल
कोझीकोड बंदरगाह (कालीकट)	केरल
कराईकल बंदरगाह	पुदुचेरी
मछलीपटनम बंदरगाह	आंध्र प्रदेश
नागपट्टिनम बंदरगाह	तमिलनाडु

- चेन्नई बंदरगाह एक कृत्रिम बन्दरगाह है।
- देश का सबसे बड़ा बन्दरगाह जवाहर लाल नेहरू (मुम्बई) है।
- देश का सबसे गहरा बन्दरगाह विशाखापत्तनम् है।
- कांडला एक ज्वारीय बन्दरगाह है। यह मुक्त व्यापार क्षेत्र वाला बन्दरगाह है। (नया नाम पं. दीन दयाल बन्दरगाह)

जनगणना

◆ अधिकतम जनसंख्या

शीर्ष तीन राज्य

1. उत्तर प्रदेश
2. महाराष्ट्र
3. बिहार

◆ न्यूनतम जनसंख्या

शीर्ष तीन राज्य

1. सिक्किम
2. मिजोरम
3. अरुणाचल प्रदेश

◆ अधिकतम जनसंख्या (केन्द्रशासित प्रदेश)

❖ दिल्ली (1,67,87,941)

◆ न्यूनतम जनसंख्या (केन्द्रशासित प्रदेश)

❖ लक्षद्वीप (64,473)

◆ अधिकतम जनसंख्या घनत्व

शीर्ष तीन राज्य

1. बिहार - 1106 व्यक्ति/वर्ग किमी.
2. पश्चिम बंगाल - 1028 व्यक्ति/वर्ग किमी.
3. केरल - 860 व्यक्ति/वर्ग किमी.

◆ न्यूनतम जनसंख्या घनत्व

शीर्ष तीन राज्य

1. अरुणाचल प्रदेश - 17 व्यक्ति/वर्ग किमी.
2. मिजोरम - 52 व्यक्ति/वर्ग किमी.
3. सिक्किम - 86 व्यक्ति/वर्ग किमी.

◆ अधिकतम जनसंख्या घनत्व (केन्द्रशासित प्रदेश)

❖ दिल्ली - 11320 व्यक्ति/वर्ग किमी.

◆ न्यूनतम जनसंख्या घनत्व (केन्द्रशासित प्रदेश)

❖ अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह - 46 व्यक्ति/वर्ग किमी.

◆ अधिकतम लिंगानुपात

शीर्ष तीन राज्य

1. केरल - 1084
2. तमिलनाडु - 996
3. आंध्र प्रदेश - 993

◆ न्यूनतम लिंगानुपात

शीर्ष तीन राज्य

1. हरियाणा - 879
2. जम्मू एवं कश्मीर - 889
3. सिक्किम - 890

◆ अधिकतम लिंगानुपात (केन्द्रशासित प्रदेश)

❖ पुदुचेरी - 1037

◆ न्यूनतम लिंगानुपात (केन्द्रशासित प्रदेश)

❖ दमन एवं दीव - 618

◆ अधिकतम साक्षरता दर

शीर्ष तीन राज्य

1. केरल - 94%
2. मिजोरम - 91.3%
3. गोवा - 88.7%

◆ न्यूनतम साक्षरता दर

शीर्ष तीन राज्य

1. बिहार - 61.8%
2. अरुणाचल प्रदेश - 65.4%
3. राजस्थान - 66.1%

◆ अधिकतम साक्षरता (केन्द्रशासित प्रदेश)

❖ लक्षद्वीप - 91.8%

◆ न्यूनतम साक्षरता (केन्द्रशासित प्रदेश)

❖ दादरा एवं नागर हवेली - 76.2%

जनगणना से संबंधित प्रमुख तथ्य

मुगल काल में अबुल फजल द्वारा रचित पुस्तक (आईन-ए-अकबरी) में

जनगणना का उल्लेख मिलता है।

- ❑ विश्व में आधुनिक पद्धति से सर्वप्रथम जनगणना कराने का श्रेय स्वीडन देश (वर्ष 1749) को प्राप्त है।
- ❑ सर्वप्रथम दशकीय जनगणना कराने का श्रेय अमेरिका (वर्ष 1790) को प्राप्त है।
- ❑ भारत में जनगणना का प्रारम्भ वर्ष 1872 में मेयो के कार्यकाल में हुआ था।
- ❑ भारत में नियमित जनगणना का प्रारम्भ वर्ष 1881 में रिपन के कार्यकाल में हुआ था।

UPPSC 2023, NVS TGT 2016

- ❑ जनगणना, भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में अनुच्छेद-246 के अन्तर्गत संघ सूची का विषय है।
- ❑ स्वतन्त्रता के पश्चात् भारत में सर्वप्रथम जनगणना अधिनियम, 1948 लागू किया गया था।
- ❑ वर्ष 1961 से जनगणना कार्य की महत्ता को देखते हुए केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अधीन जनगणना विभाग की स्थापना की गई थी।
- ❑ वर्ष 1921 के जनगणना वर्ष को भारत के जनसांख्यिकीय इतिहास में **महा विभाजक वर्ष** के रूप में जाना जाता है।
- ❑ वर्ष 2011 की जनगणना, स्वतन्त्र भारत की 7वीं जनगणना थी।
- ❑ वर्ष 2011 की जनगणना, 15वीं दशकीय जनगणना थी।
- ❑ वर्ष 2011 की जनगणना, 21वीं शताब्दी की दूसरी जनगणना थी।
- ❑ वर्ष 2011 की जनगणना के आँकड़ों के अनुसार, भारत की कुल जनसंख्या **1,21,08,54,977 (लगभग 121.08 करोड़)** है।
- ❑ वर्ष 2011 की जनगणना के आँकड़ों के अनुसार, भारत की कुल जनसंख्या में से 51.54% भाग पुरुषों का तथा 48.46% भाग महिलाओं का है।
- ❑ वर्ष 2011 की जनगणना के आँकड़ों के अनुसार, भारत की कुल जनसंख्या विश्व की कुल जनसंख्या का लगभग 17.5% है।
- ❑ वर्ष 2011 की जनगणना के आँकड़ों के अनुसार, भारत की कुल जनसंख्या में से अनुसूचित जाति (SC) की कुल जनसंख्या लगभग 20.137 करोड़ है जोकि देश की कुल जनसंख्या का 16.6% है।
- ❑ वर्ष 2011 की जनगणना के आँकड़ों के अनुसार, भारत की कुल जनसंख्या में से अनुसूचित जनजाति (ST) की कुल जनसंख्या लगभग 10.42 करोड़ है जोकि देश की कुल जनसंख्या का 8.6% है।
- ❑ वर्ष 2011 की जनगणना का आदर्श वाक्य **‘हमारी जनगणना हमारा भविष्य’** था।
- ❑ स्वतन्त्र भारत की प्रथम जनगणना का प्रारम्भ वर्ष 1951 में हुआ था।
- ❑ स्वतन्त्र भारत की प्रथम जनगणना के समय भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त आर.ए. गोपालस्वामी थे।
- ❑ वर्ष 2011 की जनगणना के समय भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त डॉ. सी. चन्द्रमौली थे।

भारत के प्रमुख शहरों के भौगोलिक उपनाम

शहर/राज्य का नाम	भौगोलिक उपनाम
उज्जैन (मध्य प्रदेश)	मन्दिरों का शहर
त्रिवेन्द्रम/तिरुवनंतपुरम (केरल)	भारत का सदाबहार शहर
अरुणाचल प्रदेश	उगते सूर्य की भूमि

केरल	मसालों का बगीचा
कोच्चि या कोचीन (केरल)	अरब सागर की रानी
भीमावरम (आंध्र प्रदेश)	भारत का दूसरा बारदोली
धर्मावरम (आंध्र प्रदेश)	आंध्र प्रदेश का सिल्क सिटी
पिडुगुराला (आंध्र प्रदेश)	लाइम सिटी
श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर)	झीलों का शहर
मुजफ्फरपुर (बिहार), देहरादून (उत्तराखंड)	लीची शहर
अहमदाबाद (गुजरात)	भारत का बोस्टन, भारत का मैनचेस्टर
गुरुग्राम (हरियाणा)	मिलेनियम सिटी
पानीपत (हरियाणा)	बुनकरों का शहर
भुवनेश्वर (ओडिशा)	टेम्पल सिटी ऑफ इंडिया
कटक (ओडिशा)	सिल्वर सिटी
हैदराबाद-सिकंदराबाद (तेलंगाना)	जुड़वाँ शहर (ट्विन सिटी)
गुवाहाटी (असम)	गेटवे ऑफ नार्थ ईस्ट इंडिया
नई दिल्ली	रैलियों का शहर
अमृतसर (पंजाब)	गोल्डन सिटी (स्वर्ण नगरी/स्वर्ण मन्दिर का शहर)
कपूरथला (पंजाब)	बगीचों का शहर
मुंडी (मध्य प्रदेश)	पावर हब सिटी
भोपाल (मध्य प्रदेश)	झीलों का शहर
मध्य प्रदेश	सोया प्रदेश
मसूरी (उत्तराखंड)	पर्वतों की रानी
कुर्ग (कर्नाटक)	भारत का स्कॉटलैंड
धनबाद (झारखंड)	कोयला नगरी
जमशेदपुर (झारखंड)	भारत का पिट्सबर्ग, इस्पात नगरी
शिलांग (मेघालय)	पूर्व का स्कॉटलैंड
डिब्रूगढ़ (असम)	टी सिटी
कोलकाता (पश्चिम बंगाल)	महलों का शहर, डायमंड हॉब्स
आसनसोल (पश्चिम बंगाल)	ब्लैक डायमंड की भूमि
जोधपुर (राजस्थान)	ब्लू सिटी, सन सिटी
जयपुर (राजस्थान)	भारत का पेरिस, गुलाबी शहर
जैसलमेर (राजस्थान)	गोल्डन सिटी
कश्मीर	भारत का स्विट्जरलैंड
बंगलुरु (कर्नाटक)	स्पेस सिटी, गार्डन सिटी, भारत की सिलिकॉन वैली, साइंस सिटी
नागपुर (महाराष्ट्र)	ऑरेंज सिटी
मुंबई	सात टापुओं का नगर, भारत का हॉलीवुड, सूती वस्त्रों की राजधानी, भारत का प्रवेश द्वार
पुणे	दक्कन की रानी (क्वीन ऑफ डेक्कन)

कोल्हापुर (महाराष्ट्र)	पहलवानों का शहर
कानपुर (उत्तर प्रदेश)	दुनिया का चमड़ा शहर, उत्तर भारत का मैनचेस्टर, राष्ट्रीय राजमार्गों का चौराहा
आगरा (उत्तर प्रदेश)	ताज का शहर, पेठा नगरी
इलाहाबाद/प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)	ईश्वर का वास, प्रधानमंत्रियों का शहर, संगम सिटी
वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	मन्दिरों एवं घाटों का नगर
चेन्नई	भारत का डेट्रायट
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	नवाबों का शहर
कन्नौज (उत्तर प्रदेश)	खुशबुओं का शहर, इत्र नगरी
अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)	ताला नगरी
मैसूर (कर्नाटक)	कर्नाटक का रत्न
मदुरै (तमिलनाडु)	त्योहारों का नगर
मेघालय	मेघों का घर
पंजाब	पाँच नदियों की भूमि
गाजीपुर (उत्तर प्रदेश)	काशी की बहन

भारत की जनजातियाँ

- भारत की सबसे बड़ी जनजाति भील है। यह जनजाति भारतीय-यूरोपीय परिवार की भाषा से संबंधित है। **SSC MTS- 2023**
- टोडा जनजाति नीलगिरि की पहाड़ियों पर पायी जाती है।
- थारू जनजाति दिवाली को शोक के रूप में मनाती है।
- नागा जनजाति मिथुन त्यौहार मनाती है।

राज्य/केन्द्रीय शासित प्रदेश	प्रमुख जनजाति
अरुणाचल प्रदेश	अबोर, डफला, सिंग्पो
बिहार	असुर, बैगा, बिरहोर
छत्तीसगढ़	बैगा, भारिया, भूमिया, कोरबा, भील
असम	चकमा, दिमासा, गारो, हाजोंग, खामती, कार्बी, अबोर, मिकिर
हिमाचल प्रदेश	गद्दी, गुज्जर, लाहौल, पंगवाला, किन्नौर, बकरायल, हट्टी
कर्नाटक	हक्की, पिक्की, इरुगा, जेनु, कुरुव, टोडा, चेन्नू, कोया, कोंडा
केरल	कडार, ईरुला, कनिक्कर, कोरागा, पनियाँ, पुलायन, कुरुम्बा
मध्य प्रदेश	भील, मिहाल, वैगा, बिरहोर, गदाबा, कमार, गोड
मणिपुर	कुकी, अंगामी, मिजो, पुरुम
मेघालय	गारो, खासी, जयन्तिया
मिजोरम	लाखेर, पावों, मिजो, चकमा, लुशाई, कुकी

नागालैण्ड	कचारी, कुकी, नागा, अंगामी, जेलियांग
ओडिशा	बैगा बंजारा, संथाल, उराव
सिक्किम	लेपचा, लिम्बु भूटिया
त्रिपुरा	लुशाई, मोग, हलम, खशिया, जमनिया रियांग, चकमा
उत्तर प्रदेश	बुक्सा, थारू, माहगीर, शोर्का, खरवार, थारू, राजी
झारखण्ड	संथाल, असुर, हो, बैगा, बन्जारा, बिरहोर, मुंडा
उत्तराखण्ड	भोटिया, जौनसारी, राजी
पश्चिम बंगाल	होस, कोरा, मुंडा, संथाल, लेप्चा, असुर, बैगा, बंजारा
अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	अंडमानी, चारियार, जारवा, सेन्टलीस, शोमपेन्स, ओंगे SSC MTS- 2023
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	धोडिया, दुबला (हलपति), सिद्दी (नायका) वरली, कोकना, नायक
जम्मू और कश्मीर	गुज्जर, बकरवाल, ड्रोकपा, गारा, डोगरा
महाराष्ट्र	भील, गोंड, वरली, कोली, बैगा, कामर, खोंडा, कोरकू
राजस्थान	मीणा, भील, गरसिया, सहरिया REET- 2021
लद्दाख	लद्दाखी, बलती, बोटो, ब्रोकपा, ड्रोकपा, शिन, चांगपा
लक्षद्वीप	अमीनिदिवि, कोया, मालमिस, मेलाचेरिस
पुदुचेरी	इरूलर
आंध्र प्रदेश	चेन्नू, गुड़ावा, कोंडा डोरा, कोंडा कापू, कोंडा रेड्डी, खोंड, वाल्मीकि।

भारत के खनिज संसाधन

प्रमुख खनिज	अग्रणी राज्य (उत्पादन की दृष्टि से)	अग्रणी राज्य (संचित भण्डार की दृष्टि से)
कोयला	ओडिशा	झारखंड
बॉक्साइट	ओडिशा	ओडिशा
क्रोमाइट	ओडिशा	ओडिशा
लौह-अयस्क	ओडिशा	-
लौह-अयस्क (समग्र)	-	कर्नाटक
हेमेटाइट	-	ओडिशा
मैग्नेटाइट	-	कर्नाटक
टिन	छत्तीसगढ़	हरियाणा
मैंगनीज	मध्य प्रदेश	ओडिशा
लिग्नाइट	तमिलनाडु	तमिलनाडु

कच्चा तेल	राजस्थान	असम
प्राकृतिक गैस	असम	असम
ग्रेफाइट	ओडिशा	अरुणाचल प्रदेश
कोबाल्ट	-	ओडिशा
निकेल	-	ओडिशा
टंगस्टन	-	कर्नाटक
सीसा एवं जस्ता धातु	राजस्थान	राजस्थान
स्वर्ण धातु	कर्नाटक	कर्नाटक
अभ्रक	आंध्र प्रदेश	आंध्र प्रदेश
ताँबा	मध्य प्रदेश	राजस्थान
हीरा	मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश
जिप्सम	राजस्थान	राजस्थान
चाँदी	राजस्थान	राजस्थान
कैडमियम	राजस्थान	-

नोट:- 1. कोयला की सर्वाधिक खानें झारखंड राज्य में स्थित हैं।
2. टिन उत्पादन के लिए छत्तीसगढ़ एकमात्र राज्य है।

भारत के उद्योग

- ☐ भारत में एल्युमिनियम का कारखाना वर्ष 1937 में प. बंगाल के जे. के. नगर में स्थापित किया गया था।
- ☐ स्टील आथॉरिटी ऑफ इण्डिया (SAIL) की स्थापना वर्ष 1973 में की गयी थी।
- ☐ भारत में पहला सूती वस्त्र का सफल कारखाना वर्ष 1854 में मुम्बई में स्थापित किया गया।
- ☐ कपड़ा उद्योग भारत का सबसे प्राचीन उद्योग है। मुम्बई को भारत के सूती वस्त्रों की राजधानी भी कहा जाता है।
- ☐ जूट उद्योग का पहला कारखाना वर्ष 1855 में कोलकाता के समीप रिषड़ा में की गई जूट को 'सोने का रेशा' भी कहा जाता है।
- ☐ अंतर्राष्ट्रीय जूट संगठन का मुख्यालय ढाका (बांग्लादेश) में है।
- ☐ भारत में चीनी की पहली मिल वर्ष 1903 में देवरिया के प्रतापपुर में स्थापित की गई।
- ☐ भारत में पहला सीमेन्ट संयंत्र वर्ष 1904 में चेन्नई, तमिलनाडु में स्थापित किया गया। **DSSSB- 2022**
- ☐ भारत में सीमेन्ट उद्योग का पहला सफल कारखाना गुजरात के पोरबन्दर में लगाया गया था। मध्य प्रदेश के सतना तथा कटनी सीमेन्ट उद्योग के लिए प्रसिद्ध है।
- ☐ कागज का पहला कारखाना वर्ष 1879 में लखनऊ में लगाया गया।
- ☐ होशंगाबाद (मध्य प्रदेश) में नोट छापने के कागज बनाने वाला कारखाना है।
- ☐ मध्य प्रदेश का नेपानगर अखबारी कागज के लिए प्रसिद्ध है।
- ☐ भारत में ऊनी वस्त्र की पहली मिल वर्ष 1876 में कानपुर में शुरू हुई।

स्वतंत्रता के पश्चात स्थापित प्रमुख इस्पात संयंत्र

इस्पात संयंत्र	स्थापना वर्ष	सहयोगी देश
राउरकेला (ओडिशा)	1955	पश्चिम जर्मनी
SSC MTS- 2023		
भिलाई (छत्तीसगढ़)	1955	सोवियत संघ (रूस)
दुर्गापुर (प. बंगाल)	1955	ब्रिटेन
बोकारो (झारखंड)	1964	सोवियत संघ (रूस)

भारत की प्रमुख एल्युमिनियम कंपनियाँ

एल्युमिनियम कंपनी	स्थापना वर्ष	सहायक देश	स्थान
BALCO	1965	सोवियत संघ	कोरबा (छत्तीसगढ़) कोयना (महाराष्ट्र)
NALCO	1981	फ्रांस	दामनजोड़ी (ओडिशा) अंगुल (ओडिशा)
HINDALCO	1958	सं. रा. अमेरिका	रेणुकूट (उत्तर प्रदेश)
INDALO	1938	कनाडा	जे.के. नगर (प. बंगाल) मुरी (झारखंड) अल्वाये (केरल)
MALCO	1965	इटली	चेन्नई, मेट्टूर, सलेम (तमिलनाडु)
VEDANTA	1976	जर्मनी	झारसुगुडा

महारत्न कंपनियाँ

महारत्न के दर्जे हेतु पात्रता मानदंड

- ☐ कंपनी शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो।
- ☐ पिछले तीन वर्षों में कंपनी का औसतन कारोबार 25,000 करोड़ रुपए रहा हो।
- ☐ इस दौरान कंपनी ने 5,000 करोड़ रुपए का औसत शुद्ध लाभ अर्जित किया हो।
- ☐ कंपनी के पास नवरत्न का दर्जा हो।
- ☐ कंपनियों को महारत्न का दर्जा देने की शुरुआत वर्ष 2010 से की गई।
- ☐ भारत में 14 महारत्न कंपनियाँ हैं।

कंपनी	स्थापित वर्ष	दर्जा वर्ष	मुख्यालय
भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) Bharat Petroleum Corporation Limited	1952	2017	मुंबई
स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL) Steel Authority of India Limited	1973	2010	नई दिल्ली
ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ONGC) Oil and Natural Gas Corporation Limited	1956	2010	नई दिल्ली

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOC) Indian Oil Corporation Limited	1964	2010	नई दिल्ली
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) Bharat Heavy Electricals Limited	1964	2013	नई दिल्ली
रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (REC) Rural Electrification Corporation Limited	1969	2022	नई दिल्ली
हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) Hindustan Petroleum Corporation Limited	1974	2019	मुंबई (महाराष्ट्र)
कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) Coal India Limited	1975	2011	कोलकाता
राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड (NTPC) National Thermal Power Corporation Limited	1975	2010	नई दिल्ली
भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड (GAIL) Gas Authority India Limited	1984	2013	नई दिल्ली
पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (PFC) Power Finance Corporation	1986	2021	नई दिल्ली
पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (PGCIL) Power Grid Corporation of India Limited	1989	2019	गुरुग्राम (हरियाणा)
ऑयल इंडिया लिमिटेड (OIL) Oil India Limited	1959	2023	नोएडा, (उ.प्र.)
हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) Hindustan Aeronautics Limited	1940	2024	बेंगलुरु

नवरत्न के दर्जे हेतु पात्रता मानदंड

- ❑ नवरत्न का दर्जा प्राप्त कंपनियाँ 1000 करोड़ रुपए तक के निवेश प्रस्तावों पर केन्द्र सरकार की पूर्वानुमति के बिना ही निर्णय ले सकती है।
- ❑ पिछले तीन वर्षों में कंपनी लगातार लाभ में रही हो।
- ❑ नवरत्न का दर्जा प्राप्त होने के लिए 100 स्कोर में से 60 स्कोर होना चाहिए।
- ❑ नवरत्न योजना वर्ष 1997 में शुरू की गई थी।
- ❑ भारत में 24 नवरत्न कंपनियाँ तथा 62 मिनीरत्न कंपनियाँ हैं।
- ❑ ये आँकड़े 22 अक्टूबर, 2024 तक के हैं।

परमाणु ऊर्जा

- ❑ परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना सर्वप्रथम अगस्त, 1948 में वैज्ञानिक अनुसंधान विभाग में की गई थी, जिसे कुछ माह पूर्व जून, 1948 में बनाया गया था।

- ❑ परमाणु ऊर्जा विभाग (डीईई) की स्थापना 3 अगस्त, 1954 को प्रधानमंत्री के प्रत्यक्ष प्रभार के अन्तर्गत की गई थी।
- ❑ इसके पश्चात् 1 मार्च, 1958 को एक सरकारी संकल्प के अनुसार, परमाणु ऊर्जा विभाग में परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) की स्थापना की। तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने इस संकल्प की एक प्रति लोकसभा के पटल पर रखी थी।

वर्तमान में संचालित परमाणु ऊर्जा संयंत्र

स्थान	राज्य	क्षमता (मेगावाट)
नरौरा	उत्तर प्रदेश	440
SSC CHSL- 2024		
रावतभाटा	राजस्थान	1180
तारापुर	महाराष्ट्र	1400
कलपक्कम	तमिलनाडु	440
कुडनकुलम	तमिलनाडु	2000
काकरापार	गुजरात	1880
कैगा	कर्नाटक	880
कुल		8180

- ❑ वर्तमान में 24 परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों की कुल स्थापित परमाणु ऊर्जा क्षमता 8,180 मेगावाट है।

भारत की प्रमुख खान

डिम्बोई	असम	पेट्रोलियम
बोम्बे हाई	बोम्बे	पेट्रोलियम
सिंहभूमि	झारखण्ड	लौह अयस्क
रानीगंज	प. बंगाल	कोयला
झरिया	झारखण्ड	कोयला (बिटुमिनस)
SSC CHSL- 2021		
खेतड़ी	राजस्थान	ताँबा
कोडरमा	झारखण्ड	बॉक्साइट
कोलार, हट्टी	कर्नाटक	सोना
पन्ना	मध्य प्रदेश	हीरा
जावर	राजस्थान	जस्ता की खान

भारत के जैवमंडलीय आरक्षित क्षेत्र

संरक्षित क्षेत्र	स्थापना वर्ष	राज्य
नीलगिरि	1986	तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक
नन्दा देवी	1988	उत्तराखण्ड
नोकरेक	1988	गारो हिल्स (मेघालय)
ग्रेट निकोबार	1989	अंडमान निकोबार द्वीप समूह
मन्नार की खाड़ी	1989	भारत एवं श्रीलंका के बीच (तमिलनाडु)
मानस	1989	असम
सुन्दरवन	1989	पश्चिम बंगाल

सिमलीपाल	1994	ओडिशा
डिब्रू सैखोवा	1997	असम
देहांग-दिबांग	1998	अरुणाचल प्रदेश
पचमढी	1999	मध्य प्रदेश
कंचनजंगा	2000	सिक्किम
अगस्त्यमलाई	2001	केरल
अचानकमार-अमरकंटक	2005	मध्य प्रदेश/छत्तीसगढ़
कच्छ	2008	गुजरात
शीत मरुस्थल (कोल्ड डेजर्ट)	2009	हिमाचल प्रदेश
शेषाचैलम	2010	आंध्र प्रदेश
SSC CHSL- 2021		
पन्ना	2011	मध्य प्रदेश

भारत के नेशनल पार्क

□ भारत में कुल 106 राष्ट्रीय उद्यान (National Parks) हैं। भारत के पंजाब में एक भी राष्ट्रीय उद्यान नहीं है, जबकि भारत में वन्यजीव अभयारण्यों (Wildlife sanctuaries) की कुल संख्या 573 है। वर्तमान में भारत में 18 जैव आरक्षित क्षेत्र (Biosphere Reserves), 57 टाईगर रिजर्व और 33 एलीफेंट रिजर्व हैं।

□ जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान है, जो 1936 ई. में उत्तराखंड में स्थापित हुआ, पहले इसका नाम हैली नेशनल पार्क था। सन् 1957 में महान प्रकृतिवादी स्वर्गीय जिम कॉर्बेट की याद में इसका नाम बदल दिया गया। रिजर्व में बहने वाली प्रमुख नदियाँ रामगंगा व सोन नदी हैं।

UKPSC- 2016

□ भारत में सबसे ज्यादा राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश में (कुल 12) हैं तथा 8 टाइगर रिजर्व हैं (8वाँ रातापानी टाइगर रिजर्व)।

□ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 9 राष्ट्रीय उद्यान और 96 वन्यजीव अभयारण्य (सर्वाधिक) हैं।

□ भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान 'हेमिस राष्ट्रीय उद्यान' है जो लद्दाख में स्थित है, यह हिम तेंदुओं के लिए विश्व विख्यात है।

□ भारत का सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान 'साउथ बटन' आइलैंड नेशनल पार्क, जो अंडमान और निकोबार में स्थित है।

□ भारत का सबसे बड़ा बाघ अभयारण्य नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रिजर्व है, जो आंध्र प्रदेश में स्थित है। **RRB NTPC- 2016**

□ भारत का सबसे छोटा टाइगर रिजर्व बोर टाइगर रिजर्व है, जो महाराष्ट्र में स्थित है।

□ दुधवा राष्ट्रीय उद्यान उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में स्थित है। यह नेपाल से अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करता है। वर्ष 1977 में इसे राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया था।

□ यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल मानस अभयारण्य (असम) व राष्ट्रीय उद्यान देश का चर्चित टाइगर और एलीफेन्ट रिजर्व भी है। इसका नाम मानस नदी के नाम पर रखा गया है जो इस उद्यान के पश्चिम में बहती है।

□ रातापानी टाइगर रिजर्व (मध्य प्रदेश) को भारत का 57वाँ टाइगर रिजर्व घोषित किया गया है।

भारत के राष्ट्रीय उद्यानों की सूची

राष्ट्रीय उद्यान	राज्य	स्थापना वर्ष
कान्हा राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश	1955
जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश	1983
पेंच राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश	1983
वन विहार राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश	1983
पन्ना राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश	1980
सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश	1981
नोट: ओंकारेश्वर राष्ट्रीय उद्यान (खंडवा, मध्य प्रदेश) इसकी बनने की प्रक्रिया शासन द्वारा पर्यावरण प्रतिबद्धताओं के सापेक्ष में अभी लंबित है।		
संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान	महाराष्ट्र	1983
पेंच (इन्दिरा प्रियदर्शनी) राष्ट्रीय उद्यान	महाराष्ट्र	1975
बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान	कर्नाटक	1974
बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान	कर्नाटक	1974
नागरहोल (राजीव गांधी) राष्ट्रीय उद्यान	कर्नाटक	1988
अंशी (काली) राष्ट्रीय उद्यान	कर्नाटक	1987
पेरियार राष्ट्रीय उद्यान	केरल	1982
साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान	केरल	1984
DSSSB TGT- 2018		
मुदुमलाई राष्ट्रीय उद्यान	तमिलनाडु	1940
मन्नार की खाड़ी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान	तमिलनाडु	1986
मुकुथी राष्ट्रीय उद्यान	तमिलनाडु	1990
इन्दिरा गांधी (अन्नामलाई) राष्ट्रीय उद्यान	तमिलनाडु	1989
गुडंडी राष्ट्रीय उद्यान	तमिलनाडु	1976
जिम कॉर्बेट (रामगंगा) राष्ट्रीय उद्यान	उत्तराखंड	1936
नन्दा देवी राष्ट्रीय उद्यान	उत्तराखंड	1982
राजाजी राष्ट्रीय उद्यान	उत्तराखंड	1983
फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान	उत्तराखंड	1982
सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान	पश्चिम बंगाल	1984
बक्सरा राष्ट्रीय उद्यान	पश्चिम बंगाल	1992
रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान	राजस्थान	1980
मुकुन्दरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान	राजस्थान	2004
केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान	राजस्थान	1982
थार राष्ट्रीय उद्यान	राजस्थान	1992
सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान	राजस्थान	1982
नोकरेक राष्ट्रीय उद्यान	मेघालय	1997
काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	असम	1974
मानस राष्ट्रीय उद्यान	असम	1990
SSC Steno- 2019		
ओरंग राष्ट्रीय उद्यान	असम	1999
डिब्रू-सैखोवा राष्ट्रीय उद्यान	असम	1999
क्लाउडेट लेपर्ड राष्ट्रीय उद्यान	त्रिपुरा	2007
राजीव गांधी राष्ट्रीय उद्यान	आंध्र प्रदेश	2005

गिर वन राष्ट्रीय उद्यान	गुजरात	1975
ब्लैकबक राष्ट्रीय उद्यान	गुजरात	1976
नामदाफा राष्ट्रीय उद्यान	अरुणाचल प्रदेश	1983
मौलिंग राष्ट्रीय उद्यान	अरुणाचल प्रदेश	1982
भितरकणिका राष्ट्रीय उद्यान	ओडिशा	1998
सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान	ओडिशा	1980
केडबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान (एकमात्र तैरता हुआ उद्यान) लोकटक झील	मणिपुर	1977
SSC CHSL- 2023		
साउथ बटन आईलैंड राष्ट्रीय उद्यान	अंडमान निकोबार द्वीप समूह	1987
कैपबैल बेय राष्ट्रीय उद्यान	अंडमान निकोबार द्वीप समूह	1992
माउंट हैरियट राष्ट्रीय उद्यान	अंडमान निकोबार द्वीप समूह	1987
नॉर्थ बटन आईलैंड राष्ट्रीय उद्यान	अंडमान निकोबार द्वीप समूह	1987
मिडिल बटन आईलैंड राष्ट्रीय उद्यान	अंडमान निकोबार द्वीप समूह	1987

सैडल पीक राष्ट्रीय उद्यान	अंडमान निकोबार द्वीप समूह	1987
फांगपुई ब्लू माउंटैन राष्ट्रीय उद्यान	मिजोरम	1992
मुर्लेन राष्ट्रीय उद्यान	मिजोरम	1991
कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान	सिक्किम	1977
वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान	बिहार	1978
सलीम अली राष्ट्रीय उद्यान	जम्मू एवं कश्मीर	1986
दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान	जम्मू एवं कश्मीर	1981
किश्तवाड़ राष्ट्रीय उद्यान	जम्मू एवं कश्मीर	1981
हेमिस राष्ट्रीय उद्यान	लद्दाख	1981
पिन वैली राष्ट्रीय उद्यान	हिमाचल प्रदेश	1987
ग्रेट हिमालयन राष्ट्रीय उद्यान	हिमाचल प्रदेश	1984
दुधवा राष्ट्रीय उद्यान	उत्तर प्रदेश	1977
इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान	छत्तीसगढ़	1981
गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान	छत्तीसगढ़	1981

भारतीय राजव्यवस्था

भारतीय संविधान का विकास

- संविधान शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के शब्द से हुई है।
- ब्रिटेन के संविधान को विश्व के सभी संविधानों की जननी कहा जाता है।
- भारतीय संविधान के ऐतिहासिक विकास का काल 1600 ई. से प्रारम्भ होता है। इसी वर्ष इंग्लैण्ड में ईस्ट इण्डिया कम्पनी की स्थापना हुई थी।
- कम्पनी के प्रबंधन की समस्त शक्ति गवर्नर तथा 24 सदस्यीय परिषद् में निहित थी।

1773 का रेग्यूलेशन एक्ट:

- इस एक्ट के तहत वारेन हेस्टिंग्स को बंगाल का गवर्नर जनरल बनाया गया। इस अधिनियम के अन्तर्गत कलकत्ता में 1774 ई. में एक उच्चतम न्यायालय की स्थापना की गयी, जिसमें एक मुख्य न्यायाधीश व तीन अन्य न्यायाधीश थे। इसके प्रथम मुख्य न्यायाधीश सर एलिजाह इम्पे थे।

1784 का पिट्स इण्डिया एक्ट:

- इसका उद्देश्य 1773 के रेग्यूलेशन एक्ट की कमियों को दूर करना था। इस एक्ट के द्वारा द्वैध शासन का आरम्भ हुआ। **SSC CHSL-2023**

1813 का चार्टर अधिनियम

- कम्पनी के अधिकार-पत्र को 20 वर्षों के लिए बढ़ाया गया।
- भारतीय शिक्षा पर एक लाख ₹ वार्षिक खर्च करने की बात कही गयी।
- ईसाई मिशनरियों को भारत में धर्म प्रचार की अनुमति दी गयी।
- कम्पनी के व्यापारिक एकाधिकार को समाप्त कर दिया गया।

SSC MTS-2023

1833 का चार्टर अधिनियम

- बंगाल के गवर्नर जनरल को भारत का गवर्नर जनरल कहा जाने लगा।
- विलियम बेंटिक भारत के प्रथम गवर्नर जनरल कहलाये।
- सिविल सेवकों की भर्ती के लिए खुली प्रतियोगिताओं के आयोजन का प्रयास किया गया।
- मैकाले की अध्यक्षता में प्रथम विधि आयोग का गठन किया गया।

SSC CPO-2023

- भारत में दास प्रथा को विधि विरुद्ध घोषित कर दिया गया।
- दास प्रथा वर्ष 1843 में समाप्त कर दी गयी।

1858 का भारत शासन अधिनियम

- भारत का शासन कम्पनी के हाथों से ब्रिटिश महारानी के हाथों में चला गया।
- मुगल सम्राट के पद को समाप्त कर दिया गया।

- भारत में शासन संचालन के लिए ब्रिटिश मंत्रिमंडल में एक सदस्य के रूप में भारत के राज्य सचिव की नियुक्ति की गयी। वह अपने कार्यों के लिए ब्रिटिश संसद के प्रति उत्तरदायी होता था।
- भारत के गवर्नर जनरल का नाम बदलकर वायसराय कर दिया गया। अतः इस समय के गवर्नर जनरल लॉर्ड कैनिंग अंतिम गवर्नर जनरल एवं प्रथम वायसराय हुए। द्वैध शासन प्रणाली का अंत किया गया।

1861 का भारत परिषद् अधिनियम

- गवर्नर जनरल को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान की गई। ऐसे अध्यादेश की अवधि 6 माह होती थी।
- 1862 ई. में लॉर्ड कैनिंग ने तीन भारतीयों-बनारस के राजा, पटियाला के महाराजा और सर दिनकर राव को विधानपरिषद् में मनोनीत किया।
- गवर्नर जनरल की विधायी शक्तियों का विकेन्द्रीकरण किया गया।
- कैनिंग ने पोर्टफोलियो प्रणाली की शुरुआत की।
- गवर्नर जनरल को वीटो शक्ति दी गयी।

1892 का भारत परिषद् अधिनियम

- इस अधिनियम के द्वारा अप्रत्यक्ष चुनाव-प्रणाली की शुरुआत हुई।
- परिषद् के सदस्यों को आर्थिक नीति तथा बजट पर बहस की अनुमति प्रदान की गयी।

1909 का भारत परिषद् अधिनियम (मार्ले-मिंटो सुधार)

- पहली बार मुस्लिम समुदाय के लिए पृथक प्रतिनिधित्व का उपबन्ध किया गया। **SSC CHSL-2023**
- इसके अन्तर्गत मुस्लिम सदस्यों का चुनाव मुस्लिम मतदाता ही करते थे।
- इस अधिनियम को सांप्रदायिक निर्वाचक के रूप में भी जाना जाता है।
- सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा वायसराय की कार्यपालिका परिषद् के प्रथम भारतीय सदस्य बने। उन्हें विधि सदस्य बनाया गया।
- नोट- वर्ष 1909 में मार्ले इंग्लैंड में भारत के राज्य सचिव थे और मिंटो भारत के वायसराय।

1919 का भारत शासन अधिनियम (माण्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार)

- प्रान्तों में द्वैध शासन लगाया गया। **DP Const. 2020**
- इस अधिनियम के द्वारा लोक सेवा आयोग का गठन किया गया।
- पहली बार केन्द्रीय बजट को राज्यों के बजट से अलग कर दिया गया।
- प्रान्तों में आंशिक रूप से उत्तरदायी सरकार की स्थापना की गयी।

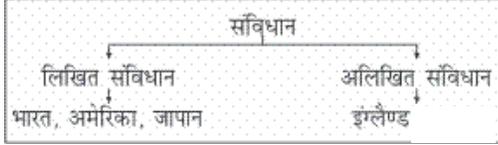
1935 का भारत शासन अधिनियम:

- इस अधिनियम में 321 अनुच्छेद और 10 अनुसूचियाँ थी।

- ❑ इस अधिनियम के द्वारा प्रान्तों में से द्वैध शासन को हटा दिया गया तथा केन्द्र में द्वैध शासन की स्थापना की गई। **SSC CGL-2023**
- ❑ साम्प्रदायिक निर्वाचन पद्धति का विस्तार किया गया।
- ❑ म्यांमार (बर्मा) को भारत से वर्ष 1937 में अलग कर दिया गया।
- ❑ भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना वर्ष 1935 में हुई।

भारतीय संविधान की रचना

- ❑ Constitution लैटिन भाषा के कान्स्टिट्यूटियो से बना है। जिसका अर्थ है- सरकार की बनावट
- ❑ संविधान - जनता द्वारा नियमों व कानूनों का ऐसा दस्तावेज है, जिसके द्वारा हम किसी देश की शासन व्यवस्था चलाते हैं।



विश्व का पहला लिखित संविधान	अमेरिका
एशिया का पहला लिखित संविधान	जापान
विश्व का सबसे छोटा लिखित संविधान	मोनाको

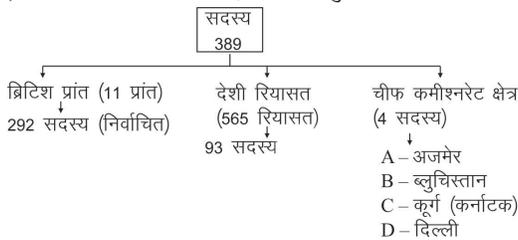
- ❑ आइवर जेनिंग (ब्रिटेन) - भारत का संविधान बहुत लंबा, बहुत कठोर व बहुत आगे है।

संविधान की माँग

- 1895 - बाल गंगाधर तिलक (स्वराज विधेयक में)
- 1922 - महात्मा गाँधी
- 1928 - नेहरू रिपोर्ट (मोती लाल नेहरू)
- 1929 - जवाहर लाल नेहरू (लाहौर अधिवेशन में)
- 1931 - सरदार पटेल (कराची अधिवेशन में)
- 1934 - M.N. रॉय द्वारा (मानवेन्द्र नाथ रॉय)
(सबसे पहले संविधान सभा की औपचारिक माँग)
- ❑ अगस्त प्रस्ताव - 8 अगस्त, 1940 (लिनलिथगो द्वारा पेश)
- क्रिप्स मिशन - 22 मार्च, 1942 (स्टैफोर्ड क्रिप्स द्वारा)
- कैबिनेट मिशन -

- गठन - 19 फरवरी, 1946 (क्लीमेंट एटली द्वारा)
- भारत आया - 24 मार्च, 1946 को **SSC MTS-2023**
- रिपोर्ट - 16 मई, 1946
- सदस्य - पैथिक लॉरेन्स (अध्यक्ष) भारत सचिव, ए.वी. अलेक्जेंडर (व्यापार बोर्ड के अध्यक्ष), स्टैफोर्ड क्रिप्स (नौसेना अध्यक्ष)
- कैबिनेट मिशन के अनुसार

(1) 10 लाख जनसंख्या पर एक सदस्य चुना जायेगा।



- (2) मतदाता - 11 ब्रिटिश प्रांतों की विधानसभाओं और विधानपरिषदों के सदस्य
- (3) वयस्क मताधिकार का प्रयोग नहीं हुआ।
- (4) देशी रियासतों के सदस्य मनोनीत थे।
- (5) चुनाव की विधि - एकल संक्रमणीय मत प्रणाली
- संविधान सभा के चुनाव - जुलाई-अगस्त, 1946 में 296 सीटों पर संपन्न हुए।
- देशी रियासतों ने चुनाव में भाग नहीं लिया
- परिणाम - कांग्रेस-208
- मुस्लिम लीग-73
- निर्दलीय -8
- अन्य पार्टी-7

कैबिनेट मिशन के प्रस्ताव पर गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल

मंत्री	विभाग
जवाहर लाल नेहरू	कार्यकारी परिषद के उपाध्यक्ष विदेशी मामले तथा राष्ट्रमंडल
वल्लभ भाई पटेल	गृह, सूचना तथा प्रसारण
बलदेव सिंह	रक्षा मंत्री
जॉन मथाई	उद्योग तथा आपूर्ति
सी. राजगोपालाचारी	शिक्षा एवं कला
सी. एच. भाभा	कार्य, खान एवं बन्दरगाह
राजेन्द्र प्रसाद	खाद्य एवं कृषि
जगजीवन राम	श्रम मंत्रालय

संविधान सभा का गठन - 6 दिसंबर, 1946

- ❖ संविधान सभा के कुल अधिवेशन - 12 (बैठकें-166)
- ❖ संविधान निर्माण में कुल अधिवेशन - 11 (बैठकें-165)
- ❖ आजादी से पूर्व अधिवेशन - 4

बैठक	अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	अन्य
प्रथम 9 दिसंबर, 1946 (DP Const 2020)	सच्चिदानंद सिन्हा (अस्थायी)	फ्रेंक एंथनी (मनोनीत)	दिल्ली के चैंबर काँसिल पुस्कालय में प्रथम वक्ता - डॉ. एस.राधाकृष्णन
दूसरी 11 दिसंबर, 1946	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (स्थायी)	एच.सी. मुखर्जी (प्रथम-25 जनवरी, 1946) टी.टी. कृष्णमाचारी (द्वितीय-16 जुलाई, 1947)	संवैधानिक सलाहकार बी. एन. राव (बेनेगल नरसिम्हा राव)

तीसरी 13 दिसंबर, 1946	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (स्थायी)	एच.सी. मुखर्जी (प्रथम-25 जनवरी, 1946) टी.टी. कृष्णामाचारी (द्वितीय-16 जुलाई, 1947)	जवाहर लाल नेहरू ने उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया था। उद्देश्य प्रस्ताव को 22 जनवरी, 1947 को स्वीकार किया। (DP Const 2020)
------------------------------------	-------------------------------------	---	---

- ❑ **सर्वप्रथम हस्ताक्षर-** पंडित जवाहर लाल नेहरू ने किया
- ❑ **सबसे अंत में-** राजेन्द्र प्रसाद ने किये
- ❑ **महिलाओं में-** सर्वप्रथम हंसा मेहता
- ❑ **24 जनवरी, 1950 को स्वीकारा-**
 - ✳ राष्ट्रगान - जन-गण-मन
 - ✳ राष्ट्रगीत - वन्देमातरम्
 - ✳ राष्ट्रपति - राजेन्द्र प्रसाद (अन्तरिम राष्ट्रपति)
 - ✳ राष्ट्रीय चिन्ह - 26 जनवरी, 1950 **SSC CGL-2022**
 - ✳ राष्ट्र ध्वज - 22 जुलाई, 1947 **(DP Const 2020)**
- ❑ संविधान निर्माण में 2 वर्ष 11 माह 18 दिन का समय लगा। **SSC CPO-2022**

- ❑ **एटली की घोषणा (20 फरवरी, 1947)-** 30 जून, 1947 तक भारत आजाद हो जायेगा।
- ❑ **माउण्टबेटन योजना (3 जून, 1947)-** इसमें भारत-पाक विभाजन की बात की गई।
- ❑ **स्वतंत्र**
 - ✳ **भारत-** 15 अगस्त, 1947 PM जवाहरलाल नेहरू, गवर्नर माउण्टबेटन
 - ✳ **पाकिस्तान-** 14 अगस्त, 1947 PM लियाकत अली, गवर्नर मोहम्मद अली जिन्ना
- ❑ **भारत स्वतंत्रता अधिनियम 1947-** 18 जुलाई, 1947 को पारित हुआ।

प्रति	लेखक
अंग्रेजी प्रति (मूल प्रति)	प्रेम बिहारी नारायण रायजादा
हिंदी प्रति	बंसत कृष्णन वैद्य।
चित्रांकन प्रति	राम मनोहर सिन्हा और नन्दलाल बोस

संविधान की प्रमुख समितियाँ एवं उनके अध्यक्ष

समिति	अध्यक्ष
संचालन समिति	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
संघ संविधान समिति	पं. जवाहरलाल नेहरू
प्रांतीय संविधान समिति	सरदार वल्लभ भाई पटेल
संघ शक्ति समिति	पं. जवाहरलाल नेहरू
प्रारूप समिति	डॉ. भीमराव अम्बेडकर
तदर्थ झण्डा समिति	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
वित्त एवं स्टाफ समिति	ए.एन. सिन्हा
मूल अधिकार उपसमिति	जे.बी. कृपलानी
(DP Const 2020)	
अल्पसंख्यक उपसमिति	एच.सी. मुखर्जी
प्रक्रिया नियम समिति	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
कार्य संचालन समिति	डॉ. के.एम. मुंशी
आवास समिति	बी. पट्टाभि सीतारामैया
(SSC CGL 2020)	

स्वतंत्र भारत का पहला मंत्रिमंडल (1947)

क्र.सं.	मंत्री	विभाग
1.	जवाहर लाल नेहरू	प्रधानमंत्री
2.	सरदार वल्लभ भाई पटेल	गृह मंत्री सूचना व प्रसारण मंत्री
(DP Const 2020)		
3.	सरदार बलदेव सिंह	रक्षा मंत्री
4.	भीमराव अम्बेडकर	विधि मंत्री (कानून मंत्री)
(DP Const 2020)		
5.	मौ. अबुल कलाम आजाद	शिक्षा मंत्री
6.	जॉन मथाई	रेलवे व परिवहन मंत्री
7.	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	खाद्य एवं कृषि मंत्री
8.	राजकुमारी अमृता कौर	स्वास्थ्य मंत्री
9.	बाबू जगजीवन राम	श्रम मंत्री
10.	रफी अहमद किदवई	संचार मंत्री
11.	आर.के. शणमुखम शेट्टी	वित्त मंत्री
12.	वी.एन. गॉडगिल	कार्य, खान एवं ऊर्जा
13.	सी.एच. भाभा	वाणिज्य मंत्री
14.	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी	उद्योग एवं आपूर्ति

- ❑ 26 नवंबर, 1949 को संविधान बनकर तैयार हुआ। **(DP Const 2020)**
- ❑ 24 जनवरी, 1950 - इस दिन संविधान की तीन प्रतियों पर 284 सदस्यों (9 महिला) ने हस्ताक्षर किया।

- प्रारूप समिति-**
 - ❑ **उपनाम** - पाण्डूलेखन समिति, ड्राफ्टिंग कमेटी, मसौदा समिति
 - ❑ **गठन** - 29 अगस्त, 1947, प्रथम बैठक 30 अगस्त, 1947 **(DP Const 2020)**
 - ❑ **अध्यक्ष** - डॉ. भीम राव अम्बेडकर
 - ❑ **सदस्य** - अल्लादि कृष्णास्वामी अय्यर, एन गोपाल स्वामी आंयंगर, के. एम. मुंशी (कांग्रेस) सैय्यद मोहम्मद सादुल्ला (मुस्लिम लीग), एन. माधव राव, टी. टी. कृष्णामाचारी **(DP Const 2020)**

कथन

- ❑ **डॉ. राजेन्द्र प्रसाद** - "मैंने अध्यक्ष रहते हुए एक ही अच्छा काम किया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर को प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाया।"

- ❑ डॉ. भीमराव अम्बेडकर - यह एक देश की सरकार है जिसे दो राष्ट्र चला रहे हैं, 1935 के अधिनियम से भी भारत का शासन चलाया जा सकता था।
- ❑ विस्टन चर्चिल - "भारतीय संविधान सभा एक जाति की सभा संस्था थी"।
- ❑ सर साइमन- "भारत संविधान सभा हिंदुओं की सभा थी"
- ❑ आइवर जेनिंग- भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, संविधान सभा वकीलों का स्वर्ग थी।
- ❑ डी.डी. बसु - "संविधान संघात्मक व एकात्मक का मिश्रण है।"
- ❑ ग्रेनविल ऑस्टिन - "संविधान सभा कांग्रेस थी और कांग्रेस ही भारत"
- ❑ के.एम. मुंशी - "संविधान राज्य की आत्मा है।"

भारतीय संविधान की विशेषताएँ-

- ❑ भारतीय संविधान विश्व में सबसे लम्बा लिखित संविधान है।
- ❑ विश्व का प्रथम लिखित संविधान संयुक्त राज्य अमेरिका ने वर्ष 1789 में अपनाया था।
- ❑ भारत के मूल संविधान में 22 भाग, 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियाँ थीं, वर्तमान में 25 भाग, 470+ अनुच्छेद और 12 अनुसूचियाँ हैं।
- ❑ मूल कर्तव्यों का प्रावधान 42वें संविधान संशोधन, 1976 के तहत किया गया है।
- ❑ भारतीय संविधान में एकल नागरिकता का प्रावधान है।
- ❑ भारत का संविधान न तो लचीला है और न ही कठोर बल्कि दोनों का मिला-जुला रूप है।

भारतीय संविधान के प्रमुख स्रोत

देश	प्रावधान
भारत शासन अधिनियम, 1935	संघात्मक व्यवस्था न्यायपालिका की शक्ति, राजनीति की आधारभूत संरचना
जर्मनी (वाइमर संविधान)	आपातकाल के दौरान मूल अधिकारों का निलंबन
पूर्व सोवियत संघ (USSR)	मूल कर्तव्य, प्रस्तावना में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय का आदर्श
अमेरिका	मौलिक अधिकार
	सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पद से हटाने की प्रक्रिया। न्यायिक पुनर्विलोकन एवं न्यायपालिका की स्वतंत्रता लोक जनहित याचिका संविधान की सर्वोच्चता राष्ट्रपति पर महाभियोग की प्रक्रिया उपराष्ट्रपति का पद एवं राज्यसभा में पदेन सभापति
	राष्ट्रपति में संघ की कार्यपालिका शक्ति
जापान	विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया

SSC CHSL-2023

SSC CHSL-2023

SSC CHSL-2023

कनाडा	सरकार की संघीय व्यवस्था केन्द्र के पास अवशिष्ट शक्तियाँ संघ तथा राज्य के बीच शक्तियों का वितरण राज्यपालों की नियुक्ति केन्द्र द्वारा सर्वोच्च न्यायालय का परामर्शी होना
ऑस्ट्रेलिया	सातवीं अनुसूची की समवर्ती सूची प्रस्तावना की भाषा केन्द्र राज्य संबंध व्यापार-वाणिज्य एवं समागम की स्वतंत्रता संयुक्त बैठक
आयरलैण्ड	राज्य के नीति-निदेशक तत्व
ब्रिटिश	संसदीय प्रणाली एकल नागरिकता विधायिका में अध्यक्ष पद की भूमिका विधि का शासन विधि निर्माण की प्रक्रिया संसदीय विशेषाधिकार चुनाव में सर्वाधिक मत के आधार पर जीत की प्रक्रिया द्विसदनीय व्यवस्था
दक्षिण अफ्रीका	संविधान संशोधन की प्रक्रिया राज्यसभा के सदस्यों का निर्वाचन

SSC CHSL-2023

SSC CHSL-2023

(SSC CHSL 2022)

SSC MTS-2023

भारतीय संविधान की अनुसूचियाँ

अनुसूची	विशेषताएँ
पहली	इसमें भारतीय संघ के राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेश का उल्लेख है।
दूसरी	इसमें भारत के विभिन्न पदाधिकारियों को दिये जाने वाले वेतन का उल्लेख है।
तीसरी	इसमें विभिन्न पदाधिकारियों द्वारा ली गई शपथ का उल्लेख है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति तथा राज्यपाल, अनुसूची तीन के तहत शपथ नहीं लेते
चौथी	इसमें विभिन्न राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों का राज्यसभा में प्रतिनिधित्व का विवरण दिया गया है।
पाँचवी	इसमें अनुसूचित जाति के प्रशासन के बारे में दिया गया है।
छठी	इसमें असम, मेघालय, त्रिपुरा तथा मिजोरम राज्यों के जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में दिया गया है।

DP Const. 2020

SSC CHSL-2023

सातवीं	इसमें केन्द्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन किया गया है। इसके अन्तर्गत तीन सूचियाँ हैं। CHSL 2022 (i) संघ सूची :- इस सूची में दिये गये विषयों पर केन्द्र सरकार कानून बनाती है। संविधान के लागू होने के समय इसमें 97 विषय थे अब 100 विषय हैं। (ii) राज्य सूची :- इस सूची में दिये गये विषयों पर राज्य सरकार कानून बनाती है। राष्ट्रीय हित सम्बन्धी होने पर केन्द्र सरकार भी कानून बना सकती है। संविधान के लागू होने के समय इसके अन्तर्गत 66 विषय थे परन्तु वर्तमान में 61 विषय हैं। (iii) समवर्ती सूची :- इसके अन्तर्गत दिये विषयों पर केन्द्र एवं राज्य सरकार दोनों कानून बना सकते हैं, परन्तु कानून के विषय समान होने पर केन्द्र सरकार द्वारा बनाया गया कानून मान्य होगा। संविधान के लागू होने के समय 47 विषय थे परन्तु वर्तमान में 52 विषय हैं।
आठवीं	इसमें भारत की 22 भाषाओं का उल्लेख किया गया है। मूल रूप से आठवीं अनुसूची में 14 भाषाएँ थी, परन्तु 1967 में सिंधी को, 1992 में मणिपुरी, नेपाली, तथा कोंकणी और 2003 में मैथिली, संथाली, डोगरी एवं बोडो को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया।
नौवीं	संविधान में यह अनुसूची प्रथम संविधान संशोधन 1951 द्वारा जोड़ी गयी। यह भूमि सुधार से सम्बंधित है।
दसवीं	यह संविधान में 52 वें संविधान संशोधन 1985 के द्वारा जोड़ी गयी है। इसमें दल-बदल से सम्बंधित प्रावधान है। SSC CPO-2023
ग्यारहवीं	यह पंचायती राज से सम्बंधित है। यह 73वें संविधान संशोधन 1992 के द्वारा जोड़ी गयी। इसमें 29 विषय दिये गये हैं।
बारहवीं	यह शहरी क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में है तथा शहरी क्षेत्रों के 18 विषय दिये गये हैं। यह अनुसूची 74 वें संविधान संशोधन 1992 द्वारा जोड़ी है।

भारतीय संविधान के प्रमुख भाग

भाग	अनुच्छेद
भाग 1	संघ एवं उसका राज्य क्षेत्र
भाग 2	नागरिकता
भाग 3	मौलिक अधिकार
भाग 4	नीति-निदेशक तत्व
भाग 4क	मूल कर्तव्य
भाग 5	संघ
भाग 6	राज्य
CHSL 2022	
भाग 8	संघ राज्य क्षेत्र
भाग 9	पंचायत
CHSL SSC-2023	
भाग 9A	नगरपालिकाएं

SSC MTS-2023		
भाग 9B	सहकारी समितियाँ	243 (ZH) से 243 (ZT) तक
SSC CHSL-2023		
भाग 10	अनुसूचित जाति एवं जनजाति क्षेत्र	244
भाग 11	केंद्र एवं राज्य के मध्य संबंध	245 से 263 तक
भाग 12	वित्त, संपत्ति, संविदाएं और वाद	264 से 300A तक
भाग 13	व्यापार वाणिज्य और समागम	301 से 307 तक
भाग 14	संघ और राज्यों के अधीन सेवाएँ	308 से 323 तक
SSC CHSL-2022		
भाग 14A	अधिकरण	323A से 323B तक
भाग 15	निर्वाचन आयोग	324 से 329 तक
भाग 16	कुछ वर्गों के लिए विशेष उपबंध	330 से 342 तक
DP Const. 2020		
भाग 17	राजभाषा	343 से 351 तक
भाग 18	आपात उपबंध	352 से 360 तक
भाग 19	प्रकीर्ण	301 से 367 तक
भाग 20	संविधान संशोधन	368
SSC Steno-2021		
भाग 21	अस्थायी, संक्रमणकालीन और विशेष उपबंध	369 से 392 तक
भाग 22	संक्षिप्त नाम प्रारंभ और निरसन	393 से 395 तक

देशी रियासतों का भारत में विलय

- देशी रियासतों को भारत में विलय कराने का श्रेय सरदार वल्लभ भाई पटेल को जाता है। इन्होंने 562 रियासतों का भारत में विलय किया।
- जूनागढ़ रियासत को जनमत संग्रह के आधार पर भारत में मिलाया गया।
- हैदराबाद रियासत को पुलिस कार्यवाही के माध्यम से भारत में मिलाया गया।
- जम्मू कश्मीर रियासत को विलय पत्र पर हस्ताक्षर के द्वारा मिलाया गया था।

राज्यों का पुनर्गठन

- संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने प्रयागराज उच्च न्यायालय के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश एस.के. धर की अध्यक्षता में एक-चार सदस्यीय आयोग नियुक्त किया।
- इस आयोग ने भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का विरोध किया और प्रशासनिक सुविधा के आधार पर राज्य के पुनर्गठन का समर्थन किया।
- राज्य पुनर्गठन आयोग वर्ष 1953 में बना था।
- राज्य पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष फजल अली थे।

नये राज्यों का गठन

राज्य	गठन वर्ष
आन्ध्र प्रदेश	1 अक्टूबर, 1953
गुजरात	1 मई, 1960
महाराष्ट्र	1 मई, 1960
नागालैण्ड	1 दिसम्बर, 1963
हरियाणा	1 नवम्बर, 1966
हिमाचल प्रदेश	25 जनवरी, 1971
सिक्किम	16 मई, 1975
मिजोरम	20 फरवरी, 1987
अरुणाचल प्रदेश	20 फरवरी, 1987
छत्तीसगढ़	1 नवम्बर, 2000
उत्तराखण्ड	9 नवम्बर, 2000
झारखण्ड	15 नवम्बर, 2000
तेलंगाना	2 जून, 2014

प्रस्तावना (Preamble)

- जवाहर लाल नेहरू ने उद्देश्य प्रस्ताव को 13 दिसंबर, 1946 को तीसरी बैठक में प्रस्तुत किया तथा इसे 22 जनवरी, 1947 को स्वीकार किया। प्रस्तावना शब्द अमेरिका से लिया गया है तथा प्रस्तावना की भाषा ऑस्ट्रेलिया से ली गई है।

सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक न्याय- रूस से

गणतंत्र, स्वतंत्रता, बंधुता और समता- फ्रांस से **SSC MTS-2023**

- हम भारत के लोग संयुक्त राष्ट्र संघ (यू. एन. ओ.) से लिया गया है।
- 42वां संविधान संशोधन 1976 में प्रस्तावना में तीन शब्द जोड़े गये- 1. समाजवादी 2. पंथ निरपेक्षता 3. अखंडता **DP Const. 2020**

कथन-

- ✱ पंडित ठाकुरदास भार्गव- “प्रस्तावना संविधान की आत्मा है।”
- ✱ मोहम्मद हिदायतुल्ला- “प्रस्तावना संविधान की आत्मा है।”
- ✱ ठाकुर भार्गव दास- “प्रस्तावना संविधान का आभूषण है।”
- ✱ के.एम. मुंशी- “प्रस्तावना संविधान की जन्म कुण्डली है।”
- ✱ एन. ए. पालकीवाला- “प्रस्तावना संविधान का परिचय पत्र है।”
- ✱ अर्नेस्ट बार्कर- “प्रस्तावना संविधान का कुंजी नोट है।”
- ✱ सुभाष कश्यप- “यदि संविधान शरीर है, तो प्रस्तावना उसकी आत्मा है।”

नागरिकता

- भाग-2 (अनुच्छेद 5 से 11) **DP Const. 2020**
- ✱ एकल नागरिकता- ब्रिटेन → भारत
 - ✱ दोहरी नागरिकता- अमेरिका
 - ✱ तीहरी नागरिकता- स्विट्जरलैण्ड
 - ✱ डॉ. बी आर अम्बेडकर- नागरिकता सबसे कठिन भाग है।
- SSC GD-2023**
- नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019- (CAA)

राष्ट्रपति द्वारा स्वीकृति - 12 दिसंबर, 2019

लागू - 11 मार्च, 2024

- (1) बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान से 6 धार्मिक अल्पसंख्यक हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई से संबंधित प्रवासियों के लिए भारतीय नागरिकता का मार्ग प्रदान करता है।
- (2) जो 31 दिसंबर, 2014 को या इससे पूर्व भारत आये हो और 5 वर्ष से रह रहे हो।

मूल अधिकार (Fundamental Rights)

भाग-3 (अनुच्छेद 12 से 35)

‘भारतीय संविधान का मैग्नाकार्टा’

1. समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14 से 18) **SSC CGL-2022**
2. स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19 से 22)
3. शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23 व 24)
4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28) **SSC MTS-2023**
5. शिक्षा व संस्कृति का अधिकार (अनुच्छेद 29 व 30)
6. संपत्ति का अधिकार (अनुच्छेद 31)

इसे 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 द्वारा हटाया गया तथा इसे भाग-12 में अनुच्छेद 300(क) में कानूनी अधिकार बनाया गया।

SSC CPO-2023

7. सवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)

नोट:- मूल संविधान में मौलिक अधिकारों की संख्या 7 थी परन्तु वर्तमान में मौलिक अधिकारों की संख्या 6 है।

- डॉ. बी. आर. अम्बेडकर ने भाग 3 को सर्वाधिक प्रकाशमान व अलौकिक कहा है। **CHSL SSC-2023**
- अनुच्छेद 32 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने संविधान की आत्मा और हृदय कहा है।
- अनुच्छेद 12- राज्य की परिभाषा **SSC CHSL-2023**
- अनुच्छेद 13- मूल अधिकारों से असंगत तथा उनका अल्पीकरण करने वाली विधियाँ।
- अनुच्छेद 14- कानून के समक्ष समानता या विधियों के समान संरक्षण।
- अनुच्छेद 15- धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव नहीं किया जायेगा। **CHSL 2022**
- अपवाद- महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जाति, जनजाति तथा पिछड़े वर्ग के उत्थान हेतु विशेष प्रावधान किये जा सकते हैं।
- अनुच्छेद 16- लोक नियोजन के विषय में अवसर की समानता।
- अनुच्छेद 17- अस्पृश्यता का अंत
- अनुच्छेद 18- उपाधियों का उन्मूलन
- अनुच्छेद 19- अभिव्यक्ति व अन्य स्वतंत्रताएँ
- अनुच्छेद 20- अपराधों के लिए दोषसिद्धि के संबंध में संरक्षण
- अनुच्छेद 21- प्राण व दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण। **SSC CHSL-2023**
- अनुच्छेद 21A- 6 से 14 वर्ष के बच्चों को अनिवार्य एवं निशुल्क प्राथमिक शिक्षा का अधिकार है। (86वें संविधान संशोधन, 2002)

- अनुच्छेद 22- कुछ दशाओं में गिरफ्तारी से संरक्षण
SSC CHSL-2023
- अनुच्छेद 23- मानव दुर्व्यापार, बेगार तथा बलात्क्रम निषेध
SSC CPO-2023
- अनुच्छेद 24- 14 साल से कम उम्र के बच्चों को कारखानों में कार्य करने में प्रतिबंध।
SSC CHSL-2023
- अनुच्छेद 25- सभी व्यक्तियों को अंतःकरण की स्वतंत्रता का और धर्म के अबाध रूप से मानने आचरण करने और प्रचार करने का समान हक होगा। सिक्खों को कृपाण धारण करने का अधिकार होगा।
- अनुच्छेद 29- अल्पसंख्यक वर्ग के हितों का संरक्षण
- अनुच्छेद 30- शिक्षण संस्थानों की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक वर्गों का अधिकार।
DP Const. 2020
- अनुच्छेद 32- सवैधानिक उपचारों का अधिकार - इसमें पाँच प्रकार की रिट की चर्चा की गई है जो निम्न है।
SSC CGL-2023
- (i) बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeas Corpus): व्यक्ति को सशरीर उपस्थित करना।
- (ii) परमादेश (Mandamus): हम आदेश देते हैं।
- (iii) अधिकार-प्रच्छा (Quo warrant): आपका क्या प्राधिकार है?
- (iv) उत्प्रेषण (Certiorari): पूर्णतया सूचित करना।
- (v) प्रतिषेध (Prohibition): मना कर देना।

राज्य के नीति निदेशक तत्व

भाग-4 (अनुच्छेद-36 से 51)

- राज्य के नीति-निदेशक तत्वों को आयरलैण्ड के संविधान से लिया गया है।
- उद्देश्य - कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना
DP Const. 2020
- नोट- ये वाद योग्य नहीं हैं।
- अनुच्छेद 39- स्त्री व पुरुष दोनों को समान कार्य के लिए समान वेतन
SSC CHSL-2023
- अनुच्छेद 39 (क)- समान न्याय और निशुल्क विधिक सहायता
- अनुच्छेद 40- ग्राम पंचायतों का संगठन।
- अनुच्छेद 41- कुछ दशाओं में काम शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार
- अनुच्छेद 42- काम की न्यायसंगत और मानवोचित दशाओं का तथा प्रसूति सहायता का उपबंध।
SSC CGL-2023
- अनुच्छेद 44- समान नागरिक संहिता
नोट- गोवा, भारत का पहला राज्य है जहाँ समान नागरिक संहिता लागू है। समान नागरिक संहिता लागू करने वाला उत्तराखंड आजादी के बाद पहला राज्य बनेगा।
SSC CGL-2023
- अनुच्छेद 45- 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों को शिक्षा तथा उनका देखभाल।
- अनुच्छेद 48- कृषि एवं पशुपालन का संगठन।
- अनुच्छेद 48A- पर्यावरण के संरक्षण तथा वन व वन्य जीवों का संरक्षण करना (42वाँ संविधान संशोधन 1976)

- अनुच्छेद 50- कार्यपालिका एवं न्यायपालिका का पृथक्करण।
SSC CHSL-2023
- अनुच्छेद 51- अन्तर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि।
DP Const. 2020
- राज्य के नीति निदेशक तत्वों का मुख्य उद्देश्य भारत में आर्थिक और सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना है।
कथन - नीति निदेशक सिद्धान्तों के संबंध में
- T.T. कृष्णामाचारी- “भावनाओं का स्थायी कूड़ा घर”
- K.T. शाह- “यह एक ऐसा चेक है जिसका भुगतान बैंक की इच्छा पर छोड़ दिया गया।”

मूल कर्तव्य

मौलिक कर्तव्य (भाग 4A)

- अनुच्छेद 51A में मौलिक कर्तव्यों को सम्मिलित किया गया है।
SSC CGL-2023
- ‘सरदार स्वर्ण सिंह’ समिति की अनुशंसा के आधार पर 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा 10 मूल कर्तव्यों को सम्मिलित किया गया।
SSC CPO-2023
- भारतीय संविधान में मूल कर्तव्यों को पूर्व सोवियत संघ (USSR) के संविधान से प्रभावित होकर सम्मिलित किया गया है।
- वर्तमान में मूल कर्तव्यों की संख्या 11 है।
SSC CPO-2023
- 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 के तहत 11वाँ मूल कर्तव्य जोड़ा गया जो शिक्षा से सम्बन्धित है, जिसमें 6 से 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों को शिक्षा का अवसर प्रदान करना प्रत्येक माता-पिता या संरक्षक का कर्तव्य निर्धारित किया गया।

राष्ट्रपति

- संविधान के भाग-V के अनुच्छेद 52-78 तक संघ (केंद्र) की कार्यपालिका का वर्णन है।
- राष्ट्रपति देश का प्रथम नागरिक होता है।
- अनुच्छेद 52 - भारत का एक राष्ट्रपति होगा।
- अनुच्छेद 53 - संघ की समस्त कार्यपालिका शक्तियाँ राष्ट्रपति में निहित होंगी। जिसका प्रयोग राष्ट्रपति स्वयं अथवा अपने अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से कर सकता है। राष्ट्रपति तीनों सेनाओं का सर्वोच्च कमाण्डर होता है।
- अनुच्छेद 54 - राष्ट्रपति का निर्वाचन - अप्रत्यक्ष रूप से होता है, जिसमें राज्य की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य, संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य, केन्द्रशासित प्रदेश दिल्ली व पुदुचेरी विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य।
नोट- 70 वें संविधान संशोधन, 1992) के द्वारा दिल्ली और पुदुचेरी विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्यों को राष्ट्रपति के निर्वाचन मंडल में शामिल किया गया।
- अनुच्छेद 55 - राष्ट्रपति की निर्वाचन प्रक्रिया - राष्ट्रपति का चुनाव अनुपातिक प्रतिनिधित्व के माध्यम से एकल संक्रमणीय मत तथा गुप्त मतदान द्वारा होता है।
- अनुच्छेद 56 - राष्ट्रपति की पदावधि - पद ग्रहण से 5 वर्ष तक

त्यागपत्र उपराष्ट्रपति को, राष्ट्रपति अपने पद पर तब तक बने रहेंगे जब तक उनका उत्तराधिकारी पद ग्रहण न कर ले।

नोट- अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यकाल 4 वर्ष का होता है।

❑ अनुच्छेद 57 - राष्ट्रपति का पुनः निर्वाचन।

❖ राष्ट्रपति के पुनः निर्वाचन के लिए जरूरी शर्तों और मानदंडों के बारे में बताया गया है।

❑ अनुच्छेद 58 - राष्ट्रपति पद के लिए योग्यताएँ (अर्हताएँ)

SSC GD-2021

1. भारत का नागरिक हो।
2. 35 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका हो।
3. लोकसभा का सदस्य निर्वाचित होने की योग्यता रखता हो।
4. लाभ के पद पर न हो।

❑ अनुच्छेद 59 - सेवा शर्तें

1. राष्ट्रपति संसद या विधानमंडल का सदस्य नहीं होगा यदि है तो राष्ट्रपति पद धारण करते ही वह पद रिक्त माना जायेगा।
2. राष्ट्रपति को आधिकारिक आवास (राष्ट्रपति भवन) आवंटित होगा।
3. राष्ट्रपति को संसद द्वारा निर्वाचित उपलब्धियाँ भत्ते व विशेषाधिकार प्राप्त होंगे तथा पदावधि के दौरान उन्हें कम नहीं किया जायेगा।
4. राष्ट्रपति का वेतन 5 लाख रुपये प्रतिमाह होता है। जो केन्द्र की संचित निधि पर भारत होता है।

❑ अनुच्छेद 60 - राष्ट्रपति को शपथ सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा दिलायी जायेगी तथा इनकी अनुपस्थिति में सर्वोच्च न्यायालय के किसी वरिष्ठ न्यायाधीश द्वारा।

DP Const. 2020

❑ अनुच्छेद 61 - राष्ट्रपति पर महाभियोग

SSC CHSL-2023

❖ राष्ट्रपति पर संविधान के अनुच्छेद-61 के अंतर्गत किसी भी सदन द्वारा संविधान के प्रावधानों का उलंघन करने के कारण महाभियोग लगाया जा सकता है,

❖ परन्तु इसके लिए आवश्यक है कि राष्ट्रपति को 14 दिन पहले लिखित सूचना दी जाये जिस पर उस सदन के एक चौथाई सदस्यों के हस्ताक्षर हैं।

❖ जो सदन राष्ट्रपति पर महाभियोग लगाना चाहता है, पहले इसके दो तिहाई सदस्य इस प्रस्ताव को पारित करेंगे उसके बाद यह प्रस्ताव दूसरे सदन में जायेगा। तब दूसरा सदन राष्ट्रपति पर लगाये आरोपों की जाँच करेगा या करायेगा और ऐसी जाँच में राष्ट्रपति के ऊपर लगाये गये आरोपों को सिद्ध करने वाला प्रस्ताव दो तिहाई बहुमत से पारित हो जायेगा। तब राष्ट्रपति पर महाभियोग की प्रक्रिया पूरी समझी जायेगी और उसी दिन से राष्ट्रपति को त्याग पत्र देना होगा।

❑ महाभियोग प्रक्रिया एक अर्द्धन्यायिक प्रक्रिया है तथा इस प्रक्रिया में संयुक्त बैठक नहीं बुलाई जा सकती हैं

❑ विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य महाभियोग में भाग में नहीं लेते हैं। जबकि निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेते हैं तथा संसद के मनोनीत सदस्य निर्वाचन प्रक्रिया में भाग नहीं लेते जबकि महाभियोग प्रक्रिया में भाग लेते हैं।

❑ अनुच्छेद 62 - पदरिक्ति- वर्तमान राष्ट्रपति का कार्यकाल समाप्त होने से पूर्व ही नये राष्ट्रपति का चुनाव कर लिया जायेगा।

आकस्मिक पदरिक्ति - मृत्यु, त्यागपत्र, हटाना, अन्य कारण है तो नये चुनाव 6 माह के अंदर करवाना अनिवार्य है।

❑ यदि किसी कारणवश राष्ट्रपति नहीं है तो उसके कार्य उपराष्ट्रपति करता है। यदि उपराष्ट्रपति भी नहीं हैं तो उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश करता है और तीनों की अनुपस्थिति में उच्चतम न्यायालय का वरिष्ठतम न्यायाधीश कार्य संभालेगा।

राष्ट्रपति की शक्तियाँ -

❑ राष्ट्रपति निम्न पदाधिकारियों की नियुक्ति करता है।

❑ प्रधानमंत्री व अन्य मंत्री, सभी राज्यों के राज्यपाल, महान्यायवादी, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक दिल्ली पुदुचेरी व जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री, उप-राज्यपाल व प्रशासक सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालय के न्यायाधीश तथा संवैधानिक व गैर संवैधानिक संस्थाओं के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति।

❑ अनुच्छेद 79 - संसद की संरचना - लोकसभा+राज्यसभा+राष्ट्रपति

❑ अनुच्छेद 80 - राज्यसभा की संरचना, राष्ट्रपति राज्यसभा में 12 सदस्य मनोनीत करेंगे जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला व समाज सेवा का विशेष ज्ञान व अनुभव हो।

❑ अनुच्छेद 81 - लोकसभा की संरचना

❑ अनुच्छेद 85 - राष्ट्रपति संसद के प्रत्येक सदन के सत्र को ऐसे समय व स्थान पर बैठक बुलाने का अधिकार देता है, जिसे वह उचित समझता है।

DP Const. 2020

प्रथम सत्र की अंतिम बैठक तथा दूसरे सत्र की प्रथम बैठक के मध्य 6 माह से अधिक का समय नहीं होना चाहिए।

राष्ट्रपति प्रत्येक सदन का सत्रावसान (समाप्त) करेंगे।

संसद के सत्र- बजट सत्र (फरवरी-मई)

मानसून सत्र (जुलाई-सितंबर)

शीतकालीन सत्र (नवंबर-दिसंबर)

❑ अनुच्छेद 87 - राष्ट्रपति का विशेष अभिभाषण

❑ अनुच्छेद 108 - संयुक्त बैठक- संयुक्त बैठक को राष्ट्रपति आहूत करता है। तथा इसकी अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष करेगा तथा इनकी अनुपस्थिति में लोकसभा उपाध्यक्ष तथा इनकी अनुपस्थिति में राज्यसभा का उपसभापति करेगा

भारत में अब तक तीन बार संयुक्त बैठक हुई है।

1. दहेज निषेध विधेयक, 1961
2. बैंकिंग सेवा आयोग विधेयक, 1978
3. आतंकवाद निवारक विधेयक, 2002

❑ अनुच्छेद 111 के तहत राष्ट्रपति की वीटो शक्ति

1. आत्यंतिक वीटो (Absolute veto)- मना करना
2. निलम्बनकारी वीटो (Sesponsive veto)- एक बार पुनर्विचार हेतु भेजना।
3. जेबी वीटो (Pocket veto)- कोई प्रतिक्रिया नहीं देना, इस वीटो का प्रयोग सर्वप्रथम भारतीय डाकघर (संशोधन) विधेयक, 1986 में राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने किया था।

❑ अनुच्छेद 123 - अध्यादेश जारी करना - यदि संसद के दोनों सदन या एक सदन सत्र में न हो और ऐसी परिस्थिति बन जाए जिसमें तुरन्त कानून की आवश्यकता हो तब राष्ट्रपति अध्यादेश जारी करेगा। इसकी वैधता 6 सप्ताह की होगी तथा अधिकतम वैधता 6 माह तक होगी।

- अनुच्छेद 72 - राष्ट्रपति की क्षमादान की शक्ति **SSC CHSL-2023**
 - अनुच्छेद 98 - संसद का सचिवालय
 - अनुच्छेद 143 - राष्ट्रपति सर्वोच्च न्यायालय से सलाह ले सकता है। परन्तु वह परामर्श मानने के लिए बाध्य नहीं है।
 - अनुच्छेद 112 - केन्द्र का वार्षिक वित्तीय विवरण राष्ट्रपति के नाम से पेश होगा। (बजट)
- नोट:** संविधान के किसी अनुच्छेद में बजट शब्द का उल्लेख नहीं किया गया है।

भारत के राष्ट्रपतियों का क्रम

1. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	2. डॉ. एस. राधाकृष्णन
3. डॉ. जाकिर हुसैन	4. बी. वी. गिरि
5. फखरुद्दीन अली अहमद	6. नीलम संजीव रेड्डी
7. ज्ञानी जैल सिंह	8. आर. वेंकटरमण
9. डॉ. शंकर दयाल शर्मा	10. के. आर. नारायण
11. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम	12. प्रतिभा पाटिल
13. प्रणब मुखर्जी	14. रामनाथ कोविन्द
15. द्रौपदी मुर्मू	

- नोट-** बी.वी. गिरि, न्यायमूर्ति मुहम्मद हिदायतुल्ला तथा बी.डी. जती कार्यवाहक राष्ट्रपति रह चुके हैं।
- निम्न राष्ट्रपतियों की मृत्यु पद पर रहते हुई - जाकिर हुसैन, फखरुद्दीन अली अहमद।
 - वे राष्ट्रपति जो किन्हीं राज्य के मुख्यमंत्री रहें - नीलम संजीव रेड्डी (आंध्रप्रदेश), शंकर दयाल शर्मा (मध्यप्रदेश), ज्ञानी जैल सिंह (पंजाब), बी.डी. जती (मैसूर)
 - वे राष्ट्रपति जो राजदूत के रूप में नियुक्त हुए हैं - के.आर. नारायण, बी. वी. गिरि, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
 - अल्पसंख्यक राष्ट्रपति - जाकिर हुसैन, मोहम्मद हिदायतुल्लाह, फखरुद्दीन अली अहमद, ज्ञानी जैल सिंह (सिख), ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
 - द्रौपदी मुर्मू पहली आदिवासी राष्ट्रपति।
 - नीलम संजीव रेड्डी निर्विरोध राष्ट्रपति चुने गये।
 - बी.डी. जती कार्यवाहक राष्ट्रपति ने मोराजी देसाई को PM पद की शपथ दिलायी।
 - बी.वी. गिरि दूसरे चक्र की मतगणना में राष्ट्रपति बनें
 - सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति - रामास्वामी वेंकटरमन
 - सर्वाधिक अध्यादेश जारी करने वाले राष्ट्रपति - फखरुद्दीन अली अहमद
 - सर्वाधिक क्षमा करने वाले राष्ट्रपति - प्रतिभा पाटिल
 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। वे लगातार दो बार राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।
 - डॉ. जाकिर हुसैन भारत के प्रथम मुस्लिम राष्ट्रपति थे।
 - नीलम संजीव रेड्डी प्रथम व्यक्ति थे, जो निर्विरोध राष्ट्रपति चुने गये।
 - भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल हैं।
 - केवल बी.वी. गिरि के निर्वाचन के समय दूसरे वरीयता की मतगणना करनी पड़ी थी।

- डॉ. एस राधाकृष्णन भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति तथा दूसरे राष्ट्रपति थे।
- 44वें संविधान संशोधन के अनुसार राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद् से अपनी सलाह पर पुनर्विचार करने को कह सकता है।
- संसद के वार्षिक वित्तीय विवरण राष्ट्रपति रखवाता है।
- सभी दशाओं में मृत्युदण्ड क्षमादान की शक्ति राष्ट्रपति में निहित है।
- राष्ट्रपति क्षमादान की शक्ति का प्रयोग मंत्रिपरिषद् की सलाह पर करता है।
- अनुच्छेद-78 के अनुसार राष्ट्रपति संघ के कार्यों की जानकारी प्रधानमंत्री से मांग सकता है।
- मुख्य न्यायाधीश मुहम्मद हिदायतुल्ला ने राष्ट्रपति के कर्तव्यों का निर्वहन किया था।
- राष्ट्रपति को उसकी पदावधि के दौरान गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है।
- संसद के लिए राष्ट्रपति का अभिभाषण केन्द्रीय मंत्रिपरिषद् तैयार करता है क्योंकि वास्तविक कार्यपालिका शक्ति केन्द्रीय मंत्रिमंडल में निहित है।
- भारत के 11वें राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम को 'मिसाइल मैन' की संज्ञा दी जाती है।
- राष्ट्रपति भवन का डिजाइन ब्रिटिश वास्तुकार एडविन लुटियन्स ने तैयार किया था। वर्ष 1950 तक इसे वायसराय हाउस कहा जाता था।

भारत का उपराष्ट्रपति

- भाग-V अनुच्छेद 63-71 प्रावधान - अमेरिका
 - भारत का उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष होता है। (अनुच्छेद 64/89)
 - उपराष्ट्रपति राज्यसभा का सदस्य नहीं होता अतः इसको मतदान का अधिकार नहीं किन्तु सभापति के रूप में निर्णायक मत देने का अधिकार प्राप्त है।
- उपराष्ट्रपति पद के लिए योग्यता**
1. वह भारत का नागरिक हो।
 2. 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।
 3. राज्यसभा का सदस्य चुने जाने की योग्यता रखता हो।
 4. निर्वाचन के समय किसी लाभ के पद नहीं हो।
- उपराष्ट्रपति प्रत्याशी हेतु 20 प्रस्तावक तथा 20 अनुमोदक चाहिए।
 - संविधान में कार्यवाहक उपराष्ट्रपति नियुक्त किये जाने का कोई प्रावधान नहीं है।
 - कृष्णाकान्त कार्यकाल के दौरान मरने वाले एकमात्र उपराष्ट्रपति हैं।
 - उपराष्ट्रपति को उसके पद की शपथ राष्ट्रपति दिलाता है।

SSC CHSL-2023

- उपराष्ट्रपति अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को देता है।
- इसका कार्यकाल पाँच वर्ष निर्धारित किया गया है।
- राष्ट्रपति का पद रिक्त होने पर उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति की हैसियत से कार्य करता है। (अनुच्छेद-65)
- उपराष्ट्रपति की राष्ट्रपति के रूप में कार्य करने की अधिकतम अवधि 6 महीने होती है। इस दौरान राष्ट्रपति का चुनाव करना अनिवार्य है।
- राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते समय उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति की सभी शक्तियों, विशेषाधिकारों और वेतन व भत्ते का प्रयोग कर सकता है।
- वर्ष 1997 से उपराष्ट्रपति के लिए पेंशन का प्रावधान किया गया है।

- जब उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति के रूप में कार्य करता है तो वह राज्य सभा के अध्यक्ष के रूप में कार्य नहीं करेगा।
- उपराष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा तथा राज्यसभा के सदस्य मिलकर करते हैं।
- उपराष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति के रूप में वेतन प्राप्त करता है।
- उपराष्ट्रपति का वेतन चार लाख रुपये/माह है।
- वर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ है, वे 14वें क्रम के उपराष्ट्रपति हैं।
- भारत में अभी तक कोई भी महिला उपराष्ट्रपति नहीं बनी है हालांकि दो महिलाओं ने चुनाव लड़ा है। 1. नजमा हेपतुल्ला (2007) 2. मार्गरेट अल्वा (2022)

भारत का महान्यायवादी (अटॉर्नी जनरल)

- अटॉर्नी जनरल की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद-76 के अर्न्तगत राष्ट्रपति करता है।
- अटॉर्नी जनरल राष्ट्रपति के प्रसाद-पर्यन्त पद धारण कर सकता है। [अनुच्छेद-76 (4)]
- महान्यायवादी को संसद सदस्यों की तरह सभी उन्मुक्तियां तथा विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं।
- अटॉर्नी जनरल बनने के लिए वही योग्यताएँ होनी चाहिए, जो उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश बनाने के लिए होती है। **DP Const. 2020**
- भारत के प्रथम महान्यायवादी एम.सी. सीतलवाड़ थे।
- वर्तमान में भारत का महान्यायवादी आर. वेंकटरमणि है।
- अटॉर्नी जनरल न तो संसद का सदस्य होता है और न ही मंत्रिपरिषद का सदस्य होता है। लेकिन वह किसी भी सदन में भाषण दे सकता है, किन्तु उसे मत देने का अधिकार नहीं है।
- अटॉर्नी जनरल भारत का प्रथम विधि-अधिकारी होता है। वह भारत सरकार को विधि संबंधी विषयों पर सलाह देता है।
- अटॉर्नी जनरल को भारत के सभी न्यायालयों में सुनवाई का अधिकार है।
- अटॉर्नी जनरल को सहायता देने के लिए एक सॉलिसिटर जनरल व दो अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल भी नियुक्त किये गये हैं।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG)

- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है (अनुच्छेद-148) **SSC CGL-2023**
- सार्वजनिक धन का संरक्षक नियंत्रक महालेखा परीक्षक को कहा जाता है।
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पदावधि 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक की होती है।
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को देता है।
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को संसद के दोनों सदनों के समावेदन पर हटाया जा सकता है।
- इसका वेतन 2.50 लाख रुपये/माह होता है।
- वह केन्द्र सरकार के लेखों से संबंधित रिपोर्ट राष्ट्रपति को देता है।
- वह राज्य सरकार के लेखों से संबंधित रिपोर्ट राज्यपाल को देता है।
- वह संसद की लोक लेखा समिति के मित्र और मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है।
- भारत के प्रथम नियंत्रक व महालेखा परीक्षक वी. नरहरि राव थे।

- वर्तमान में भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक श्री के. संजयमूर्ति हैं।
- CAG एकल सदस्यीय संस्था है।
- CAG केवल लेखा परीक्षण का कार्य करता है।

संसद

- भाग-V, अध्याय-2, अनुच्छेद 79-122
- संसदीय प्रणाली - ब्रिटेन, संसद भवन रायसीना पहाड़ी नई दिल्ली शिलान्यास 12 फरवरी, 1921 (ड्यूट ऑफ कनाट) उद्घाटन-18 जनवरी, 1927 (लॉर्ड इरविन), वास्तुकार-एडविन लुटियन्स व हरबर्ट बेकर

नया संसद भवन - सेन्ट्रल विस्टा प्रोजेक्ट, **लागत** - 971 करोड़, **वास्तुकार** - बिमल पटेल, **निर्माण** - टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड, **क्षेत्रफल** - 64500 वर्ग मीटर, **शिलान्यास** - 10 दिसंबर, 2020, **उद्घाटन** - 28 मई, 2023

- संविधान में संसद का प्रावधान **अनुच्छेद-79** में है।

SSC CHSL-2023

- संसद के तीन अंग लोकसभा, राज्यसभा व राष्ट्रपति है। संसद के सत्र को राष्ट्रपति बुलाता है।

लोकसभा (अनुच्छेद 81)	राज्यसभा (अनुच्छेद 80)
1. यह संसद का निम्न सदन है। लोक सभा में अधिकतम 550 सदस्य हो सकते हैं।	यह संसद का उच्च सदन है। राज्यसभा में अधिकतम 250 सदस्य हो सकते हैं।
2. वर्तमान में लोक सभा में 543 सदस्य हैं।	राज्यसभा में 245 सदस्य हैं।
3. लोकसभा का सदस्य बनने के लिए आयु 25 वर्ष होनी चाहिए।	राज्यसभा का सदस्य बनने के लिए आयु 30 वर्ष होनी चाहिए। (SSC MTS 2021)
4. 104 वें संविधान संशोधन के तहत लोकसभा में आंग्ल भारतीय सदस्यों का मनोनयन रद्द कर दिया गया।	राज्यसभा में राष्ट्रपति 12 ख्याति प्राप्त सदस्य को मनोनीत कर सकता है। 4 क्षेत्रों से- कला, साहित्य, विज्ञान और समाजसेवा
5. लोकसभा के सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है।	राज्यसभा के सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष का होता है।
6. लोकसभा संसद का अस्थायी सदन, निम्न सदन, प्रथम सदन, जनता का सदन है।	राज्यसभा संसद का स्थायी सदन, उच्च सदन, द्वितीय सदन, लोकप्रिय सदन, विद्वानों का सदन है।
7. लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष गणेश वासुदेव मावलंकर थे।	राज्यसभा के पहले अध्यक्ष डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन थे।

- उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष होता है।
- लोकसभा की 545 सीटें वर्ष 2026 तक निश्चित कर दी गयी (84वें संविधान संशोधन, 2001)
- वित्त विधेयक पहले लोकसभा में पेश किया जाता है।
- राज्यसभा वित्त विधेयक को केवल **14 दिन** तक रोक सकती है।
- साधारण विधेयक संसद के किसी भी सदन में पेश किया जा सकता है। राज्यसभा इसको 6 महीने तक रोक सकती है।

- यदि साधारण विधेयक पर कोई विवाद हो जाये, तो राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद-108 के अर्तगत संसद का संयुक्त अधिवेशन बुला सकता है।
 - राज्यसभा वित्त विधेयक में कोई संशोधन नहीं कर सकती।
 - लोकसभा के प्रथम उपाध्यक्ष अनन्त शयनम अयंगर थे।
 - स्वतंत्र भारत के प्रथम आम चुनाव वर्ष 1951-52 में आयोजित हुए। गणतंत्र भारत की प्रथम लोकसभा का पहला सत्र 13 मई, 1952 को हुआ।
 - लोकसभा का कार्य दिवस सुबह 11 बजे से 1 बजे तक और दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक है 12 से 1 शून्य काल का समय होता है। जिसकी शुरुआत वर्ष 1962 में लोकसभा के 10वें अध्यक्ष रबी राय ने की।
 - अगर कोई संसद सदस्य बगैर सदन को बताये 60 दिनों तक अनुपस्थित रहता है, तो उसकी सदस्यता समाप्त हो जायेगी।
 - यदि कोई व्यक्ति लोकसभा और राज्यसभा दोनों में चयनित होता है, तो 10 दिनों के भीतर यह बताना होगा कि किस सदन में रहना है अन्यथा राज्यसभा की सीट रिक्त हो जाएगी।
 - यदि किसी व्यक्ति ने संसद और राज्य विधानमंडल की सदस्यता ग्रहण कर ली है तो उसे 14 दिनों के भीतर बताना होगा कि वह किसका सदस्य रहना चाहता है अन्यथा संसद की सदस्यता समाप्त हो जाएगी।
 - पाँचवीं लोकसभा का कार्यकाल देश में आपात स्थिति लागू करने के कारण सबसे ज्यादा रहा (6 वर्ष)।
 - यदि कोई व्यक्ति एक ही सदन में दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुन लिया जाता है, तो उसे 10 दिन के अन्दर एक सीट छोड़नी पड़ेगी, अन्यथा उसकी दोनों सीट रिक्त हो जायेगी।
 - लोकसभा में अनुसूचित जाति के लिये 84 सीटें आरक्षित हैं।
 - लोकसभा में अनुसूचित जनजाति के लिये 47 सीटें आरक्षित हैं।
 - लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव लोकसभा के सदस्य करते हैं।
 - लोकसभा अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष अपना त्यागपत्र परस्पर एक-दूसरे को देते हैं।
 - संसद के दोनों सदनों की गणपूर्ति कुल सदस्य संख्या का 1/10 होती है।
 - प्रारम्भ में संविधान में लोकसभा के सदस्यों की संख्या 489 थी।
 - लोकसभा में 530 सदस्य राज्यों से, 13 सदस्य केन्द्रशासित प्रदेश से हैं इसके अलावा 2 एंग्लो इण्डियन सदस्य राष्ट्रपति मनोनीत करते हैं, लेकिन 104वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा एंग्लो इंडियन समुदाय के इस आरक्षण के प्रावधान को समाप्त कर दिया गया है।
 - 61 वें संविधान संशोधन, 1989 के तहत मतदान करने की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी गई।
 - लोकसभा के कार्यकाल में आपातकाल की घोषणा लागू होने पर 1 वर्ष की वृद्धि की जा सकती है। ऐसा वर्ष 1975 में हो चुका है।
 - अनुच्छेद 75 के अनुसार मंत्रिपरिषद लोकसभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होती है।
 - डेविड आइजन हावर (1959) अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति थे, जिन्होंने भारतीय संसद में भाषण दिया था।
 - राज्यसभा का पहली बार गठन 3 अप्रैल, 1952 को किया गया। तब इसका नाम काउन्सिल ऑफ स्टेट्स था।
 - 23 अगस्त, 1954 को राज्यपरिषद का नाम बदलकर राज्यसभा कर दिया गया।
 - राज्यसभा के एक-तिहाई सदस्य प्रत्येक 2 वर्ष बाद सेवानिवृत्त हो जाते हैं।
 - राज्यसभा में विपक्ष का नेता चुने जाने के लिए न्यूनतम 10% सीटें या 25 सीटें प्राप्त करना अनिवार्य है।
 - राज्यसभा की कार्यवाही तीन सत्र में होती है-बजट, मानसून व शीत सत्र।
 - अनुच्छेद-249 के अनुसार, राज्यसूची पर कानून बनाने की संसदीय पहल राज्यसभा द्वारा ही की जा सकती है।
 - अनुच्छेद-312 के तहत राज्यसभा को अखिल भारतीय सेवा के सृजन का अधिकार है।
 - लोकसभा का अध्यक्ष अपना त्यागपत्र उपाध्यक्ष को देता है तथा उपाध्यक्ष अपना त्यागपत्र अध्यक्ष को देता है।
 - संसद के किसी सदस्य द्वारा बिल पेश किया जाता है तो उसे प्राइवेट बिल कहा जाता है।
 - अनुच्छेद 110 में धन विधेयक का उल्लेख किया गया है। जो राष्ट्रपति की पूर्वानुमति से पेश किया जाता है।
 - अनुच्छेद 112 में वार्षिक वित्तीय विवरण का प्रयोग किया गया है (बजट शब्द का प्रयोग संविधान में कहीं नहीं किया गया है)।
- DP Const. 2020**
- SSC GD-2023**
- विश्व में सर्वप्रथम बजट सन् 1772 इंग्लैण्ड में पेश किया गया।
 - भारत का पहला बजट वर्ष 1860 जेम्स विल्सन द्वारा पेश किया गया।
 - स्वतंत्र भारत का पहला बजट वर्ष 1947 षणमुखम चेट्टी द्वारा पेश किया गया।
 - इंदिरा गाँधी भारत की पहली महिला वित्त मंत्री थी।
 - गणतंत्र भारत का पहला बजट वर्ष 1950 जॉन मथाई द्वारा पेश किया गया।
 - भारत की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री **निर्मला सीतारमण** हैं।
 - लोकसभा में सबसे अधिक सीट राज्यों में उत्तर प्रदेश (80) तथा केन्द्रशासित प्रदेशों में दिल्ली (7) सीट है।
 - राज्यसभा में सबसे अधिक सीट राज्यों में उत्तर प्रदेश (31) तथा केन्द्रशासित प्रदेशों में दिल्ली (3) में है।
 - इंदिरा गांधी, एच.डी. देवगौड़ा, इन्द्र कुमार गुजराल तथा डॉ. मनमोहन सिंह ऐसे व्यक्ति हैं, जो राज्यसभा के सदस्य रहे और प्रधानमंत्री बने।
 - लोकसभा के सबसे लम्बे समय तक अध्यक्ष **बलराम जाखड़** रहे थे।
 - लोकसभा के एकमात्र अध्यक्ष, जो राष्ट्रपति बने **नीलम संजीव रेड्डी** थे।
 - लोकसभा के प्रथम दलित अध्यक्ष जी.एम.बालयोगी थे।
 - लोकसभा की प्रथम महिला अध्यक्ष मीरा कुमार थी।
 - वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला हैं।
- महत्वपूर्ण शब्दावली**
- **शून्यकाल:-** संसद के दोनों सदनों में प्रश्नकाल के ठीक बाद के काल को शून्यकाल कहा जाता है। यह 12 बजे प्रारम्भ होता है और 1 बजे तक चलता है।
 - **संसद का स्थगन:-** संसद के काम-काज को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया जाता है। यह कुछ घण्टे, दिन या सप्ताह का भी हो सकता है।
 - **अनुपूरक प्रश्न:-** सदन में किसी सदस्य द्वारा अध्यक्ष की अनुमति से किसी विषय जिसके संबंध में उत्तर दिया जा चुका हो, के स्पष्टीकरण हेतु अनुपूरक प्रश्न पूछने की अनुमति प्रदान की जाती है।

- ❑ **तारांकित प्रश्न:-** जिन प्रश्नों का उत्तर सदस्य तुरन्त चाहता है, उसे तारांकित प्रश्न कहते हैं। तारांकित प्रश्नों का उत्तर मौखिक दिया जाता है।
- ❑ **अतारांकित प्रश्न:-** जिन प्रश्नों का उत्तर सदस्य लिखित में चाहता है, उसे अतारांकित प्रश्न कहते हैं।
- ❑ **अल्पसूचना प्रश्न-** इनका संबंध लोकमहत्त्व के किसी तात्कालिक विषय से होता है, इनका उत्तर मौखिक दिया जाता है।
- ❑ **संचित निधि-** संविधान के अनुच्छेद-266 में संचित निधि का प्रावधान है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति तथा नियंत्रक महालेखा परीक्षक आदि का वेतन इसी निधि से दिया जाता है।
- ❑ **आकस्मिक निधि:-** संविधान के अनुच्छेद-267 के अनुसार भारत सरकार एक आकस्मिक निधि की स्थापना करेगी। संसद की स्वीकृति के बिना इस मद से धन नहीं निकाला जा सकता।
- ❑ **अविश्वास प्रस्ताव:-** यह सदन के विपक्षी दल के सदस्यों द्वारा लाया जाता है प्रस्ताव के पक्ष में कम से कम 50 सदस्यों का होना आवश्यक है या प्रस्ताव प्रस्तुत होने के बाद 10 दिन में इस पर चर्चा होनी आवश्यक है।
- ❑ **त्रिशंकु संसद:-** आम चुनाव में किसी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत न मिलने की स्थिति में त्रिशंकु संसद की रचना होती है।
- ❑ **गिलोटीन:-** किसी विधेयक पर विचार-विनिमय को शीघ्र समाप्त करने की प्रक्रिया गिलोटीन कहलाती है।
- ❑ **पुनरावलोकन का सिद्धांत:-** इसके अनुसार न्यायालय द्वारा यह निर्धारित किया जाता है कि कोई विशेष नियम संपूर्ण अर्थ में अथवा इसका कोई एक भाग असंवैधानिक है या नहीं।

संसद की वित्तीय समितियाँ

- ❑ **प्राक्कलन समिति:-** इस समिति में लोकसभा के 30 सदस्य होते हैं। इसमें राज्यसभा के सदस्यों को शामिल नहीं किया जाता।
- ❑ यह समिति वर्ष 1950 में बनी।
- ❑ इसके सदस्यों का कार्यकाल 1 वर्ष होता है।
- ❑ यह सरकारी मंत्रालय तथा सरकारी विभागों के कामकाज की जाँच करती है।
- ❑ समिति का अध्यक्ष लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत किया जाता है।
- ❑ यह समिति सरकारी खर्च में कैसे कमी लायी जाये, संगठन में कैसे कुशलता लायी जाये तथा प्रशासन में कैसे सुधार किया जाये आदि विषयों पर रिपोर्ट देती है।
- ❑ प्राक्कलन समिति के प्रतिवेदन पर सदन में बहस नहीं हो सकती।

लोक लेखा समिति

- ❑ इस समिति को प्राक्कलन समिति की 'जुडवाँ बहन' कहते हैं।
- ❑ इसमें 22 सदस्य होते हैं, जिसमें 15 सदस्य लोकसभा से व 7 सदस्य राज्यसभा से होते हैं।
- ❑ यह संसद की सबसे पुरानी समिति है। इसकी स्थापना वर्ष 1921 में हुई।
- ❑ इस समिति का कार्यकाल 1 वर्ष का होता है।
- ❑ इस समिति के अध्यक्ष को लोकसभा के अध्यक्ष के द्वारा मनोनीत किया जाता है।
- ❑ इस समिति का अध्यक्ष विपक्षी दल का नेता होता है।
- ❑ लोक लेखा समिति में राज्यसभा के सदस्यों को सह सदस्य माना जाता है तथा उन्हें मत देने का अधिकार नहीं होता है।

लोक लेखा समिति के कार्य

- ❑ यह समिति भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक द्वारा किये गये कार्यों की जांच करती है।
 - ❑ भारत सरकार द्वारा खर्च की गई राशियों के लेखाओं की जांच करती है।
 - ❑ संसद द्वारा किये गये अतिरिक्त व्यय की जांच करती है।
 - ❑ समिति राष्ट्रपति के वित्तीय मामलों की भी जांच करती है।
- नोट - लोक लेखा समिति अपना प्रतिवेदन लोकसभा को देती है, जिससे कि जो अनियमितताएँ उसके ध्यान में आई हैं उन पर संसद में बहस हो और उन पर प्रभावी कदम उठाये जा सकें।

प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्

- ❑ संविधान के अनुच्छेद-74 के अनुसार, राष्ट्रपति को उसके कार्यों में सलाह देने के लिए एक मंत्रिपरिषद् होती है, जिसका प्रधान प्रधानमंत्री होता है।
- ❑ संविधान के अनुच्छेद-75 के अनुसार प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है, तथा अन्य मंत्रियों की नियुक्ति राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की सलाह पर करता है।
- ❑ प्रधानमंत्री को शपथ राष्ट्रपति दिलाता है। मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से लोक सभा के प्रति उत्तरदायी होती है।
- ❑ मंत्री तीन प्रकार के होते हैं:-
 - 1- कैबिनेट मंत्री
 - 2- राज्य मंत्री
 - 3- उप मंत्री
- ❑ प्रधानमंत्री लोकसभा का नेता होता है, वह किसी भी समय लोकसभा को विघटित करने की सिफारिश राष्ट्रपति से कर सकते हैं।
- ❑ प्रधानमंत्री नीति आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद्, राष्ट्रीय एकता परिषद्, अंतर्राज्यीय परिषद् तथा राष्ट्रीय जल संसाधन परिषद् का अध्यक्ष होता है।
- ❑ अनुच्छेद-78 के अनुसार प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और मंत्रिपरिषद् के बीच संवाद की मुख्य कड़ी है।
- ❑ यदि प्रधानमंत्री की मृत्यु हो जाती है अथवा वह त्यागपत्र दे देता है, तो मंत्रिपरिषद् स्वतः ही विघटित हो जाती है और शून्यता उत्पन्न हो जाती है।
- ❑ राष्ट्रीय सुरक्षा समिति का प्रधान या अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है।
- ❑ वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद् का अध्यक्ष भारत का प्रधानमंत्री होता है।
- ❑ उप-प्रधानमंत्री पद का संविधान में उल्लेख नहीं किया गया।
- ❑ उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नई आर्थिक नीति को वर्ष 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के द्वारा घोषित किया गया।
- ❑ भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू थे, वे 16 साल, 9 महीने और 13 दिन तक अपने पद पर रहे। प्रधानमंत्रियों में सबसे लम्बा कार्यकाल उनका ही है।
- ❑ सबसे कम समय तक अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री रहे। (13 दिनों तक)
- ❑ दूसरे क्रम के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री थे।
- ❑ भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गाँधी थी। वह दो बार प्रधानमंत्री बनी, जब वह पहली बार प्रधानमंत्री बनी तो वह राज्यसभा की सदस्य थी।

- ❑ विश्वनाथ प्रताप सिंह ऐसे प्रधानमंत्री हुए हैं, जिन्हें उनके पद से अविश्वास प्रस्ताव द्वारा हटाया गया।
- ❑ जवाहर लाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री तथा श्रीमती इन्दिरा गाँधी तीनों की मृत्यु उनके कार्यकाल के दौरान हुई व लाल बहादुर शास्त्री की भारत के बाहर ताशकन्द में हुई।
- ❑ एच.डी. देवगौड़ा, ऐसों प्रधानमंत्री थे, जो पद ग्रहण करते समय विधानसभा के सदस्य थे।
- ❑ चौधरी चरण सिंह एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री हुए, जो कभी लोकसभा में उपस्थित नहीं हुए।
- ❑ सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री राजीव गाँधी बने। (40 वर्ष)
- ❑ कैबिनेट मंत्री में सबसे बड़ा कार्यकाल जगजीवन राम का रहा वह लगभग 32 वर्षों तक कैबिनेट मंत्री रहे।

भारत के प्रधानमंत्री एवं उनका कार्यकाल

क्र.सं.	नाम	कार्यकाल
1.	जवाहरलाल नेहरू	1947-1964
2.	गुलजारी लाल नन्दा	1964 (कार्यवाहक)
3.	लाल बहादुर शास्त्री	1964-1966
4.	गुलजारी लाल नन्दा	1966 (कार्यवाहक)
5.	इन्दिरा गाँधी	1966-1977
6.	मोरारजी देसाई	1977-1979
7.	चरण सिंह	1979-1980
8.	इन्दिरा गाँधी	1980-1984
9.	राजीव गाँधी	1984-1989
10.	विश्वनाथ प्रताप सिंह	1989-1990
11.	चन्द्रशेखर	1990-1991
12.	पी.वी. नरसिंह राव	1991-1996
13.	अटल बिहारी वाजपेयी	1996
14.	एच.डी. देवगौड़ा	1996-1997
15.	इन्द्रकुमार गुजराल	1997-1998
16.	अटल बिहारी वाजपेयी	1998-2004
17.	डॉ. मनमोहन सिंह	2004-2014
18.	नरेन्द्र मोदी	2014 से

- ❑ एशियाई खेल व पंचवर्षीय योजनाओं का जनक पंडित जवाहर लाल नेहरू को माना जाता है।
- ❑ वर्ष 1960 में भारत-पाक के मध्य सिंधु समझौता हुआ।
- ❑ यह समझौता विश्व बैंक द्वारा करवाया गया था।
- ❑ इंदिरा गाँधी पहली भारतीय महिला थी जिन्हें वर्ष 1971 में भारत रत्न मिला।
- ❑ गुलजारी लाल नन्दा भारत के प्रथम कार्यवाहक प्रधानमंत्री थे।
- ❑ इंदिरा गाँधी को **आयरन लेडी** के नाम से भी जाना जाता है इन्होंने वर्ष 1969 में 14 बैंको राष्ट्रीयकरण किया था।
- ❑ मोरारजी देसाई प्रथम गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे इन्हें पाकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान "निशान-ए-पाकिस्तान" दिया गया था।

आपात उपबंध

- ❑ भारतीय संविधान में तीन प्रकार के आपातकाल की व्यवस्था की गई है।
- राष्ट्रीय आपात (अनुच्छेद-352)**
- ❑ इसकी घोषणा युद्ध, बाहरी आक्रमण और सशस्त्र विद्रोह होने पर राष्ट्रपति द्वारा देश के किसी भाग या पूरे देश में की जाती है।
- ❑ 44वें संविधान संशोधन, 1978 में आंतरिक अशांति के स्थान पर सशस्त्र विद्रोह कर दिया गया।
- ❑ राष्ट्रीय आपात की घोषणा राष्ट्रपति मंत्रिमण्डल की लिखित सिफारिश पर करता है। राष्ट्रीय आपात की घोषणा को न्यायालय में प्रश्नगत किया जा सकता है।
- ❑ राष्ट्रीय आपात के समय हमारे मूल अधिकार निलम्बित हो जाते हैं परन्तु अपराध के लिए दोष सिद्धि के संबंध में संरक्षण का अधिकार (अनुच्छेद-20) तथा प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद-21) आपातकाल में भी प्रभावी रहते हैं।
- ❑ राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपात की घोषणा एक माह तक जारी रहती है। यदि संसद इसे 2/3 बहुमत से पारित कर दे तो यह 6 माह और बढ़ाई जा सकती है।
- ❑ आपातकाल में लोक सभा का कार्यकाल 1 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।
- ❑ सबसे पहले आपातकाल 26 अक्टूबर, 1962 को लगा जब चीन ने भारत पर आक्रमण किया था। (राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन)
- ❑ दूसरी बार आपातकाल पाकिस्तान के युद्ध के समय 3 दिसम्बर, 1971 ई. में लगा। (राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद)
- ❑ तीसरी बार राष्ट्रीय आपातकाल आन्तरिक गड़बड़ी के कारण 25 जून, 1975 को लगाया गया था। (राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद)

DP Const. 2020

राज्यों में राष्ट्रपति शासन (अनुच्छेद-356)

SSC MTS-2023

- ❑ यदि किसी राज्य का शासन संविधान के अनुसार नहीं चल रहा है, तो राष्ट्रपति उस राज्य के शासन को अपने हाथों में ले लेता है।
- ❑ राज्यों में आपातकाल की अवधि 2 माह की होती है। इससे अधिक समय के लिए संसद से अनुमति लेनी पड़ती है, तब यह 6 माह तक बढ़ाया जा सकता है।
- ❑ राज्यपाल, राष्ट्रपति शासन लगाने के लिए सिफारिश करता है।
- ❑ राष्ट्रपति शासन के दौरान राज्यपाल केन्द्र के अधिकारों के रूप में कार्य करता है।
- ❑ राज्यों में आपातकाल की अवधि अधिकतम 3 साल तक होती है।
- ❑ इससे अधिक के लिए संविधान में संशोधन करना पड़ेगा।
- ❑ सबसे पहले वर्ष 1951 में पंजाब में राष्ट्रपति शासन लगाया गया था।
- ❑ सर्वाधिक समय तक ऐसा आपातकाल जम्मू-कश्मीर में लगा था।
- ❑ भारत में सर्वाधिक मणिपुर में 10 बार राष्ट्रपति शासन लागू हुआ तथा छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में अभी तक एक बार भी राष्ट्रपति शासन नहीं लगा।
- वित्तीय आपातकाल (अनुच्छेद-360)**
- SSC MTS-2023
- ❑ यह आपातकाल तब लगाया जाता है, जब राष्ट्रपति को ऐसा विश्वास हो जाये कि देश की वित्तीय साख खतरे में है।

- वित्तीय आपातकाल की घोषणा को 2 महीने के भीतर संसद के दोनों सदनों से स्वीकृत कराना आवश्यक है। **DP Const. 2020**
- इस आपातकाल की अधिकतम समय सीमा निर्धारित नहीं की गई तथा यह भारत में अभी तक एक बार भी नहीं लगा है।

राज्य की कार्यपालिका

राज्यपाल

- भाग-VI, अध्याय-2, अनुच्छेद 153-161
- उपनाम - राज्य का प्रमुख/कार्यपालिका/संवैधानिक/नाममात्र का प्रमुख।
- **अनुच्छेद 153** - प्रत्येक राज्य का एक राज्यपाल होगा। सातवें संविधान संशोधन, 1956 में दो या दो से अधिक राज्यों के लिए एक राज्यपाल नियुक्त किया जाता है।
- भारतीय संविधान में राज्यपाल से जुड़े प्रावधान कनाडा से लिये गये हैं।
- **अनुच्छेद 154** - राज्य की कार्यपालिका शक्तियाँ राज्यपाल में निहित होंगी। जिसका प्रयोग राज्यपाल स्वयं अथवा अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से प्रयोग में लायेगा। **CHSL 2022**
- **अनुच्छेद 155** - राज्यपाल की नियुक्ति-राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षर व मुद्रा सहित एक अधिपत्र में जारी करके (ये अधिपत्र विधानसभा में मुख्य सचिव पढ़कर सुनायेगा।)
- **अनुच्छेद 156** - कार्यकाल - राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त

DP Const. 2020

- ✦ त्यागपत्र - राष्ट्रपति को
- ✦ राज्यपाल पद ग्रहण से 5 वर्ष तक कार्य करेगा।
- ✦ स्थानांतरण - राष्ट्रपति द्वारा
- संविधान में राज्यपाल को हटाना, पुनर्नियुक्ति आदि का वर्णन नहीं किया गया।
- **अनुच्छेद 157** - योग्यताएँ / अर्हताएँ
 - ✦ वह भारत का नागरिक हो
 - ✦ न्यूनतम आयु 35 वर्ष हो। **SSC MTS-2023**
 - ✦ राज्य विधानसभा का सदस्य चुने जाने योग्य हो।
- **अनुच्छेद 158** - शर्तें
 - ✦ राज्यपाल संसद या विधानमंडल के किसी भी सदन का सदस्य नहीं होगा।
 - ✦ किसी लाभ के पद पर नहीं होगा।
 - ✦ वेतन भत्ते राज्य की संचित निधि पर भारित होंगे। (पेंशन केंद्र की संचित निधि पर)
 - ✦ राज्यपाल का वेतन प्रतिमाह 3.50 लाख रुपये होता है।
- **अनुच्छेद 159** - शपथ
 - ✦ हाईकोर्ट के मुख्य जज की अनुपस्थिति में वरिष्ठतम जज के द्वारा
- **अनुच्छेद 161** - क्षमादान

नोट- राज्यपाल मृत्युदण्ड को माफ नहीं कर सकता।

- ✦ राष्ट्रपति एक ही व्यक्ति को एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल नियुक्त कर सकता है।
- ✦ **राज्यपाल की शक्तियाँ** - राज्यपाल निम्न नियुक्तियाँ करता है- मुख्यमंत्री व अन्य मंत्री, राज्य लोक सेवा आयोग अध्यक्ष व सदस्य,

राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष व सदस्य राज्य निर्वाचन आयोग, महाधि वक्ता, लोकायुक्त, राज्य मानवाधिकार आयोग व राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष व सदस्य राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति

- ✦ राज्यपाल विधानपरिषद् में 1/6 सदस्य मनोनीत करता है। जो **साहित्य, विज्ञान, कला, सहकारी आंदोलन व समाजसेवा** में हो।

SSC CHSL-2023

- ✦ राज्यपाल विधानमंडल के सत्र को आहूत करता है तथा दो सत्रों के मध्य 6 माह से अधिक अंतर नहीं होना चाहिए।
- ✦ अनुच्छेद 200 के तहत विधानमंडल द्वारा पारित विधेयक पर राज्यपाल निम्न निर्णय ले सकता है, सहमति दे सकता है, सहमति देने से मना कर सकता है, एक बार विधानमंडल में पुनर्विचार के लिए भेज सकता है, पुनर्विचार के बाद सहमति देने को बाध्य है।
- ✦ राष्ट्रपति के विचार के लिए विधेयक को आरक्षित रख सकता है।
- अनुच्छेद 202 में वार्षिक वित्तीय विवरण राज्यपाल के नाम से पेश होगा।
- **राज्यपाल निम्न के अध्यक्ष होते हैं-**
 1. इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की राज्य शाखा का
 2. राज्य सैनिक बोर्ड के अध्यक्ष
 3. स्काउट व गाइड के अध्यक्ष
 4. बाल कल्याण परिषद्

□ **राज्यपाल के कार्य निम्नलिखित हैं:-**

1. राज्यपाल मुख्यमंत्री तथा मुख्यमंत्री की सलाह से मंत्रिपरिषद् के सदस्यों की नियुक्ति करता है।
2. राज्यपाल मुख्यमंत्री को शपथ दिलाता है तथा मंत्रिपरिषद् के सदस्यों को मुख्यमंत्री की सलाह पर शपथ दिलाता है।
3. राज्यपाल राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति करता है।
4. संविधान के अनुच्छेद-217(1) के अनुसार राज्यपाल राष्ट्रपति को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति के संबंध में परामर्श दे सकता है।
5. अनुच्छेद-168 के अनुसार, राज्यपाल विधानमंडल का अभिन्न अंग है।
6. राज्यपाल विधानमंडल का सत्रावसान करता है तथा उसका विघटन करता है, राज्यपाल विधानसभा के अधिवेशन अथवा दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करता है।
7. राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयक राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद ही अधिनियम बन पाता है।
8. अनुच्छेद-213 के अनुसार, राज्यपाल अध्यादेश जारी कर सकता है। ऐसा अध्यादेश 6 सप्ताह के भीतर विधानमंडल द्वारा स्वीकृत होना आवश्यक है। यदि विधानमंडल 6 सप्ताह के भीतर उसे अपनी स्वीकृति नहीं देता है, तो उस अध्यादेश की वैधता समाप्त हो जाती है। **SSC CHSL-2023**

विधानमण्डल

- राज्य विधानमंडल का निर्माण विधानसभा, विधान परिषद् तथा राज्यपाल से मिलकर होता है।

विधानसभा

- ❑ इसका गठन अनुच्छेद-170 के अन्तर्गत किया जाता है।
- ❑ इसका कार्यकाल 5 वर्षों का होता है।
- ❑ विधानसभा के विधान सत्र की शुरुआत राज्यपाल करता है।
- ❑ विधानसभा का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष है।
- ❑ प्रत्येक राज्य की विधानसभा में कम से कम 60 और अधिक से अधिक 500 सदस्य होते हैं। (अनुच्छेद 170)
- अपवाद:- गोवा (40), मिजोरम (40) तथा सिक्किम (32) क्योंकि इनको अनुच्छेद-371 के तहत विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त है।
- ❑ (अनुच्छेद-332) के तहत अनुसूचित जातियों, तथा जनजातियों को विधानसभा में जनसंख्या के आधार पर आरक्षण दिया गया है।
- ❑ किसी विधेयक को धन विधेयक माना जाये अथवा नहीं, इसका निर्णय विधानसभा करती है।
- ❑ विधानसभा की गणपूर्ति या कोरम 1/10 होता है।
- ❑ वित्त विधेयक पहले विधानसभा में पेश किया जाता है। विधानपरिषद् सिर्फ इसे 14 दिनों तक रोक सकती है।
- ❑ सबसे अधिक विधानसभा की सीटें उत्तर प्रदेश राज्य में है तथा सबसे कम सिक्किम में है। उत्तर प्रदेश में इनकी संख्या 403 तथा सिक्किम में 32 है।

विधान परिषद्

- ❑ विधान परिषद् राज्य विधानमण्डल का उच्च सदन होता है।
- ❑ इसका गठन संविधान के अनुच्छेद-169 के तहत किया जाता है।
- ❑ विधान परिषद् वर्तमान में केवल 6 राज्यों में है।
 1. उत्तर प्रदेश
 2. कर्नाटक
 3. महाराष्ट्र
 4. बिहार
 5. आन्ध्र प्रदेश
 6. तेलंगाना
- ❑ विधान परिषद् का सदस्य बनने की आयु 30 वर्ष होती है।
- ❑ विधान परिषद् के सदस्य का कार्यकाल 6 वर्ष का होता है।
- ❑ विधान परिषद् के सदस्यों का निर्वाचन आनुपातिक प्रतिनिधित्व की एकल संक्रमणीय मत प्रणाली के द्वारा होता है।
- ❑ राज्यपाल विधान परिषद् में कुल 1/6 सदस्य को मनोनीत करता है। जो साहित्य, विज्ञान, कला, समाजसेवा तथा सहकारी आंदोलन से जुड़े लोग होते हैं।
- ❑ विधान परिषद् की बैठक की गणपूर्ति या कोरम में कम से कम 10% सदस्य होना चाहिए, परन्तु यह संख्या में 10 से कम नहीं होना चाहिए।

मुख्यमंत्री

- ❑ मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा अनुच्छेद-164 के तहत की जाती है।
- SSC CPO-2023**
- ❑ विधानसभा में बहुमत प्राप्त दल के नेता को राज्यपाल मुख्यमंत्री नियुक्त करता है।
 - ❑ मुख्यमंत्री तथा मंत्रियों को शपथ राज्यपाल दिलाता है।
 - ❑ मुख्यमंत्री अपना त्यागपत्र राज्यपाल को देता है।
 - ❑ यदि किसी दल को स्पष्ट बहुमत प्राप्त न हो तो राज्यपाल मुख्यमंत्री की नियुक्ति में अपने विवेकाधिकार का प्रयोग कर सकता है। ऐसी स्थिति में राज्यपाल सबसे बड़े दल के नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त कर सकता है।
 - नोट-** राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली तथा पुदुचेरी की विधानसभा के चुनाव

के बाद मुख्यमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है और मुख्यमंत्री राष्ट्रपति के प्रति उत्तरदायी होता है।

मुख्यमंत्री के कार्य

- ❑ मुख्यमंत्री, राज्य के प्रशासन का वास्तविक कार्यकारी होता है।
 - ❑ मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद् की बैठकों की अध्यक्षता करता है।
 - ❑ मंत्रियों की नियुक्ति के समय राज्यपाल को सलाह देना।
 - ❑ किसी भी मंत्री को त्यागपत्र के लिए कहना।
 - ❑ मंत्रियों के विभागों में फेर बदल करना।
 - ❑ विधानसभा सत्र को बुलाने व भंग करने में राज्यपाल को सलाह देना।
- ❑ मुख्यमंत्री निम्न निकायों का सदस्य होता है-
 1. नीति आयोग के अधिशासी परिषद्।
 2. राष्ट्रीय विकास परिषद्
 3. अंतर्राज्यीय परिषद्
 4. क्षेत्रीय परिषद्
 - ❑ मुख्यमंत्री निम्न निकायों का अध्यक्ष होता है-
 1. राज्य योजना बोर्ड
 2. CM सलाहकार परिषद्
 3. बीस सूत्री कार्यक्रम
 4. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
 5. राज्य निवेश मंडल

न्यायापालिका

- ❑ **उच्चतम न्यायालय:** भारत की न्याय व्यवस्था इकहरी और एकीकृत है, जिसमें सर्वोच्च शिखर पर भारत का उच्चतम न्यायालय है। उच्चतम न्यायालय दिल्ली में स्थित है।
 - ❑ उच्चतम न्यायालय की स्थापना गठन संबंधी शक्तियाँ भारतीय संसद को प्राप्त है।
 - ❑ उच्चतम न्यायालय का गठन 26 जनवरी, 1950 को हुआ था।
 - ❑ उच्चतम न्यायालय में एक मुख्य न्यायाधीश तथा तैतीस अन्य न्यायाधीश होते हैं। प्रारम्भ में इसमें एक मुख्य न्यायाधीश तथा सात अन्य न्यायाधीश होते थे।
 - ❑ वर्ष 2019 में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाकर 33 कर दी गयी।
 - ❑ उच्चतम न्यायालय का गठन संविधान के अनुच्छेद-124 के अन्तर्गत किया जाता है।
 - ❑ इन न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है। उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश अपने पद पर 65 वर्ष तक रह सकता है।
 - ❑ उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को कदाचार तथा असमर्थता के आधार पर संसद के प्रत्येक सदन में विशेष बहुमत पारित करके राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है।
- SSC CGL-2021**
- ❑ अनुच्छेद 126 - कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति
 - ❑ अनुच्छेद 127 - तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति
 - ❑ अनुच्छेद 128 - सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की नियुक्ति
 - ❑ अनुच्छेद 131 - सर्वोच्च न्यायालय के मूल क्षेत्राधिकार
- SSC CHSL-2023**
- ❑ उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश बनने की योग्यताएँ:-

- वह भारत का नागरिक हो।
- वह किसी उच्च न्यायालय अथवा दो या दो से अधिक न्यायालयों में लगातार कम-से-कम 5 वर्षों तक न्यायाधीश के रूप में कार्य कर चुका हो।

या

- किसी उच्च न्यायालय या न्यायालयों में लगातार 10 वर्षों तक अधिवक्ता रह चुका हो।

या

- राष्ट्रपति की नजर में कानून का उच्च कोटि का ज्ञाता हो।

- उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों को उसके पद की शपथ राष्ट्रपति दिलाता है।
- उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश रिटायर होने के बाद भारत के किसी भी न्यायालय में या किसी भी अधिकारी के सामने वकालत नहीं कर सकते हैं।
- मुख्य न्यायाधीश राष्ट्रपति की स्वीकृति लेकर दिल्ली के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान पर भी सर्वोच्च न्यायालय की बैठक बुला सकता है।
- अब तक हैदराबाद और श्रीनगर में इस प्रकार की बैठक आयोजित हो चुकी है।
- मुख्य न्यायाधीश का वेतन 2.80 लाख रुपये है तथा अन्य न्यायाधीशों का वेतन 2.50 लाख रुपये है। (अनुच्छेद 125)
- सर्वोच्च न्यायालय की विस्तृत शक्तियाँ अनुच्छेद-136 के अंतर्गत दी गयी हैं।
- भारत में सर्वोच्च न्यायालय के प्रथम न्यायाधीश हीरालाल जे. कनिया थे।
- उच्चतम न्यायालय में सबसे लम्बे समय तक मुख्य न्यायाधीश रहने वाले व्यक्ति वाई. वी. चन्द्रचूड़ थे।
- सबसे कम समय तक मुख्य न्यायाधीश रहने वाले व्यक्ति कमल नारायण सिंह थे।
- प्रथम दलित मुख्य न्यायाधीश के.जी. बालकृष्णन थे।
- फातिमा बीवी प्रथम महिला न्यायाधीश थीं। अभी तक महिला मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति उच्चतम न्यायालय में नहीं हुई है।

उच्चतम न्यायालय के कार्य

- यह देश का सबसे बड़ा अपीलीय न्यायालय है।
- दो या दो से अधिक राज्यों के बीच विवाद को सुलझाना।
- यह संविधान के अनुच्छेद-143 के अंतर्गत राष्ट्रपति को परामर्श दे सकता है, परन्तु इस परामर्श को मानना या न मानना राष्ट्रपति पर निर्भर होता है।
- उच्चतम न्यायालय अब तक पाँच बार राष्ट्रपति को परामर्श दे चुका है।
- संविधान के अनुच्छेद-137 के अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय अपने फैसले पर पुनर्विचार कर सकता है।

SSC CHSL-2023

- संविधान के अनुच्छेद-129 के अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय एक अभिलेख न्यायालय की भाँति कार्य करता है।

CHSL 2022

- संविधान के अनुच्छेद-32 के अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है। यह मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए 5 प्रकार की रिट जारी करता है।

- बन्दी प्रत्यक्षीकरण
- परमादेश
- उत्प्रेषण
- प्रतिषेध
- अधिकार पृच्छा

नोट:- जब भारतीय न्याय पद्धति में जनहित याचिका (PIL) लाया गया तब भारत के मुख्य न्यायाधीश P.N. भगवती थे।

PIL की अवधारणा अमेरिका से प्रेरित है।

(UPSI-2021)

उच्च न्यायालय

- संविधान के अनुच्छेद-214 के अंतर्गत प्रत्येक राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय होगा, परन्तु अनुच्छेद-231 के अंतर्गत एक ही उच्च न्यायालय दो या दो से अधिक राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों के लिए हो सकता है।
- वर्तमान में भारत में 25 उच्च न्यायालय हैं। केन्द्रशासित प्रदेशों में केवल दिल्ली में उच्च न्यायालय है। (जनवरी, 2025 तक)
- प्रत्येक उच्च न्यायालय का गठन एक मुख्य न्यायाधीश तथा अन्य न्यायाधीश से मिलकर किया जाता है।
- इनकी नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा होती है।
- भिन्न-भिन्न उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की संख्या अलग-अलग होती है।
- उच्च न्यायालयों में अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है। अतिरिक्त न्यायाधीश 2 वर्ष के लिये नियुक्त होते हैं।
- उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का वेतन 2.50 लाख तथा अन्य न्यायाधीशों का वेतन 2.25 लाख रुपये होता है।
- उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनने के लिए योग्यता:-
 - वह भारत का नागरिक हो।
 - कम से कम 10 वर्ष तक न्यायिक पद धारण कर चुका हो।

अथवा

- किसी उच्च न्यायालय या एक से अधिक न्यायालयों में लगातार 10 वर्षों तक अधिवक्ता रहा हो।
- उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को शपथ राज्यपाल दिलाता है। उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की अवकाश ग्रहण करने की अवधि 62 वर्ष है।
 - उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को उस प्रकार पद से हटाया जा सकता है, जिस प्रकार उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों को हटाते हैं।
 - उच्च न्यायालय की अधीक्षण शक्ति में सैन्य न्यायालय शामिल नहीं है।
 - राष्ट्रपति किसी भी उच्च न्यायालय में आवश्यकतानुसार न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि कर सकता है।
 - संविधान के अनुच्छेद-215 के अंतर्गत उच्च न्यायालय एक अभिलेख न्यायालय की भाँति कार्य करता है।
 - राष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का स्थानांतरण एक उच्च न्यायालय से दूसरे उच्च न्यायालय में कर सकता है।

SSC CHSL-2023

- अनुच्छेद 217- न्यायाधीशों की नियुक्ति
- उच्च न्यायालय एक अपीलीय न्यायालय है। इसके अंतर्गत आने वाले सभी अधीनस्थ न्यायालयों के विरुद्ध यह सुनवाई कर सकता है।
- अनुच्छेद 219- न्यायाधीशों की शपथ या प्रतिज्ञा
- भारत में सबसे पहले 1862 ई. में कलकत्ता, मुम्बई और मद्रास में उच्च न्यायालय की स्थापना हुई।
- अनुच्छेद-226 के अनुसार, उच्च न्यायालय 5 प्रकार की रिट जारी कर सकता है।

संयुक्त उच्च न्यायालय

- जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट - जम्मू-कश्मीर व लद्दाख
- पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट - पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़
- मुंबई हाईकोर्ट - महाराष्ट्र, गोवा, दादरा व नागर हवेली तथा दमन व दीव
- केरल हाईकोर्ट - केरल और लक्षद्वीप
- चेन्नई हाईकोर्ट - तमिलनाडु, पुदुचेरी
- कोलकाता हाईकोर्ट - पश्चिम बंगाल, अंडमान और निकोबार
- गुवाहाटी हाईकोर्ट - असम, नागालैंड, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश

अधीनस्थ न्यायालय

- संविधान के अनुच्छेद-233 से 237 तक अधीनस्थ एवं जिला न्यायालयों का प्रावधान किया गया है।
- जिला न्यायालय को दो भागों में, दीवानी न्यायालय तथा आपराधिक न्यायालय में बांटा गया है।
- जिला न्यायाधीश जब आपराधिक मामलों पर विचार करता है तो उसे सत्र न्यायाधीश कहते हैं और जब सिविल मामलों पर विचार करता है तब वह जिला न्यायाधीश कहलाता है।
- जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति उच्च न्यायालय के परामर्श से राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- जो व्यक्ति कम से कम 7 वर्ष तक किसी न्यायालय में लगातार अधिवक्ता रहा हो, उसे जिला न्यायाधीश नियुक्त किया जा सकता है।

पंचायती राज

- भारत में पंचायती राज का आरम्भ 2 अक्टूबर, 1959 को भारत के प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू द्वारा राजस्थान राज्य के नागौर जिले के बगदरी ग्राम पंचायत में हुआ।
- आन्ध्रप्रदेश में 11 अक्टूबर, 1959 को पंचायती राजव्यवस्था का गठन हुआ। पंचायती राजव्यवस्था को बलवंत राय मेहता समिति की सिफारिश पर लाया गया था, यह समिति 1957 ई. में गठित हुई।
- बलवंत राय मेहता समिति को पंचायती राज की जननी कहा जाता है।
- 73वाँ संविधान संशोधन पंचायती राज से संबंधित है।
- पंचायती राज का प्रावधान संविधान के भाग-9 के अनुच्छेद-243-243 O (ण) में किया गया है तथा अनुसूची-11 भी पंचायती राज से संबंधित है।

73वाँ संविधान संशोधन की मुख्य बातें:-

1. इसमें पंचायती राज के त्रिस्तरीय ढाँचे का प्रावधान किया गया है। ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, प्रखण्ड स्तर पर पंचायत समिति तथा जिला स्तर पर जिला परिषद के गठन की व्यवस्था की गयी है।
2. इसका कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया है।
3. महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण की व्यवस्था की गई।
4. पंचायत भंग होने पर 6 माह के अन्दर चुनाव कराना अनिवार्य है।

नोट- 73वाँ संविधान संशोधन के बाद पंचायती राज अधिनियम का निर्माण करने वाला प्रथम राज्य कर्नाटक है।

- **74वाँ संविधान संशोधन:-** यह संशोधन नगरपालिकाओं से संबंधित है। इसके द्वारा संविधान के भाग-9 (क), अनुच्छेद-243 P से 243 ZG तक एवं 12वीं अनुसूची का प्रावधान किया गया है। इसमें कुल 18 विषय दिये गये हैं।

- 74वाँ संविधान संशोधन की मुख्य बातें:- नगरपालिकाओं में महिलाओं के लिए 1/3 भाग स्थान आरक्षित है।
- नगरपालिकाओं में अनुसूचित जाति तथा जनजाति के लिए भी आरक्षण की व्यवस्था की गयी है।
- नगरीय संस्थाओं का कार्यकाल पाँच वर्ष का होगा। विघटन की स्थिति में छह माह के अन्दर चुनाव कराना अनिवार्य है।
- नगरपालिका तथा पंचायतों में पिछड़ी जाति के लिए आरक्षण की व्यवस्था नहीं है।
- पंचायत सदस्य की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होती है।
- PESA एक्ट दिलीप सिंह भूरिया समिति की सिफारिश पर 24 दिसंबर, 1996 को लागू हुआ।
- **पंचायतीराज से संबंधित समितियाँ-**
 1. बलवंत राय मेहता समिति 1957
 2. अशोक मेहता समिति 1977
 3. जी.वी.के. राव समिति 1985
 4. लक्ष्मी मल सिंघवी 1986
 5. पी.के. थुंगुन समिति 1989

निर्वाचन आयोग

- संविधान के भाग-15 के अनुच्छेद-324 से 329 तक, निर्वाचन से संबंधित उपबन्ध दिए गए हैं।
- निर्वाचन आयोग का गठन 25 जनवरी, 1950 को हुआ था। यह एक स्थायी संवैधानिक निकाय है।
- निर्वाचन आयोग का गठन मुख्य निर्वाचन आयुक्त व अन्य निर्वाचन आयुक्तों से मिलकर किया जाता है। इन सभी की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।
- मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक होता है।
- अन्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु पूरी होने तक होता है।
- पहले चुनाव आयोग एक सदस्य आयोग था, किन्तु 1989 में पहली बार तीन सदस्य आयोग बना तथा बीच में कुछ समय एक सदस्य आयोग रहने के बाद इसे दोबारा वर्ष 1993 में तीन सदस्य आयोग बना दिया।

प्रमुख क्षेत्रीय दल व उनका चुनाव चिह्न

दल	चुनाव चिह्न	राज्य
1. तेलगु देशम पार्टी	साइकिल	आंध्र प्रदेश
2. समाजवादी पार्टी	साइकिल	उत्तर प्रदेश
3. शिव सेना	तीर कमान	महाराष्ट्र
4. अकाली दल	तराजू	पंजाब
5. जनता दल यूनाइटेड	तीर	बिहार, झारखण्ड
6. मुस्लिम लीग	सीढ़ी	केरल
7. अन्ना द्रविड मुनेत्र कडगम	दो पत्ती	तमिलनाडु
8. लोक जन शक्ति पार्टी	बंगला	बिहार
9. राष्ट्रीय जनता दल	लालटेन	बिहार, झारखण्ड
10. नेशनल कॉन्फ्रेंस	हल	जम्मू-कश्मीर
11. झारखण्ड मुक्ति मोर्चा	तीर-कमान	झारखण्ड
12. द्रविड मुनेत्र कडगम	उगता सूरज	तमिलनाडु

राष्ट्रीय दल का दर्जा हासिल करने के लिए आवश्यक शर्तें-

- लोकसभा आम चुनाव अथवा राज्य विधानसभा चुनाव अथवा किन्हीं चार अथवा अधिक राज्यों में चुनाव में डाले गये वैध मतों का 6% प्राप्त करना जरूरी होगा।
- इसके अलावा किसी एक राज्य अथवा राज्यों से विधानसभा की कम से कम 4 सीटें जीतनी होंगी।

अथवा

- लोकसभा में 2% सीटें हो और ये कम से कम तीन विभिन्न राज्यों में हासिल की गई हो।

अथवा

- किसी दल को कम से कम 4 राज्य में राज्य स्तरीय दल का दर्जा प्राप्त हो।

वर्तमान में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दल

दल	चुनाव-चिह्न
भारतीय जनता पार्टी (1980)	कमल
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (1885)	हाथ का पंजा
बहुजन समाजवादी पार्टी 1984	हाथी
मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) (1964)	हंसिया व हथौड़ा, तारा
आम आदमी पार्टी (आप) (2012)	झाड़ू
नेशनल पीपल्स पार्टी (2013)	पुस्तक

- 61वें संविधान संशोधन, 1989 के द्वारा मतदान की आयु को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दिया गया।
- निर्वाचन आयोग द्वारा 1993 के चुनाव में जाली मतदान और कुछ मतदाता पर नियंत्रण रखने के लिए फोटो युक्त पहचान पत्र का प्रयोग किया गया।
- 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाला भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने का पात्र होता है और वह इसके लिए आवेदन कर सकता है।
- सबसे पहले परिसीमन के आधार पर कर्नाटक में चुनाव आयोजित किये गये थे।
- निर्वाचन आयोग संसद, राज्य विधानसभा, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव कराता है।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM)

- इसका सबसे पहले प्रयोग 1982 में केरल के पारूर विधानसभा क्षेत्रों में किया गया।
- 1999 में EVM का प्रयोग करके पूरा चुनाव करवाने वाला राज्य गोवा है।
- EVM का प्रयोग करके पहली बार 2004 में सम्पूर्ण आम चुनाव कराया गया।
- भारत के पहले निर्वाचन आयुक्त-सुकुमार सेन थे।
- वर्तमान निर्वाचन आयुक्त- राजीव कुमार (25th)
- देश की पहली महिला मुख्य चुनाव आयुक्त- वी.एस. रमा देवी

वित्त आयोग

- वित्त आयोग का गठन अनुच्छेद-280 के अन्तर्गत किया जाता है। वित्त आयोग का गठन राष्ट्रपति करता है।
- वित्त आयोग में राष्ट्रपति द्वारा एक अध्यक्ष व चार अन्य सदस्य नियुक्त किये जाते हैं।

- पहला वित्त आयोग 1951 में गठित हुआ, जिसके अध्यक्ष K.C. नियोगी थे।
- 15 वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एन.के. सिंह हैं। इस आयोग की सिफारिशों 1 अप्रैल 2020 से पाँच साल की अवधि के लिए होगी।
- राज्य वित्त आयोग का गठन अनुच्छेद-243 (I) के अन्तर्गत किया जाता है।
- वर्तमान में 16वें वित्त आयोग का गठन हो चुका है, जिसके अध्यक्ष अरविंद पनगडिया हैं। तथा इसका कार्यकाल 1 अप्रैल, 2026 से प्रारंभ होकर 5 वर्षों की अवधि तक होगा।
- वित्त आयोग के कार्य - केन्द्र व राज्यों के बीच विभाजित किये जाने वाले करों के शुद्ध आगमों का वितरण व आवंटन।

लोक सेवा आयोग

- लोक सेवा आयोग की स्थापना वर्ष 1926 में की गई।
- लोक सेवा आयोग की स्थापना के लिए 1924 ई. में विधि आयोग ने सिफारिश की थी।
- लोक सेवा आयोग में 1 अध्यक्ष के अतिरिक्त 10 अन्य सदस्य होते हैं।
- संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।
- संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या निर्धारित करने की शक्ति राष्ट्रपति को है।
- संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक (जो भी पहले हो) के लिए की जाती है।

DP Const. 2020

- राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल करता है, परन्तु इन्हें पद से हटाने का अधिकार राष्ट्रपति को है।
- राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु तक होता है।
- संयुक्त लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग

- वर्ष 1992 में पारित अधिनियम के तहत प्रथम अल्पसंख्यक आयोग का गठन वर्ष 1993 में किया गया।
- यह एक सांविधिक निकाय है।
- समुदायों को देश में अल्पसंख्यक का दर्जा दिया गया है-सिख, इसाई, पारसी, बौद्ध, मुस्लिम और जैन (जैन समुदाय को 2014 में अल्पसंख्यक का दर्जा दिया गया)
- देश की जनसंख्या में इनका हिस्सा लगभग 19.50 प्रतिशत है।
- इसमें एक अध्यक्ष एक उपाध्यक्ष और पाँच अन्य सदस्य होते हैं।
- राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के प्रथम अध्यक्ष मौ. सरदार अली खान थे।
- वर्तमान में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा हैं।

अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग

- संविधान के अनुच्छेद-340 के तहत राज्य को अन्य पिछड़े वर्ग के विकास के लिए प्रयासरत रहने का आह्वान किया गया है।
- जनवरी, 1953 को काका कालेलकर की अध्यक्षता में प्रथम अन्य पिछड़े वर्ग आयोग का गठन किया गया।

- द्वितीय अन्य पिछड़े वर्ग आयोग का गठन बी. पी. मण्डल की अध्यक्षता 01 जनवरी, 1979 को किया गया। इसने ओ.बी.सी. के लिए सरकारी सेवाओं में 27% आरक्षण की सिफारिश की थी।
- वर्ष 1993 को अन्य पिछड़ा वर्ग के स्थायी आयोग का गठन किया गया।
- कार्यकाल तीन वर्ष का होता है।
- 102वां संविधान संशोधन अधिनियम, 2018 राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान करता है।
- इस संशोधन के तहत संविधान में अनुच्छेद 338 (b) जोड़ा गया।

अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति आयोग

- सामाजिक, आर्थिक रूप से पिछड़े अनुसूचित जाति (अनुच्छेद-338) और अनुसूचित जनजाति (अनुच्छेद-338क) के नागरिकों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति का आंकलन और विकास के लिए सलाह देने के लिए गठित किया गया है।
- वर्ष 2004 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग गठित हुआ।
- इसका कार्यकाल तीन वर्ष का होता है।

नीति आयोग

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2014 को लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र के नाम अपने सम्बोधन में योजना आयोग के नाम पर एक नयी संस्था लाने की घोषणा की।
- 1 जनवरी, 2015 को एक नयी संस्था जिसे राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान (NITI) कहा गया अस्तित्व में आयी, आमतौर पर इसे नीति आयोग कहा जाता है। (SSC CHSL 2022)
- इसका अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है और यह आयोग केन्द्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकार के लिए भी नीतियों का निर्माण करता है।
- यह योजना के निर्माण में सरकार को सलाह देगा।
- नीति आयोग सरकार के थिंक टैंक के रूप में कार्य करता है।
- नीति आयोग के प्रथम सचिव- सिंधु श्री खुल्लर
- नीति आयोग के प्रथम उपाध्यक्ष अरविन्द पनगडिया थे।
- वर्तमान में नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी हैं।
- वर्तमान में नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) श्री बी.वी. आर सुब्रमण्यम हैं।
- योजना आयोग की स्थापना 15 मार्च, 1950 को हुई थी।
- जवाहर लाल नेहरू योजना आयोग के प्रथम अध्यक्ष थे।
- योजना आयोग का स्थान अब नीति आयोग ने ले लिया है।
- योजना आयोग के प्रथम उपाध्यक्ष - गुलजारी लाल नंदा थे।

राष्ट्रीय विकास परिषद

- राष्ट्रीय विकास परिषद् का गठन 6 अगस्त, 1952 को हुआ था।
- इसका अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है तथा सभी राज्यों के मुख्यमंत्री इसके सदस्य होते हैं।
- राष्ट्रीय विकास परिषद् का मुख्य कार्य केन्द्र व राज्य सरकार और नीति आयोग के बीच सेतु की तरह कार्य करना होता है।

अन्तर्राज्यीय परिषद

- अनुच्छेद-263 के अन्तर्गत केन्द्र व राज्य के बीच तालमेल स्थापित करने हेतु राष्ट्रपति एक अन्तर्राज्यीय परिषद् की स्थापना कर सकता है।

- पहली बार जून, 1990 में अन्तर्राज्यीय परिषद् की स्थापना हुई। अन्तर्राज्यीय परिषद् की पहली बैठक 10 अक्टूबर, 1990 को हुई।
- प्रधानमंत्री तथा उनके द्वारा मनोनीत छह कैबिनेट स्तर के मंत्री, सभी राज्यों व संघ राज्य क्षेत्रों के मुख्यमंत्री (दिल्ली, पुदुचेरी, जम्मू कश्मीर) एवं संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासक इसके सदस्य होते हैं।
- यह एक संवैधानिक निकाय है।
- अन्तर्राज्यीय परिषद् की बैठक वर्ष में 3 बार की जायेगी, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करेगा। इस बैठक में कम से कम 10 सदस्य होने अनिवार्य है।

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

- इसकी स्थापना वर्ष 1964 में की गयी थी। इसके प्रथम अध्यक्ष निट्टूर श्री निवास राव थे।
- यह आयोग भारत सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों से सम्बन्धित भ्रष्टाचार नियंत्रण की सर्वोच्च संस्था है।
- संसद द्वारा अधिनियमित केन्द्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003 के द्वारा इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया।
- आयोग में एक अध्यक्ष व दो सतर्कता आयुक्त होते हैं, जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।

- इनका कार्यकाल 4 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक (जो भी पहले हो), होता है।

- वर्तमान अध्यक्ष - ए.एस. राजीव

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

- संयुक्त राष्ट्र द्वारा मानवाधिकार घोषणा 10 दिसम्बर 1948 में की गयी थी। इसलिए 10 दिसम्बर को प्रतिवर्ष अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है।
- राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की स्थापना 12 अक्टूबर, 1993 को मानव अधिकार रक्षा अधिनियम, 1993 के तहत की गयी थी।

DP Const. 2020

- यह आयोग देश में मानव अधिकारों की रक्षा के लिए स्वायत्त तथा स्वतंत्र निकाय की तरह कार्य करता है।
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष को शपथ राष्ट्रपति द्वारा दिलायी जाती है।
- आयोग का अध्यक्ष वही व्यक्ति होता है, जो सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश रह चुका हो।
- आयोग में सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा 6 सदस्य समिति की सिफारिश के आधार पर की जाती है।
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के प्रथम अध्यक्ष न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्रा थे।
- यह सांविधिक या वैधानिक संस्था है।
- इसके अध्यक्ष का कार्यकाल 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु (जो भी पहले हो) तक होता है।
- वर्तमान अध्यक्ष - न्यायमूर्ति वी.आर. सुब्रमण्यम

सूचना आयोग

- 15 जून, 2005 को राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम आजाद ने सूचना के अधिकार पर हस्ताक्षर किए। (SSC Steno 2022)
- इसके बाद 12 अक्टूबर, 2005 में सूचना का अधिकार अधिनियम लागू हुआ।

- इस आयोग का मुख्यालय नई दिल्ली में है।
- राष्ट्रपति मुख्य सूचना आयुक्त तथा अन्य सूचना आयुक्तों की नियुक्ति करता है।
- इन सभी का कार्यकाल केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है।
- प्रथम मुख्य सूचना आयुक्त वजाहत हबीबुल्ला थे।
- सूचना के अधिकार के तहत नागरिक को सरकारी या अर्द्ध-सरकारी संगठन/संस्था से सूचना प्राप्त करने का वैधानिक अधिकार है। आवेदन प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर सूचना प्रदान करना बाध्यकारी है। यदि मामला जीवन या मानवाधिकार का है तो सूचना 48 घण्टों के भीतर प्राप्त करने का अधिकार है।
- मुख्य सूचना आयुक्त - हीरालाल समारिया

राष्ट्रीय महिला आयोग

- राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन 31 जनवरी, 1992 में किया गया।
- संविधान और विधि के अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा करना इसका प्रमुख कार्य है।
- अध्यक्ष का कार्यकाल 3 वर्ष का होता है।
- इसकी प्रथम अध्यक्ष जयन्ती पटनायक थी।
- वर्तमान में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया कुमारी रहाटकर है।

लोकपाल और लोकायुक्त

- 17 दिसम्बर को संसद ने लोकपाल और लोकायुक्त बिल 2013 पारित कर दिया। तात्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने 01 जनवरी, 2014 को इस ऐतिहासिक बिल पर हस्ताक्षर करके इसे अधिनियम बना दिया।
- **बिल की पृष्ठभूमि:-** लोकपाल शब्द की रचना वर्ष 1963 में लक्ष्मील सिंघवी ने की थी। वर्ष 1966 में मोरारजी देसाई की अध्यक्षता में गठित प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग ने लोकपाल के गठन की सिफारिश की थी। सर्वप्रथम वर्ष 1968 में लोकपाल को संसद में प्रस्तुत किया गया। इसके बाद संसद में कई बार लोकपाल विधेयक प्रस्तुत किया गया और 11वीं बार 2013 में संसद में विधेयक प्रस्तुत हुआ। 01 जनवरी, 2014 को राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने बिल पर हस्ताक्षर करके इसे कानून बना दिया।
- लोकायुक्त संस्था की स्थापना सर्वप्रथम महाराष्ट्र में 25 अक्टूबर, 1972 को लागू की गयी।
- लोकपाल और लोकायुक्त बिल 2013: इस बिल के ड्राफ्ट को लोकसभा में मनु सिंघवी कमेटी ने तैयार किया। राज्यसभा में लोकपाल पर संशोधन के लिए सत्यव्रत चर्तुवेदी कमेटी का गठन किया गया।
- संरचना: लोकपाल और अधिकतम आठ सदस्य इस आयोग के सदस्य होंगे, जिनमें से चार सदस्य न्यायिक पृष्ठभूमि के होंगे और अन्य चार सदस्यों में 50 % अल्पसंख्यक, ओ.बी.सी., महिला, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के होंगे।
- जस्टिस पिनार्की चंद्र घोष लोकपाल समिति के पहले अध्यक्ष नियुक्त किये गये हैं। राष्ट्रपति ने इन्हें शपथ ग्रहण करायी है। पद ग्रहण करने से पूर्व वह मानवाधिकार आयोग के सदस्य थे।
- **अध्यक्ष के लिए अर्हता निम्न हैं:-** भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश या फिर सुप्रीम कोर्ट का रिटायर्ड न्यायाधीश या ऐसा गणमान्य व्यक्ति जिसे भ्रष्टाचार विरुद्ध मामलों में कम से कम 25 वर्षों का अनुभव रहा हो।

- चेयरमैन और सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष या 70 वर्ष आयु पूर्ण करने तक होता है।
- इन सदस्यों का चुनाव प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली पाँच सदस्यीय कमेटी करेगी।
- लोकपाल की जाँच के दायरे में मामूली सरकारी कर्मचारी से लेकर कुछ सुरक्षा उपायों के साथ प्रधानमंत्री और पूर्व प्रधानमंत्री का पद भी शामिल है।
- कोई भी व्यक्ति लोकपाल से शिकायत कर सकता है। शिकायत कैसे हो, ये लोकपाल तय करेगा।
- भ्रष्टाचार के मामले में लोकपाल खुद संज्ञान ले सकता है। भ्रष्टाचार के मामले में दो से दस साल की सजा संभव है।
- लोकपाल की अवधारणा सबसे पहले 1809 में स्वीडन में आई थी।
- संवैधानिक लोकपाल की अवधारणा को सबसे पहले 1960 में विधि मंत्री अशोक कुमार सेन ने संसद में पेश किया था।

संविधान के कुछ महत्वपूर्ण अनुच्छेद

अनुच्छेद	विषय
अनुच्छेद 1	भारत राज्यों का संघ (Union) होगा।
अनुच्छेद 3	संसद द्वारा किसी राज्य का नाम तथा नये राज्यों का गठन व इनकी सीमा तथा नामों में परिवर्तन भी कर सकती है।
अनुच्छेद 5	नागरिकता
अनुच्छेद 20	अपराधों के लिए दोष सिद्धि के संबंध में संरक्षण
अनुच्छेद 21	प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण
अनुच्छेद 21 (क)	प्रारंभिक शिक्षा का अधिकार
अनुच्छेद 22	कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण
अनुच्छेद 23	मानव के दुर्व्यापार (मानव तस्करी) और बलात् श्रम का निषेध।
अनुच्छेद 26	धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता
अनुच्छेद 29	अल्पसंख्यक वर्गों के हितों का संरक्षण
अनुच्छेद 30	शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक वर्गों का अधिकार
अनुच्छेद 32	संवैधानिक उपचारों का अधिकार
अनुच्छेद 33	संसद द्वारा सशस्त्र बलों, पुलिस बलों आदि के सदस्यों के मूल अधिकारों पर युक्तियुक्त प्रतिबंध
अनुच्छेद 34	जब किसी क्षेत्र में सेना विधि प्रवृत्त है तब इस भाग द्वारा प्रदत्त अधिकारों पर निर्बन्धन
अनुच्छेद 35	इस भाग के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए विधान
अनुच्छेद 38	राज्य लोक कल्याण की अभिवृद्धि के लिये सामाजिक व्यवस्था बनाएगा
अनुच्छेद 50	कार्यपालिका से न्यायपालिका का पृथक्करण।
अनुच्छेद 51	अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि।
अनुच्छेद 54	राष्ट्रपति का निर्वाचन
अनुच्छेद 60	राष्ट्रपति द्वारा शपथ प्रतिज्ञान
अनुच्छेद 64	उपराष्ट्रपति का राज्यसभा का पदेन सभापति होना।
अनुच्छेद 66	उपराष्ट्रपति का निर्वाचन

अनुच्छेद 67	उपराष्ट्रपति की पदावधि
अनुच्छेद 69	उपराष्ट्रपति द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
अनुच्छेद 72	राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति
अनुच्छेद 76	भारत का महान्यायवादी
अनुच्छेद 77	भारत सरकार के कार्य का संचालन
अनुच्छेद 79	संसद
अनुच्छेद 80	राज्यसभा की संरचना
अनुच्छेद 81	लोकसभा की संरचना
अनुच्छेद 82	प्रत्येक जनगणना के पश्चात पुनः समायोजन
अनुच्छेद 83	संसद के दोनों सदनों की अवधि
अनुच्छेद 84	संसद की सदस्यता के लिए योग्यता
अनुच्छेद 85	संसद का सत्र, सत्रवसान और विघटन
अनुच्छेद 87	राष्ट्रपति का विशेष अभिभाषण
अनुच्छेद 89	राज्यसभा के सभापति तथा उपसभापति
अनुच्छेद 93	लोकसभा का अध्यक्ष और उपाध्यक्ष
अनुच्छेद 98	संसद का सचिवालय
अनुच्छेद 106	संसद सदस्यों के वेतन और भत्ते
अनुच्छेद 110	धन विधेयक की परिभाषा
अनुच्छेद 112	वार्षिक वित्तीय विवरण
अनुच्छेद 117	वित्त विधेयकों के बारे में विशेष उपबंध
अनुच्छेद 120	संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा
अनुच्छेद 123	राष्ट्रपति की अध्यादेश शक्ति
अनुच्छेद 124	उच्चतम न्यायालय की स्थापना और गठन
अनुच्छेद 129	उच्चतम न्यायालय का अभिलेख न्यायालय होना
अनुच्छेद 137	निर्णयों या आदेशों का उच्चतम न्यायालय द्वारा पुनर्विलोकन
अनुच्छेद 143	उच्चतम न्यायालय से परामर्श करने की राष्ट्रपति की शक्ति
अनुच्छेद 148	भारत का नियंत्रक-महालेखा परीक्षक
अनुच्छेद 155	राज्यपाल की नियुक्ति
अनुच्छेद 161	राज्यपाल की क्षमादान शक्तियाँ
अनुच्छेद 163	राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद्
अनुच्छेद 165	राज्य का महाधिवक्ता
अनुच्छेद 168	राज्यों के विधानमंडलों का गठन
अनुच्छेद 169	राज्यों में विधान परिषदों का उत्सादन या सृजन
अनुच्छेद 170	राज्य विधानसभाओं की संरचना
अनुच्छेद 178	विधानसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष
अनुच्छेद 182	विधान परिषद् का सभापति और उपसभापति
अनुच्छेद 214	राज्यों के लिए उच्च न्यायालय
अनुच्छेद 215	उच्च न्यायालय का अभिलेख न्यायालय होना
अनुच्छेद 226	उच्च न्यायालय द्वारा रिट जारी करना।
अनुच्छेद 231	दो या अधिक राज्यों के लिए एक ही उच्च न्यायालय की स्थापना

अनुच्छेद 239	संघ राज्यक्षेत्रों का प्रशासन
अनुच्छेद 239 (क क)	दिल्ली के संबंध में विशेष उपबंध
अनुच्छेद 243 (क)	ग्राम सभा
अनुच्छेद 243 (ख)	पंचायतों का गठन
अनुच्छेद 243 (थ)	नगरपालिकाओं का गठन
अनुच्छेद 244	अनुसूचित क्षेत्रों और जनजाति क्षेत्रों का प्रशासन
अनुच्छेद 249	राज्य सूची के विषय के संबंध में राष्ट्रहित में विधि बनाने की संसद की शक्ति।
अनुच्छेद 262	अन्तर्राज्यीय नदियों या नदी-दूनों के जल संबंधी विवादों का न्याय निर्णयन
अनुच्छेद 263	अन्तर्राज्यीय परिषद् के संबंध में उपबंध
अनुच्छेद 266	भारत और राज्यों की संचित निधियाँ और लोक लेखे
अनुच्छेद 267	आकस्मिकता निधि
अनुच्छेद 315	संघ और राज्यों के लिए लोक सेवा आयोग
अनुच्छेद 329	निर्वाचन संबंधी मामलों में न्यायालयों के हस्तक्षेप का वर्णन
अनुच्छेद 330	लोकसभा में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए स्थानों का आरक्षण
अनुच्छेद 331	लोकसभा में आंग्ल-भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व
अनुच्छेद 332	राज्यों की विधानसभाओं में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए स्थानों का आरक्षण
अनुच्छेद 333	राज्यों की विधानसभाओं में आंग्ल-भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व
अनुच्छेद 339	अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन और अनुसूचित जातियों के कल्याण के बारे में संघ का नियंत्रण
अनुच्छेद 340	पिछड़े वर्गों की दशाओं के अन्वेषण के लिए आयोग की नियुक्ति
अनुच्छेद 341	अनुसूचित जातियाँ
अनुच्छेद 342	अनुसूचित जनजातियाँ
अनुच्छेद 343	संघ की राजभाषा
अनुच्छेद 345	राज्य की राजभाषा या राजभाषाएँ
अनुच्छेद 346	एक राज्य और दूसरे राज्यों के बीच या राज्य और संघ राज्यों के बीच पत्रादि की भाषा
अनुच्छेद 351	हिन्दी भाषा के विकास के लिए निर्देश
अनुच्छेद 352	राष्ट्रीय आपातकाल
अनुच्छेद 356	राज्य आपातकाल
अनुच्छेद 360	वित्तीय आपातकाल
अनुच्छेद 368	संविधान का संशोधन करने की संसद की शक्ति और उसके लिए प्रक्रिया
अनुच्छेद 393	भारतीय संविधान का संक्षिप्त नाम

प्रमुख संविधान संशोधन

- ❑ **प्रथम संविधान संशोधन, 1951:** इस संशोधन से संविधान में 9वीं अनुसूची जोड़ी गई। भूमि संबंधी विधियों को संरक्षण प्रदान किया गया।
 - ❖ अनुच्छेद 15 (4) जोड़ा गया।
- ❑ **7वाँ संविधान संशोधन, 1956:** इस संशोधन द्वारा भाषाई आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किया गया।
- ❑ **12वाँ संविधान संशोधन, 1962:** गोवा, दमन और दीव भारतीय संघ में शामिल।
- ❑ **14वाँ संविधान संशोधन, 1962:** फ्रांसीसी आधिपत्य वाले पुदुचेरी को भारत का अंग बना दिया।
- ❑ **21वाँ संविधान संशोधन, 1967:** अनुसूची 8 में सिंधी भाषा को 15वीं भाषा के रूप में जोड़ा गया।
- ❑ **24वाँ संविधान संशोधन, 1971:** संसद को मौलिक अधिकारों सहित संविधान के किसी भी भाग में संशोधन का अधिकार दिया गया।
- ❑ **26वाँ संविधान संशोधन, 1971:** राजाओं के प्रिवीपर्स और विशेषाधिकार समाप्त।
- ❑ **27वाँ संविधान संशोधन, 1971:** पूर्वोत्तर राज्यों का पुनर्गठन।
- ❑ **31वाँ संविधान संशोधन, 1973:** लोकसभा की 525 सदस्य संख्या को बढ़ाकर 545 कर दिया।
- ❑ **35वाँ संविधान संशोधन, 1974:** सिक्किम को सहराज्य के रूप में भारत में शामिल किया।
- ❑ **42वाँ संविधान संशोधन, 1976:** इस संशोधन से संविधान की प्रस्तावना में 3 शब्द जोड़े गये समाजवादी, धर्मनिरपेक्षता एवं अखण्डता।

DP Const. 2020

- ❖ नीति निर्देशक तत्वों को मूल अधिकारों पर सर्वोच्चता दी गई।
- ❖ संविधान के भाग 4(क) में 10 मौलिक कर्तव्य जोड़े गये।
- ❖ लोकसभा व विधानसभा के कार्यकाल को 5 वर्ष से 6 वर्ष कर दिया गया।
- ❖ इसके द्वारा वन सम्पदा, शिक्षा तथा जनसंख्या नियंत्रण आदि विषयों को राज्य सूची से समवर्ती सूची में लाया गया। (UPSI-2021)
- ❑ **44वाँ संविधान संशोधन, 1978:** इसके द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकार से हटाकर कानूनी अधिकार बना दिया।
 - ❖ राष्ट्रीय आपात की उद्घोषणा का आधार आंतरिक अशांति के स्थान पर सशस्त्र विद्रोह किया गया।
 - ❖ लोकसभा व विधानसभा का कार्यकाल पुनः 6 वर्ष से 5 वर्ष कर दिया गया।
- ❑ **52वाँ संविधान संशोधन, 1985:** दलबदल विरोधी प्रावधान (अनुसूची-10 जोड़ी) गयी।
 - ❖ अनुच्छेद 101, 102, 190 तथा 191 में संशोधन किया गया।
- ❑ **61वाँ संविधान संशोधन, 1989:** इसके द्वारा मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी गई। (SSC CHSL-2023)
 - ❖ अनुच्छेद 326 में संशोधन हुआ।
- ❑ **69वाँ संविधान संशोधन, 1991:** दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र NCR का दर्जा दिया गया।

- ❑ **70वाँ संविधान संशोधन, 1992:** दिल्ली तथा पुदुचेरी विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों को राष्ट्रपति के निर्वाचन मण्डल में शामिल किया गया।
- ❑ **71वाँ संविधान संशोधन, 1992:** 8वीं अनुसूची में 3 भाषा कोंकणी, मणिपुरी तथा नेपाली को जोड़ा गया।
- ❑ **73वाँ संविधान संशोधन, 1993:** पंचायती राज की व्यवस्था तथा 11वीं अनुसूची जोड़ी गयी।
- ❑ **74वाँ संविधान संशोधन, 1993:** नगर निकाय संबंधी 12वीं अनुसूची जोड़ी।
- ❑ **84वाँ संविधान संशोधन, 2001:** लोकसभा तथा विधानसभाओं की सीटों की संख्या में वर्ष 2026 तक कोई परिवर्तन न करने का प्रावधान किया गया।
- ❑ **86वाँ संविधान संशोधन, 2002:** 6 से 14 वर्ष के बच्चों को निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा। अनिवार्य शिक्षा को मौलिक आधार के रूप में मान्यता दी गई। (SSC CHSL-2023)
- ❑ **91वाँ संविधान संशोधन, 2003:** इसके अनुसार मंत्रीपरिषद में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की संख्या सदन की कुल सदस्य संख्या के 15% से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- ❑ **92वाँ संविधान संशोधन, 2003:** संविधान की 8वीं अनुसूची में बोडो, डोगरी, मैथिली एवं संथाली भाषा को शामिल किया गया। अब इस अनुसूची में 22 भाषाएँ हो गयी हैं।
- ❑ **93वाँ संविधान संशोधन, 2005:** शिक्षण संस्थाओं में आरक्षण अनुच्छेद-15 की धारा-4 के प्रावधानों के तहत किया गया है।
- ❑ **95वाँ संविधान संशोधन, 2010:** लोकसभा में अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए सीटों का आरक्षण बढ़ाया गया।
- ❑ **96वाँ संविधान संशोधन, 2011:** उड़िया भाषा का नाम बदलकर ओड़िया कर दिया गया।
- ❑ **97वाँ संविधान संशोधन, 2011:** संविधान में नया भाग 9(ख) जोड़ा गया जिसका नाम सहकारी समितियाँ है। (UPSI-2021)
- ❑ **99वाँ संविधान संशोधन, 2014:** राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग का गठन, सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2015 में इसे रद्द कर दिया।
- ❑ **100वाँ संविधान संशोधन, 2015:** भारत-बांग्लादेश के मध्य भूमि सीमा समझौता किया गया। (SSC CGL-2022)
- ❑ **101वाँ संविधान संशोधन, 2016:** वस्तु एवं सेवा कर (GST) को लागू करने हेतु।
- ❑ **103वाँ संविधान संशोधन, 2019:** आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को 10% आरक्षण। (DP Const. 2020)
- ❑ **104वाँ संविधान संशोधन, 2019:** इसके तहत अनुच्छेद 334 में संशोधन किया जिसमें अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए लोकसभा तथा विधानसभा में आरक्षण 10 साल तक बढ़ा दिया गया तथा आंग्ल भारतीयों की नियुक्ति को रद्द कर दिया गया।
- ❑ **105वाँ संविधान संशोधन, 2021:** इसके तहत सर्वोच्च न्यायालय के मराठा आरक्षण पर दिये गये निर्णय का प्रभाव समाप्त करके राज्य की अपनी ओबीसी सूची बनाने की शक्ति को बहाल किया।

भारतीय अर्थव्यवस्था

अर्थशास्त्र (Economics)

- यह मानव की आर्थिक गतिविधियों का अध्ययन करता है, जिसमें उसके आर्थिक लाभ तथा आर्थिक हानि शामिल होते हैं।
- अर्थशास्त्र के जनक एडम स्मिथ ने वर्ष 1776 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'वेल्थ ऑफ नेशंस' में अर्थशास्त्र को 'धन का विज्ञान' कहा है।

SSC MTS- 2017 & UP TGT- 2019

- जब किसी देश को उसकी समस्त आर्थिक क्रियाओं के सन्दर्भ में परिभाषित करते हैं, तो उसे अर्थव्यवस्था कहते हैं।
- इसका वर्गीकरण निम्न श्रेणियों में किया जा सकता है।
- **पूँजीवादी अर्थव्यवस्था (Capitalist Economy):** इस अर्थव्यवस्था में क्या उत्पादन करना है, कितना करना है तथा उसे किस कीमत पर बेचना है, यह सब बाजार तय करता है, इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं होती।
- **समाजवादी अर्थव्यवस्था (Socialist Economy):** पूँजीवादी अर्थव्यवस्था के विपरीत इसमें उत्पादन, आपूर्ति तथा कीमतों आदि का फैसला सरकार द्वारा लिया जाता है। ऐसी अर्थव्यवस्था को केन्द्रीकृत नियोजित अर्थव्यवस्था भी कहते हैं।

SSC CHSL-2022 & HTET TGT- 2018

- **नोट-** पहली बार राज्य अर्थव्यवस्था का सिद्धान्त जर्मनी के दार्शनिक कार्ल मार्क्स ने दिया था। इनकी पुस्तक का नाम 'दास केपिटल' है।
- **मिश्रित अर्थव्यवस्था (Mixed Economy):** पूँजीवादी अर्थव्यवस्था तथा समाजवादी अर्थव्यवस्था के संयुक्त रूप को मिश्रित अर्थव्यवस्था कहते हैं।
- भारत की अर्थव्यवस्था मिश्रित अर्थव्यवस्था का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। मलेशिया तथा इंडोनेशिया की भी मिश्रित अर्थव्यवस्था है।
- **असंगठित अर्थव्यवस्था (Unorganised Economy):** इसमें ऐसी आर्थिक गतिविधियाँ शामिल होती हैं जिनका लेखांकन नहीं हो पाता है। इस गैर-पंजीकृत अर्थव्यवस्था में नियोजित अपने कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान नहीं करते हैं। भारत में लगभग 90% श्रमिक असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं।

DSSSB TGT- 2021

- **संगठित अर्थव्यवस्था (Organised Economy):** इसमें आर्थिक गतिविधियों की गणना की जाती है। इसके अंतर्गत श्रमिकों को रोजगार सुरक्षा प्राप्त होती है और उन्हें कुछ निश्चित घंटों के लिए ही कार्य करना होता है। जैसे- विकसित देशों की अर्थव्यवस्था।

- **बंद अर्थव्यवस्था (Closed Economy):** ऐसी अर्थव्यवस्था जिसमें अन्य देशों के साथ आयात-निर्यात नहीं पाया जाता है। जैसे- भारत में वर्ष 1991 से पहले बंद अर्थव्यवस्था थी।

UKPSC RO/ARO- 2016

- **खुली अर्थव्यवस्था (Open Economy):** ऐसी अर्थव्यवस्था जहाँ अन्य देशों के साथ आयात-निर्यात पाया जाता है।
- **अल्पविकसित अर्थव्यवस्था (Undeveloped Economy)** ऐसी अर्थव्यवस्था जिसमें नागरिकों की आवश्यक की जरूरत से कम संसाधन पाये जाते हैं। जैसे- सोमालिया, बुरुंडी आदि।
- **विकसित अर्थव्यवस्था (Developed Economy):** ऐसी अर्थव्यवस्था जिसमें नागरिकों की आवश्यकता से अधिक संसाधन हो। जैसे- G-7 के सदस्य देश।
- **विकासशील अर्थव्यवस्था (Developing Economy):** ऐसे देश जहाँ आर्थिक संवृद्धि के उच्च स्तर को प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है; जैसे- भारत, ब्राजील, मलेशिया आदि।
- **सार्वजनिक अर्थव्यवस्था (Public Economy):** ऐसी आर्थिक गतिविधियाँ जो सरकार द्वारा संचालित होती हैं। उसे सार्वजनिक अर्थव्यवस्था कहा जाता है। जैसे- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSU's) के माध्यम से।
- **निजी अर्थव्यवस्था (Private Economy):** ऐसी आर्थिक गतिविधियाँ जो सरकार के अलावा अन्य संस्थानों और नागरिकों द्वारा संचालित की जाती हैं।

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र

- अर्थव्यवस्था की आर्थिक गतिविधियों को तीन श्रेणियों में बाँटा गया है, जिन्हें अर्थव्यवस्था का क्षेत्र कहा जाता है।

SSC MTS-2019

- **प्राथमिक क्षेत्र (Primary Sector):** प्राकृतिक उत्पादों का उत्पादन किया जाता है। जैसे- कृषि, वन उत्पादन, मत्स्य, खनन, उत्खनन उत्पाद, खाद्य संग्रह आदि। प्राथमिक क्षेत्र सर्वाधिक रोजगार (50% से अधिक प्रदान करने वाला) तथा भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहलाता है। इसमें इसमें संलग्न श्रम की प्रकृति को रेड कॉलर जॉब कहा जाता है।
- **द्वितीयक क्षेत्र (Secondary Sector):** ऐसा क्षेत्र जिसमें प्राकृतिक उत्पादों से अर्द्धनिर्मित/पूर्णनिर्मित उत्पाद बनाये जाते हैं। जैसे- गन्ना से चीनी, कपास से कपड़ा, सब्जी से जूस, गेहूँ से आटा आदि। जैसे- लौह-इस्पात उद्योग, वस्त्र उद्योग, वाहन तथा इलेक्ट्रॉनिक्स आदि।

□ **तृतीयक क्षेत्र (Tertiary Sector):** इस क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की सेवाओं का उत्पादन किया जाता है। यह क्षेत्र प्राथमिक तथा द्वितीयक क्षेत्र को अपनी सेवा देता है। GDP में इसका योगदान 50% से अधिक है जो सर्वाधिक है। जैसे-बीमा, बैंकिंग, चिकित्सा, शिक्षा, पर्यटन आदि।

भारतीय अर्थव्यवस्था का तृतीयक क्षेत्र परिवहन संचार और व्यापार से संबंधित है। **SSC MTS-2022**

□ **चतुर्थक क्षेत्र (Quaternary Sector):** ऐसा क्षेत्र जो ज्ञान (सूचना) पर आधारित होता है, उसे चतुर्थक क्षेत्र कहा जाता है, इसे सूचना आधारित अर्थव्यवस्था का विकास होता है।

□ **पंचक क्षेत्र (Quinary Sector)**

□ अर्थव्यवस्था के इस प्रकार के अंतर्गत शीर्ष स्तर के निर्णय लिए जाते हैं, जिसमें सरकार शामिल है जो कानून पारित करती है। इसमें शिक्षा, उद्योग और वाणिज्य क्षेत्र के शीर्ष निर्णयकर्ता भी शामिल हैं।

नोट:- आर्थिक सर्वेक्षण (2023-24) के अनुसार, वर्तमान मूल्य पर समग्र जीविए में कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्रों की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2024 में क्रमशः 17.7%, 27.6% और 54.7% थी।

- कृषि में लगे हुए लोगों को **रेड कॉलर** जॉब के अंतर्गत रखा जाता है।
- द्वितीयक क्षेत्र में लगे लोगों को **ब्लू कॉलर** जॉब के अंतर्गत रखा जाता है।
- तृतीयक अथवा सेवा क्षेत्र में संलग्न व्यक्तियों को **व्हाइट कॉलर** जॉब के अंतर्गत रखा जाता है।
- पंचक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले व्यवसायों को **गोल्ड कॉलर** जॉब के रूप में संदर्भित किया जाता है।

□ **गिग अर्थव्यवस्था (Gig Economy):** ऐसी आर्थिक गतिविधियाँ जो सविदा आधारित, अर्थात् कम समय के जुड़ाव के लिए श्रमिकों के साथ अनुबंध होता है, उन्हें Gig Economy कहते हैं। इस प्रकार की अर्थव्यवस्था में एक ही व्यक्ति एक साथ एक से अधिक कंपनियों के लिए कार्य कर सकता है।

□ **चक्र्रीय अर्थव्यवस्था (Circular Economy):** ऐसी अर्थव्यवस्था जिसमें संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जाता है, उसे चक्र्रीय अर्थव्यवस्था कहा जाता है।

□ **हरित अर्थव्यवस्था (Green Economy):** ऐसी आर्थिक गतिविधियाँ जिसका पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता, उसे हरित अर्थव्यवस्था कहा जाता है। इसमें सतत विकास (आर्थिक संवृद्धि + पर्यावरण संरक्षण) की संकल्पना शामिल है।

□ **ब्लू अर्थव्यवस्था (Blue Economy):** ऐसी अर्थव्यवस्था जिसमें समुद्र परितंत्र की रक्षा के साथ आर्थिक विकास को सुनिश्चित किया जाता है, उसे ब्लू अर्थव्यवस्था कहा जाता है।

□ **डिजिटल अर्थव्यवस्था (Digital Economy):** जब आर्थिक गतिविधियाँ पेपररहित माध्यम/आनलाइन पद्धति से की जाती हैं, उसे डिजिटल अर्थव्यवस्था कहा जाता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख लक्षण

□ ऐसी अर्थव्यवस्था जहाँ आर्थिक संवृद्धि के उच्च स्तर को प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है, विकासशील अर्थव्यवस्था कहलाती है। भारतीय अर्थव्यवस्था एक विकासशील अर्थव्यवस्था है। विकसित देशों के सापेक्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था पिछड़ी हुई है।

□ **कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था है-**

✳ 2011 की जनगणना के अनुसार, देश की कुल आबादी का 54.6 प्रतिशत कृषि और इससे संबंधित गतिविधियों में लगा हुआ है।

SSC CGL-2023

✳ देश की लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या अपनी आजीविका के लिये मुख्यतः कृषि पर निर्भर है।

✳ कई उद्योगों को कच्चे माल के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर रहना पड़ता है।

✳ कृषि क्षेत्र का विदेशी मुद्रा अर्जन करने में भी अहम योगदान है।

□ **भारतीय अर्थव्यवस्था मिश्रित अर्थव्यवस्था है-**

✳ मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र या बाजार तथा राज्य की भूमिका घनिष्ठ रूप से संबंधित होती है।

✳ शुरुआती योजनाओं में सार्वजनिक क्षेत्र की मुख्य भूमिका थी, किन्तु वर्ष 1991 से उदारीकरण के प्रभाव से निजी क्षेत्र के योगदान में वृद्धि हुई है।

□ भारतीय अर्थव्यवस्था जिन सूचकों के आधार पर विकसित देशों से पिछड़ी हुई है, उन सूचकों में निरंतर सुधार हो रहा है, अर्थात् वह विकास की ओर अग्रसर है।

मानव विकास सूचकांक (HDI)

□ विकास के अन्य पहलुओं पर विश्व के राष्ट्रों का ध्यान आकर्षित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा वर्ष 1990 से लगातार वार्षिक आधार पर मानव विकास रिपोर्ट का प्रकाशन किया जाता है, जिसमें विभिन्न राष्ट्रों द्वारा विकास के विभिन्न मानकों के सापेक्ष किये गये प्रयासों का एक वैश्विक विश्लेषण प्रस्तुत किया जाता है। **RPF SI- 2019**

□ UNDP द्वारा मानव विकास के आधारभूत पहलुओं जैसे-स्वास्थ्य, शिक्षा, आय आदि के सूचकांकों के औसत के द्वारा विभिन्न देशों का मानव विकास सूचकांक प्राप्त किया जाता है (जिसे मानव विकास रिपोर्ट शीर्षक के तहत प्रकाशित किया जाता है)।

□ मानव विकास सूचकांक की अवधारणा का विकास पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब-उल-हक तथा नोबेल पुरस्कार विजेता भारतीय अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने किया था। **HTET PGT- 2020**

□ मानव विकास रिपोर्ट के पहले संस्करण का प्रकाशन वर्ष 1990 में इन्होंने दोनों अर्थशास्त्रियों की मदद से किया गया था।

□ मानव विकास सूचकांक पैमाने का उच्चतम मान 0 से 1 तक हो सकता है।

□ भारत मानव विकास पैमाने पर मध्यम श्रेणी में आता है।

नोट- राज्य स्तर पर मानव विकास रिपोर्ट जारी करने वाला प्रथम राज्य मध्य प्रदेश है।

□ वर्ष 2023-24 में मानव विकास रिपोर्ट (HDR) में भारत का 193 देशों में 134वाँ स्थान है।

□ **खुशहाली:** यह मनुष्य मात्र की आकांक्षा है जो कि सामाजिक प्रगति बन सकता है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने प्रथम बार वर्ष 2012 में विश्व खुशहाली रिपोर्ट जारी की थी।

राष्ट्रीय आय

□ भारत में राष्ट्रीय आय का प्रथम अनुमान दादाभाई नौरोजी द्वारा वर्ष 1868 में गया, जिसे उनकी पुस्तक पावर्टी एण्ड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया में प्रकाशित किया गया।

RRB NTPC- 2020 & DSSSB LDC- 2019

- वर्ष 1949 में भारत सरकार ने राष्ट्रीय आय समिति का अध्यक्ष पी.सी. महालनोबिस को नियुक्त किया था।
- वर्तमान में राष्ट्रीय आय के आँकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) जारी करता है।
- नोट- 23 मई, 2019 को राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) और केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO) का विलय करके राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) की स्थापना की गई

UPSSSC PET-2021

- राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन की (CSO) स्थापना मई, 1951 में हुई थी तथा इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

SSC CGL-2022

- केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO) द्वारा वर्ष 1996-97 से सकल घरेलू उत्पाद के त्रैमासिक आँकड़े प्रकाशित किए जाते रहे हैं।
- भारत में राष्ट्रीय आय के आँकड़ों का वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल, से 31 मार्च तक होता है।
- भारत में राष्ट्रीय आय की वैज्ञानिक गणना डॉ. वी.के.आर.वी. राव ने वर्ष 1951 में की थी।
- राष्ट्रीय आय की गणना की तीन विधि है।

1. उत्पाद गणना विधि
2. आय गणना विधि
3. उपभोग-बचत विधि

1. **उत्पाद गणना विधि:** इसके अन्तर्गत किसी देश में एक वर्ष में उत्पादित अन्तिम सेवाओं तथा वस्तुओं का शुद्ध मूल्य ज्ञात किया जाता है तथा उस के योग को अंतिम उपज योग कहा जाता है। यह वास्तव में GDP को दर्शाता है।
2. **आय गणना विधि:** इसके अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तियों तथा व्यवसायिक उपक्रमों की शुद्ध आय का योग प्राप्त किया जाता है।
3. **उपभोग-बचत विधि:** इसके अनुसार कुल आय या तो उपभोग पर व्यय की जाती है या बचत पर। अतः राष्ट्रीय आय, कुल बचतों का योग होती है।

राष्ट्रीय आय की अवधारणाएँ

1. **सकल घरेलू उत्पाद (GDP):** किसी अर्थव्यवस्था द्वारा एक वित्तीय वर्ष में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं का अंतिम मौद्रिक मूल्य उसका सकल घरेलू उत्पाद होता है।
2. **शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP):** शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP) किसी अर्थव्यवस्था का वह GDP है, जिसे 1 वर्ष में हुए मूल्य हास को घटाकर प्राप्त किया जाता है।

$NDP = GDP - \text{मूल्य हास (Depreciation)}$

SSC MTS-2020

3. **सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP):** किसी देश के नागरिकों द्वारा एक वर्ष में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के अंतिम मौद्रिक मूल्य में जब उसी वर्ष उसके नागरिकों द्वारा विदेशों से प्राप्त आय को जोड़ते हैं तो, उसे सकल राष्ट्रीय उत्पाद कहा जाता है। अर्थात् यह GDP में विदेशों से प्राप्त आय को जोड़ने के बाद प्राप्त होता है। इसी तरह देश के अन्दर विदेशियों द्वारा उत्पादित आय को GDP में से घटा दिया जाना चाहिए।

$GNP = GDP + X - M$ (X = देश के नागरिकों द्वारा विदेशों में अर्जित आय तथा M = विदेशियों द्वारा देश में अर्जित आय)

4. **शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP):** किसी अर्थव्यवस्था द्वारा उत्पादित एक वर्ष में सभी वस्तुओं और सेवाओं के अंतिम मौद्रिक मूल्य में विदेशों से आय को जोड़कर और मूल्य हास को घटाकर जो आय बचती है, उसे शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद कहते हैं।

$NNP = GDP + \text{विदेशों से प्राप्त निवल आय-मूल्य हास} = GNP - \text{मूल्य हास}$

- ★ विदेशों से प्राप्त निवल आय = भारतीयों द्वारा विदेशों में अर्जित आय - विदेशी नागरिकों द्वारा भारत में अर्जित आय
- ★ NNP किसी अर्थव्यवस्था को दर्शाने की सबसे बेहतर अवधारणा है, क्योंकि यह उसकी मात्रा, गुणवत्ता, मूल्य हास और बाह्य शक्ति को स्पष्ट करता है।
- ★ NNP को ही राष्ट्रीय आय कहा जाता है।
- ★ **राष्ट्रीय आय:** भारत में साधन/कारक लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP) को राष्ट्रीय आय कहते हैं। इसकी गणना के लिए बाजार मूल्य पर प्राप्त शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद में से अप्रत्यक्ष कर घटाया जाता है और सब्सिडी को जोड़ा जाता है।

- भारत में राष्ट्रीय आय की गणना चालू मूल्य तथा स्थिर मूल्यों के आधार पर की जाती है।
- किसी देश के आर्थिक विकास का सही सूचक स्थिर कीमत पर राष्ट्रीय आय है।
- राष्ट्रीय आय में सबसे अधिक योगदान तृतीय क्षेत्र का तथा सबसे कम प्राथमिक क्षेत्र का है।
- भारत में विदेशों से प्राप्त शुद्ध आय का आँकड़ा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किया जाता है।
- भारत में पूंजी निर्माण सम्बंधित आँकड़े केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा जारी किये जाते हैं।

- ★ **वैयक्तिक आय:** किसी देश के नागरिकों को प्राप्त होने वाली आय, व्यक्तिगत आय कहलाती है।

- भारत में प्रति व्यक्ति आय सबसे अधिक गोवा में तथा सबसे कम बिहार में है।
- ★ धन-निष्कासन (Drain of Wealth) का सिद्धान्त दादा भाई नौरोजी ने दिया था।
- ★ हिन्दू वृद्धि दर राष्ट्रीय आय से सम्बंधित है।
- ★ भारत में विदेशों से प्राप्त शुद्ध आय के आँकड़े भारतीय रिजर्व बैंक जारी करता है।

बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP)	एक वित्तीय वर्ष में देश की घरेलू सीमा में सभी उत्पादकों द्वारा उत्पादित अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं का बाजार मूल्य
बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GDP)	GDP + विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय
बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP)	GDP - स्थिर पूंजी का उपभोग या मूल्य हास

बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP)	NNP – विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय
कारक लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद या शुद्ध घरेलू आय (NDP)	NDP – अप्रत्यक्ष कर + आर्थिक सहायता
कारक लागत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP)	NDP + मूल्य हास
कारक लागत पर सकल घरेलू उत्पाद (GNP)	GDP – विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय
कारक लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद या राष्ट्रीय आय (NNP)	GNP – मूल्य हास
शुद्ध राष्ट्रीय प्रयोज्य आय	शुद्ध घरेलू आय + शुद्ध अप्रत्यक्ष + विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय + शेष विश्व से प्राप्त शुद्ध चालू हस्तांतरण
निजी आय	निजी क्षेत्र को घरेलू उत्पाद से प्राप्त आय + विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय + सरकार से प्राप्त चालू हस्तांतरण + शेष विश्व से प्राप्त चालू हस्तांतरण + राष्ट्रीय ऋण पर ब्याज

सकल मूल्य वर्द्धन (Gross Value Added)

- ❖ वित्तीय वर्ष 2015-16 से सकल मूल्य वर्द्धन (GVA) की अवधारणा को शुरू किया गया है। सकल मूल्य वर्द्धन किसी देश की अर्थव्यवस्था में सभी क्षेत्रों, यथा-प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक क्षेत्र और तृतीयक क्षेत्र द्वारा किया गया कुल अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन का मौद्रिक मूल्य होता है।
- ❖ बाजार कीमत पर सकल मूल्य वर्द्धन (GVA) = प्राथमिक क्षेत्र में सभी उत्पादक इकाइयों एवं उद्यमियों द्वारा की गई सकल मूल्य वर्द्धन + द्वितीयक क्षेत्र में सभी उत्पादक इकाइयों एवं उद्यमियों द्वारा की गई सकल मूल्य वर्द्धन + तृतीयक क्षेत्र में सभी उत्पादक इकाइयों एवं उद्यमियों द्वारा की गई सकल मूल्य वर्द्धन।

भारतीय नियोजन का इतिहास (History of Indian Planning)

- ❖ भारत में आर्थिक नियोजन एवं पंचवर्षीय योजनाएँ: आर्थिक नियोजन का अर्थ है-राज्य के अधिकरणों द्वारा पेश की गई आर्थिक सम्पदा और सेवाओं की एक निश्चित अवधि हेतु आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगाना।
- ❖ भारत में आर्थिक नियोजन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:-
 1. गरीबी का निवारण
 2. रोजगार के अवसरों में वृद्धि
 3. आर्थिक व सामाजिक असमानता को दूर करना
 4. आर्थिक संवृद्धि
 5. क्षेत्रीय विषमताओं को दूर करना
- ❑ इस पुस्तक में भारत के विकास के लिए 10 वर्षीय कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया था।
- ❑ स्वतंत्रता के पश्चात् वर्ष 1947 में पं. जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में आर्थिक नियोजन समिति गठित हुई। इस समिति की सिफारिश पर 15 मार्च, 1950 में योजना आयोग का गठन हुआ।
- ❑ योजना आयोग के प्रथम उपाध्यक्ष गुलजारी लाल नन्दा थे।

RRB Group D- 2022

- ❑ आर्थिक नियोजन समवर्ती सूची का एक विषय है।
- ❑ विश्वेश्वरैया योजना (Visvesvaraya Plan): भारत में आर्थिक नियोजन की पहली रूपरेखा का प्रस्ताव वर्ष 1934 में एम. विश्वेश्वरैया द्वारा लिखित 'Planned Economy of India' नामक पुस्तक में दिया गया। यह योजना 10 वर्षीय थी, जिसका प्रमुख उद्देश्य निम्न था-
 - ❖ राष्ट्रीय आय को दोगुना करना।
 - ❖ औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि करना।
 - ❖ लघु एवं बड़े उद्योगों में सम्मिलित रूप से वृद्धि करना।

RRB Officer- 2021

- ❑ फिक्की का प्रस्ताव (The FICCI Proposal): वर्ष 1934 में भारतीय पूंजीपतियों के अग्रणी संगठन 'फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री' (FICCI) ने राष्ट्रीय नियोजन की आवश्यकता के महत्त्व को समझा तथा इसका समर्थन भी किया। इसने नियोजन प्रक्रिया के समन्वय हेतु 'राष्ट्रीय योजना आयोग' की मांग की।

SSC CHSL-2020

- ❑ कांग्रेस योजना (The Congress Plan): वर्ष 1938 में भारत में नियोजन की आवश्यकता व संभावना पर विचार करने के लिये 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' ने 'राष्ट्रीय नियोजन समिति' का गठन किया। इस समिति के अध्यक्ष पं. जवाहर लाल नेहरू थे। इस समिति ने देश की आर्थिक समस्याओं से संबंधित सभी पहलुओं का अध्ययन किया।

- ❑ बॉम्बे प्लान (The Bombay Plan): भारत के आठ प्रमुख पूंजीपतियों के द्वारा देश के आर्थिक विकास की योजना तैयार की गई, जिसे 'बॉम्बे प्लान' के नाम से जाना जाता है। इन आठ पूंजीपतियों में शामिल थे- पुरुषोत्तम दास ठाकुरदास, जे.आर.डी. टाटा, जी.डी. बिड़ला, लाला श्रीराम, कस्तूरभाई लालभाई, ए.डी. श्रॉफ, अर्देशिर दलाल तथा जॉन मथाई। यह योजना वर्ष 1944-45 में प्रकाशित हुई। इसमें निम्न विषयों पर बल दिया गया-

- ❖ कृषि पुनर्संरचना
- ❖ औद्योगीकरण पर बल एवं लघु, मध्यम एवं कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन
- ❖ अनिवार्य उपभोक्ता वस्तु उद्योगों का विकास

DSSSB TGT- 2021 & SSC CPO- 2020

- ❑ गांधीवादी योजना (Gandhian Plan): गांधीवादी आर्थिक चिंतन की विचारधारा का समावेश करते हुए श्रीमन नारायण अग्रवाल ने वर्ष 1944 में गांधीवादी योजना का विचार प्रस्तुत किया। इस योजना में कृषि क्षेत्र एवं लघु, कुटीर उद्योगों के विकास पर बल दिया गया।

RRB NTPC- 2022

- ❑ जन योजना (The People's Plan): एम.एन. रॉय द्वारा वर्ष 1945 में जन योजना को प्रस्तुत किया गया। इसमें लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने पर बल दिया गया। इसमें कृषि क्षेत्र एवं औद्योगिक क्षेत्र दोनों के विकास को प्राथमिकता दी गई।

RPF SI- 2019

- ❖ सर्वोदय योजना (The Sarvodaya Plan): भारत में नियोजित विकास की एक रूपरेखा का प्रस्तुतीकरण वर्ष 1950 में जयप्रकाश नारायण द्वारा किया गया, जिसे सर्वोदय योजना के नाम से जाना जाता है। इसमें कृषि एवं कृषि आधारित लघु एवं कुटीर उद्योगों पर बल दिया गया।

योजना अवधि	लक्ष्य	उपलब्धि	मुख्य उद्देश्य
पहली पंचवर्षीय योजना (1 अप्रैल, 1951-31 मार्च, 1956)	2.1	3.6	<ul style="list-style-type: none"> यह पंचवर्षीय योजना हैरॉड-डोमर मॉडल पर आधारित थी। कृषि उत्पादन में वृद्धि। उत्पादन, आय तथा धन का समान वितरण।
SSC CGL-2024 & SSC CHSL-2023			
दूसरी पंचवर्षीय योजना (1 अप्रैल, 1956-31 मार्च, 1961)	4.5	4.2	<ul style="list-style-type: none"> यह योजना पी.सी. महालनोबिस मॉडल पर आधारित है। दुर्गापुर इस्पात कारखाना ब्रिटेन से सहयोग से पश्चिम बंगाल में बनाया राउरकेला इस्पात कारखाना ओडिशा में जर्मनी के सहयोग से बनाया। औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि। भारी उद्योगों एवं आधारभूत उद्योगों का विकास।
SSC MTS-2019, RRB Group D & NTPC- 2022			
तीसरी पंचवर्षीय योजना (1 अप्रैल, 1961-31 मार्च, 1966)	5.6	2.8	<ul style="list-style-type: none"> खाद्यान्न के उत्पादन में आत्मनिर्भरता। रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना। असमानता में कमी लाना। भारत-चीन युद्ध (1962) को भारत-पाक युद्ध (1965) तथा भीषण सूखा के कारण यह योजना अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाई।
SSC CHSL-2023 & 2018			
तीन वार्षिक योजनाएँ (1 अप्रैल, 1966-31 मार्च, 1969)	—	3.9	<ul style="list-style-type: none"> इस दौरान चीन व पाकिस्तान के साथ युद्ध होने के कारण चौथी पंचवर्षीय योजना शुरू न करने का निर्णय लिया गया। इसी दौरान हरित क्रांति की शुरुआत (वर्ष 1966-67) डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन ने की।
चौथी पंचवर्षीय योजना (1 अप्रैल, 1969-31 मार्च, 1974)	5.7	3.3	<ul style="list-style-type: none"> इस योजना को गॉडगिल योजना के नाम भी जानते हैं। यह योजना असफल रही क्योंकि इसी समय भारत-पाक (वर्ष 1971) युद्ध के कारण आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया। इसी योजना के समय 14 वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण तथा पोखरण (राजस्थान) में परमाणु परीक्षण (स्मालिंग बुद्धा) किया। विकास की प्रक्रिया को तीव्र करना। समाज में समानता स्थापित करना। सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम शुरू हुआ।
SSC CGL-2024			
पाँचवीं पंचवर्षीय योजना (1 अप्रैल, 1974-31 मार्च, 1979)	4.4	4.8	<ul style="list-style-type: none"> इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीबी उन्मूलन तथा आत्मनिर्भरता की प्राप्ति था। इस योजना में 20 सूत्रीय कार्यक्रम वर्ष 1975 में प्रारंभ किया। गरीबी हटाओ का नारा इंदिरा गाँधी ने इसी योजना में दिया। इसके उद्देश्यों में जीवन स्तर को ऊँचा उठाना (विशेषकर समाज के कमजोर वर्गों का) शामिल था। डी.पी. धर द्वारा तैयार योजना पहली बार मुख्य उद्देश्य के रूप में गरीबी उन्मूलन के मुद्दे पर केंद्रित
SSC CGL-2023 & SSC CPO- 2023			
अनवरत योजना (1978-1980)	—	—	—
छठी पंचवर्षीय योजना (1 अप्रैल, 1980-31 मार्च, 1985)	5.2	5.7	<ul style="list-style-type: none"> इस योजना को प्रारंभ करने में डी.टी. लकड़वाला का योगदान है। इसी योजना में 12 जुलाई, 1982 नाबार्ड की स्थापना की गई थी। इस योजना में विद्युत उत्पादन में अधिक बल दिया गया। निर्धनता का उन्मूलन करना। असमानता में कमी लाना। आधारित संरचना का विकास करना। ग्रामीण भूमिहीन श्रम रोजगार गारंटी कार्यक्रम (RELEGP)
SSC CGL-2022			

सातवीं पंचवर्षीय योजना (1 अप्रैल, 1985-31 मार्च, 1990)	5.0	6.0	<ul style="list-style-type: none"> रोजगार के नए अवसरों को पैदा करना। कृषि उत्पादकता में वृद्धि करना। प्रधानमंत्री रोजगार योजना का आरम्भ
SSC CGL-2022			
दो वार्षिक योजनाएँ (1 अप्रैल, 1990-31 मार्च, 1992)	–	3.4	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्र में आ रहे राजनीतिक बदलाव और भुगतान संतुलन के संकट के कारण वर्ष 1990-92 के दौरान पंचवर्षीय योजनाएँ लागू नहीं की जा सकीं। इस अवधि में लघु उद्योगों के विकास के लिए वर्ष 1990 में सिडबी (SIDBI) की स्थापना हुई और वर्ष 1991 में भारत में आर्थिक सुधारों की घोषणा की गयी।
आठवीं पंचवर्षीय योजना (1 अप्रैल, 1992-31 मार्च, 1997)	5.6	6.8	<ul style="list-style-type: none"> इसकी शुरुआत एक नए आर्थिक दृष्टिकोण से हुई जिसका मुख्य उद्देश्य मानव संसाधन का विकास रहा था। इस योजना के अंतर्गत भारत विश्व व्यापार संगठन (WTO) का सदस्य बना। शताब्दी के अंत तक मानवशक्ति का पूर्ण उपयोग का लक्ष्य। प्राथमिक शिक्षा को सर्वव्यापी बनाना। आधारिक संरचनाओं को सुदृढ़ बनाना।
नौवीं पंचवर्षीय योजना (1 अप्रैल, 1997-31 मार्च, 2002)	6.5	5.4	<ul style="list-style-type: none"> कृषि एवं ग्रामीण विकास। कीमत स्थिरता के साथ संवृद्धि। जनसंख्या वृद्धि पर रोक लगाना। सामाजिक न्याय और समानता के साथ विकास
D.P Cons. 2017			
दसवीं पंचवर्षीय योजना (1 अप्रैल, 2002-31 मार्च, 2007)	8.0	7.6	<ul style="list-style-type: none"> प्रतिव्यक्ति आय को दस वर्ष में दुगुना करना। उपभोग के स्तर में वृद्धि तथा स्वास्थ्य एवं शिक्षा संबंधी सुविधाओं में सुधार लाकर जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना। समावेशी संवृद्धि द्वारा असमानताओं को कम करना। वनों के विस्तार को वर्ष 2007 तक 25% एवं वर्ष 2012 तक 33% तक लाना।
ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना (1 अप्रैल, 2007-31 मार्च, 2012)	9.0	8.0	<ul style="list-style-type: none"> बहुमुखी लक्ष्य, जिसमें न केवल विकास बल्कि निर्धनता कम करना शामिल। शिक्षा की गुणवत्ता एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार रोजगार के नए अवसरों का सृजन। पर्यावरण का संरक्षण। वैश्विक वित्तीय संकट
SSC CHSL-2023			
बारहवीं पंचवर्षीय योजना (1 अप्रैल, 2012-31 मार्च, 2017)	8.0	–	<ul style="list-style-type: none"> इस योजना का मुख्य उद्देश्य तीव्र, सतत् एवं अधिक समावेशी विकास। पर्यावरण का संरक्षण। सकल घरेलू उत्पाद में 8% वृद्धि। यह अंतिम पंचवर्षीय योजना थी।

☐ वर्ष 1947 से वर्ष 1990 तक की अवधि के दौरान 7 पंचवर्षीय योजनाएँ पूरी की गईं। **SSC CGL-2024**

☐ द्वितीय पंचवर्षीय योजना महालनोबिस के विचारों पर आधारित थी।

☐ **SSC CHSL-2023**

☐ द्वितीय पंचवर्षीय योजना में उद्योग क्षेत्र पर बल दिया गया था।

☐ **SSC CGL-2022**

☐ वर्ष 1952 में व्यापक परिवार नियोजन कार्यक्रम शुरू हुआ।

☐ **SSC CGL-2022**

☐ प्रथम पंचवर्षीय योजना के समय योजना आयोग के अध्यक्ष जवाहर लाल नेहरू थे। **SSC CGL-2023**

☐ पंचवर्षीय योजनाओं का युग योजना आयोग की स्थापना के साथ शुरू हुआ। **SSC CHSL-2023**

नीति आयोग

❖ भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 15 अगस्त, 2014 को लालकिले से अपने भाषण में योजना आयोग को भंग करने का विचार प्रस्तुत कर 1 जनवरी, 2015 को नीति आयोग का गठन किया गया। नीति आयोग का अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है। नीति आयोग का प्रथम उपाध्यक्ष अरविंद पंतगढ़िया को बनाया गया।

भारतीय कृषि

☐ भारत एक कृषि प्रधान देश है जिसकी लगभग 70% जनसंख्या गांव में निवास करती है और मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है।

☐ भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का अहम योगदान रहता है।

- ❑ स्वतंत्रता के बाद भारत में कृषि और भूमि सुधार पर विशेष बल दिया गया।
- ❑ हरित क्रांति ने भारत की कृषि को अलग मुकाम पर पहुँचाया।
- ❑ क्षेत्रफल के आधार पर वर्गीकरण:-
 - कुल क्षेत्रफल का लगभग 51% कृषि के लिए उपयोग किया जाता है।
 - कुल वन व वृक्ष आवरण देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 25.17% है, जिसमें वनावरण का क्षेत्रफल 21.76% है। (भारत वनास्थिति रिपोर्ट, 2023)
- ❑ भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्व
 - कृषि का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सबसे कम योगदान है।
 - यह क्षेत्र सम्पूर्ण जनसंख्या के 42.3% (आर्थिक समीक्षा 2023-24) भाग को आजीविका प्रदान करता है।

प्रमुख फसलें

भारत में तीन प्रकार की फसली मौसम होते हैं।

1. **खरीफ की फसलें**:- उत्तर भारत में जून-जुलाई में बोई जाती है और अक्टूबर में काटी जाती है। जैसे-धान, मक्का, ज्वार, बाजरा, मूंग तथा गन्ना आदि।
2. **रबी की फसलें**:- उत्तर भारत में अक्टूबर-नवम्बर में बोई जाती है और फरवरी और मार्च में काटी जाती है। जैसे-गेहूँ, चना, मैसूर, सरसो, जौ तथा अलसी आदि।
3. **जायद की फसलें**:- उत्तर भारत में ये फसलें मार्च-अप्रैल में बाई जाती है। जैसे-तरबूज, खीरा, ककड़ी तथा सूरजमुखी आदि।

SSC CHSL-2023

हरित क्रांति:

- ❖ हरित क्रांति लाने का श्रेय मेक्सिको के कृषि वैज्ञानिक डॉ. नॉरमन बोरलॉग को है। इन्हें हरित क्रांति का पिता कहा जाता है।
- ❖ कृषि में हरित क्रांति की उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए सरकार ने एक विशेष डाक टिकट गेहूँ क्रांति जारी किया। **SSC CGL-2024**
- ❖ हरित क्रांति का नामकरण विलियम गॉड द्वारा किया गया है।
- ❖ भारत में हरित क्रांति को लाने का श्रेय डॉ. स्वामीनाथन को है। इन्हें भारतीय हरित क्रांति का जन्मदाता कहा जाता है।
- ❖ प्रथम हरित क्रांति के कारण प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन हुआ और द्वितीय हरित क्रांति ने स्थायी आजीविका सुरक्षा प्राप्त करना सुनिश्चित किया। **SSC CGL-2024**
- ❖ भारत में प्रथम हरित क्रांति वर्ष 1966-67 से प्रारम्भ हुई और दूसरी हरित क्रांति 1983-84 से प्रारम्भ मानी जाती है।
- ❖ प्रथम हरित क्रांति का क्षेत्र पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश था, जबकि द्वितीय हरित क्रांति का क्षेत्र पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, मध्य प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश था।
- ❖ हरित क्रांति से पंजाब राज्य का सबसे अधिक रूपांतरण हुआ।

SSC CGL-2024

- ❖ हरित क्रांति में उच्च उपज वाली किस्म के बीजों की अहम भूमिका थी।

SSC CHSL-2023

- ❖ हरित क्रांति का सर्वाधिक प्रभाव गेहूँ और चावल के उत्पादन पर पड़ा।
- ❖ हरित क्रांति को नई कृषि युक्ति भी कहा जाता है।
- ❖ द्वितीय हरित क्रांति का मुख्य उद्देश्य कृषि में समग्र विकास तथा वर्ष 2015 तक कृषि उत्पादों को दोगुना करने का था।

SSC CGL-2024

- ❑ **ऑपरेशन फ्लड**: डॉ. वर्गीज कुरियन इस क्रांति के प्रमुख सूत्रधार हैं, जिन्होंने विश्व के इस सबसे बड़े समन्वित डेयरी विकास कार्यक्रम की शुरुआत की।
 - इस श्वेत क्रांति को गति प्रदान करने के लिए वर्ष 1970 में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड ने ऑपरेशन फ्लड (श्वेत क्रांति) प्रारंभ किया।
 - आरंभ में ऑपरेशन फ्लड 10 राज्यों से शुरू किया गया।
 - अभी तक ऑपरेशन फ्लड के तीन चरण पूरे हो चुके हैं।
 - नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट, करनाल (हरियाणा) वर्ष 1955 में स्थापित किया गया था।

- ❑ **फर्टीगेशन**: यह ऐसी पद्धति है जिसमें पोषक तत्व सिंचाई के माध्यम से फसलों को प्राप्त होते हैं।

- ❑ **न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)**: यह वह न्यूनतम मूल्य है, जिस पर सरकार किसान से फसलों को खरीदती है, चाहे बाजार में फसल का कोई भी मूल्य हो।

- ❖ यह वर्ष 1966-67 में पहली बार गेहूँ के लिए लागू हुआ।
- ❖ कृषि लागत एवं मूल्य आयोग वर्ष में दो बार (खरीफ एवं रबी फसलों के लिए) न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू करती है।
- ❖ भारत सरकार की आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा 22 मुख्य फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है।

- ❖ **कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (CACP)**: जनवरी, 1965 में भारत सरकार ने इस आयोग की स्थापना की। पहले इसका नाम कृषि मूल्य आयोग था।
 - यह आयोग विभिन्न कृषि उत्पादों के लिए उन के मूल्य पर सलाह देता है।

- ❖ **किसान क्रेडिट कार्ड योजना (KCC)**: किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत वर्ष 1998 में की गयी। इसका प्रमुख उद्देश्य किसानों को संगठित बैंकिंग प्रणाली से लचीले एवं कम खर्चीले तरीके से पर्याप्त और समायानुसार ऋण उपलब्ध कराना है।

D.P Cons. 2020

- ❖ **नोट**- किसान काल सेंटर (KCC) की स्थापना 21 जनवरी, 2004 को की गयी।

कृषि विपणन

- ❑ **ट्राइफेड**: भारत सरकार ने 1987 में भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ (ट्राइफेड) की स्थापना की थी। इसका मुख्य उद्देश्य जनजातीय लोगों को स्थानीय व्यापारियों के शोषण से बचाना है तथा उन के लघु वन उत्पादों के लिए उपयुक्त मेहनताना प्रदान करना है।
- ❑ **नाफेड**: राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) की स्थापना 2 अक्टूबर, 1958 को हुई।

सहकारी बैंक

- ❑ **नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि तथा ग्रामीण विकास बैंक)**: इसकी स्थापना 12 जुलाई, 1982 को शिवरमन सिंह समिति की सिफारिश पर की गई। यह कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु ऋण उपलब्ध कराने वाला शीर्षस्थ संस्था है।

Raj. CET- 2023

- ❑ **क्षेत्रीय ग्रामीण विकास बैंक:** इसकी स्थापना वर्ष 1975 में एम. नरसिम्हन समिति की सिफारिश पर की गयी थी।

SSC CGL-2021

- ❑ **राष्ट्रीय कृषक आयोग:** इस आयोग का गठन वर्ष 2004 में डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन की अध्यक्षता में किया गया था। इसका प्रमुख कार्य था- कृषि क्षेत्र के विकास, कृषि क्षेत्र की समस्याओं आदि के उपायों का पता लगाना।

Allahabad High Court RO- 2019

मुद्रा के मूल्य में परिवर्तन

- ❑ मुद्रा के मूल्य में परिवर्तन चार प्रकार के होते हैं:-

1. मुद्रास्फीति (Inflation)
2. अवस्फीति अथवा मुद्रा-संकुचन (Deflation)
3. प्रत्यवस्फीति (Reflation)
4. मुद्रा-अपस्फीति (Disinflation)

- ❑ **मुद्रास्फीति (Inflation):** यह वह स्थिति होती है, जिसमें मुद्रा का मूल्य गिर जाता है तथा कीमते बढ़ जाती है। दूसरे शब्दों में यह वह अवस्था होती है जब वस्तुओं की उपलब्ध मात्र की तुलना में मुद्रा तथा साख की मात्र में अधिक वृद्धि होती है।

UKSSSC Forest Guard- 2021

❑ मुद्रास्फीति का प्रभाव

- ✦ उत्पादक वर्ग (कृषक, व्यापारी, उद्योगपति) को लाभ होता है।
- ✦ ऋणी को लाभ तथा ऋणदाता को हानि होती है।
- ✦ निश्चित आय वाले वर्ग को हानि होती है जबकि परिवर्तित आय वाले वर्ग को लाभ होता है।
- ✦ समाज में आर्थिक विषमताएँ बढ़ जाती है। धनी वर्ग और ज्यादा धनी हो जाते हैं तथा निर्धन वर्ग और ज्यादा निर्धन हो जाते हैं।
- ✦ व्यापार सन्तुलन की विपरीत स्थिति उत्पन्न हो जाती है, क्योंकि आयात में वृद्धि तथा निर्यात में कमी हो जाती है।

❑ मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के उपाय

- ✦ संतुलित बजट बनाना
- ✦ उत्पादन में वृद्धि करना
- ✦ सार्वजनिक खर्च पर नियंत्रण रखना
- ✦ प्रगतिशील करारोपण
- ✦ सार्वजनिक ऋण में वृद्धि करना
- ✦ बचत को प्रोत्साहित करना

नोट:- भारत में पहले मुद्रास्फीति की गणना केवल थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर की जाती थी, लेकिन वर्ष 2014 से यह गणना थोक मूल्य सूचकांक एवं उपभोक्ता मूल्य सूचकांक दोनों के आधार पर की जाती है।

DSSSB TGT- 2018

मुद्रा अवस्फीति अथवा मुद्रा संकुचन (Deflation)

- यह मुद्रास्फीति की विपरीत अवस्था है, इसमें मुद्रा का मूल्य बढ़ता और वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य घटता है।

❑ मुद्रा-संकुचन को रोकने का उपाय

1. सार्वजनिक व्यय में बढ़ोतरी करना
2. करारोपण में कमी

3. ऋणों का भुगतान
4. निर्यात में वृद्धि तथा आयात में कमी
5. पूर्ति पर नियंत्रण

✦ **प्रत्यवस्फीति (Reflation):** यह वह प्रक्रिया है जिसमें जान-बूझकर मुद्रा और साख की मात्र में वृद्धि करके वस्तु के मूल्य में वृद्धि का प्रयास किया जाता है। ऐसा प्रायः मंदी से छुटकारा पाने के लिए किया जाता है।

✦ दूसरे शब्दों में, सरकार की ओर से एक मौद्रिक हस्तक्षेप के माध्यम से अपस्फीति का सुविचारित व्युत्क्रमण।

✦ **मुद्रा-अपस्फीति (Disinflation):** इसके अन्तर्गत वे सब क्रियाएँ व उपाय आते हैं, जो मुद्रास्फीति के वेग को रोकने के लिए किये जाते हैं।

नोट:- मुद्रा अपस्फीति (Disinflation) देश की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए होती है। मुद्रा-संकुचन से देश को हानि होती है।

अवमूल्यन

✦ अन्य मुद्रा की तुलना में स्वदेशी मुद्रा के मूल्य को घटाना अवमूल्यन कहलाता है। मुद्रा का अवमूल्यन निर्यात को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है।

✦ अब तक भारतीय मुद्रा का तीन बार अवमूल्यन किया जा चुका है।

✦ सबसे पहले भारतीय मुद्रा का अवमूल्यन वर्ष 1949 में हुआ था।

✦ दूसरी बार भारतीय मुद्रा का अवमूल्यन वर्ष 1966 में हुआ था।

✦ तीसरी बार भारतीय मुद्रा का अवमूल्यन वर्ष 1991 में हुआ था।

✦ 1991 में भारतीय मुद्रा का अवमूल्यन दो चरणों में हुआ था।

स्टैगफ्लेशन

- ❑ जब कभी मुद्रास्फीति के साथ-साथ मंदी भी आ जाती है, उस अवस्था को स्टैगफ्लेशन कहते हैं।

या

- ❑ मुद्रास्फीति की उच्च दर तथा बेरोजगारी की उच्च दर एक साथ हो तो उस अवस्था को स्टैगफ्लेशन कहते हैं।

❑ **हवाला:** विदेशी मुद्रा का अवैध कारोबार हवाला कहलाता है।

❑ **काली मुद्रा:** वह मुद्रा जिस पर टैक्स नहीं दिया जाता है, वह काली मुद्रा कहलाती है।

❑ **सस्ती मुद्रा:** देश की मुद्रा का अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सरलता से उपलब्ध होना।

❑ **कठोर मुद्रा (हार्ड करेंसी):** वह मुद्रा जिसकी आपूर्ति मांग की अपेक्षा कम हो। यह मुद्रा प्रायः विकसित देशों के पास पायी जाती है।

❑ **सॉफ्ट करेंसी:** वह मुद्रा जिसकी आपूर्ति मांग की अपेक्षा अधिक हो।

❑ **गर्म मुद्रा:** ऐसी मुद्रा जिसमें शीघ्र पलायन कर जाने की प्रवृत्ति हो।

❑ **विधिग्राह्य मुद्रा:** जिस मुद्रा में भुगतान करने पर लेने वाला कानूनी तौर पर स्वीकार करने से मना नहीं कर सकता। भारत की विधिग्राह्य मुद्रा रूपया है।

❑ **विमुद्रीकरण:** सरकार द्वारा पुरानी मुद्रा को समाप्त कर नयी मुद्रा चलाना विमुद्रीकरण कहलाता है। यह प्रायः कालाधन की रोकथाम के लिए किया जाता है।

UP Police Cons. 2024

✦ भारत में सबसे पहले पत्र मुद्रा का प्रचलन वर्ष 1806 में हुआ था।

✦ मुद्रा के प्रचलन का नियम (बुरी मुद्रा अच्छी मुद्रा को चलन से बाहर कर देती है) ग्रेशम (ब्रिटेन) ने दिया था।

UP TGT- 2021

- ✱ मुद्रा स्वयं मुद्रा का निर्माण करती है, यह क्रोमर ने कहा था।
- ✱ बाजार के नियम के प्रस्तुतकर्ता जे.बी. से (J.B. Say) थे। इनकी पुस्तक का नाम ट्रेट डी एकनॉमिक पॉलिटिक है। इन के नियम के अनुसार, पूर्ति अपनी मांग का स्वयं निर्माण करती है।

मांग की लोच

- मूल्य में परिवर्तन की अनुक्रिया में किसी वस्तु की मांग में होने वाले परिवर्तन को जैसे मूल्य में 5% की कमी के कारण मांग में 5% की वृद्धि को हम मांग की लोच कहते हैं।
- मार्शल, जॉन, रॉबिन्सन आदि विद्वान इससे संबंधित हैं।
- जब मूल्य में कमी मांग में अपेक्षाकृत अधिक अनुपात में वृद्धि लाती है तो ऐसी वस्तुओं को हम लोचदार वस्तु कहते हैं।
- ऐसी वस्तुएँ सामान्यतया विलासिता की वस्तुएँ होती हैं।
- यदि माँग की कीमत लोच एक से कम है, तो वस्तु की माँग बेलोचदार कहलाती है।

SSC CHSL-2022

उपयोगिता

- प्रत्येक वस्तु में व्यक्ति की किसी न किसी आवश्यकता की संतुष्टि की क्षमता होती है। इस संतुष्टि की क्षमता को ही हम वस्तु की उपयोगिता कहते हैं।
- किसी वस्तु से मिलने वाली उपयोगिता व्यक्ति की आवश्यकता की तीव्रता पर निर्भर करती है।
- इसलिए जैसे-जैसे व्यक्ति किसी वस्तु की अधिक इकाईयों का उपभोग करते हैं, आवश्यकता की तीव्रता कम होती जाती है।

उपभोक्ता संतुलन

- उपभोक्ता संतुलन एक ऐसी स्थिति है, जिसमें एक उपभोक्ता अपनी सीमित आय को विभिन्न वस्तुओं पर व्यय कर के अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करता है।

उत्पादन

- जिस क्रिया के द्वारा किसी वस्तु या सेवा में उपयोगिता का सृजन किया जाता है उसे उत्पादन कहते हैं।
- यह रूप परिवर्तन, स्थान परिवर्तन या समय परिवर्तन के द्वारा हो सकता है, धान (चावल) खेत में पैदा करना, चावल को गाँव के किसान से क्रय कर के शहर की मण्डी में ले जाना अथवा चावल को दो वर्ष तक रखकर उसे पुराने चावल (जो अच्छा माना जाता है) के रूप में बेचना सभी क्रियाएँ अलग-अलग ढंग से उपयोगिता का सृजन करती हैं, इसलिए यह उत्पादन कहलाता है।

उपभोग

- किसी वस्तु में निहित उपयोगिता को समाप्त करना या उसमें कमी लाना उपभोग कहलाता है। उपभोग के लिए उत्पादन की आवश्यकता होती है।

उत्पादन फलन

- किसी उत्पादन क्रिया में जो उत्पादन प्राप्त होता है, वह उत्पादन क्रिया में प्रयुक्त लागतों या साधनों के प्रयोग का परिणाम होता है। उत्पादन और साधनों की मात्रा के बीच जो तकनीकी फलनात्मक (आश्रितता) संबंध होता है, उसे उत्पादन फलन कहते हैं।

ब्याज

- ब्याज वह मौद्रिक भुगतान है जो पूँजीपति को पूँजी के उपभोग के बदले में प्राप्त होता है।

मजदूरी

- मजदूरी एक प्रकार का पुरस्कार है जो मनुष्य के परिश्रम के बदले में दिया जाता है चाहे वह प्रति घंटा, प्रतिदिन या समयानुसार दिया जाए और चाहे उसका भुगतान मुद्रा या वस्तुओं या दोनों के रूप में हो दैनिक मजदूरी एक प्रकार का अनियमित रोजगार है। मजदूरी दो प्रकार की होती है-
1. नकद मजदूरी 2. वास्तविक मजदूरी

CTET- 2021

लाभ

- किसी भी अर्थव्यवस्था को सुचारू रूप से चलायमान रखने के लिए उसकी व्यावसायिक गतिविधियों में लाभ का उपार्जन होना अति आवश्यक है।

बाजार

- बाजार का आशय किसी उद्योग विशेष में व्याप्त प्रतियोगिता की प्रकृति, स्थिति अथवा रूप से होता है। इस के अन्तर्गत वर्तमान में किसी वस्तु के क्रय-विक्रय में लगी फर्मों और व्यक्तियों को सम्मिलित किया जाता है।

बाजारों का वर्गीकरण

- पूर्ण प्रतियोगिता:-पूर्ण प्रतियोगिता बाजार के उस रूप को कहते हैं जहाँ किसी वस्तु के क्रेता तथा विक्रेता बड़ी संख्या में होते हैं।
- एकाधिकार:-एकाधिकार बाजार का ऐसा रूप है, जिसमें वस्तु का केवल एक उत्पादक या विक्रेता होता है।
- अल्पाधिकार:- यह अपूर्ण प्रतियोगिता का वह रूप है, जिसमें बाजार में परस्पर निर्भर थोड़े से विक्रेता होते हैं और प्रत्येक कुल पूर्ति के वह बड़े भाग पर नियंत्रण रखता है तथा वह बाजार में वस्तु के मूल्य को प्रभावित कर सकता है।

RPF SI- 2018

बैंकिंग (Banking)

- ❖ बैंक: बैंक एक ऐसी संस्था है जो लोगों से जमा (Deposit) स्वीकार करती है और इसके बदले साख निर्माण करके अग्रिम ऋण (Loan) देती है।
- ❖ बैंक ऐसा वित्तीय संस्थान है जो बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के अंतर्गत पंजीकृत होते हैं, उन्हें बैंक कहा जाता है।
- ❖ बैंक चेक के माध्यम से आर्थिक गतिविधियाँ करते हैं।
- ❖ वित्तीय संस्था: ऐसी संस्थाएँ जो वित्तीय क्षेत्र में कार्य करती हैं और कंपनी एक्ट 1956/2013 के अंतर्गत पंजीकृत होती हैं।
- ❖ भारत में स्थापित पहला बैंक - वर्ष 1770 बैंक ऑफ हिन्दुस्तान
- ❖ भारतीयों द्वारा संचालित पहला बैंक- वर्ष 1881 अवध कमर्शियल बैंक
- ❖ पहला भारतीय बैंक (स्वदेशी बैंक) - वर्ष 1894 पंजाब नेशनल बैंक
- ❖ भारत में बैंकिंग का विकास: स्वतंत्रता से पूर्व भारत में तीन प्रेसीडेन्सी बैंकों की स्थापना की गयी थी- बैंक ऑफ कलकत्ता (2 जून, 1806), बैंक ऑफ बॉम्बे (15 अप्रैल, 1840) और बैंक ऑफ मद्रास (1 जुलाई, 1843)
- ❖ 27 जनवरी, 1921 में इन तीनों बैंकों को मिलाकर इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना हुई। 1 जुलाई, 1955 को इसका राष्ट्रीयकरण हुआ और

RRB NTPC- 2016 & 2021

इसका नाम स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रखा गया।

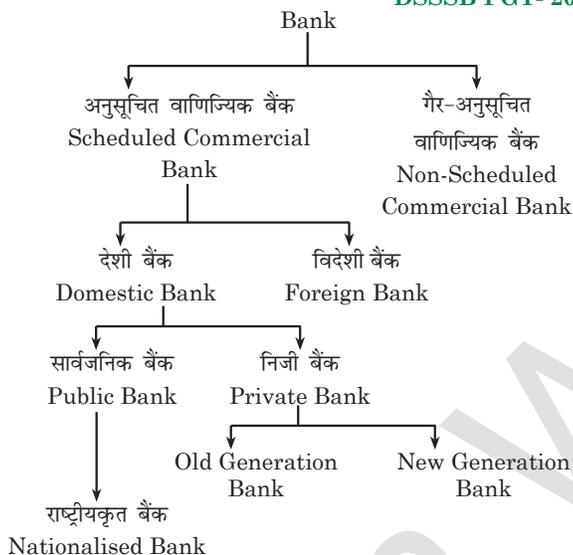
SSC GD & RRB NTPC- 2021

- ❖ भारतीय स्टेट बैंक (सहायक बैंक) अधिनियम, 1959 भारत के तत्कालीन रियासतों के बैंकों (आठ बैंक) को स्टेट बैंक की सहायक कंपनियाँ बना दिया गया।
- ❖ 19 जुलाई, 1969 को 14 व्यवसायिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया।

HP TGT- 2021

- ❖ 15 अप्रैल, 1980 को पुनः 6 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया था।

DSSSB PGT- 2021



❑ **अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (Scheduled Commercial Bank):** ऐसा बैंक जो RBI Act 1934 की दूसरी अनुसूची में शामिल है तथा RBI के नियम मानने के लिए बाध्यकारी है।

RPSC- 2019

❑ **गैर-अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (Non Scheduled Commercial Bank):** ऐसा बैंक जो RBI Act 1934 की दूसरी अनुसूची में शामिल नहीं है। जैसे- सहकारी बैंक, स्थानीय संस्थानों की बैंक आदि।

❑ **देशी बैंक (Domestic Bank):** ऐसे अनुसूचित बैंक जिसमें 50% से अधिक शेयर भारतीय नागरिकों या भारतीय संस्थाओं के पास होते हैं, उन्हें देशी बैंक कहा जाता है। जैसे- सभी सरकारी और निजी बैंक।

❑ **विदेशी बैंक (Foreign Bank):** ऐसा बैंक जिसमें 50% से अधिक शेयर विदेशी नागरिकों और संस्थाओं के पास है, उसे विदेशी बैंक कहते हैं। जैसे- HSBC Bank, Citi Bank, Public Bank

❑ **सार्वजनिक बैंक (Public Bank):** ऐसा बैंक जिसमें 50% से अधिक के शेयर भारत सरकार के नाम से होते हैं। इन्हें सार्वजनिक बैंक कहा जाता है। यह बैंक दो प्रकार की होती है।

❖ **राष्ट्रीयकृत बैंक:** ऐसे बैंक जो पहले निजी क्षेत्र में थे (व्यक्ति/संस्था के पास) लेकिन जिन्हें संसद में कानून बनाकर सरकारी स्वामित्व में लाया गया था। इन्हें राष्ट्रीयकृत बैंक कहा जाता है।

जैसे- वर्ष 1969 में संसद में कानून बनाया कि 50 करोड़ से अधिक जिन बैंकों के पास Paid up Balance (प्रदत्त पूँजी) वह सभी सरकार की हो जाएगी, ऐसे 14 बैंक प्राप्त हो गए थे। फिर वर्ष 1980 में संसद ने कानून बनाया कि जिन बैंकों में ₹ 200 करोड़ से अधिक पूँजी होगी, उनका राष्ट्रीयकरण किया जाएगा। पुनः 6 बैंक इस श्रेणी में आ गए।

❑ **निजी बैंक (Private Bank):** ऐसा बैंक जिसमें 50% से अधिक शेयर नागरिकों के अथवा निजी संस्थाओं के होते हैं। उसे निजी बैंक कहा जाता है। यह दो प्रकार के होते हैं।

❖ **Old Generation Private Bank (OGPB):** ऐसे बैंक जो 1993 के पहले के नियमों (नरसिम्हन समिति के पहले) के आधार पर बनाये गये थे, उसे OGPB कहा जाता है।

❖ **New Generation Private Bank (NGPB):** ऐसे बैंक जो वर्ष 1993 के बाद के नियम नरसिम्हन समिति द्वारा सुजाये गए नियम के आधार पर बनाये गये थे। उसे NGPB कहा जाता है। जैसे- HDFC, Axis Bank, Yes Bank.

व्यावसायिक बैंक

- ❖ सार्वजनिक क्षेत्र का सबसे बड़ा बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया है तथा उस के बाद पंजाब नेशनल बैंक का स्थान आता है। **RRB NTPC- 2021**
- ❖ विदेशों में सबसे अधिक शाखाएँ स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की हैं।
- ❖ जीवन बीमा क्षेत्र में प्रवेश करने वाला पहला बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया है।
- ❖ चीन में शाखा खोलने वाला पहला बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया है।
- ❖ इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया का नाम 1 जुलाई, 1955 को बदलकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कर दिया था। **RRB NTPC- 2021**
- ❖ भारत में सर्वाधिक शाखा स्टेण्डर्ड चार्टर्ड बैंक की है। स्टेण्डर्ड चार्टर्ड बैंक ब्रिटेन का बैंक है।
- ❖ प्रथम बैंक क्रेडिट कार्ड वर्ष 1959 ई. में बैंक ऑफ अमेरिका द्वारा जारी किया गया था।
- ❖ देश में पहले मोबाइल बैंक की शुरुआत मध्यप्रदेश राज्य में हुई है।
- ❖ भारत में पहला तैरता हुआ ATM केरल के कोच्चि में स्थापित किया गया था।

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)

- ❖ हर देश में उस देश का एक केंद्रीय बैंक होता है, जो अर्थव्यवस्था में मौ.ि. द्रक गतिविधियों में मुख्य भूमिका निभाता है, उसी को उस देश का केंद्रीय बैंक कहा जाता है।
- ❖ RBI द्वारा संचालित खुले बाजार के परिचालन दो प्रकार के होते हैं।

SSC MTS-2022

भारत का सेंट्रल बैंक RBI (Reserve Bank of India) है।
 RBI की स्थापना - 1 अप्रैल, 1935 **SSC MTS-2020**
 समिति- हिल्टन यंग समिति की सिफारिश पर **CBSE Jr. Ass. 2020**
 अधिनियम - RBI Act 1934 के द्वारा
 मुख्यालय - कोलकाता (1935-1937) **SSC CHSL-2024**
 मुंबई (1937 से अब तक)
 राष्ट्रीयकरण- 1 जनवरी, 1949 (केवल भारत के लिए) **SSC MTS-2020**
 राष्ट्रीयकरण से पहले - RBI 1 जनवरी, 1940 से पहले म्यांमार, पाकिस्तान व भारत के लिए काम करता था।

प्रथम गवर्नर - ऑस्वार्न स्मिथ
वर्तमान गवर्नर - संजय मल्होत्रा (26 वें गवर्नर)
RBI के पहले भारतीय गवर्नर - सी.डी. देशमुख
RBI का लेखा वर्ष 1 जुलाई से 30 जून होता है।

RBI के कार्य:

☐ नोटों को जारी करना और सिक्कों की ढलाई। **SSC CHSL-2023**

☐ सरकार के बैंकर के रूप में कार्य करना।

☐ मुद्राएँ एवं साख की मात्रा एवं दिशा पर नियंत्रण

☐ विदेशी विनिमय भंडार पर नियंत्रण

☐ मुद्रा और वित्त से संबंधित संकलन

☐ महंगाई को नियंत्रित करना।

☐ 1 रुपये के नोट व सिक्कों को वित्त मंत्रालय जारी करता तथा वित्त सचिव उस पर हस्ताक्षर करता है। 1 रुपये से अधिक के नोटों को भारतीय रिजर्व बैंक जारी करता है, जिस पर RBI के गवर्नर के हस्ताक्षर होते हैं।

☐ RBI को बैंको का बैंक भी कहते हैं।

☐ भारत के विदेशी व्यापार सम्बन्धी आँकड़े RBI जारी करता है।

☐ मुद्रा की दशमलव प्रणाली 1 अप्रैल, 1957 से आरंभ हुई।

☐ 1 जुलाई, 2011 से 25 पैसे तथा उससे कम मूल्य के सिक्के बन्द कर दिये।

☐ कोई आम व्यक्ति भारतीय रिजर्व बैंक में अपना खाता नहीं खोल सकता है।

☐ **बैंक दर (Bank Rate)**- वह दर जिस पर RBI दीर्घकाल के लिए बैंको को ऋण उपलब्ध कराती है, उसे बैंक दर कहा जाता है। वर्तमान में यह 6.75% है।

● RBI द्वारा उपयोग किया जाने वाला एक मौद्रिक नीति साधन बैंक दर है।

SSC MTS- 2023

● इसमें नकदी के बजाय प्रतिभूति के रूप में ऋण दिया जाता है।

● इसे लौटाने का समय निश्चित नहीं है।

● इसका लाभ केवल बड़े बैंको को मिल पाता है।

● अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति को रोकने के लिए बैंक दर को बढ़ाया जाता है तथा मुद्रा अवस्फीति के समाधान के लिए बैंक दर को घटाया जाता है।

❖ **रेपो दर (Repo Rate)**- इस दर पर रिजर्व बैंक, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंको को अल्पकालिक ऋण देकर अर्थव्यवस्था में तरलता की अतिरिक्त मात्रा जारी करता है। **SSC CGL-2022**

● यह प्रशासित दर होती है इसमें मोल-भाव नहीं किया जा सकता अर्थात् यह निश्चित होती है।

● इसमें नकदी प्राप्त होती है।

● वर्तमान में इसकी दर 6.50% है।

Repo Rate ↑ = तरलता ↓ ब्याज दर ↑ = Loan महंगा → महंगाई घटाने के लिए

Repo Rate ↓ = तरलता ↑ ब्याज दर ↓ = Loan सस्ता → आर्थिक संवृद्धि बढ़ाने के लिए

☐ **रिवर्स रेपो दर (Reverse Repo Rate):** वह दर जिसपर RBI बैंको से उधार लेती है, उसे रिवर्स रेपो दर कहा जाता है। अर्थात् यह बैंको

के नकदी सोखने की दर है। वर्तमान में इसकी दर 3.35% है।

☐ **नकद आरक्षित अनुपात (Cash Reserve Ratio-CRR):** सभी व्यापारिक बैंको को जमा राशि का एक निश्चित प्रतिशत रिजर्व बैंक के पास कोष के रूप में रखना पड़ता है। इसे नकद आरक्षित अनुपात कहते हैं। इस राशि पर कोई ब्याज नहीं लिया जाता। CRR जमाव के लिए सीमा 3-15% के बीच निर्धारित है लेकिन नरसिम्हन समिति-I के अनुसार यह 8% से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। वर्तमान में (दिसम्बर, 2024) यह दर 4% है।

CRR ↑ = तरलता ↓ ब्याज दर ↑ = Loan महंगा

CRR ↓ → = तरलता ↑ ब्याज दर ↓ = Loan सस्ता

❖ **वैधानिक तरलता अनुपात (Statutory Liquidity Ratio-SLR):** व्यापारिक बैंको को अपनी कुल सम्पत्ति का एक निश्चित प्रतिशत नकद, स्वर्ण एवं अल्पकालीन सरकारी प्रतिभूति के रूप में अपने पास रखना पड़ता है। इसे वैधानिक तरलता अनुपात कहा जाता है। वर्तमान में यह दर 18% है।

SLR ↑ = तरलता ↓ ब्याज दर ↑ = Loan महंगा

SLR ↓ = तरलता ↑ ब्याज दर ↓ = Loan सस्ता

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

☐ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको की स्थापना 2 अक्टूबर, 1975 को हुई थी। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको में केन्द्र सरकार, राज्य सरकार तथा प्रवर्तक बैंक की पूंजी 50:15:35 के अनुपात में लगी होती है। **SSC CHSL-2020**

☐ स्वाभिमान योजना का सम्बन्ध ग्रामीण बैंकिंग से है।

नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक)

☐ इसकी स्थापना 12 जुलाई, 1982 को छठी पंचवर्षीय योजना के दौरान की गयी थी। **Raj CET- 2023**

☐ यह देश में कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु वित्त उपलब्ध करने वाली शीर्ष संस्था है।

☐ नाबार्ड (संशोधन) विधेयक 2017 (2018 में पारित) द्वारा केन्द्र सरकार को नाबार्ड की अधिकृत पूंजी को ₹5000 करोड़ से ₹30,000 करोड़ तक बढ़ाने का अधिकार मिल गया है।

☐ इसका मुख्यालय मुम्बई में है।

DP Cons. 2020

☐ यह एक सांविधिक निकाय है।

☐ नाबार्ड की स्थापना शिवरमन कमेटी की सिफारिश पर हुई थी।

नोट- किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) योजना की शुरुआत अगस्त 1998 में तत्कालीन वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा द्वारा की गयी थी।

☐ **एस्टेट ड्यूटी:-** किसी व्यक्ति की मृत्यु के पश्चात उसकी सम्पत्ति के हस्तान्तरण के समय जो कर सम्पत्ति पर लगाया जाता है, उसे एस्टेट ड्यूटी कहते हैं।

☐ **ग्रे मार्केट:-** यह अनाधिकृत बाजार होता है। इस सौदे को शेयर बाजार का संरक्षण नहीं होता है।

लघु वित्तीय बैंक 2015 (Small Finance Bank 2015)

❖ ऊषा थोराट समिति 2014 की सिफारिश पर इस बैंक की शुरुआत 2015 में हुई। यह बैंक उन लोगों को लोन देती है जिनको सामान्य लोन नहीं मिल पाता है। जैसे- घुमन्तु, सीमांत किसान, कूड़ा बीनने वाले, हाथों से काम करने वाले, रेहड़ी-पट्टरी लगाने वाले आदि।

Payment Bank 2015

- ☐ नचिकेत मोर की समिति की सिफारिश पर वर्ष 2015 में इसकी स्थापना हुई।
- विशेषताएँ- बचत खाता और चालू खाता को खोलने की सुविधा
- डेबिट कार्ड की सुविधा है।
- एक लाख तक के डिपोजिट की सुविधा
- Fund transfer की सुविधा
- ☐ नोट- पेमेंट बैंक किसी भी प्रकार का क्रेडिट कार्ड और लोन की सुविधा नहीं देता है।

MUDRA Bank (Micro Units Development and Refinance Agency Limited)

- ❖ मालेगाम समिति और नचिकेत मोर समिति की सिफारिश पर 2015 में भारत में सूक्ष्म वित्त के माध्यम से वित्तीय समावेशन में बहुत बड़े बदलाव के लिए इसकी स्थापना की गई। **DP Cons. 2017**
- इसके अंतर्गत 0 से 20 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है।
- इसमें दिए जाने वाले कर्ज को चार भागों में बाँटा गया।
 1. शिशु कर्ज- 0 से 50 हजार
 2. किशोर कर्ज- 50 हजार से 5 लाख
 3. तरुण कर्ज- 5 लाख से 10 लाख
 4. तरुण प्लस कर्ज- 10 लाख से 20 लाख
- ☐ नोट- बजट 2024-25 के दौरान प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत ऋण की अधिकतम सीमा ₹10 लाख से बढ़ाकर ₹20 लाख कर दी गई है। यह नई सीमा 24 अक्टूबर, 2024 को प्रभावी हुई।

SIDBI Bank 1990 (Small Industries Development Bank of India)

- ❖ भारत में सूक्ष्म उद्योगों/गतिविधियों को ऋण देने के लिए एक वित्तीय संस्था की स्थापना वर्ष 1990 में की गई। **DP Cons. 2017**

SIDBI Bank	MUDRA Bank
यह संगठित क्षेत्र की गतिविधियों को ऋण उपलब्ध कराता है।	यह असंगठित क्षेत्र की गतिविधियों को ऋण उपलब्ध कराता है।
यह 10 लाख से ज्यादा का ऋण उपलब्ध कराता है।	यह भी 10 लाख से अधिक का ऋण उपलब्ध कराता है।
यह औद्योगिक उत्पादन बढ़ाने की दृष्टि से सहयोग करता है।	यह लोगों को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से सहयोग करता है।

Digital Bank

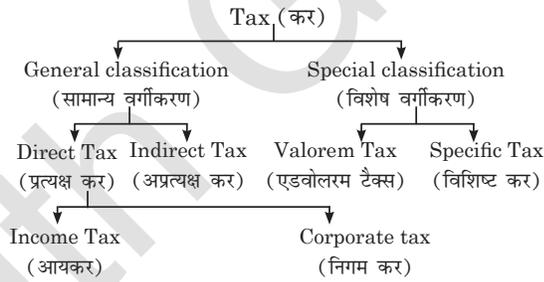
- ☐ वर्ष 2016 में भारत में वित्तीय समावेशन के लिए भारत में डिजिटल बैंक स्थापित करने का प्रयास किया।
- यह बैंक भौतिक रूप से कहीं नहीं होती है।
- ऑनलाइन ही खाते खोले जाते हैं तथा ऑनलाइन ही जमा किये जाते हैं।
- 7% की ब्याज दर प्राप्त होती है।
- न्यूनतम बैलेंस की कोई बाध्यता नहीं होती है।

NPA (Non Performing Assets)

- ❖ भारत में बैंको द्वारा दिया गया ऐसा ऋण (Loan) जिस पर ब्याज और मूलधन की अदायगी 90 दिनों के अंदर नहीं हो पाती है, NPA कहलाता है।
- ❖ NPA की अवधारणा भारत में नरसिम्हन समिति के द्वारा वर्ष 1993 में लाई गई।

कर प्रणाली (Taxation)

- ☐ **Tax (कर):** कर एक अनिवार्य भुगतान या शुल्क है जो स्थानीय, राज्य और राष्ट्रीय सरकारों द्वारा सामान्य सरकारी सेवाओं, वस्तुओं और आर्थिक गतिविधियों की लागत को कवर करने के लिए व्यक्तियों या व्यवसायों से वसूल किया जाता है। यह संप्रभुता के अधिकार के अंतर्गत आता है।
- ☐ **Duty:** जब अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होने के कारण कोई टैक्स लिया जाता है उसे ड्यूटी कहा जाता है। जैसे- Excise Duty, Custom Duty
- ☐ **Fee:** जब कोई सेवा देकर के रिटर्न लिया जाता है उसे Fee कहा जाता है। जैसे- रेलवे टिकट, बिजली का बिल, पानी का बिल आदि।



- ☐ **Direct Tax (प्रत्यक्ष कर):** ऐसा कर जिस पर लगाया जाता है अगर उसी के ऊपर उसका वास्तविक प्रभाव/भार पड़ता है, प्रत्यक्ष कर कहलाता है। जैसे: Income Tax, Corporate Tax **DSSSB TGT- 2021**

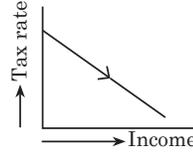
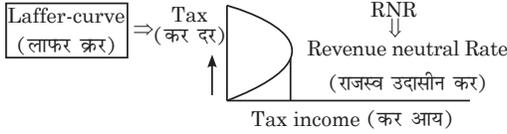
- ☐ **Indirect Tax (अप्रत्यक्ष कर):** ऐसा कर जिस पर लगाया जाता है उस पर वास्तविक भार नहीं पड़ता है, अप्रत्यक्ष कर कहलाता है।

जैसे: GST, Custom Duty

DSSSB TGT- 2021

उपकर (Cess)	अधिभार (Surcharge)
<ul style="list-style-type: none"> ● कर आधार पर लगाया गया अन्य कर उपकर कहलाता है। जैसे- कोयले पर लगाया गया स्वच्छ पर्यावरण उपकर। 	<ul style="list-style-type: none"> ● कर की दर पर लगाया गया अतिरिक्त कर अधिभार होता है। जैसे- सेवा कर पर 0.5% का अधिभार।
<ul style="list-style-type: none"> ● उपकर किसी विशेष उद्देश्य के लिए ही लगाया जाता है। 	<ul style="list-style-type: none"> ● इसके लिए विशेष उद्देश्य का होना आवश्यक नहीं है।
<ul style="list-style-type: none"> ● सेवा कर पर दो तरह के उपकर लागू होते हैं परन्तु कोई अधिभार लागू नहीं होता है। 	<ul style="list-style-type: none"> ● संसद केवल अनुच्छेद 269 तथा अनुच्छेद 270 से सम्बंधित करों पर ही अधिभार लगा सकती है।
<ul style="list-style-type: none"> ● यह प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों करों पर लगाया जा सकता है। 	<ul style="list-style-type: none"> ● आयकर तथा कुछ अन्य करों पर सरकार द्वारा अधिभार लगाया हुआ है। सामान्यतः अधिभार प्रत्यक्ष कर पर लगाया जाता है।
<ul style="list-style-type: none"> ● उपकर का उद्देश्य उसी मद में राजस्व बढ़ाने हेतु किया जाता है जहाँ से वह प्राप्त हुआ होता है अर्थात् उपकर की राशि एक निश्चित मद से जुड़ी होती है। 	<ul style="list-style-type: none"> ● अधिभार से प्राप्त राजस्व भारत की संघित निधि (Consolidated Fund of India) में जाता है।

Laffer-curve (लॉफर/लैफर-वक्र):



लाफर वक्र, कर की दर और कर आय के बीच संबंधों को दर्शाता है और यह बताता है कि अगर कर की दर बढ़ाई जाती है तो एक सीमा तक कर राजस्व/कर आय में वृद्धि होगी। लेकिन अगर इसके बाद कर की दर को बढ़ाया गया तो कर आय में वृद्धि नहीं होती बल्कि कमी होने लगती है क्योंकि आर्थिक गतिविधियों में शामिल लोगों को लाभ कम होता है तो वे कर देने से बचने लगते हैं।

अवक्रमणकारी कर प्रणाली (Degressive tax system)%

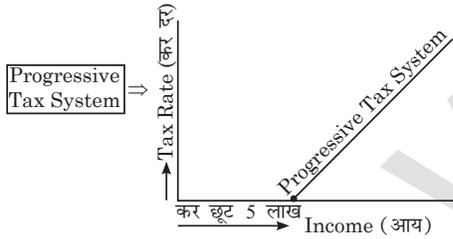
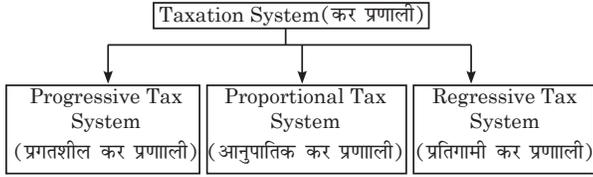
प्रगतिशील कर + अनुपातिक कर

अगर किसी कर प्रणाली में ये दोनों विशेषताएँ शामिल हो उन्हें अवक्रमणकारी कर प्रणाली कहा जाता है जैसे- भारत में इनकम टैक्स, Degressive tax system में आता है। क्योंकि 0-10 लाख तक प्रगतिशील है और 10 लाख से ऊपर अप्रगतिशील है।

भारत में व्यक्तिगत आयकर दरें:

कर योग्य आय के स्लैब	नई कर दरें
0 से 3 लाख	0%
3 से 6 लाख	5%
6 से 9 लाख	10%
9 से 12 लाख	15%
12 से 15 लाख	20%
15 लाख से अधिक	30%

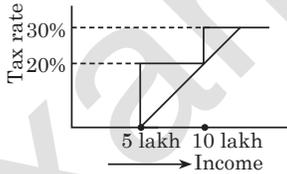
SSC MTS-2022



जब बढ़ती हुई आय के साथ कर की दरें बढ़ती हैं तो उसे प्रगतिशील कर प्रणाली कहा जाता है।

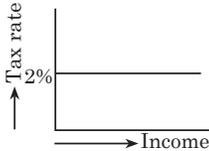
UK PSC- 2022

जैसे- भारत में प्रगतशील कर प्रणाली है।



अनुपातिक कर प्रणाली (Proportional Tax System): अगर बढ़ती हुई आय के साथ कर की दरें बढ़ती नहीं बल्कि समान बनी रहती हैं तो उसे आनुपातिक कर प्रणाली कहा जाता है।

DSSSB PGT- 2021



प्रतिगामी कर प्रणाली (Regressive Tax System): जब बढ़ती हुई आय के साथ कर की दरें बढ़ती नहीं बल्कि घट जाती हैं, प्रतिगामी कर प्रणाली कहलाती है।

वर्तमान में अर्थशास्त्रियों के द्वारा इस कर की माँग की जा रही है क्योंकि इससे कर वंचना और कर अपवंचना को रोका जा सकता है और सरकार की कर आय भी बढ़ाई जा सकती है।

प्रत्यक्ष कर और अप्रत्यक्ष करों का वर्गीकरण:

प्रत्यक्ष कर (Direct Tax)	
आय कर (Income Tax)	व्याज कर (Interest Tax)
निगम कर (Corporate Tax)	उपहार कर (Gift Tax)
व्यय कर (Expenditure Tax)	संपत्ति कर (Estate Duty)
संपत्ति कर (Wealth Tax)	बैंकिंग कैश ट्रांजेक्शन टैक्स (BCTT)
पूँजी लाभ कर (Capital Gains Tax)	प्रतिभूति व्यापार कर (Securities Transaction Tax)
लाभांश वितरण कर (Dividend Distribution Tax)	कमोडिटी ट्रांजेक्शन टैक्स (CTT)
अप्रत्यक्ष कर (Indirect Tax)	
सीमा शुल्क (Custom Duty)	वस्तु एवं सेवा कर (Goods and service Tax)
केंद्रीय उत्पाद शुल्क (Central Excise Duty)	केंद्रीय विक्री कर (Union Sales Tax)

SSC CGL-2023

राज्य सरकार द्वारा आरोपित प्रत्यक्ष कर	
भू-राजस्व पर कर	अचल संपत्तियों पर कर
कृषि आय पर कर	रोजगारों पर कर
होटल प्राप्तियों पर कर	पथ कर
व्यवसाय कर	

राज्य सरकार द्वारा आरोपित अप्रत्यक्ष कर	
व्यापार कर/बिक्री कर	प्रवेश कर (चुंगी कर)
स्टॉप एवं पंजीयन शुल्क	विज्ञापन कर
राज्य उत्पाद शुल्क	विद्युत पर कर व शुल्क
डीजल/पेट्रोल पर बिक्री कर	शिक्षा उपकर
वाहनों पर कर	सट्टेबाजी पर कर
परिवहन पर कर	

वर्ष 1998 के बाद यह नियम बनया गया कि अगर कोई व्यक्ति बिना किसी अवसर (शादी/विवाह आयोजन आदि) के उपहार प्राप्त करता है तो उसे उसकी आय में जोड़कर 30% की दर से आयकर लिया जाएगा। उपहार केवल सगे संबंधी से लिया जा सकता है।

वस्तु एवं सेवा कर (Goods and Service Tax):

वर्ष 2000 में केन्द्र सरकार ने जीएसटी पर विचार-विमर्श हेतु असीम दास गुप्ता की अध्यक्षता में एक समिति बनाई। वर्ष 2003 में अप्रत्यक्ष कर पर गठित केलकर समिति ने वैट सिद्धांत पर आधारित वस्तु एवं सेवा कर का सुझाव दिया था। वर्ष 2006-07 के बजट में तत्कालीन वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम ने वर्ष 2010 से जीएसटी लागू करने का प्रस्ताव रखा।

इसके पश्चात् भारत में जीएसटी को लागू करने की सिफारिश सबसे पहले 13वें वित्त आयोग ने की। वर्ष 2011 में जीएसटी विधेयक को 115वें संविधान संशोधन विधेयक के रूप में संसद में पेश किया गया, परन्तु वह पास नहीं हो पाया।

भारत में जीएसटी का लगभग 17 वर्षों से अधिक का इतिहास रहा है, जो 1 जुलाई, 2017 को साकार हो सका है।

SSC CGL-2022

□ **संवैधानिक प्रावधान (122 वाँ संविधान संशोधन विधेयक)** भारत के संविधान में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के सम्बंध में पहले से कोई प्रावधान नहीं था, जिससे कि इसे आसानी से लागू किया जा सके। चूँकि अप्रत्यक्ष करों का निर्धारण एवं आरोपण केन्द्र एवं राज्यों दोनों के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत शामिल है, अतः इसके लिए केन्द्र सरकार द्वारा 101वाँ संशोधन द्वारा जीएसटी संविधान संशोधन अधिनियम-2016 के माध्यम से संवैधानिक प्रावधान किया गया।

SSC CHSL-2020

वस्तुओं एवं सेवाओं पर लगने वाले एक समान कर की व्यवस्था को GST कहा जाता है। इसमें 17 करों को शामिल करके एक कर के रूप में लाया गया है और पहली बार आर्थिक एकीकरण के प्रयास को संभव बनाया गया है। क्योंकि भारत के संविधान में कर लगाने की शक्तियाँ केन्द्र व राज्यों के बीच बंटी हुई थी और संघात्मक स्वरूप को दर्शाती थी। लेकिन GST के माध्यम से इसे एकात्मक स्वरूप वाला बना दिया गया। GST केवल स्वरूप में एकात्मक है लेकिन इसका लाभ संघात्मक है। भारत में GST 1 जुलाई, 2017 को लागू हुआ था भारतीय GST माडल कनाडा के उपभोग वैट मॉडल पर आधारित है। भारत में 1 जुलाई को GST दिवस मनाया जाता है।

GST द्वारा प्रतिस्थापित होने वाले कर (Taxes Subsumed under GST)

- केंद्रीय उत्पाद शुल्क
- अतिरिक्त उत्पाद शुल्क
- सेवा कर
- प्रतिकारी शुल्क
- अतिरिक्त सीमा शुल्क
- केंद्र द्वारा लगाये जाने वाले अधिभार तथा उपकर (Cess)
- वैट (VAT) बिक्री कर
- खरीद कर
- मनोरंजन कर
- विलासिता कर
- प्रवेश शुल्क, चुंगी (Octroi)
- विज्ञापन कर (अखबार, TV व रेडियो को छोड़कर)
- लॉटरी व जुआ पर लगने वाले कर
- राज्य द्वारा लगाए जाने वाले अधिभार

GST दरें: 0%, 5%, 12%, 18%, 28%,

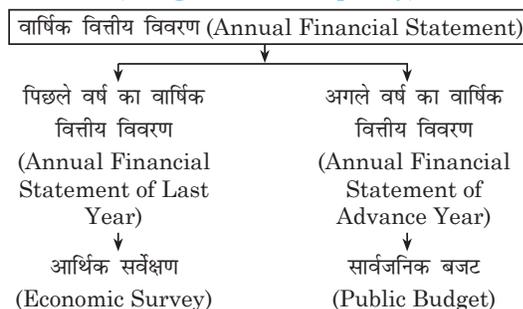
15वाँ वित्त आयोग: संविधान के अनुच्छेद 280 के अंतर्गत एक अर्द्धन्यायिक निकाय के रूप में राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक 5 वर्षों में वित्त आयोग का गठन किया जाएगा।

15वाँ वित्त आयोग है, जिसका गठन 27 नवंबर, 2017 को N.K. सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रपति द्वारा किया गया जिसकी कार्यविधि 2020-2025 थी। वर्तमान में 16वाँ वित्त आयोग का गठन 31 दिसंबर, 2023 को अरविंद पनगड़िया की अध्यक्षता में राष्ट्रपति द्वारा किया गया। जिसका कार्यकाल 2026 से 2030 होगा।

टेक्स सुधार से संबंधित महत्वपूर्ण समितियाँ:

- ✳ राजा चेलैया समिति (1991)
- ✳ विजय केलकर समिति (2002)
- ✳ पार्थ सारथी सोम समिति (2013)
- ✳ जस्टिस आर.वी ईश्वर पैनल

बजट एवं राजकोषीय नीति (Budget and fiscal policy)



बजट का इतिहास (History of Budget)

- बजट शब्द फ्रेंच भाषा के बोगेट अथवा बुजेट (Bougette) से लिया गया है, जिसका अर्थ है- चमड़े का थैला।
- वर्ष 1773 में ब्रिटिश वित्तीय प्रस्ताव (बजट) चमड़े के एक थैले में से निकाले गए थे, उसी समय से बजट शब्द का प्रयोग सरकार के वार्षिक आय-व्यय के विवरण के लिए किया जाने लगा।

- ❑ सर्वप्रथम वर्ष 1803 में बजट शब्द का प्रयोग किया गया था।
- ❑ भारत का प्रथम बजट 18 फरवरी, 1860 को तत्कालीन वायसराय लॉर्ड कैनिंग की परिषद् के वित्तीय सदस्य जेम्स विल्सन द्वारा प्रस्तुत किया गया था, इसीलिए जेम्स विल्सन को भारतीय बजट का प्रणेता (Father of Budget in India) माना जाता है।
- ❑ स्वतंत्र भारत में बजट परंपरा का आधार वर्ष 1944 में निर्मित बॉम्बे प्लान से सम्बंधित माना जाता है। इस प्लान की रचना जॉन मथाई, जी. डी. बिरला और जे. आर. डी. टाटा ने की थी।
- ❑ स्वतंत्र भारत का पहला बजट 26 नवम्बर, 1947 को पहले वित्त मंत्री आर. के. षण्मुखम् चेट्टी द्वारा पेश किया गया था। जॉन मथाई को वर्ष 1950 में गणतन्त्र भारत का पहला केन्द्रीय बजट पेश करने का गौरव प्राप्त हुआ था।

DSSSB JE- 2022 & SSC GD 2019

- ❑ ब्रिटिश शासन के दौरान अंग्रेजों ने भारत में बजट प्रस्तुत करने का समय शाम को 5 बजे निर्धारित किया क्योंकि उस समय ब्रिटेन में दिन होता था। स्वतंत्र भारत में वर्ष 1998 तक यहीं परम्परा चलती रही, परन्तु वर्ष 1999 से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के वित्तमंत्री यशवन्त सिन्हा ने बजट प्रस्तुत करने का समय प्रातः 11 बजे निर्धारित कर दिया।
- ❑ बजट पेश करने के 75 दिन की अवधि के अंदर बजट को पारित करना आवश्यक होता है।

बजट से सम्बंधित महत्वपूर्ण तथ्य

- ❑ बजट अनुमानित आय एवं व्यय का एक विवरण है।
- ❑ यह एक सीमित अवधि (Short Term) के लिए होता है।
- ❑ बजट को स्वीकृत करने के लिए एक सार्वजनिक निकाय की आवश्यकता होती है।
- ❑ बजट सार्वजनिक एवं संसदीय नियन्त्रण से मुक्त नहीं होता है।
- ❑ बजट के प्रस्तुतीकरण के लिए फरवरी माह के अंतिम दिन के स्थान पर फरवरी माह का प्रथम दिन निर्धारित कर दिया गया है।

नोट- 1 फरवरी, 2017 को तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली द्वारा केंद्रीय बजट को फरवरी के पहले दिन पेश करने की घोषणा की गई।

वर्ष 2017 से पहले तक भारत में संघीय बजट को दो स्तर पर प्रस्तुत किया जाता था

1. आम बजट: इसे वित्त मंत्री प्रस्तुत करते थे।
2. रेल बजट: इसे रेलमंत्री प्रस्तुत करते थे।

❖ वर्ष 1920-21 में तत्कालीन ब्रिटिश सरकार द्वारा अर्थशास्त्री विलियम एकवर्थ की अध्यक्षता में एक 10 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। इस समिति की अनुशंसा के आधार पर वर्ष 1924 से भारत में रेल बजट को सामान्य बजट से अलग कर दिया गया। परन्तु, रेलवे तथा केन्द्र सरकार के मध्य वित्तीय सम्बंधों का नियमन रेलवे कन्वेंशन कमेटी की संस्तुतियों के आधार पर होता है।

पृथक रेल बजट व्यवस्था समाप्त

❖ वर्ष 2017-18 से रेल बजट को आम बजट के साथ ही प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया है, इसलिए अब पृथक् रेल बजट पेश करने की परम्परा समाप्त हो गयी है।

DSSSB PRT- 2019

वार्षिक वित्तीय विवरण (बजट): इसका उल्लेख भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 में किया गया है। इसके अनुसार सरकार के पास अन्य खर्चों से अलग राजस्व खर्च का वार्षिक वित्तीय विवरण होता है।

वार्षिक वित्तीय विवरण सरकार के आय और व्यय का वित्तीय रिकार्ड है।

इसमें तीन वर्ष के आँकड़े होते हैं-

- वर्तमान वित्त वर्ष
- पूर्व वित्त वर्ष
- आगामी वित्त वर्ष

SSC MTS-2022

नोट: भारतीय संविधान में बजट शब्द का उल्लेख नहीं किया गया है।

राजस्व प्राप्तियाँ (Revenue Receipts): सरकार की वे प्राप्तियाँ जिसमें न तो देयताएँ सृजत होती हैं और न ही परिसंपत्तियाँ कम होती हैं।

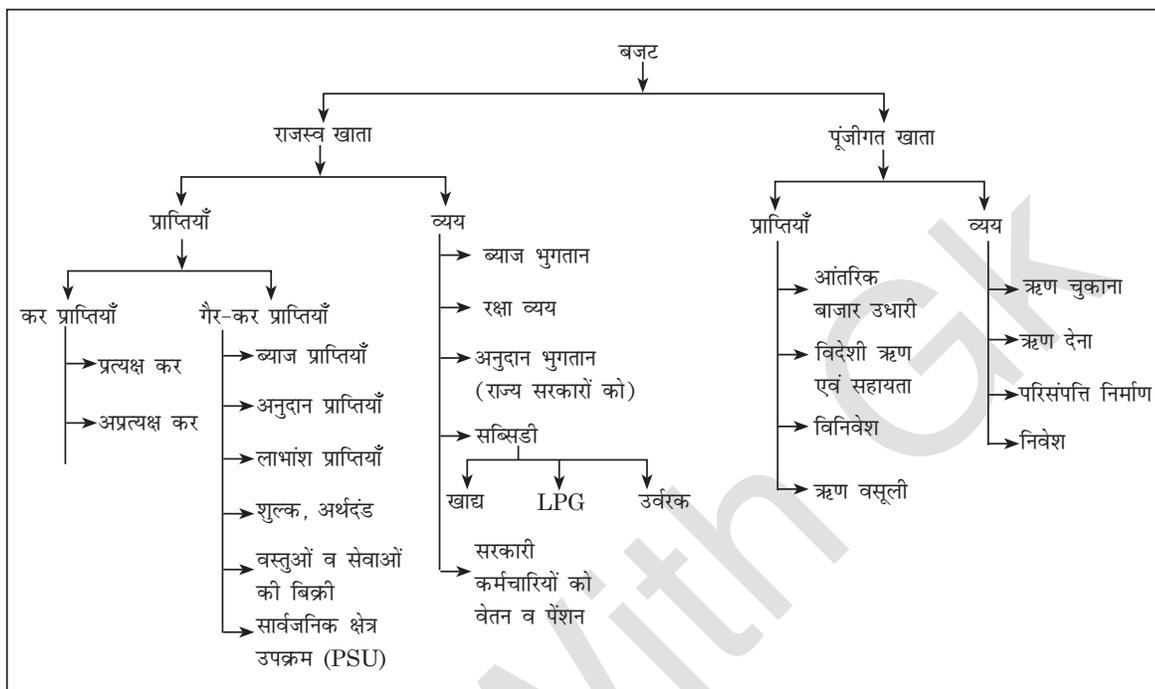
पूंजीगत प्राप्तियाँ (Capital Receipts): सरकार की वे प्राप्तियाँ जिसमें देयताएँ सृजत होती हैं और परिसंपत्तियाँ कम होती हैं।

उदाहरण: सरकारी परिसंपत्तियों की बिक्री से राजस्व

SSC CGL-2024

राजस्व व्यय (Revenue Expenditure): सरकार का वे व्यय जिसमें न देयताएँ कम होती हैं और न ही परिसंपत्तियाँ बढ़ती जैसे- सिसिडी।

पूंजीगत व्यय (Capital Expenditure): सरकार के वे व्यय जिसमें देयताएँ कम होती हैं या परिसंपत्तियाँ सृजित होती हैं। जैसे- हाइवे का निर्माण।



विनियोग विधेयक: इस विधेयक द्वारा सरकार अपने खर्चों के लिए लोकसभा से अनुमति लेती है। इसका उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 114 और अनुच्छेद 266 में किया गया है। इसमें सभी मंत्रियों की मांगों को शामिल कर इन मांगों के बारे में लोकसभा में चर्चा की जाती है। **जब मांगे मान ली जाती है तो उसे अनुदान कहा जाता है।**

वित्त विधेयक: इस उल्लेख भारतीय संविधान के अनुच्छेद 117 व अनुच्छेद 265 में किया गया है। सरकार इसके द्वारा नये कर लागू व पुराने करों में बदलाव करती है। जब संसद में विनियोग विधेयक व वित्त विधेयक दोनों पारित हो जाते हैं तो बजट पारित माना जाता है।

राजस्व घाटा (Revenue Deficit)	राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit)	प्राथमिक घाटा (Primary Deficit)
1. यह राजस्व प्राप्तियों पर राजस्व व्यय का आधिक्य है। राजस्व घाटा = राजस्व व्यय - राजस्व प्राप्तियाँ	1. यह कुल प्राप्तियाँ (उधार के अतिरिक्त) पर कुल व्यय का आधिक्य है। राजकोषीय घाटा = कुल व्यय (राजस्व व्यय + पूँजीगत व्यय) - उधार के अलावा कुल प्राप्तियाँ (राजस्व प्राप्तियाँ + पूँजीगत प्राप्तियाँ) SSC CHSL-2021	1. यह राजकोषकीय घाटे तथा ब्याज के भुगतान के बीच अंतर है। प्राथमिक घाटा = राजकोषीय घाटा - ब्याज भुगतान SSC CHSL-2023
2. यह बजटीय व्यय को प्रबंधित करने हेतु सरकार की उधार लेने को आवश्यकता को प्रकट करता है। SSC CHSL-2024	2. यह ब्याज के भुगतान सहित सरकार की उधार लेने की सीमा को प्रकट करता है। राजकोषीय घाटे की अवधारणा को वर्ष 1985 में सुखमय चक्रवर्ती समिति (मौद्रिक पद्धति के क्रियान्वयन पर गठित समिति) ने प्रस्तुत किया था।	2. यह ब्याज के भुगतान के अतिरिक्त सरकार की उधार लेने की सीमा को प्रकट करता है।

बजट घाटा

- ☐ कुल प्राप्तियों एवं कुल व्यय का अंतर बजट घाटा कहलाता है।
- ☐ इसकी क्षतिपूर्ति के लिए सरकार Ad hoc Treasury बिल जारी करती है। यानि सरकार अतिरिक्त प्रतिभूतियाँ जारी करती है और RBI नई मुद्रा छापती है। इसकी वजह से बाजार में तरलता बढ़ती है तथा मुद्रास्फीति की समस्या उत्पन्न होती है इस कारण 1997 में Ad hoc समाप्त कर दिया।

SSC GD- 2022

राजकोषीय सुधार

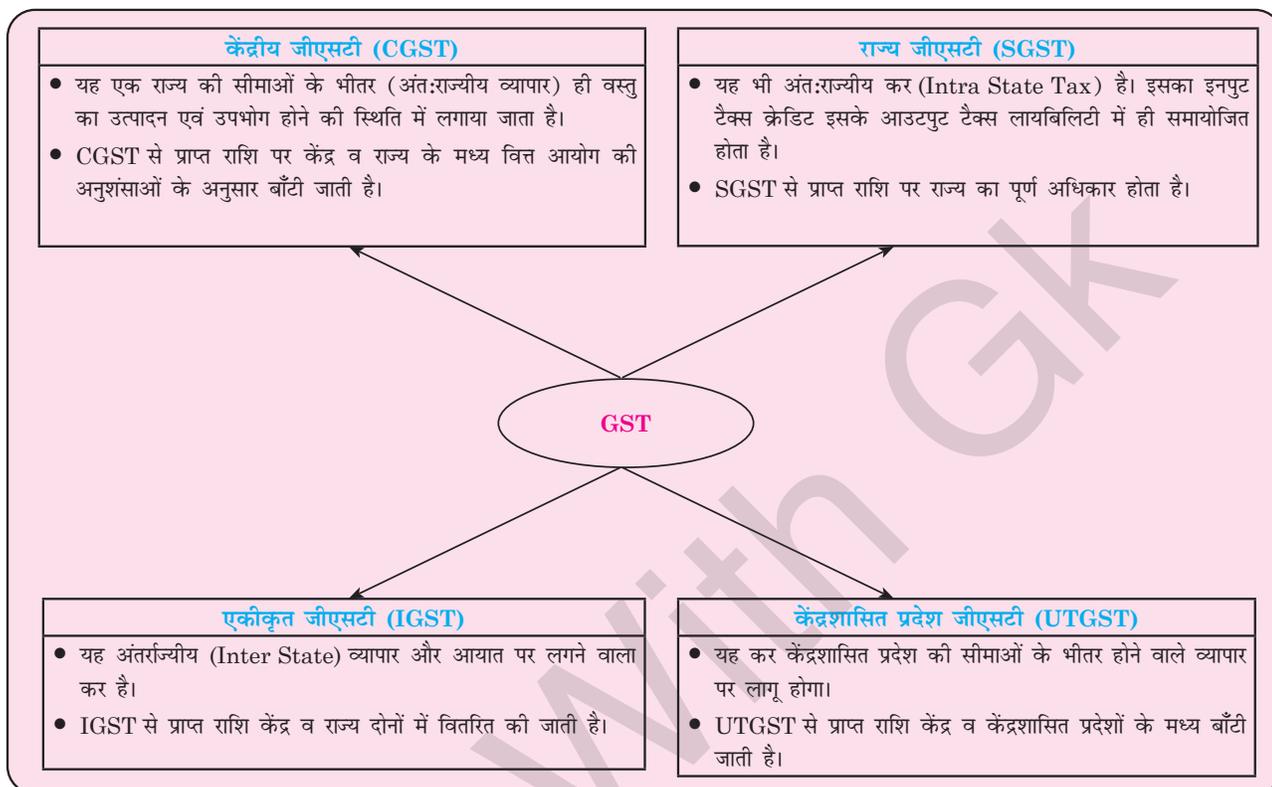
- ☐ राजकोषीय व्यवस्था में अनुशासन लाने के लिए FRBM अधिनियम (राजकोषीय जवाबदेही और बजट प्रबंधन) को वर्ष 2003 में पारित

किया गया। यह जुलाई, 2004 को प्रभावी हुआ। इसके तहत सरकार यह सुनिश्चित करती है कि राजकोषीय घाटा GDP के 3% तक सीमित रहे। इसके अलावा, इस अधिनियम का उद्देश्य राजस्व घाटा को समाप्त करना है।

शून्य आधार बजटिंग (Zero Base Budget)

- ☐ इसकी औपचारिक शुरुआत 10 जुलाई, 1986 को वित्त मंत्रालय द्वारा की गई तथा 1987-88 के आम बजट के साथ यह बजट पद्धति शुरू की गई। सरकार की नई योजनाओं व कार्यक्रमों की प्रारंभ में ही समीक्षा की जाती है। उनकी प्रासंगिकता एवं उपयोगिता देखी जाती है।

UGC NET- 2021



□ इस बजट प्रणाली के अंतर्गत, राजकोषीय घाटा कम होता है तथा कार्यपालिका पर विधायिका का नियंत्रण बढ़ता है।

Outcome Budget

□ 2005 में वित्तमंत्री पी चिंदबरम ने इसकी घोषणा की तथा वर्ष 2006 में इसे लागू किया गया। यह सरकार द्वारा खर्च की गई धनराशि और उसके परिणाम के बीच संबंध विकसित करने का एक साधन है।

Gender Budget

□ वर्ष 2005 में वित्तमंत्री पी. चिंदबरम ने इसे पेश किया। इसके तहत बजट में महिला व बच्चों के कल्याण के लिए या महिला सशक्तिकरण के लिए जो धन आवंटित किया जाता है, उन्हें अलग बताया जाता है। इस तरह के बजट का सर्वप्रथम प्रयोग वर्ष 1982 में ऑस्ट्रेलिया में किया गया था।

MPSC- 2019

अंतरिम बजट

□ इसे चुनावी वर्ष में पेश किया जाता है। यह 1 वर्ष के लिए वैध होता है लेकिन सरकार बदलती है तो इसे पहले भी उन्मूलित किया जा सकता है। इसमें राजस्व व्यय व प्राप्तियाँ दोनों शामिल होती हैं।

लेखानुदान

□ इसे हर वर्ष प्रस्तुत किया जाता है ताकि अल्पकालिक व्यय जरूरते पूरी की जा सके। यह 2 से 4 माह तक वैध होता है और इसमें केवल व्यय पर चर्चा की जाती है।

SSC CGL- 2019

नोट: वर्ष 2017 में बजट पेश करने की तिथि 1 अप्रैल से परिवर्तित कर

1 फरवरी की गई, अतः बजट 31 मार्च से पहले पारित होता है, इसलिए अब लेखानुदान की आवश्यकता नहीं है।

भारत में मुद्रण एवं सिक्कों का उत्पादन

□ **इंडियन सिक्कोरिटी प्रेस, नासिक:** यहाँ डाकखानों की स्टेशनरी, डाक टिकट, अदालती व गैर-अदालती स्टाम्प, रिजर्व बैंक व भारतीय स्टेट बैंक के चेक, बॉण्ड, राष्ट्रीय बचत पत्र, पोस्टल आर्डर, पासपोर्ट आदि के अलावा केन्द्र सरकार, राज्य सरकारों, सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों, वित्तीय निगमों आदि के प्रतिभूति पत्रों की छपाई होती है।

SSC CPO- 2019

□ **सिक्कोरिटी प्रिंटिंग प्रेस, हैदराबाद:** यहाँ दक्षिणी राज्यों के लिए डाक लेखन सामग्री, पूरे देश की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क स्टाम्प की छपाई होती है।

□ **करेंसी प्रेस नोट, नासिक:** यहाँ 10, 50, 100 और 500 रुपये के नोटों की छपाई और पूर्ति होती है।

RRB NTPC- 2016

□ **बैंक नोट प्रेस, देवास (म.प्र.):** यहाँ 20, 50, 100 और 500 रुपये के उच्च मूल्य वर्ग के नोट छपते हैं।

□ **भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण (प्रा.) लिमिटेड:** इसकी स्थापना भारत में बैंक नोट का उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से आरबीआई द्वारा अपने स्वामित्वाधीन उसकी सहायक कंपनी के रूप में 3 फरवरी, 1995 को की गई। इसका पंजीकरण कंपनी अधिनियम 1956 के तहत प्राइवेट कंपनी पंजीकृत एवं कॉर्पोरेट कार्यालय बंगलुरु में है। कंपनी के अंतर्गत दो प्रेस (कर्नाटक) तथा शालबनी (पश्चिम बंगाल) में स्थित हैं।

- **सिक्वोरिटी पेपर मिल, नर्मदापुरम:** यहाँ बैंक व करेंसी नोट पेपर, गैर-अदालती स्टाम्प पेपर की छपाई में लगने वाले कागज का उत्पादन होता है।

उद्योग

- भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (MSME) अधिनियम, 2006, 2 अक्टूबर, 2006 को लागू किया गया, जिसका प्राथमिक उद्देश्य MSME के विकास को बढ़ावा देना एवं सुविधाजनक बनाना है।

SSC CGL-2024

- इस अधिनियम के अनुसार उद्यमों को दो भागों में वर्गीकृत किया गया है।- 1. विनिर्माण उद्यम एवं 2. सेवा उद्यम

लौह एवं इस्पात उद्योग (Iron and Steel Industry)

- लौह इस्पात उद्योग अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है।
- इसके महत्त्व को स्वीकार करते हुए पं. जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि, "लौह एवं इस्पात उद्योग आधुनिक सभ्यता का आधार है।"
- देश में पहला लौह-इस्पात कारखाना वर्ष 1874 में बराकर नदी के किनारे कुल्टी (आसनसोल, पश्चिम बंगाल) नामक स्थल पर बंगाल आयरन वर्क्स (BIW) के रूप में स्थापित किया गया था। बाद में यह कंपनी फंड के अभाव से बंद हो गयी तो इसे बंगाल सरकार ने अधिग्रहित कर लिया और उसका नाम बदलकर आयरन वर्क्स रखा।
- वर्ष 1907 में स्वर्णरेखा नदी की घाटी में जमशेद जी टाटा द्वारा साकची (जमशेदपुर) नामक स्थान पर टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी (TISCO) की स्थापना की गई।
- 24 जनवरी, 1973 को ₹2,000 करोड़ की पूँजी के साथ SAIL (Steel authority of India) को दुर्गापुर, भिलाई, राउरकेला, बोकारो, बर्नपुर, सलेम एवं विश्वेश्वरैया लौह इस्पात कारखाना को एक साथ मिलाकर संचालन की जिम्मेदारी दी गई।
- SAIL (Steel authority of India) एक महारत्न कंपनी है।
- भारत का पहला तटवर्ती इस्पात कारखाना विशाखापत्तनम (आंध्रप्रदेश) में लगाया गया था।

कंपनी	स्थान	लौह अयस्क प्राप्ति स्थान
TISCO	जमशेदपुर (झारखंड)	- झारखंड के नोआमुंडी की खान, ओडिशा के गुरुमहिसानी एवं बादाम पहाड़ (मयूरभंज)
भिलाई लौह व इस्पात संयंत्र (रूस के सहयोग से स्थापित)	छत्तीसगढ़	डल्ली - राजहरा (छत्तीसगढ़)
भारतीय लौह व इस्पात संयंत्र	बर्नपुर (पश्चिम बंगाल)	सिंहभौम (झारखंड)
विश्वेश्वरैया लौह इस्पात संयंत्र	भद्रावाटी (कर्नाटक)	बाबाबुदान पहाड़ी (केम्पनगुंडी, कर्नाटक)

SSC JE- 2019

दुर्गापुर (ब्रिटेन के सहयोग से स्थापित)	पश्चिम बंगाल	नोआमुंडी (झारखंड)
---	--------------	-------------------

R.J Police SI- 2021

राउरकेला (जर्मनी के सहयोग से स्थापित)	ओडिशा	क्योंझर (ओडिशा)
सलेम इस्पात संयंत्र	तमिलनाडु	बाबाबुदान पहाड़ी (कर्नाटक)
पारादीप इस्पात संयंत्र	ओडिशा	क्योंझर (ओडिशा)

द्वितीय पंचवर्षीय योजना (1956 - 1961)

- ★ कार्यकाल - 1 अप्रैल, 1956 - 31 मार्च, 1961
- ★ अध्यक्ष - जवाहरलाल नेहरू
- ★ उपाध्यक्ष - टी.टी. कृष्णाम्माचारी
- ★ मॉडल - अर्थशास्त्री प्रशांत चंद्र महालनोबिस
- ★ इस योजना में तीव्र औद्योगिकीकरण और सार्वजनिक क्षेत्र के विकास पर बल दिया गया।

1. राउरकेला इस्पात संयंत्र: इसकी स्थापना ओडिशा में जर्मनी की सहायता से की गई थी।
2. भिलाई लौह-इस्पात संयंत्र: इसकी स्थापना छत्तीसगढ़ में रूस की सहायता से की गई थी।
3. दुर्गापुर इस्पात संयंत्र: इसकी स्थापना पश्चिम बंगाल में ब्रिटेन की सहायता से की गई थी।
4. बोकारो लौह-इस्पात कारखाना : इसकी स्थापना झारखण्ड में रूस की सहायता से की गई थी।
5. विजयनगर इस्पात उद्योग: कर्नाटक में बेलारी जिले में।
6. विशाखापट्टनम इस्पात उद्योग: आंध्रप्रदेश में।
7. संलयन इस्पात उद्योग संयंत्र: तमिलनाडु में।
8. दातेरी इस्पात उद्योग : ओडिशा में

एल्युमीनियम उद्योग (Aluminium Industry)

- एल्युमीनियम उद्योग के अन्तर्गत बॉक्साइट की कच्ची धातु से इसका निर्माण किया जाता है।
- बॉक्साइट को गलाने के लिए बड़ी मात्रा में कोयले की आवश्यकता के कारण एल्युमीनियम कारखाने उन्हीं क्षेत्रों में स्थापित किये जाते हैं, जहाँ दोनों खनिज साथ-साथ मिलते हैं।
- भारत में एल्युमीनियम का पहला कारखाना वर्ष 1937 में पश्चिम बंगाल की आसनसोल नामक जगह के जयनगर या जे. के. नगर में स्थापित किया गया था।
- हिंडालको की स्थापना वर्ष 1958 में उत्तर प्रदेश के रेनुकूट नामक जगह पर की गई थी।

भारत के एल्युमीनियम उद्योग के प्रमुख कारखानों के नाम और उनका स्थान:

- इंडियन एल्युमिनियम कम्पनी (वर्ष 1938): बिहार हैं।
- भारत एल्युमिनियम कम्पनी (BALCO): कोरबा (छत्तीसगढ़)
- Hindalco: रेनुकूट (उत्तर प्रदेश)
- NALCO (1981): देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई। इसकी 3 इकाईयाँ मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश व ओडिशा में हैं।

कंपनी	सहायक देश	प्रमुख केंद्र
BALCO	सोवियत संघ	कोरबा (छत्तीसगढ़)
NALCO	फ्रांस	दामनजोड़ी, अंगुल (ओडिशा)

UP. Police Cons. 2024		
HINDALCO	USA	रेगुकूट (UP), रायगढ़ (ओडिशा), मूरी (झारखण्ड)
MALCO	इटली	चेन्नई, मेट्टूर, सलेम (तमिलनाडु)
VEDANTA	जर्मनी	झारसुगुडा (ओडिशा)
INDALCO	कनाडा	मूरी (झारखंड), अलवाय (केरल), JK नगर (पं. बंगाल)

सीमेन्ट उद्योग (Cement Industry)

सीमेन्ट उद्योग का महत्त्व: वर्तमान में भारतीय सीमेन्ट उद्योग, विश्व में सीमेन्ट के उत्पादन में न केवल दूसरे स्थान पर है, बल्कि विश्वस्तरीय गुणवत्ता का सीमेन्ट भी उत्पादित करता है।

सीमेन्ट उद्योग का प्रारंभ से अब तक की स्थिति: वर्ष 1904 में सर्वप्रथम मद्रास (अब चेन्नई) में भारत का पहला सीमेन्ट कारखाना खोला गया जो असफल रहा, किंतु वर्ष 1912-14 के मध्य 3 बड़े सीमेन्ट कारखाने खोले गए।

- ❖ पोरबंदर (गुजरात)।
- ❖ कटनी (मध्य प्रदेश)।

❖ लाखेरी (राजस्थान)

SSC Selection Posts- 2024

वर्ष 1912-13 में पोरबंदर (गुजरात) में पहले सफल कारखाने की स्थापना की गई।

इसके पश्चात् वर्ष 1914 में कटनी (मध्य प्रदेश) में कटनी सीमेन्ट एंड इंडस्ट्रियल कंपनी की स्थापना की गई।

वर्ष 1916 में बूँदी पोर्टलैंड सीमेन्ट कंपनी लाखेरी (राजस्थान) ने सीमेन्ट उत्पादन प्रारंभ किया।

Raj. CET- 2023

विश्व में सबसे पहले आधुनिक ढंग की सीमेन्ट का निर्माण वर्ष 1824 में ब्रिटेन के 'पोर्टलैंड' नामक स्थान पर किया गया था

विश्व में सर्वाधिक सीमेन्ट का उत्पादन-

1. चीन
2. भारत

राजस्थान में सर्वाधिक सीमेन्ट का उत्पादन- चित्तौड़गढ़

कागज उद्योग (paper Industry)

इस उद्योग में कच्चे माल के रूप में सेलूलोस की लुगदी, मुलायम लकड़ी, बाँस, घास, गन्ने की खोई तथा रद्दी कागज का प्रयोग होता है।

भारत में कागज निर्माण में सबसे अधिक बाँस का प्रयोग होता है।

वर्ष 1832 में पहले आधुनिक पेपर मिल की स्थापना पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर में हुई थी, लेकिन यहाँ लगाई गई मशीन सिर्फ मुलायम लकड़ी का उपयोग करती थी, जो भारत में बहुत कम पाई जाती थी, अतः यह मिल बाहर से आयातित मुलायम लकड़ी से पेपर का उत्पादन करती थी।

वर्ष 1914 तक पेपर बनाने में बाँस का उपयोग प्रचलित हुआ और पेपर उद्योग के विकास में अत्यधिक तेजी आई।

महाराष्ट्र के बल्लारपुर में देश की सबसे बड़ी कागज मिल है।

मध्य प्रदेश के नेपानगर में अखबारी कागज तथा नर्मदापुरम में नोट छापने के कागज बनाने का सरकारी कारखाना है।

- ❑ आधुनिक ढंग से भारत में कागज का पहला कारखाना कहाँ स्थापित किया गया - वर्ष 1716 ई. में मद्रास के समीप टूंकोवार नामक स्थान पर
- ❑ भारत में पहला सफल कारखाना -वर्ष 1879 में लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

- ❑ भारत का सबसे बड़ा कागज उत्पादक राज्य -पं. बंगाल
- ❑ देश की सबसे बड़ी कागज मिल -महाराष्ट्र के बल्लारपुर

सूती वस्त्र उद्योग

यह भारत का सबसे प्राचीनतम उद्योग है यह सर्वाधिक रोजगार प्रदान करने वाला उद्योग है।

वर्ष 1818 में भारत में प्रथम सूती मील की स्थापना कोलकता में की गई।

वर्ष 1854 में भारत की प्रथम सफल सूती मील - मुम्बई (कुवास जी डाबर द्वारा स्थापित) यह निजी मील थी।

SSC CGL-2024

भारत में ऊन की पहली मील -कानपुर (वर्ष 1876)

भारत का मैनचेस्टर -अहमदाबाद

उत्तर भारत का मैनचेस्टर -कानपुर (उत्तर प्रदेश)

दक्षिण भारत का मैनचेस्टर -कोयंबटूर (तमिलनाडु)

राजस्थान का मैनचेस्टर -भीलवाड़ा

राजस्थान का नवीनतम मैनचेस्टर -भिवानी (अलवर)

भारत में सूती वस्त्रों की राजस्थानी -मुम्बई

सर्वाधिक मीलों की संख्या -तमिलनाडु

सर्वाधिक सूती धागे का उत्पादन -तमिलनाडु

सर्वाधिक सूती वस्त्रों का उत्पादन -महाराष्ट्र

सर्वाधिक ऊनी वस्त्रों का उत्पादन -पंजाब (लुधियाना)

सर्वाधिक ऊन का उत्पादन -राजस्थान

राजस्थान में सर्वाधिक ऊन का उत्पादन -जोधपुर

एशिया की सबसे बड़ी ऊन की मण्डी -बीकानेर

चीनी उद्योग (Sugar Industry)

चीनी उत्पादन में भारत ब्राजील के बाद दूसरे स्थान पर है।

भारत में आधुनिक चीनी उद्योग की शुरुआत वर्ष 1903 में उत्तर प्रदेश की प्रतापपुर चीनी मिल की स्थापना के साथ हुई।

देश में गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश है, किन्तु चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य महाराष्ट्र है।

भारतीय चाय बोर्ड की रिपोर्ट (2021-22) के अनुसार पश्चिम बंगाल एवं असम राज्य समूह सबसे बड़ा चाय उत्पादक है।

SSC CGL-2024

महत्त्वपूर्ण संस्थान

- ❑ चीनी प्रौद्योगिकी के भारतीय संस्थान कानपुर (उत्तर प्रदेश)
- ❑ भारतीय चीनी अनुसंधान संस्थान लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
- ❑ भारतीय गन्ना प्रजनन संस्थान कोयंबटूर (तमिलनाडु)

पेट्रोलियम उद्योग

डिगबोई में एशिया में पहली बार तेल कुएँ का खनन हुआ था।

11 दिसंबर, 1901 में यहाँ एशिया की पहली रिफाइनरी को शुरू किया गया था।

डिगबोई में अभी तक उत्पादन करने वाली कुछ सबसे पुराने तेल कुएँ हैं।

डिगबोई भारत के असम राज्य के तिनसुकिया जिले के उत्तर पूर्वी हिस्से में स्थित एक छोटा सा नगर है।

- 19वीं सदी के अंतिम वर्षों में यहाँ कच्चे तेल की खोज की गयी थी।
- डिगबोई को असम के तेल नगरी के रूप में जाना जाता है।
- मुम्बई हाई तेल क्षेत्र की खोज वर्ष 1976 में की गयी थी।
- मुम्बई हाई तेल क्षेत्र अरब सागरीय अपतटीय क्षेत्र में स्थित है।
- यह मुम्बई से 176 किमी की दूरी पर स्थित है।
- वर्तमान में मुम्बई हाई से देश में कुल तेल उत्पादन का लगभग 60 प्रतिशत तेल प्राप्त होता है।

तेल शोधनशालाएँ	राज्य
डिगबोई	असम
नुमालीगढ़	असम
गुवाहाटी	असम
बोंगईगाँव	असम
बरौनी	बिहार
कोलकाता	पश्चिम बंगाल
हल्दिया	पश्चिम बंगाल
पारादीप	ओडिशा
विशाखापत्तनम्	आंध्र प्रदेश
ताटीपका	आंध्र प्रदेश
चेन्नई (मनाली)	तमिलनाडु
नागपत्तनम्	तमिलनाडु
कोच्चि	केरल
मंगलोर	कर्नाटक
ट्रॉम्बे	महाराष्ट्र
कोयली	गुजरात
जामनगर	गुजरात
वाडीनार	गुजरात
भटींडा	पंजाब
पानीपत	हरियाणा
बीना	मध्य प्रदेश
मथुरा	उत्तर प्रदेश

जूट उद्योग

- जूट उद्योग एक कच्चा माल आधारित उद्योग है, यही कारण है कि जूट के अधिकांश उद्योग पश्चिम बंगाल के जूट उत्पादक क्षेत्रों के समीप स्थापित किये गए हैं। फलतः पश्चिम बंगाल देश में सर्वाधिक जूट सामानों का उत्पादन करता है।
- जूट तथा जूट से निर्मित वस्तुओं के उत्पादन में भारत का विश्व में प्रथम स्थान है तथा भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश है।
- भारत का प्रथम जूट कारखाना 'जॉर्ज ऑकलैंड' द्वारा वर्ष 1855 में 'रिशरा' (कोलकाता के पास) पश्चिम बंगाल में स्थापित किया गया था।

SSC CGL-2022

- पश्चिम बंगाल के बाद, बिहार देश में दूसरा सर्वाधिक जूट का उत्पादन करने वाला राज्य है।
- पश्मीना ऊँन की प्राप्ति होती है

-बकरी से (लद्दाख)

CTET- 2021

- अंगोरा ऊँन की प्राप्ति होती है -खरगोश से।
- भारत का प्रथम आधुनिक ऊँन कारखाना स्थापित किया गया था -कानपुर में।
- ऊँन का सर्वाधिक उत्पादक राज्य -कर्नाटक
- रेशम का सर्वाधिक उत्पादक राज्य -कर्नाटक
- जूट का सर्वाधिक उत्पादक राज्य -पश्चिम बंगाल
- केंद्रीय रेशम अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान अवस्थित है -मैसूर व बरहामपुर।
- संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन -विएना
- अंतरराष्ट्रीय मानक संगठन -जेनेवा

Indian Army N.A- 2020

SSC CHSL- 2019

रासायनिक उर्वरक उद्योग

- भारत में सुपर फॉस्फेट उर्वरक का पहला कारखाना वर्ष 1906 ई. में तमिलनाडु के रानीपेट नामक स्थान पर स्थापित किया गया।
- फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स ट्रावनकोर लिमिटेड (FACT) की स्थापना वर्ष 1943 में उद्योगमंडल, कोच्चि (केरल) में भारत के पहले बड़े पैमाने के उर्वरक संयंत्र के रूप में की गई थी। FACT ने वर्ष 1947 में उत्पादन कार्य शुरू किया।
- भारतीय उर्वरक निगम की स्थापना वर्ष 1951 में।
- भारतीय उर्वरक निगम के तहत एशिया का सबसे बड़ा उर्वरक संयंत्र सिंदरी, झारखंड में स्थापित किया गया।
- रासायनिक उर्वरक उत्पादक एवं उपभोक्ता के रूप में भारत का विश्व में तीसरा स्थान है।
- भारत पोटाश उर्वरक के लिए पूरी तरह आयात पर निर्भर है।
- भारत में नाइट्रोजनी उर्वरक की खपत सबसे अधिक है।
- भारत का प्रमुख रासायनिक उर्वरक उत्पादक राज्य गुजरात है।

रेल उपकरण उद्योग

- चित्तंजन (पश्चिम बंगाल) में इंजन बनाने का सबसे पुराना कारखाना है।
- इस कारखाने की स्थापना 26 जनवरी, 1950 को चित्तंजन लोकोमोटिव वर्क्स के नाम से हुई। वर्तमान में वहाँ विद्युत इंजन का निर्माण हो रहा है।
- डीजल से चलने वाले इंजनों का निर्माण वाराणसी में होता है।
- रेलवे इंजन निर्माण का कार्य जमशेदपुर (झारखंड) में भी होता है।
- रेलवे के डिब्बे बनाने का प्रमुख केंद्र चेन्नई के समीप पेराम्बूर नामक स्थान पर वर्ष 1952 में स्थापित किया गया और इसमें उत्पादन की शुरुआत 2 अक्टूबर, 1955 से हुई। इसके अन्य प्रमुख केंद्र बंगलुरु तथा कोलकाता है।
- पंजाब के कपूरथला में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री की स्थापना की गई है।
- रायबरेली (UP) व कचरापारा (पश्चिम बंगाल) में रेलवे कोच फैक्ट्री की नई उत्पादन इकाई लगायी गयी है।
- बिहार के मधौरा में डीजल इंजन व मधेपुरा में विद्युत इंजन का कारखाना लगाया गया है।
- पश्चिम बंगाल के दनकुनी में विद्युत व डीजल इंजन के अवयव बनाने की दो फैक्ट्री लगाई गयी है।

विश्व के कुछ प्रमुख उद्योग की सूची
(Industries of the World)

नगर/देश	उद्योग
अन्शान (चीन)	लौह-इस्पात
DSSSB TGT- 2021	
एम्स्टर्डम (नीदरलैंड)	हीरा तराशी
एसेन (जर्मनी)	लौह-इस्पात
ओसाका (जापान)	सूती वस्त्र, लोह-इस्पात
कंशास (USA)	मांस उद्योग
काराजास (ब्राजील)	लौह-अयस्क
कालगुर्ली (ऑस्ट्रेलिया)	स्वर्ण उत्खनन
कावाशाकी (जापान)	लौह-इस्पात
किम्बरले (दक्षिण अफ्रीका)	हीरा उत्पादन
कैडीज (स्पेन)	काँच
कोबे (जापान)	लौह-इस्पात
कोलोन (जर्मनी)	इत्र, सूती-वस्त्र
गोर्की (रूस)	इंजिनियरिंग
ग्लासगो (स्कॉटलैंड)	जहाज निर्माण
चांगचुग (चीन)	ऑटोमोबाइल
चेलियाविंस्क (रूस)	लौह-इस्पात
जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका)	स्वर्ण उत्खनन
डेट्रॉयट (USA)	ऑटोमोबाइल
ढाका (बांग्लादेश)	कालीन उद्योग
नागोया (जापान)	जहाज निर्माण
न्यू आर्लियंस (USA)	लौह-इस्पात
पिट्सबर्ग (USA)	लौह-इस्पात
प्लेमाउथ (USA)	जहाज निर्माण
फिलाडेल्फिया (USA)	लोमोमोटिव
बर्मिंघम (ग्रेट ब्रिटेन)	लौह-इस्पात
बाकू (अजरबैजान)	पेट्रोलियम
बाल्टीमोर (USA)	मत्स्ययन
बिंडसर (कनाडा)	ऑटोमोबाइल
बेलफास्ट (आयरलैंड)	जहाज निर्माण
बेकाक (थाइलैंड)	जहाजरानी
व्यूनस ऑयर्स (अर्जेण्टीना)	डिब्बाबंद मांस
ब्रोकेन हिल्स (ऑस्ट्रेलिया)	जस्ता, चाँदी व सीसा उत्खनन
ब्लाडीवोस्टक (रूस)	जहाज निर्माण
मॉंट्रियल (कनाडा)	भारी मशीन
मुल्तान (पाकिस्तान)	मिट्टी का वर्तन
मैनचेस्टर (ग्रेट ब्रिटेन)	सूती वस्त्र उद्योग
म्युनिख (जर्मनी)	लेंस निर्माण
लियोन्स (फ्रांस)	सिल्क उद्योग
लीड्स (ग्रेट ब्रिटेन)	ऊनी-वस्त्र

लेनिनग्राड (रूस)	जहाजरानी
लॉस एंजिल्स (USA)	पेट्रोलियम, फिल्म
विटवाटसेंड (दक्षिण अफ्रीका)	स्वर्ण उत्खनन
वियना (ऑस्ट्रिया)	काँच
वेनिस (इटली)	काँच उद्योग
वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)	डेयरी उद्योग
शेफील्ड (ब्रिटेन)	कैची, छुरी
सिएटल (USA)	वायु निर्माण
हवाना (क्यूबा)	सिगार
हालीवुड (USA)	फिल्म उद्योग

- औद्योगिक नीति भारत में सार्वजनिक एवं निजी उद्योगों की स्थापना के लिए एक रूपरेखा नियम और विनियम प्रदान करता है। **SSC CGL-2024**
- आजादी के बाद देश की प्रथम औद्योगिक नीति की घोषणा 6 अप्रैल, 1948 को तत्कालीन केन्द्रीय उद्योग मंत्री डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा की गयी थी।
- इस नीति में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र दोनों के महत्व को स्वीकार किया गया और देश में मिश्रित एवं निर्यात अर्थव्यवस्था की नींव रखी गयी।
- दूसरी औद्योगिक नीति की घोषणा 30 अप्रैल, 1956 में की गयी।
- उद्योगों को सार्वजनिक, निजी एवं उपयुक्त क्षेत्रों में विभाजित किया गया।
- इस नीति का उद्देश्य समाजवादी समाज की स्थापना करना था।
- नई औद्योगिक नीति की घोषणा 24 जुलाई, 1991 में की गयी। इस औद्योगिक नीति ने निजी कंपनियों पर प्रतिबंधों को कम करके भारतीय उद्योग में उदारीकरण की शुरुआत की। **SSC CGL-2024**
- नई औद्योगिक नीति में बहुत से उदारवादी कदम उठाए गए हैं।
- धीमी गति से औद्योगिक विकास, बेरोजगारी, औद्योगिक रूग्णता, उच्च महँगाई दर तथा भुगतान असंतुलन आदि संकट के संदर्भ में यह नीति अद्वितीय थी।
- इस नीति की मुख्य बातें निम्नलिखित हैं:-
 - **औद्योगिक लाइसेंसिंग से मुक्ति:** वर्तमान में केवल 5 उद्योगों के लिए लाइसेंसिंग अनिवार्य है-तम्बाकू उत्पाद, शराब, खतरनाक रसायन, औद्योगिक विस्फोटक तथा रक्षा उत्पाद व इलेक्ट्रॉनिक एयरोस्पेस। **RRB NTPC- 2022**
 - **उद्योगों को अनारक्षित करना:** अब केवल तीन उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आरक्षित रह गये हैं- नाभिकीय अनुसंधान एवं संबद्ध गतिविधियाँ तथा रेल सेवा।
 - **भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग:** यह एक सांविधिक निकाय है जो प्रतिस्पर्द्धा अधिनियम, 2002 के उद्देश्यों को लागू करने के लिये उत्तरदायी है। इसका गठन मार्च 2009 में किया गया था। राघवन समिति की सिफारिशों के आधार पर एकाधिकार और प्रतिबंधात्मक व्यापार व्यवहार अधिनियम (MRTP Act), 1969 को निरस्त कर इसे प्रतिस्पर्द्धा अधिनियम, 2002 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है।
 - भारतीय मानक ब्यूरो: 1947 में भारतीय उद्योगों में उत्पादों के लिए मानक तैयार करने हेतु स्थापित किया गया। यह विभिन्न उत्पादों पर गुणवत्ता चिन्ह अर्थात् आई.एस.आई. चिन्ह आर्बित करती है। **SSC CHSL-2023**

➤ क्रेडिट रेटिंग:-क्रेडिट रेटिंग किसी भी देश, संस्था या व्यक्ति की साख या उस के भुगतान करने की क्षमता का मूल्यांकन होती है। ए.ए.ए. सबसे मजबूत सबसे बेहतर क्रेडिट रेटिंग मानी जाती है।

सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात कारखाने

स्थान	तथ्य
राउरकेला (ओडिशा)	द्वितीय पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत जर्मनी की सहायता से स्थापित किया गया। वर्ष 1959 में उत्पादन शुरू हुआ।
RRB NTPC- 2021	
भिलाई (छत्तीसगढ़)	द्वितीय पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत रूस की सहायता से स्थापित किया गया। वर्ष 1959 में उत्पादन शुरू हुआ।
दुर्गापुर (पं. बंगाल)	द्वितीय पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत ब्रिटेन की सहायता से स्थापित किया गया। वर्ष 1962 में उत्पादन शुरू हुआ।
बोकारो (झारखंड)	एशिया का सबसे बड़ा संयंत्र इसे तृतीय पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत रूस की सहायता से स्थापित किया गया। वर्ष 1973 में उत्पादन आरम्भ हुआ।
RRB NTPC- 2021& SSC JE- 2022	
बर्नपुर (पं. बंगाल)	निजी क्षेत्र संयंत्र के राष्ट्रीयकरण द्वारा अधिगृहीत यह संयंत्र रूस की सहायता से स्थापित हुआ।
सलेम (तमिलनाडु)	चौथी पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत स्थापित किया गया।
SSC JE- 2020 & DSSSB TGT- 2018	
भद्रावती (कर्नाटक)	चौथी पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत राष्ट्रीयकृत किया गया।
विजयनगर (कर्नाटक)	चौथी पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत स्थापित किया गया।

महाराष्ट्र कम्पनियाँ/संयुक्त क्षेत्र उद्योग

क्र.	कम्पनियाँ	स्थापना	मुख्यालय
1.	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL)	1973	नई दिल्ली
2.	तेल एवं प्राकृतिक गैस लि. (ONGC)	1956	नई दिल्ली
3.	नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NTPC)	1975	नई दिल्ली
4.	कोल इंडिया लि. (CIL)	1975	कोलकाता
5.	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL)	1974	मुंबई
6.	गेल इंडिया लिमिटेड (GAIL)	1984	नई दिल्ली
7.	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (BHEL)	1964	नई दिल्ली
8.	भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL)	1952	मुंबई
9.	पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (PGCIL)	1989	गुरुग्राम
10.	इंडिया आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL)	1964	नई दिल्ली

11.	पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (PFC)	1986	नई दिल्ली
12.	ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (REC)	1969	नई दिल्ली
13.	ऑयल इंडिया लिमिटेड (OIL)	1959	नोएडा
SSC CGL-2024			
14.	हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड	1940	बंगलुरु
SSC MTS- 2023			

महाराष्ट्र के दर्जे हेतु आवश्यक दशाएँ

- ❖ कम्पनी शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो।
- ❖ पिछले तीन वर्षों में कम्पनी का औसत कारोबार ₹25,000 करोड़ से अधिक रहा हो।
- ❖ पिछले तीन वर्षों में कम्पनी ने ₹5000 करोड़ से अधिक का औसत शुद्ध लाभ अर्जित किया हो।
- ❖ पिछले तीन वर्षों में कम्पनी का औसत वार्षिक निवल मूल्य ₹15,000 करोड़ से अधिक होना चाहिए।
- ❖ कम्पनी के पास नवरत्न का दर्जा हो।

नवरत्न कम्पनियाँ/सार्वजनिक क्षेत्र उद्योग

क्र.	कम्पनियाँ	स्थापना	मुख्यालय
1.	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	1954	बंगलुरु
2.	इंडियन रेलवे कंस्ट्रक्शन इंटरनेशनल लिमिटेड (IRCON)	1976	नई दिल्ली
3.	महानगर टेलिफोन निगम लिमिटेड	1986	नई दिल्ली
4.	नेशनल एल्यूमिनियम कम्पनी लिमिटेड	1981	ओडिशा
JSSC- 2022			
5.	राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड	1960	नई दिल्ली
6.	कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया	1988	नई दिल्ली
7.	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	1965	नई दिल्ली
8.	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड	1982	विशाखापट्टनम
9.	रेल विकास निगम लिमिटेड	2003	नई दिल्ली
10.	इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड	1965	नई दिल्ली
11.	शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	1961	मुंबई
12.	नैवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन लि.	1965	चेन्नई
13.	राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड	1958	हैदराबाद
14.	राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	1978	मुंबई
15.	सतलुज जलविद्युत निगम (SJVN)	1988	शिमला
16.	नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन	1975	फरीदाबाद
17.	सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (SECI)	2011	नई दिल्ली
18.	रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	2000	नई दिल्ली
19.	मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड	1934	मुंबई
20.	इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड (IREDA)	1987	नई दिल्ली
21.	कंपनी हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HUDCO)	1970	नई दिल्ली

क्र.	कम्पनियाँ	स्थापना	मुख्यालय
22.	केंद्रीय भण्डारण निगम	1957	नई दिल्ली
23.	नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (NFL)	1974	नोएडा
24.	रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस	1974	गुरुग्राम

नवरत्न के दर्जे हेतु आवश्यक दशाएँ

- कंपनी को मिनीरत्न श्रेणी-I मिनीरत्न श्रेणी-II का दर्जा प्राप्त हो।
नोट: नवरत्न का दर्जा प्राप्त कम्पनियाँ 1000 करोड़ रुपए तक के निवेश प्रस्तावों पर केन्द्र सरकार की पूर्वानुमति के बिना ही निर्णय ले सकती है।
- पिछले तीन वर्षों में कंपनी लगातार लाभ में रही हो।
- नवरत्न का दर्जा प्राप्त होने के लिए 6 चयनित निष्पादन मापदण्डों (कुल शुद्ध पूंजी, प्रति अंश आय, अंतरक्षेत्रीय प्रदर्शन, वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन की लागत, कुल श्रम शक्ति लागत तथा निवल मूल्य अनुपात के रूप में निवल लाभ) में 100 स्कोर में से 60 स्कोर होना चाहिए।

मिनीरत्न

- मिनीरत्न श्रेणी-1:** यह दर्जा प्राप्त करने के लिये सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को पिछले तीन वर्षों में लगातार लाभ की स्थिति में होना चाहिये।
- पिछले 3 वर्षों में से किसी एक वर्ष में 30 करोड़ या इससे अधिक का लाभ (कर पूर्व लाभ) प्राप्त होना चाहिये।
- कुछ मिनीरत्न श्रेणी-1 कम्पनियों के उदाहरण- एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, एटिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, भारत संचार निगम लिमिटेड, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड आदि।
नोट- मिनीरत्न श्रेणी-1 की कम्पनियाँ ₹500 करोड़ तक निवेश करने हेतु स्वतंत्र होती हैं।
- मिनीरत्न श्रेणी-2:** यह दर्जा प्राप्त करने के लिये सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को लगातार 3 वर्षों तक लाभ की स्थिति में होना चाहिये।
- कुछ मिनीरत्न श्रेणी-2 कम्पनियों के उदाहरण- इजिनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड, नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड आदि।
नोट- मिनीरत्न श्रेणी-2 की कम्पनियाँ ₹300 करोड़ तक निवेश करने हेतु स्वतंत्र होती हैं।

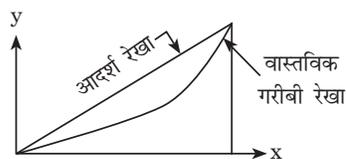
भारत में औद्योगिक वित्त प्रदान करने वाली संस्थाएँ

- भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (IDBI):** आई.डी.बी.आई. की स्थापना भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्णतः स्वाधिकृत सहायक संस्था के रूप में वर्ष 1964 में की गयी। वर्ष 2004 में इसका रूपांतरण एक बैंक के रूप में हो गया।
- भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (IFCI):** यह आई.एफ.सी.आई. अधिनियम के तहत वर्ष 1948 में स्थापित की गई पहली विकास वित्त संस्था है।
- भारतीय लघु औद्योगिक विकास बैंक (SIDBI):** सरकार द्वारा वर्ष 1988-89 के बजट में इसकी स्थापना की घोषणा की गई तथा इस बैंक ने वर्ष 1990 में अपना कार्य प्रारंभ कर दिया। इसका मुख्यालय लखनऊ में है।
- भारतीय यूनिट ट्रस्ट (UTI):** भारतीय संसद ने वर्ष 1963 में भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम पारित किया और अधिनियम के अनुसार इसकी स्थापना वर्ष 1964 में एक वैधानिक इकाई के रूप में की गयी।

- विनिवेश:** यह वह प्रक्रिया है जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का सरकारी हिस्सा (इक्विटी) बेचा जाता है।
- भारत में विनिवेश की शुरुआत वर्ष 1991 से की गई। इसके तहत सरकार ने कुछ सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों का 20% हिस्सा बेचने का निर्णय लिया।
- वर्ष 1993 में रंगराजन समिति द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के लिये आरक्षित सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में से 49 प्रतिशत के विनिवेश तथा अन्य सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिये 74 प्रतिशत के विनिवेश का प्रस्ताव किया गया था, लेकिन ये सिफारिशें लागू नहीं हो सकी थीं। आगे चलकर वर्ष 1996 में जी.वी. रामकृष्णा के नेतृत्व में एक गैर-सांविधिक विनिवेश आयोग स्थापित किया गया तथा वर्ष 1999 में वित्त मंत्रालय के अंतर्गत विनिवेश विभाग स्थापित किया गया।
- कपड़ा उद्योग भारत का कृषि उद्योग के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार प्रदान करने वाला उद्योग है।
- भारत में सबसे अधिक रेशम का उत्पादन कर्नाटक में होता है।
- लघु व कुटीर उद्योग पर विशेष ध्यान वर्ष 1977 की औद्योगिक नीति में दिया गया।
- आबिद हुसैन समिति लघु उद्योगों में सुधार से सम्बंधित है।
- कुटीर उद्योग की अधिकतम निवेश सीमा 25 लाख रुपए है।
- भारत सरकार द्वारा Make in India कार्यक्रम की शुरुआत देश में औद्योगिक विकास की गति को तेज करने के उद्देश्य से 25 सितम्बर, 2014 में की गई। **MP PSC- 2019**

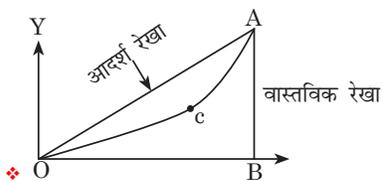
गरीबी एवं बेरोजगारी

- गरीबी:** गरीबी का माप करने के लिए सापेक्षिक एवं निरपेक्ष प्रतिमानों का प्रयोग किया जाता है।
- सापेक्ष गरीबी:** इसमें लोगों के बीच तुलनात्मक अध्ययन किया जाता है इसके तहत आर्थिक असमानता को देखा जाता है तुलनात्मक रूप से जिस व्यक्ति की आय कम होती है उसे गरीब माना जाता है। गरीबी मापन के लिए देश, काल और परिस्थिति के सापेक्ष मानक बदलते हैं तो इसे सापेक्ष गरीबी कहते हैं। **UGC NET- 2022**
- लारेंज वक्र:**



- लारेंज के अनुसार यदि किसी देश की वास्तविक गरीबी रेखा, आदर्श गरीबी रेखा के नजदीक है इसका अर्थ है उस देश में आय की असमानता कम है। **SSC CGL- 2019**
- यदि वास्तविक गरीबी रेखा आदर्श रेखा से दूर है इसका अर्थ है कि असमानता अधिक है।
- यदि देश का लारेंज वक्र X-axis में समाहित हो जाता है उस देश में पूर्णता: असमानता है।

गिनी गुणांक:



गिनी गुणांक आय असमानता को मापने के लिए किया जाता है।

SSC CHSL-2020

- गिनी गुणांक लारेंज वक्र का गणितीय रूप है
- इसे वर्ष 1912 में इटैलियन सांख्यिकीविद् कोरेडो गिनी ने विकसित किया।
- गिनी गुणांक का मान 0 से 1 के बीच होता है।
- गिनी गुणांक का मान अधिक है तो असमानता अधिक है
- गिनी गुणांक का मान कम है तो असमानता कम है।
- यदि गिनी गुणांक का मान 0 है तो पूर्णता: समानता है। और यदि गिनी गुणांक का मान 1 है तो पूर्णतः असमानता है।

$$\text{गिनी गुणांक} = \frac{\Delta OAC}{\Delta OAB}$$

- **निरपेक्ष गरीबी:** इसका अभिप्राय मानव की आधारभूत आवश्यकताओं जैसे-भोजन, कपड़ा, स्वास्थ्य सुविधा आदि की पूर्ति हेतु पर्याप्त वस्तुओं एवं सेवाओं को जुटा पाने में असमर्थता से है।
- **गरीबी रेखा:** गरीबी की रेखा की अवधारणा, मूल मानवीय आवश्यकताओं को पूरा कर पाने में असमर्थता से जुड़ी है।

भारत में गरीबी मापन का इतिहास

- भारत में गरीबी मापन का कार्य नीति आयोग द्वारा किया जाता है। नीति आयोग को राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) आँकड़े उपलब्ध करवाता है।
- भारत में पहले कैलोरी उपभोग को गरीबी मापन का आधार बनाया गया था लेकिन अब इसके साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य कपड़े जूते एवं अन्य टिकाऊ वस्तुओं को भी आधार बनाया जाता है।
- UNO बहुआयामिक गरीबी सूचकांक प्रकाशित करता है।
- विश्व बैंक के अनुसार, जो व्यक्ति एक दिन में 2.15 डॉलर से कम व्यय करता है वह गरीब है।
- **दादाभाई नैरोजी द्वारा:** 1868 में 'Poverty and Unbritish rule in india' नामक पुस्तक प्रकाशित की गई, इसमें प्रति व्यक्ति आय शहरी क्षेत्र में 35 रुपये तथा ग्रामीण क्षेत्र में 16 रुपये प्रतिमाह होती थी।

BPS-2018

- **राष्ट्रीय आयोजन समिति:** इसे वर्ष 1938 में कांग्रेस ने गठित किया था जिसके अध्यक्ष जवाहर लाल नेहरू थे। इसमें भोजन, कपड़ा, मकान को गरीबी मापन के लिए आवश्यक माना गया।
आय - ♦ शहरी क्षेत्र में 20 रुपये प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह
♦ ग्रामीण क्षेत्र में 15 रुपये प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह

- **बॉम्बे प्लान:** भारत के मुख्य उद्योगपतियों ने देश में आर्थिक विकास के लिए एक कार्य योजना बनाई थी। इस प्लान को टाटा बिरला प्लान भी कहते हैं। इसके अंतर्गत प्रतिव्यक्ति 75 रुपये प्रतिमाह से कम आय वाले को गरीब माना गया है।

RRB NTPC-2022

- **आजादी के बाद गरीबी अनुमान:** वर्ष 1962 में योजना आयोग ने एक विशेष दल बनाया, इसके अनुसार प्रतिवर्ष गाँव में 20 रुपये तथा शहर में 25 रुपये प्रतिमाह खर्च करने वाले को गरीब माना गया।
- **दाण्डेकर व रथ समिति:** वर्ष 1971 में वी.एम. दाण्डेकर व एन.रथ को भारत में गरीबी मापन हेतु नियुक्त किया गया। इन्होंने गरीबी मापन के लिए कैलोरी उपभोग को आधार बनाया, जिसमें 2250 कैलोरी प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन से कम उपभोग करने वाला गरीब व्यक्ति माना गया है।

SSC JE-2023

- **अलग समिति:** वर्ष 1979 में Y.K अलग समिति का गठन किया। इसके अनुसार कैलोरी के साथ-साथ पोषक तत्व का भी ध्यान रखने की सिफारिश की गई।

कैलोरी उपभोग प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन

गाँव - 2400 कैलोरी

शहर - 2100 कैलोरी

- **लकड़ावाला समिति:** वर्ष 1993 अध्यक्ष डी.टी लकड़ावाला

गाँव - 2400 कैलोरी

शहर - 2100 कैलोरी

— प्रति व्यक्ति प्रति दिन

- समिति ने सिफारिश कि, की आम आदमी थोक मूल्य (WPI) पर वस्तु नहीं खरीदता, वह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) पर वस्तु खरीदता है। अतः गरीबी मापन में WPI की जगह CPI का प्रयोग करना चाहिए।
- **सुरेश तेंदुलकर समिति:** इस समिति का गठन वर्ष 2005 में किया गया था जिसने अपनी रिपोर्ट वर्ष 2009 में प्रस्तुत की। इस समिति ने गरीबी के परंपरागत रूप को छोड़कर बहुआयामी रूप को स्वीकार किया।
- वर्ष 2009-10 में गरीबी मापन फार्मूले को अपनाया जिसमें लगभग 29% लोग गरीब थे।
- **रंगराजन समिति:** वर्ष 2012 सुरेश तेंदुलकर के द्वारा दिए गए फार्मूले की समीक्षा के उपरांत भारत के लिए गरीबी मापन की बेहतर विधि का सुझाव दिया। इसमें गरीबी अनुमान के लिए अलग प्रक्रिया का प्रयोग किया, जिसमें NSSO के आँकड़ों का प्रयोग न करके स्वतंत्र सर्वे कराया।

बेरोजगारी

- बेरोजगारी का आशय उत्पादन कार्य में न लगा होना है।
- बेरोजगारी के प्रकार:- यह निम्न प्रकार की होती है-
 - **ऐच्छिक बेरोजगारी:-** जब कोई व्यक्ति कोई भी उत्पाद कार्य करना ही नहीं चाहता है या रोजगार प्राप्त करने की कोई इच्छा ही न हो, तो उसे ऐच्छिक बेरोजगार कहा जाता है।
 - **अनैच्छिक बेरोजगारी:-** जब अर्थव्यवस्था में प्रचलित चालू मजदूरी दर पर कोई व्यक्ति काम करने को तैयार है, परन्तु उसे उस मजदूरी दर पर काम न मिले, तो इसे अनैच्छिक बेरोजगारी कहते हैं। इसे खुली बेरोजगारी भी कहा जाता है।
 - **संरचनात्मक बेरोजगारी:** यह एक दीर्घकालीन बेरोजगारी है, जो औद्योगिक क्षेत्र में होने वाले संरचनात्मक परिवर्तन के कारण उत्पन्न होती है। भारत में अधिकांश बेरोजगारी इसी प्रकार की है।

DP Cons. 2023

- **अल्परोजगार:-** क्षमता अनुसार या पूरा काम नहीं मिलने से इस प्रकार की बेरोजगारी उत्पन्न होती है।

- **अदृश्य/छिपी हुई/प्रच्छन्न बेरोजगारी:** इस के अंतर्गत श्रमिक बाहर से तो काम पर लगे हुए प्रतीत होते हैं, किन्तु उस कार्य में उनकी आवश्यकता नहीं होती है। इसमें श्रमिकों का सीमान्त उत्पादन शून्य होता है।

SSC CHSL-2020

- **घर्षणात्मक बेरोजगारी:** बाजार की दशाओं में परिवर्तन (मांग एवं पूर्ति की शक्तियों में परिवर्तन) होने से उत्पन्न बेरोजगारी को घर्षणात्मक बेरोजगारी कहते हैं।
- **चक्रीय बेरोजगारी:** एक अर्थव्यवस्था में विकास और मंदी का चक्र जारी रहता है, विकास में बहुत से लोगों को रोजगार मिलता है लेकिन मंदी के दौरान लोग बेरोजगार हो जाते हैं।
- **मौसमी बेरोजगारी:-** जैसे-जैसे मौसम बदलता है, वस्तुओं सेवाओं की मांग और आपूर्ति में भी बदलाव होता है। इसके कारण पैदा हुई बेरोजगारी मौसमी बेरोजगारी कहलाती है जैसे- पर्यटन

भारत के प्रमुख शेयर बाजार

- **बंबई स्टॉक एक्सचेंज (BSE):** इसकी स्थापना वर्ष 1875 में हुई थी। वर्ष 2005 से इस पब्लिक लिमिटेड कम्पनी के रूप में परिवर्तित कर दिया गया। यह विश्व का पाँचवाँ सबसे बड़ा शेयर बाजार है।

SSC MTS-2020

- **राष्ट्रीय शेयर बाजार (NSE):** इसकी स्थापना की सिफारिश वर्ष 1991 में फेरवानी समिति ने की थी तथा इसकी स्थापना वर्ष 1992 में मुम्बई में हुई। IDBI इसका मुख्य प्रवर्तक है।
- भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (IDBI) शेयर बाजार का प्रमुख प्रवर्तक है।
- राष्ट्रीय शेयर बाजार की प्रारंभिक अधिकृत पूंजी 25 करोड़ है।
- राष्ट्रीय शेयर बाजार (NSE) का मुख्यालय मुम्बई है।

UP Police Cons. 2018

नोट: विश्व का सबसे पहला शेयर बाजार वर्ष 1602 ई. में नीदरलैण्ड के एम्स्टर्डम में स्थापित किया गया था।

मंदड़िया एवं तेजड़िया (Bear and Bull)

- मंदड़िया वह व्यक्ति है, जो आने वाले समय में मूल्य में गिरावट की सोचकर अपने शेयर बेचकर लाभ अर्जित करता है।
- मंदड़िया के सक्रिय होने से शेयर सूचकांक नीचे गिरता है।
- तेजड़िया वह व्यक्ति है, जो भविष्य में शेयर मूल्यों में होने वाली वृद्धि की सोच के साथ उन्हें वर्तमान में सस्ते मूल्य पर खरीद लेता है।
- तेजड़िया के सक्रिय होने से शेयर बाजार तेजी से ऊपर चढ़ने लगता है।
- भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (SEBI-Security and Exchange Board of India) की स्थापना वर्ष 1988 में हुई थी तथा इसे 30 जनवरी, 1992 को SEBI एक्ट के तहत सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया।

Raj. Police Cons. 2020

- इसका मुख्यालय मुम्बई में है।
- यह शेयर बाजारों की प्रमुख नियामक संस्था है।
- ❖ **भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (IRDAI):** इसकी स्थापना 19 अप्रैल, 2000 को की गयी। इसका मुख्यालय हैदराबाद में है।
- **भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC):-** इसकी स्थापना 1 सितम्बर, 1956 में हुई थी। इसका केन्द्रीय कार्यालय मुम्बई में स्थित है।

SSC CGL- 2019**विश्व के प्रसिद्ध शेयर बाजार सूचकांक**

निककी	- टोकियो (जापान)
डो जोन्स	- न्यूयॉर्क (USA)
सिम्बेक्स	- सिंगापुर
नासदाक	- USA
सेट	- थाईलैंड
मिड डेक्स	- फ्रैंकफर्ट (जर्मनी)

भारत की प्रमुख समिति और आयोग

स्वामीनाथन समिति	जनसंख्या नीति
राजा चैलेया समिति	कर सुधार (1991)
सरकारिया समिति	केन्द्र-राज्य सम्बन्ध
जानकी रमन समिति	प्रतिभूति घोटाले
दांतवाला समिति	बेरोजगारी का अनुमान
रेखी समिति	अप्रत्यक्ष कर
महालनोबिस समिति	राष्ट्रीय आय
मल्होत्रा समिति	बीमा क्षेत्र में सुधार
भण्डारी समिति	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको की पूर्ण संरचना
सुरेश तेन्दुलकर	गरीबी से संबंधित (BPL)
मीरा सेठ समिति	हथकरघा के विकास
सच्चर समिति	मुस्लिमों की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन
रंगराजन समिति	भुगतान संतुलन
आबिद हुसैन समिति	लघु उद्योग
भगवती समिति	बेरोजगारी
वैद्यनाथ समिति	सिंचाई के पानी
ज्योति बसु समिति	ऑक्ट्रॉई समाप्ति पर रिपोर्ट
सेन गुप्ता समिति	शिक्षित बेरोजगारी
किरीट पारिख	प्राकृतिक गैस मूल्य
केलकर समिति-2	प्रत्यक्ष तथा परोक्ष करारोपण
मण्डल कमीशन	पिछड़ी जातियों के लिए सीटों का आरक्षण
कोटारी कमीशन	शैक्षिक सुधार
नरसिंहम समिति	बैंकिंग सुधार
हजारी समिति	औद्योगिक नीति
तिवारी समिति	औद्योगिक रूग्णता
मालेगाँव समिति	प्राथमिक पूँजी बाजार
एन.एस. वर्मा समिति	वाणिज्यिक बैंको की पुनर्संरचना
मिस्त्री समिति	वित्तीय गतिविधियों के सुधार हेतु सुझाव
शुंगलू समिति	सरदार सरोवर बाँध परियोजना के विस्थापितों के पुनर्वास की स्थिति की समीक्षा हेतु
पाठक आयोग	UNO के तेल के बदले अनाज कार्यक्रम की जाँच हेतु
एम. सी. जोशी समिति	काले धन से सम्बन्धित
बासवान समिति	सिविल सेवा परीक्षा में बदलाव करने का सुझाव

केन्द्र सरकार की प्रमुख योजनाएँ

योजनाएँ	आरंभ तिथि	मंत्रालय
प्रधानमंत्री जनधन योजना	28 अगस्त, 2014	वित्त मंत्रालय
स्किल इंडिया मिशन	15 जुलाई, 2015	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय
मेक इन इंडिया	25 सितंबर, 2014	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
एक जिला एक उत्पाद योजना	वर्ष 2018	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना	25 सितंबर, 2014	आवासन और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय
स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)	2 अक्टूबर, 2014	पेयजल और स्वच्छता विभाग (जल शक्ति मंत्रालय)
स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)	2 अक्टूबर, 2014	आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय
समेकित बाल विकास योजना	2 अक्टूबर, 1975	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान	वर्ष 2024	जनजातीय कार्य मंत्रालय
सांसद आदर्श ग्राम योजना	11 अक्टूबर, 2014	ग्रामीण विकास मंत्रालय
मिशन इंद्रधनुष योजना	25 दिसंबर, 2014	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रमेव जयते योजना	16 अक्टूबर, 2014	श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
हृदय योजना	21 जनवरी, 2015	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ	22 जनवरी, 2015	महिला और बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा शिक्षा मंत्रालय
सुकन्या समृद्धि योजना	22 जनवरी, 2015	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
प्रधानमंत्री मुद्रा योजना	8 अप्रैल, 2015	वित्त मंत्रालय
प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन)	15 अक्टूबर, 2023	जनजातीय कार्य मंत्रालय
वनबंधु कल्याण योजना	28 अक्टूबर, 2014	जनजातीय कार्य मंत्रालय
उजाला योजना	वर्ष 2015	विद्युत मंत्रालय
SSC CGL-2024		
अटल पेंशन योजना	9 मई, 2015	वित्त मंत्रालय

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना	9 मई, 2015	वित्त मंत्रालय
प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना	9 मई, 2015	वित्त मंत्रालय
स्मार्ट सिटी योजना	25 जून, 2015	आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय
अमृत योजना	25 जून, 2015	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)	25 जून, 2015	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)	20 नवंबर, 2016	ग्रामीण विकास मंत्रालय
डिजिटल इंडिया मिशन	1 जुलाई, 2015	इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
स्वर्ण मुद्राकरण योजना (GMS)	वर्ष 2015	वित्त मंत्रालय
PM-उदय (UDAY)	अक्टूबर, 2019	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना	13 जनवरी, 2016	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
स्टार्ट-अप इंडिया सेतु भारतम योजना	16 जनवरी, 2016	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
प्रधानमंत्री पोषण अभियान	सितंबर, 2021	शिक्षा मंत्रालय
स्टैंड अप इंडिया	5 अप्रैल, 2016	वित्त मंत्रालय
ग्रामोदय से उदय	14-24 अप्रैल, 2016	ग्रामीण विकास मंत्रालय
प्रधानमंत्री उज्वला योजना	1 मई, 2016	पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय
नमामि गंगे योजना	जून, 2014	जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग (जलशक्ति मंत्रालय)
आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना	10 अगस्त, 2017	ग्रामीण विकास मंत्रालय
प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना 'सौभाग्य'	25 सितंबर, 2017	विद्युत मंत्रालय
गोबर धन योजना	अप्रैल 2018	जल शक्ति मंत्रालय
वन धन योजना	14 अप्रैल, 2018	जनजातीय मामलों के मंत्रालय
प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पी-एम-आशा)	वर्ष 2018	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

आयुष्मान भारत: प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (विश्व की हेल्थ केयर की सबसे बड़ी सरकारी वित्त पोषित योजना)	23 सितंबर, 2018	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना	12 सितंबर, 2019	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि	24 फरवरी, 2019	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
महात्मा गाँधी ग्रामीण रोजगार गारंटी (MGNREGA)	2 फरवरी, 2006	ग्रामीण विकास मंत्रालय
श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूबन मिशन	21 फरवरी, 2016	ग्रामीण विकास मंत्रालय
प्रधानमंत्री कुसुम योजना	मार्च, 2019	नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना	अप्रैल, 2016	वित्त मंत्रालय
जल जीवन मिशन	15 अगस्त, 2019	जल शक्ति मंत्रालय
फिट इंडिया मूवमेंट	29 अगस्त, 2019	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन) योजना	10 अक्टूबर, 2019	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
अटल भू-जल योजना	25 दिसंबर, 2019	जल-संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग
स्वरोजगार के लिए ग्रामीण युवाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम (TRYSEM)	15 अगस्त, 1979	ग्रामीण विकास मंत्रालय
पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना	29 फरवरी, 2024	नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
स्वामित्व योजना	24 अप्रैल, 2020	पंचायती राज मंत्रालय
आत्मनिर्भर भारत योजना	12 मई, 2020	
प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना	10 सितंबर, 2020	मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
आपरेशन ग्रीन योजना	नवंबर, 2018	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय
आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना	1 अक्टूबर, 2020	श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
SSC CHSL-2024		
प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना	9 मई, 2015	वित्त मंत्रालय

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 3.0	15 जनवरी, 2021	कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम	वित्त वर्ष 2008-09	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय
पीएम विश्वकर्मा योजना	17 सितंबर, 2023	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय
जल शक्ति अभियान : कैच द रेन	22 मार्च, 2021	जल शक्ति मंत्रालय
प्रधानमंत्री युवा उद्यमिता विकास अभियान योजना (PM-YUVA)	2016	कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
'सुरक्षित हम सुरक्षित तुम' अभियान	8 जून, 2021	नीति आयोग और पिरामल
'जान है तो जहान है' अभियान	21 जून, 2021	अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय
NIPUN भारत कार्यक्रम	5 जुलाई, 2021	स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय
पीएम मित्र योजना	6 अक्टूबर, 2021	वस्त्र मंत्रालय
स्वनिधि से समृद्धि योजना	1 जून, 2020	आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय
अग्निपथ योजना	14 जून, 2022	रक्षा मंत्रालय
प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना	1 जनवरी, 2017	महिला और बाल विकास मंत्रालय
किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) योजना	अगस्त, 1998	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
प्रधानमंत्री JI-VAN (Jaiv Indhan-Vatavaran Anukool Fasal Awashesh Nivaran Yojana)	7 मार्च, 2019	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना	25 दिसंबर, 2000	ग्रामीण विकास मंत्रालय
मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना	19 फरवरी, 2015	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
स्मार्ट सिटी एंड एकेडेमिया टुवर्ड्स एक्शन एंड रिसर्च (SAAR) योजना	25 जून, 2015	आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय
सक्षम ऑनवाड़ी और पोषण 2.0 योजना	वर्ष 2021	महिला बाल विकास मंत्रालय
राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन (NBHM)	वर्ष 2020	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

स्वर्णजयन्ती स्वरोजगार (SGSY)	ग्राम योजना	वर्ष 1999	ग्रामीण विकास मंत्रालय
SSC CHSL-2024 & SSC MTS-2022			
स्टार्टअप सीड फंड (SISFS)	इंडिया स्कीम	19 अप्रैल, 2021	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

- ❑ प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) वर्ष 2018 में सबसे कमजोर वर्गों को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए शुरू किया गया महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। **SSC CHSL-2023**
- ❑ विद्युत मंत्रालय द्वारा उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना की शुरुआत वर्ष 2015 में की गई थी। **SSC CHSL-2024**
- ❑ भारत निर्माण कार्यक्रम वर्ष 2005 में शुरू किया गया था। **SSC CHSL-2024**
- ❑ मार्च, 2023 में केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई नवभारत साक्षरता योजना साक्षरता से संबंधित है। **SSC CHSL-2024**
- ❑ प्रधानमंत्री रोजगार योजना, एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम तथा स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना एक गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम है। **SSC CHSL-2024**
- ❑ MGNREGA ग्रामीण परिवार को प्रतिवर्ष 100 दिनों का रोजगार प्रदान करता है। **SSC MTS-2022**
- ❑ डिजिटल इंडिया मिशन की शुरुआत 1 जुलाई, 2015 को की गई। **SSC CGL-2024**

राज्य/केंद्रशासित प्रदेश	प्रमुख योजनाएँ
उत्तर प्रदेश	मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना, आत्मनिर्भर कृषक समन्वय विकास योजना, मुख्यमंत्री सक्षम सुपोषण योजना
मध्यप्रदेश	लाडली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, गाँव की बेटी योजना, भावांतर भुगतान योजना
राजस्थान	इन्दिरा गाँधी मातृत्व पोषण योजना, उष्ट्र संरक्षण योजना, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना
छत्तीसगढ़	राजीव गाँधी किसान न्याय योजना, मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना, सौर सुजला योजना
हरियाणा	भावांतर भरपाई योजना, राजीव गाँधी परिवार बीमा योजना
कर्नाटक	कृषि भाग्य योजना
महाराष्ट्र	साइबर सुरक्षित महिला अभियान, श्रावणबाळ सेवा राज्य निवृत्तीवेतन योजना, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय विधवा निवृत्तीवेतन योजना, संजय गाँधी निराधार अनुदान योजना
ओडिशा	डिंक फ्रॉम टैप मिशन, ओडिशा लिवेबल हैबिटेड मिशन या जगा मिशन, आजीविका और आय वृद्धि के लिए कृषक सहायता (कालिया) योजना, जल साथी

सिक्किम	एक परिवार एक नौकरी योजना
तेलंगाना	मिशन काकतीय, मिशन भगीरथ, रयथू बंधु योजना
पश्चिम बंगाल	कन्याश्री प्रकल्प, पश्चिम बंगाल प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना
असम	ओरुनोदोई योजना, स्वनिर्भर नारी योजना
उत्तराखण्ड	गौरा देवी कन्या धन योजना, नंदा गौरा योजना, मुख्यमंत्री घसियारी कल्याण योजना
हिमाचल प्रदेश	सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मुख्यमंत्री गृहिणी सुविधा योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, हिम केयर योजना, जनमंच कार्यक्रम, प्राकृतिक खेती-खुशहाल किसान योजना
पंजाब	बेबे नानकी लाडली बेटी कल्याण योजना, माई भागो विद्या योजना
दिल्ली	महिला सम्मान योजना, संजीवनी योजना
गुजरात	वहली डिकरी योजना, जुपाडा विजादिकरण योजना
बिहार	गंगा उद्वह योजना, बिहार मुख्यमंत्री कन्या सुरक्षा योजना, बिहार लघु उद्यमी योजना
केरल	सुभिक्षा केरलम, उद्यमी सहायक योजना
तमिलनाडु	ईमेगल योजना, मॉडल स्कूल योजना, नींगल नालमा योजना, थोलकुडी थिट्टम योजना
झारखंड	बिरसा हरित ग्राम योजना, झारखंड मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना, झारखंड राज्य फसल राहत योजना

कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

- ❑ भारत में सर्वाधिक दूध उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश है।
- ❑ भारत में डीजल इंजन बनाने का पहला कारखाना सतारा (महाराष्ट्र) में वर्ष 1932 में खोला गया था।
- ❑ भारतीय बैंकों की विदेशों में सबसे अधिक शाखाएँ U.K में हैं।
- ❑ सुपर 301 अमेरिकी व्यापार कानून की धारा है, जो उन्हें अपने आयात पर उच्च सीमा शुल्क लगाने की शक्ति देती है। **UK PSC RO/ARO- 2016**
- ❑ राज समिति ने कृषि जोतों पर कर लगाने की सिफारिश की थी।
- ❑ भारत में सबसे अधिक संरचनात्मक बेरोजगारी पायी जाती है।
- ❑ विश्व में सबसे अधिक सहकारी संस्थाएँ भारत में हैं।
- ❑ केन्द्रीय एगमार्क प्रयोगशाला नागपुर में है। **UP TET- 2018**
- ❑ कृषि को उद्योग का दर्जा देने वाला प्रथम राज्य महाराष्ट्र (1997) था।
- ❑ भारत की पहली स्वर्ण रिफायनरी शिरपुर (महाराष्ट्र) में स्थापित हुई थी।
- ❑ विश्व की सबसे बड़ी स्वर्ण रिफाईनरी रेड रिफाईनरी लिमिटेड दक्षिण अफ्रीका में है।
- ❑ विश्व में दुग्ध उत्पादन में भारत का पहला व USA का दूसरा स्थान है।
- ❑ दाल के उत्पादन में भारत का विश्व में पहला स्थान है।
- ❑ भारत में सेवा कर लगाने के लिए 88वाँ संविधान संशोधन 2003 में किया गया था। **DSSSB JE- 2019**

- भारत के कर्नाटक राज्य में जनगणना की तर्ज पर मौतों की गणना का कार्य भी प्रारम्भ किया गया।
- कृष्ण क्रान्ति का सम्बन्ध खनिज तेल में आत्मनिर्भरता से है।
- राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान हैदराबाद में स्थित है।
- ख़ादी एवं ग्रामीण उद्योग आयोग की स्थापना दूसरी पंचवर्षीय योजना में की गयी थी।
- वर्ष 1944 में मुम्बई के 8 उद्योगपतियों द्वारा प्रस्तुत योजना को बोम्बे योजना कहते हैं।
- वर्ष 1950 में जयप्रकाश नारायण द्वारा सर्वोदय योजना प्रस्तुत की गयी।
- भारत में पहला जल विद्युत शक्ति ग्रह वर्ष 1897 में दार्जिलिंग (असम) में प्रारम्भ हुआ था।
- भारत के कुल तिलहन उत्पादन में मूँगफली का हिस्सा सबसे अधिक है।
- भारत में सर्वाधिक नगरीकरण गोवा राज्य में हुआ है।
- ऐसी वित्त व्यवस्था जिसमें सरकारी व्यय आय से अधिक हो तथा शेष घाटे को पूरा करने के लिए सामान्यता मुद्रा छापी जाती हो तो उसे घाटे की वित्त व्यवस्था कहते हैं।
- भारत में मोटर वाहनों का सर्वाधिक निर्यात जवाहरलाल नेहरू बन्दरगाह से किया जाता है।
- भारत में गरीबी हटाओ का नारा पाँचवी पंचवर्षीय योजना में दिया गया।
- उपभोक्ता की बचत का सिद्धांत अल्फ्रेड मार्शल ने दिया है।
- किसी देश का आयात व निर्यात से सम्बन्धित भुगतान व्यापार शेष कहलाता है।
- रोजगार गारन्टी योजना सर्वप्रथम 1972-73 में महाराष्ट्र ने शुरू की।
- नीली क्रान्ति मछली उत्पादन से संबंधित है।
- भारत पर्यटन विकास निगम की स्थापना 1 अक्टूबर, 1966 को हुई थी।
- केरल राज्य के बाहर पहला पूर्ण साक्षर जिला वर्द्धमान (पश्चिम बंगाल) है।
- भारत में कर्मचारी राज्य बीमा योजना वर्ष 1952 में प्रारम्भ हुई थी।
- बाडमेर (राजस्थान) में तेल के विशाल भण्डार पाये जाते हैं।
- वाइट गुंडस से तात्पर्य अभिजात्य वर्ग द्वारा दैनिक इस्तेमाल में प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं से होता है जैसे-टी.वी., फ्रिज, वाशिंग मशीन, कार आदि।
- वाइट गुंडस की विशेषता यह होती है कि प्रदर्शन प्रभाव से इन वस्तुओं के उपभोग को प्रोत्साहन मिलता है।
- हरा सोना चाय को कहा जाता है।
- सफेद सोना कपास को कहा जाता है।
- काला सोना कोयला है।
- द्रव स्वर्ण पेट्रोल को कहते हैं।
- बैंको में ग्राहक सेवा सुधारने के लिए सुझाव देने वाली समिति गोड पोरिया थी।
- शेयर घोटाले की जाँच के लिए जानकी रमन समिति बनी थी।
- भारत की सबसे बड़ी म्यूचुअल फण्ड संस्था UTI है।
- भारत में मनी आर्डर प्रणाली की शुरुआत वर्ष 1980 में हुई।
- दलाल स्ट्रीट मुम्बई में स्थित है।
- भारत की विदेशी मुद्रा का सर्वाधिक भाग पेट्रोलियम के आयात पर खर्च होता है।
- अर्थशास्त्र में निवेश का मतलब शेयरों की खरीदारी से है।
- भारतीय यूनियन ट्रस्ट (UTI) का 30 जुलाई, 2007 को नाम बदलकर Axis Bank Limited कर दिया गया।
- शेयर होल्डरों के स्टॉक पर हुई कमाई को लाभांश कहते हैं।
- पानी पंचायत योजना ओडिशा से संबंधित है।
- सकल FDI में महाराष्ट्र राज्य प्रथम स्थान रखता है।
- बहुराष्ट्रीय फर्म अनेक देशों में प्रचलित एक कंपनी होती है।
- अर्थशास्त्र शब्द यूनानी भाषा से लिया गया है।
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र का संबंधव्यक्तिगत यूनियों से है।
- व्यक्ति अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र शब्दों का निर्माण रेगनर फ्रिश्च ने किया था।
- मुद्रा आपूर्ति भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नियंत्रित की जाती है।
- उपभोक्ता द्वारा अपनी आय को अपनी इच्छानुसार व्यय करने की स्वतंत्रता उपभोक्ता प्रभुत्व कहलाता है।
- रिफॉर्डों के लगान सिद्धांत में पूर्णाधिकार बाजार की अवधारणा दी गयी है।
- लाभ का अभिनव सिद्धांत शूम्पीटर ने विकसित किया था।
- जवाहर रोजगार योजना ग्राम पंचायतों द्वारा क्रियान्वित की जाती है।
- जवाहर रोजगार योजना सातवीं पंचवर्षीय योजना में प्रारम्भ की गई।
- मूल्यवर्धित कर (VAT) सबसे पहले फ्रांस में लागू हुआ था।
- भारत में न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 में पहली बार स्वीकृत हुआ था।
- भारतीय रेल के राजस्व में माल यातायात आय का प्रमुख योगदान रहता है।
- पशुपालन के साथ खेती करने को मिश्रित खेती कहते हैं।
- गाँव से छोटे कस्बे और बाद में शहर तक लोगों के जाने को चरणवार प्रवास कहा जाता है।
- निक्षेप सेवाएँ प्रतिभूतियों को सुरक्षित रखने के लिए एक एजेंसी है।
- अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धांत- सार्वजनिक वित्त के मूल में स्थित सबसे मौलिक सिद्धांत है। यह सिद्धांत डेल्टन ने दिया था।
- व्यापार चक्र में चार चरण होते हैं।
- गोल्डन हैंडशेक स्कीम स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति से संबंधित है।
- भारतीय अर्थव्यवस्था में शिथिल काल जनवरी-जून को माना जाता है।
- माल्थस का जनसंख्या सिद्धांत निराशावादी है और आदर्श जनसंख्या सिद्धांत आशावादी है।
- 2011 की जनगणना भारत की 15वीं जनगणना थी।
- चेक एक वैकल्पिक धन का उदाहरण है।
- भारतीय कृषि क्षेत्र में अधिक उपज वाली किस्मों का कार्यक्रम वर्ष 1966 से आरम्भ किया गया।
- तिलहन उत्पादन कार्यक्रम वर्ष 1990 में शुरू किया गया।
- ओइकोनोमिया शब्द का अर्थ घरेलू प्रबन्ध होता है। यह शब्द अरस्तू की देन है।

UP PSC RO/ARO- 2016

SSC CHSL- 2018

UPSC NDA- 2020

SSC MTS-2019

SSC CGL-2023

RRB Group D- 2022

- भारत में इक्विटी बाजार पर सेबी का नियंत्रण है।
- भारत के निजी क्षेत्र के बैंक HDFC का पंजीकृत कार्यालय मुम्बई में है।
- रिजर्व बैंक की सहायक संस्था के रूप में राष्ट्रीय आवास बैंक की स्थापना जुलाई 1988 में की गयी।
- वर्तमान में औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता कीमत सूचकांक का आधार वर्ष 2016 है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का सम्बद्ध कार्यालय श्रम ब्यूरो, देश के 88 औद्योगिक रूप से महत्वपूर्ण केंद्रों में फैले 317 बाजारों से एकत्रित खुदरा कीमतों के आधार पर हर महीने औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक संकलित करता है।
- केरल में शिशु मृत्यु दर सबसे कम है।

विश्व व्यापार संगठन (World Trade Organisation)

- WTO का गठन 1 जनवरी, 1995 में उरुवे दौर की वार्ता (1986-94) के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद किया गया था।
- RRB NTPC- 2021**
- WTO को वर्ष 1947 के प्रशुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौते (General Agreement on Tariffs and Trade-GATT) के स्थान पर अपनाया गया।
 - इसकी स्थापना "मारकेश समझौते" के तहत हुई, जिसके लिये वर्ष 1994 में मोरक्को के मारकेश में हस्ताक्षर किये गए।
 - WTO का मुख्यालय स्विट्जरलैंड के जिनेवा में स्थित है।

SSC CPO- 2020

- ध्यातव्य है कि भारत GATT तथा WTO का संस्थापक सदस्य देश रहा है। वर्तमान में WTO में यूरोपीय संघ सहित 166 सदस्य देश शामिल हैं।

विश्व व्यापार संगठन के प्रमुख कार्य:

- आयात प्रशुल्क तथा अन्य व्यापार बाधाओं को समाप्त करने या उनमें कमी लाने हेतु वार्ता करना।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को संचालित करने वाले नियमों पर सहमति बनाना।
- विश्व व्यापार संगठन (WTO) स्वतंत्र, स्वायत्त तथा एक वैधानिक अधिकार प्राप्त संस्था है, यह संयुक्त राष्ट्र संघ का भाग या अधिकरण नहीं है। किंतु संयुक्त राष्ट्र के साथ इसकी सहकारी व्यवस्था व प्रथाएँ हैं।

दोहा सम्मेलन

- दोहा की वार्ता को दोहा विकास दौर कहा गया।
- दोहा दौर की वार्ता में कृषि, गैर-कृषि बाजार पहुँच सेवाओं से संबंधित नियम, बौद्धिक संपदा एवं इससे जुड़े भौगोलिक संकेतक एवं जैव-विविधता, व्यापार एवं पर्यावरण, एंटी डम्पिंग आदि मुद्दे शामिल थे।
- दोहा दौर की वार्ताएँ मुख्यतया गतिरोध में ही चलती रहीं। इसमें विकसित तथा विकासशील देशों के बीच मुख्यतया कृषि संबंधी मुद्दे, व्यापार सुधार आदि को लेकर संशय की स्थिति बनी रही।
- कृषि पर दी जाने वाली सब्सिडी दोहा मुद्दे का मुख्य विषय रहा है।
- कृषि सब्सिडी के समर्थक यानी विकासशील देश कृषि सब्सिडी को विश्व व्यापार संगठन के नियमों में बांधने के पक्ष में नहीं हैं।
- दोहा मुद्दे में व्यापार सरलीकरण ऐसा मुद्दा है जिस पर काफी प्रगति हुई है। वर्ष 2013 की बाली बैठक में WTO के अंतर्गत व्यापार सरलीकरण हेतु समझौता हो गया है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (International Monetary Fund-IMF)

- आईएमएफ की स्थापना ब्रेटनवुड्स समझौते के तहत वर्ष 1945 में हुई।
- UP JE- 2022**
- इसका मुख्यालय वाशिंगटन में है।
 - अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना का मुख्य उद्देश्य विनिमय दरों में स्थायित्व, सदस्य देशों में उत्पन्न भुगतान संतुलन की समस्या से निपटना, प्रतियोगितात्मक अवमूल्यन (Competitive Devaluation) को रोकना आदि है।
 - भारत इसका संस्थापक सदस्य है।
 - आईएमएफ की सदस्यता के लिये विश्व बैंक की सदस्यता तथा आईएमएफ में अनिवार्य अंशदान ये दो आवश्यक शर्तें हैं।
 - यह अनिवार्य अंशदान तीन बातों पर निर्भर करता है- 1. विश्व व्यापार में भागीदारी, 2. प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय तथा 3. आर्थिक विकास की दर।
 - एसडीआर की बास्केट में अमेरिकी डॉलर, येन, यूरो, पाउंड स्टर्लिंग और चीनी रेन्मिन्बी (युआन) इत्यादि मुद्राएँ शामिल हैं।
 - प्रत्येक राष्ट्र को कोटे के आधार पर मताधिकार प्राप्त होता है।
 - आईएमएफ में हाल ही में कोटा सुधार के तहत वर्तमान में भारत के पास IMF में 2.75% विशेष आहरण अधिकार आरक्षण तथा 2.63% वोट हैं।
 - बोर्ड ऑफ गवर्नर आईएमएफ की सर्वोच्च संस्था है।
 - गवर्नर मंडल में प्रत्येक देश का प्रतिनिधित्व उसके केंद्रीय बैंक के गवर्नर तथा वैकल्पिक गवर्नर द्वारा होता है।
 - IMF द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक, ग्लोबल फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट, फाइनेंशियल मॉनिटर तथा रीजनल इकोनॉमिक आउटलुक।

विश्व बैंक (World Bank)

विश्व बैंक समूह में पाँच संगठन शामिल हैं-

अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA)

- इसकी स्थापना वर्ष 1960 में हुई।
- आईडीए को विश्व बैंक की रियायती खिड़की (Soft Loan Window) भी कहा जाता है।
- आईडीए द्वारा निम्न प्रति व्यक्ति आय वाले देशों को ब्याजरहित ऋण (Interest free loans) भी दिया जाता है।

DP Cons. 2020

आईबीआरडी (IBRD)

- इसकी स्थापना वर्ष 1944 में हुई।
- इसके द्वारा मध्यम आय वाले देशों तथा साख विश्वसनीयता रखने वाले अल्पविकसित देशों को विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों, जैसे- गरीबी निवारण, अवसरचर्चा विकास आदि के लिए ऋण प्रदान किया जाता है।

HSSC- 2021

अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IFC)

- इसकी स्थापना वर्ष 1956 में की थी।
- IFC विकासशील देशों में निजी क्षेत्र के उद्यमों के लिए पूंजी जुटाने की व्यवस्था करता है।
- बहुपक्षीय निवेश गारंटी संस्था (MIGA)
- मीगा की स्थापना 12 अप्रैल, 1988 में हुई थी।

- इसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य था- गैर-व्यापारिक अवरोधों को कम करके विकासशील देशों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेशों को प्रोत्साहित करना।

UKPSC- 2022

आईसीएसआईडी (ICSID)

- इसकी स्थापना वर्ष 1966 में की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निवेश विवादों के लिए मध्यस्थता एवं सुलह करना है।

नोट:

- विश्व बैंक से अभिप्राय सामान्यतः IBRD तथा IDA से है। उपर्युक्त पाँचों संस्थाओं को मिलाकर विश्व बैंक समूह कहा जाता है। विश्व बैंक का मुख्यालय वाशिंगटन में है।
- भारत वर्ष 1956 में IFC और वर्ष 1960 में IDA के संस्थापक सदस्यों में भी शामिल था तथा यह वर्ष 1994 में MIGA का सदस्य बना

मौद्रिक नीति (Monetary Policy)

- वह नीति जो माँग और आपूर्ति के सिद्धांत पर कार्य करती है उसे मौद्रिक नीति कहा जाता है। माँग और आपूर्ति में से माँग को धन आपूर्ति के माध्यम से प्रभावित करना संभव होता है। इसलिए यह नीति धन आपूर्ति पर नियंत्रण करती है।

DP Cons. 2023

मौद्रिक नीति के उद्देश्य:

- मुद्रास्फीति का नियंत्रण स्थापित करना।
- कीमत स्थिरता को सुनिश्चित करना।
- आर्थिक संवृद्धि दर को सुनिश्चित करना।
- बेरोजगारी पर नियंत्रण स्थापित करना।
- बजट और निवेश को बढ़ावा देना।
- आर्थिक वातावरण को बेहतर बनाना।

- मौद्रिक नीति समिति की स्थापना- वर्ष 2016

SSC CHSL-2020

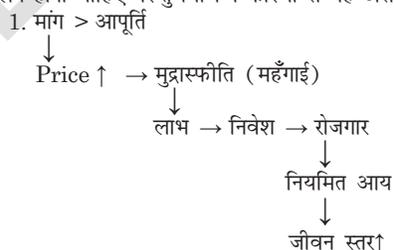
- समिति - उर्जित पटेल समिति की सिफारिश पर
- इस समिति में छह सदस्य होते हैं: तीन सदस्य RBI से (RBI के गवर्नर और मौद्रिक नीति के प्रभारी तथा डिप्टी गवर्नर शामिल) होते हैं। तीन अन्य सदस्यों की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाती है।
- आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45ZB के तहत केंद्र सरकार को छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (MPC) का गठन करने का अधिकार है।

RBI Grade B- 2022

- इस समिति में निर्णायक मत का अधिकार (Casting vote right) RBI गवर्नर के पास होता है।

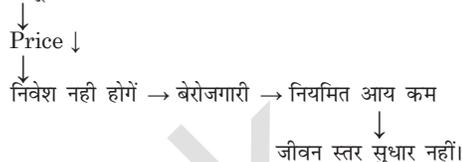
मांग व आपूर्ति (Demand & Supply)

- अर्थव्यवस्था में दो बाजार शक्तियाँ होती हैं- मांग व आपूर्ति।
- इनमें संतुलन होना चाहिए परन्तु विभिन्न कारणों से यह असंतुलित रहती है।



कुछ हद तक महँगाई आवश्यक है, परन्तु महँगाई यदि अत्यधिक बढ़ती है तब मुद्रा का मूल्य कम हो जाता है।

2. आपूर्ति > मांग



- मांग का सम्बन्ध रूपये से होता है, यदि बाजार में रूपये अधिक हैं तब इसका अर्थ है बाजार में तरलता (Liquidity) अधिक है इससे महँगाई या मुद्रास्फीति उत्पन्न होती है।
- महँगाई को नियंत्रित करने के लिए RBI के द्वारा तरलता को कम किया जाता है।
- मांग को बढ़ाने के लिए RBI के द्वारा तरलता को बढ़ाया जाता है।
- तरलता पर नियंत्रण के लिए RBI के द्वारा मौद्रिक नीति (Monetary Policy) जारी की जाती है।
- अर्थव्यवस्था में मंदी की स्थिति में सरकार के द्वारा खर्च को बढ़ा दिया जाता है, जिससे की मांग बढ़ सकती है। इसके लिए राजकोषीय नीति (Fiscal Policy) का प्रयोग किया जाता है।
- भारत में महँगाई का लक्ष्य 4% (+/- 2%) है। अर्थात् महँगाई 2% से 6% के बीच होनी चाहिए।

मांग का नियम (Rule of Demand)

- कीमत और मांग के बीच ऋणात्मक संबंध होता है। यदि कीमते अधिक होती है तब मांग कम हो जाती है।
- यदि कीमते कम होती है तब मांग बढ़ जाती है।

आपूर्ति का नियम (Rule of Supply)

- इस नियम के अनुसार, अन्य कारक स्थिर रहने पर, किसी भी वस्तु या सेवा की कीमत और आपूर्ति की मात्रा एक-दूसरे से सीधे संबंधित होती हैं। दूसरे शब्दों में, जब किसी वस्तु के लिए खरीदार द्वारा भुगतान की जाने वाली कीमत बढ़ जाती है, तो आपूर्तिकर्ता बाजार में उस वस्तु की आपूर्ति बढ़ा देते हैं।
- मांग का नियम क्र्रेता के दृष्टिकोण को दर्शाता है तथा आपूर्ति का नियम विक्रेता के दृष्टिकोण को दर्शाता है।
- जिस बिन्दु पर क्र्रेता तथा विक्रेता सहमत होते हैं उस पर कीमत का निर्धारण होता है।

गिफिन वस्तुएँ:-

- यह ऐसी वस्तुएँ हैं जिसकी कीमत बढ़ने पर मांग बढ़ती है और कीमत घटने पर मांग घटती है। इस प्रकार, गिफिन वस्तु के लिए मांग वक्र ऊपर की ओर झुका हुआ होता है, जो मांग के नियम के विपरीत होता है।

RRB Group D- 2022

भौतिक विज्ञान

- विज्ञान की वह शाखा जिसमें ऊर्जा तथा द्रव्य और उनकी परस्पर क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है, **भौतिक विज्ञान** कहलाता है। भौतिक राशि को मापने के मापक को मात्रक कहते हैं।
- मात्रक दो प्रकार के होते हैं- (i) मूल मात्रक (Fundamental Unit) (ii) व्युत्पन्न मात्रक (Derived Unit)
- वे मात्रक जो स्वतंत्र होते हैं अर्थात् जो अन्य मात्रकों पर निर्भर नहीं होते हैं, मूल मात्रक (Fundamental Unit) कहलाते हैं।
- SI पद्धति में मूल मात्रक की संख्या सात तथा सम्पूर्ण मात्रक की संख्या 2 है।

क्र.सं	भौतिक राशि	S.I मात्रक	प्रतीक	विमा
1.	लंबाई (Length)	मीटर (Meter)	m	[L]
2.	समय (Time)	सेकण्ड (Second)	s	[T]
3.	द्रव्यमान (Mass)	किलोग्राम (Kilogram)	Kg	[M]
4.	ताप (Temperature)	केल्विन (Kelvin)	K	[K]
DP Cons.-2020				
5.	विद्युत धारा (Electric Current)	एम्पियर (Ampere)	A	[A]
6.	पदार्थ की मात्रा (Amount of Substance)	मोल (Mole)	mol	[Mol]
7.	ज्योति तीव्रता (Luminous Intensity)	कैंडेला (Candela)	Cd	[Cd]

S.I. पद्धति के सम्पूर्ण मात्रक

1.	समतल कोण (Plane angle)	रेडियन (Radian)	rad
2.	घन कोण (Solid angle)	स्टेरैडियन (Steradian)	sr

- व्युत्पन्न मात्रक वे मात्रक हैं, जो मूल मात्रकों की सहायता से व्यक्त किये जाते हैं, व्युत्पन्न मात्रक (Derived Unit) कहलाते हैं।
- मूल मात्रकों एवं व्युत्पन्न मात्रकों के सम्पूर्ण समुच्चय को मानकों की प्रणाली या पद्धति कहते हैं।

- प्रकाश वर्ष दूरी का मात्रक है। एक प्रकाश वर्ष निर्वात में एक वर्ष में तय की गयी कुल दूरी के बराबर होता है।

$$1 \text{ प्रकाश वर्ष} = 9.467 \times 10^{15} \text{ मी.}$$

SSC CGL-2024

- पारसेक यह दूरी मापने की सबसे बड़ी इकाई है।

$$1 \text{ पारसेक} = 3.26 \text{ प्रकाश वर्ष} = 3.08 \times 10^{16} \text{ मी.}$$

- पृथ्वी एवं सूर्य के बीच की माध्य दूरी (Mean Distance) खगोलीय इकाई कहलाती है।

$$1 \text{ खगोलीय इकाई} = 1.495 \times 10^{15} \text{ मी.}$$

भौतिक राशियाँ	मात्रक	विमीय सूत्र
आयतन	मीटर ³	[L ³]
UPSSSC Lower PCS-2019		
क्षेत्रफल	मीटर ²	[L ²]
घनत्व	कि.ग्रा./मीटर ³	[ML ⁻³]
चाल	मी./सेकण्ड	[LT ⁻¹]
RRC Group-D 2018		
वेग	मी./सेकण्ड	[LT ⁻¹]
त्वरण	मी./सेकण्ड ²	[LT ⁻²]
RRB NTPC-2022		
बल	किग्रा. मी./सेकण्ड ² या न्यूटन	[MLT ⁻²]
SSC JE-2024		
कार्य	न्यूटन मी. या जूल	[ML ² T ⁻²]
BSSC-2017		
संवेग	किग्रा. मी./सेकण्ड	[MLT ⁻¹]
आवेग	न्यूटन-सेकण्ड	[MLT ⁻¹]
शक्ति/सामर्थ्य	जूल/सेकण्ड या वाट	[ML ² T ⁻³]
DP Cons.-2020		
दाब	न्यूटन/मी. ² या पास्कल	[ML ⁻¹ T ⁻²]
गतिज ऊर्जा	जूल	[ML ² T ⁻²]
स्थितिज ऊर्जा	जूल	[ML ² T ⁻²]
पृष्ठ तनाव	न्यूटन/मीटर	[MT ⁻²]
जड़त्व आघूर्ण	किग्रा.-मीटर ²	[ML ² T ⁰]
आवृत्ति	हर्ट्ज	[M ⁰ L ⁰ T ⁻¹]

बल आघूर्ण	न्यूटन-मीटर	[ML ² T ⁻²]
आवेश	कूलॉम	[A ¹ T ¹]
SSC JE-2024		
प्रतिरोध	ओम (Ω)	[M ¹ L ² T ⁻³ A ⁻²]
विद्युत क्षेत्र	न्यूटन/कूलॉम या वोल्ट/मीटर	[M ¹ L ¹ T ⁻³ A ⁻¹]
चुंबकीय क्षेत्र की तीव्रता	टेस्ला	[M ¹ L ⁰ T ⁻² A ⁻¹]
विशिष्ट प्रतिरोध	ओम-मीटर	[ML ³ T ⁻³ A ⁻²]
SSC CGL-2024		
गुरुत्वीय नियतांक	न्यूटन मीटर ² /किग्रा. ²	[M ⁻¹ L ³ T ⁻²]

दस की घातों के पूर्वलग्न-

दस की घात	पूर्व प्रत्यय	प्रतीक	दस की घात	पूर्व प्रत्यय	प्रतीक
10 ¹⁸	एक्सा (Exa)	E	10 ⁻¹⁸	एटो (Atto)	a
10 ¹⁵	पेटा (Peta)	P	10 ⁻¹⁵	फेम्टो (Femto)	f
10 ¹²	टेरा (Tera)	T	10 ⁻¹²	पीको (Pico)	p
10 ⁹	गीगा (Giga)	G	10 ⁻⁹	नैनो (Nano)	n
10 ⁶	मेगा (Mega)	M	10 ⁻⁶	माइक्रो (Micro)	μ
10 ³	किलो (Kilo)	K	10 ⁻³	मिली (Mili)	m
10 ²	हेक्टो (Hecto)	H	10 ⁻²	सेण्टी (Centi)	c
10 ¹	डेका (Deca)	da	10 ⁻¹	डेसी (Deci)	d

अदिश राशियाँ (Scalar Quantities)	सदिश राशियाँ (Vector Quantities)
वे भौतिक राशियाँ, जिन्हें व्यक्त करने के लिए केवल परिमाण की आवश्यकता होती है दिशा की नहीं, अदिश राशियाँ (Scalar Quantities) कहलाती हैं। जैसे- गति, द्रव्यमान, दूरी, ऊर्जा, समय, तापमान, कार्य, दाब, आवेश, घनत्व, आयतन आदि।	वे भौतिक राशियाँ, जिन्हें व्यक्त करने के लिए केवल परिमाण के साथ-साथ दिशा की भी आवश्यकता होती है सदिश राशियाँ (Vector Quantities) कहलाती हैं। जैसे- वेग, बल, विस्थापन, संवेग, त्वरण, कोणीय वेग, चुम्बकीय क्षेत्र, विद्युत क्षेत्र आदि।

- एक निश्चित दिशा में दो बिन्दुओं के बीच की न्यूनतम दूरी को विस्थापन (Displacement) कहते हैं। यह एक सदिश राशि है। इसका S.I. मात्रक मीटर है।
- वस्तु के विस्थापन की दर को उस वस्तु का वेग कहते हैं। यह धनात्मक, ऋणात्मक या शून्य हो सकता है। यह एक सदिश राशि है। इसका S.I. मात्रक मी./से. है।
- किसी वस्तु के वेग में परिवर्तन की दर को त्वरण (Acceleration) कहते हैं। यह एक सदिश राशि है। त्वरण का S.I. मात्रक मी./से.² होता है।

- किसी वस्तु द्वारा प्रति सेकण्ड में तय की गई दूरी को चाल (Speed) कहते हैं। यह एक अदिश राशि है। इसका S. I. मात्रक मी./से. है।
[चाल = दूरी/समय]
- दिये गये समयान्तराल में वस्तु द्वारा तय किये गये पथ की लंबाई को दूरी (Distance) कहते हैं। यह एक अदिश राशि है। इसका मान सदैव धनात्मक होता है।
- वृत्तीय मार्ग पर गति करते हुए कण के कोणीय विस्थापन में परिवर्तन की दर को उस कण का कोणीय वेग (Angular Velocity) कहते हैं। इसे ω (ओमेगा) से व्यक्त किया जाता है।
- कोणीय वेग का मात्रक रेडियन/सेकण्ड है। यह एक सदिश राशि है।
- जब कोई वस्तु किसी वृत्ताकार मार्ग पर गति करती है तो इसे वृत्तीय गति कहते हैं।
- वृत्तीय गति त्वरित गति है क्योंकि वेग की दिशा प्रत्येक बिन्दु पर परिवर्तित हो जाती है।
- **नमन कोण** - किसी स्थान पर पृथ्वी का सम्पूर्ण चुम्बकीय क्षेत्र क्षैतिज तल के साथ जितना कोण बनाता है, उसे उस स्थान का **नमन कोण** कहते हैं। विषुव रेखा पर नमन कोण का मान 0° और ध्रुव पर नमन कोण का मान 90° होता है।
- पृथ्वी के सम्पूर्ण चुम्बकीय क्षेत्र के क्षैतिज घटक अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग होते हैं परन्तु इसका मान लगभग 3.6 × 10⁻⁵ टेस्ला होता है।

विद्युत धारा (Electric Current)

- किसी चालक में विद्युत आवेश के प्रवाह की दर को **विद्युत धारा** कहते हैं। यह एक अदिश राशि है। इसका S.I. मात्रक एम्पियर है।

SSC JE, CGL-2024, DP Cons.-2024

- विद्युत धारा को एम्पियर में मापने के लिए अमीटर नामक यंत्र का उपयोग किया जाता है। इसे परिपथ में सदैव श्रेणी क्रम में जोड़ा जाता है।
- गैल्वेनोमीटर विद्युत परिपथ में विद्युत धारा की उपस्थिति बताने वाला एक यंत्र है। इससे 10⁻⁶ एम्पियर तक की विद्युत धारा को मापा जा सकता है।
- एक आदर्श अमीटर का प्रतिरोध शून्य होता है।
$$1 \text{ एम्पियर} = \frac{1 \text{ कूलाम}}{1 \text{ सेकण्ड}}$$
- विद्युत परिपथ में ऊर्जा के क्षय होने की दर को शक्ति कहते हैं। इसका S.I. मात्रक वॉट होता है। इसे 'P' से प्रदर्शित करते हैं। [P = V × I]
- विद्युत क्षेत्र में 1 कूलॉम धनात्मक आवेश को एक बिन्दु से दूसरे बिन्दु तक ले जाने में किये गये कार्य को 'विभवान्तर' कहते हैं। यह एक अदिश राशि है। इसका SI मात्रक जूल/कूलॉम या वोल्ट होता है।
- परिपथ के किन्हीं दो बिन्दुओं के बीच विभवान्तर को मापने के लिए वोल्टमीटर का प्रयोग किया जाता है।
- एक आदर्श वोल्टमीटर का प्रतिरोध अनंत होता है।
- यदि किसी चालक की भौतिक अवस्था (ताप) में कोई परिवर्तन न हो तो उसमें बहने वाली धारा उसके सिरों के बीच विभवान्तर के अनुक्रमानुपाती होती है। (V = IR)
- प्रतिरोध परिपथ में बहने वाली विद्युत धारा का विरोध करता है। यह एक अदिश राशि है। इसका मात्रक ओम (Ω) है और इसे R से सूचित करते हैं।
- प्रतिरोध चालक की लंबाई, प्रकृति और क्षेत्रफल पर निर्भर करता है।

RRB NTPC-2022

- विशिष्ट प्रतिरोध (ρ) का मात्रक ओम-मीटर ($\Omega\text{-m}$) होता है।
SSC CGL, CPO-2024
- ताप बढ़ाने पर चालकों का प्रतिरोध बढ़ता है और अर्द्धचालकों का प्रतिरोध घटता है।
- किसी चालक के प्रतिरोध के व्युत्क्रम को चालक की चालकता कहते हैं। इसका S. I. इकाई ओम⁻¹ या सिमेन या म्हो होता है।
- जो चालक ओम के नियम का पालन करते हैं उन्हें ओमीय चालक कहते हैं। जैसे- मैंगनीज का तार।
- जो चालक ओम के नियम का पालन नहीं करते हैं उन्हें अन-ओमीय चालक कहते हैं। जैसे- डायोड बल्ब का प्रतिरोध, ट्रायोड बल्ब का प्रतिरोध।
- विद्युत बल्ब में प्रकाश देने वाले पतले तार को फिलामेंट कहते हैं।
RRB NTPC-2022
- वे वस्तुएँ जिनको चुम्बकीय क्षेत्र में रखने पर बाहरी चुम्बकीय क्षेत्र के विपरीत दिशा में चुम्बकत्व उत्पन्न होता है, प्रतिचुम्बकीय पदार्थ कहलाता है। जैसे- बिस्मथ, ताँबा, सोना, चाँदी, हीरा, नमक, जस्ता, जल आदि प्रति चुम्बकीय पदार्थों के उदाहरण हैं।
- वे पदार्थ जो चुम्बक की तरफ आकर्षित नहीं होते, उन्हें अचुम्बकीय पदार्थ कहते हैं। जैसे- लकड़ी, प्लास्टिक कागज और कपड़ा आदि।
- लौह चुम्बकीय पदार्थ को क्यूरी ताप से अधिक ताप तक गर्म करने पर वह अनुचुम्बकीय पदार्थ में बदल जाता है। जैसे-लोहा, निकेल, कोबाल्ट, इस्पात आदि।
- उदाहरण- लोहा एवं निकेल के लिए क्यूरी ताप का मान क्रमशः **770°C** तथा **358°C** होता है।
- स्थायी चुम्बक बनाने के लिए इस्पात का प्रयोग किया जाता है।
- अस्थायी चुम्बक बनाने के लिए नर्म लोहे का प्रयोग किया जाता है।
- किसी स्थान पर पृथ्वी के चुम्बकीय क्षेत्र को तीन तत्वों द्वारा व्यक्त किया जाता है।
- (i) ऊर्ध्वाधर घटक (ii) क्षैतिज घटक (iii) चुंबकीय अवनति
- पृथ्वी तल के किसी स्थान पर चुम्बकीय याम्योत्तर और भौगोलिक याम्योत्तर के बीच बने न्यून कोण को द्विकपात् कोण कहते हैं।
- वायुमंडल में प्रति इकाई आयतन में उपस्थित जलवाष्प की मात्रा को आर्द्रता (Humidity) कहते हैं।

चुम्बकत्व (Magnetism)

- लोहे का ऑक्साइड (Fe_3O_4) प्राकृतिक चुम्बक है। इसका कोई निश्चित आकार नहीं होता है।
- कृत्रिम विधियों द्वारा बनाए गये चुम्बक को कृत्रिम चुम्बक कहते हैं। यह कोबाल्ट, लोहा, इस्पात आदि से बनाया जा सकता है। ये विभिन्न आकृति की होती हैं, जैसे- छड़ चुम्बक, डिस्क चुम्बक, घोड़ानाल चुम्बक आदि।
- लोहे को चुम्बक अपनी ओर आकर्षित करती है, इस गुण को चुम्बकत्व कहते हैं।
- चुम्बक के दो ध्रुवों को मिलाने वाली रेखा को चुम्बकीय अक्ष कहते हैं। समान ध्रुवों में प्रतिकर्षण एवं असमान ध्रुवों में आकर्षण होता है।
- किसी चुम्बक को क्षैतिज तल में लटकाने पर उसका एक ध्रुव सदैव उत्तर दिशा की ओर तथा दूसरा ध्रुव सदैव दक्षिण दिशा की ओर ठहरता है। उत्तर की ओर ठहरने वाले ध्रुव को उत्तरी ध्रुव तथा दक्षिण दिशा की ओर ठहरने वाले ध्रुव को दक्षिणी ध्रुव कहते हैं।

- चुम्बक के चारों ओर का वह क्षेत्र, जिसमें चुम्बक के प्रभाव का अनुभव किया जाता है, चुम्बकीय क्षेत्र कहलाता है।
- चुम्बकीय क्षेत्र की तीव्रता एक सदिश राशि है। इसका मात्रक न्यूटन/ऐम्पियर-मी. अथवा वेबर/मी² या टेस्ला (T) होता है।
- चुम्बकीय बल रेखाएँ वे काल्पनिक रेखाएँ हैं, जो उस स्थान में चुम्बकीय क्षेत्र की दिशा को प्रदर्शित करते हैं।

चुम्बकीय बल रेखाओं के गुण

1. ये रेखाएँ चुम्बक के बाहर उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तक तथा चुम्बक के अंदर दक्षिणी ध्रुव से उत्तरी ध्रुव तक जाती हैं अर्थात् बन्द वक्र बनाती हैं।
 2. दो बल रेखाएँ एक दूसरे को कभी नहीं काटती हैं।
 3. ये रेखाएँ एक-दूसरे को लम्बाई के लम्बवत् प्रतिकर्षित करती हैं।
 4. ये रेखाएँ जहाँ घनी होती हैं, चुम्बकीय क्षेत्र की तीव्रता अधिक तथा जहाँ विरल होती हैं वहाँ चुम्बकीय क्षेत्र की तीव्रता कम होती है।
 5. इन बल रेखाओं के किसी बिन्दु पर खींची गयी स्पर्श रेखा उस बिन्दु पर परिणामी क्षेत्र (बल) की दिशा को प्रदर्शित करती है।
 6. एक समान चुम्बकीय क्षेत्र की बल रेखाएँ परस्पर समान्तर होती हैं।
- निश्चित ताप पर द्रव्य की अवस्था में परिवर्तन के लिए आवश्यक ऊष्मा को ही द्रव्य की गुप्त ऊष्मा कहते हैं।
 - गुप्त ऊष्मा का S.I. मात्रक जूल/किग्रा या कैलोरी/ग्राम है।
 - ठोस के द्रव अवस्था में परिवर्तन के लिए आवश्यक ऊष्मा ही गलन की गुप्त ऊष्मा (Latent Heat of Melting) कहलाती है।
 - उदाहरण - 0°C पर एक ग्राम बर्फ को पानी में बदलने के लिए 80 कैलोरी/ग्राम ऊष्मा की आवश्यकता होती है।
 - एक निश्चित ताप पर द्रव के एकांक द्रव्यमान को वाष्प में बदलने के लिए आवश्यक ऊष्मा को द्रव की वाष्पन की गुप्त उष्मा (Latent Heat of Vaporisation) कहते हैं।

उदाहरण- उबलते जल की अपेक्षा भाप से जलने पर अधिक कष्ट होता है क्योंकि जल की अपेक्षा भाप की गुप्त ऊष्मा अधिक होती है।

- 0°C पर पिघलती बर्फ में कुछ नमक मिलाने पर बर्फ का गलनांक 0°C से घटकर -22°C कम हो जाता है। ऐसे मिश्रण को हिम मिश्रण कहते हैं। इस मिश्रण का उपयोग कुल्फी, आइसक्रीम आदि बनाने में किया जाता है।
 - क्वथनांक से नीचे किसी भी ताप पर द्रव की सतह से द्रव के कणों का वाष्प में बदलने की प्रक्रिया को वाष्पीकरण (Evaporation) कहते हैं।
- उदाहरण-** कूलर से प्राप्त ठंडक वाष्पीकरण का ही परिणाम है।, गर्मी के मौसम में पानी का छिड़काव कर देने से ठंडक प्राप्त होती है। गर्मियों के मौसम में जब शरीर का पसीना सूखता है तो वाष्पीकरण के द्वारा यह हमारे शरीर से ऊष्मा लेता है, जिससे हमें ठंडक का आभास होता है।

वाष्पीकरण को प्रभावित करने वाले कारक

1. द्रव के कणों के मध्य लगने वाला आकर्षण बल अधिक हो जाने पर वाष्पीकरण की दर कम हो जाती है।
2. वायुमण्डलीय आर्द्रता बढ़ जाने पर वाष्पीकरण की दर कम हो जाती है।
3. द्रव का पृष्ठीय क्षेत्रफल बढ़ने पर वाष्पीकरण की दर बढ़ जाती है।
4. तापमान या वायु की गति बढ़ जाने पर वाष्पीकरण की दर बढ़ जाती है।

- पृष्ठ (Surface) से ठीक नीचे का जल 4°C पर जल अवस्था में रहता है, जिसमें जलीय जीव, मछलियाँ आदि जीवित बनी रहती हैं।
- जब जल 0°C पर जमने लगता है तो इसके आयतन में प्रसार होता है अर्थात् बर्फ बनने की क्रिया में आयतन बढ़ जाता है।
- यदि पानी का तापमान 15°C से घटकर 0°C तक लाया जाए तो उसके असामान्य प्रसार के गुण के कारण 4°C तक तो इसका आयतन घटेगा और फिर बढ़ेगा।
- वह निश्चित ताप जिस पर कोई ठोस पदार्थ द्रव में परिवर्तित हो जाता है, गलनांक (Melting Point) कहलाता है। अशुद्धि मिलाने पर पदार्थ का गलनांक कम हो जाता है।
- जो पदार्थ ठोस से द्रव में बदलने पर सिकुड़ते हैं (जैसे- बर्फ), उनका गलनांक दाब बढ़ाने पर घटता है तथा जो पदार्थ ठोस से द्रव में बदलने पर फैलते हैं, उनका गलनांक दाब बढ़ाने पर बढ़ता है। एक निश्चित ताप पर द्रव का ठोस में बदलना 'हिमीकरण' (Freezing) कहलाता है, तथा वह निश्चित ताप जिस पर हिमीकरण की क्रिया होती है, हिमांक कहलाता है।
- वह निश्चित ताप जिस पर कोई द्रव गैस में बदलता है, उसे क्वथनांक (Boiling Point) कहते हैं।
- उदाहरण-** मैदानी क्षेत्रों की अपेक्षा पहाड़ी क्षेत्रों में खाना पकाना अधिक कठिन होता है क्योंकि वहाँ मैदानी क्षेत्रों की तुलना में जल का क्वथनांक घट जाता है।
- प्रेशर कुकर में दाब बढ़ने पर जल का क्वथनांक बढ़ जाता है, जिससे जल की गुप्त ऊष्मा का मान बढ़ जाता है फलस्वरूप खाना जल्दी पक जाता है।
- पहाड़ों पर दाब कम होने के कारण क्वथनांक घट (100°C से कम) जाता है इसलिए खाना देरी से पकता है।
- जल का असामान्य प्रसार**
- जब जल को 0°C से 4°C तक गर्म किया जाता है तो जल सिकुड़ता है अर्थात् जल के आयतन (Volume) में कमी और घनत्व बढ़ जाता है।
- 4°C पर जल का घनत्व अधिकतम और आयतन न्यूनतम होता है।
- -40° तापमान पर सेल्सियस एवं फारेनहाइट दोनों पैमानों पर समान पाठ्यांक होगा।
- केल्विन पैमाने पर तापमान में से 273 घटाने पर हमें सेल्सियस पैमाने पर तापमान मिलता है। इसी प्रकार सेल्सियस पैमाने पर तापमान में 273 जोड़ देने पर केल्विन में तापमान मिल जाएगा।
- एक स्वस्थ मनुष्य के शरीर का तापमान सेल्सियस पैमाने पर 37°C होता है। अतः केल्विन पैमाने पर यह $37 + 273 = 310\text{K}$ होगा। फारेनहाइट पैमाने पर यह तापमान 98.4°F के बराबर होगा।
- एक ही वस्तु में एक स्थान से दूसरे स्थान पर उष्मा का पहुँचना **ऊष्मा स्थानान्तरण** कहलाता है।
- ऊष्मा स्थानान्तरण की मुख्य तीन विधियाँ होती हैं।
1. चालन
 2. संवहन
 3. विकिरण
- ऊष्मा संचरण की ऐसी विधि जिसमें पदार्थ का अणु बिना स्थान बदले ऊष्मा का एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होना, चालन (Conduction) कहलाता है।
- ठोस में ऊष्मा का संचरण चालन विधि द्वारा ही होता है।
- जब हम धातु की छड़ के एक सिरे को हाथ से पकड़कर दूसरे सिरे को आग में रखते हैं, कुछ देर बाद छड़ का दूसरा सिरा चालन के कारण गर्म हो जाता है।
- जिन घरों में छत कंक्रीट की बनी होती है, वे गर्मियों में अधिक गर्म हो जाती है क्योंकि कंक्रीट ऊष्मा की अच्छी चालक होती है।
- धातुएँ (ताँबा, लोहा आदि) ऊष्मा की सुचालक होती हैं।
- सर्दियों में ऊनी वस्त्र हमें गर्म रखते हैं, जो ऊष्मा के कुचालक होने के कारण वातावरण की ठंडक शरीर तक पहुँचने नहीं देते हैं।
- ऊष्मा संचरण की ऐसी विधि जिसमें पदार्थ के अणु ऊष्मा पाकर अपना स्थान बदलने लगते हैं और उनका स्थान ठंडे अणु ग्रहण करने लगते हैं संवहन (Convection) कहलाती है। गैसों एवं द्रवों में ऊष्मा का संचरण संवहन द्वारा ही होता है।
- उदाहरण-** पृथ्वी का वायुमंडल संवहन विधि द्वारा ही गर्म होता है।
- मोटरकार का रेडिएटर (शीतलन तंत्र) संवहन सिद्धान्त पर कार्य करता है, जहाँ जल द्वारा ऊष्मा का संवहन होता है।
- जल की अपेक्षा स्थल अधिक गर्म हो जाता है। इसके दो कारण हैं-
- जल की विशिष्ट ऊष्मा का मान अधिक होता है।
 - जलाशय के विशाल जल आयतन के कारण ऊष्मा वितरित (Distributed) हो जाती है।
- ऊष्मा संचरण की ऐसी विधि जिसमें किसी भी माध्यम की आवश्यकता न हो उसे **विकिरण विधि (Radiation)** कहते हैं।
- सूर्य की ऊष्मा पृथ्वी तक विकिरण विधि द्वारा ही स्थानांतरित होती है।
- रेगिस्तान दिन में बहुत अधिक गर्म तथा रात में ठंडे हो जाते हैं। क्योंकि रेत ऊष्मा का अच्छा अवशोषक होता है।
- किरचॉफ के नियमानुसार, अच्छे अवशोषक ही अच्छे उत्सर्जक होते हैं।
- अंधेरे में यदि एक काली और एक सफेद वस्तु को समान ताप पर गरम करके रखा जाए तो काली वस्तु अधिक विकिरण उत्सर्जित करेगी। अतः काली वस्तु अंधेरे में अधिक चमकेगी।
- वह यन्त्र जो किसी वस्तु का ताप मापता है, **तापमापी (Thermometer)** कहलाता है।
- निम्न प्रकार के ताप पैमाने-
- (1) द्रव तापमापी (Liquid Thermometer)**
- पारा प्रयुक्त करने पर -30°C से लेकर 350°C तक का मापा जा सकता है।
 - बर्फीले इलाकों में एल्कोहॉल थर्मामीटर का उपयोग किया जाता है क्योंकि एल्कोहॉल -115°C पर जमता है और पारा -39°C पर जम जाता है।
- (2) पारा तापमापी/डॉक्टर तापमापी (Clinical Thermometer)-** इसका उपयोग शरीर के तापमान को मापने के लिए किया जाता है।
- पारा तापमापी में न्यूनतम बिन्दु 95°F (35°C) तथा उच्चतम बिन्दु 110°F (43°C) होता है अर्थात् यह तापमापी 95°F से 110°F के बीच कार्य करता है।
- (3) सेल्सियस पैमाना (Celsius Scale)-** इस पैमाने में हिमांक बिंदु को 0°C व क्वथनांक बिन्दु को 100°C अंकित किया जाता है तथा इनके बीच की दूरी को 100 बराबर भागों में बाँटा जाता है। प्रत्येक भाग को 1°C कहते हैं।

(4) **केल्विन पैमाना (Kelvin Scale)**- इस पैमाने में हिमांक बिन्दु 273K और क्वथनांक बिन्दु 373K अंकित किया जाता है तथा इनके बीच की दूरी को 100 बराबर भागों में बाँटा जाता है

(4) **स्थिर आयतन गैस तापमापी** -

- इसमें हाइड्रोजन गैस तापमापी से -200°C से $+500^{\circ}\text{C}$ तक का ताप मापा जाता है।
- -200°C से नीचे (-200°C तक) के ताप को मापने हेतु हाइड्रोजन के स्थान पर हीलियम गैस का उपयोग किया जाता है तथा 500°C से ऊपर के ताप को मापने हेतु नाइट्रोजन गैस उपयोग की जाती है।

(6) **फारेनहाइट पैमाना (Fahrenheit Scale)**- इस पैमाने में हिमांक बिन्दु 32°F और क्वथनांक बिन्दु 212°F है तथा इनके बीच की दूरी को 180 बराबर भागों में बाँटा जाता है।

रोमर पैमाना (Romar Scale)- इस पैमाने पर हिमांक बिन्दु 0°R और क्वथनांक बिन्दु 80°R है तथा इनके बीच की दूरी को 180 बराबर भागों में बाँटा जाता है।

चारों पैमानों में संबंध

$$\frac{C-0}{100} = \frac{F-32}{180} = \frac{R-0}{80} = \frac{K-273}{100}$$

- मानक ताप और दाब (STP) पर, ताप का मान 0°C होता है।

SSC CHSL-2023

- सेल्सियस पैमाने पर जल का हिमांक बिंदु 0°C होता है।

SSC JE-2024

ऊष्मा

- ऊष्मा ऊर्जा का ही एक प्रकार है, जो दो वस्तुओं के ताप में अंतर होने पर उनके बीच प्रवाहित होती है। किसी वस्तु में निहित ऊष्मा उस वस्तु के द्रव्यमान पर निर्भर करता है।
- कोई वस्तु हमें कितनी गर्म या ठण्डी लगेगी यह उस वस्तु में होने वाले ऊष्मा के प्रवाह पर निर्भर करती है।
- यहाँ कारण है कि जाड़े की सुबह में लकड़ी के गुटके एवं लोहे के गुटके को छूने पर लोहे का गुटका अधिक ठंडा प्रतीत होता है। लकड़ी की तुलना में लोहा ऊष्मा का अच्छा चालक है।
- स्टीम आयरन ऊष्मागतिकी के सिद्धांत पर कार्य करती है।

DP Cons., 2022

ऊष्मा के मात्रक

- ऊष्मा का S.I. मात्रक जूल है।
- 1 ग्राम जल का ताप 1°C बढ़ाने के लिए आवश्यक ऊष्मा की मात्रा को 1 कैलोरी कहा जाता है।
- 1 पौंड जल का ताप 1°F बढ़ाने के लिए आवश्यक ऊष्मा की मात्रा को 1B. Th. U. (ब्रिटिश थर्मल यूनिट) कहते हैं।
- किसी लोलक का आवर्तकाल 'T' उसकी लम्बाई 'l' एवं गुरुत्वीय त्वरण 'g' पर निर्भर करता है।

$$T = 2\pi\sqrt{\frac{l}{g}} \quad \text{जहाँ } l = \text{डोरी की लम्बाई, } g = \text{गुरुत्वीय त्वरण}$$

- गर्मियों में लोलक की लम्बाई (l) बढ़ जायेगी तो उसका आवर्तकाल (T) भी बढ़ जायेगा। अतः घड़ी सुस्त हो जायेगी। सर्दियों में लम्बाई (l) कम हो जाने पर आवर्तकाल (T) भी कम हो जायेगा और लोलक घड़ी तेज चलने लगेगी।

- चन्द्रमा पर लोलक घड़ी को ले जाने पर उसका आवर्तकाल बढ़ जायेगा क्योंकि चन्द्रमा पर g का मान पृथ्वी के g के मान का $\frac{1}{6}$ गुना है।
- अगर एक लोलक को भूमध्य रेखा से ध्रुवों की ओर ले जाया जाए तो g के मान में परिवर्तन के कारण उसका आवर्तकाल भूमध्य रेखा पर अधिकतम एवं ध्रुवों पर न्यूनतम होगा।
- आवर्तकाल लोलक के द्रव्यमान पर निर्भर नहीं करता है अतः झूला झूलने वाली लड़की की बगल में कोई दूसरी लड़की आकर बैठ जाए तो आवर्तकाल पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सरल आवर्त गति (Simple Harmonic Motion)

- जब कोई वस्तु अपनी माध्य स्थिति के दोनों ओर सरल रेखा में दोलन गति करती है तो इस प्रकार की गति को सरल आवर्त गति कहते हैं।

सरल आवर्त गति की विशेषताएँ

- सरल आवर्त गति करने वाला कण जब अपनी मध्यमान स्थिति से गुजरता है, तब-
 1. उस पर कोई बल कार्य नहीं करता है।
 2. वेग अधिकतम होता है।
 3. स्थितिज ऊर्जा शून्य होती है।
 4. गतिज ऊर्जा अधिकतम होती है।
 5. इसका त्वरण शून्य होता है।
- सरल आवर्त गति करने वाला कण जब अपनी गति के अंत बिन्दुओं से गुजरता है, तब-
 1. उस पर कार्य करने वाला प्रत्यानयन बल अधिकतम होता है।
 2. स्थितिज ऊर्जा अधिकतम होती है।
 3. गतिज ऊर्जा शून्य होती है।
 4. उसका त्वरण अधिकतम होता है।
 5. वेग शून्य होता है।
- एक दोलन पूरा करने के समय को आवर्तकाल कहते हैं।
- कम्पन करने वाली वस्तु एक सेकण्ड में जितना कम्पन करती है उसे उसकी आवृत्ति कहते हैं।

DP Cons.-2020

- आवृत्ति का S.I. मात्रक हर्ट्ज (Hertz) होता है। यदि आवृत्ति n तथा आवर्तकाल T हो, तो $n = \frac{1}{T}$ होता है।
- ऐसी गति जिसमें कोई कण या पिण्ड अपनी साम्य अवस्था के आस-पास गति करता है, **दोलन** या **कम्पन** कहलाता है।
- दोलन करने वाले कण का अपनी साम्य स्थिति के एक ओर जाना फिर साम्य स्थिति में आकर दूसरी ओर जाना एवं पुनः अपनी साम्य स्थिति में वापस लौटना एक दोलन या कम्पन कहलाता है।
- लोलक द्वारा एक पूर्ण आवर्त में लगने वाले समय को लोलक का आवर्तकाल (Time Period) कहते हैं।

प्रत्यास्थता (Elasticity)

- प्रत्यास्थता किसी पदार्थ का वह गुण है, जिसके कारण वस्तु किसी विरूपक बल के द्वारा उत्पन्न आकार अथवा आकृति में परिवर्तन का विरोध करती है और विरूपक बल हटाते ही वस्तु अपनी पूर्व अवस्था को प्राप्त कर लेती है।
- प्रत्यास्थता का S.I. मात्रक न्यूटन/मीटर² होता है जिसे पास्कल कहते हैं।

- यदि किसी वस्तु पर कोई बाह्य बल लगाया जाये तो वस्तु का आकार या आकृति अथवा दोनों ही बदल जाते हैं, जिससे वस्तु विकृत हो जाती है। इस बल को विरूपक बल कहते हैं।
- किसी पदार्थ पर लगाये गये विरूपक बल की उस सीमा को जिसके अन्तर्गत पदार्थ की प्रत्यास्थता का गुण विद्यमान रहता है, उसे पदार्थ की प्रत्यास्थता सीमा कहते हैं, जैसे- स्टील, रबर से अधिक प्रत्यास्थता होती है।
- प्रत्यास्थता गुण के विपरीत, यदि किसी वस्तु पर नगण्य (Negligible) बल लगाने पर उसमें स्थायी परिवर्तन हो जाये तो उसे प्लास्टिक कहते हैं।
- प्रति एकांक क्षेत्रफल पर लगाये गये बल को प्रतिबल (Stress) कहते हैं।
- किसी तार पर विरूपक बल लगाने पर उसकी प्रारंभिक लम्बाई L में वृद्धि l होती है, तो $\frac{l}{L}$ को विकृति कहते हैं।
- हुक के नियम के अनुसार, प्रत्यास्थता की सीमा के अन्तर्गत किसी पदार्थ पर कार्य करने वाला प्रतिबल उसमें उत्पन्न विकृति के समानुपाती होता है।
प्रत्यास्थता गुणांक = $\frac{\text{प्रतिबल}}{\text{विकृति}}$
- यंग का प्रत्यास्थता गुणांक के अनुसार, यदि विकृति अनुदैर्घ्य है, तो प्रत्यास्थता गुणांक को यंग प्रत्यास्थता गुणांक कहते हैं।
$$Y = \frac{\text{अनुदैर्घ्य प्रतिबल}}{\text{अनुदैर्घ्य विकृति}}$$
- प्रतिबल की SI इकाई पास्कल है।

DP Cons.-2020

तरंग (Waves)

- तरंग किसी माध्यम में उत्पन्न विक्षोभ है, जो उद्गम बिन्दु से माध्यम के कणों के वास्तविक स्थानान्तरण के बिना सभी दिशाओं में संचरित होती है।
- तरंगों मुख्यतः दो प्रकार की होती हैं-
 1. यांत्रिक तरंगें
 2. अयांत्रिक तरंगें या विद्युत चुम्बकीय तरंगें

यांत्रिक तरंगे (Mechanical Waves)	अयांत्रिक तरंगे (Non-mechanical Waves)
ये तरंगें निर्वात में गमन नहीं कर सकती इन्हें गमन करने के लिए माध्यम (ठोस, द्रव, गैस) की आवश्यकता होती है। जैसे- जल की तरंगें, ध्वनि की तरंगें, संपीड़न तरंगें आदि।	ये तरंगें निर्वात में गमन कर सकती हैं। जैसे- प्रकाश, रेडियो तरंगें, एक्स-रे, गामा किरणें, माइक्रोवेव आदि।

- यांत्रिक तरंगें दो प्रकार की होती हैं-
 1. अनुप्रस्थ तरंगें (Transverse Waves)
 2. अनुदैर्घ्य तरंगें (Longitudinal Waves)
- वे तरंगें जिनमें माध्यम के कण तरंग चलने की दिशा के लम्बवत् कम्पन करते हैं अनुप्रस्थ तरंग कहलाती हैं।
- वे तरंगें जिनमें माध्यम के कण तरंग के चलने की दिशा के अनुदिश (या समान्तर) कम्पन करते हैं, अनुदैर्घ्य तरंग कहलाती हैं।
- अनुदैर्घ्य तरंग ध्वनि तरंग की गति के समानांतर दोलन करती है।

SSC CPO-2024

तरंग गति को परिभाषित करने के कुछ गुण

1. जब तरंग किसी माध्यम में संचरित होती है, तो माध्यम का कोई कण अपनी साम्यावस्था के दोनों ओर जितना अधिक विस्थापित होता है, तरंग का आयाम कहलाता है।
 2. कम्पन की कला
 3. आयाम
 4. आवृत्ति
 5. तरंगदैर्घ्य
- यदि किसी इमारत के ऊपर से कोई पराध्वनिक वायुयान गुजरता है तो प्रघाती तरंगों के बनने के कारण भवन की खिड़कियों के शीशे आदि चटक जाते हैं।
 - जल में जब कोई जलयान ध्वनि की चाल से अधिक तेजी से चले तो जल के तल पर प्रघाती तरंगें उत्पन्न हो जाती है।
 - वायुयानों की चाल को मैक संख्या में मापा जाता है।
 - वे वस्तुएँ जिनकी मैक संख्या 1 से कम होती है उन्हें **सबसोनिक** (Subsonic) कहते हैं।
 - वे वस्तुएँ जिनकी मैक संख्या 1 के बराबर होती है उन्हें **ट्रांससोनिक** (Transonic) कहते हैं।
 - वे वस्तुएँ जिनकी मैक संख्या 1 से अधिक होती है उन्हें **पराध्वनिक** (Supersonic) कहते हैं।
 - वे वस्तुएँ जिनकी मैक संख्या 5 से अधिक होती है उन्हें **हाइपरसोनिक** (Hypersonic) कहते हैं।
 - जब कोई पिण्ड ध्वनि की गति से तेज गति करता है, ध्वनि बूम कहलाता है, **उदाहरण-** लडाकू विमान या रॉकेट की गति आदि।

CDS-I 2023

अवस्था	पदार्थ	चाल मी./से. में (25°C पर)
ठोस	काँच (फिल्ट)	3980
	पीतल	4700
	लोहा	5950
	स्टील	5960
	निकेल	6040
	एल्युमीनियम	6420
गैस	सल्फर डाइऑक्साइड	213
	ऑक्सीजन	316
	वायु	346
	हीलियम	965
	हाइड्रोजन	1284
द्रव	मेथेनॉल	1103
	एथेनॉल	1207
	जल (आसुत)	1498
	जल (समुद्री)	1531

नोट: 0°C पर वायु में ध्वनि की चाल 332 मी/से. होती है।

क्र.स	प्रबलता	ध्वनि की तीव्रता
1.	प्रबलता चेतना संबंधी है।	ध्वनि की तीव्रता वस्तुनिष्ठ है।

2.	प्रबलता को मापा नहीं जा सकता है।	ध्वनि की तीव्रता को मापा जा सकता है।
3.	प्रबलता सुनने वाले के कान की सुग्राहिता पर निर्भर करती है।	ध्वनि की तीव्रता, सुनने वाले के कान की सुग्राहिता पर निर्भर नहीं करती है।
4.	प्रबलता ध्वनि का वह अभिलक्षण है, जिसके कारण ध्वनि तेज या मंद सुनाई देती है।	ध्वनि की तीव्रता, ध्वनि ऊर्जा का वह परिमाण है जो ध्वनि संचरण की दिशा के लंबवत् खींचे गये। इकाई क्षेत्रफल से प्रति सेकण्ड गुजरती है।

- जब ध्वनि एक माध्यम से दूसरे माध्यम में गति करती है तो ध्वनि की चाल (v) तथा तरंगदैर्घ्य (λ) बदल जाते हैं, जबकि आवृत्ति (n) समान रहती है।
- गैसों में ध्वनि की चाल, गैस के घनत्व के वर्गमूल के व्युत्क्रमानुपाती होती है।

ध्वनि के लक्षण (Characters of Sound)

(1) तारत्व (2) प्रबलता (3) गुणता

- ध्वनि का तारत्व (Pitch) उसकी आवृत्ति पर निर्भर करता है, जितनी अधिक आवृत्ति होगी, ध्वनि का तारत्व उतना ही ऊँचा होगा।
- पुरुषों की ध्वनि कम तारत्व की मोटी होती है, जबकि महिलाओं की ध्वनि उच्च तारत्व की पतली एवं बारीक होती है।
- ध्वनि के तारत्व का ध्वनि की तीव्रता से कोई संबंध नहीं है। प्रबल ध्वनि का तारत्व कम या अधिक हो सकता है, जैसे- शेर की दहाड़ एक तीव्र ध्वनि है, लेकिन इसका तारत्व कम होता है जबकि मच्छर की भिन्भिनाहट एक धीमी ध्वनि है, लेकिन इसका तारत्व शेर की दहाड़ से अधिक होता है।
- ध्वनि का वह लक्षण जिसके कारण समान तीव्रता तथा समान तारत्व की ध्वनियों में अंतर प्रतीत होता है, गुणता कहलाता है।
- तीव्रता ध्वनि का वह लक्षण है, जिसके कारण हमें कोई ध्वनि धीमी अथवा तेज सुनाई देती है।
- कम्पन का आयाम जितना अधिक होगा, ध्वनि की तीव्रता उतनी ही अधिक होगी।
- ध्वनि की तीव्रता का SI मात्रक वाट/मीटर² है तथा प्रयोगात्मक मात्रक बल है। बल के दसवें भाग को ही डेसीबल कहते हैं। **DP Cons.-2020**
- ध्वनि की प्रबलता, ध्वनि की तीव्रता पर निर्भर करती है।

ध्वनि के स्रोत	तीव्रता (डेसीबल मे)
फुसफुसाहट	15-20
सामान्य वार्तालाप	30-40
जोर से बातचीत	50-60
तेज संगीत और शोर	80 db से अधिक
ट्रक, ट्रैक्टर	90-100
यंत्र कारखाने	100-120
आर्केस्ट्रा (D.J)	110-120
जेट विमान	140-150
मिसाइल व रॉकेट	160-170

- WHO ने 75 डेसीबल से ऊपर की ध्वनि को मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना है।

- एक साधारण मानव अधिक से अधिक 130 डेसीबल तीव्रता की ध्वनि को सुन सकता है।
- मनुष्यों की सामान्य बातचीत में प्रबलता 20 डेसीबल (फुसफुसाहट) से 65 डेसीबल तक की होती है।
- 80 db (डेसीबल) से अधिक की ध्वनि हानिकारक ध्वनि प्रदूषक कही जाती है।
- 85 db से अधिक के शोर में लगातार रहने से हमारे कान खराब हो सकते हैं।
- ध्वनि की गुणता अधिस्वरकों (Over tones) की संख्या क्रम तथा आपेक्षिक तीव्रता पर निर्भर करती है।
- प्रतिध्वनि सुनने के लिए श्रोता एवं परावर्तक सतह के बीच दूरी 16.6 मी. (लगभग 17 मीटर) दूरी होनी चाहिए।
- ध्वनि के अपवर्तन के कारण ध्वनि दिन की अपेक्षा रात में अधिक दूरी तक सुनाई पड़ती है।
- प्रघाती तरंगों (Shock Waves) में बहुत अधिक ऊर्जा होती है। यदि ये किसी भवन आदि से टकरा जाए, तो उसे नुकसान पहुँचाती हैं।

ध्वनि तरंगें (Sound Waves)

- ध्वनि तरंगों को तीन रूपों में विभाजित किया गया है।

अवश्रव्य तरंगें	श्रव्य ध्वनि तरंग	पराश्रव्य तरंगें
आवृत्ति - 20 Hz से कम	आवृत्ति - 20 Hz से 20,000 Hz तक	आवृत्ति - 20,000 Hz से अधिक
इन्हें मनुष्य द्वारा नहीं सुना जा सकता। इन्हें बड़े आकार के स्त्रोतों से उत्पन्न किया जाता है। जैसे- गैंडा, व्हेल, भूकंप, ज्वालामुखी, भूस्खलन, भूकंप आदि।	इन्हें मनुष्य द्वारा सुना जा सकता।	इन्हें मनुष्य द्वारा नहीं सुना जा सकता। इन्हें गॉल्टन की सीटी द्वारा उत्पन्न किया जा सकता है। इन्हें कुछ जानवरों द्वारा सुना जा सकता है। जैसे- कुत्ता, बिल्ली, डाल्फिन, चमगादड़, आदि।

- पराश्रव्य तरंगों के उपयोग-

1. संकेत भेजने में।
 2. समुद्र की गहराई का पता लगाने में।
 3. कीमती कपड़ों, वायुयान तथा घड़ियों के पुर्जों को साफ करने में।
 4. दूध के अन्दर के हानिकारक जीवाणुओं को नष्ट करने में।
 5. गठिया रोग के उपचार एवं मस्तिष्क के ट्यूमर का पता लगाने में।
- विभिन्न माध्यमों में ध्वनि की चाल भिन्न-भिन्न होती है। ध्वनि की चाल प्रत्यास्थता तथा घनत्व पर निर्भर करती है।
 - ध्वनि की चाल ठोसों में सर्वाधिक, उससे कम द्रव में तथा सबसे कम गैसों में होती है।
 - यदि ध्वनि संचरण की दिशा माध्यम की ही दिशा में है, तो ध्वनि की चाल बढ़ जाती है। जबकि ध्वनि संचरण की दिशा माध्यम के विपरीत होने पर ध्वनि की चाल घट जाती है।
 - अनुदैर्घ्य तरंगें सभी प्रकार के माध्यमों (ठोस, द्रव तथा गैस) में उत्पन्न की जा सकती है। **उदाहरण-** ध्वनि तरंगें, वायु में उत्पन्न तरंगें, भूकंप तरंगें, स्प्रिंग की तरंगें आदि।

- वे तरंगों जिनके संचरण के लिए किसी माध्यम की आवश्यकता नहीं होती है, उसे अयांत्रिक तरंगों या विद्युत चुम्बकीय तरंगों कहते हैं। जैसे प्रकाश तरंगों, रेडियो तरंगों, एक्स तरंगों। ये (अयांत्रिक) तरंगों निर्वात (Vacuum) में गति कर सकती है।
- सभी विद्युत चुम्बकीय तरंगों एक ही चाल से चलती है, जो प्रकाश की चाल के बराबर होती है।
- विद्युत चुम्बकीय तरंगों अनुप्रस्थ (Transverse) प्रकार की होती है।
- प्रकाश, माइक्रोवेव्स, एक्स-रे आदि विद्युत चुम्बकीय तरंगों के उदाहरण है।
- विद्युत चुम्बकीय तरंग की अवधारणा मैक्सवेल (Maxwell) के द्वारा प्रतिपादित की गयी थी।
- विद्युत चुम्बकीय तरंगों का संपूर्ण वर्णक्रम, जो गामा किरणों (तरंगदैर्घ्य~ 10^{-12} मी.) से दीर्घ रेडियो तरंगों (तरंगदैर्घ्य~ 10^6 मी.) तक फैला है।
- तरंग किसी माध्यम के विक्षोभ को संचारित करती है। इन्हें तरंग गति कहते हैं।
- जो वस्तुएँ स्वयं प्रकाश का उत्सर्जन करती हैं, **प्रदीप्त वस्तु** कहलाती है, जैसे- सूर्य, बल्ब, लैम्प आदि।
- **विभिन्न माध्यमों में प्रकाश की चाल**

क्र.सं.	माध्यम	प्रकाश की चाल
1.	निर्वात	3.0×10^8 मी./से.
ICAR TECH-2024		
2.	जल	2.25×10^8 मी./से.
3.	तारपीन का तेल	2.04×10^8 मी./से.
4.	काँच	2.0×10^8 मी./से.
5.	हीरा	1.24×10^8 मी./से.

- प्रकाश एक अनुप्रस्थ तरंग है।
- प्रकाश छोटे-छोटे बण्डलों के रूप में गमन करता है, जिन्हें 'फोटॉन' कहते हैं।
- प्रकाश का कण सिद्धांत न्यूटन ने दिया था।
- प्रकाश का तरंग सिद्धांत हाइगेंस ने दिया था।
- SSC CPO, CHSL-2024**
- प्रकाश की द्वैत प्रकृति होती है अर्थात् यह तरंगों और कणों दोनों से बना होता है।
- रोमर ने सर्वप्रथम प्रकाश के वेग की गणना की थी।
- प्रकाश की चाल निर्वात में सर्वाधिक 3×10^8 m/s होती है।
- प्रकाश का वेग माध्यम के अपवर्तनांक (μ) पर निर्भर करता है। जिस माध्यम का अपवर्तनांक जितना ज्यादा होता है, उसमें प्रकाश का वेग उतना ही कम होता है।
- जो वस्तुएँ स्वयं प्रकाश का उत्सर्जन नहीं करती है, **अप्रदीप्त वस्तु** कहलाती है, जैसे- मेज, कुर्सी, गाड़ी, कपड़े आदि।
- प्रकाश एक प्रकार की ऊर्जा है, जिसकी सहायता से हमें वस्तुएँ दिखाई देती हैं। अर्थात् जो विकिरण हमारी आँखों को **संवेदित** करती हो, प्रकाश कहलाती है।
- जब प्रकाश एक माध्यम से दूसरे माध्यम (जैसे- वायु से काँच) में जाता है तो इसका तरंगदैर्घ्य एवं वेग परिवर्तित होता है लेकिन आवृत्ति नहीं बदलती।
- प्रकाश का रंग उसकी तरंगदैर्घ्य से निर्धारित होता है।
- प्रकाश एक विद्युत चुम्बकीय तरंग है अतः इसकी नियत आवृत्ति (n) और एक तरंगदैर्घ्य (λ) होगा तथा प्रकाश की गति $V = n\lambda$ होगी।
- लाल रंग के प्रकाश की ऊर्जा सबसे कम एवं बैंगनी रंग के प्रकाश की ऊर्जा सर्वाधिक होती है ऐसा इसलिए होता है क्योंकि लाल रंग के प्रकाश का तरंगदैर्घ्य सर्वाधिक एवं बैंगनी रंग के प्रकाश का तरंगदैर्घ्य न्यूनतम होता है।
- चिकनी पृष्ठ या सतह से प्रकाश के लौटने की घटना को प्रकाश का परावर्तन (Reflection of Light) कहते हैं।
- आपतन कोण परावर्तन कोण के बराबर होता है।
- आपतित किरण, आपतन बिन्दु पर अभिलंब व परावर्तित किरण एक ही तल में होते हैं।
- यदि किसी दर्पण की परावर्तक सतह (Reflective Surface) समतल हो तो इसे समतल दर्पण (Plane Mirror) कहते हैं।
- लाल, हरे व नीले रंग के प्रकाश के मिश्रण से श्वेत प्रकाश उत्पन्न होता है। लाल, हरा व नीला प्राथमिक रंग या मूल रंग कहलाते हैं।
- उन दो रंगों को जिनके मिश्रण से श्वेत रंग प्राप्त होता है, उन्हें पूरक रंग कहते हैं। जैसे- नीला व पीला रंग, हरा व मैजेंटा रंग तथा लाल व श्याम रंग।
- प्रकाशीय तरंगें एक प्रकार की विद्युत चुम्बकीय तरंगें (Electromagnetic Waves) होती है, जो 3×10^8 मी./से. की गति से निर्वात में गति करती है।
- प्रकाश तरंगों का किसी विवर्तक (द्वारक या अवरोधक) के किनारों से मुड़ने तथा विवर्तक की ज्यामिति छाया क्षेत्र में प्रवेश कर जाने की घटना को प्रकाश का विवर्तन कहलाता है।
- SSC CGL-2024**
- प्रकाश का विवर्तन प्रकाश की तरंग प्रकृति को स्पष्ट करता है।
- चलचित्र आदि में रंगों का आभास हमें विवर्तन के कारण ही होता है।

द्रव्यात्मक माध्यम	अपवर्तनांक
वायु	1.0003
ICAR TECH-2024	
बर्फ	1.31
जल	1.33
एल्कोहॉल	1.36
किरोसिन	1.44
बेंजीन	1.50
SSC CHSL-2024	
क्राउन काँच	1.52
ICAR TECH-2024	
रूबी	1.71
नीलम	1.77
हीरा	2.42

- प्रकाश को सूर्य से पृथ्वी तक आने में लगभग 8 min 16.6 sec लगते हैं और चन्द्रमा से पृथ्वी तक आने में लगभग 1min 28 sec लगते हैं।

□ ध्वनि तरंगों का तरंगदैर्घ्य, प्रकाश तरंगों के तरंगदैर्घ्य की तुलना में बहुत अधिक होता है।

□ जब प्रकाश की किरण एक माध्यम से दूसरे माध्यम में प्रवेश करती है तो अपने मार्ग से विचलित हो जाती है यह घटना ही प्रकाश का **अपवर्तन** कहलाती है।

□ **प्रकाश के अपवर्तन के कारण घटने वाली घटनाएँ**

1. तारों का टिमटिमाना। **IARI Phase-II 2024**

2. सूर्योदय एवं सूर्यास्त के बाद सूर्य का दिखाई देना। **IARI Phase-II 2024**

3. द्रव में अंशतः डूबी हुई सीधी छड़ टेढ़ी दिखाई पड़ती है।

4. पानी से भरे किसी बर्तन की तली में पड़े हुए सिक्के का ऊपर उठा हुआ दिखाई पड़ना।

5. जल के अन्दर पड़ी हुई मछली वास्तविक गहराई से कुछ ऊपर उठी हुई दिखायी पड़ती है।

□ सघन माध्यम से आपतित किरण के उसी माध्यम में परावर्तित होने की घटना को **पूर्ण आन्तरिक परावर्तन** कहते हैं।

□ पूर्ण आन्तरिक परिवर्तन के लिए दो आवश्यक शर्तें-

1. प्रकाश सघन माध्यम से विरल माध्यम की ओर गति करें।

2. आपतन कोण का मान क्रांतिक कोण से अधिक हो।

□ पूर्ण आन्तरिक परावर्तन के दैनिक जीवन में उदाहरण-

1. पानी के भीतर में रखी परखनली का चमकना।

2. काँच में पड़ी दरार का चमकना।

3. हीरे का अत्यधिक चमकदार दिखाई पड़ना।

4. रेगिस्तान में मरीचिका का कारण।

□ इंद्रधनुष वायुमंडल में उपस्थित जल की बूँदों के द्वारा प्रकाश के विक्षेपण (Dispersion of Light) का उदाहरण होता है।

□ ऐसे दर्पण जिनका परावर्तक पृष्ठ गोलीय होता है, **गोलीय दर्पण** (Spherical Mirror) कहलाते हैं।

दर्पण

□ एक ऐसी सतह जो प्रकाश को परावर्तित करती है और उससे छवि बनाती है दर्पण कहलाता है।

□ गोलीय दर्पण दो प्रकार के होते हैं-

1. उत्तल दर्पण या अपसारी दर्पण (Convex Mirror)

2. अवतल दर्पण या अभिसारी दर्पण (Concave Mirror)

□ उत्तल दर्पण में प्रत्येक दशा में प्रतिबिंब छोटा, सीधा, आभासी और दर्पण के पीछे बनता है।

उत्तल दर्पण के उपयोग

1. उत्तल दर्पण का उपयोग वाहनों के पार्श्व (Slide) में किया जाता है, जिससे चालक अपने पीछे आने वाले वाहनों को देख सके तथा अपना वाहन सुरक्षित रूप से चला सके।

2. उत्तल दर्पण वाहनों के लिए इसलिए अधिक उपयोगी है, क्योंकि इसके द्वारा बनाये गये प्रतिबिंब सीधे (Erect) होते हैं।

3. उत्तल दर्पण का उपयोग सड़कों के किनारे लगे परावर्तन लैम्पों (Reflected lamp) में भी किया जाता है। चूँकि उत्तल दर्पण का दृष्टि क्षेत्र बहुत अधिक होता है। अतः यह प्रकाश को अधिक से अधिक क्षेत्र में फैला देता है।

□ अवतल दर्पण से वस्तु की स्थिति बदलकर विभिन्न प्रकार के प्रतिबिंब बनाए जा सकते हैं।

वस्तु की स्थिति	प्रतिबिंब की स्थिति	वस्तु की तुलना में प्रतिबिंब का आकार	प्रतिबिंब की प्रकृति
अनंत पर	फोकस (F) पर	बहुत छोटा	उल्टा व वास्तविक
IARI Phase-II 2024			
वक्रता केन्द्र व अनन्त के बीच	फोकस (F) पर तथा वक्रता केन्द्र (C) के बीच	छोटा	उल्टा व वास्तविक
वक्रता केन्द्र (C) पर	वक्रता केन्द्र (C) पर	समान आकार का	उल्टा व वास्तविक
F एवं C के बीच	वक्रता केन्द्र (C) से परे	बड़ा	उल्टा तथा वास्तविक
फोकस (F) पर	अनन्त पर	अत्यधिक बड़ा	उल्टा तथा वास्तविक
फोकस (F) पर तथा ध्रुव (P) के बीच	दर्पण के पीछे	बड़ा (आवर्धित)	सीधा व आभासी

अवतल दर्पण के उपयोग-

1. अवतल दर्पण का उपयोग टॉर्च, सर्च लाइट, वाहनों की हेड लाइटों (Head Lights) में किया जाता है।

2. चिकित्सकों द्वारा आँख, कान, नाक, गला आदि की जाँच के लिए अवतल दर्पण का उपयोग किया जाता है।

3. सौर ऊर्जा से चलने वाले उपकरणों में अवतल दर्पण का उपयोग किया जाता है।

4. चेहरे का बड़ा प्रतिबिंब देखने के लिए दाढ़ी बनाने वाले दर्पणों (Shaving mirror) में अवतल दर्पण का उपयोग किया जाता है।

समतल दर्पण में प्रतिबिंब

1. समतल दर्पण से बना वस्तु का प्रतिबिम्ब दर्पण के पीछे उतनी ही दूरी पर बनता है जितनी दूरी पर वस्तु दर्पण के सामने रखी जाती है। यह आकार में वस्तु के बराबर व आभासी होता है।

2. समतल दर्पण में व्यक्ति को अपना पूरा प्रतिबिम्ब देखने के लिए दर्पण की लम्बाई कम से कम व्यक्ति की लम्बाई से आधी होनी चाहिए।

3. यदि कोई व्यक्ति समतल दर्पण के लम्बवत् किसी चाल से दर्पण के समीप आता है या दूर जाता है, तो उसे प्रतिबिम्ब दुगुनी चाल से पास या दूर जाता हुआ प्रतीत होता है।

4. दो समांतर समतल दर्पणों के बीच रखी वस्तु के अनन्त प्रतिबिम्ब बनते हैं।

5. यदि समतल दर्पण θ° कोण पर झुके हों तो उनके बीच रखी वस्तु के प्रतिबिम्बों की संख्या $\left(\frac{360}{\theta} - 1\right)$ सूत्र से ज्ञात करते हैं।

लेंस

□ दो गोलीय पृष्ठों में धिरे हुए किसी पारदर्शी माध्यम को लेंस कहा जाता है।

□ सामान्यतः लेंस दो प्रकार के होते हैं-

1. उत्तल लेंस या अभिसारी लेंस (Convex Lens)
2. अवतल लेंस या अपसारी लेंस (Concave Lens)

उत्तल लेंस द्वारा बने प्रतिबिंबों की स्थिति

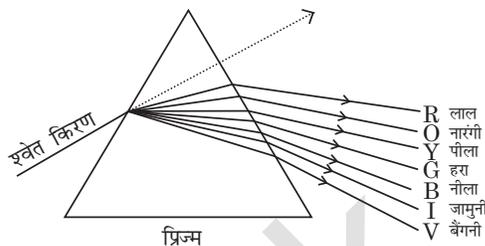
वस्तु की स्थिति	प्रतिबिंब की स्थिति	प्रतिबिंब का आकार	प्रतिबिंब की प्रकृति
अनन्त पर	लेंस के दूसरी ओर फोकस (F_2) पर	उल्टा व वास्तविक	बहुत छोटा
$2F_1$ दूरी से दूर	F_2 तथा $2F_2$ दूरी के बीच	उल्टा व वास्तविक	छोटा
$2F_1$ दूरी पर	लेंस के दूसरी ओर $2F_2$ पर	उल्टा व वास्तविक	समान आकार
$2F_1$ तथा F_1 के बीच	लेंस के दूसरी ओर $2F_2$ दूरी से दूर	उल्टा व वास्तविक	बड़ा
प्रथम फोकस (F_1) पर	लेंस के दूसरी ओर अनन्त दूरी पर	उल्टा व वास्तविक	बहुत बड़ा
F_1 तथा प्रकाशिक केन्द्र के बीच	वस्तु की ओर	सीधा व आभासी	बड़ा (आवर्धित)

- अवतल लेंस द्वारा बना प्रतिबिम्ब F_2 और प्रकाशिक केन्द्र (O) के बीच बनता है, यह प्रतिबिम्ब सीधा, आभासी और वस्तु से छोटा होता है।
- लेंस की फोकस दूरी सूत्र $\frac{1}{f} = \frac{1}{v} - \frac{1}{u}$ से ज्ञात करते हैं।
- अवतल लेंस की फोकस दूरी ऋणात्मक और उत्तल लेंस की फोकस दूरी धनात्मक होती है।
- लेंस की क्षमता को सूत्र $P = \frac{1}{f}$ (यदि फोकस दूरी मी. में है) से ज्ञात करते हैं।
- लेंस की क्षमता का SI मात्रक डायोप्टर (D) होता है।
- अवतल लेंस की क्षमता ऋणात्मक तथा उत्तल लेंस की क्षमता धनात्मक होती है।
- लेंस की आवर्धन क्षमता सूत्र $m = \frac{I}{O} = \frac{v}{u}$ से ज्ञात करते हैं।
- यदि आवर्धन क्षमता धनात्मक है, तो प्रतिबिम्ब सीधा एवं आभासी होता है।
- यदि आवर्धन क्षमता ऋणात्मक है, तो प्रतिबिम्ब उल्टा एवं वास्तविक होता है।
- एक गोलीय दर्पण में, ध्रुव से प्रमुख फोकस की दूरी फोकस दूरी कहलाती है।

DP Cons.-2020

प्रकाश का वर्ण विक्षेपण

- जब श्वेत प्रकाश (सूर्य का प्रकाश) काँच के प्रिज्म पर गिरता है तो प्रिज्म से निकलने के बाद यह सात रंगों में विभक्त हो जाता है। यही घटना वर्ण विक्षेपण कहलाती है। इन रंगों के क्रम को वर्ण क्रम (Spectrum) कहा जाता है।



- बैंगनी (V), जामुनी (I), नीला (B), हरा (G), पीला (Y), नारंगी (O), तथा लाल (R), इन रंगों के वर्ण क्रम को VIBGYOR कहा जाता है।
- लाल रंग में उच्च तरंगदैर्घ्य होने के कारण सबसे कम मुड़ता है, जबकि बैंगनी रंग में निम्न तरंगदैर्घ्य होने के कारण सबसे अधिक मुड़ता है।
- काँच में बैंगनी रंग के प्रकाश की चाल सबसे कम किन्तु इसका अपवर्तनांक सबसे अधिक होता है।
- काँच में लाल रंग के प्रकाश की चाल सबसे अधिक एवं इसका अपवर्तनांक सबसे कम होता है।
- रंगों के प्रकाश का तरंगदैर्घ्य अलग-अलग होता है और रंगों की चाल भी अलग-अलग होती है। इस कारण प्रकाश के विभिन्न अवयवी रंग भिन्न-भिन्न कोणों से विक्षेपित होते हैं।
- बैंगनी रंग का तरंगदैर्घ्य सबसे कम और लाल रंग का तरंगदैर्घ्य सर्वाधिक होता है।
- R → Red
O → Orange
Y → Yellow
G → Green
B → Blue
I → Indigo
V → Violet
- दृश्य प्रकाश की तरंगदैर्घ्य परास 0.4 से 0.7 μm होती है।

SSC CHSL 2024

इन्द्रधनुष (Rainbow)

- इन्द्रधनुष परावर्तन, पूर्ण आंतरिक परावर्तन तथा अपवर्तन द्वारा वर्ण विक्षेपण का सबसे अच्छा उदाहरण इन्द्रधनुष है।
- इन्द्रधनुष बनने का मुख्य कारण जल की बूंदों में से प्रकाश के अपवर्तन के कारण होने वाला वर्ण विक्षेपण होता है।
- प्राथमिक इन्द्रधनुष में लाल रंग बाहर की ओर तथा बैंगनी रंग अन्दर की ओर होता है।
- द्वितीयक इन्द्रधनुष में बैंगनी रंग बाहर की ओर तथा लाल रंग अन्दर की ओर होता है।

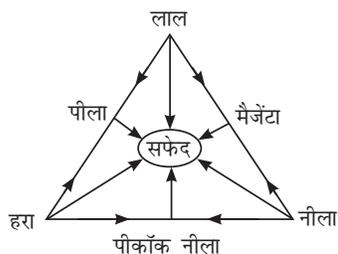
वस्तुओं के रंग

- प्राथमिक रंग - लाल, हरा व नीला
- द्वितीयक रंग - दो प्राथमिक रंगों को मिलाने से द्वितीयक रंग बनते हैं।
- जैसे- लाल + नीला = मैजेंटा
हरा + नीला = सियान (पीकॉक नीला)
लाल + हरा = पीला
- जिन दो रंगों को मिलाने से श्वेत रंग प्राप्त होता है। उन्हें एक दूसरे का पूरक रंग कहते हैं।

जैसे- हरा + मैजेंटा = सफेद

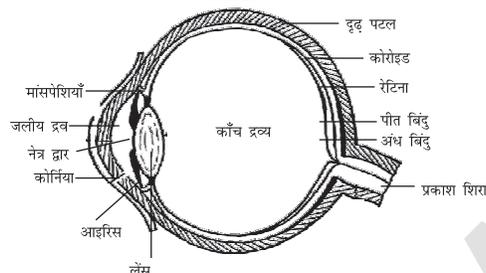
नीला + पीला = सफेद

लाल + हरा + नीला = सफेद



नोट:- रंगीन टेलीविजन में प्राथमिक रंगों का उपयोग किया जाता है।

मानव नेत्र



- रंगीन टेलीविजन में प्राथमिक रंगों का उपयोग किया जाता है।
- नेत्र के सबसे बाहरी भाग को कोर्निया कहते हैं। नेत्रदान में इसी का उपयोग किया जाता है।
- नेत्र की रेटिना पर वास्तविक, उल्टा तथा छोटा प्रतिबिम्ब बनता है।
- रेटिना पर दो प्रकार की कोशिकाएँ हुई कोशिका छद् कोशिका (प्रकाश के लिए उत्तरदायी) और शंकु कोशिका (रंग के लिए उत्तरदायी) पायी जाती है।
- परितारिका, कोर्निया के पीछे, एक गहरे रंग की पेशीय संरचना होती है।

SSC CHSL-2024

- एक स्वस्थ मनुष्य का नेत्र लेंस अधिकतम अनन्त (नेत्र का दूर बिन्दु) से लेकर न्यूनतम 25 सेमी तक की वस्तुओं का प्रतिबिम्ब रेटिना पर बना सकता है।
- आइरिस आँख की पुतली के आकार को नियंत्रित करती है।

SSC CPO-2024

- निकट दृष्टि दोष (Myopia) में कोई व्यक्ति निकट की वस्तुओं को स्पष्ट रूप से देख सकता है लेकिन दूर स्थित वस्तुओं को स्पष्ट रूप से नहीं देख पाता है।

□ निकट दृष्टि दोष के कारण

1. लेंस की गोलाई बढ़ जाती है।
2. लेंस की फोकस दूरी घट जाती है।

- निकट दृष्टि दोष के निवारण के लिए अवतल लेंस या ऋणात्मक क्षमता वाले लेंस का प्रयोग किया जाता है।

DP Cons.-2020

- निकट दृष्टि दोष में वस्तु का प्रतिबिम्ब रेटिना पर न बनकर रेटिना के आगे बन जाता है।

- दूर दृष्टि दोष (Hypermetropia) में कोई व्यक्ति दूर की वस्तुओं को स्पष्ट रूप से देख सकता है लेकिन निकट की वस्तुओं को स्पष्ट रूप से नहीं देख पाता है।

□ दूर दृष्टि दोष के कारण

1. लेंस की गोलाई कम हो जाती है।
2. लेंस की फोकस दूरी बढ़ जाती है।

- दूर दृष्टि दोष के निवारण के लिए उत्तल लेंस का प्रयोग किया जाता है।
- दूर दृष्टि दोष में वस्तु का प्रतिबिम्ब रेटिना के पीछे बनता है।
- जरा दृष्टि दोष मुख्यतः वृद्ध अवस्था में होता है इसमें सिलियरी पेशियों की लचक कम हो जाती है। इसमें व्यक्ति न तो दूर की वस्तु और न ही निकट की वस्तु देख पाता है।

- जरा दृष्टि दोष के निवारण के लिए द्विफोक्सी लेंस (निचला भाग उत्तल लेंस और ऊपर का भाग अवतल लेंस) का उपयोग किया जाता है।

- द्विफोक्सी लेंस में लेंस का निचला भाग उत्तल लेंस का बना होता है जो निकट दृष्टि को सुगम बनाता है।

SSC CPO -2024, CDS-II 2024

- दृष्टिवैषम्य या अबिन्दुकता (Astigmatism) में नेत्र क्षैतिज दिशा में तो ठीक देख पाता है, परन्तु ऊर्ध्व दिशा में नहीं देख पाता है। इस दोष का कारण कोर्निया का टेढ़ा-मेढ़ा हो जाना है। इस दोष के निवारण हेतु बेलनाकार लेन्स (Cylindrical Lense) का प्रयोग किया जाता है।

- वर्ण-धता (Colour Blindness) - इस दोष में मनुष्य की आँख में शंक्वाकार कोशिकाओं की कमी होने के कारण मनुष्य लाल और हरे रंग में अंतर नहीं कर पाता है। यह एक आनुवंशिक रोग है।

- कंजक्टिवाइटिस आँख से संबंधित संक्रमण है।

SSC CPO 2020

उत्प्लावन

- जब किसी वस्तु को पूर्ण या आंशिक रूप से डूबाया जाता है, तो द्रव द्वारा उस वस्तु पर ऊपर की ओर एक बल लगाया जाता है, जिसे उत्प्लावन (Upthrust) कहते हैं।

उत्प्लावन के उदाहरण

1. हाइड्रोजन गैस से भरा गुब्बारा ऊपर उठता चला जाता है क्योंकि गैस से भरे गुब्बारे का औसत घनत्व वायु से कम होता है।
2. लोहे का एक टुकड़ा पारे पर तैरता है जबकि पानी में डूब जाता क्योंकि लोहे का घनत्व पारे से कम परन्तु जल से ज्यादा होता है।
3. बर्फ का घनत्व जल की अपेक्षा कम होता है।
4. लोहे के बने जलयान को खोखला बनाया जाता है, जिनमें हवा होती है ताकि जलयान जल पर तैर सके। परिणामतः उसका घनत्व कम हो जाता है।

- आर्किमिडीज सिद्धांत अनुसार- किसी वस्तु पर उत्प्लावन बल वस्तु द्वारा विस्थापित द्रव के भार के बराबर होता है।

SSC CPO-2024

आपेक्षिक घनत्व

- किसी पदार्थ के घनत्व को पानी के घनत्व की तुलना में प्रदर्शित करना आपेक्षिक घनत्व कहलाता है।

$$\text{आपेक्षिक घनत्व} = \frac{\text{किसी पदार्थ का घनत्व}}{4^{\circ}\text{C पर पानी का घनत्व}}$$

- आपेक्षिक घनत्व एक अनुपात है। इसका कोई मात्रक नहीं होता है। ' आपेक्षिक घनत्व को हाइड्रोमीटर से मापा जाता है।
- दूध की शुद्धता दुग्धमापी (Lactometer) से मापी जाती है।
- सामान्य जल की अपेक्षा समुद्री जल का घनत्व अधिक होता है, इसलिए उसमें तैरना आसान होता है।
- किसी बर्तन में पानी भरा है और बर्फ उस पर तैर रही है, जब बर्फ पूरी तरह पिघल जायेगी तो पात्र में पानी का तल अपरिवर्तित रहता है।
- जब बर्फ का टुकड़ा समुद्र के पानी में तैरता है, तो उसके आयतन का $\frac{1}{10}$ भाग पानी के ऊपर रहता है।
- किसी पदार्थ के एकांक आयतन में विद्यमान द्रव्यमान को घनत्व कहते हैं।

$$\text{घनत्व} = \frac{\text{द्रव्यमान}}{\text{आयतन}}$$
- इसका S.I. मात्रक किलोग्राम/मीटर³ होता है।
- नमक के घोल का घनत्व अण्डे के घनत्व से अधिक होता है इसीलिए नमक के घोल में अण्डा तैरता है।

दाब (Pressure)

- प्रति एकांक क्षेत्रफल पर लगने वाले बल को दाब कहते हैं।
- दाब का मात्रक न्यूटन/मीटर² या पास्कल होता है।
- यह एक अदिश राशि है। दाब (P) = $\frac{\text{बल (F)}}{\text{क्षेत्रफल (A)}}$
- वायुमंडलीय दाब को बैरोमीटर से मापा जाता है। इसकी सहायता से मौसम सम्बंधी पूर्वानुमान लगाया जा सकता है।
- किसी बिन्दु पर दाब स्वतंत्र तल से बिन्दु की गहराई के अनुक्रमानुपाती होता है।
- द्रव का दाब द्रव के घनत्व पर निर्भर करता है। घनत्व अधिक होने पर दाब भी अधिक होता है।
- स्थिर द्रव के भीतर किसी बिन्दु पर दाब प्रत्येक दिशा में बराबर होता है।
- पृथ्वी की सतह से ऊपर जाने पर वायुमंडलीय दाब कम होता है, जिसके कारण-
 1. पहाड़ों पर खाना बनाने में कठिनाई होती है।
 2. वायुयान में बैठे यात्री के फाउण्टेन से स्याही रिस जाती है।
- आँधी आने की संभावना तब होती है जब बैरोमीटर का पाठ्यांक अचानक नीचे गिरता है।
- वर्षा होने की संभावना तब होती है जब बैरोमीटर का पाठ्यांक धीरे-धीरे नीचे गिरता है।
- द्रव के अणुओं द्वारा बर्तन की तली के प्रति एकांक क्षेत्रफल पर लगने वाले बल को द्रव का दाब कहते हैं।

$$p = h \times d \times g$$

गलनांक तथा क्वथनांक पर दाब का प्रभाव-

- 1. जिन पदार्थों का आयतन गरम करने पर बढ़ता है, दाब बढ़ाने पर गलनांक भी बढ़ जाता है, जैसे- मोम, घी आदि।
- 2. जिन पदार्थों का आयतन गरम करने पर घटता है, दाब बढ़ाने पर गलनांक भी कम हो जाता है, उदाहरण- बर्फ।
- पृष्ठ तनाव के कारण पारे की छोटी-छोटी बूँदें गोलाकार (Round Shaped) रहती हैं जबकि कुछ बड़े आकार की बूँदें गुरुत्व बल के कारण चपटी होने लगती हैं।

पृष्ठ तनाव (Surface Tension)

- एक ही पदार्थ के अणुओं के बीच कार्य करने वाले आकर्षण बल को **संसंजक बल** (Cohesive Force) कहते हैं।
- किसी द्रव की बूँदें संसंजक बलों के कारण ही सम्पर्क में आते ही मिल जाती हैं और एक बड़ी बूँद का निर्माण करती हैं।
- टोस अणुओं के बीच संसंजक बल का मान अधिक होता है।
- गैसों में संसंजक बल का मान नगण्य होता है।
- वह बल जो किसी द्रव के स्वतंत्र पृष्ठ में कम से कम क्षेत्रफल प्राप्त करने का प्रयास करता है पृष्ठ तनाव (Surface Tension) कहलाता है।
- पृष्ठ तनाव (T) = F/l
- पृष्ठ तनाव (Surface Tension) का S.I. मात्रक न्यूटन/मीटर होता है।
- द्रव का ताप बढ़ने पर पृष्ठ तनाव कम हो जाता है।
- द्रव का पृष्ठ तनाव, उस कार्य के बराबर होता है, जो नियत ताप पर उस द्रव के मुक्त पृष्ठ तनाव के क्षेत्रफल में 1 मीटर² की वृद्धि कर दें।

SSC JE-2024

पृष्ठ तनाव के उदाहरण

1. पतली सुई पृष्ठ तनाव के कारण ही पानी पर तैरती है।
 2. साबुन अथवा डिटर्जेंट जल में मिलाने पर जल का पृष्ठ तनाव कम हो जाता है। साबुन का घोल कम पृष्ठ तनाव के कारण कपड़ों के छिद्रों में पहुँचता है, जिससे कपड़ा ज्यादा साफ होता है।
 3. साधारण जल की अपेक्षा साबुन के घोल से अधिक बड़े बुलबुले बनाये जा सकते हैं।
 4. गर्म सूप का पृष्ठ तनाव कम होने के कारण जीभ के ऊपर सभी भागों में अच्छी तरह फैलता है- अतः गरम सूप ठण्डे सूप से अधिक स्वादिष्ट लगता है।
 5. वर्षा की बूँदें पृष्ठ तनाव के कारण ही गोलाकार होती हैं।
- SSC JE-2024
6. शान्त व स्थिर जल की सतह पर मच्छरों के लार्वा तैरते हैं। पानी में मिट्टी का तेल छिड़क देने पर उसका पृष्ठ तनाव कम हो जाता है, जिससे लार्वा पानी में डूबकर मर जाते हैं।
 - कुछ ऐसी खोखली नलियाँ जिनकी जो त्रिज्या है व केश के समान अर्थात् बल के समान बारीक होती हैं उसे केशनली (Capillary Tube) कहते हैं।
 - केशनली में द्रव के ऊपर चढ़ने अथवा नीचे उतरने की घटना को केशिकत्व (Capillarity) कहा जाता है।
 - द्रव के केशनली में ऊपर चढ़ने या नीचे गिरने का कारण द्रव का पृष्ठ तनाव होता है।
 - न्यूटन की श्यानता के नियमानुसार किसी तरल एलीमेंट लेयर का अपरूपण प्रतिबल अपरूपण विकृति की दर के अनुक्रमानुपाती होता है।

SSC JE-2024

केशिकत्व के उदाहरण (Example of Capillarity)

1. जो द्रव काँच को भिगोते हैं वे काँच की केशनली में ऊपर की ओर चढ़ते हैं, जैसे- जल।
2. जो द्रव काँच को नहीं भिगोते हैं, वे काँच की केशनली में नीचे की ओर गिरते हैं, जैसे- पारा।
3. लालटेन में मिट्टी का तेल केरोसिन के कारण ही ऊपर चढ़ता है।

- वर्षा के बाद या सिंचाई करने के बाद किसान खेतों की जुताई कर देते हैं, जिससे मिट्टी से बनी केशनलियाँ टूट जाएँ और पानी ऊपर न आ सके व मिट्टी में नमी बनी रहें।
- पौधे जड़ों द्वारा मृदा (Soil) से जल अवशोषित करते हैं। यह जल केशनलियों से गुजरकर विभिन्न भागों तक पहुँचा दिया जाता है।
- पेन का निब बीच से चिरा होता है। इसमें छोटी-सी बारीक केशनली बन जाती है। केशनली द्वारा स्याही निब की नोक तक चढ़ जाती है।
- मोमबत्ती में पिघला हुआ मोम केशनलियों के द्वारा ही ऊपर चढ़ता है और ये जलती रहती है।
- केशिकत्व के कारण कॉफी पाउडर जल में शीघ्र घुल जाता है।
- पतली सुई पृष्ठ तनाव के कारण ही पानी पर तैरायी जा सकती है।
- केशनली की तरह कार्य करने वाला ब्लॉटिंग पेपर स्याही को शीघ्र सोख लेता है। इसमें बने छोटे-छोटे छिद्र केशनली की तरह कार्य करते हैं।

कार्य ऊर्जा एवं शक्ति (Work, Energy and Power)

- बल लगाकर किसी वस्तु को बल की दिशा में विस्थापित करने की क्रिया को कार्य कहते हैं। यह एक अदिश राशि है। इसका S.I. मात्रक जूल होता है।

$$\text{कार्य} = \text{बल} \times \text{बल की दिशा में विस्थापन}$$

SSC CHSL-2024

- किसी वस्तु की कार्य करने की क्षमता को ऊर्जा कहते हैं। यह एक अदिश राशि है। इसका S.I. मात्रक जूल है।
- जेम्स प्रेस्कॉट जूल ने यांत्रिक कार्य और ऊष्मा स्थानांतरण बीच संबंध प्रतिपादित किया।

SSC CPO-2024

- कार्य द्वारा प्राप्त ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा कहते हैं। यह दो प्रकार की होती है-
(1) गतिज ऊर्जा (2) स्थितिज ऊर्जा
- गति करती हुई किसी वस्तु में उसकी गति के कारण जो ऊर्जा उत्पन्न होती है। उसे गतिज ऊर्जा (Kinetic Energy) कहते हैं, उदाहरण- गिरते हुए नारियल, तेज रफ्तार कारों, लुढ़कते पत्थरों और उड़ते विमानों।

SSC CGL-2023

$$K.E. = \frac{1}{2}mv^2 \text{ जहाँ, } m = \text{द्रव्यमान, } v = \text{वेग}$$

- किसी वस्तु में उसकी स्थिति और अवस्था के कारण उसमें जो ऊर्जा उत्पन्न होती है उसे स्थितिज ऊर्जा (Potential Energy) कहते हैं।

$$P.E. = mgh$$

जहाँ $m = \text{द्रव्यमान}$, $g = \text{गुरुत्वजनित त्वरण}$, $h = \text{ऊँचाई}$

- ऊर्जा न तो उत्पन्न की जा सकती है और न ही नष्ट की जा सकती है। ऊर्जा केवल एक रूप से दूसरे रूप में परिवर्तित की जा सकती है। इसे ऊर्जा संरक्षण का नियम कहते हैं।

- यांत्रिक ऊर्जा = गतिज ऊर्जा + स्थितिज ऊर्जा

संवेग एवं गतिज ऊर्जा में संबंध

$$K.E. = \frac{P^2}{2m} \text{ जहाँ, } P = \text{संवेग, } m = \text{द्रव्यमान}$$

ऊर्जा रूपांतरित करने वाले कुछ उपकरण

क्र.स	उपकरण	ऊर्जा का रूपांतरण
1.	डायनेमो	यांत्रिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में
2.	मोमबत्ती	रासायनिक ऊर्जा को प्रकाश एवं ऊष्मीय ऊर्जा में
3.	माइक्रोफोन	ध्वनि ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में
4.	लाउडस्पीकर	विद्युत ऊर्जा को ध्वनि ऊर्जा में
5.	सोलर सेल	सौर ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में
6.	ट्यूब लाइट	विद्युत ऊर्जा को प्रकाश ऊर्जा में
7.	विद्युत मोटर	विद्युत ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में
8.	सितार	यांत्रिक ऊर्जा को ध्वनि ऊर्जा में
9.	विद्युत बल्ब	विद्युत ऊर्जा को प्रकाश एवं ऊष्मीय ऊर्जा में
10.	विद्युत सेल	रासायनिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में

- विद्युत रासायनिक सेल एक ऐसी युक्ति है जो एक अप्रत्यक्ष रेडॉक्स अभिक्रिया में रासायनिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करती है।

SSC CHSL-2024

गुरुत्वाकर्षण (Gravitation)

- 1686 में सर्वप्रथम न्यूटन ने बताया कि किन्हीं दो कणों के बीच लगने वाला आकर्षण बल उन कणों के द्रव्यमानों के गुणनफल का समानुपाती तथा उनके बीच की दूरी के वर्ग के व्युत्क्रमानुपाती होता है।
- न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण के नियमानुसार,

$$F = G \frac{m_1 m_2}{r^2}$$

SSC JE-2024

- G एक नियतांक होता है, जिसे सार्वत्रिक गुरुत्वाकर्षण नियतांक कहते हैं। जिसका मान 6.67×10^{-11} न्यूटन मीटर²/किग्रा² होता है।
- गुरुत्व वह आकर्षण बल होता है जिसके कारण पृथ्वी किसी वस्तु को अपने केन्द्र की ओर खींचती है। उसे गुरुत्व (Gravity) कहते हैं।
- इस बल के द्वारा जो त्वरण उत्पन्न होता है, उसे गुरुत्व जनित त्वरण (g) कहते हैं।

g के मान में परिवर्तन

- पृथ्वी की सतह से ऊपर या नीचे जाने पर 'g' का मान बढ़ जाता है।
- ध्रुवों पर 'g' का मान अधिकतम (Maximum) होता है।
- भूमध्य रेखा (Equator) पर 'g' का मान न्यूनतम (Minimum) होता है।
- पृथ्वी की घूर्णन गति घटने पर 'g' का मान बढ़ जाता है।
- पृथ्वी की घूर्णन गति बढ़ने पर 'g' का मान घट जाता है।
- पृथ्वी की सतह पर गुरुत्वीय त्वरण का मान 9.8 m/s^2 होता है।

SSC JE-2024

लिफ्ट में पिण्ड का भार (Weight of a Body in Lift)

- यदि नीचे उतरते समय लिफ्ट की डोरी टूट जाए तो वह मुक्त पिण्ड की भाँति नीचे गिरती है। ऐसी स्थिति में लिफ्ट में स्थित पिण्ड का भार शून्य होता है।
- जब लिफ्ट ऊपर की ओर जाती है तो लिफ्ट में स्थित पिण्ड का भार बढ़ा हुआ प्रतीत होता है।

- जब लिफ्ट नीचे की ओर जाती है तो लिफ्ट में स्थित पिण्ड का भार घटा हुआ प्रतीत होता है।
- जब लिफ्ट एक समान वेग से ऊपर या नीचे गति करती है तो लिफ्ट में स्थित पिण्ड के भार में कोई परिवर्तन नहीं प्रतीत होता है।
- यदि लिफ्ट के नीचे उतरते समय लिफ्ट का त्वरण गुरुत्वीय त्वरण से अधिक हो तो लिफ्ट में स्थित पिण्ड उसकी फर्श से उठकर उसकी छत से जा लगेगा।

ग्रहों के गति से संबंधित केप्लर के नियम

- सभी ग्रह सूर्य के चारों ओर दीर्घवृत्ताकार कक्षा (Elliptical Orbit) में परिक्रमण करते हैं तथा कक्षाओं के एक फोकस पर सूर्य स्थित होता है।
- सभी ग्रहों का क्षेत्रीय वेग नियत रहता है। इसका प्रभाव यह होता है जब ग्रह सूर्य के निकट होता है, तो उसका वेग बढ़ जाता है और जब दूर होता है, तो उसका वेग कम हो जाता है।
- जो ग्रह सूर्य से जितनी अधिक दूरी पर होगा, उसका परिक्रमण काल उतना ही अधिक होगा। अतः जो ग्रह सूर्य के जितना समीप होगा, उसका परिक्रमण काल उतना ही कम होगा। ($T^2 \propto r^3$)
- ग्रहों की परिक्रमा करने वाले आकाशीय पिण्डों को उपग्रह (Satellite) कहते हैं।
- उपग्रह अपनी कक्षा में पृथ्वी का एक चक्कर जितने समय में लगाता है, उसे उसका परिक्रमण काल कहते हैं।
- भू-स्थायी उपग्रहों का उपयोग मौसम पूर्वानुमान के लिए किया जाता है।
- भू-स्थायी उपग्रहों का उपयोग विमान चालक, अंतरिक्ष कार्यक्रमों में किया जाता है।
- वह न्यूनतम वेग जिससे किसी वस्तु को पृथ्वी की सतह से ऊपर की ओर फेंकने पर वस्तु के गुरुत्वीय क्षेत्र को पार कर जाती है तथा पृथ्वी पर कभी लौट कर नहीं आती, पलायन वेग (Escape Velocity) कहलाता है।
- पृथ्वी के लिए पलायन वेग का मान 11.2 किमी/सेकण्ड है।

$$\text{पलायन वेग } V_e = \sqrt{\frac{2GM_e}{R_e}}$$

- पलायन वेग पिण्ड के द्रव्यमान पर निर्भर नहीं करता है।

न्यूटन के गति के नियम (Newton's Law of Motion)

- सन् 1687 ई. में भौतिकी के पिता न्यूटन ने अपनी पुस्तक प्रिंसीपिया में गति संबंधी अपने विचारों को तीन नियमों के रूप में बताया-
- न्यूटन के प्रथम गति नियम के अनुसार, यदि कोई वस्तु विराम अवस्था (स्थिर अवस्था) में है तो वह विराम अवस्था में ही रहेगी या वह एकसमान चाल से सीधी रेखा में चल रही है तो वैसी ही चलती रहेगी, जब तक कि उस पर कोई बाह्य बल कार्यरत न हो।
- प्रथम नियम को जड़त्व का नियम या गैलीलियो का नियम भी कहते हैं।
- जड़त्व के कुछ उदाहरण**
 - धूल लगे हुए कपड़े, कम्बल, कारपेट आदि को डण्डे से पीटने पर धूल के कण अलग हो जाते हैं।
 - चलती हुई मोटरकार के अचानक रूकने पर उसमें बैठे यात्री आगे की ओर झुक जाते हैं।
 - ठहरी हुई मोटर या रेलगाड़ी के अचानक चल पड़ने पर उसमें बैठे यात्री पीछे की ओर झुक जाते हैं।

- पेड़ की शाखाओं को जोर-जोर से हिलाने पर उस पर लगे फल टूट कर गिर पड़ते हैं।
- बल वह बाह्य कारक है जो किसी वस्तु का आकार, आकृति और अवस्था को परिवर्तित कर सकता है।
- जब कोई पिंड दूसरे पिंड की सतह पर लुढ़कता है, तो इसकी गति के प्रतिरोध को लुढ़कन (रोलिंग) घर्षण कहते हैं।

DP Cons.-2020

- बल के प्रकार- प्रबल नाभिकीय बल > दुर्बल नाभिकीय बल > विद्युत चुम्बकीय बल > गुरुत्वाकर्षण बल
- कार्य करने की दर को शक्ति कहते हैं। इसका S.I. मात्रक वॉट (W) है। यह एक अदिश राशि है। (1 H.P. = 746 वॉट)

$$\text{शक्ति} = \frac{\text{कार्य}}{\text{समय}}, P = \frac{W}{t}$$

- हॉर्स पावर शब्द का उपयोग जेम्स वॉट ने सबसे पहले किया था।

SSC CHSL-2024

- न्यूटन के गति के द्वितीय नियमानुसार, किसी वस्तु के संवेग में परिवर्तन की दर उस वस्तु पर आरोपित बल के समानुपाती होता है तथा संवेग परिवर्तन उसी दिशा में होता है, जिस दिशा में बल आरोपित किया जाता है।

- किसी वस्तु पर आरोपित बल (F) उस वस्तु के द्रव्यमान (m) और त्वरण (a) के गुणनफल के बराबर होता है। यह न्यूटन के गति के दूसरे नियम के अन्तर्गत होता है। (**F = ma**)

SSC CHSL-2024

- किसी वस्तु के द्रव्यमान और वेग के गुणनफल को उस वस्तु का संवेग कहते हैं। (**P = m.v**)
- न्यूटन के गति के तृतीय नियमानुसार, प्रत्येक क्रिया के बराबर परन्तु विपरीत दिशा में प्रतिक्रिया होती है।

DP Cons.-2020**तृतीय गति नियम के उदाहरण-**

- रॉकेट को उड़ाने में।
- नाव को जल में चलाने के लिए पानी को पीछे की तरफ धकेलना पड़ता है।
- बंदूक से गोली चलाने पर चलाने वाले को पीछे की ओर धक्का लगना।
- कुँएँ से रस्सी द्वारा पानी खींचा जाता है रस्सी टूट जाएँ तो रस्सी खींचता हुआ मनुष्य पीछे की ओर गिर जाता है।
- जब कोई बड़ा वेग किसी वस्तु पर थोड़े समय के लिए कार्य करता है, तो बल तथा समय अन्तराल के गुणनफल को उस बल का आवेग कहते हैं।
आवेग = बल × समय अन्तराल = संवेग में परिवर्तन

- वृतीय पथ में गति करने वाले कण पर एक बल कार्य करता है, जिसकी दिशा सदैव वृत्त के केन्द्र की ओर होती है, इसे अभिकेन्द्रीय बल (Centripetal Force) कहते हैं।

अभिकेन्द्रीय बल के उदाहरण-

- पहाड़ों पर बनी सड़कों का बाहरी भाग ऊपर की ओर उठा रहता है। जिससे सड़क पर चलने वाली गाड़ियाँ अपने आप केन्द्र की ओर झुक जाती हैं।
- आकाश में उड़ता हुआ हवाई जहाज जब क्षैतिज वृत्ताकार पथ में मुड़ता है तब यह तिरछा होकर अभिकेन्द्र बल प्राप्त कर लेता है।

- वह बल जिसके कारण किसी गतिशील वस्तु में, केन्द्र से दूर भागने अर्थात् केंद्र से बाहर की ओर लगता है, अपकेन्द्रीय बल कहलाता है। यह वह आभासी बल है जो अभिकेन्द्रीय बल के समान परन्तु विपरीत दिशा में कार्य करता है।

अपकेन्द्रीय बल के उदाहरण

1. कपड़ा सुखाने की मशीन
 2. दूध से मक्खन निकालने की मशीन
- किसी बल द्वारा किसी पिण्ड को किसी अक्ष के परितः घुमाने के प्रभाव को उस बल का बल आघूर्ण कहते हैं। यह एक सदिश राशि है।
 - बल आघूर्ण का मात्रक न्यूटन-मी. होता है।
 - एक ऐसा साधन जिसके माध्यम से किसी भी कार्य को सरलता और कम समय में किया जा सकता है उसे सरल मशीन (Simple Machines) कहते हैं। यह बल आघूर्ण के सिद्धान्त पर कार्य करती है। जैसे- उत्तोलक, घिरनी, आनत तल, स्क्रू जैक, सी-सॉ आदि।

DP Cons.-2020

- उत्तोलक एक सीधी या टेढ़ी छड़ होती है जो किसी निश्चित बिन्दु के चारों ओर स्वतन्त्रतापूर्वक घूम सकती है।
- उत्तोलक (Lever) के तीन बिन्दु होते हैं- आलंब, आयास और भार।
- उत्तोलक के प्रकार - (1) प्रथम श्रेणी के उत्तोलक (2) द्वितीय श्रेणी के उत्तोलक (3) तृतीय श्रेणी के उत्तोलक।
- **प्रथम श्रेणी के उत्तोलक-** इनमें आलंब, आयास और भार के मध्य स्थित होता है। इनसे यांत्रिक लाभ 1 से अधिक, 1 के बराबर और 1 से कम भी हो सकता है, जैसे- कैंची, पिलास, सिंडासी, कील उखाड़ने की मशीन, शशि, झूला, साइकिल का ब्रेक, हैंड पंप आदि।
- **द्वितीय श्रेणी के उत्तोलक-** इनमें भार, आलंब और आयास के मध्य स्थित होता है। इनसे यांत्रिक लाभ सदैव 1 से अधिक होता है, जैसे- सरौता, नींबू निचोड़ने की मशीन, एक पहिए की कूड़ा ढोने की गाड़ी आदि।
- **तृतीय श्रेणी के उत्तोलक-** इनमें आयास, आलंब और भार के मध्य स्थित होता है। इनसे यांत्रिक लाभ हमेशा 1 से कम होता है, जैसे- चिमटा, मनुष्य का हाथ आदि।
- डोरी से बंधे हुए एक पत्थर को तेजी से वृत्त में घुमाया जाता है और घुमाने के समय डोरी टूट जाने पर पत्थर उड़ जाता है। वृत्तीय गति के उदाहरण है।
- जब कोई कण किसी वृत्ताकार मार्ग पर गति करता है और प्रारम्भिक स्थिति के सापेक्ष, कण जितने कोण से घूम जाता है, उसे **कोणीय विस्थापन** (Angular Displacement) कहते हैं।
- कोणीय विस्थापन का मात्रक रेडियन (Radian) होता है। यह एक सदिश राशि है।
- जब किसी वस्तु को क्षैतिज में किसी कोण पर फेंका जाए तो फेंकने के बाद वह गुरुत्वाकर्षण बल के अधीन वक्रिय गति करता है। यहाँ वायु के प्रतिरोध को शून्य या नगण्य मानते हैं इसे प्रक्षेप्य गति (Projectile Motion) कहते हैं।
- **प्रक्षेप्य गति के उदाहरण** - हवाई जहाज से गिराया गया बम, तोप से छूटा गोला, धनुष से छूटा बाण आदि।

नाभिकीय विखंडन तथा संलयन

(Nuclear Fission and Fusion)

- किसी भारी नाभिक के दो या दो से अधिक हल्के नाभिकों में टूटने की प्रक्रिया को नाभिकीय विखंडन (Nuclear Fission) कहते हैं, जिससे अत्यधिक मात्रा में ऊर्जा उत्पन्न होती है।
- **उदाहरण-** जब यूरेनियम (${}_{92}\text{U}^{235}$) को न्यूट्रॉन के प्रहार द्वारा विखण्डित किया जाता है तो यूरेनियम का नाभिक बेरियम तथा क्रिप्टॉन दो खण्डों में विभाजित हो जाता है।
- परमाणु बम को बनाने के लिए यूरेनियम (${}_{92}\text{U}^{235}$) तथा प्लूटोनियम (${}_{94}\text{U}^{239}$) का प्रयोग किया जाता है। यह नाभिकीय विखंडन के सिद्धान्त पर आधारित है।
- नाभिकीय रिएक्टर एक ऐसा संयंत्र है, जिसमें विखंडनीय पदार्थ की नियंत्रित शृंखला अभिक्रिया चलाई जाती है तथा ऊर्जा प्राप्त की जाती है। इस ऊर्जा का उपयोग अनेक कार्यों में किया जाता है।
 - (i) इससे प्राप्त नाभिकीय ऊर्जा से विद्युत ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है।
 - (ii) रिएक्टर में अनेक प्रकार के समस्थानिक उत्पन्न किए जा सकते हैं जिसका उपयोग चिकित्सा, विज्ञान, कृषि आदि में किया जा सकता है।

नाभिकीय रिएक्टर से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण जानकारी

1. रिएक्टर में मंदक के रूप में भारी जल या ग्रेफाइट का प्रयोग किया जाता है। मंदक रिएक्टर में न्यूट्रॉन की गति को धीमा करता है।
 2. रिएक्टर में ईंधन के रूप में यूरेनियम-235 या प्लूटोनियम-239 का प्रयोग किया जाता है।
 3. रिएक्टर में नियंत्रक छड़ के रूप में कैडमियम या बोरॉन छड़ का उपयोग किया जाता है। इसकी सहायता से नाभिक के विखंडन के दौरान निकलने वाले तीन नए न्यूट्रॉन में से दो को अवशोषित कर लिया जाता है।
 4. सोडियम और पोटेशियम के द्रवित मिश्रण का प्रयोग शीतलक के रूप में किया जाता है।
- जब दो या दो से अधिक हल्के नाभिक संयुक्त होकर एक भारी नाभिक बनाते हैं और अत्यधिक ऊर्जा विमुक्त करते हैं तो इस अभिक्रिया को नाभिकीय संलयन (Nuclear Fusion) कहते हैं।
 - सूर्य एवं तारों से प्राप्त ऊर्जा एवं प्रकाश का स्रोत नाभिकीय संलयन ही है।
 - नाभिकों को संलयित करने के लिए करीब 10^8 केल्विन के उच्च ताप तथा अत्यन्त उच्च दाब की आवश्यकता होती है।
 - हाइड्रोजन बम नाभिकीय संलयन बम है जो भारी हाइड्रोजन नाभिकों के संलयन पर आधारित है।
 - संलयन अति उच्च दाब तथा अति उच्च ताप पर होता है, अतः संलयन बम के साथ एक विखण्डन (परमाणु) बम को प्रज्वलन के रूप में प्रयुक्त करना पड़ता है।
 - हाइड्रोजन बम में संलयन की प्रक्रिया एक अनियंत्रित प्रक्रिया है, जिसका उपयोग विध्वंसकारी कामों में हो सकता है।
- #### रेडियोसक्रियता
- रेडियोसक्रियता की खोज हेनरी बैकुरल, पियरे क्यूरी और मैडम क्यूरी ने की थी।

DP Cons.-2023

- हेनरी बेकुरल को 1903 में स्वतः स्फूर्त रेडियोधर्मिता की खोज के लिए भौतिक विज्ञान में नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ।

SSC CHSL-2024

- प्रकृति में कुछ तत्व अदृश्य विकिरण का उत्सर्जन करते हैं, रेडियोसक्रिय तत्व कहलाते हैं और यह घटना **रेडियोसक्रियता** कहलाती है।
- रॉबर्ट पियरे और उनकी पत्नी मैडम क्यूरी ने नए रेडियोसक्रिय तत्व **रेडियम** (Rn) की खोज की।
- रेडियम का परमाणु क्रमांक और द्रव्यमान क्रमशः 88 और 226 होता है।
- आवेशित कणों का पता लगाने के लिए क्लाउड चैम्बर के विकास के लिए 1927 में आर्थर कॉम्पटन और चार्ल्स विल्सन को नोबेल पुरस्कार दिया गया था।

SSC CGL-2023

- रेडियोसक्रियता के दौरान उत्सर्जित होने वाली किरणों को सर्वप्रथम रदरफोर्ड ने सन् 1902 में पहचाना और इन्हें α , β और γ नाम दिया।
- α , β और γ विकिरणों का उत्सर्जन रेडियोसक्रिय तत्व के नाभिक से होता है।
- α -क्षय इसमें हीलियम नाभिक ${}^4_2\text{He}$ उत्सर्जित होते हैं।
- β -क्षय में इलेक्ट्रॉन उत्सर्जित होते हैं।
- γ -क्षय में उच्च-ऊर्जा फोटॉन उत्सर्जित होते हैं।
- 1 इलेक्ट्रॉन वोल्ट (eV) का मान 1.602×10^{-19} जूल होता है।

SSC JE-2024

- सर्वाधिक आयनन क्षमता α -किरणों की होती है।
- सर्वाधिक भेदन क्षमता γ -किरणों की होती है।
- एक α -किरण के उत्सर्जित होने पर परमाणु क्रमांक में 2 इकाई और द्रव्यमान संख्या में 4 इकाई की कमी होती है।
- एक β -किरण के उत्सर्जित होने पर परमाणु क्रमांक में 1 इकाई की वृद्धि होती है और द्रव्यमान संख्या अपरिवर्तित रहती है।
- जीवाश्म या मृत पेड़-पौधे इत्यादि की आयु का आकलन करने में C-14 का उपयोग किया जाता है।

माप-तौल के विभिन्न मात्रक

क्र.सं.	राशि	मात्रक (S.I.)	प्रतीक
1.	लम्बाई	मीटर	m
2.	द्रव्यमान	किलोग्राम	Kg
3.	समय	सेकण्ड	s
4.	कार्य तथा ऊर्जा	जूल	J
5.	तरंगदैर्घ्य	ऐंस्ट्रॉम	Å
6.	प्रदीप्ति घनत्व	लक्स	lx
7.	विद्युत धारा	एम्पियर	A
8.	ऊष्मागतिकी ताप	केल्विन	K
DP Cons.-2020			
9.	ज्योति फ्लक्स	ल्यूमेन	lm
10.	विद्युत धारिता	फैरड	F
11.	विद्युत प्रतिरोध	ओम	Ω
12.	विभवान्तर	वोल्ट	V

13.	पृष्ठ तनाव	न्यूटन प्रति मीटर	Nm^{-1}
14.	शक्ति	वॉट	W
15.	दाब	पास्कल	Pa
16.	कोणीय संवेग	किलोग्राम वर्ग मीटर प्रति सेकण्ड	$\text{Kgm}^2\text{s}^{-1}$
17.	संवेग	किलोग्राम मीटर प्रति सेकण्ड	Kgms^{-1}
18.	आवेग	न्यूटन-सेकण्ड	Ns
19.	जड़त्व आघूर्ण	किलोग्राम वर्ग मीटर	Kgm^2
20.	आवृत्ति	हर्ट्ज	Hz
21.	कोणीय वेग	रेडियन प्रति सेकण्ड	rad s^{-1}
22.	चाल	मीटर प्रति सेकण्ड	ms^{-1}
23.	आयतन	घनमीटर	m^3
24.	क्षेत्रफल	वर्गमीटर	m^2
25.	बल	न्यूटन	N

SSC JE-2024

26.	टोस कोण	स्टेरेडियन	sr
27.	कोण	रेडियन	rad
28.	ज्योति तीव्रता	कैंडेला	cd

DP Cons.-2024**विविध****भौतिकी संबंधी महत्वपूर्ण खोज**

खोज	वैज्ञानिक	वर्ष
परमाणु	जॉन डाल्टन	1808
परमाणु संरचना	नील्स बोहर व रदरफोर्ड	1913
गति विषयक नियम	न्यूटन	1687
रेडियोसक्रियता	हेनरी बैकुरल	1896
रेडियम	मैडम क्यूरी	1898
सापेक्षता का सिद्धान्त	अल्बर्ट आइन्स्टीन	1905
बेता का तार	मारकोनी	1896
नाभिकीय रिएक्टर	एनरिको फर्मी	1942
विद्युत अपघटन के नियम	फैराडे	1833
ट्रायोड वाल्व	डॉ.ली.डे. फोरेस्ट	1906
डायोड वाल्व	सर.जे.एस. फ्लेमिंग	1904
आवर्त सारणी	मैण्डलीफ	1869
विद्युत प्रतिरोध के नियम	ओम	1827
विद्युत आकर्षण के नियम	कूलॉम	
क्वाण्टम सिद्धान्त	मैक्स प्लैंक	
फोटोग्राफी (फिल्म में)	जान कारबट	1888
रमन प्रभाव	सी.वी. रमन	1928
तैरने के नियम	आर्किमिडीज	
तापानयनिक उत्सर्जन	एडिसन	
फोटोग्राफी (धातु में)	जे. निप्से	1826
फोटोग्राफी (कागज में)	डब्ल्यू. फॉक्स टालबोट	1835

परावर्तक दुरबीन	आइजैक न्यूटन
SSC CPO-2024	

वैज्ञानिक यंत्र	अनुप्रयोग
अल्टीमीटर	यह उड़ते हुये विमान की ऊँचाई मापने का यंत्र है।
ऐनिमोमीटर	यह बहती वायु की गति व शक्ति मापने का यंत्र है।
ऑडियोमीटर	यह ध्वनि की तीव्रता को मापता है।
बैरोमीटर	यह उपकरण वायु दाब मापने के काम आता है।

RRB NTPC-2024, UPSSSC PET-2023

वर्नियर कैलीपर्स	इसके द्वारा बेलनाकार वस्तुओं के अंदर तथा बाहर के व्यास मापे जाते हैं तथा इससे वस्तु की मोटाई भी मापी जाती है।
डायनेमोमीटर	इंजन के बलाघूर्ण और शक्ति को मापने का यंत्र।
फैदोमीटर	यह यंत्र समुद्र की गहराई मापने के काम आता है।
गाइगर मूलर काउण्टर	इस उपकरण की सहायता से रेडियोएक्टिव स्रोत के विकिरण की गणना की जाती है।
गाइरोस्कोप	इस यंत्र से घूमती हुई वस्तुओं की गति ज्ञात करते हैं।
हाइड्रोमीटर	इस उपकरण के द्वारा द्रवों का आपेक्षिक घनत्व ज्ञात करते हैं।

DP Cons.-2023

हाइड्रोफोन	यह पानी के अंदर ध्वनि तरंगों की गणना करने में काम आने वाला उपकरण है।
हाइप्रोस्कोप	यह वायुमण्डलीय आर्द्रता में परिवर्तन दिखाने वाला यंत्र है।
किमोग्राफ	यह यंत्र रक्तचाप, हृदय स्पंदन आदि शारीरिक गतियों या कारकों के परिवर्तन दिखाने वाला यंत्र है।
लैक्टोमीटर	दूध की शुद्धता की जाँच करने का यंत्र। यह यंत्र दूध का आपेक्षिक घनत्व मापता है जिससे उसमें पानी की मात्रा का पता चलता है। लैक्टोमीटर आर्किमिडीज के सिद्धांत पर कार्य करता है।

UPSSSC PET-2023

ओडोमीटर	इससे मोटर गाड़ी के द्वारा तय की गई दूरी ज्ञात की जाती है। इसे चक्करमापी भी कहते हैं।
---------	---

DP Cons.-2020

पेरिस्कोप	इसके द्वारा जब पनडुब्बी पानी के अंदर होती है तो पानी की सतह का अवलोकन किया जा सकता है और उसमें बैठे लोग बिना किसी बाधा के बाहरी हलचलों को देख सकते हैं दीवार के दूसरी ओर (अपने कमरे में ही बैठे हुए) देखने के लिए भी इसका प्रयोग किया जाता है।
पायरोमीटर	यह उच्च तापों को मापने का यंत्र है; जैसे सूर्य का ताप।
पोलीग्राफ	इस यंत्र का प्रयोग झूठ का पता लगाने के लिए Lie डिटेक्टर के रूप में प्रयुक्त किया जाता है। यह यंत्र एक साथ ही कई शारीरिक क्रियाओं के परिवर्तनों को रिकॉर्ड करता है; जैसे- हृदय स्पंदन, रक्तचाप, श्वसन आदि।

रडार	रेडियो तरंगों द्वारा पास आते हुए वायुयान की दिशा और दूरी को ज्ञात करने के लिए इस यंत्र का प्रयोग किया जाता है। रडार का वास्तव में संक्षिप्त रूप- Radio Detection and Ranging
------	--

रेडियोमीटर	इस यंत्र द्वारा विकिरण ऊर्जा की तीव्रता को मापा जाता है।
सिस्मोग्राफ	इस यंत्र से पृथ्वी की सतह पर आने वाले भूकंप के झटकों की तीव्रता का ग्राफ स्वतः ही चित्रित हो जाता है।

SSC JE-2024

स्पीडोमीटर	इससे मोटरगाड़ी की गति मापी जाती है।
धारामापी या गैल्वेनोमीटर	गैल्वेनोमीटर एक प्रकार का अमीटर ही है। यह किसी परिपथ में धारा की उपस्थिति का पता करने के लिये प्रयोग किया जाता है।

SSC CHSL-2024

स्फिग्मोमैनोमीटर	जिसे रक्तचाप मॉनीटर या ब्लड प्रेशर गेज के रूप में भी जाना जाता है, यह एक उपकरण है जिसका उपयोग रक्तचाप को मापने के लिए किया जाता है।
------------------	---

DP Cons.-2020

डिक्टोफोन	यह ध्वनि (जैसे- बातचीत) रिकार्ड करने वाला उपकरण है।
-----------	---

एक्टिनोमीटर	यह सौर विकिरण मापी यंत्र है।
-------------	------------------------------

एक्यूमुलेटर	यह विद्युत ऊर्जा संग्रह करने वाला यंत्र है।
-------------	---

बाइनोकुलर्स	यह दूर की वस्तुओं को देखने वाला यंत्र है।
-------------	---

ग्रामोफोन	यह रिकार्डेड ध्वनियों को पुनः सुनने के काम आने वाला यंत्र है।
-----------	---

ग्रेवीमीटर	यह पानी में तेल की मात्रा ज्ञात करने वाला उपकरण है।
------------	---

मैकमीटर	यह ध्वनि के वेग के अनुपात में वायुयान की गति बताने वाला यंत्र है।
---------	---

माइक्रोफोन	यह ध्वनि तरंगों को विद्युत तरंगों में परिवर्तित करने वाला यंत्र है।
------------	---

फोनोमीटर	यह प्रकाश की तीव्रता मापने वाला यंत्र है।
----------	---

रेनगेज	इसकी सहायता से किसी स्थान पर किसी निश्चित समय में हुई वर्षा का मापन किया जाता है।
--------	---

रिफ्रैक्टोमीटर	इसकी सहायता से वस्तु का अपवर्तनांक ज्ञात किया जाता है।
----------------	--

सैलीनोमीटर	यह किसी विलयन की लवणता को मापने वाला यंत्र है।
------------	--

रेक्टिफायर	यह एक वैद्युत युक्ति है जो प्रत्यावर्ती धारा (AC) को दिष्ट धारा (DC) में परिवर्तित करती है।
------------	---

सेक्सटैंट	यह दो वस्तुओं के बीच कोणीय दूरी को मापने वाला यंत्र है। इसका उपयोग खगोलीय पिण्डों की ऊँचाई का पता लगाने के लिए किया जाता है।
-----------	--

साइक्लोट्रॉन	आवेशित कणों को उच्च वेग तक त्वरित करने के लिए
--------------	---

SSC CHSL-2024

धारानियंत्रक	विद्युत परिपथ में प्रतिरोध को बदलने के लिए
--------------	--

SSC CPO-2024

रसायन विज्ञान

पदार्थ एवं उसकी प्रकृति

(Matter and Its Nature)

- ब्रह्माण्ड में उपस्थित वे सभी कुछ जिनका द्रव्यमान होता है तथा जो स्थान घेरता है, पदार्थ/द्रव्य कहलाता है।
- पदार्थ तीन अवस्थाओं **ठोस**, **द्रव** और **गैस** में पाये जाते हैं।
- पदार्थ की चौथी और पाचवीं अवस्था क्रमशः प्लाज्मा और बोस-आइंस्टीन कंडेनसेट है।
- प्लाज्मा में कण अत्यधिक ऊर्जा वाले एवं अधिक उत्तेजित होते हैं।
- प्लाज्मा पदार्थ की वह अवस्था है जिसमें अनेक इलेक्ट्रॉन परमाणुओं के नाभिक के बीच स्वतंत्र रूप से गति करते हैं।

DP Cons.-2020

- सूर्य और तारों में चमक भी प्लाज्मा के कारण होती है।
- भारतीय वैज्ञानिक सत्येंद्रनाथ बोस ने पदार्थ की पाचवीं अवस्था के लिए सन् 1920 में कुछ गणनाएँ की थी।
- ऐसे पदार्थ जिनका आयतन एवं आकार दोनों ही निश्चित होते हैं, **ठोस** कहलाते हैं। जैसे- पत्थर का टुकड़ा, लोहे की छड़ आदि।
- ठोस पदार्थों को सरलता से संपीडित नहीं किया जा सकता है।
- ठोस पदार्थों में कणों के बीच रिक्त स्थान द्रव तथा गैस दोनों की अपेक्षा कम होता है।
- ऐसे पदार्थ जिनका आयतन निश्चित और आकार अनिश्चित होता है, **द्रव** कहलाते हैं। जैसे- जल, दूध आदि।
- द्रव पदार्थों में कणों के बीच रिक्त स्थान ठोस पदार्थों की अपेक्षा अधिक तथा गैसीय पदार्थों की अपेक्षा कम होता है।
- ऐसे पदार्थ जिनका आयतन और आकार दोनों ही अनिश्चित होते हैं, **गैस** कहलाते हैं। जैसे ऑक्सीजन, नाइट्रोजन आदि।
- गैसीय पदार्थ जिस बर्तन में डाले जाते हैं उसी के अनुसार आयतन और आकार ग्रहण कर लेते हैं।
- गैसीय पदार्थों में कणों के बीच रिक्त स्थान ठोस व द्रव पदार्थों की अपेक्षा अत्यधिक होता है।
- गैसीय पदार्थों को अपेक्षाकृत अधिक संपीडित किया जा सकता है।
- गैसीय पदार्थों में विसरण की दर ठोस तथा द्रव दोनों से अधिक होती है।
- ठोस पदार्थ का द्रव अवस्था में परिवर्तन **संगलन** कहलाता है।
- वायुमण्डलीय दाब पर वह निश्चित तापमान जिस पर कोई ठोस पदार्थ द्रव अवस्था में परिवर्तित हो जाता है, उसका **गलनांक** कहलाता है।

DP Cons.-2023

- वह तापमान जिस पर कोई तरल (द्रव) पदार्थ वाष्प (गैस) में बदल जाता है, **क्वथनांक** कहलाता है।
- **ऊर्ध्वपातन**- किसी ठोस पदार्थ को गर्म करने पर द्रव अवस्था में परिवर्तित हुये बिना सीधे गैसीय अवस्था में परिवर्तन को **ऊर्ध्वपातन** कहते हैं।
- ऊर्ध्वपातन में परिवर्तित होने वाले ठोस पदार्थों को **ऊर्ध्वपातक** कहते हैं, जैसे- कपूर, शुष्क बर्फ, आयोडीन, अमोनियम क्लोराइड, नेफथलीन आदि।

SSC CGL-2023

- किसी पदार्थ का द्रव से वाष्प अवस्था में परिवर्तन वाष्पीकरण कहलाता है।
- **क्वथनांक** कम होने पर **वाष्पीकरण** बढ़ जाता है।
- वायुमण्डलीय दाब पर वह तापमान जिस पर कोई द्रव उबलना आरम्भ हो जाता है, उसका **क्वथनांक** कहलाता है।
- पारे का क्वथनांक लगभग 357°C होता है।

SSC JE-2024

- अशुद्धियों की उपस्थिति से तरल का क्वथनांक बढ़ जाता है।
- दाब बढ़ने पर क्वथनांक बढ़ता है और घटने पर कम हो जाता है।
- पदार्थ का वाष्प अवस्था से द्रव अवस्था में परिवर्तन **संघनन** या **द्रवीकरण** कहलाता है।
- **संघनन**, **वाष्पीकरण** की ठीक विपरीत प्रक्रिया है।
- पदार्थ का द्रव अवस्था से ठोस अवस्था में परिवर्तन **हिमीकरण** कहलाता है।
- एक विशेष दाब पर वह निश्चित ताप जिस पर हिमीकरण की प्रक्रिया संपन्न होती है, **हिमांक** कहलाता है।
- शुद्ध जल का हिमांक 0°C है।
- प्रभावी आसवन- दो या दो से अधिक घुलनशील पदार्थों जिनके क्वथनांक का अंतर 25K से कम हो, के मिश्रण को अलग करने के लिए प्रभावी आसवन का उपयोग करते हैं जैसे- पेट्रोलियम से उसके उत्पादों का पृथक्करण।
- प्रभावी क्रिस्टलन- घुलनशील ठोसों से मिश्रण को एक उपयुक्त गर्म विलायक में घोलकर और फिर तापमान को धीरे-धीरे कम करके उसे पृथक् करने की विधि है।

SSC CHSL-2024

- रासायनिक आधार पर पदार्थ का वर्गीकरण तीन भागों में किया जा सकता है जो तत्व, यौगिक और मिश्रण है।
- वह शुद्ध पदार्थ जो एक ही प्रकार के परमाणुओं से मिलकर बना होता है, **तत्व** कहलाता है।
- तत्व के तीन रूप धातु, अधातु और उपधातु होते हैं।
- धातुएँ विद्युत की सुचालक होती हैं; जैसे- सोना, चाँदी आदि।
- धातुएँ इलेक्ट्रॉनों का त्याग करके धनायन बनाती हैं। ये आवर्त सारणी में बांयी ओर स्थित हैं।
- पारा (Hg) एकमात्र ऐसी धातु है जो कमरे के ताप पर द्रव अवस्था में पायी जाती है।
- सोना (Au) सर्वाधिक आघातार्थ्य और तन्य धातु है। 1 ग्राम सोने से लगभग 2 किमी. लम्बा तार बनाया जा सकता है।
- सोडियम और पोटैशियम को चाकू से काटा जा सकता है।
- सोडियम को मिट्टी के तेल (कैरोसीन) में डुबोकर रखा जाता है।
- धातुओं में बाहरी चमक दिखाई देती है।
- विद्युत की उत्तम चालक धातुओं का क्रम $-Ag > Cu > Al$
- चाँदी विद्युत की सर्वोच्च चालक है।
- धातुओं के ऑक्साइड क्षारीय प्रकृति के होते हैं।
- जिंक (Zn), एल्युमीनियम (Al), काँच (Pb) और टिन (Sn) उभयधर्मी ऑक्साइड का निर्माण करती है।

- धातुएँ जल के साथ क्रिया करके धातु हाइड्रॉक्साइड और हाइड्रोजन गैस मुक्त करती हैं।
- सोडियम (Na) और पोटैशियम (K) ठण्डे जल से क्रिया करती हैं।
- मैग्नीशियम (Mg) गर्म जल से क्रिया करती है।
- आयरन (Fe) और एल्युमीनियम (Al) जलवाष्प से क्रिया करती है।
- अधातुएँ ऊष्मा और विद्युत की अच्छी सुचालक नहीं होती हैं।
- अधातुएँ इलेक्ट्रॉन ग्रहण करके ऋणायन बनाती हैं।
- अधातुएँ विद्युत ऋणात्मक होती हैं। वे इलेक्ट्रॉनों को ग्रहण करके आबंध बनाती हैं।

DP Cons.-2020

- अधातुओं के ऑक्साइड अम्लीय प्रकृति के होते हैं।
- ब्रोमीन (Br) एक द्रवित अधातु है, जो गहरे लाल रंग की होती है।
- ग्रेफाइट एकमात्र ऐसी अधातु है जो विद्युत का चालन करती है।
- अधातुओं में चमक का अभाव होता है। (अपवाद-आयोडीन)
- हीरा कार्बन का अपररूप है, जो प्रकृति में ज्ञात सबसे कठोर पदार्थ है।
- उपधातु में धातुओं तथा अधातुओं दोनों के ही कुछ न कुछ गुण पाये जाते हैं।
- उपधातु [बोरॉन (B), सिलिकॉन (Si), जर्मेनियम (Ge), आर्सेनिक (As), एंटीमनी (Sb) और टेल्यूरियम (Te) पोलोनियम (Po)] आवर्त सारणी में p-ब्लॉक में स्थित हैं।

SSC CGL-2023

- तत्व परस्पर निश्चित अनुपात में मिलकर **यौगिक** का निर्माण करते हैं।

कुछ यौगिकों के अणु

क्र.स.	यौगिक	संयुक्त तत्व	द्रव्यमान
1.	अमोनिया (NH ₃)	नाइट्रोजन, हाइड्रोजन	14 : 3
2.	जल (H ₂ O)	हाइड्रोजन, ऑक्सीजन	1 : 8
3.	कार्बन डाइऑक्साइड (CO ₂)	कार्बन, ऑक्सीजन	3 : 8

- यौगिक के निर्माण के पश्चात तत्वों के मूल गुण परिवर्तित हो जाते हैं।
जैसे- हाइड्रोजन स्वयं ज्वलनशील है और ऑक्सीजन जलाने में सहायक है, परन्तु इनसे बनने वाला यौगिक जल (H₂O) आग बुझाने में सहायक है।
- यौगिक **कार्बनिक** या **अकार्बनिक** होते हैं।
- कार्बन और हाइड्रोजन से मिलकर बने यौगिक कार्बनिक होते हैं।
- कार्बनिक यौगिक वनस्पति तथा जीव-जन्तुओं से भी प्राप्त किये जाते हैं; **जैसे-** तेल, वसा आदि।
- अकार्बनिक यौगिक वनस्पति और जीव-जन्तुओं से प्राप्त नहीं किये जा सकते हैं।
- नमक, सोडियम कार्बोनेट आदि अकार्बनिक यौगिक हैं।
- दो या दो से अधिक तत्वों को किसी भी अनुपात में मिलाने पर **मिश्रण** प्राप्त होता है।
- निश्चित अनुपात में अवयवों को मिलाने पर **समांग मिश्रण** प्राप्त होता है।
- जल में चीनी या नमक का घोल समांग मिश्रण है।
- अनिश्चित अनुपात में अवयवों को मिलाने पर **विषमांग मिश्रण** प्राप्त होता है।

परमाणु संरचना (Atomic Structure)

- **परमाणु** वह छोटे से छोटा कण है जो रासायनिक क्रियाओं में भाग लेता है परन्तु स्वतन्त्र अवस्था में नहीं रह सकता है।
- परमाणु के नाभिक में प्रोटॉन तथा न्यूट्रॉन पाये जाते हैं और इलेक्ट्रॉन नाभिक के चारों ओर चक्कर लगाते हैं।
- इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन और न्यूट्रॉन परमाणु के मौलिक कण होते हैं।

1. इलेक्ट्रॉन (Electron) (e^-)

- (i) इलेक्ट्रॉन की खोज जे.जे. थॉमसन ने सन् 1897 में 'कैथोड किरण नलिका' (CRT) प्रयोग द्वारा की।
- (ii) CRT प्रयोग में कुछ किरणें कैथोड से एनोड की ओर चली गईं, इन्हें कैथोड किरण कहा गया।
- (iii) कैथोड किरणें इलेक्ट्रॉन नामक ऋणावेशित कण से मिलकर बनी होती हैं।
- (iv) इलेक्ट्रॉन पर $-1.6022 \times 10^{-19} \text{C}$ ऋणावेश होता है।
- (v) इलेक्ट्रॉन का द्रव्यमान (m_e) $9.1094 \times 10^{-31} \text{kg}$ होता है।
- (vi) तत्व का रासायनिक गुण संयोजी इलेक्ट्रॉन की संख्या पर निर्भर करता है।
- (vii) इलेक्ट्रॉन का प्रतिकण पॉज़िट्रॉन कहलाता है।
- (viii) किसी परिपथ में प्रवाहित धारा की दिशा इलेक्ट्रॉनों के प्रवाह के विपरीत दिशा में होती है।
- (ix) इलेक्ट्रॉन के आवेश और द्रव्यमान का अनुपात (e/m) $1.75 \times 10^{11} \text{C/kg}$ होता है।
- (x) इलेक्ट्रॉन के आवेश और द्रव्यमान का अनुपात गैस की प्रकृति और इलेक्ट्रोड पर निर्भर नहीं करता है।

SSC CPO-2024

2. प्रोटॉन (Proton) (${}^1_1\text{H}$)

ई. गोल्डस्टीन ने सन् 1886 में एक नए विकिरण की खोज की इसे उन्होंने 'कैनाल रे' (Canal Ray) का नाम दिया। सन् 1920 में इसे रदरफोर्ड द्वारा 'प्रोटॉन' नाम दिया गया।

- (i) प्रोटॉन पर $+1.6 \times 10^{-19} \text{C}$ धनावेश होता है।

SSC CPO-2024

- (ii) इसका द्रव्यमान $1.67 \times 10^{-27} \text{kg}$ होता है।
- (iii) यह परमाणु के नाभिक में पाया जाता है।
- (iv) ये रासायनिक क्रिया में भाग नहीं लेते हैं।

3. न्यूट्रॉन (Neutron) (${}^1_0\text{n}$)

न्यूट्रॉन की खोज चैडविक ने सन् 1932 में बेरिलियम पर α -कणों की बम-बारी से की थी।

- (i) न्यूट्रॉन एक विद्युत उदासीन कण है।
- (ii) यह परमाणु के नाभिक में पाया जाता है। (हाइड्रोजन को छोड़कर)
- (iii) न्यूट्रॉन का द्रव्यमान $1.67 \times 10^{-27} \text{kg}$ होता है। (लगभग प्रोटॉन के बराबर)

SSC CPO-2024

अस्थाई मौलिक कण (Non-Fundamental Particles)

- (i) **पॉज़िट्रॉन (Positron):** इसकी खोज एण्डरसन ने सन् 1932 में की थी। यह इलेक्ट्रॉन का प्रतिरूपी प्रतिद्रव्य है, इसका द्रव्यमान इलेक्ट्रॉन के द्रव्यमान के लगभग बराबर होता है। इसे (e^+) से प्रदर्शित करते हैं।
- (ii) **एन्टीप्रोटॉन (Anti-Proton):** यह प्रोटॉन का प्रतिरूप प्रतिद्रव्य है, इसकी खोज एमिलियो सेग्रे ओवेन चेम्बरलेन ने सन् 1955 में की थी। इसको 'P' से प्रदर्शित करते हैं।
- (iii) **पाई-मेसॉन (Pi-Meson):** सन् 1935 में जापान के वैज्ञानिक युकावा ने इसके होने की भविष्यवाणी की थी। लेकिन इसकी वास्तविक खोज 1947 में की गयी थी।
- किसी तत्व के परमाणु के नाभिक में उपस्थित प्रोटॉनों की संख्या, **परमाणु क्रमांक** कहलाती है।
 - किसी तत्व के परमाणु के नाभिक में उपस्थित प्रोटॉनों तथा न्यूट्रॉनों की कुल संख्या, **द्रव्यमान संख्या** कहलाती है।
 - समान परमाणु क्रमांक परन्तु भिन्न परमाणु भार वाले परमाणुओं को **समस्थानिक** (आइसोटोप) कहते हैं।
 - समस्थानिकों में प्रोटॉनों की संख्या समान होती है परन्तु न्यूट्रॉनों की संख्या असमान होती है।
 - प्रोटियम (${}_1\text{H}^1$), ड्यूटेरियम (${}_1\text{H}^2$) और ट्राइटियम (${}_1\text{H}^3$) हाइड्रोजन के समस्थानिक हैं।
 - यूरेनियम-235 समस्थानिक का उपयोग परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में विद्युत उत्पादन के लिए ईंधन के रूप में किया जाता है।

SSC CHSL-2024

- भिन्न-भिन्न परमाणु क्रमांक परन्तु समान परमाणु भार वाले परमाणुओं को **समभारिक** (आइसोबार) कहते हैं।

DP Const.-2023

- समभारिकों में प्रोटॉनों की संख्याएँ भिन्न-भिन्न होती हैं परन्तु न्यूट्रॉनों और प्रोटॉनों की संख्याओं का योग समान होता है।
- ऑर्गन (${}_{18}\text{Ar}^{40}$), पोटेशियम (${}_{19}\text{K}^{40}$) और कैल्शियम (${}_{20}\text{Ca}^{40}$) सभी समभारिक हैं।
- समान न्यूट्रॉन संख्याओं वाले परमाणुओं को **समन्यूट्रॉनिक** कहते हैं। जैसे- ${}_1\text{H}^3$ तथा ${}_2\text{He}^4$ समन्यूट्रॉनिक हैं।
- समान इलेक्ट्रॉनिक संख्याओं वाले परमाणुओं और आयनों को समइलेक्ट्रॉनिक कहते हैं। जैसे- Na^+ , O^{2-} , Mg^{2+} और Al^{3+} आदि।
- पाउली के अपवर्जन नियमानुसार, किन्हीं दो इलेक्ट्रॉनों के लिये चारों क्वाण्टम संख्याओं (n, l, m, s) का मान समान नहीं हो सकता है।
- हुण्ड के अधिकतम बहुलता नियमानुसार, एक ही उपकोश के कक्षकों में इलेक्ट्रॉनों का युग्मन तब तक नहीं हो सकता जब तक उस उपकोश के सभी कक्षकों में एक-एक इलेक्ट्रॉन न आ जाये।
- हुण्ड की उपर्युक्त व्यवस्था के अनुसार **चक्रण बहुलता** अर्थात् स्थायित्व अधिकतम होता है परन्तु **ऊर्जा न्यूनतम** होती है।
- हाइड्रोजनबर्ग के सिद्धान्त के अनुसार, किसी कण की स्थिति और वेग का एक साथ सटीक निर्धारण नहीं किया जा सकता है।
- आफबाऊ सिद्धान्त के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक विन्यास में कक्षकों को उनकी ऊर्जा के बढ़ते क्रम में भरा जाता है।

- किसी परमाणु का 1 मोल उसकी वह मात्रा है जिसमें उतनी ही रासायनिक इकाईयाँ हैं, जितने शुद्ध कार्बन-12 समस्थानिक के 12 ग्राम में परमाणुओं की संख्या होती है।
- किसी भी पदार्थ के 6.022×10^{23} कण उसके एक मोल के बराबर होते हैं। इसे आवोगाद्रो संख्या कहते हैं।
- किसी भी पदार्थ में मोलों की संख्या = पदार्थ का द्रव्यमान/पदार्थ का अणुभार
- 12 ग्राम O_2 में मोलों की संख्या = O_2 का द्रव्यमान/ O_2 का अणुभार

$$= \frac{12}{32} = 0.375 \text{ मोल}$$
- डॉल्टन के आंशिक दाब के नियमानुसार, निश्चित आयतन वाले गैसीय मिश्रण का कुल दाब प्रत्येक गैस के आंशिक दाब के योग के बराबर होता है।
- आवोगाद्रो के नियमानुसार, समान ताप और दाब पर सभी गैसों के समान आयतन में अणुओं की संख्या समान होती है।

DP Const.-2020

- सामान्य ताप और दाब (NTP) पर किसी गैस के 1 ग्राम मोल अणु का आयतन 22.4 लीटर होता है।
- NTP पर किसी गैस के 22.4 लीटर आयतन में 6.022×10^{23} अणु होते हैं।
- 0°C (273 K) तथा 1 वायुमण्डलीय (760 मिमी.) दाब क्रमशः को **सामान्य ताप** तथा **दाब** (NTP) कहते हैं।

SSC CGL-2024

- 0°C (273 K) तथा 1 वायुमण्डलीय (760 मिमी.) दाब क्रमशः को **सामान्य ताप** तथा **दाब** (NTP) कहते हैं।
- दाब बढ़ाकर और ताप घटाकर किसी गैस को द्रवित किया जा सकता है।
- **क्रांतिक ताप** वह अधिकतम ताप है, जिसके ऊपर किसी गैस को दाब बढ़ाकर द्रवित नहीं किया जा सकता है। इसे T_c से दर्शाया जाता है।
- **बॉयल के नियमानुसार**- यदि किसी गैस के अणुओं की मात्रा और संख्या स्थिर रहे, तो गैस का दाब और ताप व्युत्क्रमानुपाती होते हैं।

DP Cons.-2020

- **चार्ल्स के नियमानुसार**- स्थिर दाब पर गैस का आयतन उसके ताप के अनुक्रमानुपाती होता है।

SSC Selection Post-2024**संयोजकता (Valency)**

- किसी भी अणु में उपस्थित कोई परमाणु जितने भी बन्ध बनाता है, उनकी संख्या को उस तत्व की **संयोजकता** कहते हैं।
- परमाणुओं द्वारा साझा किये गये इलेक्ट्रॉनों की संख्या को उस तत्व की संयोजकता कहते हैं।
- हाइड्रोजन (H), क्लोरीन (Cl), ब्रोमीन (Br) और आयोडीन (I) के परमाणु एक इलेक्ट्रॉन साझा करते हैं, इसीलिए इन सभी की **संयोजकता** 1 होती है।
- जिन तत्वों के परमाणु एक इलेक्ट्रॉन साझा करते हैं, वे एकल बन्ध बनाते हैं और इनको **एकसंयोजी तत्व** कहा जाता है।
- ऑक्सीजन (O), सल्फर (S), मैग्नीशियम (Mg), कैल्शियम (Ca), जिंक (Zn), लेड (Pb) के परमाणु दो इलेक्ट्रॉन साझा करते हैं इसलिए इन सभी की **संयोजकता** 2 होती है।
- जिन तत्वों के परमाणु दो इलेक्ट्रॉन साझा करते हैं, वह द्विबन्ध बनाते हैं और इनको **द्विसंयोजी तत्व** कहा जाता है।

- नाइट्रोजन (N), फॉस्फोरस (P), एल्युमीनियम (Al) के परमाणु तीन इलेक्ट्रॉन साझा करते हैं इसलिए इन सभी की संयोजकता 3 होती है।
- जिन तत्वों के परमाणु 3 इलेक्ट्रॉन साझा करते हैं, वे त्रिबन्ध बनाते हैं और इनको **त्रिसंयोजी तत्व** कहा जाता है।
- कार्बन (C), सिलिकॉन (Si) आदि की **संयोजकता** 4 होती है।
- जिन तत्वों के परमाणु 4 इलेक्ट्रॉन साझा करते हैं, वे **चतुर्थ बन्ध** बनाते हैं और इनको **चतुर्थ-संयोजी** तत्व कहा जाता है।
- कॉपर (Cu), आयरन (Fe), मरकरी (Hg) आदि परिवर्ती संयोजकताएँ (एक से अधिक संयोजकताएँ) प्रदर्शित करते हैं।
- संयोजकता तीन प्रकार की होती है- सहसंयोजकता, उप-सहसंयोजकता और वैद्युत-संयोजकता।
- जब दो परमाणुओं के बीच इलेक्ट्रॉनों की समान साझेदारी होती है तो इसे **सहसंयोजकता** कहते हैं।
- सहसंयोजकता से निर्मित बन्ध को सहसंयोजी बन्ध और तत्वों को सहसंयोजी तत्व कहते हैं।
- हाइड्रोजन अणु (H₂), ऑक्सीजन अणु (O₂) आदि सहसंयोजी तत्व है।
- जब एक परमाणु इलेक्ट्रॉन युग्म को दूसरे परमाणु को प्रदान करता है तो इसे **उप-सहसंयोजकता** कहते हैं।
- उप-सहसंयोजकता से निर्मित बन्ध को उपसहसंयोजी बन्ध कहते हैं। अमोनिया (NH₃) और सल्फ्यूरिक अम्ल (H₂SO₄) उपसहसंयोजी यौगिक है।
- जब एक परमाणु से दूसरे परमाणु में इलेक्ट्रॉनों का स्थानान्तरण होता है तो इसे **वैद्युत-संयोजकता** कहते हैं।
- वैद्युत-संयोजकता से निर्मित बन्ध को **वैद्युत-संयोजी बन्ध** या **आयनिक बन्ध** कहते हैं।
- सोडियम क्लोराइड (NaCl) में वैद्युत संयोजक बंध पाया जाता है क्योंकि यहाँ Na से इलेक्ट्रॉन युग्म Cl की ओर स्थानान्तरित हो जाता है
- एकल बन्ध < द्विबन्ध < त्रिबन्ध, **बन्धन ऊर्जा** का क्रम है।
- एकल बन्ध > द्विबन्ध > त्रिबन्ध, **बन्ध दूरी** का क्रम है।
- एकल बन्ध < द्विबन्ध < त्रिबन्ध, **बन्धों की क्रियाशीलता** का क्रम है।
- अभिक्रिया में जिस पदार्थ का अपचयन होता है, ऑक्सीकारक कहलाता है।
- पोटेशियम परमैंगनेट (KMnO₄),
- पोटेशियम डाइक्रोमेट (K₂Cr₂O₇),
- नाइट्रिक अम्ल (HNO₃)
- हैलोजन (Cl₂, Br₂, F₂)
- हाइड्रोजन परॉक्साइड (H₂O₂) आदि प्रमुख ऑक्सीकारक है।
- वह पदार्थ जो दूसरे पदार्थ की ऑक्सीकरण संख्या घटा देता है, **अपचायक** कहलाता है।
- अभिक्रिया में जिस पदार्थ का ऑक्सीकरण होता है, **अपचायक** कहलाता है।
- सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂)
- पोटेशियम आयोडाइड (KI)
- हाइड्रोजन सल्फाइड (H₂S)
- स्टैनस क्लोराइड (SnCl₂) आदि प्रमुख अपचायक है।

तत्व	ऑक्सीकरण संख्या
ऑक्सीजन	-1 (H ₂ O ₂ में)
हाइड्रोजन	+1 (अधातुओं के साथ)
ऑक्सीजन	-2 (फ्लोरीन के साथ या H ₂ O ₂ में दोनों को छोड़कर)
हाइड्रोजन	-1 (बोरॉन और धातुओं के साथ)
सोडियम	+1
पोटेशियम	+1
मैग्नीशियम	+2
कैल्शियम	+2
SSC JE-2024	
फ्लोरीन	-1
उदासीन अणु	0

तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण

(Periodic Classification of Elements)

- ऑक्सीकरण या उपचयन वह अभिक्रिया है जिसमें किसी पदार्थ द्वारा ऑक्सीजन का ग्रहण या हाइड्रोजन का निष्कासन (कमी) या इलेक्ट्रॉनों का त्याग या ऑक्सीकरण संख्या में वृद्धि हो।
- अपचयन या अवकरण वह अभिक्रिया जिसमें तत्वों से हाइड्रोजन का योग या ऑक्सीजन की कमी या तत्व इलेक्ट्रॉन ग्रहण करे या ऑक्सीकरण संख्या में कमी हो।
- वह अभिक्रिया जिसमें ऑक्सीकरण और अपचयन साथ-साथ हो, रेडॉक्स अभिक्रिया कहलाती है।
- वे पदार्थ जो दूसरे पदार्थ की ऑक्सीकरण संख्या बढ़ा देते हैं ऑक्सीकारक कहलाते हैं।
- न्यूलैंड्स के अष्टक नियमानुसार हर आठवाँ तत्व पहले तत्व के गुणधर्म के बराबर होता है। **जॉन न्यूलैंड्स** ने तत्वों को परमाणु भार के अनुसार व्यवस्थित किया तब उन्होंने पाया कि हर आठवाँ तत्व पहले तत्व के अनुसार ही गुण रखता है। जैसे- क्लोरीन, फ्लोरीन के बाद आठवाँ तत्व है। फ्लोरीन और क्लोरीन की रासायनिक विशेषताएँ समान है।
- इनके समय ज्ञात तत्वों की संख्या 56 थी।
- डॉबेराइनर के नियमानुसार लगभग समान गुणधर्म वाले तत्वों को उनके परमाणु भार के बढ़ते हुए क्रम में रखा जाए तो बीच वाले तत्व का परमाणु भार अन्य दो तत्वों के परमाणु भारों के योग का लगभग मध्य होता है।

SSC CGL 2023-24

तत्व	Li	Na	K
परमाणु भार	7	23	39
Na का परमाणु भार =	$\frac{7 + 39}{2} = \frac{46}{2} \Rightarrow 23$		

- महान रशियन वैज्ञानिक डी.आई. मेंडलीफ ने विभिन्न तत्वों तथा उनके यौगिकों के तुलनात्मक अध्ययन के आधार पर एक नियम दिया जिसे मेंडलीफ का आवर्त नियम कहते हैं।
- मेंडलीफ के आवर्त नियमानुसार तत्वों के भौतिक एवं रासायनिक गुण उनके परमाणु भार के आवर्ती फलन होते हैं।
- मेंडलीफ द्वारा निर्मित आवर्त सारणी में 9 वर्ग तथा 7 आवर्त थे।
- मेंडलीफ की आवर्त सारणी तत्वों के रासायनिक गुणधर्मों पर आधारित है।
- मेंडलीफ ने समान गुणधर्म वाले तत्वों को एक साथ स्थान दिया।
- मेंडलीफ के समय ज्ञात तत्वों की संख्या 63 थी। **DP Cons.-2020**
- मेंडलीफ की आवर्त सारणी में अज्ञात तत्वों के लिए रिक्त स्थान छोड़े गये।
- मेंडलीफ की आवर्त सारणी में, विगत व्यवस्था को परिवर्तित किये बिना ही अक्रिय गैसों का पता लगने पर इन्हें अलग समूह में रखा जा सकता था।
- मेंडलीफ की आवर्त सारणी में समस्थानिकों की स्थिति स्पष्ट नहीं थी।
- मेंडलीफ की आवर्त सारणी में हाइड्रोजन का स्थान निश्चित नहीं था।
- 8 वें वर्ग में तीन तत्वों को एक साथ समाहित करना भी मेंडलीफ की आवर्त सारणी का दोष है।
- कुछ समान गुणधर्म वाले तत्वों को अलग-अलग समूह में रखा गया जैसे- (Au एवं Pt, Cu एवं Hg)
- धातु एवं अधातु तत्वों के बीच स्पष्ट विभाजन न होना मेंडलीफ की आवर्त सारणी का दोष है।
- 1913 ई. को मोसले ने तत्वों के अध्ययन के आधार पर एक नियम दिया जिसे आधुनिक आवर्त नियम कहते हैं। **SSC CHSL-2024**
- आधुनिक आवर्त नियम के अनुसार तत्वों के गुण उनके परमाणु क्रमांक के आवर्ती फलन हैं क्योंकि परमाणु का मूलभूत गुण परमाणु क्रमांक है न कि परमाणु भार।
- परमाणु क्रमांक की खोज अंग्रेज वैज्ञानिक 'हेनरी मोसले' ने की थी।
- आधुनिक आवर्त सारणी में 18 वर्ग तथा 7 आवर्त होते हैं।
- आधुनिक आवर्त सारणी में हाइड्रोजन को पहले स्थान पर रखा गया है क्योंकि इसकी परमाणु संख्या न्यूनतम है।
- आवर्त सारणी के प्रथम आवर्त में कुल दो तत्व मौजूद होते हैं।

DP Cons.-2020**आवर्त की विशेषताएँ:**

- किसी आवर्त में बाएँ से दाएँ जाने पर धातु गुण में कमी होती है जबकि अधातु गुण में वृद्धि होती है।
- बाएँ से दाएँ जाने पर तत्वों की रासायनिक क्रियाशीलता घटती है तथा बाद में बढ़ती है।
- आवर्त में तत्वों की संयोजकता पहले बढ़ती है तथा उसके बाद घटते-घटते शून्य हो जाती है।
- आवर्त में बाएँ से दाएँ जाने पर संयोजी इलेक्ट्रॉनों की संख्या 1 से बढ़कर 8 हो जाती है।
- बाएँ से दाएँ जाने पर आयनन विभव का मान बढ़ता है।
- बाएँ से दाएँ जाने पर परमाणु आकार या परमाणु त्रिज्या घटती है।

वर्ग की विशेषताएँ- (↓ ऊपर से नीचे)

- किसी वर्ग में ↓ जाने पर तत्वों के धात्विक गुण में वृद्धि होती है।
- किसी वर्ग में ↓ जाने पर विद्युत ऋणात्मकता का मान हमेशा घटता है।

- किसी वर्ग में ↓ जाने पर आयनन विभव का मान घटता है।
- किसी वर्ग में ↓ जाने पर परमाणु का आकार या परमाणु त्रिज्या बढ़ती है।

तत्वों के प्रकार (Types of Elements)

- संयोजी इलेक्ट्रॉन ग्रहण करने वाले कक्षकों के प्रकार के आधार पर तत्वों को निम्न ब्लॉकों में वर्गीकृत किया गया है।

s-ब्लॉक तत्व (s-Block Elements)

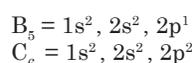
- s-ब्लॉक के तत्वों की कुल संख्या 14 है।
- आवर्त सारणी के समूह I (क्षारीय धातु) और II (क्षारीय मृदा धातु) के तत्व s-ब्लॉक के तत्व हैं।
- समूह I-A के तत्व क्षारीय धातुएँ (Alkali Metals) कहलाते हैं। जैसे- Li, Na, K, Rb, Cs, Fr
- समूह II-A के तत्व क्षारीय मृदा धातुएँ (Alkaline Earth Metals) कहलाते हैं। जैसे - Be, Mg, Ca, Sr, Ba, Ra
- इन तत्वों में संयोजी इलेक्ट्रॉन s-कक्षक में प्रवेश करता है।
- इन तत्वों के बाह्य कोश का इलेक्ट्रॉनिक विन्यास ns^1 तथा ns^2 होता है।
- ये सभी तत्व धातु होते हैं। (H को छोड़कर)
- s-ब्लॉक के तत्व कैल्शियम की व्युत्पत्ति लैटिन शब्द कैलक्स से हुई है।

SSC CGL-2023**p-ब्लॉक तत्व (p-Block Elements)**

- आवर्त सारणी के समूह 13 से 18 (III-A से VIII-A) p-ब्लॉक तत्व हैं।

- इनका इलेक्ट्रॉनिक विन्यास ns^2, np^{1-6} है।

जैसे-



- इस ब्लॉक में धातु, अधातु और उपधातु तीनों होते हैं। जैसे- IV-A के तत्व



अधातु उपधातु धातु

- p-ब्लॉक में संयोजी इलेक्ट्रॉन p-कक्षक में प्रवेश करते हैं।

- ऑक्सीजन p-ब्लॉक का तत्व है।

DP Cons.-2020**d-ब्लॉक तत्व (d-Block Elements)**

- d-ब्लॉक के तत्वों को संक्रमण तत्व भी कहा जाता है।

- आवर्त सारणी के समूह 3 से 12 तक के तत्व हैं।

SSC CGL-2024

- इलेक्ट्रॉनिक विन्यास $(n-1)d^{1-10} ns^{1-2}$ होता है।

- d-ब्लॉक तत्वों में संयोजी इलेक्ट्रॉन d-कक्षक में प्रवेश करते हैं।

f-ब्लॉक तत्व (f-Block Elements)

- इस ब्लॉक के तत्व आंतरिक संक्रमण तत्व भी कहलाते हैं।

- f-ब्लॉक के तत्वों को दो श्रेणियों लैंथेनॉइड और एक्टिनॉइड में विभाजित किया जाता है।

- एक्टिनॉइडों का इलेक्ट्रॉनिक विन्यास अनियमित होता है।

- परमाणु क्रमांक 57 से 71 तक के तत्वों को लैंथेनॉइड कहा जाता है।

- 89 से 103 तक परमाणु क्रमांक वाले तत्वों को एक्टिनॉइड कहा जाता है। ये तत्व रेडियोधर्मी प्रकृति के होते हैं।

- समूह-16 के तत्वों को कैल्कोजन कहते हैं। **SSC CGL-2023**
- आधुनिक आवर्त सारणी के बायें भाग में धातुओं को रखा गया है (हाइड्रोजन अपवाद है)।
- हाइड्रोजन एक अधातु है परन्तु इसकी परमाणु संख्या सबसे कम होने के कारण इसे आधुनिक आवर्त सारणी के पहले वर्ग तथा पहले आवर्त में रखा गया है।
- आधुनिक आवर्त सारणी के दायें भाग में अधातुओं को रखा गया है।
- आधुनिक आवर्त सारणी में समान वर्ग संख्या संयोजी इलेक्ट्रॉन की संख्या को प्रदर्शित करता है।
- आधुनिक आवर्त सारणी में दो आवर्तों को अलग से सारणी के नीचे रखा गया है, जिसमें लैथेनॉइड और एक्टिनॉइड के चौदह-चौदह तत्वों को रखा गया है।
- आधुनिक आवर्त सारणी में तत्वों को 18 उर्ध्व स्तंभों में तथा 7 क्षैतिज पंक्तियों में व्यवस्थित किया गया है। जिन्हें क्रमशः समूह तथा आवर्त कहते हैं। **DP Cons.-2020**
- बोरॉन आवर्त सारणी के वर्ग-13 की एकमात्र उपधातु है। **SSC JE-2024**

हाइड्रोजन एवं उसके यौगिक

(Hydrogen and Its Compounds)

- हाइड्रोजन की खोज हेनरी कैवेंडिश ने सन् 1766 में की और इसे हाइड्रोजन नाम एंटोनी लेवोजियर ने दिया।
 - हाइड्रोजन का परमाणु क्रमांक 1 है क्योंकि इसके नाभिक में केवल एक प्रोटॉन पाया जाता है।
 - हाइड्रोजन का ऊष्मीय मान 1,50,000 kJ/kg होता है। इसलिए इसे 'भविष्य का ईंधन' भी कहते हैं।
 - हाइड्रोजन एकमात्र ऐसा तत्व है जिसके नाभिक में न्यूट्रॉन नहीं पाया जाता है। ब्रह्माण्ड के सम्पूर्ण द्रव्यमान का 70% डाईहाइड्रोजन है।
 - हाइड्रोजन का उपयोग ईंधन सेलों में किया जाता है।
 - पृथ्वी के वायुमण्डल में हाइड्रोजन 0.00005% मात्रा में (द्रव्यमान के अनुसार) पायी जाती है।
 - हाइड्रोजन के तीन समस्थानिक प्रोटियम, ड्यूटेरियम और ट्राइटियम है।
- | समस्थानिक | परमाणु द्रव्यमान (A) | न्यूट्रॉनों की संख्या |
|----------------------------------|----------------------|-----------------------|
| प्रोटियम ${}_1\text{H}^1$ या H | 1 | 0 |
| ड्यूटेरियम ${}_1\text{H}^2$ या D | 2 | 1 |
| ट्राइटियम ${}_1\text{H}^3$ या T | 3 | 2 |
- ड्यूटेरियम को 'भारी हाइड्रोजन' भी कहा जाता है।
 - ड्यूटेरियम के ऑक्साइड को 'भारी जल' कहा जाता है।
 - भारी जल की खोज यूरे (Urey) ने की थी।
 - आभासी पानी की अवधारणा जॉन एंथनी एलेन ने की थी। **SSC CHSL-2024**
 - इसका अणुभार 20 होता है।
 - इसका उपयोग नाभिकीय रिएक्टरों में मंदक के रूप में किया जाता है।
 - इसका घनत्व साधारण जल से अधिक होता है।
 - ट्राइटियम रेडियोसक्रिय समस्थानिक है तथा β उत्सर्जक है।
 - हाइड्रोजन एक वाष्पशील और ज्वलनशील प्रकृति की गैस है। इसी कारण गुब्बारे में भरने के लिए हाइड्रोजन का प्रयोग प्रतिबंधित है।
 - हाइड्रोजन का उपयोग रॉकेट ईंधन में किया जाता है।
 - हाइड्रोजन परॉक्साइड (H_2O_2) हल्का नीले रंग का द्रव्य होता है। इसे 'ऑक्सीजिनेटेड वाटर' कहते हैं।
 - इसकी खोज सन् 1818 में एल. जे. थेनार्ड ने की।
 - यह प्रकृति में अल्प मात्रा में वायुमंडल, वर्षा जल, बर्फ आदि में पाया जाता है।
 - यह ऑक्सीकारक एवं अपचायक दोनों की तरह व्यवहार करता है।
 - इसका उपयोग घाव धोने, कान साफ करने इत्यादि में किया जाता है।
 - हाइड्रोजन का सबसे महत्वपूर्ण यौगिक जल (H_2O) है।
 - पृथ्वी की सतह पर लगभग 71 प्रतिशत जल है, जिसका 97 प्रतिशत भाग समुद्रों में है।
 - पृथ्वी पर लगभग 3% जल ही पीने योग्य है।
 - सभी सजीवों का एक बड़ा भाग जल से निर्मित है।
 - मानव शरीर में लगभग 65 प्रतिशत तथा कुछ पौधों में लगभग 95 प्रतिशत जल होता है।
 - वर्षा जल का शुद्धतम रूप है।
 - शुद्ध अवस्था में जल उदासीन होता है तथा इसका pH मान 7 होता है।
 - जल पृथ्वी पर ठोस, द्रव तथा गैस तीनों अवस्थाओं में पाया जाता है।
 - जल को सर्वविलायक कहा जाता है क्योंकि अनेकानेक पदार्थ इसमें घुल जाते हैं।
 - 4°C पर जल का घनत्व अधिकतम और आयतन न्यूनतम होता है।
 - वह जल जो साबुन के साथ सरलता से झाग बनाता है, मुदु जल कहलाता है।
 - वह जल जो साबुन के साथ सरलता से झाग नहीं बनाता है, कठोर जल कहलाता है।
 - जल की कठोरता दो प्रकार की होती है, अस्थायी कठोरता और स्थाई कठोरता।
 - जल की अस्थायी कठोरता कैल्शियम और मैग्नीशियम के बाइकार्बोनेटों के कारण होती है।
 - जल की अस्थायी कठोरता को उबालकर तथा क्लार्क विधि द्वारा दूर किया जा सकता है।
 - जल की स्थायी कठोरता कैल्शियम और मैग्नीशियम के क्लोराइड, सल्फेट तथा नाइट्रेट के कारण हाती है।
 - धावन सोडा विधि सोडियम कार्बोनेट के उपचार से के द्वारा जल की स्थायी कठोरता को दूर किया जाता है।
 - परम्युटिट विधि- (जियोलाइट विधि या आयन विनिमय विधि) इस विधि के द्वारा जल की स्थाई कठोरता को दूर किया जा सकता है।
 - केलगॉन विधि इस विधि के द्वारा जल की स्थाई कठोरता को दूर किया जा सकता है।
 - संश्लेषित रेजिन विधि के द्वारा जल की स्थाई कठोरता को दूर किया जा सकता है।
 - ब्लू आइस बर्फ का शुद्धतम रूप है जो वायरस रहित होता है।
 - ब्लू आइस ग्रीनलैण्ड में पायी जाती है तथा इसका उपयोग व्हिस्की बनाने में किया जाता है।

अम्ल, क्षार एवं लवण (Acid, Base and Salt)

- ऐसे पदार्थ जो स्वाद में खट्टे होते हैं या जो जल में घुलकर हाइड्रोजन आयन (H⁺) देते हैं, अम्ल कहलाते हैं।

उदाहरण: H₂SO₄ (सल्फ्यूरिक अम्ल), HCl (हाइड्रोक्लोरिक अम्ल) आदि।

अम्लों के गुण

- (i) ये फीनॉल्फथेलिन को रंगहीन और मेथिल अरेंज को लाल कर देता है।
- (ii) अम्ल स्वाद में खट्टे होते हैं।
- (iii) ये नीले लिटमस पेपर को लाल कर देते हैं।
- (iv) ये क्षारकों के साथ अभिक्रिया करके लवण और जल का निर्माण करते हैं।
- (v) ये धातुओं के साथ अभिक्रिया करके लवण और हाइड्रोजन गैस बनाते हैं।
- (vi) ये धातु कार्बोनेट तथा धातु हाइड्रोजन कार्बोनेट के साथ अभिक्रिया करके लवण, जल और कार्बन डाइऑक्साइड का निर्माण करते हैं।
- (vii) ये धातु ऑक्साइड के साथ अभिक्रिया करके लवण और जल का निर्माण करते हैं।

SSC CHSL-2024

1. प्रबल/मजबूत अम्ल (Strong Acid):

जो अम्ल जल में पूरी तरह घुलकर H⁺ आयन देते हैं, मजबूत अम्ल कहलाते हैं। प्रायः 'खनिज अम्ल या अकार्बनिक अम्ल' मजबूत होते हैं।

उदाहरण- H₂SO₄ (सल्फ्यूरिक अम्ल), HCl (हाइड्रोक्लोरिक अम्ल), HNO₃ (नाइट्रिक अम्ल)

ऑक्सी-अम्ल (Oxy-Acid): जिन अम्लों में ऑक्सीजन एवं हाइड्रोजन दोनों होते हैं, उन्हें ऑक्सी अम्ल कहते हैं।

उदाहरण- HNO₃, H₂SO₄ आदि।

तनु अम्ल (Dilute Acid): अम्ल की जलीय विलयन में सान्द्रता अपेक्षाकृत कम होती है।

सान्द्र अम्ल (Concentrated Acid): अम्ल की जलीय विलयन में सान्द्रता अपेक्षाकृत अधिक होती है।

हाइड्रो अम्ल (Hydro Acid): ऐसे अम्ल जिनमें हाइड्रोजन के साथ ऑक्सीजन के अलावा अन्य तत्व होते हैं हाइड्रो अम्ल कहलाते हैं।

उदाहरण- HCl, HF आदि।

नोट: प्रबल अम्लों का pH मान 0-3.5 के बीच होता है।

एक्वारेजिया या अम्लराज एक मजबूत अम्ल है जो HCl और HNO₃ का मिश्रण होता है। यह सोने को गला सकता है। इसमें ये अम्ल 3 : 1 के अनुपात में होते हैं।

DP Const.-2020

2. दुर्बल/कमजोर अम्ल (Weak Acid)

जो अम्ल जल में घुलकर आंशिक रूप से H⁺ आयन देते हैं, दुर्बल अम्ल कहलाते हैं। प्रायः कार्बनिक अम्ल (Organic acid) कमजोर अम्ल होते हैं।

उदाहरण- CH₃COOH (ऐसीटिक अम्ल), HCOOH (फॉर्मिक अम्ल) आदि।

अम्ल का नाम	उपयोग
ऐसीटिक अम्ल (CH ₃ COOH)	सिरका निर्माण में, ऐसीटोन बनाने में।
सिट्रिक अम्ल (C ₆ H ₈ O ₇)	दवाओं में, धातुओं को साफ करने में।
नाइट्रिक अम्ल (HNO ₃)	एक्वारेजिया, उर्वरकों, फोटोग्राफी तथा विस्फोटकों के निर्माण में।

सल्फ्यूरिक अम्ल (H ₂ SO ₄)	संचायक बैटरियों में, पेट्रोलियम शोधन, अपमार्जक उद्योग में।
हाइड्रोक्लोरिक अम्ल (HCl)	प्लास्टिक, सौन्दर्य प्रसाधन, ऐक्वारेजिया आदि में।
बेन्जोइक अम्ल (C ₆ H ₅ COOH)	दवा, खाद्य पदार्थ के परिरक्षण (संरक्षण) में।
फॉर्मिक अम्ल (HCOOH)	रबड स्कन्दन में, फलों के संरक्षण में, चमड़ा उद्योग में।
ऑक्जेलिक अम्ल (H ₂ C ₂ O ₄)	फोटोग्राफी में, कपड़ों की रंगाई और छपाई में।

प्राकृतिक रूप में पाये जाने वाले प्रमुख अम्ल

स्रोत (Sources)	अम्ल (Acid)
नींबू, संतरा	सिट्रिक अम्ल (C ₆ H ₈ O ₇)
SSC CPO-2024	
सिरका	ऐसीटिक अम्ल (CH ₃ COOH)
SSC CPO-2024	
चींटी, मधुमक्खी और बिच्छु के डंक में	फॉर्मिक अम्ल (HCOOH)/ मेथेनोइक अम्ल
DP Const.-2020	
दूध (खट्टा), दही	लैक्टिक अम्ल (C ₃ H ₆ O ₃)
SSC CPO-2024	
आँवला, पपीता	एस्कॉर्बिक अम्ल (C ₆ H ₈ O ₆)
अंगूर, इमली, अनानास	टार्टरिक अम्ल (C ₄ H ₆ O ₆)
SSC CPO-2024	
टमाटर, पालक	ऑक्जेलिक अम्ल (C ₂ H ₂ O ₄)
सेब, नाशपाती, केला	मैलिक अम्ल (C ₄ H ₆ O ₅)
प्रोटीन	एमिनो अम्ल
वसा	स्टीयरिक अम्ल (C ₁₈ H ₃₆ O ₂)
चाय, कॉफी	टैनिक अम्ल (C ₇₆ H ₅₂ O ₄₆)
कोल्ड ड्रिंक्स, सोडा वाटर	कार्बोनिक अम्ल (H ₂ CO ₃)
अमरूद	मैलिक, एस्कॉर्बिक, टार्टरिक और सिट्रिक अम्ल

- HCl > HNO₃ > H₂SO₄ > CH₃COOH अम्लों की प्रबलता का घटता क्रम है।

- आर्हीनियस के अनुसार, वे पदार्थ जो जल में घुलकर (OH⁻) आयन देते हैं, क्षारक कहलाते हैं।

उदाहरण- NaOH (सोडियम हाइड्रॉक्साइड), KOH (पोटैशियम हाइड्रॉक्साइड), Ca(OH)₂ (कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड)।

क्षारकों के गुण

- (i) क्षारक स्वाद में कड़वे होते हैं।
- (ii) ये लाल लिटमस पेपर को नीला कर देते हैं।
- (iii) ये अम्लों के साथ क्रिया करके लवण और जल का निर्माण करते हैं।
- (iv) ये फिनाल्फथेलिन को रंगहीन से गुलाबी और मेथिल अरेंज को लाल से पीले रंग में परिवर्तित कर देते हैं।
- (v) इनकी प्रकृति संक्षारकीय होती हैं।

1. प्रबल/मजबूत क्षारक (Strong Bases)

जो क्षारक जल में पूरी तरह घुलकर OH^- आयन देते हैं, मजबूत क्षारक कहलाते हैं।

उदाहरण- पोटैशियम हाइड्रॉक्साइड (KOH), सोडियम हाइड्रॉक्साइड (NaOH), बेरियम हाइड्रॉक्साइड ($\text{Ba}(\text{OH})_2$)

नोट: प्रबल क्षारकों का pH मान 12-14 होता है।

2. दुर्बल/कमजोर क्षारक (Weak Bases)

जो क्षारक जल में घुलकर आंशिक रूप से (OH^-) आयन देते हैं, दुर्बल क्षारक कहलाते हैं।

उदाहरण- आयरन हाइड्रॉक्साइड [$\text{Fe}(\text{OH})_3$], अमोनिया (NH_3)

क्षारक का नाम	उपयोग
कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड [$\text{Ca}(\text{OH})_2$]	सफेदी करने में, विरंजक चूर्ण के निर्माण में, जल को मृदु बनाने में, (अम्लीय मिट्टी को उपचारित करने में) मिट्टी की अम्लीयता को दूर करने में।
मैग्नीशियम हाइड्रॉक्साइड [$\text{Mg}(\text{OH})_2$]	प्रति अम्ल के रूप में, चीनी उद्योग में, साबुन और अपमार्जक के निर्माण में, कागज बनाने में, घरों की सफाई में।
पोटैशियम हाइड्रॉक्साइड (KOH)	मृदु साबुन, शेविंग क्रीम और शैम्पू के निर्माण में, CO_2 और SO_2 को अवशोषित करने में।

□ जल में घुलनशील क्षार 'अल्कली' कहलाते हैं। **SSC CPO-2024**

लिटमस पेपर: लिटमस को लाइकेन पौधे से प्राप्त किया जाता है, जो थैलोफाइटा समूह से सम्बंधित है, लिटमस पेपर उदासीन विलयन में बैंगनी रंग का होता है। लिटमस पेपर अम्लीय माध्यम में लाल रंग और क्षारीय माध्यम में नीला रंग प्रदर्शित करता है।

गंधीय सूचक: ऐसे पदार्थ जिनकी गंध अम्लीय और क्षारकीय माध्यम में परिवर्तित हो जाती है, गंधीय सूचक कहलाते हैं।

जैसे- लौंग, प्याज और वैनिला।

प्राकृतिक सूचक: प्रकृति में कुछ ऐसे पदार्थ पाये जाते हैं, जो अम्लीय माध्यम और क्षारीय माध्यम में भिन्न-भिन्न रंग देते हैं, प्राकृतिक सूचक कहलाते हैं।

जैसे- लिटमस, हल्दी, गुड़हल का फूल, लाल पत्ता गोभी आदि।

सूचक	अम्लीय माध्यम	क्षारकीय माध्यम
मैथिल ऑरेंज	लाल	पीला
लिटमस	लाल	नीला
फीनॉल्फथेलिन	रंगहीन	गुलाबी

SSC CHSL-2024

नोट: मैथिल ऑरेंज और फीनॉल्फथेलिन कृत्रिम सूचक हैं।

pH स्केल (pH Scale)

- किसी पदार्थ की अम्लीयता और क्षारीयता की माप को pH मान कहते हैं।
- किसी विलयन में हाइड्रोजन आयन की सान्द्रता जितनी अधिक होगी उसका pH मान उतना ही कम होगा।
- अम्लीय विलयन का pH मान सदैव 7 से कम होगा।
- क्षारीय विलयन का pH मान सदैव 7 से अधिक होगा।
- उदासीन विलयन का pH मान 7 होता है।

- उर्वरकों के अधिक उपयोग से मृदा अम्लीय हो जाती है जो पौधों की वृद्धि के लिए उचित नहीं है।
- मानव शरीर 7.0 से 7.8 pH परास के मध्य कार्य करता है।
- मुँह का pH मान 5.5 से कम होने पर दाँतों का क्षय आरम्भ हो जाता है।
- दाँतों का इनेमल कैल्सियम फॉस्फेट से बना होता है जो pH मान कम होने पर संक्षारित होने लगता है।

प्रकृति	विलयन	pH मान
अम्लीय	सांद्र HCl	0-3
अम्लीय	नींबू का रस	2-3
SSC JE-2024		
अम्लीय	शराब	2.9-3.8
अम्लीय	बीयर	4.5
अम्लीय	सिरका	3-4
अम्लीय	कॉफी	5
अम्लीय	कोल्ड ड्रिक्स	5.5
अम्लीय	दूध	6.5
अम्लीय	लार (खाना खाने से पहले)	6.4-6.7
अम्लीय	लार (खाना खाने के बाद)	5.8
क्षारीय	रक्त	7.4
अम्लीय	मूत्र	6
क्षारीय	टूथपेस्ट	8
अम्लीय	टमाटर का रस	4.3-4.5
अम्लीय	सेब का रस	2.9-3.5
अम्लीय	ब्लैकबेरी का रस	3.8-4.5

- प्रबल अम्ल और प्रबल क्षारक परस्पर अभिक्रिया करके लवण का निर्माण करते हैं।
- **लवण के प्रकार-** लवण मुख्य रूप से छः प्रकार के होते हैं।
 1. **सामान्य लवण:** ऐसे लवण, जिनके पास न ही स्थानान्तरण योग्य हाइड्रोजन आयन (H^+) और न तो स्थानान्तरण, योग्य हाइड्रॉक्सिल आयन (OH^-) हो, उसे सामान्य लवण कहते हैं, जैसे- NaCl, MgCl_2 , AgBr आदि।
 2. **अम्लीय लवण:** ऐसे लवण, जिनके पास कम से कम एक स्थानान्तरण योग्य हाइड्रोजन आयन हो, उसे अम्लीय लवण कहते हैं, जैसे- CuSO_4 , NH_4Cl आदि।
 3. **क्षारीय या भास्मिक लवण:** ऐसे लवण, जिसके पास कम से कम स्थानान्तरण योग्य हाइड्रॉक्सिल आयन (OH^-) हो, उसे क्षारीय लवण कहते हैं, जैसे- CaCO_3 , NaHCO_3 आदि।
 4. **द्विक लवण:** ऐसे लवण, जो दो प्रकार के सामान्य लवणों से मिलकर बनता है।, उसे द्विक लवण कहते हैं, जैसे- $\text{K}_2\text{SO}_4 \cdot \text{Al}_2(\text{SO}_4)_3 \cdot 24\text{H}_2\text{O}$
 5. **मिश्रित लवण:** ऐसा लवण, जो दो अम्ल तथा एक क्षार या दो क्षार या एक अम्ल के उदासीनीकरण अभिक्रिया के फलस्वरूप बनता है, उसे मिश्रित लवण कहते हैं, जैसे- NaKSO_4 आदि।
 6. **जटिल लवण:** ऐसे लवण जिसमें कम से कम एक जटिल आयन हो, उसे जटिल लवण कहते हैं, जैसे- $\text{K}_2[\text{HgI}_4]$ आदि।

लवणों के उपयोग

- (1) **नमक/सोडियम क्लोराइड (NaCl)**
 - (i) मानव आहार का अनिवार्य अंग है।
 - (ii) कास्टिक सोडा, धावन सोडा और बेकिंग सोडा के निर्माण में, परिरक्षण के रूप में आदि।
- (2) **बेकिंग सोडा/सोडियम बाइकार्बोनेट (NaHCO₃)**: बेकिंग सोडा को सोडियम हाइड्रोजन कार्बोनेट भी कहा जाता है। इसका उपयोग प्रति अम्ल के रूप में, बेकिंग पाउडर के निर्माण में, अग्निशामक उपकरणों में, मधुमक्खी के डंक को बेअसर करने आदि में किया जाता है।
- (3) **धावन सोडा/सोडियम कार्बोनेट (Na₂CO₃·10H₂O)**: घरों की सफाई में, जल को मृदु बनाने में, साबुन, कांच और कागज उद्योग में, अपमार्जक के निर्माण में आदि।
- (4) **फिटकरी/पोटाश एलम [K₂SO₄·Al₂(SO₄)₃·24H₂O]**: पेय जल को शुद्ध करने में, एंटीसेप्टिक के रूप में, रक्त के स्कंदन में, चमड़ा उद्योग में आदि।
- (5) **विरंजक चूर्ण/कैल्शियम ऑक्सी क्लोराइड (CaOCl₂)**: पेय जल को जीवाणु रहित बनाने में, कागज, कपड़ा और लकड़ी उद्योग में आदि।
- (6) **प्लास्टर ऑफ पेरिस/कैल्शियम सल्फेट हेमी हाइड्रेट (CaSO₄·1/2H₂O)**: घरों में सफेदी करने के लिए, टूटी हड्डी को जोड़ने में, मूर्तियाँ बनाने में आदि।
- (7) **नीला शोथा/कॉपर सल्फेट (CuSO₄·5H₂O)**: जीवाणुनाशक के रूप में, कपड़ों की रंगाई में आदि।

DP Const.-2023

कार्बन एवं उसके यौगिक

कार्बन (Carbon)

- कार्बन एक अधातु तत्व है। इसका परमाणु क्रमांक (atomic number) 6 तथा परमाणु भार (atomic mass) 12 है।
- कार्बन सबसे ज्यादा यौगिकों वाला तत्व है। भूपर्पटी में केवल 0.02% कार्बन विद्यमान है तथा वायुमण्डल में CO₂ के रूप में 0.03% उपस्थित है।
- कार्बन में 6 इलेक्ट्रॉन होते हैं। इसका इलेक्ट्रॉनिक विन्यास 1s², 2s², 2p² होता है।
- ग्लूकोज (C₆H₁₂O₆) में कार्बन का भार 40% होता है।

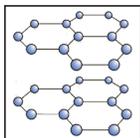
SSC CGL-2024

कार्बन के अपररूप (Allotropes of Carbon)

वे तत्व जो दो या दो से अधिक रूपों में विद्यमान हो, जिनके भौतिक गुण भिन्न-भिन्न हो अपररूप कहलाते हैं, जैसे- मुख्यतः कार्बन के तीन अपररूप हैं- (1) ग्रेफाइट (ii) हीरा (iii) फुलेरीन (C₆₀)

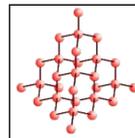
ग्रेफाइट (Graphite)

- ★ ग्रेफाइट विद्युत का सुचालक होता है।
- ★ यह एक ठोस स्नेहक (lubricant) है।
- ★ इसका प्रयोग परमाणु भट्टी में मंदक के रूप में होता है।



हीरा (Diamond)

- ★ हीरा अभी तक ज्ञात तत्वों में सबसे ज्यादा कठोर है।
- ★ इसका अपवर्तनांक सबसे अधिक होता है।
- ★ इसका प्रयोग सीसा काटने में किया जाता है।

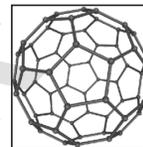


फुलेरीन (Fullerene)

फुलेरीन की खोज सन् 1985 में वैज्ञानिक रिचर्ड स्माले, राबर्ट कर्ल और हैरोल्ड क्रोटा ने की।

SSC CGL-2024

इसमें कार्बन परमाणु की संख्या 60 होती है और इसे 'बकमिन्सटर फुलेरीन' C₆₀ नाम दिया गया है।



नोट- हीरा कठोर होता है किंतु ग्रेफाइट मसृण और फिसलयुक्त होता है।

CDS-2023

कार्बन की विशेषताएँ

- (i) **शृंखलन (Catenation)**: कार्बन के परमाणु आपस में संयोजन करके शृंखला बनाने की योग्यता रखते हैं। कार्बन के इस गुण को शृंखलन कहते हैं।
- (ii) **संयोजकता (Valence)**: परमाणुओं के परस्पर संयोजन करने की क्षमता को संयोजकता कहते हैं। कार्बन (C) की संयोजकता 4 होती है।

हाइड्रोकार्बन (Hydrocarbons)

- वे कार्बनिक यौगिक जो केवल हाइड्रोजन और कार्बन से मिलकर बने होते हैं।
- एसीटिलिडहाइड खुली शृंखला वाला कार्बनिक यौगिक है।

SSC CPO-2024

- जिस हाइड्रोकार्बन शृंखला में कार्बन-कार्बन के मध्य एकल बंध होता है। 'एल्केन' (संतृप्त हाइड्रोकार्बन) कहलाते हैं, जैसे- C₃H₈

SSC CGL-2024

- जिस हाइड्रोकार्बन शृंखला में कार्बन-कार्बन के मध्य द्वि-बंध हो 'एल्कीन' (असंतृप्त हाइड्रोकार्बन) और त्रि-आबंध वाले 'एल्काइन' (असंतृप्त हाइड्रोकार्बन) कहलाते हैं।
- कार्बन, ऑक्सीजन की उपस्थिति में जलकर ऊष्मा, प्रकाश और कार्बन डाइ ऑक्साइड उत्पन्न करते हैं।
- संतृप्त हाइड्रोकार्बन (एल्केन) सामान्यतः स्वच्छ नीली लौ के साथ जलते हैं, जबकि असंतृप्त हाइड्रोकार्बन (एल्कीन और एल्काइन) पीली ज्वाला के साथ जलते हैं।

महत्वपूर्ण कार्बन यौगिक

(i) क्लोरोफॉर्म (CHCl₃)

- ★ इसका प्रयोग निश्चेतक के रूप में किया जाता था।
- ★ प्रकाश की उपस्थिति में यह 'फॉस्जीन (COCl₂)' बनाती है।
- ★ इसका उपयोग फोटोग्राफी, दवाइयाँ और कीटनाशक के रूप में भी किया जाता है।
- ★ क्लोरोफॉर्म (CHCl₃) शीघ्रता से वाष्पित होकर गैस में बदल जाता है।

SSC JE-2024

★ क्लोरोफॉर्म, फ्रीऑन रेफ्रिजरेंट R-22 के उत्पादन में उपयोग किया जाता है।
SSC CPO-2024

★ इसको ट्राइक्लोरोमेथेन के नाम से भी जाना जाता है।
SSC CGL-2024

(ii) मिथेन (CH₄)

- ★ मिथेन गैस बायोगैस और प्राकृतिक गैस का मुख्य घटक होती है।
- ★ यह एक ग्रीन हाउस गैस है जो दलदली भूमि, धान के खेतों और जुगाली करने वाले पशुओं द्वारा उत्सर्जित होती है।
- ★ मिथेन गैस को 'मार्श गैस' और 'फायर ड्रैप' भी कहते हैं।

(iii) क्लोरो-फ्लोरो कार्बन (CFCs)

- ★ क्लोरो-फ्लोरो कार्बन का प्रयोग 'रेफ्रिजरेंट' में किया जाता है।
- ★ इसको 'फ्रीऑन' भी कहा जाता है।
- ★ यह एक ग्रीन हाउस गैस है।
- ★ यह ओजोन परत में क्षरण के लिए उत्तरदायी है। मॉन्ट्रियल (कनाडा) प्रोटोकॉल (1987) में इस गैस के उपयोग को सीमित करने के नियम बनाये गए।
- ★ यह क्लोरीन, फ्लोरीन और कार्बन से बना कार्बनिक यौगिक है।

(iv) एथेनॉल (C₂H₅OH)

- ★ इसका उपयोग 'टिंचर आयोडीन' बनाने में किया जाता है।
- ★ यह एक अच्छा विलायक है।
- ★ इसका गलनांक और क्वथनांक -114.3°C और 78.4°C है।

(v) एसीटिक अम्ल (CH₃COOH)

- ★ एसीटिक अम्ल के 3-4% विलयन को 'सिरका' कहा जाता है।
- ★ इसका उपयोग दवाइयों, कागज उद्योग और प्रयोगशाला में अभिकर्मक के रूप में किया जाता है।
- ★ इसका गलनांक और क्वथनांक 290K और 391.15K होता है।
- ★ यह एक दुर्बल अम्ल है।

(vi) फॉर्मिक अम्ल (HCOOH)

- ★ फॉर्मिक अम्ल का रासायनिक नाम मेथेनोइक अम्ल (methanoic acid) है।
- ★ यह प्राकृतिक रूप से नेटल के पौधे, चींटी, बिच्छु, मधुमक्खी के डंक आदि में पाया जाता है।
- ★ इसका प्रयोग रबड़ उद्योग और कागज उद्योग में किया जाता है।

(vii) यूरिया (NH₂CONH₂)

- ★ यूरिया पहला कार्बनिक यौगिक है, जिसे 'फ्रेडरिक वोहलर' ने सन् 1828 में अमोनियम सायनेट से बनाया।
- ★ इसमें 46% नाइट्रोजन पायी जाती है।
- ★ मानव शरीर में यकृत अमोनिया को यूरिया में परिवर्तन करता है।
- ★ यूरिया को मूत्र के माध्यम से शरीर से बाहर निकाला जाता है।

साबुन और अपमार्जक (Soap and Detergent)**साबुन (Soap)**

- ★ साबुन कार्बोक्सिलिक अम्लों के सोडियम और पोटैशियम लवण होते हैं। सोडियम हाइड्रॉक्साइड (NaOH) के प्रयोग से कठोर साबुन और पोटैशियम युक्त साबुन मृदु होते हैं।
SSC JE-2024

★ साबुन कठोर जल में विद्यमान कैल्शियम और मैग्नीशियम के बाइकार्बोनेट और कार्बोनेट से अभिक्रिया करके झाग उत्पन्न नहीं करते हैं।

नोट: कठोर साबुन का सूत्र- C₁₇H₃₅COONa

मृदु साबुन का सूत्र- C₁₇H₃₅COOK

अपमार्जक (Detergent)

- ★ अपमार्जक लंबी शृंखला वाले सल्फोनेट और अमोनियम लवण होते हैं। ये कठोर जल में उपस्थित कैल्शियम और मैग्नीशियम के बाइकार्बोनेट और कार्बोनेट से अभिक्रिया नहीं करते हैं।

विलयन (Solution)

- ★ विलयन दो या दो से अधिक पदार्थों का संमानी मिश्रण है।
- ★ विलयन में नियत ताप पर विलेय और विलायक की मात्राओं में एक नियत सीमा तक परिवर्तन किया जा सकता है।
- ★ जिस विलायक का ड्राई इलेक्ट्रिक नियतांक जितना अधिक होता है वह उतना ही अच्छा विलायक माना जाता है।

विलयन का वर्गीकरण (Classification of Solution)

प्रकार	परिक्षेपण माध्यम	परिक्षिप्त प्रावस्था	उदाहरण
एरोसॉल	गैस	द्रव	बादल, कुहासा, कोहरा
फोम	द्रव	गैस	साबुन के झाग
इमल्शन	द्रव	द्रव	दूध, चेहरे की क्रीम
जैल	ठोस	द्रव	जैली, पनीर, मक्खन
सोल	द्रव	ठोस	मैग्नेशिया-मिल्क, कीचड़
ठोस सोल	ठोस	ठोस	रंगीन रत्न पत्थर, दूधिया काँच

- गैस में गैस का विलयन- वायु एवं गैसों का मिश्रण।
- गैस में द्रव का विलयन- बादल, कुहरा तथा CO₂ और NH₃ आदि गैसों का जलीय विलयन।
- द्रव में गैस का विलयन- जल में CO₂ का विलयन आदि।
- द्रव में द्रव का विलयन- जल में एल्कोहॉल का विलयन आदि।
- द्रव में ठोस का विलयन- जल में चीनी, पारे में लेड आदि का विलयन।
- ठोस में गैस का विलयन- पैलेडियम में हाइड्रोजन का विलयन।
- ठोस में द्रव का विलयन- पारे का सोडियम के साथ अमलगम।
- ठोस में ठोस में विलयन- सोने में कॉपर का विलयन।
- अम्लीय विलयनों में H⁺ आयन, OH⁻ आयनों की तुलना में अधिक होते हैं।
- क्षारीय विलयनों में OH⁻ आयन, H⁺ आयनों की तुलना में अधिक होते हैं।
- उदासीन विलयनों में H⁺ आयनों तथा OH⁻ आयनों की सान्द्रताएँ समान होती हैं।

विलयन के प्रकार (Types of Solution)

- वह विलयन जिसमें निश्चित ताप एवं दाब पर और अधिक विलेय का विलय नहीं हो सकता है, संतृप्त विलयन कहलाता है।
- वह विलयन जिसमें निश्चित ताप एवं दाब पर और अधिक विलेय का विलय किया जा सकता है, असंतृप्त विलयन कहलाता है।

- वह विलयन जिसमें विलेय की मात्रा विलयन की क्षमता से अधिक घुली होती है, अति संतृप्त विलयन कहलाता है।
- **कोलॉइड विलयन** एक विषमांगी मिश्रण है जिसमें विलेय बहुत ही सूक्ष्म अवस्था में उपस्थित रहता है।
- **द्रवरागी** या **द्रवस्नेही कोलॉइड** विलायक को स्नेह करने वाले कोलॉइड है और प्रायः स्थायी होते हैं।
- स्टार्च, रबड़, जिलेटिन, गोंद आदि में से किसी भी पदार्थ को उचित विलायक में मिलाने पर **द्रवरागी कोलॉइड** सरलता से प्राप्त हो जाता है।
- **द्रव विरागी** या **द्रव विरोधी कोलॉइड**, विलायक को घृणा करने वाले कोलॉइड है और स्थायी नहीं होते हैं।
- अघुलनशील लवणों के कोलॉइड विलयन **द्रव विरोधी कोलॉइड** कहलाते हैं।
- प्रकाश को कोलॉइड सॉल से गुजारने पर कोलॉइडी कण प्रकाश को फैलाते हैं तथा प्रकाश की दिशा के लम्बवत देखने पर प्रकाश का मार्ग चमकता हुआ दिखाई देता है, जिसे **टिण्डल प्रभाव** कहते हैं।
- कोलॉइड कणों की लगातार टेढ़ी-मेढ़ी गति करना **ब्राउनी गति** कहलाता है।
- **ब्राउनी गति** का सिद्धान्त **रॉबर्ट ब्राउन** ने प्रस्तुत किया था।
- रॉबर्ट ब्राउन ने विलयन में कोलॉइडी कणों की टेढ़ी-मेढ़ी गति का निरीक्षण वर्ष 1827 में किया था। **SSC CHSL-2024**
- दो अमिश्रणीय द्रवों को मिश्रित करने के लिए हिलाया जाता है तो **पायस** प्राप्त होता है।
- **पायस** को स्थायी करने के लिए पायसीकर्मक मिलाया जाता है।
- प्रोटीन, गोंद आदि **प्राकृतिक** एवं एल्कोहॉल, साबुन आदि प्रमुख **कृत्रिम पायसीकर्मक** है।
- अधिकांश दवाइयों की प्रकृति कोलॉइड होती है।
- **सिल्वर सॉल** आँख के **लोशन** के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- **सिल्वर आयोडाइड** को बादलों पर स्प्रे करके कृत्रिम बरसात करायी जाती है।
- आइसक्रीम बनाते समय **जिलेटिन** मिलाया जाता है, जिससे कोलॉइड को स्थिरता मिलती है और **क्रिस्टलीकरण** रूक जाता है।
- किसी **दुर्बल अम्ल** तथा उसके **संयुग्मी क्षारक** अथवा किसी **दुर्बल क्षारक** एवं उसके संयुग्मी अम्ल के जलीय विलयन को **बफर विलयन** कहते हैं।
- शीरे के क्लिप्वन द्वारा एल्कोहॉल के उत्पादन में **बफर विलयन** का उपयोग किया जाता है।
- रासायनिक अभिक्रियाओं की गति का अध्ययन करने में तथा pH मान को स्थिर करने में **बफर विलयन** का उपयोग किया जाता है।
- **चमड़ा** पकाने तथा **कागज** आदि के निर्माण में pH मान को स्थिर करने के लिए बफर विलयन का उपयोग किया जाता है।

रासायनिक अभिक्रियाएँ

- उदासीनीकरण अभिक्रिया में जल और क्षारक परस्पर अभिक्रिया करके लवण और जल का निर्माण करते हैं, उदाहरण-



SSC JE-2024

- सोडियम सल्फेट और बेरियम क्लोराइड की अभिक्रिया करने पर बेरियम सल्फेट का श्वेत अवक्षेप बनता है।

SSC CPO-2024

- दीवारों पर सफेदी करने के दौरान, बुझा हुआ चूना वायु में उपस्थित कार्बन डाइऑक्साइड के साथ धीमी गति से अभिक्रिया करके दीवारों पर कैल्शियम कार्बोनेट की एक पतली परत बना देता है।

CDS-II 2024



- जब तनु सल्फ्यूरिक अम्ल (H_2SO_4) मैग्नीशियम (Mg) के साथ अभिक्रिया करता है तो हाइड्रोजन गैस निकलती है।

SSC CGL-2024



- चूने के पानी में कार्बन डाइऑक्साइड गैस प्रवाहित करने पर कैल्शियम कार्बोनेट अवक्षेप प्राप्त होता है।

DP Cons.-2024



साधारण नाम	रासायनिक सूत्र	रासायनिक नाम
जिप्सम	$\text{CaSO}_4 \cdot 2\text{H}_2\text{O}$	कैल्शियम सल्फेट डाइहाइड्रेट
धोने का सोडा	$\text{Na}_2\text{CO}_3 \cdot 10\text{H}_2\text{O}$	सोडियम कार्बोनेट
प्लास्टर ऑफ पेरिस	$\text{CaSO}_4 \cdot 1/2\text{H}_2\text{O}$	कैल्शियम सल्फेट हेमीहाइड्रेट
SSC JE-2024		
खाने का सोडा	NaHCO_3	सोडियम बाइकार्बोनेट
हास्य गैस	N_2O	नाइट्रस ऑक्साइड
सिरका	CH_3COOH	एसीटिक अम्ल
कास्टिक सोडा	NaOH	सोडियम हाइड्रॉक्साइड
लाल दवा	KMnO_4	पोटैशियम परमैंगनेट
संगमरमर	CaCO_3	कैल्शियम कार्बोनेट
चीनी	$\text{C}_{12}\text{H}_{22}\text{O}_{11}$	सुक्रोज
शोरा	KNO_3	पोटैशियम नाइट्रेट
नीला थोथा	$\text{CuSO}_4 \cdot 5\text{H}_2\text{O}$	कॉपर सल्फेट
बिना बुझा चूना	CaO	कैल्शियम ऑक्साइड
अश्रु गैस	CCl_3NO_2	क्लोरो एसिटो फिनाँन
चिली साल्ट सोडा	NaNO_3	सोडियम नाइट्रेट
DP Const.-2023		
सिंदूर	HgS	मरक्यूरिक सल्फाइड
ब्लीचिंग पाउडर	CaOCl_2	कैल्शियम हाइपोक्लोराइट
IARI-2024		

बुझा चूना	Ca(OH) ₂	कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड
बालू (रेत)	SiO ₂	सिलिकॉन डाइ ऑक्साइड
हाइपो	Na ₂ S ₂ O ₃	सोडियम थायो सल्फेट
मार्श गैस	CH ₄	मीथेन
शुष्क बर्फ	CO ₂	कार्बन डाइ ऑक्साइड
सफेद थोथा	ZnSO ₄ ·7H ₂ O	जिंक सल्फेट
फिटकरी	K ₂ SO ₄ , Al ₂ (SO ₄) ₃ ·24H ₂ O	पोटेशियम एल्युमिनियम सल्फेट
साधारण नमक	NaCl	सोडियम क्लोराइड

महत्त्वपूर्ण बिंदु-

- सल्फर डाइऑक्साइड प्रशीतक को R-764 के रूप में चिन्हित किया जा सकता है।

SSC JE-2024

- मिर्च का तीखा स्वाद कैप्सिसिन यौगिक के कारण होता है।

SSC JE-2024

- एसिटिक एसिड का क्वथनांक 391 K होता है।

IARI-II 2024

- लहसुन, मैंगनीज और सेलेनियम का अच्छा स्रोत है।

SSC CPO-2024

जीव विज्ञान

- विज्ञान की वह शाखा जिसके अन्तर्गत जीवधारियों का अध्ययन किया जाता है, **जीव विज्ञान** कहलाता है।
- लैमार्क (Lamarck) एवं ट्रेविरैनुस (Treviranus) नामक वैज्ञानिकों ने सर्वप्रथम 1801 ई. में जीव विज्ञान शब्द का प्रयोग किया था।
- अरस्तू को जीव विज्ञान (Father of Biology) का जनक एवं जन्तु विज्ञान का जनक (Father of Zoology) भी कहते हैं।
- थियोफ्रेस्टस को वनस्पति विज्ञान का जनक (Father of Botany) कहा जाता है।
- अरस्तू ने (384-322 BC) सर्वप्रथम पौधों एवं जन्तुओं के विभिन्न पक्षों के विषय में अपने विचार प्रस्तुत करे।

जीव विज्ञान की मुख्य शाखाएँ**(Important Branches of Biology)**

जन्तु विज्ञान (Zoology)	विभिन्न प्रकार के जीवित एवं मृत जन्तुओं का अध्ययन
वनस्पति विज्ञान (Botany)	विभिन्न प्रकार के पादपों एवं उनके क्रियाकलापों का अध्ययन
एपीकल्चर (Apiculture)	मधुमक्खी पालन का अध्ययन
वितिकल्चर (Viticulture)	अंगूर उत्पादन का अध्ययन
SSC Selection Post-2024	
सेरीकल्चर (Sericulture)	रेशम कीट पालन का अध्ययन

ऑर्निथोलॉजी (Ornithology)	पक्षियों का अध्ययन
एंटोमोलॉजी (Entomology)	कीटों का वैज्ञानिक अध्ययन
पिसीकल्चर (Pisciculture)	मत्स्य पालन का अध्ययन
पोमोलॉजी (Pomology)	फलों की कृषि का अध्ययन
ओलेरीकल्चर (Olericulture)	सब्जियों की कृषि का अध्ययन
एन्थोलॉजी (Anthology)	फूलों का अध्ययन
ऑन्कोलॉजी (Oncology)	कैंसर व ट्यूमर का अध्ययन
हॉर्टिकल्चर (Horticulture)	उद्यान विज्ञान का अध्ययन
इक्थियोलॉजी (Ichthyology)	मछलियों का अध्ययन
माइकोलॉजी (Mycology)	कवकों का अध्ययन
पैडोलॉजी (Pedology)	मृदा का वैज्ञानिक अध्ययन
मर्मिकोलॉजी (Myrmecology)	चींटियों का अध्ययन
ट्रौमेटोलॉजी (Traumatology)	घाव का अध्ययन
फाइकोलॉजी (Phycology)	शैवालों का अध्ययन
साइटोलॉजी (Cytology)	कोशिका संरचना का अध्ययन
DP Const.-2023	

- जीवधारियों की पाँच जगत वर्गीकरण की पद्धति सन् 1969 में आर.एच. व्हिटेकर द्वारा प्रस्तुत की गई। इस पद्धति के अंतर्गत सम्मिलित किए जाने वाले जगतों के नाम मॉनेरा, प्रोटिस्टा, पादप फंजाई और एनिमैलिया है।
- जीवधारियों को पाँच जगत वर्गीकरण मोनेरा, प्रोटिस्टा, पादप, कवक, जन्तु में विभाजित किया गया है।
- मॉनेरा जगत (Monera Kingdom) में सभी प्रोकैरियोटिक जीव (जैसे-जीवाणु सायनोबैक्टीरिया) सम्मिलित किए जाते हैं।
- प्रोटिस्टा जगत (Protista Kingdom) में सभी एककोशिकीय यूकैरियोटिक जीव, (जैसे- क्रासोफाइट, डायनोफ्लैजिलेट अवयव कवक और प्रोटोजोआ) पादप एवं जन्तु के बीच स्थित **यूग्लीना** इसी जगत में सम्मिलित हैं।
- पादप जगत (Plantae Kingdom) में सभी रंगीन, बहुकोशिकीय, प्रकाश संश्लेषणी जीव सम्मिलित हैं; जैसे-शैवाल, मॉस, पुष्पीय तथा अपुष्पीय बीजीय पौधे।
- एनिमैलिया जगत (Animalia Kingdom) बहुकोशिकीय, यूकैरियोटिक जीवों का एक समूह है ये जीव अपने भोजन के लिए पौधों या अन्य जीवों पर निर्भर रहते हैं।
- कवक में यूकैरियोटिक तथा परपोषित जीवधारी सम्मिलित हैं। इसकी कोशिका भित्ति काइटिन नामक जटिल शर्करा की बनी होती है।
- कैरोलस लिनियस नामक वैज्ञानिक ने सन् 1753 में जीवों की द्विनाम पद्धति को प्रचलित किया।
- कैरोलस लिनियस को आधुनिक वर्गीकी का जन्मदाता (Father of Modern Taxonomy) कहा जाता है।

कुछ जीवधारियों के वैज्ञानिक नाम

साधारण नाम	वैज्ञानिक नाम
गाय (Cow)	बॉस इन्डिकस (Bos indicus)
बाघ (Tiger)	पैन्थेरा टिग्रिस (Panthera tigris)
मटर (Peas)	पाइसम सटाइवम (Pisum sativum)

बिल्ली (Cat)	फेलिस कैटस (Felis catus)
आम (Mango)	मैंगिफेरा इंडिका (Mangifera indica)
गेहूँ (Wheat)	ट्रिटिकम एस्टीवम (Triticum aestivum)
तेन्दुआ (Leopard)	पैन्थेरा पारडस (Panthera pardus)
शेर (Lion)	पैन्थेरा लियो (Panthera leo)
धान (Rice)	ओराइजा सटाइवा (Oryza sativa)
सरसों (Mustard)	ब्रेसिका कम्पेस्ट्रिस (Brassica campestris)
मानव (Human)	होमो सेपियन्स (Homo sapiens)
चना (Gram)	सिसर एरिएटिनम (Cicer arietinum)
मेढक (Frog)	राना टिग्रिना (Rana tigrina)
घरेलू मक्खी (House Fly)	मुस्का डोमेस्टिका (Musca domestica)

DP Const.-2023

कोशिका विज्ञान (Cytology)

- जीव विज्ञान की वह शाखा जिसके अन्तर्गत कोशिका की संरचना एवं क्रियाकलापों का अध्ययन किया जाता है, कोशिका विज्ञान कहलाता है।
- कोशिका जीव की संरचनात्मक और क्रियात्मक इकाई है।

SSC JE-2024

- पुरकिंजे (Purkenje) द्वारा सन् 1839 में जीवद्रव्य (Protoplasm) का नामकरण किया गया।
- जीवद्रव्य एक गाढ़ा तरल रंगहीन, पारभासी, लसलसा, वजनयुक्त पदार्थ है-इसके बिना जीवन असम्भव है। इसका 99% भाग ऑक्सीजन (O) कार्बन (C), हाइड्रोजन (H) और नाइट्रोजन (N) से बना होता है।
- जीवद्रव्य दो प्रकार के होते हैं- (1) कोशिका द्रव्य (Cytoplasm) (2) केन्द्रक द्रव्य (Nucleoplasm)
- कोशिकाद्रव्य कोशिका में केन्द्रक एवं झिल्ली के बीच रहता है।
- केन्द्रक द्रव्य कोशिका में केन्द्रक (Nucleus) के अन्दर रहता है।
- रॉबर्ट हुक ने 1665 ई. में सर्वप्रथम कॉर्क की परत में कोशिका की खोज की थी। **SSC MTS-2023**
- एंटीनी वॉन ल्यूवेनहॉक ने सन् 1674 में तालाब के जल में जीवित कोशिका की खोज की। **SSC JE-2024**
- शतुरमुर्ग के अण्डे (Ostrich Egg) की कोशिका सबसे बड़ी कोशिका है।
- संसार की सबसे छोटी कोशिका माइकोप्लाज्मा गैलिसिटिकम नामक जीवाणु की है।
- श्वान तथा श्लाइडेन ने सन् 1838-1839 में कोशिका सिद्धान्त का प्रतिपादन किया।

कोशिकांग	कार्य	खोजकर्ता
कोशिका भित्ति (पादप कोशिका में)	संरचना एवं रक्षा करना	रॉबर्ट हुक
गॉलजी उपकरण	पैकेजिंग सामग्री को कोशिका के अन्दर और बाहर भेजना	केमिलो गॉलजी

माइटोकॉन्ड्रिया (कोशिका का पावर हाउस या बिजली घर)	ऊर्जा उत्पादन (ATP के रूप में)	खोजकर्ता- अल्टमेन नामकरण- बेंडा
केन्द्रक	आनुवंशिक सामग्री (DNA) का भंडारण एवं नियंत्रण	रॉबर्ट ब्राउन
प्लास्टिड	प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में सहायक	अर्नेस्ट हैकेल
राइबोसोम (प्रोटीन फैक्ट्री)	प्रोटीन संश्लेषण	जॉर्ज पलाडे
लाइसोसोम (आत्महत्या की थैली या कोशिका का सफाईकर्मी)	अपशिष्ट पदार्थों का विघटन	डी. ड्युबे
SSC JE-2024		
एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम (ER)	प्रोटीन एवं लिपिड का संश्लेषण एवं परिवहन	कोथ पोर्टर
रसधानी (वॉक्यूल)	पानी, पोषक तत्वों और अपशिष्ट पदार्थों का भंडारण	एंटीन वॉन ल्यूवेनहॉक

- मानव शरीर में पायी जाने वाली सबसे छोटी कोशिका स्पर्म सेल है।
- मानव शरीर में सबसे बड़ी कोशिका अण्डाणु (Ovum) तथा सबसे लंबी कोशिक तंत्रिका कोशिका है।
- कोशिका के अध्ययन को साइटोलॉजी (Cytology) कहा जाता है।
- स्फीति दाब कोशिका के विस्तार और फैलाव का कारण बनता है।

SSC CHSL-2024

- कोशिका के दो प्रकार (1) प्रोकैरियोटिक कोशिका (Prokaryotic Cell) तथा (2) यूकैरियोटिक कोशिका (Eukaryotic Cell) होते हैं।
- प्रोकैरियोटिक कोशिकाओं में केन्द्रक (Nucleus) अविकसित (Incipient) होता है तथा हिस्टोन प्रोटीन अनुपस्थित होता है। माइकोप्लाज्मा, जीवाणु तथा नील-हरित शैवाल की कोशिकाएँ प्रोकैरियोटिक कोशिकाएँ होती हैं। **SSC CGL-2024**
- यूकैरियोटिक कोशिका में केन्द्रक (Nucleus) सुविकसित (Well Developed) होता है तथा क्रोमैटिन का निर्माण, DNA व हिस्टोन प्रोटीन के संयुक्त होने से होता है।

प्रोकैरियोटिक कोशिका (Prokaryotic Cell)	यूकैरियोटिक कोशिका (Eukaryotic Cell)
ये प्रारम्भिक (Primitive) कोशिकाएँ हैं।	ये सुविकसित (Well Developed) कोशिकाएँ हैं।
इनमें केन्द्रक झिल्ली (Nuclear membrane) तथा केन्द्रिका (Nucleolus) अनुपस्थित होती हैं। SSC MTS-2023	इनमें केन्द्रक झिल्ली (Nuclear membrane) तथा केन्द्रिका (Nucleolus) उपस्थित होती है।
इनमें अविकसित (Incipient) केन्द्रक होता है।	इनमें पूर्ण विकसित (Full Grown) केन्द्रक होता है।
इनके कशाभिका (Flagella) में सूक्ष्म तन्तु होते हैं।	इनके कशाभिका में सूक्ष्म नलिकाओं (Microtubules) की व्यवस्था होती है।

इनमें श्वसन तंत्र प्लाज्मा झिल्ली में होता है।	इनमें श्वसन तंत्र माइटोकॉण्ड्रिया में होता है।
इनमें झिल्लीयुक्त कोशिकांग अनुपस्थित होते हैं।	इनमें झिल्लीयुक्त कोशिकांग उपस्थित होते हैं।
इनमें राइबोसोम (Ribosome) 70s प्रकार का होता है।	इनमें राइबोसोम (Ribosome) 80s प्रकार का होता है।
इनमें कोशिका भित्ति (Cell Wall) पतली होती है।	इनमें कोशिका भित्ति (Cell Wall) मोटी होती है।
इनमें प्रकाश संश्लेषी तंत्र झिल्लियों में होता है तथा हरित लवक अनुपस्थित होता है।	इनमें प्रकाश संश्लेषी तंत्र हरित लवक (Chloroplast) में होता है।

- माइटोकॉण्ड्रिया, लाइसोसोम, राइबोसोम, कोशिका भित्ति, गॉल्जीकाय, तारककाय, कोशिका झिल्ली, लवक, अंतः प्रद्रव्यी जालिका, केन्द्रक आदि कोशिका के मुख्य भाग हैं।
- माइटोकॉण्ड्रिया का मुख्य कार्य श्वसन क्रिया को सम्पादित करना है।
- माइटोकॉण्ड्रिया में वायु की उपस्थिति में भोजन का विखण्डन होता है और जो ऊर्जा मुक्त होती है वह ATP के रूप में संचित रहती है। इसलिए माइटोकॉण्ड्रिया को कोशिका का शक्ति केन्द्र (Power House of the Cell) कहा जाता है। **SSC JE-2024, SSC CPO-2019**
- माइटोकॉण्ड्रिया यूकैरियोटिक कोशिकाओं में पाया जाता है।
- लाइसोसोम (Lysosome) को 'आत्महत्या की थैली' (Suicidal Bag) कहा जाता है क्योंकि ये कभी-कभी अपनी ही कोशिका का पाचन कर कोशिका को नष्ट कर देते हैं।
- लाइसोसोम का निर्माण गॉल्जी उपकरण से निकलने वाली पुटिकाओं से होता है।
- RBCs में लाइसोसोम नहीं पाया जाता है।
- राइबोसोम प्रोटीन व राइबोन्यूक्लिक एसिड (RNA) से बनी रचनाएँ होती हैं, जिन पर कोई झिल्ली नहीं पायी जाती है। **SSC Selection Post-2024**
- राइबोसोम प्रोटीन संश्लेषण में सहायक होते हैं इसीलिए इन्हें 'प्रोटीन की फैक्ट्री' (Factory of Protein) कहा जाता है।
- राइबोसोम, प्रोकेरियोटिक और यूकैरियोटिक दोनों प्रकार की कोशिकाओं में पाये जाने वाला एकमात्र कोशिकांग है। **SSC CPO-2024**
- यह सबसे छोटा कोशिकांग है जिसका निर्माण केंद्रिका (Nucleous) के द्वारा होता है।
- पादप कोशिका भित्ति सेल्यूलोज (Cellulose) की बनी होती है। यह कोशिका को निश्चित आकार एवं आकृति प्रदान करती है।
- जीवाणु की कोशिका भित्ति पेप्टिडोग्लाइकेन (Peptidoglycan) की बनी होती है।
- गॉल्जीकाय का मुख्य कार्य संवेष्टित (Packaging), संग्रहण (Storage), स्रावण (Secretion) करना है। गॉल्जीकाय को पौधों में डिक्ट्योसोम कहा जाता है। **SSC JE-2024**
- गॉल्जीकाय को हम कोशिका के अणुओं का यातायात प्रबंधक भी कहते हैं।
- गॉल्जीकाय, ग्लाइकोप्रोटीन और ग्लाइकोलिपिड्स के निर्माण का महत्वपूर्ण स्थल है।

- तारककाय (Centrosome) केवल जन्तु कोशिका में पाया जाता है, जिसके अन्दर एक या दो कण जैसी संरचना होती है, जिसे सेण्ट्रियोल कहते हैं।
- कोशिका झिल्ली (Cell Membrane) अर्द्धपारगम्य झिल्ली होती है, जिसका मुख्य कार्य कोशिका के अन्दर जाने वाले एवं अन्दर से बाहर आने वाले पदार्थों का निर्धारण करना है।
- कोशिका झिल्ली लिपिड (Lipid) और प्रोटीन (Protein) की बनी होती है। ये लिपिड फास्फोग्लिसराइड के बने होते हैं।
- लवक (Plastid) केवल पादप कोशिकाओं में पाये जाते हैं।
- लवक तीन प्रकार के होते हैं- (1) हरितलवक (Chloroplast) (2) अवर्णी लवक (Leucoplast) (3) वर्णी लवक (Chromoplast)
- हरितलवक हरे रंग का होता है क्योंकि इसमें पर्णहरित (Chlorophyll) पाया जाता है। यह प्रकाश-संश्लेषण द्वारा प्रकाशीय ऊर्जा को रासायनिक ऊर्जा में परिवर्तित करता है।
- हरितलवक को पादप कोशिका की रसोई घर भी कहते हैं।
- वर्णी लवक पौधों में पाए जाने वाले विभिन्न रंगों के लिए उत्तरदायी है; जैसे कच्चे टमाटर पकने पर लाल हो जाते हैं क्योंकि हरितलवक वर्णी लवकों में परिवर्तित हो जाते हैं।
- अवर्णी लवक रंगहीन लवक हैं। यह पौधों की उन कोशिकाओं में पाया जाता है जो सूर्य के प्रकाश से वंचित रहते हैं। ये पोषक तत्वों को संग्रहित करते हैं।
 - (i) **एमाइलोप्लास्ट** - यह लवक कार्बोहाइड्रेट को संग्रहित करता है। यह आलू और जड़ वाले पौधों में पाया जाता है। **DP Const.-2023**
 - (ii) **एलीयोप्लास्ट** - यह लवक वसा को संग्रहित करता है। यह तिल और सरसों के पौधों में पाया जाता है।
 - (iii) **प्रोटीनेप्लास्ट** - यह लवक प्रोटीन को संग्रहित करता है। यह दालों में पाया जाता है।
- कोशिकाद्रव्य में पाई जाने वाली चपटी नलिका सद्दृश रचनाएँ अंतः प्रद्रव्यी जालिका (Endoplasmic Reticulum) कहलाती है जो कोशिका में अंतः झिल्लिका तन्त्र बनाती है।
- ये दो प्रकार की होती हैं-
 1. चिकनी अंतः प्रद्रव्यी जालिका में राइबोसोम अनुपस्थित होने के कारण इनकी सतह चिकनी होती है। यह लिपिड तथा स्टीराइड संश्लेषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। **SSC Selection Post-2024**
 2. खुरदरी अंतः प्रद्रव्यी जालिका राइबोसोम की उपस्थिति के कारण इनकी सतह खुरदरी होती है। यह प्रोटीन संश्लेषण व स्रावण में सक्रिय भाग लेती है।

पादक और प्राणी कोशिका में अंतर

कोशिकांग	प्राणी कोशिका	पादप कोशिका
कोशिका झिल्ली	उपस्थित	उपस्थित
कोशिका भित्ति	अनुपस्थित	उपस्थित
केंद्रक	उपस्थित	उपस्थित
केंद्रक झिल्ली	उपस्थित	उपस्थित
कोशिका द्रव्य	उपस्थित	उपस्थित

प्लास्टिड	अनुपस्थित	उपस्थित
DP Const.-2023, SSC CPO-2024		
रिक्तिकाएँ	छोटी होती है।	बड़ी होती है

- कोशिका में अचल संपत्ति न्यूक्लिक अम्ल को कहा जाता है।
- केन्द्रक (Nucleus) कोशिका का सबसे प्रमुख अंग है। यह कोशिका के प्रबंधक के समान कार्य करता है।
- रॉबर्ट ब्राउन नामक वैज्ञानिक ने केन्द्रक की खोज की।
- गुणसूत्र (Chromosome), D.N.A. और क्षारीय हिस्टोन प्रोटीन का बना होता है जो केन्द्रक में उपस्थित रहता है। **CDS-II 2023**
- एक निश्चित संख्या में गुणसूत्र सभी यूकैरियोटिक कोशिकाओं में पाये जाते हैं।
- मनुष्य एकलिंगी प्राणी है, जिसमें गुणसूत्रों (Chromosomes) की कुल संख्या 23 जोड़ी (46) पाई जाती है।
- D.N.A. (Deoxy Ribonucleic Acid) अधिकांश मात्रा में केन्द्रक (Nucleus) में होता है।
- D.N.A. की कुछ मात्रा केन्द्रक के अतिरिक्त माइटोकॉण्ड्रिया (Mitochondria) तथा क्लोरोप्लास्ट (Chloroplast) में पायी जाती है।
- D.N.A. एक आनुवंशिक पदार्थ है जो माता-पिता के गुणों या लक्षणों को सन्तानों में पहुँचाने का कार्य करता है।
- इसमें डीऑक्सीराइबोस शर्करा होती है।
- इसमें बेस ऐडिनीन, ग्वानीन, थाइमीन तथा साइटोसीन होते हैं।
- D.N.A. द्विकुण्डलित संरचना है।
- R.N.A. (Ribo Nucleic Acid) केन्द्रक एवं कोशिकाद्रव्य दोनों में पाया जाता है।
- इसमें राइबोस शर्करा होती है।
- इसमें बेस थाइमीन की जगह यूरेसिल (Uracil) होता है।
- यह प्रोटीन संश्लेषण का कार्य करता है।
- R.N.A. एकल कुण्डलित संरचना है।
- 1855 ई. में सर्वप्रथम 'विरचाऊ' ने कोशिका विभाजन को देखा। कोशिका विभाजन दो प्रकार का होता है-

1. **समसूत्री विभाजन (Mitosis)**- यह जीवों में वृद्धि और ऊतकों की मरम्मत में सहायता करता है।

2. **अर्द्धसूत्री विभाजन (Meiosis)**- प्रजनन अंगों की कोशिकाओं में होता है।

समसूत्री विभाजन (Mitosis)	अर्द्धसूत्री विभाजन (Meiosis)
यह कार्यात्मक कोशिकाओं में होता है।	यह जनन कोशिकाओं में होता है।
SSC JE-2024	
गुणसूत्र विनिमय नहीं पाया जाता है।	गुणसूत्र विनिमय पाया जाता है।
इसमें गुणसूत्रों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं होता है।	इसमें संतति कोशिकाओं में गुणसूत्रों की संख्या जनकों से आधी रह जाती है।

- समसूत्री विभाजन की खोज वाल्थर फ्लेमिंग ने की थी।

SSC CHSL-2024

- बुढ़ापे के लिए Ageing Gene जिम्मेदार होता है।

त्वचा (Skin)

- त्वचा में मेलैनिन वर्णक (Melanin Pigment) उपस्थित रहता है, जो इसे सामान्य रंग प्रदान करता है।
- मेलैनिन की अनुपस्थिति में त्वचा सफेद दिखाई देती है, इसे रंजकहीनता (Albinism) कहा जाता है।
- यह त्वचा को UV किरणों से बचाता है।

मानव शरीर के तंत्र (System of Human Body)

मानव पाचन तंत्र (Human Digestive System)

- मनुष्य में भोजन का पाचन मुखगुहा से प्रारम्भ होता है और यह छोटी आंत तक जारी रहता है।
- मनुष्य में तीन जोड़ी लार ग्रंथियाँ पाई जाती हैं।
- मेढक और व्हेल मछली में लार ग्रंथियाँ नहीं पाई जाती हैं।
- लार में टायलिन या एमाइलेज नामक एन्जाइम पाया जाता है जो भोजन में उपस्थित मण्ड (Starch) को माल्टोज में अपघटित कर देता है।
- भोजन का लगभग 30% मण्ड का पाचन मुखगुहा में हो जाता है।
- लार में उपस्थित लाइसोजाइम नामक एन्जाइम भोजन के साथ आये हानिकारक जीवाणुओं को नष्ट कर देता है।
- लार और अश्रु में लाइसोजाइम नाम प्रतिजीवाणुक एंजाइम विद्यमान होता है।

CDS-2024

- मनुष्य में 4 प्रकार के दाँत पाए जाते हैं- कृतक (Incisors), रदनक (Canine), अग्र चवर्णक (Pre molars) एवं चवर्णक (Molars)
- मनुष्य के दाँतों को द्विबारदंती, विषमदंती और गर्तदंती कहते हैं।
- **कृतक (Incisors)**- भोजन को काटना
- **रदनक (Canine)** - भोजन को फाड़ने के लिए
- **अग्रचवर्णक (Pre molars) और चवर्णक (Molars)** - भोजन को पीसना
- इन्मैल दाँत की ऊपरी परत होती है। यह मानव शरीर का कठोरतम भाग होता है जोकि कैल्शियम फॉस्फेट का बना होता है।

- मुँह में उपस्थित बैक्टीरिया भोजन के पश्चात् मुँह में अवशिष्ट भोजन कणों के साथ दंत प्लाक का निर्माण करते हैं। **SSC CPO-2024**

- व्यस्क मनुष्य का दंत सूत्र 2123/2123 होता है, वहीं दूध के दाँत (बच्चों) का दंत सूत्र 2102/2102 होता है।

- ग्रासनली (Oesophagus) क्रमाकुंचन (Peristalsis) द्वारा भोजन को मुख से आमाशय में भेजती है। ग्रासनली में कोई पाचन क्रिया नहीं होती है।
- आमाशय में उपस्थित 'जठर ग्रंथियाँ' जठर रस का स्रावण करती हैं जो अम्लीय और हल्के पीले रंग का होता है।

SSC Selection Post-2024

- जठर ग्रंथियों में मुख्य रूप से तीन प्रकार की कोशिका होती हैं-
(i) म्यूकस का स्राव करने वाली श्लेषमा ग्रीवा कोशिका।
(ii) पेप्टिक अथवा मुख्य कोशिका जो पेप्टिनोजेन का स्राव करती है।

(iii) ऑक्सिडिक कोशिका जो हाइड्रोक्लोरिक अम्ल (HCl) एवं नैज कारक स्रावित करती हैं।

- नैज कारक विटामिन-B₁₂ के अवशोषण के लिए आवश्यक है।
- पैंसिनोजेन हाइड्रोक्लोरिक अम्ल के संपर्क में आने से सक्रिय एंजाइम पैंसिन में परिवर्तित हो जाता है, जो प्रोटीन के पाचन में सहायक है।
- हाइड्रोक्लोरिक अम्ल (HCl) का pH मान 1.8 होता है जो भोजन के साथ आये जीवाणुओं को नष्ट करने के साथ-साथ आमाशय में उचित अम्लीय माध्यम तैयार करता है।
- म्युकस, हाइड्रोक्लोरिक अम्ल (HCl) से आमाशय की रक्षा करता है।
- रेनिन दूध में उपस्थित केसीनोजेन प्रोटीन को केसीन में बदल देता है, मुख्यतः शिशुओं में।
- प्रोटीन का पाचन आमाशय से शुरू होता है।
- पित्त रस (Bile Juice) गाढ़े हरे पीले रंग का क्षारीय द्रव होता है।
- यह भोजन के माध्यम को क्षारीय कर देता है, जिससे अग्नाशयी रस क्रिया कर सके।
- पित्त रस यकृत द्वारा स्रावित होता है जो पित्ताशय में संचित रहता है। इसमें कोई भी एंजाइम नहीं पाया जाता है।
- यह वसा का इमल्सीकरण करता है और उसे बहुत छोटे मिसेल कणों में तोड़ता है।
- यह लाइपेज एंजाइम को भी सक्रिय करता है।
- यह विटामिन K एवं वसा में घुले अन्य विटामिनों के अवशोषण में सहायक होता है।
- इसका pH मान 7.8-8.6 होता है।

अग्नाशय रस (Pancreatic Juice)

- अग्नाशय मानव शरीर की दूसरी सबसे बड़ी ग्रन्थि है। यह बहिःस्रावी और अंतःस्रावी दोनों प्रकार की ग्रन्थियों की तरह कार्य करती है।
- इससे अग्नाशयी रस निकलता है। अग्नाशय रस हल्का क्षारीय होता है, जिसका pH मान 7.5-8.4 होता है जो अग्नाशय कोशिकाओं द्वारा स्रावित होता है।
- इसे पूर्ण पाचक रस (Complete Digestive Juice) कहा जाता है क्योंकि इसमें कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीन आदि को पचाने के लिए एंजाइम होते हैं।
- इसमें एमाइलेज, ट्रिप्सिन, काइमोट्रिप्सिन, कार्बोक्सीपेप्टिडेस, लाइपेज आदि एंजाइम पाए जाते हैं।
- अग्नाशय में तीन प्रकार के एंजाइम होते हैं-
 1. ट्रिप्सिन (Trypsin) - यह प्रोटीन एवं पेप्टोन को पॉलीपेप्टाइड्स तथा अमीनो अम्ल में परिवर्तित करता है।
 2. एमाइलेज (Amylase) मण्ड (Starch) को घुलनशील शर्करा में परिवर्तित करता है।
 3. लाइपेज (Lipase) - यह इमल्सीफाइड वसा को ग्लिसरीन तथा फैटी एसिड में परिवर्तित करता है।
- आंत्र रस हल्के पीले रंग का हल्का क्षारीय द्रव होता है। इसका pH मान 7.5-8.5 होता है।
- आंत्र रस में उपस्थित एंजाइम लैक्टेज, सुक्रेज, माल्टेज, इरेप्सिन हैं।

- डाइपेप्टाइड $\xrightarrow{\text{डाइपेप्टिडेज}}$ एमीनो अम्ल
- माल्टोज $\xrightarrow{\text{माल्टेज}}$ ग्लूकोज + ग्लूकोज
- लैक्टोज $\xrightarrow{\text{लैक्टेज}}$ ग्लूकोज + गैलेक्टोज
- सुक्रेज $\xrightarrow{\text{सुक्रेज}}$ ग्लूकोज + फ्रक्टोज
- डाइ व मोनोग्लिसराइड $\xrightarrow{\text{लाइपेज}}$ वसीय अम्ल + ग्लेसेरोल

यकृत (Liver)

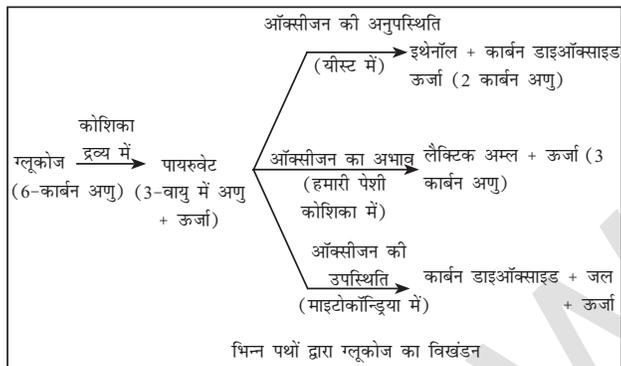
- यकृत (Liver) मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रन्थि है।
- यकृत द्वारा ही पित्त रस स्रावित होता है आँत में उपस्थित एंजाइम की क्रिया को तीव्र कर देता है। **SSC JE-2024**
- यह अमोनिया को यूरिया में परिवर्तित करता है।
- ग्लूकोज, ग्लाइकोजन के रूप में यकृत में संग्रहित किया जाता है।
- यकृत द्वारा हिपेरिन नामक प्रोटीन का उत्पादन होता है जो शरीर के अन्दर रक्त को जमने (थक्का) से रोकता है।
- यकृत द्वारा फाइब्रिनोजेन नामक प्रोटीन का उत्पादन होता है जो रक्त का थक्का बनने में मदद करता है।
- छोटी आंत तीन भागों में विभाजित होती है-
 - (a) ग्रहणी (Duodenum) (b) अग्रक्षुद्रांत्र (Jejunum) (c) दूरस्थ क्षुद्रांत्र (Ileum)
- ग्रहणी C आकार की होती है इसमें अग्नाशय रस और पित्त रस आकर मिलते हैं।
- बड़ी आंत तीन भागों में विभाजित होती है-
 - (a) सीकम (Caecum), (b) बृहद्रांत (Colon) तथा मलाशय (Rectum)
- मानव शरीर में पाचन (Digestion) का अधिकांश भाग छोटी आंत में होता है।
- आहारनाल के आरंभिक बिंदु से अंतिम बिंदु तक के भागों का क्रम मुख गुहिका → ग्रासनली → अमाशय → छोटी आँत → बड़ी आँत → मलाशय → गुदा **SSC JE-2024**
- एंजाइम प्रोटीन के बने होते हैं जो जैविक उत्प्रेरक का कार्य करते हैं।

एंजाइम	कार्य
लाइपेज	वसा का पाचन
SSC JE-2024	
एमाइलेज या टायलिन	स्टार्च का पाचन
पेप्सिन/ट्रिप्सिन/काइमोट्रिप्सिन	प्रोटीन का पाचन
SSC CHSL-2024	

श्वसन तंत्र (Respiratory System)

- श्वसन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसमें ऊर्जा का उत्पादन होता है।
- अन्दर ली गई वायु में नाइट्रोजन 78.09%, ऑक्सीजन 21% तथा कार्बन डाइऑक्साइड 0.03% होती है।
- बाहर निकाली गई वायु में नाइट्रोजन 78.09%, ऑक्सीजन 17% तथा कार्बन डाइऑक्साइड 4% होती है। **SSC CHSL-2023**
- गैसों का परिवहन (O₂ एवं CO₂) फेफड़ों से शरीर के अन्य अंगों तक

- पहुँचना तथा फेफड़ों तक वापस आने की क्रिया के द्वारा होता है।
- ऑक्सीजन का परिवहन रुधिर में पाये जाने वाले हीमोग्लोबिन के द्वारा होता है।
- गैसों का विनिमय फेफड़ों के अन्दर होता है।
- लगभग 97% O₂ का परिवहन रक्त में RBCs द्वारा और शेष 3% O₂ का परिवहन प्लाज्मा द्वारा होता है।
- CO₂ का परिवहन 20-25% RBCs द्वारा और प्लाज्मा के द्वारा 7% तथा बाइकार्बोनेट के रूप में 70% तक होता है।
- जो श्वसन ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में होता है, उसे अनॉक्सी श्वसन कहते हैं।
- अनॉक्सी श्वसन में पायरुवेट अम्ल बनता है।



नोट: शरीर में दर्द एवं थकान का कारण लैक्टिक अम्ल होता है।

- ग्लाइकोलिसिस की प्रक्रिया कोशिका के कोशिका द्रव्य में होती है।
- ग्लूकोज (C₆H₁₂O₆) के एक अणु से पायरुवेट अम्ल (C₃H₆O₃) के दो अणु बनते हैं।
- पायरुवेट अम्ल का निर्माण ग्लाइकोलिसिस क्रिया में होता है।
- ऑक्सी श्वसन ऑक्सीजन की उपस्थिति में होता है।
- कोशिकीय श्वसन में होने वाली जटिल प्रक्रिया को दो भागों में बाँटा गया है-
 - ग्लाइकोलिसिस (Glycolysis) का अध्ययन सर्वप्रथम एम्बेडन, मेयरहॉफ, पारसन ने किया था, इसलिए इसे EMP पथ भी कहते हैं। इसको अनॉक्सी श्वसन या शर्करा किण्वन भी कहा जाता है। इसमें ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में ऊर्जा मुक्त होती है।
 - क्रेब्स चक्र का अध्ययन सर्वप्रथम 1937 ई. में हेन्स एडॉल्फ क्रेब ने किया। इसको साइट्रिक अम्ल चक्र या ट्राइकार्बोक्सिलिक चक्र भी कहा जाता है।
- यह माइटोकॉण्ड्रिया के अन्दर विशेष एन्जाइम की उपस्थिति में ही सम्पन्न होता है।
- कार्बोहाइड्रेट, वसा एवं प्रोटीन प्रमुख श्वसनी पदार्थ हैं। पहले कार्बोहाइड्रेट का श्वसन होता है। इसके बाद वसा का कार्बोहाइड्रेट एवं वसा का भंडार समाप्त होने के बाद ही प्रोटीन का श्वसन होता है।
- अस्थमा, श्वसनी शोथ, न्यूमोनिया, वातस्फीति या एम्फाइसिमा व्यावसायिक श्वसन रोग, COPD (Chronic Obstructive Pulmonary Disease) श्वसन से संबन्धित विकार हैं।

- जैसे-जैसे हम ऊँचाई पर जाते हैं ऑक्सीजन की कमी हो जाती है, जिसे हाइपोक्सिया कहा जाता है।

प्राणियों के विभिन्न वर्गों के मध्य श्वसन क्रियाविधि

श्वसन अंग	उदाहरण
शरीर की सतह	स्पंज, सीलेन्टरेट, चपटे कृमि
आर्द्र त्वचा	केंचुआ, मेंढक
गिल्स	जलीय आर्थोपोड, मोलस्क, मछली
श्वसन नलिकाएँ (ट्रेकिया)	कीट
फेफड़े	सरीसृप, पक्षी, स्तनधारी

परिसंचरण तंत्र (Circulatory System)

- विलियम हार्वे (William Harvey) ने 1628 ई. में रक्त परिसंचरण की खोज की थी।
- रक्त परिसंचरण के चार भाग हैं- 1. हृदय (Heart) 2. धमनियाँ (Arteries) 3. शिराएँ (Veins) 4. रुधिर (Blood)

हृदय

- हृदय एक पेशीय संरचना है जो केन्द्रीय पम्पिंग अंग की तरह कार्य करता है। यह पेरीकार्डियम नामक आवरण में सुरक्षित रहता है।
- मनुष्य का हृदय चार कोष्ठकों में विभाजित रहता है-
 - दायाँ आलिंद (Right Auricle),
 - बायाँ आलिंद (Left Auricle)
 - दायाँ निलय (Right Ventricle)
 - बायाँ निलय (Left Ventricle)
- दायें आलिंद (Right Auricle) एवं दायें निलय (Right Ventricle) के बीच त्रिवलनी कपाट (Tricuspid Valve) होता है।
- बायें आलिंद (Left auricle) एवं बायें निलय (Left Ventricle) के बीच द्विवलनी कपाट (Bicuspid Valve) होता है।
- हृदय से शरीर के अन्य भागों तक ऑक्सीजन युक्त (शुद्ध) रक्त धमनियों द्वारा पहुँचता है।
- एक स्वस्थ मनुष्य का हृदय एक मिनट में लगभग 72 बार धड़कता है।
- पल्मोनरी धमनी में अशुद्ध रक्त होता है। यह धमनी अशुद्ध रक्त को दायें निलय से फेफड़ों में पहुँचाती है।
- शरीर के अन्य भागों से हृदय तक ऑक्सीजन रहित (अशुद्ध) रक्त शिराओं द्वारा लाया जाता है।
- पल्मोनरी शिरा में शुद्ध रक्त होता है। यह शिरा शुद्ध रक्त को फेफड़ों से बायें आलिंद में पहुँचाती है।
- डायाफ्राम के ऊपर के हिस्से (सिर, गर्दन) का अशुद्ध रक्त हृदय तक सुपीरियर वेना कावा द्वारा और डायाफ्राम से नीचे के हिस्से का अशुद्ध रक्त हृदय तक इंफीरियर वेना कावा द्वारा पहुँचता है।
- कोरोनरी धमनी हृदय की मांसपेशियों को रुधिर पहुँचाती है।
- हृदय की धड़कन को साइनो-ऑरिकुलर नोड (S.A. Node) शुरू करता है इसे हृदय का पेसमेकर कहा जाता है यह दायें आलिंद के शीर्ष पर स्थित होता है।
- सामान्य मनुष्य का रक्तदाब 120/80 mmhg होता है।
- रक्तदाब, स्फिग्मोमैट्रोमीटर द्वारा मापा जाता है।

- एड्रिनेलिन और थायरोक्सिन हृदय की धड़कन को नियंत्रित करने वाले हॉर्मोन हैं।
- सीएडी (कोनोरी धमनी), पेरिकार्डियल और एंजाइना हृदय संबंधी रोग हैं।

SSC JE-2024

धमनी (Artery)	शिरा (Vein)
धमनियों में रुधिर हृदय से अंगों की ओर प्रवाहित होता है।	शिराओं में रुधिर अंगों से हृदय की ओर प्रवाहित होता है।
इनका रंग गुलाबी या चटक लाल होता है।	ये गहरे लाल या नीले बैंगनी रंग की होती हैं।
इनकी भित्तियाँ अत्यधिक मोटी तथा लचीली होती हैं।	इनकी भित्तियाँ पतली एवं कम लचीली होती हैं।
इनमें कपाट (Valve) अनुपस्थित होते हैं।	इनमें उपस्थित कपाट रक्त को विपरीत दिशा में प्रवाहित होने से रोकते हैं।
इनकी आन्तरिक गुहा संकरी होती हैं।	इनकी आन्तरिक गुहा चौड़ी होती है।
ये खाली होने पर भी नहीं चिपकती हैं।	ये खाली होने पर चिपक जाती हैं।
हृदय की धड़कनों के कारण इसमें रुधिर रुक-रुककर अधिक दबाव के साथ प्रवाहित होता है।	शिराओं में रुधिर के बहाव की गति धीमी व एकसमान रहती है।
ये प्रायः त्वचा से दूर गहराई में स्थित होती हैं।	ये प्रायः त्वचा के समीप स्थित होती हैं।

रक्त

- रक्त एक तरल संयोजी ऊतक है।
- रक्त का माध्यम हल्का क्षारीय होता है। इसका pH मान 7.4 होता है। सोडियम बाइकार्बोनेट के द्वारा रक्त का pH नियंत्रित होता है।
- रक्त प्लाज्मा (Plasma) और रुधिराणु (Blood Corpuscles) से मिलकर बना होता है।
- प्लाज्मा रक्त का तरल भाग है जो रक्त का 55% भाग बनाता है।
- प्लाज्मा में 90-92% जल तथा 6-8% प्रोटीन पदार्थ होते हैं। फाइब्रिनोजन, ग्लोबुलिन और एल्बुमिन प्लाज्मा में विद्यमान मुख्य प्रोटीन हैं।
- यदि प्लाज्मा से स्कंदन कारकों को निकाल दिया जाए तो प्लाज्मा को सीरम कहते हैं।
- रक्त प्लाज्मा का परासरण दाब नियंत्रित करती है।
- रक्त का थक्का फाइब्रिनोजन प्रोटीन के कारण बनता है।
- रक्त कणिकाएँ/कोशिकायें तीन प्रकार की होती हैं-
 - (a) लाल रक्त कणिकाएँ (R.B.C. or Erythrocytes)
 - (b) श्वेत रक्त कणिकाएँ (W.B.C. or Leucocytes)
 - (c) रक्त प्लेटलेट्स (Thrombocytes or Blood Platelets)

(a) लाल रक्त कणिकाएँ

- इनमें केन्द्रक नहीं होता है। (अपवाद - लामा और ऊँट की RBCs में केन्द्रक पाया जाता है)
- एक स्वस्थ मनुष्य में ये कणिकाएँ लगभग 5-5.5 मिलियन प्रतिघन मिमी. होती हैं।

- इनका लाल रंग हीमोग्लोबिन की उपस्थिति के कारण होता है।
 - रक्त में ऑक्सीजन का परिवहन 'हीमोग्लोबिन' द्वारा किया जाता है।
 - इनकी औसत आयु 120 दिन होती है।
 - इनका निर्माण अस्थिमज्जा (Bone marrow) में होता है।
 - इनका विनाश प्लीहा (spleen) में होता है इसलिए प्लीहा को RBCs का कब्रिस्तान कहते हैं।
 - सिकल सेल एनीमिया (Sickle Cell Anemia), थैलेसीमिया (Thalassemia), रक्त से संबंधित बीमारी हैं।
 - RBC की संख्या में अनियमित वृद्धि पॉलिसाइथीमिया और संख्या में कमी इरिथ्रोसाइटोपेनिया कहलाती है।
- (b) श्वेत रक्त कणिकाएँ
- WBC में हीमोग्लोबिन का अभाव होता है।
 - इनमें केन्द्रक पाया जाता है।
 - इनका निर्माण अस्थि मज्जा (Bone marrow) में होता है।
 - इनका विनाश रक्त में हो जाता है।
 - इनको दो भागों में- ग्रेन्युलोसाइट और एग्नेन्युलोसाइट में बाटा गया है।
 - इनकी संख्या औसतन 6000-8000 प्रति घन मिमी. रक्त होती है।
 - ये अमीबा के समान अपना आकार परिवर्तित कर सकती हैं।

ग्रेन्युलोसाइट			
	न्यूट्रोफिल्स	बेसोफिल	इओसिनोफिल
संख्या	60-65%	0.5-1%	2-3%
केन्द्रक	बहुपालिक	त्रिपालिक (S-के आकार की)	द्विपालिक
कार्य	हानिकारक जीवाणुओं का भक्षण	हेपरिन, हिक्टाटामिन तथा सिरोटोनिन का स्राव करना	संक्रमण से बचाव करती है और एलर्जी प्रतिक्रिया में शामिल रहती हैं।

एग्नेन्युलोसाइट		
	लिंफोसाइट	मोनोसाइट
संख्या	20-25%	6-8%
केन्द्रक	बड़ी गोलीय	बीन आकृति
कार्य	यह दो प्रकार की होती है B और T-लिंफोसाइट ये शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती हैं।	हानिकारक जीवाणुओं का भक्षण

- AIDS वायरस T-लिम्फोसाइट्स को नष्ट कर देता है, जिससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है इसलिए शरीर रोगों का मुकाबला नहीं कर पाता है।
- WBC (श्वेत रक्त कणिकाएँ) रक्त कोशिकाओं में सबसे बड़ी होती हैं।
- सबसे छोटी WBC लिम्फोसाइट्स है जो जीवाणुभक्षी नहीं होती है।
- वयस्क मनुष्य में 5-6 लीटर रक्त होता है।
- रुधिर में श्वेत रक्त कणिकाओं की मात्रा अधिक होने से ल्यूकेमिया अर्थात् कैंसर हो जाता है।

- कार्ल लैण्डस्टीनर ने सर्वप्रथम A, B और O रक्त समूहों की खोज सन 1900 में की। सन् 1902 में डेकास्टेलो एवं स्ट्रूली द्वारा AB रक्त समूह को खोजा गया।
- Rh कारक की खोज लैण्डस्टीनर एवं वीनर द्वारा रीसस बन्दर में की गई।

रुधिर (Blood)	लसीका (Lymph)
यह गहरे लाल रंग का तरल संयोजी ऊतक है।	यह छना हुआ रुधिर एवं रंगहीन ऊतक है।
रुधिर में लाल रक्त कणिकाएँ (RBCs) उपस्थित होती हैं।	लसीका में लाल रक्त कणिकाएँ (RBC) अनुपस्थित होती हैं।
इसमें प्रोटीन्स की मात्रा एवं न्यूट्रोफिल की संख्या अधिक होती है।	प्रोटीन्स की मात्रा कम एवं लिम्फोसाइट्स की संख्या सर्वाधिक होती है।

उत्सर्जन तंत्र (Excretory System)

- जिस प्रक्रिया के द्वारा नाइट्रोजनी, अपशिष्ट पदार्थ शरीर से बाहर निकलते हैं, उसे उत्सर्जन (Excretion) कहते हैं, जैसे- यूरिया, अमोनिया, यूरिक अम्ल आदि।
- वृक्क (Kidney) मनुष्य का मुख्य उत्सर्जी अंग है और त्वचा, फेफड़े और यकृत सहायक उत्सर्जी अंग हैं।
- वृक्क, मानव शरीर के दोनों ओर स्थित होते हैं। **SSC CPO-2019**
- मनुष्य के प्रत्येक वृक्क में लगभग 10 लाख लम्बी महीन कुण्डलित नलिकाकार संरचनाएँ पायी जाती हैं, जिन्हें नेफ्रॉन कहते हैं।
- नेफ्रॉन (वृक्काणु) वृक्क की क्रियात्मक इकाई (Functional Unit of Kidney) है। **SSC CGL-2024**
- मनुष्य के शरीर में रक्त का शुद्धिकरण वृक्क द्वारा किया जाता है यह प्रक्रिया डायलिसिस (Dialysis) कहलाती है।
- यूरोक्रोम (Urochrome) वर्णक की उपस्थिति के कारण मूत्र का रंग हल्का पीला होता है।
- यूरोक्रोम हीमोग्लोबिन के विघटन से बनता है।
- मूत्र अम्लीय होता है, जिसका pH मान 6 होता है।
- कैल्शियम ऑक्सलेट (Calcium Oxalate) से वृक्क (Kidney) में पथरी का निर्माण होता है।
- पसीने का स्रावण त्वचा में पायी जाने वाली तैलीय एवं स्वेद ग्रंथियों के कारण होता है।
- यूरिया रक्त से अतिसूक्ष्म निस्पंदन (Ultrafiltration) क्रिया द्वारा पृथक होता है।
- डायलिसिस क्रिया वृक्क से संबंधित है। इसका उपयोग उस समय किया जाता है जब दोनों वृक्क अपना कार्य करना बंद कर देते हैं। डायलिसिस क्रिया के अन्तर्गत घुलनशील पदार्थ का अर्द्धपारगम्य झिल्ली द्वारा आर-पार होना विसरण सिद्धान्त के अनुसार कार्य करता है।

तंत्रिका तंत्र (Nervous System)

- मानव शरीर में सभी अंगों के कार्यों का नियंत्रण, संचालन तंत्रिका तंत्र द्वारा किया जाता है।
- तंत्रिका तंत्र (Nervous System) के अध्ययन को तंत्रिका विज्ञान अथवा न्यूरोलॉजी (Neurology) कहा जाता है।

- तंत्रिका तंत्र के तीन मुख्य भाग होते हैं- (i) केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र (Central Nervous System) (ii) परिधीय तंत्रिका तंत्र (Peripheral Nervous System) (iii) स्वायत्त तंत्रिका तंत्र (Autonomous Nervous System)
- केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र का न्यूरोन्स से संबंध होता है।
- मस्तिष्क (Brain) और मेरुरज्जू (Spinal Cord) केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र के भाग हैं।
- मस्तिष्क अस्थियों के खोल क्रेनियम में बंद रहता है, जो इसकी बाहरी आघातों से रक्षा करता है।
- मनुष्य के मस्तिष्क का भार 1400 ग्राम होता है।
- न्यूरोन्स तंत्रिका तंत्र की संरचनात्मक तथा क्रियात्मक इकाई है।
- मस्तिष्क को तीन मुख्य भागों में बाँटा गया है- (i) अग्र मस्तिष्क (ii) मध्य मस्तिष्क (iii) पश्च मस्तिष्क
- अग्र मस्तिष्क सेरिब्रम, थैलेमस एवं हाइपोथैलेमस से मिलकर बना होता है।
- सेरिब्रम (Cerebrum) मस्तिष्क का सबसे विकसित भाग है। यह ज्ञानवाणी, बुद्धिमत्ता, स्मृति, ऐच्छिक गतिविधियों, इच्छा शक्ति का केन्द्र है।
- हाइपोथैलेमस (Hypothalamus) का कार्य ताप का नियंत्रण, प्यार, घृणा, भूख, प्यास, गुस्सा, पसीना, खुशी आदि इसी के नियंत्रण में है।
- थैलेमस (Thalamus) का कार्य ठण्डा, गरम, दर्द आदि को पहचानना है।
- मध्य मस्तिष्क अग्र मस्तिष्क के थैलेमस और हाइपोथैलेमस के मध्य में स्थित होता है।
- पश्च मस्तिष्क पोंस, अनुमस्तिष्क (सेरीबेलम) एवं मेड्यूला आब्लॉंगेटा से मिलकर बना होता है।
- पोंस श्वसन क्रिया को नियमित करता है।
- सेरीबेलम चलन, शारीरिक स्थिति और संतुलन से संबंधित होता है।
- मेड्यूला आब्लॉंगेटा (Medulla Oblongata) के द्वारा हृदय का धड़कना, आहारनाल की क्रमाकुंचन गति, श्वसन, पाचन आदि पर नियंत्रण करना है।
- कोमा, इनसिफेलाइटिस, गेनिन्जाइटिस, मिर्गी, सेरिब्रल पॉल्सी, सिरदर्द आदि मस्तिष्क से संबंधित रोग है।
- मेरुरज्जू प्रतिवर्ती क्रियाओं को नियंत्रित करता है।
- यह मस्तिष्क से आने-जाने वाले उद्दीपनों का संवहन करता है।
- परिधीय तंत्रिका तंत्र मस्तिष्क और मेरुरज्जू से निकलने वाली तंत्रिकाओं से बना होता है।
- मानव में 12 जोड़ी कपाल तंत्रिकाएँ एवं 31 जोड़ी मेरुरज्जू तंत्रिकाएँ पायी जाती हैं।
- स्वायत्त तंत्रिका तंत्र के दो भाग होते हैं- (i) अनुकम्पी तंत्र (ii) परानुकम्पी तंत्र

अनुकम्पी तंत्र	परानुकम्पी तंत्र
हृदय गति को तीव्र करता है।	हृदय गति को धीमा करता है।
श्वसन दर को तीव्र करता है।	श्वसन दर को धीमा करता है।
आँख की पुतली को फैलाता है।	आँख की पुतली को सकुचित करता है।
यह क्रमाकुंचन गति को धीमा करता है।	क्रमाकुंचन गति को सामान्य करता है।

यह तनावपूर्ण एवं अपातकालीन परिस्थितियों में सक्रिय होता है। यह सामान्य एवं आरामदायक परिस्थितियों में सक्रिय होता है।

मानव कंकाल (Human Skeleton)

- हड्डियों के अध्ययन को **ऑस्टियोलॉजी** (Oestcology) कहा जाता है।
- अस्थि (Bones) एक जीवित ऊतक है जो कंकाल तंत्र के मुख्य भाग का निर्माण करती है।
- वयस्क मनुष्य में 206 हड्डियाँ पायी जाती हैं।
- मानव खोपड़ी में 22 हड्डियाँ होती हैं खोपड़ी और उससे जुड़ी हड्डियाँ मिलकर 29 हड्डियाँ होती हैं। जिनमें से 8 मस्तिष्क के चारों ओर का खोल अर्थात् कपाल (Cranium) बनाती है। शेष 6 कर्ण अस्थियाँ होती हैं। शेष 14 हड्डियाँ चेहरे का कंकाल बनाती है और हॉयड नामक अस्थि मुख गुहा में स्थित होती है।
- कशेरुक दण्ड (Vertebral Column) मनुष्य के चलने-फिरने आदि में मदद करता है।
- कशेरुक दण्ड में एक-दूसरे से जुड़ी 26 (शिशुओं में 33) छोटी-छोटी हड्डियाँ होती हैं, जिन्हें कशेरुकाएँ (Vertebrae) कहा जाता है।
- अस्थि से अस्थि स्नायु (लिगामेंट) द्वारा जुड़ी होती हैं।
- मांसपेशियाँ अस्थियों से टेण्डन द्वारा जुड़ी होती हैं।
- जाँघ की हड्डी, फीमर शरीर की सबसे बड़ी हड्डी होती है।
- कान की हड्डी, स्टेपीज (Stapes) शरीर की सबसे छोटी हड्डी होती है।
- कैल्शियम फॉस्फेट, अस्थियों का महत्वपूर्ण अव्यव है यह अस्थियों में सर्वाधिक पाया जाता है।
- विटामिन-D से अस्थियों में सामान्य वृद्धि होती है क्योंकि यह कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ा देता है।
- विटामिन-D की कमी से वयस्कों में आस्टियोमलेसिया एवं बच्चों में रिकेट्स (Ricketes) हो जाता है।
- गठिया रोग, संधि शोथ (Arthritis), अस्थि सुषिरता (Osteoporosis), आर्थ्रोप्लास्टी (Arthroplasty), टेटनी मानव कंकाल से संबंधित रोग है।
- गठिया रोग शरीर की अस्थियों के जोड़ों से संबंधित रोग है। यूरिक अम्ल (Uric Acid) का स्तर बढ़ जाने के कारण गठिया रोग होता है।
- संधि शोथ (Arthritis) जोड़ (Joints) से संबंधित एक रोग है।
- अस्थिसुषिरता (Osteoporosis) इसमें अस्थि के मैट्रिक्स से खनिज और रेशे समाप्त हो जाते हैं।
- मनुष्य में पसलियों (Ribs) की संख्या 12 जोड़ी अर्थात् 24 होती है।
- स्टर्नम या उरोस्थि वक्ष के मध्य में स्थित एक चपटी अस्थि है।
- नाखून बाह्य कंकाल के अंतर्गत आता है जोकि केरैटिन प्रोटीन के बने होते हैं।
- मनुष्य के शरीर में पाये जाने वाले मुख्य तत्व ऑक्सीजन, कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, कैल्शियम तथा फास्फोरस है।
- कैल्शियम, फॉस्फोरस और फ्लोरीन अस्थि एवं दंत निर्माण तथा इनकी मजबूती के लिए आवश्यक है।

क्र.सं.

1.	मनुष्य के शरीर में कुल हड्डियों की संख्या	206
2.	बाल्यावस्था में कुल हड्डियों की संख्या	300

3.	रीढ़ की कुल हड्डियों की संख्या (प्रारम्भ में)	33
4.	सिर की कुल हड्डियों की संख्या	29
5.	कपाल की कुल हड्डियाँ	8
6.	कर्ण की कुल हड्डियाँ	6
7.	रीढ़ की कुल हड्डियों की संख्या (विकसित होने पर)	26
8.	फेसियल की कुल हड्डियाँ	14
9.	पसलियों की कुल हड्डियों की संख्या	24

कशेरुकदण्ड के भाग

क्र.सं.		
1.	गर्दन (Cervical)	7
2.	वक्ष (Thoracic)	12
3.	कटि (Lumber)	5
4.	त्रिक (Sacral)	1
5.	पुच्छ (Coccygeal)	1

- कुछ विशेष स्थानों की अस्थियों के नाम एवं संख्या

क्र.सं.	स्थान	अस्थियों के नाम	संख्या
1.	कर्ण अस्थियाँ	मैलियस	2
		इन्कस	2
		स्टैप	2
2.	ऊपरी बाहु	ह्यूमरस	2
3.	अग्रबाहु	रेडियस और अल्ना	4
4.	कलाई	कार्पल्स	16
5.	हथेली	मेटा कार्पल्स	10
6.	अंगुलियाँ	फैलेन्सेज	28
7.	जाँघ	फीमर	2
8.	पिंडली	टिबिया फिबुला	4
9.	घुटना	पटेला	2
10.	टखना	टार्सल	14
11.	तलवा	मेटा टार्सल	10

संधियाँ या जोड़

जोड़ का प्रकार	विवरण (गति)	उदाहरण
1. रेशीय जोड़ (Fibrous Joints)	हड्डियाँ स्थिर रहती हैं और गति नहीं होने देती।	खोपड़ी की हड्डियाँ
2. उपास्थि युक्त जोड़ (Cartilaginous Joints)	इन जोड़ों में सीमित गति होती है।	कशेरुकदंड
3. साइनोवियल जोड़ (Synovial Joints)	-	कंधा, कूल्हा
(i) बॉल और सॉकेट जोड़ (Ball and Socket Joint)		
(ii) हिंज जोड़ (Hinge Joint)	केवल एक दिशा में गति	घुटना, कोहनी

(iii) पाइवट (धुराग्र) जोड़ (Pivot Joint)	-	गर्दन (एटलस और अक्ष के बीच)
(iv) विसर्पी जोड़ (Gliding Joint)	-	कलाई, टखना
(v) सैडल जोड़ (Saddle Joint)	-	अंगूठा के

अन्तः स्रावी तंत्र (Endocrine System)

- अंतःस्रावी विज्ञान (Endocrinology) के जनक थॉमस एडिसन है।
- अंतःस्रावी तंत्र से संबंधित सर्वप्रथम ज्ञात रोग एडिसन रोग है जो एड्रीनल ग्रंथि से संबंधित है।
- बहिःस्रावी ग्रंथियाँ (Exocrine Glands) नलिकायुक्त ग्रंथियाँ (Duct Glands) होती हैं। इनसे एंजाइम (Enzyme) का स्रावण होता है।
जैसे- दुग्ध ग्रंथि, स्वेद ग्रंथि, अश्रु ग्रंथि, लार ग्रंथि आदि।
- अंतःस्रावी ग्रंथियाँ (Endocrine Glands) नलिकाविहीन (Ductless) ग्रंथि होती हैं। इनसे हॉर्मोन का स्रावण होता है, **जैसे-** पीयूष ग्रंथि, थाइरॉइड ग्रंथि (Thyroid Gland) आदि।
- पीयूष ग्रंथि मस्तिष्क के हाइपोथैलेमस भाग में स्थित है।
- पीयूष ग्रंथि मानव शरीर की सबसे छोटी अंतःस्रावी ग्रंथि है। इसके पश्च भाग से ऑक्सीटोसिन और वैसोप्रेसिन हॉर्मोनस का स्राव होता है।
- पीयूष ग्रंथि, अन्य अंतःस्रावी ग्रंथियों के स्रावण को नियंत्रित करती है। यह व्यक्ति की वृद्धि, स्वास्थ्य, लैंगिक विकास आदि को नियंत्रित करती है अतः इसे 'मास्टर ग्रंथि' कहते हैं।
- हाइपोथैलेमस शरीर ताप, भूख तथा प्यास, तंत्रिका तंत्र, शरीर सुरक्षा आदि को नियंत्रित करता है।
- ऑक्सीटोसिन (Oxytocin) शरीर की चिकनी पेशियों पर कार्य करता है तथा उनके संकुचन को प्रेरित करता है।
- थायरॉइड ग्रंथि (Thyroid Gland) श्वास नली के दोनों ओर लैरिक्स (Larynx) के नीचे स्थित होती है। यह गर्दन क्षेत्र में स्थित ग्रंथि है।
- यह शरीर की सबसे बड़ी अंतःस्रावी ग्रंथि है।
- थायरॉक्सिन आयोडीन युक्त अमीनो अम्ल होता है जिसका कार्य शरीर का विकास तथा बुद्धि को नियंत्रित करना है।
- थाइरॉयड ग्रंथि 'ट्राईआयोडोथायरोनिन (T-3) और थायरोक्सिन (T-4) हॉर्मोन रिलीज करती है।
- एड्रेनाइलाईन को 'लड़ो और उड़ो' (Fight or Flight) हॉर्मोन भी कहते हैं।
- ग्रोथ हॉर्मोनस की कमी से बौनापन हो जाता है।
- पैराथायरॉइड ग्रंथि, पैराथायरॉइड हॉर्मोन (PTH) का स्रावण करती है।
- पैराथायरॉइड हॉर्मोन रक्त में कैल्शियम की मात्रा का नियमन करता है।
- पीनियल ग्रंथि (Pineal Gland) को 'आत्मा का स्थान या तीसरी आँख' का अवशेष भी कहा जाता है। यह ग्रंथि, अग्र मस्तिष्क के पृष्ठीय (ऊपरी) भाग में स्थित होती है। यह मेलाटोनिन हॉर्मोन स्रावित करती है।
- थाइमस ग्रंथि (Thymus Gland) द्विपालीय (Bilobed) लसिका अंग है जो हृदय तथा महाधमनी के ऊपर तथा फेफड़ों के बीच स्थित होती है।
- यह ग्रंथि 'थाइमोसिन' नामक हॉर्मोन का स्रावण करती है।

- यह T- लिम्फोसाइट्स या T-cell का निर्माण करती है।
- अग्न्याशय मिश्रित ग्रंथि है।
- लैंगरहैंस के द्वीप अग्न्याशय में फैली हुई अंतःस्रावी कोशिकाओं के द्वीप हैं।
- अल्फा-कोशिकाएँ (α-Cells) ग्लूकागॉन (Glucagon) नामक हॉर्मोन को स्रावित करती हैं।
- ग्लूकागॉन रक्त में ग्लूकोज (Glucose) की मात्रा सामान्य रखने का कार्य करता है।
- बीटा-कोशिकाएँ (β-Cells) इन्सुलिन (Insulin) नामक हॉर्मोन का स्राव करती है।
- इन्सुलिन रक्त में ग्लूकोज की मात्रा को कम करता है।
- इन्सुलिन एक प्रोटीन शृंखला या पेप्टाइड हॉर्मोन है।
- लाल व भूरे रंग की उदर के ऊपर बाएँ हिस्से में थाइमस ग्रंथि (धागे के समान) उपस्थित रहती है।
- हाइपोथैलेमस को अंतःस्रावी तंत्र का सुप्रीम कमाण्डर कहते हैं।
- अंतःस्रावी ग्रंथियों तथा हॉर्मोन्स के अध्ययन को एण्डोक्राइनोलॉजी कहते हैं।

अग्र पीयूष/पिट्यूटरी ग्रंथि के हॉर्मोन		
वृद्धि हॉर्मोन (GH) या सोमेटोट्रोपिक हॉर्मोन (STH)	वृद्धि को प्रेरित करना	अल्पस्राव- बौनापन (ड्वार्फिज्म) अतिस्राव- जाइगैण्टिज्म और एक्रोमिगले (अतिकायता)
प्रोलैक्टिन हॉर्मोन	स्तन ग्रंथियों की वृद्धि एवं इनमें दुग्ध निर्माण को नियंत्रित करना	
थाइरॉइड प्रेरक हॉर्मोन (TSH)	थाइरॉइड हॉर्मोन के स्राव को प्रेरित करना	
पश्च पीयूष ग्रंथि के हॉर्मोन		
ऑक्सीटोसिन	स्त्रियों में प्रसव के समय गर्भाशयी पेशियों के संकुचन और दुग्ध ग्रंथियों से दुग्ध के स्राव को प्रेरित करना।	
एंटी-डाइयूरेटिक हॉर्मोन (ADH) एवं वेसोप्रेसिन (मुख्यतः वृक्क पर कार्य करता है)	वृक्क की दूरस्थ संवर्लित नलिका से जल और आयनों के पुनः अवशोषण को प्रेरित करता है।	हाइपोसेक्रेशन - डायबिटीज इन्सुपीडिस
अन्य अन्तः स्रावी ग्रंथि		
अन्तःस्रावी ग्रंथि	हॉर्मोन	कार्य
पिनियल ग्रंथि	मेलाटोनिन	सोने-जागने के चक्र को नियंत्रित करता है।
थायरॉइड ग्रंथि	थायरोक्सिन (T ₄) एवं ट्राई-आयोडोथायरोनिन (T ₃)	शरीर की उपापचयी दर को नियंत्रित करता है।

पैराथायरॉइड ग्रंथि	पैराथायरोइड हॉर्मोन या कॉलिप हॉर्मोन	कैल्शियम व फॉस्फेट आयन का रूधिर के बीच नियमन
थाइमस ग्रंथि	थाइमोसिन	T-लिंफोसाइट्स का विकास और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करना
अग्नाशय ग्रंथि	इंसुलिन	रक्त में ग्लूकोज को नियंत्रित की मात्रा कम करना
एड्रिनल ग्रंथि	एड्रेनलिन	तनाव को कम कम करता है

जैव विकास (Organic Evolution)

- अनुमानतः पृथ्वी की उत्पत्ति 4.6 अरब वर्ष पूर्व हुई।
- लैमार्क, डार्विन, वैसेल, डी. ब्रीज आदि ने जैव विकास के संबंध में अपनी-अपनी परिकल्पनाओं को प्रस्तुत किया।
- नीलहरित शैवाल (Blue-Green Algae) पृथ्वी पर सबसे पुराना जीव है जो अपने भोजन का निर्माण सूर्य के प्रकाश एवं जल के प्रयोग से करता है।
- चार्ल्स डार्विन (Charles Darwin) इंग्लैण्ड के जैव विकासविद थे। डार्विन के अनुसार सभी जीवों में प्रचुर सन्तानोत्पत्ति की क्षमता होती है।
- 1809 ई. में लैमार्क ने अपनी पुस्तक 'फिलॉसफी जूलोजीक' (Philosophic Zoologique) में जीवों एवं इनके अंगों में सतत बड़े होते रहने की प्राकृतिक प्रवृत्ति को प्रस्तुत किया।
- 'डायनासोर' (Dinosaurs) विशालकाय सरीसृप (Reptiles) थे जो मध्यजीवी या मेसोजोइक महाकाय (Mesozoic Era) में थे।
- उत्परिवर्तनवाद का सिद्धान्त ह्यूगो डी. ब्रीज (Hugo de-vries) द्वारा प्रतिपादित किया गया।
- विकासवाद का सिद्धान्त चार्ल्स डार्विन ने प्रस्तुत किया।

आनुवंशिकी (Genetics)

- सजीवों के वे लक्षण जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी संचरित होते हैं, आनुवंशिक लक्षण कहलाते हैं।
- 1822-1884 में आनुवंशिकता के बारे में जानकारी सर्वप्रथम ऑस्ट्रिया के निवासी ग्रेगर जॉन मेंडल ने दी।
- ग्रेगर जॉन मेंडल को आनुवंशिक विज्ञान का जनक कहते हैं।

DP Const.-2020

- क्रोमोसोम द्वारा जीवों में आनुवंशिक लक्षण सन्तान में ले जाए जाते हैं।
- आनुवंशिकी संबंधी प्रयोग के लिए मेंडल ने मटर के पौधे का चुनाव किया था।
- मेंडल के आनुवंशिकता का सिद्धान्त लैंगिक जनन पर आधारित है।
- बारबरा मैक्लिर्टॉक ने 'प्लवमान जीन' (Jumping Gene) के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया।
- शरीर में आनुवंशिकता की इकाई को जीन कहते हैं।

165

जन्तु विज्ञान

जन्तु जगत का वर्गीकरण

संघ प्रोटोजोआ (Phylum Protozoa)

- प्रोटोजोआ शब्द की रचना गोल्डफस ने की थी।
- इनका शरीर केवल एककोशिकीय होता है।
- इनके जीवद्रव्य में एक या अनेक केंद्रक पाये जाते हैं।
- इस संघ के प्राणियों में प्रचलन, कूटपाद कशभिका या पक्ष्माभिक द्वारा होता है।
- ये स्वतंत्र जीवी या परजीवी होते हैं।
- प्रमुख उदाहरण- यूग्लीना, अमीबा, एण्टामीबा हिस्टोलिटिका, पैरामीशियम, प्लाज्मोडियम आदि।

DP Const.-2023

SSC JE-2024

संघ पोरीफेरा (Phylum Porifera)

- ये बहुकोशिकीय जलीय जंतु हैं। ये मुख्यतः समुद्री होते हैं। इनका शारीरिक संगठन कोशिकीय स्तर का होता है।
- इनमें नाल प्रणाली (Canal System) होता है जिससे ऑक्सीजन एवं भोज्य पदार्थ जंतुओं के शरीर में प्रवेश करते हैं। इनमें मुख का अभाव होता है।
- इनमें जल सूक्ष्म रंध 'ऑस्ट्रिया' से प्रवेश करता है एवं बड़े रंध 'ऑस्कुलम' द्वारा बाहर निकलता है।
- इनके शरीर में असंख्य छिद्र (Ostia) पाये जाते हैं तथा इनके शरीर में एक बड़ी गुहा पाई जाती है जिसे स्पंजगुहा (Spongocoel) कहते हैं।

उदाहरण- साइकॉन, स्पॉजिला आदि।

संघ सीलेन्टेरा या निडेरिडा

(Phylum Coelenterata or Cnidaria)

- ये जलीय द्विस्तरीय होते हैं। इनमें ऊतक स्तर का शारीरिक संगठन पाया जाता है।
- निडेरिडा नाम इनकी दश कोशिका, नाइडोब्लास्ट (निमेटोब्लास्ट) से बना है। दश कोशिका भोजन पकड़ने में मदद करती है।
- इनका शरीर दो आकारों पोलिप (Polyp) तथा मेडुसा (Medusa) से बनता है।
- श्वसन एवं उत्सर्जन की क्रिया शरीर की सतह से होती है।
- इनमें पाचन गुहा (Digestive Cavity) थैली जैसी होती है।

उदाहरण- हाइड्रा, जेलीफिश, सी-एनीमोन ऑरिलिया आदि।

SSC Steno, CHSL-2023

संघ प्लेटीहेल्मिन्थीज (Phylum Platyhelminthes)

- इस संघ के अधिकांश जंतु परजीवी (Parasiter) होते हैं।
- इन्हें सामान्यतः चपटे कृमि भी कहा जाता है क्योंकि इनका शरीर अखंडित और पृष्ठीय रूप से चपटा होता है।
- इन जंतुओं में श्वसन तंत्र, रक्त परिसंचरण तंत्र, कंकाल तंत्र नहीं पाया जाता है।
- इनमें शरीर संगठन अगतंत्र स्तर का होता है।
- यह, अप्रगुही का उदाहरण है।

SSC Selection Post-2024

- इन जंतुओं में पाचन तंत्र उपस्थित नहीं होता है तथा उत्सर्जन 'फ्लेम कोशिकाओं' (Flame cells) द्वारा होता है। **SSC CGL-2023**
- यह एक उभयलिंगी (Bi-sexual) जंतुओं का संघ है।
- उदाहरण- प्लेनिरिया, टीनिया सोलियम (फीताकृमि), फेसियोला (Liver Fluke) आदि।

संघ ऐस्केल्मिन्थीज या निमेटोडा**(Phylum Aschelminthes or Nematoda)**

- इनका शरीर गोलाकार होता है। अतः इन्हें गोलकृमि (Round Worm) कहते हैं।
- इन जीवों में आहार नाल पूर्ण होती है तथा श्वसन अंग नहीं होते परंतु तंत्रिका तंत्र विकसित होता है।
- ये एकलिंगी (Unisexual) होते हैं।
- उदाहरण- गोलकृमि (ऐस्केरिस), पिनकृमि, फाइलेरिया आदि।

संघ एनेलिडा (Phylum Annelida)

- ये जीव स्वतंत्रजीवी और कभी-कभी परजीवी होते हैं।
- इनकी शरीर सतह खंड में विभाजित होती है।
- ये द्विपार्श्व सममित तथा त्रिस्तरीय तथा अंगतंत्र स्तर के देहगुहा वाले जीव हैं।
- इनमें आहार नाल पूर्णतः विकसित होती है।
- श्वसन प्रायः त्वचा के द्वारा और कुछ जीवों में क्लोम द्वारा होता है।
- इस संघ के कुछ जंतु एकलिंगी तथा कुछ उभयलिंगी होते हैं।
- इनमें उत्सर्जन वृक्क (Nephridia) के द्वारा होता है।
- उदाहरण- केंचुआ, जोंक एवं नेरीस आदि।

संघ आर्थ्रोपोडा (Phylum Arthropoda)

- यह प्राणी जगत का सबसे बड़ा संघ है। **SSC CPO-2024**
- ये द्विपार्श्वसममित, त्रिकोरिकी तथा प्रगुही है।
- इनमें खुला परिसंचरण तंत्र पाया जाता है।
- इनमें रक्त रंगहीन होता है। रक्त में हीमोग्लोबिन अनुपस्थित होता है।
- इनमें उत्सर्जन मेलपिगी नलिका द्वारा होता है।
- इनका शरीर सिर, वक्ष और उदर में विभाजित होता है।
- उदाहरण- बिच्छू, मकड़ी, मधुमक्खी आदि।

संघ एकाइनोडर्मेटा (Phylum Echinodermata)

- ये केवल समुद्री जीव होते हैं, ये त्रिकोरिकी तथा देहगुहायुक्त प्राणी होते हैं।
- इनमें पाचन तंत्र पूर्ण परंतु उत्सर्जन तंत्र का अभाव होता है।
- इस संघ के प्राणियों में कैल्शियम युक्त अंतः कंकाल पाया जाता है।
- 'जल संवहन-तंत्र' इस संघ की विशिष्टता है, जो गमन और शिकार पकड़ने और श्वसन में सहायक है।
- उदाहरण- तारा मछली (Star Fish), समुद्री खीरा (Sea cucumber) आदि।

संघ मोलस्का (Phylum Mollusca)

- इनका शरीर तीन भागों में बँटा होता है। सिर, अंतरंग ककूद और पाद।
- इनमें श्वसन गिल्स या टिनीडिया द्वारा होता है।
- उत्सर्जन वृक्कों द्वारा होता है।
- उदाहरण- घोघा, सीपी आदि।

नोट- घोघा अपने जीवनकाल के दौरान अपना लिंग बदल सकता है।

SSC CHSL-2024

संघ हेमीकार्डेटा (Phylum Hemichordata)

- ये समुद्री जीव हैं जो कृमि के समान होते हैं।
- इनका शरीर बेलनाकार होता है तथा शूंड, कॉलर और वक्ष में विभाजित होता है।
- उदाहरण- बैलेनोग्लोसस (Balanoglossus), सैकोग्लोसस (Saccoglossus) आदि।

नोट- बैलेनोग्लोसस उथले समुद्र में पाया जाने वाला जीव है।

SSC MTS-2023

मत्स्य वर्ग (Pisces)

- ये सभी असमतापी जंतु हैं।
- इनमें श्वसन क्रिया के लिए क्लोम (Gills) पाये जाते हैं जो जल में विलीन ऑक्सीजन का उपयोग करते हैं।
- कुछ मछलियों में कंकाल उपास्थि (Cartilage) का बना होता है, जैसे- शार्क।
- अन्य प्रकार की मछलियों में कंकाल अस्थि का बना होता है, जैसे- रोहा, ट्युना।

संघ एम्फीबिया (उभयचर) (Phylum Amphibia)

- इस संघ के जीव जल तथा स्थल दोनों में रह सकते हैं तथा ये जंतु असमतापी होते हैं।
 - इस संघ के जंतुओं का हृदय 3-प्रकोष्ठीय (दो आलिंद व एक निलय) होता है।
 - इनमें श्वसन क्लोम, फुफ्फुस तथा त्वचा के द्वारा होता है।
 - उदाहरण- मेंढक, इक्थोयोफिस, सैलेमेन्डा आदि। **DP Const.-2023**
- संघ सरीसृप (Phylum Reptilia)**
- ये साधारणतः स्थलीय जंतु होते हैं लेकिन कुछ जलवासी भी होते हैं।
 - ये असमतापी होते हैं तथा अंडे देने वाले होते हैं।
 - इनका हृदय तीन प्रकोष्ठों का होता है परंतु मगरमच्छ में चार प्रकोष्ठों का होता है।
 - फेफड़ों द्वारा श्वसन होता है और कंकाल पूर्णतः अस्थिल होता है।
 - उदाहरण- छिपकली, साँप, घड़ियाल, कछुआ आदि।

SSC CGL-2024

स्तनधारी वर्ग (Mammalia)

- इनकी त्वचा पर रोम पाये जाते हैं। ये समतापी होते हैं।
- इस वर्ग के प्राणी ध्रुवीय ठंडे भाग, जंगल, घास के मैदानों आदि में पाये जाते हैं।
- संसार का सबसे बड़ा स्तनधारी जीव ब्लू व्हेल है।
- प्लैटीपस एवं एक्विडा अण्डे देने वाले स्तनधारी हैं।
- हृदय चार प्रकोष्ठों का होता है तथा श्वसन की क्रिया फेफड़ों द्वारा होती है।
- इस वर्ग के जीवों के निम्न स्तर हैं-
- प्रोटोथीरिया- अंडा देने वाले प्राणी जैसे-एक्विडा।
- मेटाथीरिया- अपरिपक्व बच्चों को जन्म देने वाले प्राणी जैसे- कंगारू।
- यूथीरिया- परिपक्व बच्चों को जन्म देने वाले प्राणी जैसे- मनुष्य।

पक्षी वर्ग (Class Aves)

- इस वर्ग के जंतु समतापी होते हैं।
- इनके शरीर के ऊपर पंखों की उपस्थिति तथा इनमें उड़ने की क्षमता होती है। (कुछ नहीं उड़ने वाले पक्षी जैसे- किवी, शतुरमुर्ग को छोड़कर)
- इनमें श्वसन फेफड़ों के द्वारा होता है।
- सभी पक्षी अण्डज होते हैं। **उदाहरण-** शतुरमुर्ग, कबूतर, गौरैया, मैना, तोता आदि।

वनस्पति विज्ञान

- पेड़, पौधों तथा उनके क्रियाकलापों के अध्ययन को वनस्पति विज्ञान कहते हैं।
- अपुष्पोद्भिद् पौधों (Cryptogamus) में पुष्प तथा बीज नहीं होते हैं।
- थैलोफाइटा (Thalophyta) वर्ग का पौधा जड़, तना एवं पत्ती में विभक्त नहीं होता है। यह वनस्पति जगत का सबसे बड़ा समूह है संवहन ऊतक अनुपस्थित होता है।
- हरे एवं कोमल तने वाले पौधे शाक कहलाते हैं। **SSC MTS-2024**
- शैवाल (Algae) के अध्ययन को **फाइकोलॉजी** (Phycology) कहते हैं।
- स्पाइरोगाइरा की कोशिका भित्ति सेल्युलोज की बनी होती है।

SSC Selection Post-2024

- शैवाल पर्णहरित युक्त, संवहन ऊतक रहित, स्वपोषी होते हैं। **SSC CPO-2024**
- क्लोरेला और स्युलाइना एककोशिकीय शैवाल है इनका उपयोग अंतरिक्ष यात्री भोजन के रूप में करते हैं।
- जिलोडियम और प्रसिलेरिआ से एगार प्राप्त होता है जिसका उपयोग आइसक्रीम और जैली बनाने में किया जाता है।
- कवक पर्णहरित रहित, संकेन्द्रीय, संवहन ऊतकरहित थैलोफाइट है। **उदाहरण-** मशरूम।
- कवक के अध्ययन को 'माइकोलॉजी' (Mycology) कहते हैं।
- कवक की कोशिकाभित्ति 'काइटिन' की बनी होती है और इनमें भोजन ग्लाइकोजन के रूप में संचित होता है।
- पौधों में रस्ट (Rust) और स्मट (Smut) रोग कवक के द्वारा होते हैं।
- सरसों का सफेद रस्ट, गेहूँ का किट्टू रोग, गन्ने का लाल अपक्षय, मूँगफली का टिक्का रोग आदि कवक के द्वारा होने वाले रोग हैं।

रोग	कवक
दमा	एस्पेर्गिलस फ्यूमिगेट्स
एथलिट फूट	टीनिया पेडिस
खाज	सार्कोप्टेस स्केबियेई
गंजापन	टीनिया केपिटिस
दाद	ट्राइकोफायटॉन लेसकोसय

- कवक तथा शैवाल दोनों से मिलकर लाइकेन (Lichen) बनता है।
- कवक तथा शैवालों का संबंध परस्पर सहजीवी (Symbiotic) का उदाहरण है।
- क्लैडोफेरा एक प्रकार का हरा शैवाल है जो समुद्र और ताजे पानी के विशाल भंडार में पाया जाता है। **SSC JE-2024**

- लाइकेन (Lichen) वायु प्रदूषण के संकेतक होते हैं। जहाँ वायु प्रदूषण अधिक होता है; वहाँ लाइकेन नहीं उगते हैं।
- लाइकेन SO₂ का सर्वोत्तम सूचक है।
- लाइकेन मृदा निर्माण की प्रक्रिया में सहायक होता है।
- परमेलिया लाइकेन का उपयोग मिर्गों की दवा बनाने में किया जाता है।
- लाइकेन का उपयोग खाद्य पदार्थ में किया जाता है।
- पौधों में मृदा से जल एवं खनिजों के परिवहन के लिए जाइलम उत्तरदायी है। **SSC MTS-2023, CDS-2024**

जीवाणु (Bacteria)

- एण्टोनी वॉन ल्यूवेनहॉक ने सन् 1676 में जीवाणु (Bacteria) की खोज की।
- जीवाणु नाम एहरेनबर्ग (Ehrenberg) ने सन् 1829 में दिया।
- रेबीज का टीका और दूध के पाश्चुराइजेशन की खोज लुई पाश्चर ने की।
- जीवाणु को उनके आकार के आधार पर चार समूहों गोलाकार कोकस, छड़कार बैसिलस, कॉमा-आकार विब्रियम और सर्पिलाकार स्पाइरिलम में विभाजित किया गया है। **SSC CGL-2024**
- वायुमंडल की नाइट्रोजन का स्थिरीकरण एनाबीना (Anabaena) तथा नॉस्टॉक (Nostoc) नामक सायनोबैक्टीरिया के द्वारा होता है।
- राइजोबियम जीवाणु लैग्यूमिनेसी (मटर-कुल) के पौधे की जड़ों में रहता है और वायुमंडलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करता है।
- एंजोटोबैक्टर, एंजोस्पाइरिलम और क्लोस्ट्रीडियम जैसे जीवाणु मिट्टी के कणों के बीच स्वतंत्र रूप से स्थित रहते हैं तथा वायुमंडलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करते हैं।
- ब्रायोफाइट में जाइलम एवं फ्लोएम का पूर्णतः अभाव होता है।
- ब्रायोफाइट समुदाय के पौधे मृदा अपरदन को रोकने में सहायता करते हैं।
- पादप जगत का उभयचर ब्रायोफाइट को कहते हैं।

DP Const.-2023

- स्फेगनम माँस अपने भार से 18 गुना अधिक पानी सोख सकता है।
- स्फेगनम माँस का प्रयोग ईंधन और ऐन्टिसेप्टिक के रूप में भी किया जाता है।
- टेरिडोफाइट (Teridophyta) पौधे का शरीर जड़, तना, शाखा एवं पत्तियों में विभेदित रहता है। तना साधारण राइजोम के रूप में रहता है।
- फर्न टेरिडोफाइट का उदाहरण है। **SSC JE-2024**
- पौधे बीजाणु जनक होते हैं एवं जनन की क्रिया बीजाणु के द्वारा होती है।
- पुष्पोद्भिद् (Phanerogamus) समूह के पौधे पूर्ण विकसित होते हैं।
- इस समूह के सभी पौधों में फूल, फल तथा बीज होते हैं।
- नग्नबीजी (जिमोस्पर्म) मूसला जड़ें पूर्ण विकसित होती है, जैसे- पाइनस, साइकस। **SSC JE-2024, SSC CPO-2022**
- परागण की क्रिया वायु द्वारा होती है।
- टैनिन चमड़ा बनाने तथा स्याही बनाने के काम में आता है।
- रेंजिन कुछ शंकु पौधों से निकाला जाता है, जिसका प्रयोग वार्निश, पॉलिश, पेंट आदि बनाने में होता है।
- आवृतबीजी (Angiosperm) के पौधों में बीज फल के अन्दर होता है।
- इनके पौधों में जड़, पत्ती, फूल, फल एवं बीज सभी पूर्ण विकसित होते हैं।

- जिरोफाइट ऐसे पौधे होते हैं जो शुष्क स्थानों पर उगते हैं।

CDS-II 2024

- इन्हें दो भागों में विभाजित किया गया है-

1. एकबीजपत्री पौधे 2. द्विबीजपत्री पौधे।

एकबीजपत्री पौधे और उनके कुल का नाम

क्र.सं.	कुल का नाम	प्रमुख पौधों के नाम
1.	ग्रेमिनेसी (Gramineaceae)	गेहूँ, मक्का, बाँस, गन्ना, चावल, ज्वार, बाजरा, जौ, जई इत्यादि।
2.	लिलिएसी (Liliaceae)	लहसुन, प्याज
3.	पाल्मी (Palmae)	सुपारी, ताड़, नारियल, खजूर

द्विबीजपत्री पौधे और उनके कुल का नाम

क्र.सं.	कुल का नाम	प्रमुख पौधों के नाम
1.	क्रूसीफेरी (Cruciferae)	मूली, शलजम, सरसों
2.	मालवेसी (Malvaceae)	कपास, भिण्डी, गुड़हल
3.	लेग्यूमिनोसी (Leguminoceae)	बबूल, छुईमुई, गुलमोहर, अशोक
4.	कम्पोजिटी (Compositae)	सूरजमुखी, भुंगराज, गेंदा, कुसुम, डहेलिया इत्यादि।
5.	सोलेनेसी (Solanaceae)	आलू, मिर्च, बैंगन, टमाटर, धतूरा
6.	कुकुरबिटेसी (Cucurbitaceae)	तरबूज, खरबूज, टिण्डा
7.	रोजेसी (Rosaceae)	सेब, बादाम, स्ट्रॉबेरी, नाशपाती

- पादप आकारिकी (Plant Morphology)- जड़, तना, पत्ती, पुष्प, जल आदि के रूपों तथा गुणों के अध्ययन को पादप आकारिकी कहते हैं।

- जड़ (Root) पौधों का अवरोही भाग है, जो मूलांकुर से विकसित होता है। जड़ दो प्रकार की होती हैं-1. मूसला जड़ (Tap Root) 2. रेशदार जड़ (Fibrous Root)

मूसला जड़ों का रूपान्तरण

क्र.सं.	कुल का नाम	प्रमुख पौधों के नाम
1.	शंकु आकार (Conical)	गाजर
2.	कुम्भी रूप (Napiform)	शलजम, चुकन्दर
3.	तर्कुरूपी (Fusiform)	मूली

- तना (stem) पौधे का वह भाग है जो प्रकाश की ओर वृद्धि करता है।

तनों का रूपान्तरण

क्र.सं.	भूमिगत तने	उदाहरण
1.	कन्द (Tuber)	आलू
2.	धनकन्द (Corm)	बन्डा, केसर
3.	शलककंद (Bulb)	प्याज
4.	प्रकंद (Rhizome)	हल्दी, अदरक

- पत्ती (Leaf) प्रकाश संश्लेषण की क्रिया द्वारा भोजन बनाती है।
□ पत्तियों के किनारों से जल का छोटी-छोटी बूंदों के रूप में स्रावित होना बिन्दुस्राव (Guttation) कहलाता है।

SSC CHSL-2024

- पौधों के लिए माइक्रोन्यूट्रिएंट्स- B, Fe, Cl, Mn, Cu, Zn, Ni, Mo

CDS-II 2024

- पौधों के लिए मैक्रोन्यूट्रिएंट्स- N, P, K, Mg, S, Ca

- पुष्प (Flower) पौधे का जनन अंग है। पुष्प में बाह्य दलपुंज (Calyx), दलपुंज (Corolla), पुमंग (Androecium) और जायंग (Gynoecium) पाये जाते हैं।

- पुमंग में एक या एक से अधिक पुंकेसर (Stamens) होते हैं। पुंकेसर में परागकण पाये जाते हैं।

- जायंग में अण्डाशय (Ovary), वर्तिका (Style), वर्तिकाग्र (Stigma) पाये जाते हैं।

- परागण (Pollination) परागकोष (Anther) से निकलकर वर्तिकाग्र पर परागकणों के पहुँचने की क्रिया को कहते हैं।

- अनिषेकफलन (Parthenocarpy) कुछ पौधों में बिना निषेचन हुए भी अण्डाशय से फल बन जाता है। जैसे-केला, पपीता, नारंगी, अंगूर एवं अनानास आदि

कुछ फल एवं उसके खाने योग्य भाग

क्र.सं.	फल	खाने योग्य भाग
1.	लीची	एरिल
2.	नारियल	भ्रूणपोष
3.	आम	मध्य फलभित्ति
4.	अमरूद	फलभित्ति, बीजाण्डासन
5.	अंगूर	फलभित्ति, बीजाण्डासन
6.	पपीता	मध्य फलभित्ति
7.	नाशपाती	पुष्पासन
8.	टमाटर	फलभित्ति, बीजाण्डासन
9.	केला	मध्य और अंतः भित्ति
10.	नारंगी	जूसी हेयर
11.	मूँगफली	बीजपत्र एवं भ्रूण
12.	गेहूँ	भ्रूणपोष और भ्रूण
13.	चना	बीजपत्र एवं भ्रूण
14.	सेब	पुष्पासन
15.	कटहल	परिदलपुंज व बीज
16.	काजू	पुष्प वृन्त, बीजपत्र
17.	अनानास	परिदलपुंज
18.	शहतूत	रसीले परिदलपुंज

पादप ऊतक (Plant Tissue)

- ऊतक (Tissue) समान उत्पत्ति, संरचना एवं कार्य वाली कोशिकाओं के समूह को कहते हैं।

- पैरेन्काइमा, कोलेनकाइमा और स्कलेरेन्काइमा सरल स्थायी ऊतक के उदाहरण हैं।

- जलीय पौधों पैरेन्काइमा को ऐरेन्काइमा कहते हैं।

- जाइलम संवहन ऊतक है। इसका कार्य यांत्रिक दृढ़ता प्रदान करना और खनिज लवणों और पानी का संवहन करना है।

- पौधे की आयु की गणना जाइलम ऊतक के वार्षिक वलय को गिनकर ही की जाती है।
- फ्लोएम भी एक संवहन ऊतक है। इसका मुख्य कार्य पत्तियों द्वारा बनाये गये भोजन को पौधे के अन्य भागों तक पहुँचाना है।

प्रकाश-संश्लेषण (Photosynthesis)

- पौधों में जल, प्रकाश, पर्णहरित तथा कार्बन डाइऑक्साइड की उपस्थिति में कार्बोहाइड्रेट के निर्माण को प्रकाश-संश्लेषण कहते हैं।
- स्थलीय पौधे वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं जबकि जलीय पौधे जल में घुली हुई कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं।
- पत्ती की कोशिकाओं में जल परासरण (Osmosis) द्वारा एवं वायुमंडल से CO₂ विसरण (Diffusion) द्वारा जाती है।
- पत्तियों में हरे रंग का वर्णक क्लोरोफिल होता है।
- क्लोरोफिल के केन्द्र में मैग्नीशियम का एक परमाणु होता है।
- क्लोरोफिल प्रकाश में बैंगनी, नीला तथा लाल रंग ग्रहण करता है।
- प्रकाश-संश्लेषण की दर लाल रंग में सबसे अधिक एवं बैंगनी रंग में सबसे कम होती है।
- प्रकाश-संश्लेषण की क्रिया एक उपचयन (Oxidation) अपचयन (Reduction) की अभिक्रिया होती है।
- प्रकाश रासायनिक क्रिया क्लोरोफिल के ग्रेना (Grana) भाग में सम्पन्न होती है।
- प्रकाश रासायनिक क्रिया में जल का अपघटन होकर हाइड्रोजन आयन तथा इलेक्ट्रॉन बनता है। इस प्रक्रिया के अन्त में ऊर्जा के रूप में ATP व NADPH निकलता है, जो रासायनिक प्रकाशहीन प्रतिक्रिया संचालित करने में मदद करता है।
- रासायनिक प्रकाशहीन क्रिया क्लोरोफिल के स्ट्रोमा में होती है। इसमें CO₂ का अपचयन होकर शर्करा एवं स्टार्च बनता है।
- पौधे अपन भोजन का संचय स्टार्च के रूप में करते हैं।

पादप हॉर्मोन (Plant Hormones)

- पौधों में निम्न प्रकार के हॉर्मोन पाये जाते हैं-

ऑक्सिन

- ऑक्सिन की खोज वर्ष 1880 में **डार्विन** ने की थी।
- यह पौधे की वृद्धि को नियंत्रित करता है। **DP Const.-2023**
- **IAA** और **IBA** प्राकृतिक ऑक्सिन यौगिक हैं।
- **2, 4-D** और **MCPA** कृत्रिम ऑक्सिन के उदाहरण हैं।
- **2, 4-D** और **2, 4, 5-T** जैसे ऑक्सिन द्विबीजपत्री खरपतवार को नष्ट करते हैं।
- यह पत्तियों को गिरने से रोकता है, फूल और फल का विकास करता है।

साइटोकाइनिन

- साइटोकाइनिन की खोज वर्ष 1955 में **मिलर** और उनके सहयोगियों द्वारा की गयी थी।
- यह कोशिका विभाजन को प्रोत्साहित करता है।
- प्रथम प्राकृतिक साइटोकाइनिन को कच्चे मक्कों के दानों से प्राप्त किया गया जिसे 'जिएटिन' कहा गया।

- यह नारियल के दूध में भी पाया जाता है।
- यह जीर्णता को रोकता है।
- साइटोकाइनिन RNA एवं प्रोटीन बनाने में सहायक है।

जिबरेलिन

- जिबरेलिन को वर्ष 1926 में कुरोसावा ने चावल के पौधे से प्राप्त किया था।
- यह बीज की निष्क्रियता को तोड़ता है और बीज के अंकुरण को बढ़ाता है।
- GA₃ वह जिबरेलिन है जिसे सबसे पहले शुद्ध अवस्था में अलग किया गया।
- GA₃ का उपयोग शराब उद्योग में माल्टिंग की गति तीव्र करने और अंधेरे में अंकुरण के लिये किया जाता है।

एब्सिसिक अम्ल

- एब्सिसिक अम्ल हॉर्मोन को वर्ष 1963 में एडीकॉट ने कॉटन बॉल से पृथक किया था।
- यह बीज के अंकुरण को रोकता है और सुखे की स्थिति में स्टोमेटा (रंध्र) को आंशिक रूप से बंद कर देता है।
- सुखा पड़ने पर पत्तियाँ ABA का निर्माण करती हैं जो पत्ती की जीर्णता को बढ़ाता है।

एथीलिन

- यह एकमात्र गैसीय हॉर्मोन है।
- यह जरावस्था और विलगन को मुख्यतः पत्तियों और फूलों में बढ़ता है।
- यह हॉर्मोन फलों को पकाने में मदद करता है।
- एथीलिन फलों को पकाने में व मादा पुष्पों की संख्या में वृद्धि करता है, यह पुष्पों, फलों व पत्तियों के विगलन को प्रेरित करता है।

ट्राउमेटिन (Traumatin)

- यह एक प्रकार का डाइकार्बोक्सिलिक अम्ल है। इसका निर्माण घायल कोशिका में होता है जिससे पौधे के जखम भर जाते हैं।

फ्लोरिजेन्स (Florigens)

- इसका निर्माण पत्ती में होता है, लेकिन यह फूल खिलाने में मदद करता है, इसलिए इसे फूल खिलाने वाला हॉर्मोन भी कहते हैं।

नोट- (i) ऑक्सिन, जिबरेलिन, और साइटोकाइनिन कोशिका वृद्धि व कोशिका विभाजन को बढ़ाने में सहायक है, वहीं एब्सिसिक अम्ल वृद्धि का विरोध करता है।

(ii) साइटोकाइनिन स्टोमेटा को खोलने में मदद करता है, वहीं एब्सिसिक अम्ल बंद करता है। **CDS-II 2024**

पादप रोग (Plant Diseases)

विषाणुजनित रोग (Viral Disease)

रोग	वायरस	लक्षण
तम्बाकू का मौजेक रोग	टोबैको मौजेक वायरस (TMV)	पत्तियाँ छोटी और सिकुड़ जाती हैं।
पोटैटो मौजेक	पोटैटो वाइरस-x	पत्तियों में बौनापन और चित्तकबरापन
रंग परिवर्तन 'हरिमाहीनता'	-	पत्ती का रंग पीला, सफेद या मौजेक पैटर्न का हो जाता है।

बंकी टॉप ऑफ बनाना	बनाना वायरस-1	पौधे का बौनापन
गाजर का लाल पत्ती रोग	गाजर लाल पत्ती वायरस	पत्तियों का हल्का लाल होना।

नींबू में डाईबैक	ताँबा (Cu)
नींबू में लिटिल लीफ	ताँबा (Cu)
फूल गोभी में ब्राउनिंग	बोरॉन (B)
मटर में मार्श रोग	मैंगनीज (Mn)
लीची में पत्ती जलना	पोटेशियम (K)

जीवाणुजनित रोग (Bacterial Disease)

रोग	जीवाणु	लक्षण
आलू का शैथिल रोग/ रिंग रोग	स्यूडोमोनास सोलेने सियेरम	जाइलम पर भूरा रिंग बन जाता है।
धान का अंगमारी रोग	जैन्थोमोनास ओराइजी	पत्ती की एक या दोनों सतहों पर पीला-हरा धब्बा दिखाई देता है।
गेहूँ का टून्डू रोग	कोरीनो बैक्टीरियम ट्रिटिकी	पत्तियों का मुरझाकर मुड़ जाना।
साइट्स कैंकर	जैन्थोमोनास सीट्री	नींबू की पत्तियाँ, फल, शाखा सभी इससे प्रभावित होते हैं।
ब्लैक आर्म ऑफ कॉटन	जैन्थोमोनास	पत्ती पर भूरा रंग का धब्बा
सेब, टमाटर, गुलाब का क्राउन गाल	एगोबैक्टीरियम	

कवक जनित रोग (Fungal Diseases)

रोग	कवक	लक्षण
मूँगफली का टिक्का रोग	सरकोस्पोरा परसोनेटा	पत्तियों पर गहरे कथई रंग के धब्बे बनना
गन्ने का लाल विगलन रोग	कोलेटोट्राइकम फालकेटम	पत्तियों का पीला पड़ना और गिरना।
गेहूँ का काला किट्टू रोग	पक्सिनिया ग्रेमीनिस ट्रिटिकी	तने पर गहरे भूरे या काले रंग के दाने पड़ना
बाजरे का इरगॉट रोग	क्लेवीसेप्स माइक्रोसेफेला	पत्तियों का पीला पड़ना
बाजरे का ग्रीन इयर रोग	स्केलेरोस्पोरा गेमिकोला	पत्तियों पर क्लो रेटिक धारियाँ दिखाई देती हैं।

तत्वों की कमी से उत्पन्न रोग

रोग/लक्षण	किस तत्व की कमी से
धान में खैरा रोग	जस्ता (Zn)
आलू का ब्लैक हार्ट रोग	भंडारण में O ₂ की कमी
आँवले में निक्रोसिस	बोरॉन (B)
शलजम में वाटर कोर	मैंगनीज (Mn)
गाजर में कोटर स्पॉट	कैल्शियम (Ca)
मक्का में White Bud	जस्ता (Zn)
चुकन्दर में हार्ट रोग	बोरॉन (B)
आम एवं बैंगन में लिटिल लीफ	जस्ता (Zn)

वनस्पति शास्त्र से संबंधित कुछ अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- ❑ एजोला नामक जलीय फर्न को जैव उर्वरक के रूप में प्रयुक्त किया जाता है।
- ❑ लौंग, फूल की कली से प्राप्त होती है।
- ❑ हेरोइन अफीम पोस्ता से प्राप्त होती है।
- ❑ कुनैन सिनकोना पादप की छाल से प्राप्त होता है। जिससे मलेरिया की दवाई बनाई जाती है।
- ❑ चुकंदर के लाल रंग बीटानिन के कारण होता है।

SSC CGL-2024

DP Const.-2023

- ❑ हल्दी पाउडर में लेड क्रोमेट की मिलावट की जाती है।
- ❑ पत्तों का लाल, नारंगी और पीला रंग केरोटिनाइड के कारण होता है।
- ❑ विश्व का सबसे अधिक तेजी से बढ़ने जल पादप जलकुंभी (Water hyacinth) है।

क्र.सं.	तथ्य	उदाहरण
1.	सबसे बड़ा आवृतबीजी वृक्ष	युकेलिप्टस
2.	संसार में सबसे बड़ा वृक्ष	सिकोया, यह एक नग्नबीजी है।
3.	सबसे छोटा पुष्प	वुल्फिया
4.	सबसे छोटा आवृतबीजी परजीवी	आरसीथोबियम, यह एक द्विबीजपत्री है।
5.	सबसे बड़ा नरयुग्म	साइकस, यह एक नग्नबीजी पादप है।
6.	सबसे बड़ा बीजाण्ड	साइकस
7.	सबसे छोटा गुणसूत्र	शैवाल में
9.	सबसे बड़ा पुष्प	रैफ्लेशिया DP Const.-2023
10.	सबसे कम गुणसूत्र वाला पादप	हेप्लोपोपस ग्रेसिलिस
11.	अफीम देने वाला पौधा	पोपी (पेपावर सोमेनिफेरम) इसमें मोफीन होती है।
12.	सबसे छोटा टेरिडोफाइट	एजोला, यह एक जलीय पादप है।
13.	कॉफी देने वाला पौधा	कोफिया अरेबिका, इसमें कैफीन होता है।
14.	कोको देने वाला पौधा	थियोब्रोमा कोको, इसमें थियोब्रोमीन व कैफीन होती है।
15.	सबसे हल्का काष्ठ वाला पौधा	ओक्रोमा लेगोपस

16.	सबसे बड़ा बीज	कोको डी मेरे
17.	सबसे छोटा नग्नबीजी पादप	जेमिया पिगमिया
18.	जीवित जीवाश्म	साइकस
19.	सबसे बड़ी पत्ती वाला पौधा	विक्टोरिया एमाजोनिका, यह जलीय आवृतबीजी है जो भारत में भी पाया जाता है।
20.	सबसे ज्यादा गुणसूत्र वाला पौधा	ऑफियोग्लोसम जिसके डिप्लॉयड कोशिका में 1266 गुणसूत्र होते हैं।

पारिस्थितिकी (Ecology)

- जीवधारियों और उनके वातावरण के पारस्परिक संबंधों के अध्ययन को **पारिस्थितिकी विज्ञान** कहते हैं।
- भौगोलिक क्षेत्र में निवास करने वाली विभिन्न समष्टियों को जैविक समुदाय (Biotic Community) कहते हैं।
- विभिन्न जीवों और वातावरण की मिली-जुली इकाई को पारिस्थितिक तंत्र (Ecosystem) कहते हैं। सर्वाधिक स्थायी पारिस्थितिक तंत्र महासागर है।
- पारिस्थितिक तंत्र शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम टैन्सले नामक वैज्ञानिक ने किया था।
- पारिस्थितिक तंत्र में तत्वों के चक्रण को जैव भू-रासायनिक चक्र कहते हैं।
- पारिस्थितिक तंत्र दो घटकों का बना होता है- (i) जैविक घटक (ii) अजैविक घटक
- जैविक घटक को उत्पादक उपभोक्ता और अपघटक में विभाजित किया गया है।
- उत्पादक अपना भोजन स्वयं बनाते हैं, जैसे- हरे पौधे।
- उपभोक्ता, उत्पादक द्वारा बनाये गये भोज्य पदार्थों का उपभोग करते हैं।
- अपघटक मृत उत्पादकों एवं उपभोक्ताओं का अपघटन कर उन्हें भौतिक तत्वों में परिवर्तित कर देते हैं।
- वे जीव जो पादपों द्वारा संश्लेषित भोजन ग्रहण करते हैं, विषमपोषी कहलाते हैं। **SSC MTS-2023**
- स्वपोषी कार्बन डाईऑक्साइड का स्थिरीकरण करते हैं। **DP Const.-2023**
- अजैविक घटक हैं-कार्बनिक पदार्थ, अकार्बनिक पदार्थ, जलवायवीय कारक जैसे-आर्द्रता, मृदा, खनिज तत्व, जल, प्रकाश, ताप, वायु।

प्रदूषण (Pollution)

- वायु, जल, भूमि के भौतिक, रासायनिक या जैविक गुणों में होने वाले परिवर्तन को **प्रदूषण** कहते हैं।
- वायु प्रदूषण में कार्बन मोनोऑक्साइड मस्तिष्क को, एस्बेस्टस धूल फेफड़ों को, सीसा उदर को, पारा रक्त की धाराओं को प्रभावित करता है।
- अम्लीय वर्षा सल्फर डाईऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड के कारण होता है। इसका PH मान 5.5 होता है।
- वायु प्रदूषण से होने वाला रोग वातस्फीति (Emphysema) है जो फेफड़ों को प्रभावित करता है।

- पेरोक्सीऐसिटल नाइट्रेट एक गौण प्रदूषक है।
- 3 दिसम्बर, 1984 में भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्टरी में मिथाइल आइसोसायनाइड के कारण दुर्घटना हुई थी।
- निक्षालक भूमिगत जल प्रवाह के साथ नीचे की ओर बहने वाले प्रदूषक हैं।
- पारायुक्त जल पीने से मिनामाता रोग हो जाता है।
- कैडमियम की अधिकता से इटाई-इटाई रोग होता है।
- ऐसबेस्टस के रेशों से युक्त जल के सेवन करने से ऐबेस्टोसिस नामक जानलेवा रोग हो जाता है। यह फेफड़ों से संबंधित रोग है।
- वातावरण में चारों ओर फैली अनिच्छित ध्वनि को ध्वनि प्रदूषण कहते हैं।
- ध्वनि प्रदूषण का स्रोत ऊँची आवाज या शोर है चाहे वह किसी भी प्रकार उत्पन्न हुआ हो।
- भूमि का विकृत रूप मृदा प्रदूषण कहलाता है।
- अम्लीय वर्षा, खानों से प्राप्त जल, उर्वरकों व कीटनाशक रसायनों का अत्यधिक प्रयोग, कूड़ा-करकट, औद्योगिक अपशिष्ट आदि मृदा प्रदूषण के स्रोत हैं।
- नाभिकीय प्रदूषण रेडियोएक्टिव किरणों से उत्पन्न होता है।
- चिकित्सा में उपयोग होने वाली किरणों से प्राप्त प्रदूषण।
- परमाणु भट्टियों में प्रयुक्त होने वाले ईंधन से उत्पन्न प्रदूषण।
- सूर्य की पराबैंगनी किरणों से उत्पन्न प्रदूषण।

प्रशिक्षण केन्द्र	पर्यावरण विज्ञान तथा प्रबंधन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र
अहमदाबाद	पर्यावरण शिक्षा केन्द्र
चेन्नई	सीपीआर पर्यावरण शिक्षा केन्द्र
धनबाद	खनन पर्यावरण केन्द्र
बंगलुरु	पारिस्थितिकी विज्ञान केन्द्र

क्र.सं.	प्रदूषक	प्रभाव
1.	कार्बन मोनोऑक्साइड	लीवर और किडनी की क्षति
2.	नाइट्रोजन के ऑक्साइड	कैंसर
3.	धूल के कण	शवास संबंधी रोग
4.	सीसा	केन्द्रीय नर्वस सिस्टम दुष्प्रभावित

- विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है।
- प्रथम विश्व पर्यावरण दिवस 1974 में मनाया गया था।

पोषक पदार्थ (Nutrients)

- पोषक पदार्थ वे पदार्थ हैं, जो जीवों में विभिन्न प्रकार के जैविक कार्यों के संचालन एवं संपादन के लिए आवश्यक होते हैं।
- पोषक पदार्थ चार प्रकार के होते हैं-ऊर्जा उत्पादक, उपापचयी नियंत्रक, वृद्धि तथा निर्माण पदार्थ, आनुवंशिक पदार्थ।
- जो पोषक पदार्थ ऊर्जा उत्पन्न करते हैं, ऊर्जा उत्पादक कहलाते हैं, जैसे-वसा एवं कार्बोहाइड्रेट।
- जो पोषक पदार्थ शरीर की विभिन्न उपापचयी क्रियाओं का नियंत्रण करते हैं, उपापचयी नियंत्रक कहलाते हैं, जैसे- खनिज लवण, जल, विटामिन, वसा।

- जो पोषक पदार्थ शरीर की वृद्धि एवं शरीर की टूट-फूट की मरम्मत का कार्य करते हैं बॉडी बिल्डिंग पदार्थ कहलाते हैं, जैसे- प्रोटीन।
- आनुवंशिक पदार्थ वे पोषक पदार्थ हैं जो आनुवंशिक गुणों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में ले जाते हैं।

प्रोटीन (Protein)

- प्रोटीन शारीरिक वृद्धि एवं विकास के लिए आवश्यक है। ये कोशिकाओं, जीवद्रव्य एवं ऊतकों के निर्माण में भाग लेते हैं। इसलिए प्रोटीन को 'बॉडी बिल्डिंग फूड' भी कहा जाता है। **SSC JE-2024**
- प्रोटीन में कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन एवं नाइट्रोजन तत्व पाए जाते हैं।
- प्रोटीन शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग जे. बार्जीलियस ने किया था।
- सामान्य क्रियाशील महिला हेतु प्रतिदिन प्रोटीन की आवश्यक मात्रा लगभग 45 ग्राम और पुरुषों में लगभग 50-80 ग्राम के करीब होती है।
- प्रोटीन पेप्टाइड बॉन्ड द्वारा जुड़ी अमीनो अम्ल की कई सौ छोटी इकाइयों से निर्मित होते हैं।
- मानव शरीर में 20 प्रकार के अमीनों अम्ल पाये जाते हैं।
- सोयाबीन से सबसे अधिक मात्रा में प्रोटीन प्राप्त होता है।
- केसीन प्रोटीन दूध में पायी जाती है। **SSC CGL-2024**
- प्रोटीन की कमी से शिशुओं में मैरास्मस (Marasmus) और क्वाशियोरकोर (Kwashiorkor) हो जाता है। **SSC CHSL-2024, SSC CPO-2022**

- प्रोटीन के मुख्य स्रोत दूध, सोयाबीन, दाल, मछली, अंडा आदि हैं।

कार्बोहाइड्रेट (Carbohydrates)

- इसका प्राथमिक कार्य शरीर को ऊर्जा प्रदान करना है। **SSC JE-2024**
- शरीर में 50-70% ऊर्जा की पूर्ति कार्बोहाइड्रेट के द्वारा होती है।
- आलू कार्बोहाइड्रेट (मण्ड) का मुख्य स्रोत है। **SSC JE-2024, CDS-2024**

- कार्बोहाइड्रेट में कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन प्रायः 1:2:1 के अनुपात में उपस्थित रहते हैं।
- 1 ग्राम कार्बोहाइड्रेट से 4 किलो कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है।
- कार्बोहाइड्रेट की सरल अवस्था को मोनोसैकेराइड्स कहते हैं। जैसे- ग्लूकोज, फ्रक्टोज आदि।
- समान या भिन्न मोनोसैकेराइड्स के दो अणुओं के संयोजन से एक डाइसैकेराइड्स बनता है, जैसे- माल्टोज, सुक्रोज एवं लैक्टोज आदि।
- यह ग्लूकोज में बदलकर संचित भोजन का कार्य करता है।
- कार्बोहाइड्रेट के मुख्य स्रोत- गेहूँ, मक्का, बाजरा, आलू, शकरकंद, आदि हैं।
- मोनोसैकेराइड, डाइसैकेराइड, पॉलीसैकेराइड्स कार्बोहाइड्रेट्स के तीन प्रकार हैं।
- मोनोसैकेराइड्स के कई अणुओं के मिलने से लम्बी शृंखला को पॉली-सैकेराइड्स कहते हैं।
ग्लूकोज + ग्लैक्टोज → लैक्टोज
ग्लूकोज + ग्लूकोज → माल्टोज
ग्लूकोज + फ्रुक्टोज → सुक्रोज

वसा (Fats)

- वसा शरीर को ऊर्जा प्रदान करने वाला प्रमुख खाद्य पदार्थ है।
- वसा, शरीर को ठंड से बचाने में मदद करती है।
- वसा में कार्बन, हाइड्रोजन एवं ऑक्सीजन विभिन्न मात्राओं में पाए जाते हैं।
- 1 ग्राम वसा से 9 किलो कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है।
- एक वयस्क व्यक्ति में 20-30% ऊर्जा वसा से प्राप्त होती है।
- वसा दो प्रकार की होती है- 1. संतृप्त वसा 2. असंतृप्त वसा
- वसा प्रोटीन के स्थान पर शरीर को ऊर्जा प्रदान करती है।
- वसा के प्रमुख स्रोत दूध, पनीर, अंडा, मछली एवं वनस्पति तेल आदि हैं।

विटामिन (Vitamins)

- विटामिन कार्बनिक यौगिक होते हैं। इनकी थोड़ी मात्रा अच्छे स्वास्थ्य और रोगों से शरीर की रक्षा के लिये आवश्यक होती है।
- सी. फंक ने 1912 ई. में विटामिन की खोज की।
- खाना पकाने समय विटामिन-C नष्ट हो जाता है। **SSC JE-2024**
- विटामिन-A त्वचा और आँखों को स्वस्थ रखने में सहायक है। **SSC MTS-2023**
- विटामिन दो प्रकार के होते हैं- 1. जल में घुलनशील (B, C) 2. वसा में घुलनशील (A, D, E, K)

विटामिन की कमी से होने वाले रोग एवं उसके स्रोत

विटामिन	रासायनिक नाम	रोग	स्रोत
विटामिन- A	रेटिनॉल	रतौंधी, जीरोपथेलिमिया	दूध, अंडा, हरी सब्जी, कॉड लिवर ऑयल, यकृत, गाजर
विटामिन-B ₁	थायमीन	बेरी-बेरी	अनाज, सोयाबीन, दूध, यीस्ट, अंडे, माँस, गेहूँ
SSC CGL-2024, SSC JE-2024, SSC MTS-2023, SSC DP Const.-2023			
विटामिन-B ₂	राइबोफ्लेविन	किलोसिस, त्वचा का फटना, आँखों का लाल होना	अंडे, यीस्ट, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, माँस, यकृत, टमाटर
विटामिन-B ₃	नियासिन	पेलाग्रा (त्वचा दाद)	ब्रोकली, राजमा, मछली, यीस्ट, मशरूम, मूँगफली, मेवा
विटामिन-B ₅	पैंटोथीनिक अम्ल	वृद्धि में कमी, चर्म रोग, बाल का सफेद होना	दूध, यकृत, माँस, दही, टमाटर, मूँगफली, गन्ना, मक्का, ब्रोकली, मशरूम, सूरजमुखी
विटामिन-B ₆	पाइरीडॉक्सीन	एनीमिया, चर्म रोग, पेशीय ऐंठन	माँस, मछली, यीस्ट, यकृत, दूध, अनाज, पालक, आलू, गाजर, शंकरकंद, केला

विटामिन-B ₇	बायोटिन	चर्म रोग, बालों का झड़ना	यकृत, माँस, अंडा, यीस्ट, मेवा (अखरोट), मूंगफली, फल	विटामिन-D	कैल्सिफेरॉल	ऑस्टियोमैलेरिसिया (वयस्को में), रिकेट्स (बच्चों में)	मक्खन, यकृत, अंडे, सूर्य का प्रकाश, दूध, कॉड लिवर ऑयल
विटामिन-B ₉	फोलिक अम्ल	एनीमिया, ध्रुण में न्यूरल ट्युब दोष	हरी सब्जियाँ, दालें	DP Const.-2023			
विटामिन-B ₁₂	सायनो कोबालमिन	रुधिर क्षीणता, तंत्रिका तंत्र में गड़बड़ियाँ	दूध एवं दूध उत्पाद, माँस, मछली, अंडा, यकृत	विटामिन-E	टोकोफेरॉल	पेशियाँ कमजोर, जनन शक्ति का कम होना	मूंगफली, तेल, गेहूँ, बादाम, सोयाबीन, अंडे की जर्दी
विटामिन-C	एस्कॉर्बिक अम्ल	स्कर्वी रोग	खट्टे फल, टमाटर, पपीता, आलू, अमरुद, ब्रोकली, किवी, स्ट्रॉबेरी, पालक	विटामिन-K	फिलोक्विनोन	चोट लगने पर रक्त का थक्का न जमने से अधिक रक्त स्राव का होना	अंडा, यकृत, दुग्ध उत्पाद, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, टमाटर, गोभी, सोयाबीन, अनार आँत में भी उत्पन्न होता है।
SSC Selection Post-2024				SSC CPO-2024			

खनिज तत्वों की कमी से होने वाले रोग

खनिज तत्व	स्रोत	महत्त्व	कमी के प्रभाव
कैल्शियम (Ca)	दूध, पनीर, मछली, अंडे, हरी सब्जियाँ	दाँतों और अस्थियों की रचना, तंत्रिकाओं एवं पेशियों के कार्य	दाँत एवं हड्डियाँ दुर्बल, शरीर की वृद्धि अवरूद्ध
मैग्नीशियम (Mg)	दूध, साबुत अनाज, मछली, माँस	दाँतों एवं अस्थियों की रचना, तंत्रिका तंत्र की कार्यिकी	उपापचयी क्रियाओं की अनियमितता से विविध तंत्रों की कार्यिकी प्रभावित
फॉस्फोरस (P)	दूध, माँस, मछली, अनाज	दाँतों और अस्थियों की रचना, अम्ल क्षार सन्तुलन	दाँत व अस्थियाँ कमजोर, शरीर की वृद्धि प्रभावित
SSC JE-2024			
पोटैशियम (K)	माँस, दूध, अनाज, फल, हरी सब्जियाँ	अम्ल-क्षार सन्तुलन, जल संतुलन, हृदय स्पंदन	निम्न रक्त चाप, पेशियों में दुर्बलता, अंगघात की आशंका
क्लोरीन (Cl)	खाने वाला नमक	अम्ल-क्षार संतुलन, जल सन्तुलन	भूख की कमी, थकावट
गंधक (S)	अंडा, माँस, पनीर, मछली, ब्रोकली	कैरोटीन के संश्लेषण के लिए आवश्यक, अमीनों अम्ल, हॉर्मोनस, विटामिन्स का घटक	प्रोटीन का संश्लेषण कम हो सकता है
सोडियम (Na)	खाने वाला नमक	जल संतुलन, अम्ल-क्षार संतुलन	निम्न रक्त चाप, थकावट
लोहा (Fe)	माँस, पालक, फलियाँ, राजमा, हरी सब्जियाँ	हीमोग्लोबिन का घटक ऑक्सीजन का परिवहन	हीमोग्लोबिन की कमी से रक्त क्षीणता, दुर्बलता
DP Const.-2023			
आयोडीन (I)	समुद्री भोजन, आयोडीन युक्त नमक	थाइरॉक्सिन हॉर्मोन का महत्त्वपूर्ण घटक	घेंघा रोग
SSC CHSL-2023			
जिंक (Zn)	अनाज, दूध, अण्डा, समुद्री भोजन	जल अपघटन का सहघटक, जननागों का विकास, प्रतिरोधी क्षमता का विकास	खुरदरी त्वचा, जनन क्षमता का क्षय
ताँबा (Cu)	माँस, समुद्री भोजन, मेवा	रुधिर वाहिनियों के विकास हेतु आवश्यक	रक्त क्षीणता, रुधिर वाहिनियों की दुर्बलता
मैंगनीज (Mn)	फल, अनाज, काली चाय, मसाले बीज	यूरिया-संश्लेषण तथा फॉस्फेट समूह के स्थानान्तरण से सम्बन्धित प्रतिक्रियाओं के कुछ एन्जाइम्स का सहघटक	अस्थि, उपास्थि तथा संयोजी ऊतकों की वृद्धि में अनियमितता

रोजगार पब्लिकेशन

कोबाल्ट (Co)	दूध, पनीर, माँस	विटामिन-B ₁₂ का महत्वपूर्ण घटक	रक्तक्षीणता
सेलीनियम (Se)	समुद्री भोजन, माँस, अनाज	विटामिन-E का सहायक	पेशियों में पीड़ा
क्रोमियम (Cr)	यीस्ट, माँस, समुद्री भोजन	ग्लूकोज तथा अपचयी-उपाचयी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।	मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है।
मोलिब्डेनम (Mo)	अनाज, कुछ सब्जियाँ, फलियाँ	कुछ एन्जाइम्स का सहघटक	नाइट्रोजनीय अपजात पदार्थों के उत्सर्जन में अनियमितता

नोट: दूध कैल्शियम, फॉस्फोरस और प्रोटीन का उत्तम स्रोत है।

DP Const.-2023

जीवणु (Bacteria) द्वारा जनित रोग

रोग	प्रभावित अंग	जीवणु का नाम	लक्षण
टिटनेस/धनुषंकार	तंत्रिका तंत्र	क्लॉस्ट्रीडियम टेटेनी	तेज बुखार, शरीर में ऐंठन, जबड़ा बन्द होना
हैजा	आँत	विब्रियो कॉलेरी	लगातार दस्त एवं उल्टियाँ
टायफॉइड	आँत	साल्मोनेला टाइफी	तेज बुखार, सिर दर्द
DP Const.-2022			
क्षय रोग/तपेदिक	फेफड़े	माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस	बार-बार खाँसी के साथ कफ, रक्त निकलना
SSC JE-2024			
डिप्थीरिया	श्वासनली	कोरिने बैक्टीरियम डिप्थीरिया	साँस लेने में कठिनाई एवं दम घुटना
प्लेग	फेफड़े, कारव दोनों पैर के बीच	पाश्चुरेला पेस्टिस	बहुत तेज बुखार, शरीर पर गिल्टियाँ
सिफलिस	शिशन	टैपोनमा पैलिडम	शिशन में घाव
गोनोरिया	मूत्र मार्ग	नाइसेरिया गोनोरियाई	मूत्र मार्ग में सूजन
निमोनिया	फेफड़ा	स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनी	तेज बुखार, फेफड़ों में सूजन
कोढ़	तंत्रिका-तंत्र, त्वचा	माइकोबैक्टीरियम लेप्री	शरीर पर चकत्ते, तंत्रिकाएँ प्रभावित

नोट- जीवणु के कारण मनुष्य और मवेशियों एंथ्रेक्स नामक खतरनाक बीमारी हो जाती है।

DP Const.-2020

परजीवी (Protozoa) द्वारा जनित रोग

रोग	प्रभावित अंग	परजीवी	वाहक	लक्षण
मलेरिया	तिल्ली एवं RBC	प्लाज्मोडियम	मादा-एनोफेलीज	ठंड के साथ बुखार
पायरिया	मसूढ़े	एन्टामीबा जिन्जीवैलिस		मसूढ़ों से रक्त का निकलना
काला अजार	अस्थि मज्जा	लीशमैनिया डोनोवानी	बालू मक्खी	तेज बुखार
पेचिस	आँत	एन्टामीबा हिस्टोलिका		श्लेष्मा एवं खून के साथ दस्त
सोने की बीमारी	मस्तिष्क	ट्रिपानोसोमा	सी-सी मक्खी	बहुत नींद के साथ बुखार

विषाणु (टपतने) के द्वारा होने वाला रोग

रोग	प्रभावित अंग	वायरस का नाम	लक्षण
एड्स	प्रतिरक्षा प्रणाली (WBC)	HIV	रोग प्रतिरोधक क्षमता का नष्ट होना।
हर्पीज	त्वचा	हर्पीस	त्वचा में सूजन हो जाती है।
खसरा	सम्पूर्ण शरीर	मोर्बिली वायरस	शरीर पर लाल दानें
पोलियो	गला, रीढ़, नाड़ी संस्थान	पोलियो	ज्वर, बदन में दर्द, रीढ़ की हड्डी, आँत की कोशिकाएँ नष्ट हो जाती हैं।
चेचक	सम्पूर्ण शरीर	वैरिओला वायरस	तेज बुखार, शरीर पर लाल-लाल दानें
इन्फ्लूएंजा	सम्पूर्ण शरीर	मिक्सो वायरस	गलशोथ, छींक, बेचैनी
गलशोथ	पैराथाइरॉइड ग्रंथि		ज्वर के साथ मुँह खोलने में कठिनाई
छोटी माता	सम्पूर्ण शरीर	वैरिसेला वायरस	हल्का बुखार, शरीर पर पित्तिकाएँ

ट्रेकोमा	आँख		आँख लाल होना, आँख में दर्द
हिपेटाइटिस	यकृत		पेशाब पीला, आँख एवं त्वचा पीली हो जाती हैं।
रेबीज	तंत्रिका तंत्र	रैब्डो वायरस	रोगी पागल हो जाता है।
मेनिनजाइटिस	मस्तिष्क		तेज बुखार
डेंगू ज्वर	सम्पूर्ण शरीर खासकर सिर, आँख एवं जोड़	अरबो वायरस	आँखों, पेशियों, सिर तथा जोड़ों में दर्द

नोट- विषाणु (वायरस) जब तक जीवित जीव में प्रवेश नहीं करता है इसमें जीवन का कोई लक्षण नजर नहीं आता है क्योंकि इनमें कोशिका झिल्ली और अन्य अंगक नहीं होते हैं।

SSC JE-2023

- विटामिन-K रक्त का थक्का बनाने में मदद करता है।
- विटामिन B₁₂ में कोबाल्ट पाया जाता है।
- विटामिन A नेत्र, त्वचा, हड्डी एवं हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती प्रदान करता है।
- सूर्य के प्रकाश में उपस्थित पराबैंगनी किरणों द्वारा त्वचा के कोलेस्टेरॉल द्वारा विटामिन D का संश्लेषण होता है।
- विटामिन K जीवाणुओं द्वारा हमारे कोलन में संश्लेषित होता है तथा वहाँ से उसका अवशोषण भी होता है।
- इसकी संरचना मुकुट (Crown) या सौर सोरोना (Solar Corona) जैसी संरचना दिखायी जाती है।
- कोरोना वायरस से फैलने वाले संक्रमण में खाँसी या बहती नाक जैसे हल्के श्वसन लक्षण (Respiratory Symptoms) उत्पन्न होते हैं।
- गंभीर मामलों में कोरोना वायरस से Severe Acute Respiratory Syndrome (SARS) और Middle East Respiratory Syndrome (MERS) हो सकता है।
- गंभीर मामलों में संक्रमण से निमोनिया, SARS, गुर्दे की विफलता और यहाँ तक की मृत्यु भी हो सकती है।
- COVID-19 को रोकने के लिए चार टीके हैं।

जल (Water)

- शरीर के भार का 65-75% भाग जल है।
- जल शरीर के ताप को स्वेदन (पसीना) तथा वाष्पन द्वारा नियंत्रित करता है।
- जल शरीर के अपशिष्ट पदार्थों के उत्सर्जन का महत्वपूर्ण माध्यम है।
- जैव रासायनिक अभिक्रियाएँ शरीर में जलीय माध्यम से सम्पन्न होती हैं।
- जल भोजन का एक मुख्य अकार्बनिक स्रोत है। **DP Const.-2023**

न्यूक्लिक एसिड (Nucleic Acid)

- न्यूक्लिक अम्ल हमारी कोशिकाओं में अल्प मात्रा में DNA व RNA के रूप में पाये जाते हैं।
- ये कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, ऑक्सीजन व फॉस्फोरस से बने न्यूक्लियोटाइड के बहुलक हैं।
- न्यूक्लिक अम्ल का कार्य आनुवंशिकी गुणों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में पहुँचाना है।
- एन्जाइम के निर्माण एवं प्रोटीन संश्लेषण का नियंत्रण भी न्यूक्लिक एसिड द्वारा होता है।
- ये क्रोमेटिन जाल के निर्माण में भी सहायक हैं।

खनिज लवण (Minerals)

- खनिज लवण शरीर की उपापचयी-क्रियाओं को नियंत्रित करते हैं। मनुष्य इसे भोजन के रूप में ग्रहण करते हैं।
- गर्भवती स्त्रियों में प्रायः कैल्शियम और आयरन की कमी हो जाती है।
- शरीर के कुल वजन का 4 से 5% होते हैं।

कोरोना वायरस

- कोरोना वायरस एक 'RNA Virus' है जो उत्परिवर्तित (Mutate) और पुन संयोजित (Recombine) होकर नए उपभेदों (Strains) को उत्पन्न करने में सक्षम है।
- यह पहली बार चीन के हुबेई प्रांत के वुहान शहर में पाया गया।

कोविशील्ड	सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया एवं ऑक्सफोर्ड एस्ट्राजेनेवा के सहयोग से बनी
कोवैक्सीन	भारत बायोटेक
मॉडर्ना और स्युतनिक	V- गैमालेया इंस्टीट्यूट (रूस)

- भारत में केन्द्रीय ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (CDSCO) द्वारा आपातकालीन उपयोग के लिए अधिकृत दिए गए दो टीके हैं-
- कोविडशिल्ड (सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डिया द्वारा निर्मित एस्ट्राजेनेका का टीका)
- कोवैक्सीन (भारत बायोटेक लिमिटेड द्वारा निर्मित) हैं।
- "Pfizer" एवं "Suptnic" अन्य टीके हैं।
- Pfizer अमेरिका फार्मा कंपनी द्वारा निर्मित टीका है।
- Sputnik रूस द्वारा निर्मित टीका है।
- जिका बुखार, जिसे जिका रोग के नाम से जाना जाता है जिका वायरस के कारण उत्पन्न होता है। जिका बुखार एडीज मच्छर के काटने से फैलता है।
- खून चढ़ाने, शारीरिक संबंध बनाने से इसके फैलने की संभावना होती है।
- लक्षण-बुखार, लाल आँखें, सिरदर्द, लाल चकत्तें, जोड़ों में दर्द आदि।
- अतिसार (Diarrhoea)- यह रोग घरेलू मक्खी द्वारा प्रसारित होता है। इस रोग का कारण एस्केरिस लुम्बिकाइडीज नामक अंतःपरजीवी प्रोटोजोआ (निमेटोड) है। आँत में घाव हो जाता है। प्रोटीन पचाने वाला एन्जाइम ट्रिप्सिन नष्ट हो जाता है।
- फाइलेरिया (Filaria)- इसका संचरण क्यूलेक्स मच्छरों के काटने से होता है। यह रोग फाइलेरिया बैन्क्रोफटाई नामक कृमि से होता है। इसको हाथीपांव (Elephantiasis) भी कहते हैं

मनुष्यों में होने वाले आनुवंशिक रोग

आनुवंशिक विकार	प्रभावित गुणसूत्र	लक्षण
दात्र-कोशिका अरक्तता	11	अरक्तता व परिवहन में कमी
सिस्टिक फाइब्रोसिस	7	फेफड़ों, यकृत व अग्न्याशय पर श्लेष्म
फिनाइल कोटोन्यूरिया	12	मस्तिष्क का कम विकास
हन्टिंगटन रोग (कोरिया)	4	मध्य आयु में मस्तिष्क में ऊतकों का नष्ट होना
हीमोफीलिया	X	रुधिर का थक्का न बनना
वर्णांधत	X	हरे शंकु रंजक व लाल शंकु रंजक की अनुपस्थिति
डाउन सिन्ड्रोम	21	कम बुद्धिमत्ता, चेहरे के हाव भाव अनियमित
क्लाइनफिल्टर सिन्ड्रोम	लिंग	स्त्रियों के लक्षणों वाले पुरुष
टर्नर सिन्ड्रोम	लिंग	बाँझ स्त्री

- कुशिंग सिन्ड्रोम के कारण कंधों के बीच एक मोटा कूबड़, त्वचा पर गुलाबी या बैंगनी खिंचाव के निशान हो जाते हैं। **DP Const.-2023**
- सिजोफ्रिनिया में रोगी कल्पनाओं को ही सत्य समझने लगता है वास्तविकता को नहीं।
- पक्षाघात या लकवा (Paralysis), एलर्जी (Allergy), डिप्लोपिया (Diplopia), कैंसर (Cancer), क्लीनेफेल्टर सिन्ड्रोम (Klinefelter's syndrome) आदि आनुवंशिक रोग हैं।
- चिकनगुनिया** - चिकनगुनिया वायरस से होता है। यह मादा एडिज मच्छर, एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है।
- ELISA (Enzyme Linked Immune Sorvent Assay) यह HIV वायरस की जाँच करने की एक प्रणाली है।
- वेस्टर्न ब्लॉट टेस्ट-यह HIV संक्रमण की खास जाँच है जो व्यक्ति के पाजिटिव होने पर बताता है कि व्यक्ति HIV से ग्रस्त है।
- HIV p24 एंटीजन एचआईवी की स्पष्ट जाँच करता है। इससे रोग की तीव्रता की जानकारी मिलती है।
- विषाणु से संक्रमित शरीर की कोशिकाएँ इन्टरफेरॉन नामक प्रोटीन बनाती हैं।
- डेंगू ज्वर मादा एडिज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है। डेंगू ज्वर के कारण मानव शरीर में प्लेटलेट्स की कमी हो जाती है।
- वर्तमान में AIDS के उपचार के लिए एजिडोथाइमीडिन (AZI) औषधि का प्रयोग किया जा रहा है।
- कैंसर रोग के उपचार के लिए कीमोथरेपी दी जाती है।
- कासीनोमास, साकोमास, ल्यूकोमियस, लिम्फोमास कैंसर के चार प्रकार हैं।

प्रमुख केन्द्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम

राष्ट्रीय आयोडीन विकार नियंत्रण कार्यक्रम	1962
राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम	1976
वन्दे मात्रम योजना	2004
राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम	1975-76
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम	1982

समन्वित रोग निगरानी परियोजना	1997-98
पल्स पोलियो कार्यक्रम	1997-98
राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम	1997
प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम	1997-98
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम	1992
जननी सुरक्षा योजना	2005

- 1952 ई. में जोनस साल्क तथा 1962 ई. में अल्बर्ट साबिन ने पोलियो वैक्सीन का विकास किया।
- हृदय की रक्त पम्प करने की क्षमता 4.5 लीटर/मिनट होती है।
- छोटी आँत का व्यास 2.5-3 सेमी तथा लम्बाई 7 मीटर होती है।
- मनुष्य में लिंग-निर्धारण पुरुष के क्रोमोसोम पर निर्भर होता है न कि स्त्रियों के क्रोमोसोम पर।
- शरीर के भीतर रक्त-परिक्रमण (Blood-circulation) में लगभग 23 सेकण्ड का समय लगता है।

चिकित्सा संबंधी अधिकार

आविष्कार	आविष्कारक
विटामिन	फंक
विटामिन 'बी'	मैकुलन
एंटीजन	लैंडस्टीनर
होम्योपैथी	हैनीमैन
विटामिन 'डी'	हॉपकिन्स
स्ट्रैप्टोमाइसिन	बॉम्समैन
प्रथम परखनली शिशु	एडवर्ड्स एवं स्टेप्टो
आर०एन०ए०	जेम्स वाटसन तथा आर्थर
डी०एन०ए०	जेम्स वाटसन तथा क्रिक
चेचक का टीका	एडवर्ड जेनर
जमिंग जीन सिद्धान्त	बारबरा मैक्लिन्टॉक
विटामिन 'ए'	मैकुलन
विटामिन 'सी'	होल्कट
टी०बी० बैक्टीरिया	रॉबर्ट कोच
पेनिसिलीन	अलेक्जेंडर फ्लेमिंग
इंसुलिन	बैटिंग
पुनरावर्तन सिद्धान्त	अस्ट्रै हैकेल
रेबीजरोधी टीका, पाश्चुरीकरण	लुई पाश्चर SSC CHSL-2024
बी०सी०जी०	यूरिन कालमेट
हृदय प्रत्यारोपण	क्रिश्चियन बर्नार्ड
लिंग हॉर्मोन	स्टेनाच
मलेरिया परजीवी व चिकित्सा	रोनाल्ड रॉस
क्लोरोफॉर्म	हैरिसन तथा सिम्पसन
पेचिश तथा प्लेग की चिकित्सा	फिटाजाटोज
DNA संश्लेषण	कॉर्नबर्ग
हृदय का प्रथम प्रतिस्थापन	क्रिश्चियन बर्नार्ड
लेप्रॉसी वेसिलस का आविष्कार	हेन्सेन

इलेक्ट्रो कार्डियोग्राफ	आइन्डोज
-------------------------	---------

प्रमुख चिकित्सा उपकरण

सी.टी. स्कैन (C.T. Scan)	संपूर्ण शरीर में किसी असामान्य या विकृति का पता लगाना।
पेसमेकर (Pacemaker)	हृदय की गति कम हो जाने पर उसे सामान्य अवस्था में लाने हेतु प्रयुक्त उपकरण।
इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी (ECG)	हृदय के संकुचन एवं प्रसार व अन्य प्रकार के विकार का पता लगाना।
इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राम (EEG)	मस्तिष्क में होने वाली विकृतियों का पता लगाने के लिए।
आटो एनालाइजर (Auto Analyser)	विभिन्न जैव ग्लूकोस, यूरिया, कोलेस्ट्रॉल आदि की जाँच।

महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ

सबसे बड़ा जीवित पक्षी	शतुरमुर्ग
सबसे बड़ा कपि	गोरिल्ला
अंडप्रजनक स्तनी	एकिडना
सबसे व्यस्त मानव अंग	हृदय
सबसे तेज दौड़ने वाला जन्तु	चीता
सबसे तेज उड़ने वाला पक्षी	पेरिग्रिन फाल्कन
सबसे छोटा पक्षी	हमिंग पक्षी
सबसे बड़ा अंडा	शतुरमुर्ग का
सबसे बड़ा स्थली स्तनी	अफ्रीकी हाथी

सबसे बड़ा तथा भारी स्तनी	नीली व्हेल
सबसे ऊँचा स्तनी	जिराफ (अफ्रीका)
सबसे बड़ी हड्डी	फीमर (Thigh bone)
सबसे छोटी हड्डी	स्टेपीज (Stapes)
सबसे बड़ी पेशी	ग्लूटस मैक्सिमस (Gluteus)
सबसे छोटी पेशी	स्टेपेडियस (Stapedius)
सबसे बड़ा अंग	त्वचा (Skin)
सबसे पतली त्वचा	कंजंक्टिवा (Conjunctiva)
संपूर्ण शरीर में रक्त का आयतन	5-6 लीटर
सामान्य रक्त चाप	120/80 mm-hg
सर्वदाता रक्त समूह	'O' समूह
सर्वग्राही रक्त समूह	'AB' समूह
श्वसन दर	12-20 प्रति मिनट
मस्तिष्क का भार	1300-1400 ग्राम
सामान्य हृदय दर	72 प्रति मिनट
सामान्य नाड़ी दर	60-80 प्रति मिनट
सामान्य शरीर तापक्रम	98.6°F (37°C)
मूत्र का pH	6.0
रक्त का pH	7.35-7.45
गैस्ट्रिक जूस का pH	1.5-3.5
सबसे बड़ा सर्प	पाइथन

परिचय एवं इतिहास

- कंप्यूटर एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन है, जो डेटा ग्रहण करता है व इसे सॉफ्टवेयर या प्रोग्राम के अनुसार प्रोसेस करता है।
- चार्ल्स बैबेज को 'कंप्यूटर का जन्मदाता' कहा जाता है।
- अबेकस ऐसा यंत्र है जिसे चीन में विकसित किया गया था। इसका उपयोग गणितीय संचिकाओं के लिए किया जाता है।
- प्रथम मैकेनिकल कैलकुलेटर के आविष्कार का श्रेय ब्लेज पास्कल को दिया जाता है। इसे ऐडिंग मशीन (Adding Machine) भी कहा गया है, क्योंकि यह केवल जोड़ या घटाव करने में सक्षम था।
- प्रथम डिजिटल कंप्यूटर ENIAC (Electronic Numerical Integrator and Computer) है, जिसका निर्माण पेन्सिलवेनिया यूनिवर्सिटी के J. Presper Eckert और John Muchly ने किया था।
- सन् 1960 में डिजिटल इक्विपमेंट कॉर्पोरेशन ने प्रथम मिनी कंप्यूटर PDP-1 लॉन्च किया।
- सन् 1981 में 'EPSON' कंपनी ने पहला लैपटॉप किया।

विभिन्न पीढ़ी के कंप्यूटर**1. प्रथम पीढ़ी (First Generation) 1942-1955**

- इसमें निर्वात ट्यूब (Vacuum tubes) का प्रयोग किया गया था।

UPSSSC- 2016

- इसमें सारे निर्देश 0 और 1 के रूप में होते थे तथा मशीनी भाषा का प्रयोग किया जाता था।
- निर्वात ट्यूब में अत्यधिक ऊष्मा उत्पन्न होती थी तथा इसको ठंडा रखने के लिए अधिक मात्रा में विद्युत खर्च होती थी।
- UNIVAC I प्रथम व्यावसायिक कंप्यूटर था।
- उदाहरण- ENIAC और मार्क-I।

SSC CHSL- 2023

2. द्वितीय पीढ़ी (Second Generation) 1956-1964

- इस दौरान व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों में भी कंप्यूटर का प्रयोग शुरू हुआ। नयी प्रोग्रामिंग भाषायें विकसित हुईं।
- इस पीढ़ी में निर्वात-ट्यूब की जगह ट्रांजिस्टर का प्रयोग प्रारंभ हुआ।

SSC CGL 2023

- कंप्यूटर के डेटा को स्टोर करने के लिए मैग्नेटिक टेप या डिस्क का उपयोग किया गया। डिस्क पर आयरन ऑक्साइड की परत होती थी।

3. तृतीय पीढ़ी (Third Generation) 1965-1975

- इस पीढ़ी के कंप्यूटर में ट्रांजिस्टर की जगह I.C (Integrated Circuit) का प्रयोग शुरू हुआ। IC का विकास जे. एस. किल्बी ने किया।

- इस दौरान LSI (Large Scale Integration) तकनीक का प्रयोग किया गया, जिसमें सिलिकॉन चिप पर बड़ी मात्रा में ट्रांजिस्टर प्रयुक्त किया गया।
- इस तकनीक के विकास से कंप्यूटर की गति में तीव्रता एवं आकार में कमी आ गयी।
- इस पीढ़ी में RAM (Random Access Memory) का प्रयोग होने लगा, जिससे स्टोरेज क्षमता में वृद्धि हो गयी।

4. चतुर्थ पीढ़ी (Fourth Generation) 1975-1990

- इस पीढ़ी में VLSI (Very Large Scale Integration) का प्रयोग शुरू हुआ। VLSI की सहायता से माइक्रो-प्रोसेसर विकसित हुआ, जिससे कंप्यूटर की क्षमता बेहतर हो गयी तथा आकार भी छोटा हो गया।
- इस पीढ़ी में स्टोरेज के लिए सेमी कंडक्टर मेमोरी का उपयोग किया जाने लगा।
- इस दौरान MS Windows, Apple Mac OS (ऑपरेटिंग सिस्टम) तथा C++ भाषा का विकास हुआ।
- उच्च स्तरीय भाषा (High Level Language) का विकास हुआ जिससे उपयोगकर्ता द्वारा कंप्यूटर का उपयोग करने में आसानी हुई।
- सिलाई मशीन, ओवन से लेकर व्यावसायिक उत्पादन और इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर तक में माइक्रोप्रोसेसर आधारित कंप्यूटर का उपयोग होने लगा।

5. पंचम पीढ़ी (Fifth Generation) 1990-अब तक

- ULSI (Ultra Large Scale Integration) तकनीकी का विकास हुआ। इससे एक छोटी-सी चिप पर बड़ी संख्या में उपकरणों को लगाया जा सकता है।
- इंटरनेट, वर्ल्ड वाइड वेब तथा ई-मेल जैसी तकनीकों का विकास हुआ।
- AI (Artificial Intelligence) इस पीढ़ी की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस युग में मल्टीमीडिया का उपयोग व्यापक रूप से किया जाने लगा।

IPOS Cycle

- किसी भी कंप्यूटर की आधारभूत क्रियाविधि IPOS (Input Process Output Storage) होती है।

Input → Process → Output → Storage

- कोई भी कंप्यूटर सिस्टम दो प्रमुख भागों से मिलकर बना होता है-
 1. हार्डवेयर
 2. सॉफ्टवेयर

हार्डवेयर

- कंप्यूटर के भौतिक उपकरणों को हार्डवेयर कहा जाता है। जैसे- मदरबोर्ड, की-बोर्ड, माउस तथा मानीटर।

इनपुट डिवाइस (Input Device)

□ जिन उपकरणों के माध्यम से कंप्यूटर को डेटा प्रदान किया जाता है, वे इनपुट डिवाइस कहलाते हैं।

□ **की-बोर्ड (Keyboard):** की-बोर्ड में 5 प्रकार के 'की key' होती हैं। की-बोर्ड की सहायता से टेक्स्ट तथा न्यूमेरिकल डेटा एंट्री कर सकते हैं। सामान्यतः की-बोर्ड में 104 Key शामिल होती है।

SSC CHSL- 2023

□ **माउस (Mouse):** यह एक इनपुट डिवाइस है, जिसका आविष्कार डगलस सी इंजेल्वर्ट ने किया था। इसकी सहायता से स्क्रोल या मानीटर पर ऐच्छिक स्थान पर क्लिक कर सकते हैं। UPSSSC- 2016

□ **ट्रैक बाल (Track ball):** इसका उपयोग चिकित्सा के क्षेत्र में, CAD तथा CAM में किया जाता है।

□ **OMR (Optical Mark Reader):** इस इनपुट डिवाइस का प्रयोग विशिष्ट स्थानों पर डाले गये चिह्नों को पहचानने में होता है। आजकल इसका प्रयोग प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तिका जाँचने में ज्यादातर होता है।

□ **MICR (Magnetic Ink Character Reader):** इसके द्वारा विशेष चुंबकीय स्याही से लिखे गये अक्षरों या चिह्नों को पढ़ा जाता है। इसका उपयोग बैंक चेक में वृहद स्तर पर किया जाता है।

□ **माइक्रोफोन (Microphone):** यह ध्वनि को रिकॉर्ड करने के लिए प्रयुक्त होता है।

□ **बार कोड रीडर (Bar Code Reader):** यह एक स्कैनिंग डिवाइस है, जिसका उपयोग बारकोड को रीड करने में होता है। दरअसल बार कोड Point of Sales डेटा रिकॉर्डिंग है। इसका उपयोग सुपर मार्केट, पुस्तकालय, बैंक तथा पोस्ट ऑफिस में प्रायः किया जाता है।

SSC CHSL- 2023

□ **वेबकैम (Web cam):** इसकी सहायता से, इंटरनेट के द्वारा, दूर बैठे व्यक्ति की फोटो देख सकते हैं- तथा स्वयं की फोटो उसे भेज सकते हैं।

□ **जॉयस्टिक (Joystick):** यह एक इनपुट डिवाइस है जिसका उपयोग कंप्यूटर गेम खेलने में होता है।

□ **स्कैनर (Scanner):** यह एक इनपुट डिवाइस है जिसमें टेक्स्ट या पिक्चर को डिजिटल फॉर्मेट में बदला जाता है। इसे एडिट या सेन्ड भी कर सकते हैं।

□ उपर्युक्त के अलावा टच स्क्रीन, प्रकाशीय कलम (Light Pen), स्पीच रिकग्निशन सिस्टम, OCR (Optical Character Recognition) भी इनपुट डिवाइस हैं।

SSC CHSL- 2023

आउटपुट डिवाइस (Output Devices)

□ ऐसे उपकरण जो कंप्यूटर द्वारा प्रोसेस्ड परिणाम देते हैं, आउटपुट डिवाइस कहलाते हैं।

□ **स्पीकर (Speaker):** यह आउटपुट के रूप में ध्वनि प्रदान करता है।

□ **प्लॉटर (Plotter):** इसे ग्राफीय आउटपुट प्राप्त करने के लिए, उपयोग में लाते हैं। यह आउटपुट के रूप में ग्राफ तथा रेखाचित्र प्रदान करता है। इसे प्रायः आर्किटेक्ट, चिकित्सक या इंजीनियर प्रयोग में लाते हैं।

□ **मॉनिटर (Monitor):** इसे VDU (Visual Display Unit) भी कहते हैं। यह आउटपुट को चित्र, वीडियो या ग्राफिक रूप में प्रदर्शित करता है।

SSC CGL- 2023

□ **प्रिंटर (Printer):** इसके द्वारा सॉफ्ट कॉपी, हार्ड कॉपी के रूप में

कागज, फ्लेक्स बोर्ड इत्यादि पर प्राप्त होता है। इसका उपयोग सामान्य डॉक्यूमेंट प्रिंट करने से लेकर बड़े-बड़े होर्डिंग, बैनर इत्यादि भी प्रिंट करने के लिए किया जाता है।

□ मार्केट में विभिन्न प्रकार के प्रिंटर उपलब्ध हैं-

(a) **कैरेक्टर प्रिंटर (Character Printer):** यह एक बार में एक अक्षर प्रिंट करता है।

(b) **लाइन प्रिंटर (Line Printer):** एक बार में एक लाइन प्रिंट करता है तथा इसकी गति तीव्र होती है।

(c) **पेज प्रिंटर (Page Printer):** यह अधिक क्षमता का प्रिंटर होता है। एक बार में एक पेज प्रिंट कर सकता है।

□ **इम्पैक्ट प्रिंटर (Impact Printer):** इस प्रिंटर के नाम से ही स्पष्ट है, यह चोट (Impact) कर प्रिंट करता है। कागज को प्रत्येक बार लेटर हैड टच करता है। इसके उदाहरण: डाट मैट्रिक्स व डेजीव्हील प्रिंटर हैं।

SSC CHSL- 2023

□ **नॉन इम्पैक्ट प्रिंटर (Non Impact Printer):** ये कागज पर चोट (Impact) नहीं करता, जिससे कि शोर भी नहीं होता। इसके कई उदाहरण हैं।

(a) **इंकजेट प्रिंटर (Inkjet Printer):** इसमें स्याही के लिए कार्टेज (cartridge) लगा होता है। इंकजेट कारतूस की सहायता से यह स्याही का छिड़काव कर चित्र या अक्षर प्राप्त करता है।

(b) **लेजर प्रिंटर (Laser Printer):** यह लेजर तकनीक पर आधारित प्रिंटर है। इसकी गुणवत्ता व कंप्यूटर स्पीड अन्य प्रिंटरों से काफी अच्छी होती है।

मेमोरी (Memory)

□ कंप्यूटर डेटा को जहाँ स्टोर करता है, इस स्टोरेज डिवाइस को मेमोरी कहते हैं।

□ मेमोरी अनेक छोटे-छोटे सेल में बँटा होता है, जिसे लोकेशन (Location) कहते हैं। प्रत्येक लोकेशन के लिए एक एड्रेस होता है, जिसकी सहायता से वांछित लोकेशन तक कंप्यूटर आसानी से पहुँच जाता है।

□ कंप्यूटर द्विआधारी पद्धति (Binary code) के रूप में डेटा और निर्देश (Instruction) को प्रोसेस करता है। इस बाइनरी कोड को '0' और '1' के रूप में प्रदर्शित करते हैं

□ 0 और 1 के विभिन्न संयोजनों द्वारा अलग-अलग डेटा या निर्देश को निरूपित करते हैं।

□ डेटा के प्रत्येक अक्षर को बिट कहते हैं।

□ मेमोरी के प्रत्येक लोकेशन में एक निश्चित बिट स्टोर कर सकते हैं। यह 8, 16, 32, या 64 बिट की हो सकती है।

□ बिट आधारभूत इकाई है। इसकी सहायता से अन्य बड़ी इकाइयाँ विकसित हैं-

1 निबल - 4 बिट

1 बाइट - 8 बिट

1 किलोबाइट (Kb) - 1024 बाइट

1 मेगाबाइट (Mb) - 1024 किलोबाइट (Kb)

SSC CHSL- 2023

1 गीगाबाइट (Gb) - 1024 मेगाबाइट (Mb)

1 टेराबाइट (Tb) - 1024 गीगाबाइट (Gb)

1 पेटाबाइट (Pb)	–	1024 टेराबाइट (Tb)
1 एक्साबाइट (Eb)	–	1024 पेटाबाइट (Pb)
1 जेटाबाइट (Zb)	–	1024 एक्सा बाइट (Eb)

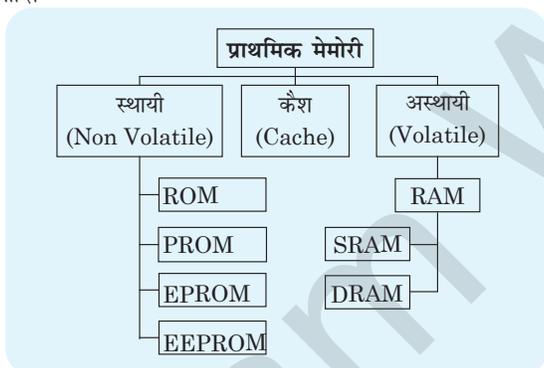
□ मेमोरी मुख्यतः दो प्रकार की होती है-

□ **1. प्राथमिक मेमोरी (Primary Memory):** इसका दूसरा नाम सेमीकंडक्टर मेमोरी (Semiconductor Memory) भी है। यह कंप्यूटर सिस्टम यूनिट के भीतर स्थित होती है, इसलिए इसे इलेक्ट्रॉनिक मेमोरी भी कहा जाता है। जैसे- सेमीकंडक्टर, रजिस्टर तथा कैश।

SSC CHSL- 2023

- इसकी स्मृति क्षमता कम जबकि गति तीव्र होती है।
- इसे अस्थायी मेमोरी भी कहा जाता है क्योंकि कंप्यूटर को ऑफ कर देने पर सूचना भी समाप्त हो जाती है।
- इसमें अस्थायी निर्देशों और तात्कालिक परिणामों को संग्रहित किया जाता है।

□ **2. द्वितीयक मेमोरी (Secondary Memory):** इसे सहायक मेमोरी (Auxiliary Memory) भी कहा जाता है। इसके द्वारा डेटा सॉफ्टवेयर तथा अंतिम परिणामों को स्थायी रूप से सहायक मेमोरी से मुख्य मेमोरी में लाया जाता है। जैसे- चुम्बकीय डिस्क, ऑप्टिकल डिस्क, हार्ड डिस्क आदि।



□ **स्थायी मेमोरी Non-Volatile Memory:** वह मेमोरी होती है जिसमें Power Supply न होने पर भी डेटा खत्म नहीं होता है। इस मेमोरी को Permanent Memory भी कहते हैं। इस मेमोरी में Space Capacity बहुत ज्यादा होती है।

Delhi Police- 2018

□ **ROM (Read Only Memory):** इसमें डेटा को केवल रीड किया जा सकता है, उसे परिवर्तित नहीं किया जा सकता। इसमें स्विच ऑन करने पर स्टोर्ड डेटा प्रदर्शित होता है, परंतु स्विच ऑफ होने पर समाप्त नहीं होता है।

SSC CHSL- 2024

□ **PROM (Programmable Read Only Memory):** इसमें यूजर द्वारा एक प्रोग्राम को निर्दिष्ट कर देने के पश्चात् उसमें संशोधन करना संभव नहीं है। फिर यह व्यवहार में साधारण ROM हो जाती है।

□ **EPROM (Erasable Programmable Read Only Memory):** इसे पराबैंगनी EPROM भी कहते हैं, क्योंकि इसमें बर्निंग की प्रक्रिया (Burning process) को Ultraviolet किरणों की सहायता से दुबारा व्यवहार में लाया जा सकता है।

□ **EEPROM (Electrically Erasable Programmable Read Only Memory):** इसमें डेटा निर्देशीकरण या बर्निंग की प्रक्रिया विद्युत पल्स की सहायता से की जाती है।

□ **कैश मेमोरी (Cache memory):** बार-बार प्रयोग में आने वाले डेटा और निर्देशों को इसमें स्टोर किया जाता है। CPU और मुख्य मेमोरी के बीच डेटा आदान-प्रदान करने में नष्ट होने वाले समय को यह बचाता है। यह आकार में छोटा एवं तीव्र होता है, किंतु महंगा होता है।

SSC CHSL- 2020

□ **अस्थायी मेमोरी (Volatile Memory):** इसे हम Temporary Memory के नाम से भी जानते हैं। Volatile Memory उस Memory को कहते हैं, जिसमें Data को Store करने के लिए Power Supply का होना जरूरी है।

□ **RAM (Random Access Memory):** यह एक अस्थायी मेमोरी होती है, विद्युत सप्लाई बंद हो जाने पर इसमें स्टोर डेटा भी नष्ट हो जाता है। चूंकि इसमें डेटा को क्रम से पढ़ना आवश्यक नहीं है अतः यह तीव्र होती है।

SSC CGL- 2023

□ **SRAM (Static RAM):** Static RAM में डेटा को रीफ्रेश करने की आवश्यकता नहीं होती है।

□ **DRAM (Dynamic RAM):** Dynamic RAM में डेटा को बार-बार Refresh करने की आवश्यकता होती है।

द्वितीयक मेमोरी

- सीडी रोम
- फ्लॉपी डिस्क
- मैग्नेटिक टेप
- हार्ड डिस्क
- पेन ड्राइव
- फ्लैश मेमोरी
- डीवीडी

□ **सीडी रोम (CD ROM-Compact Disc Read Only memory):** इसमें लेजर की सहायता से अति सूक्ष्म गड्ढे बनाये जाते हैं, जिसमें डेटा को स्थायी रूप से अंकित किया जाता है।

□ **फ्लॉपी डिस्क (Floppy Disc):** इसमें डेटा वृत्ताकार ट्रैक पर लिखा जाता है धूल या खरोंच से बचाने के लिए डिस्क प्लास्टिक के कवर में बंद रहता है।

□ **मैग्नेटिक टेप (Magnetic Tape):** मैग्नेटिक टेप में दो रील होते हैं। एक रील के टेप जो पढ़ने या लिखने में उपयोग होता है फाइल रील कहलाता है तथा दूसरा टेक-अप रील होता है।

□ **हार्ड डिस्क (hard Disc):** कंप्यूटर में अक्सर इसे C ड्राइव नाम दिया जाता है। कंप्यूटर के अंदर इसी हार्ड डिस्क में सभी प्रोग्राम या डेटा Install रहता है।

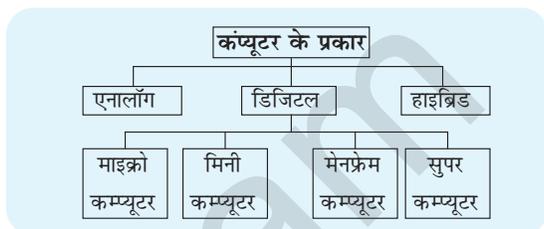
□ **फ्लैश मेमोरी (Flash Memory):** इसे मिटाया तथा फिर प्रोग्राम किया जा सकता है। डिजिटल कैमरा, सेलुलर फोन, सेट-अप बॉक्स में इसका प्रयोग होता है।

□ **डीवीडी (DVD-Digital Versatile Disc/Digital Video Disc):** यह फिल्मों तथा अन्य मल्टीमीडिया प्रस्तुतियों को डिजिटल रूप में संग्रहित करता है।

CPU (Central Processing Unit)

- कंप्यूटर में इनपुट और आउटपुट डिवाइस तथा मेमोरी के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण हार्डवेयर CPU है।
- CPU को 'कंप्यूटर सिस्टम का ब्रेन' कहा जाता है। इसे सामान्य भाषा में माइक्रोप्रोसेसर कहते हैं। माइक्रोप्रोसेसर को एक चिप पर बनाया जा सकता है।
- CPU को ALU (Arithmetic Logic Unit) और रजिस्टर्स की सहायता से बनाया जाता है।
- CPU के साथ अगर इनपुट और आउटपुट डिवाइस और मेमोरी को भी जोड़ लें तो यह पूर्ण कंप्यूटर सिस्टम बन जाता है।
- सभी CPU माइक्रोप्रोसेसर कहलाते हैं, किंतु सभी माइक्रोप्रोसेसर CPU नहीं कहलाते, क्योंकि CPU कंप्यूटर सिस्टम के सभी उपकरणों को कन्ट्रोल करता है, जबकि प्रोसेसर केवल दिये गये निर्देशों को प्रोसेस करता है।
- माइक्रोप्रोसेसर:** माइक्रोप्रोसेसर लाखों ट्रांजिस्टर्स से बना होता है। पहला माइक्रोप्रोसेसर 4004 INTEL कंपनी द्वारा सन् 1971 में बनाया गया था। यह 4 बिट का प्रोसेसर था।
- सामान्य प्रयोग के लिए पहला माइक्रोप्रोसेसर 8008, 1972 में विकसित किया गया। यह 8 बिट का प्रोसेसर था।
- वर्तमान में 32/64 बिट प्रोसेसर उपलब्ध हैं।
- ALU (Arithmetic Logic Unit):** ALU गणितीय और लॉजिकल फंक्शन संपादित करता है।

SSC CGL- 2024

कंप्यूटर के प्रकार

- एनालॉग कंप्यूटर:** इसमें डेटा भौतिक चर राशियों के रूप में प्रदर्शित होता है। उदाहरण- थर्मामीटर।
- डिजिटल कंप्यूटर:** यह नंबर (0-9) तथा अक्षर (A-Z) को बाइनरी रूप में परिवर्तित कर प्रोसेस करता है।
- माइक्रो कंप्यूटर:** यह मल्टी प्रोसेसिंग सिस्टम के लिए योग्य होता है।
- मिनी कंप्यूटर:** यह मल्टी प्रोसेसिंग सिस्टम के लिए योग्य होता है।
- मेनफ्रेम कंप्यूटर :** यह हजारों यूजर्स को एक साथ प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करता है।
- सुपर कंप्यूटर:** यह जटिल अनुप्रयोगों के लिए प्रयुक्त होते हैं जैसे मौसम पूर्वानुमान, हथियार डिजाइनिंग व वैज्ञानिक शोध।
- भारत का प्रथम कंप्यूटर परम-8000 था, जिसे C-DAC ने 1998 में विकसित किया।
- वर्तमान में विश्व का सबसे तेज कंप्यूटर फ्रंटियर है, जो अमेरिका में विकसित किया गया है।
- भारत का सबसे तेज सुपर कंप्यूटर ऐरावत है।

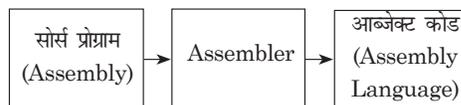
- हाइब्रिड कंप्यूटर:** यह एनालॉग तथा डिजिटल का सम्मिश्रण होता है।

कंप्यूटर में डेटा का निरूपण

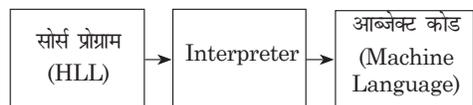
- कंप्यूटर में मुख्यतः डिजिटल कंप्यूटर में बाइनरी नंबर सिस्टम का प्रयोग करते हैं। **UPSSSC- 2025**
- कंप्यूटर से संबंधित अन्य नंबर सिस्टम निम्न है-
 - डेसिमल नंबर सिस्टम:** इस पद्धति में किसी भी डेटा को प्रदर्शित करने के लिए 10 विभिन्न अंकों का प्रयोग करते हैं- 0, 1, 2, 3,.....9।
 - बाइनरी नंबर सिस्टम:** इस नंबर सिस्टम में केवल दो सिंबल का प्रयोग करते हैं 0 और 1
 - आक्टल नंबर सिस्टम:** इस नंबर सिस्टम में 8 सिंबल होते हैं 0, 1, 2, 3,.....7
 - हेक्साडेसिमल नंबर सिस्टम:** इसमें 16 सिंबल प्रयुक्त होते हैं। 0, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, A, B, C, D, E, F

सॉफ्टवेयर (Software)

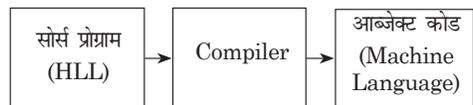
- एक से अधिक इंस्ट्रक्शन का समूह **प्रोग्राम** कहलाता है।
- एक से अधिक प्रोग्राम के समूह को **सॉफ्टवेयर** कहते हैं, जिसे किसी विशेष उद्देश्य हेतु विकसित किया गया हो।
- सॉफ्टवेयर तीन प्रकार के होते हैं-
 - एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर
 - यूटीलिटी सॉफ्टवेयर
 - सिस्टम सॉफ्टवेयर
- एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर (Application Software):** यह कंप्यूटर का एक ऐसा प्रोग्राम है, जो किसी खास कार्य को करने के लिए बनाया जाता है। इसे एप्लिकेशन प्रोग्राम भी कहते हैं।
- यूटीलिटी सॉफ्टवेयर (Utility Software):** यह किसी कंप्यूटर रिसोर्स को मैनेज, मेन्टेन और कंट्रोल करने में सहायता प्रदान करता है। उदाहरण- बैकअप यूटीलिटी, एन्टीवायरस प्रोग्राम।
- सिस्टम सॉफ्टवेयर (System Software):** यह कंप्यूटर के हार्डवेयर और सिस्टम को प्रचालन में सहायता प्रदान करता है। यह कंप्यूटर तथा बाह्य उपकरण जैसे प्रिंटर, की-बोर्ड, डिस्प्ले इत्यादि के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। उदाहरण- ऑपरेटिंग सिस्टम, डिवाइस ड्राइवर।
- लैंग्वेज प्रोसेसर (Language Processor Translator):** प्रोग्रामर अपने प्रोग्राम को हाई लेवल लैंग्वेज में और असेम्बली लेवल लैंग्वेज में लिखता है परन्तु कंप्यूटर केवल मशीनी लैंग्वेज ही समझ सकता है। अतः इसे एक भाषा से दूसरी भाषा में परिवर्तित करने के लिए लैंग्वेज प्रोसेसर की आवश्यकता पड़ती है।
 - असेम्बलर (Assembler) :** यह असेम्बली भाषा में परिवर्तित कर देता है।



- इंटरप्रेटर (Interpreter):** यह उच्चस्तरीय भाषा को मशीनी भाषा में परिवर्तित कर देता है। यह बहुत धीमा होता है क्योंकि यह एक-एक पंक्ति को परिवर्तित करता है।



3. **कम्पाइलर (Compiler):** यह उच्चस्तरीय भाषा को मशीनी भाषा में परिवर्तित करता है। यह तीव्र होता है, क्योंकि पूरे प्रोग्राम को एक साथ परिवर्तित करता है।



विभिन्न प्रोग्रामिंग भाषाएँ

- ❑ **C:** 'C' प्रोग्रामिंग भाषा को 1970 में डेनिस रिची द्वारा विकसित किया गया था।
- ❑ **C++:** यह Object Oriented प्रोग्रामिंग भाषा है।
- ❑ **फोरट्रान (Formula Translation):** यह प्रोग्रामिंग के लिए विकसित की गयी प्रथम भाषा है। इसका उपयोग वैज्ञानिक तथा इंजीनियरों द्वारा किया जाता है।
- ❑ **ALGOL (Algorithmic Language):** यह गणितीय गणना करने में पूर्ण रूप से सक्षम है।
- ❑ **पास्कल (Pascal):** 1971 में निकोलस विर्थ द्वारा विकसित किया गया। यह शिक्षण कार्यों के लिए विकसित किया गया था।
- ❑ **बेसिक (BASIC - Beginners All purpose Symbolic Instruction Code):** नये प्रोग्रामर के लिए यह सरल भाषा है।
- ❑ **COBOL (Common Business Oriented language):** इसका उपयोग व्यावसायिक हितों के लिए किया जाता है।

इंटरनेट (Internet)

- ❑ इंटरनेट का पूरा नाम इंटरनेशनल नेटवर्क है।
- ❑ यह TCP/IP (Transmission Control Protocol/Internet Protocol) का प्रयोग कंप्यूटर और इंटरनेट नेटवर्क पर संचार करने के लिए किया जाता है।
- ❑ 15 अगस्त, 1995 में विदेश संचार निगम लिमिटेड (VSNL) द्वारा भारत में प्रथम इंटरनेट सेवा का शुभारंभ किया गया।
- ❑ WWW (World Wide Web) : वर्ल्ड वाइड वेब टिम बर्नर्स ली द्वारा सन् 1989 में विकसित किया गया था। **UPSSSC- 2025**
- ❑ वेबपेज HTML (Hyper Text Mark up Language) भाषा में लिखे होते हैं।
- ❑ WWW पर फाइल ट्रांसफर करने के लिए HTTP (Hyper Text Transfer Protocol) और FTP (File Transfer Protocol) का प्रयोग किया जाता है। **SSC CGL- 2024**

कुछ प्रमुख डोमेन नेम

- .com – कामर्शियल
- .edu – शैक्षिक संस्था
- .mil – मिलिट्री
- .net – नेटवर्क

- .org – आर्गनाइजेशन
- .gov – सरकारी संस्था
- .jobs – नौकरी
- .in – इंडिया
- .biz – बिजनेस

- ❑ आर्ची (Archie), जो कि 1990 में विकसित हुआ, पहला सर्च इंजन माना जाता है।
- ❑ **प्रमुख सर्च इंजन**
Google (1998 ई.)
Bing (by Microsoft)
Lycos
Yahoo
ask.com
- ❑ **प्रमुख चैटिंग साइट/ऐप:** वाट्सएप्प, टेलीग्राम, गूगल टॉक, वीचैट, इमो, फेसबुक मैसेंजर, लाइन, वाइबर, शेयर चैट।
- ❑ **वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग साइट/ऐप:** गूगल डुओ, गूगल मीट, जूम, फेस टाइम, स्काइप, एडोब कनेक्ट, टीम व्यूवर।

ई-बैंकिंग

- ❑ RTGS-Real Time Gross Settlement
- ❑ NEFT-National Electronic Funds Transfer

ई-मेल

- ❑ ई-मेल का पूर्ण नाम – इलेक्ट्रॉनिक मेल है।
- ❑ ई-मेल के जन्मदाता रे टॉमलिंसन हैं।
- ❑ पहला फ्री ई-मेल सेवा 1996 ई. में सबीर भाटिया ने प्रदान की। इनके द्वारा हॉटमेल सेवा शुरू की गई थी।

वायरस (Virus)

- ❑ यह एक प्रकार का सॉफ्टवेयर प्रोग्राम होता है, जो हमारी बिना जानकारी के सिस्टम में लोड हो जाता है तथा महत्वपूर्ण डेटा को नष्ट कर देता है।
- ❑ कुछ प्रमुख कंप्यूटर वायरस निम्न हैं- सी-ब्रेन, क्रीपर, I love you, मंकी इत्यादि।
- ❑ सर्वप्रथम दिखने वाला पर्सनल कंप्यूटर वायरस सी-ब्रेन है।
- ❑ भारत में दिखाई देने वाला प्रथम कंप्यूटर वायरस 'हैपी बर्थडे जोशी' है।

माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस (Microsoft Office)

- ❑ माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस का आविष्कार माइक्रोसॉफ्ट कम्पनी द्वारा 1988 में किया गया।
- ❑ यह सामान्यतः एक विशेष प्रकार का पैकेज होता है।
MS-OFFICE के पाँच प्रमुख सॉफ्टवेयर निम्नलिखित हैं-
(1) MS Word
(2) MS Excel
(3) MS Power Point
(4) MS Access
(5) MS outlook

माइक्रोसॉफ्ट वर्ड (Microsoft Word)

- ❑ एम.एस.वर्ड का पहला संस्करण वर्ष 1983 में आया था।

- ❑ माइक्रोसॉफ्ट वर्ड एक प्रकार का वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर है।
- ❑ एम.एस. ऑफिस के प्रयोग-
 - (a) Assignments, Notes, और Resume बनाने के लिए
 - (b) किताब बनाने के लिए
 - (c) ट्रांसलेशन करने के लिए
 - (d) Teaching के लिए
- ❑ माइक्रोसॉफ्ट वर्ड के तत्व निम्न है
 - (1) टाइटल बार (Title bar)
 - (2) स्टैण्डर्ड टूल बार (Standard Toolbar)
 - (3) रिबन (Ribbon)
 - (4) टैब (Tab)
 - (a) होम टैब
 - (b) इनसर्ट टैब
 - (c) पैज लैआउट टैब
 - (d) रिब्यू टैब
 - (e) व्यू टैब
 - (5) कलर (Colour)
 - (6) स्टेटस बार (Status Bar)
 - (7) कर्सर (Cursor)

MS Word से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदु

- ❑ डॉक्यूमेंट फाइल में एक से अधिक पैराग्राफ हो सकते हैं।
- ❑ डाक्यूमेंट फाइल में एक से अधिक बुलेट्स टेक्स्ट भी हो सकते हैं तथा एक से अधिक टेबल भी हो सकती है।
- ❑ फाइल में हेडर और फुटर दोनों ही हो सकते हैं।
- ❑ एम.एस.वर्ड दस्तावेज में उपलब्ध न्यूनतम जूम प्रतिशत 10% तथा अधि कतम जूम प्रतिशत 500% होता है।
- ❑ एम.एस.वर्ड में अधिकतम 32 mb फाइल की साइज हो सकती है।
- ❑ एम.एस.वर्ड Scroll bar दो प्रकार के होते हैं-
 - (i) Horizontal Scroll Bar
 - (ii) Vertical Scroll Bar
- ❑ एम.एस.वर्ड में सबसे ऊपर जो पट्टी होती है उसे टाइटल बार कहा जाता है।
- ❑ एम.एस.वर्ड में कुल 4 प्रकार के इंडेंट होते हैं-
 - (i) First line indent
 - (ii) Hanging indent
 - (iii) Left indent
 - (iv) Right indent
- ❑ एम.एस.वर्ड का फॉन्ट साइज 8 से कम नहीं हो सकता तथा 72 से ज्यादा नहीं (Font list में) होता है।

Font size inches में

- 15 Points – 0.20833 inches
- 16 Points – 0.22222 inches
- 17 Points – 0.23611 inches
- 18 Points – 0.25 inches

Default size

Version	Font	Size
2003	Times New Roman	12 point
2007 till now	Calibri	11 point

MS Word का Extension Name

- ❑ एक्सटेंशन से हमारी फाइल की पहचान होती है।
- ❑ यह हमेशा फाइल के अंत में लगा होता है।
- ❑ यह हमें फाइल के टाइप को पहचानने में मदद करता है।

Version	Extension Name
2003	.doc
2007 till now	.docx

SSC CHSL- 2023

- ❑ एम.एस.वर्ड में Alignment चार प्रकार के होते हैं-
 - (i) Left Alignment
 - (ii) Right Alignment
 - (iii) Center Alignment
 - (iv) Justify Alignment

नोट: Default रूप से Text Alignment **लेफ्ट** होता है।

- ❑ एम.एस.वर्ड में Margin 4 प्रकार का होता है
- ❑ मार्जिन, टेक्स्ट और आपके डॉक्यूमेंट के किनारे के बीच का स्थान है।
 - (i) Top Margin
 - (ii) Bottom Margin
 - (iii) Left Margin
 - (iv) Right Margin
- ❑ एम.एस.वर्ड में 2 प्रकार के ओरिएंटेशन होते हैं-
 - (i) Portrait 
 - (ii) Landscape 
- ❑ टेक्स्ट और न्यूमेरिकल डेटा को रो एवं कॉलम के माध्यम से व्यवस्थित करके प्रस्तुत करने के लिए टेबल का प्रयोग किया जाता है।
 - न्यूनतम रो - 01
 - अधिकतम रो - 32767
 - न्यूनतम कॉलम - 01
 - अधिकतम कॉलम - 63

माइक्रोसॉफ्ट वर्ड की Short Key

Shortcuts Keys	Operation
Ctrl का उपयोग करके शॉर्टकट कुंजियाँ	
Ctrl +]	चयनित टेक्स्ट फॉन्ट आकार को 1 पाइंट बढ़ाएँ Increase selected text font size by 1 pt.
Ctrl + [चयनित टेक्स्ट फॉन्ट आकार को 1 पाइंट घटाएँ Decreased selected text font size by 1 pt.
Ctrl + बायाँ तीर (Left Arrow) (←)	एक शब्द को बाईं ओर ले जाता है। Moves one word to the left. SSC CHSL- 2023

Ctrl + दायाँ तीर (Right arrow) (→)	एक शब्द को दाईं ओर ले जाता है। Moves one word to the right.
Ctrl + ऊपर तीर (Up Arrow) (↑)	पैराग्राफ की शुरुआत में ले जाता है। Moves beginning of the paragraph.
Ctrl + डाउन एरो (Down Arrow) (↓)	पैराग्राफ के अंत में ले जाता है। Moves end of the paragraph.
Ctrl + Del	कर्सर के दाईं ओर शब्द हटाता है। Deleted a word to right of cursor.
Ctrl + Backspace (बैकस्पेस)	कर्सर के बाईं ओर शब्द हटाता है। Deleted word to left of the cursor.
Ctrl + End	कर्सर को दस्तावेज के अंत में ले जाता है। Moves the cursor to the end of the document. दस्तावेज की शुरुआत में कर्सर को मूव कराएँ।
Ctrl + Home	Moves the cursor to the beginning of the document हाइलाइट किए गए टेक्स्ट को डिफॉल्ट फॉन्ट पर रीसेट करें।
Ctrl + Spacebar	Reset highlighted text to the default font.
Ctrl + A	पृष्ठ की सभी सामग्री का चयन करें। Select all contents of the page.
Ctrl + B	बोल्ड हाइलाइट किया गया चयन। Bold highlighted selection-
Ctrl + C	चयनित पाठ की प्रतिलिपि बनाएँ। Copy selected text. SSC CHSL- 2023
Ctrl + D	फॉन्ट वरीयताएँ विंडो खोलें। Open the font preferences window SSC CHSL- 2023
Ctrl + E	लाइन या चयनित टेक्स्ट को स्क्रीन के केंद्र में संरेखित करता है। Aligns the line or selected text to the center of the screen.
Ctrl + F	ढूँढ़ें और बदलें बॉक्स खोलें। Open find and Replace box.
Ctrl + G	'गो टू' टैब के साथ फाइंड एंड रिप्लेस डायलॉग बॉक्स खोलें। Open Find and Replace dialog box with 'Go to' tab. 'बदलें' टैब के साथ खोजें और बदलें संवाद बॉक्स खोलें।
Ctrl + H	Open Find and Replace dialog box with 'Replace' tab
Ctrl + I	इटैलिक हाइलाइट किया गया चयन। Italic highlighted selection

Ctrl + J	स्क्रीन को सही ठहराने के लिए चयनित टेक्स्ट या लाइन को संरेखित करता है। Aligns the selected text or line to justify the screen.
Ctrl + K	हाइपरलिंक डालें। Insert Hyperlink- SSC CGL- 2023
Ctrl + L	स्क्रीन के बाईं ओर लाइन या चयनित टेक्स्ट को संरेखित करता है। Aligns the line or selected text to the left of the screen.
Ctrl + M	पैराग्राफ इंडेंट करें। Indent the paragraph.
Ctrl + N	नई, रिक्त दस्तावेज विंडो खोलता है। Opens new, blank document window- किसी फाइल को खोलने के लिए चुनने के लिए डायलॉग बॉक्स या पेज खोलता है।
Ctrl + O / Ctrl + F12	Opens the dialog box or page for selecting a file to open प्रिंट विंडो खोलें।
Ctrl + P / Ctrl + Shift + F12	Open the print window. SSC CHSL- 2023
Ctrl + Q	स्क्रीन के बाईं ओर लाइन या चयनित टेक्स्ट को संरेखित करता है। Aligns the line or selected text to the left of the screen.
Ctrl + R	स्क्रीन के दाईं ओर लाइन या चयनित टेक्स्ट को संरेखित करता है। Aligns the line or selected text to the right of the screen.
Ctrl + S	खुला दस्तावेज सहेजें। ठीक वैसे ही जैसे Shift+F12. Save the open document- Just like Shift + F12 SSC CHSL- 2023
Ctrl + T	एक लटकता हुआ इंडेंट बनाएँ। Create a hanging indent.
Ctrl + U	चयनित पाठ को रेखांकित करें। Underline the selected text.
Ctrl + V	चिपकाएँ। Paste.
Ctrl + W	वर्तमान में खुले दस्तावेज को सेव तथा बंद करें। Save and Close the currently open document.
Ctrl + X	चयनित पाठ को काटें। Cut the selected text.
Ctrl + Y	की गई अंतिम क्रिया को फिर से करें। Redo the last action performed.

Ctrl + Z	अंतिम क्रिया पूर्ववत करें। Undo last action.	Ctrl + F6	अगली खुली दस्तावेज विंडो पर जाएँ। Go to the next open document window.
Ctrl + Shift + D	सेलेक्टेड टेक्स्ट को डबल लाइन करने के लिए double underline to selected text	Ctrl + F9	नया खाली फील्ड डालें {} ब्रेसिज। Insert new Empty Field {} braces.
Ctrl + Shift + W	अंडरलाइन बिना स्पेस के Underline without space	Ctrl + F10	दस्तावेज विंडो को अधिकतम करें। Maximize document window.
Ctrl + Shift + F1	दस्तावेज को पूर्ण स्क्रीन में देखने के लिए। To view Document in full screen.	Ctrl + F11	किसी फील्ड को लॉक करें ताकि उसे संपादित नहीं किया जा सके। Lock a field so it cannot be edited.
Ctrl + Shift + F3	स्पाइक की सामग्री डालें। Insert the contents of the Spike.	Ctrl + F12	Open डायलॉग बॉक्स खोलें। Open the dialogue box to open
Ctrl + Shift + F5	बुकमार्क डायलॉग बॉक्स खोलता है Opens the Bookmark dialog box	Ctrl + enter	नया पेज लेने के लिए take a new page
Ctrl + Shift + F6	खुले Microsoft Word दस्तावेज पर स्विच करता है। Switches to another open Microsoft Word document	Ctrl + Shift + L	जल्दी से एक बुलेट प्वाइंट बनाएं। Quickly create a bullet point
Ctrl + Shift + F8	आयताकार चयन सक्षम करें। Enable the Rectangular Selection.	Ctrl + Shift + F	फॉन्ट बदलें Change the font
Ctrl + Shift + F9	किसी फील्ड या टेक्स्ट को अनलिंक करें। Unlink a Linked field or text.	Ctrl + Shift + >	फॉन्ट साइज को फॉन्ट लिस्ट के अनुसार बढ़ाने के लिए To increase font size according to font list
Ctrl + Shift + F11	एक फील्ड अनलॉक करें। Unlock a field	Ctrl + Shift + <	फॉन्ट साइज को फॉन्ट लिस्ट के अनुसार घटाने के लिए To decrease font size according to font list
Ctrl + Shift + F12	दस्तावेज प्रिंट करता है। Prints the document.	Ctrl + Shift + *	गैर-मुद्रण वर्ण देखें या छिपाएं। View or hide non printing characters
Ctrl + 0	पैराग्राफ से पहले 6 पॉइंट्स की रिक्ति को टॉगल करता है। Toggles 6 pts of spacing before a paragrapgh	Ctrl + Alt का उपयोग करके शॉर्टकट कुंजियाँ	
Ctrl + 1	सिंगल - स्पेस लाइन्स। Single - Space lines	Ctrl + Alt + 1	टेक्स्ट को हेडिंग 1 में बदलता है। Changes text to heading 1.
Ctrl + 2	डबल - स्पेस लाइन्स। Double - Space lines	Ctrl + Alt + 2	टेक्स्ट को हेडिंग 2 में बदलता है। Changes text to heading 2.
Ctrl + 5	1.5 - लाइन स्पेसिंग। 1.5 - line Spacing	Ctrl + Alt + 3	टेक्स्ट को हेडिंग 3 में बदलता है। Changes text to heading 3.
Ctrl + F1	रिबेन खोलें / बंद करें। Open / Close the Ribbon	Ctrl + Alt + F2	किसी फाइल को खोलने के लिए चुनने के लिए डायलॉग बॉक्स या पेज खोलता है। Open the dialog box or page for selecting a file to open.
Ctrl + F2 / Ctrl + Alt + I	प्रिंट पूर्वावलोकन प्रदर्शित करें। Display the print preview	Shift + 5	एक प्रतिशत चिह्न डालें। Insert a percent sign-
Ctrl + F3	चयनित पाठ को स्पाइक में काटें। Cut selected text to the Spike	Alt + F1	यदि आपके दस्तावेज में फील्ड हैं, तो अगले फील्ड पर जाएँ। Jump to the next field if you've got fields in your document.
Ctrl + F4	वर्तमान दस्तावेज बंद करें। Close the current document		

Alt + F3	चयनित टेक्स्ट से एक ऑटोटेक्स्ट प्रविष्टि बनाएं। Create an Auto Text entry from selected text.
Alt + F4	माइक्रोसॉफ्ट वर्ड से बाहर निकलें। Exit Microsoft Word
Alt + F7	अपने दस्तावेज में अगली वर्तनी या व्याकरण की त्रुटि का पता लगाएं। Find the next spelling or grammar error in your document.
Alt + F9	किसी फील्ड के कोड के प्रदर्शन को टॉगल करें। Toggle the display of a field's code
Alt + Shift + D	वर्तमान सिस्टम तिथि डालें। Insert the current system date
Alt + Shift + T	वर्तमान सिस्टम समय डालें। Insert the current system time
Alt + Shift + F1	आपके दस्तावेज में पिछले फील्ड पर जाता है। Jumps to the previous field in your document.
Alt + Shift + F2	अपना दस्तावेज सहेजें। Save your document.
Alt + Shift + F7	अनुवाद फलक खोलें। Open the Translation pane
Alt + Shift + F10	उपलब्ध चयन के लिए मेनू या विंडो प्रदर्शित करें। Display a menu or window for an available selection
Alt + Shift + F11	Microsoft स्क्रिप्ट संपादक प्रारंभ करें। Start the Microsoft Script Editor.
Shift + F1	वर्ड का 'रिवील फॉर्मेटिंग' पेन खोलें। Open Word's 'Reveal Formatting' pane.
Shift + F2	चयनित पाठ की प्रतिलिपि बनाएँ। Copy selected text.
Shift + F3	चयनित पाठ का Case बदलें। Change the case of selected text.
Shift + F4	अंतिम 'दूढ़ें' क्रिया दोहराएं। Repeat the last 'Find' action
Shift + F5	वर्तमान स्लाइड से प्रेजेंटेशन का चलना Play the presentation from the current slide.
Shift + F6	पिछले फलक या फ्रेम पर जाएँ। Go to the previous pane or frame
Shift + F7	थिसॉरस खोलें। Open the thesaurus

Shift + F8	चयन कम करें। Reduce a selection
Shift + F9	किसी फील्ड का कोड प्रकट करें। Reveal a field's code
Shift + F10	एक संदर्भ मेनू प्रदर्शित करें। Display a context menu.
Shift + F11	अपने दस्तावेज में पिछले फील्ड पर जाएँ। Jump to the previous field in your document
Shift + F12	अपना दस्तावेज सहेजें। Save your document.
Shift + Enter	नए पैराग्राफ के बजाय लाइन ब्रेक बनाएं। Create a line break instead of a new paragraph.
Shift + Insert	चिपकाएँ। Paste.
Shift + tab	वर्तमान सेल के पहले की सेल (left cell) के कंटेंट को सिलेक्ट करने के लिए (डॉक्यूमेंट टेबल) Move To the Previous Cell In a Row (document table)

MS Word में फंक्शन Key का उपयोग करना

F1	सहायता खोलें। Open Help.
F2	फाइल व फोल्डर का नाम बदलने To rename file and folder
F3	एक ऑटोटेक्स्ट प्रविष्टि का विस्तार करें। Expand an AutoText entry
F4	अपनी अंतिम क्रिया दोहराएं। Repeat your last action
F5	फाइंड एंड रिप्लेस विंडो पर गो टू टैब खोलता है Opens the Go to Tab on the find and Replace window
F6	अपनी वर्ड विंडो में अगले फलक या फ्रेम पर जाएँ। Go to the next pane or frame in your Word window.
F7	संपादक फलक खोलें और वर्तनी और व्याकरण जाँच शुरू करें। Open the Editor pane and start a spelling and grammar check

SSC CHSL- 2023

F8	Word का चयन मोड दर्ज करें और चयन का विस्तार करें।
F9	Enter Word's selection mode and expand a selection फील्ड को अपडेट करें।
F10	Update a field रिबन टैब को सक्रिय करना तथा रिबन टैब के विकल्पों तक पहुँच
F11	Activate the ribbon tab and access ribbon tab options. पूर्ण स्क्रीन व्यू
F12	Full screen view इस रूप में सहेजें विंडो खोलें। Open the Save As window.

- ❑ एम.एस.एक्सेल में किसी वर्कशीट का नाम अधिकतम 31 वर्णों का हो सकता है।
- ❑ एम.एस.एक्सेल में Scroll bar दो प्रकार का होता है-
(i) Vertical scroll bar
(ii) Horizontal scroll bar

MS Excel का Extension Name

Version	Extension Name
2003	.xls
2007 till now	.xlsx

- ❑ एम.एस.एक्सेल में Alignment 6 प्रकार के होते हैं-
(i) Top (ii) Middle
(iii) Bottom (iv) Left
(v) Right (vi) Center
- ❑ एम.एस.एक्सेल में उपलब्ध न्यूनतम जूम 10% तथा अधिकतम जूम 400% होता है।
- ❑ एम.एस.एक्सेल का फॉन्ट साइज 8 से कम नहीं हो सकता तथा 72 से ज्यादा नहीं (Font list में) होता है।

Default size

Version	Font	Size
2003	Arial	10 point
2007 till now	Calibri	11 point

- ❑ एम.एस.एक्सेल में 2 प्रकार के ओरिएंटेशन होते हैं-
(i) Portrait  Portrait
(ii) Landscape  Landscape
- ❑ **Portrait**- इसमें ऊँचाई, चौड़ाई से अधिक होती है।
- ❑ **Landscape**- इसमें चौड़ाई, ऊँचाई से अधिक होती है।
- ❑ एम.एस.एक्सेल में फॉर्मूला गलत होने पर # Value sign आता है तथा जब function का नाम गलत होता है # Name sing आता है।
- ❑ एम.एस.एक्सेल में किसी भी फॉर्मूला को लगाने से पहले = चिन्ह का प्रयोग अनिवार्य होता है।

माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल Short Key

एक्टिव सेल से दाईं ओर की सेल को सेलेक्ट करने के लिए।	Shift + Right Arrow →
वर्तमान सेल से दाईं ओर की सभी सेल रो को सेलेक्ट करने के लिए।	Ctrl + Shift + Right Arrow →
एक्टिव सेल से बाईं ओर की सेल रो को सेलेक्ट करने के लिए।	Shift + Left Arrow ←
वर्तमान सेल से बाईं ओर की सभी सेल को सेलेक्ट करने के लिए।	Ctrl + Shift + Left Arrow ←
एक्टिव सेल से ऊपर ओर की सेल को सेलेक्ट करने के लिए।	Shift + Up Arrow ↑
वर्तमान सेल से ऊपर की ओर की सभी सेल कॉलम को सेलेक्ट करने के लिए।	Ctrl + Shift + Up Arrow ↑

माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल (Microsoft Excel)

- ❑ माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल एक स्प्रेडशीट प्रोग्राम है।
- ❑ एम.एस.एक्सेल का प्रयोग डेटाबेस तैयार करने में, डेटा Organize करने में, डेटा संरक्षित करने में, डेटा Analysis करने में, डेटा एंट्री बनाने में किया जाता है।
माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल के तत्व
(1) टाइटल बार (Title Bar)
(2) रिबन (Ribbon)
(3) टैब (Tab)
(4) स्टेटस बार (Status Bar)
(5) फार्मूला बार (Formula Bar)

MS Excel से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदु

- ❑ एम.एस.एक्सेल में किसी फाइल का by default Name वर्कबुक होता है। वर्कबुक को वर्कशीट/स्प्रेडशीट का संग्रह कहते हैं।

SSC CHSL- 2024

- ❑ एम.एस.एक्सेल में अगर फाइल को किसी भी नाम से save नहीं करते हैं तो वह फाइल by default Book 1 के नाम से save होती है।
- ❑ एम.एस.एक्सेल window का सबसे ऊपरी भाग टाइटल बार कहलाता है। इसमें एम.एस.एक्सेल में बनायी गयी फाइल के नाम को दर्शाया जाता है।
- ❑ एक एक्सेल शीट या वर्कशीट में 1048576 रो होती है।
- ❑ एक एक्सेल शीट या वर्कशीट में 16384 कॉलम होते हैं।
- ❑ एक एक्सेल शीट के अंदर रो और कॉलम के बीच के स्थान को सेल कहते हैं।
- ❑ किसी सेल एड्रेस को लिखते समय पहले कॉलम और फिर रो को लिखते हैं- **A:1**

नोट: एक सेल में 32767 कैरेक्टर होते हैं।

सेल के Group को वर्कशीट कहते हैं।

- ❑ एम.एस.एक्सेल पुराने वर्जन जैसे- 2003, 2007, 2010, 2013 तक एक्सेल की प्रत्येक वर्कबुक में by default 3 वर्कशीट होती थी।
- ❑ एम.एस.एक्सेल नये वर्जन जैसे- 2016, 2019, 2021 तथा 365 में एक्सेल की प्रत्येक वर्कबुक में by default एक वर्कशीट

एक्टिव सेल से नीचे ओर की सेल को सेलेक्ट करने के लिए।	Shift + Down Arrow ↓
वर्तमान सेल से नीचे की ओर की सभी सेल (Column) को सेलेक्ट करने के लिए।	Ctrl + Shift + Down Arrow ↓
Delete data from a cell or cell range	Delete
पूरे कॉलम को सेलेक्ट करने के लिए।	Ctrl + Spacebar
पूरे पंक्ति को सेलेक्ट करने के लिए।	Shift + Spacebar
एक्सेल में पूरी वर्कशीट सेलेक्ट करने के लिए।	Ctrl + Shift + Spacebar
Tab बटन दबाने से दाई ओर या अगली सेल पर जाने के लिए।	TAB
बाई ओर की सेल या पिछली सेल पर जाने के लिए।	Shift + TAB
नीचे की सेल पर जाने के लिए।	ENTER
Enter data and move up / डेटा दर्ज करें और ऊपर जाएं	Shift + Enter

Open help / खुली मदद	F1
Undo last action / अंतिम क्रिया पूर्ववत करें	Ctrl + Z
Redo last action / अंतिम क्रिया फिर से करें	Ctrl + Y
Copy selection / कॉपी चयन	Ctrl + C
Repeat last action / अंतिम क्रिया दोहराएं	F4
Cut selection / चयन में कटौती	Ctrl + X
Paste content from clipboard / क्लिपबोर्ड से सामग्री पेस्ट करें	Ctrl + V
Display the Paste Special dialog box / पेस्ट स्पेशल डायलॉग बॉक्स प्रदर्शित करें	Ctrl + Alt + V
Display find and replace with find tab selected / खोजे और बदलें को फाइंड टैब चयनित से प्रदर्शित करें	Ctrl + F
Display find and replace with Replace tab selected / चयनित टैब को बदलें के साथ ढूँढें और प्रदर्शित करें	Ctrl + H
Find previous match (after initial find) / पिछला मैच खोजें (प्रारंभिक खोज के बाद)	Ctrl + Shift + F4
Find next match (after initial find) / अगला मैच खोजें (प्रारंभिक खोज के बाद)	Shift + F4
Insert embedded chart / एम्बेडेड चार्ट डालें (चयनित सेल से चार्ट)	Alt + F1
Insert chart in new sheet / नई शीट में चार्ट डालें	F11

Toggle Autofilter / ऑटोफिल्टर टॉगल करें	Ctrl + Shift + L
Activate filter / फिल्टर सक्रिय करें	Alt + ↓
Create table / तालिका बनाएं	Ctrl + T OR Ctrl + L
Select table (when active cell is in table) / तालिका का चयन करें (जब सक्रिय सेल तालिका में हो)	Ctrl + A
Clear slicer filter / स्लाइसर फिल्टर साफ करें	Alt + C
Run Spellcheck / वर्तनी जाँच करें	F7
To select continued cell from one series / निरंतर सेल की एक सीरीज को सेलेक्ट करने के लिए	Shift
Open Thesaurus / थिसॉरस खोलें	Shift + F7
Open Macro dialog box / मैक्रो डायलॉग बॉक्स खोलें	Alt + F8
Open VBA Editor / वीबीए संपादक खोलें	Alt + F11
Snap to grid (whilst dragging) / ग्रिड पर स्नैप करें (खींचते समय)	Alt
Hide or show objects / वस्तुओं को छिपाना या दिखाना	Ctrl + 6
Open Modify Cell Style Dialog Box / संशोधित सेल शैली संवाद बॉक्स खोलें	Alt + *
Show right-click menu / राइट-क्लिक मेनू दिखाएं	Shift + F10
Display control menu / प्रदर्शन नियंत्रण मेनू	Alt + Space
Insert new worksheet / नई वर्कशीट डालें	Shift + F11
Go to next worksheet / अगली वर्कशीट पर जाएं	Ctrl + PgDn
Go to previous worksheet / पिछली वर्कशीट पर जाएं	Ctrl + PgUp
Toggle full screen / संपूर्ण स्क्रीन टॉगल करें	Ctrl + Shift + F1
Print / प्रिंट करें	Ctrl + P
Open print preview window / प्रिंट पूर्वावलोकन विंडो खोलें	Ctrl + F2
Zoom in / जूम इन	Ctrl + Mouse Wheel Up
Zoom out / जूम आउट	Ctrl + Mouse Wheel Down
Create new workbook / नई कार्यपुस्तिका बनाएं	Ctrl + N
Open workbook / कार्यपुस्तिका खोलें	Ctrl + O
Save workbook / कार्यपुस्तिका सहेजें	Ctrl + S
Save as / के रूप रक्षित करें	F12

Go to next workbook / अगली कार्यपुस्तिका पर जाएँ	Ctrl + Tab	Move to right edge of data region / डेटा क्षेत्र के दाएँ किनारे पर जाएँ	Ctrl + →
Go to previous workbook / पिछली कार्यपुस्तिका पर जाएँ	Ctrl + Shift + Tab	Move to left edge of data region / डेटा क्षेत्र के बाएँ किनारे पर जाएँ	Ctrl + ←
Minimize current workbook window / वर्तमान कार्यपुस्तिका विंडों को छोटा करें	Ctrl + F9	Move to top edge of data region / डेटा क्षेत्र के शीर्ष किनारे पर जाएँ	Ctrl + ↑
To make a new line in a cell / सेल के अंदर एक नई लाइन बनाना	Alt + enter	Move to bottom edge of data region / डेटा क्षेत्र के निचले किनारे पर जाएँ	Ctrl + ↓
Maximize current workbook window / वर्तमान कार्यपुस्तिका विंडों को अधिकतम करें	Ctrl + F10	Move to beginning of row / पंक्ति की शुरुआत में ले जाएँ	Home
Close current workbook / वर्तमान कार्यपुस्तिका बंद करें	Ctrl + F4	Move to last cell in worksheet that contains data / कार्यपत्रक में अंतिम सेल में ले जाएँ जिसमें डेटा है	Ctrl + End
Close Excel / एक्सेल बंद करें	Alt + F4	Move to first cell in worksheet / वर्कशीट में पहले सेल में ले जाएँ	Ctrl + Home
Expand or collapse ribbon / रिबन का विस्तार या संक्षिप्त करें	Ctrl + F1	Select active cell (when multiple cells already selected) / सक्रिय सेल का चयन करें (जब एक से अधिक सेल पहले से चयनित हों)	Shift + Backspace
For data cut / डेटा कट करने के लिए	Ctrl + H	Show the active cell on worksheet / वर्कशीट पर सक्रिय सेल दिखाएं	Ctrl + Backspace
Activate access keys / पहुंच कुंजियों को सक्रिय करें	Alt	Move active cell down in selection & wrap to next column / चयन में सक्रिय सेल को नीचे ले जाएँ	Enter
Move through Ribbon tabs and groups / रिबन टैब और समूहों के माध्यम से आगे बढ़ें	→ ← ↑ ↓	Move active cell up in selection & wrap to previous column / सक्रिय सेल को चयन में ऊपर ले जाएँ	Shift + Enter
Activate or open selected control / चयनित नियंत्रण को सक्रिय या खोलें	Space OR Enter	Move active cell left in a selection & wrap to previous row / चयन में सक्रिय सेल को बाईं ओर ले जाएँ	Shift + Tab
Confirm control change / नियंत्रण परिवर्तन की पुष्टि करें	Enter	Select entire row / पूरी पंक्ति का चयन करें	Shift + Space
Get help on selected control / चयनित नियंत्रण पर सहायता प्राप्त करें	F1	Select entire column / संपूर्ण कॉलम का चयन करें	Ctrl + Space
Drag and copy / खींचें और कॉपी करें	Ctrl + Drag	Add non & adjacent cells to selection/चयन में गैर-आसन्न कक्ष जोड़ें	Ctrl + Click
Drag and insert / खींचें और डालें	Shift + Drag	for strike through / स्ट्राइक थ्रू	Ctrl + 5
Drag and insert copy / कॉपी खींचें और डालें	Ctrl + Shift + Drag	Move right between non & adjacent selections / गैर-आसन्न चयनों के बीच दाएँ ओर ले जाएँ	Ctrl + Alt + →
Drag to worksheet / कार्यपत्रक पर खींचें	Alt + Drag	Move left between non-adjacent selections / गैर-आसन्न चयनों के बीच बाईं ओर ले जाएँ	Ctrl + Alt + ←
Drag to duplicate worksheet / वर्कशीट को डुप्लिकेट करने के लिए खींचें	Ctrl + Drag	Toggle 'Add to Selection' mode / 'चयन में जोड़ें' मोड टॉगल करें	Shift + F8
Move one cell right / एक सेल को दाईं ओर ले जाएँ	→		
Move one cell left / एक सेल बाएँ ले जाएँ	←		
Move one cell up / एक सेल ऊपर ले जाएँ	↑		
Move one cell down / एक सेल नीचे ले जाएँ	↓		
Move one screen up / एक स्क्रीन ऊपर ले जाएँ	Page Up		
Move one screen down / एक स्क्रीन नीचे ले जाएँ	Page Down		

Escape 'Add to Selection' mode / 'चयन में जोड़ें' मोड से बाहर निकलें	Esc
Extend selection right / चयन को दाएं बढ़ाएँ	Shift + →
Extend selection left / चयन को बाएँ बढ़ाएँ	Shift + ←
Extend selection up / चयन को ऊपर बढ़ाएँ	Shift + ↑
Extend selection down / चयन को नीचे बढ़ाएँ	Shift + ↓
Extend the selection to the last cell on the right that contains data, or to the next cell that contains data, or to the last column / चयन को दाहिनी ओर अंतिम सेल तक विस्तारित करें जिसमें डेटा है, या अगले सेल में जिसमें डेटा है, या अंतिम कॉलम तक	Ctrl + Shift + →
Extend the selection to the last cell on the left that contains data, or to the next cell that contains data, or to the first column / चयन को बाईं ओर अंतिम सेल तक बढ़ाएँ जिसमें डेटा है, या अगले सेल में जिसमें डेटा है, या पहले कॉलम तक	Ctrl + Shift + ←
Extend the selection to the last cell up that contains data, or to the next cell that contains data, or to the first row / चयन को अंतिम सेल तक बढ़ाएँ जिसमें डेटा है, या अगले सेल में जिसमें डेटा है, या पहली पंक्ति तक	Ctrl + Shift + ↑
Extend the selection to the last cell down that contains data, or to the next cell that contains data, or to the last row / चयन को अंतिम सेल तक बढ़ाएँ जिसमें डेटा है, या अगले सेल में जिसमें डेटा है, या अंतिम पंक्ति तक	Ctrl + Shift + ↓
Extend selection up one screen / चयन को एक स्क्रीन तक बढ़ाएँ	Shift + Page Up
Extend selection down one screen / एक स्क्रीन के नीचे चयन बढ़ाएँ	Shift + Page Down
Extend selection right one screen / चयन को दाईं ओर एक स्क्रीन बढ़ाएँ	Alt + Shift + Page Down
Extend selection left one screen / एक स्क्रीन के बाईं ओर चयन बढ़ाएँ	Alt + Shift + Page Down
Extend selection to start of row(s) / पंक्ति (पंक्तियों) की शुरुआत के लिए चयन बढ़ाएँ	Shift + Home

Extend selection to first cell in worksheet / वर्कशीट में चयन को पहले सेल तक बढ़ाएँ	Ctrl + Shift + Home
Extend selection to last cell in worksheet / वर्कशीट में चयन को अंतिम सेल तक बढ़ाएँ	Ctrl + Shift + End
Toggle 'Extend Selection' mode / 'टॉगल' विस्तारित चयन' मोड	F8
Cancel 'Extend Selection' mode / 'विस्तारित चयन' मोड रद्द करें	Esc
Display 'Go To' dialog box / 'गो टू' डायलॉग बॉक्स प्रदर्शित करें	Ctrl + G OR F5
Select cells with comments / टिप्पणियों के साथ सेल चुनें	Ctrl + Shift + O
Select current region around active cell / सक्रिय सेल के आसपास के वर्तमान क्षेत्र का चयन करें	Ctrl + Shift + *
Select current region / वर्तमान क्षेत्र का चयन करें	Ctrl + A
Select direct precedents / प्रत्यक्ष उदाहरण चुनें	Ctrl + [
Select all precedents / सभी उदाहरण चुनें	Ctrl + Shift + {
Select visible cells only / केवल दृश्यमान कोशिकाओं का चयन करें	Alt + ;
Edit the active cell / सक्रिय सेल संपादित करें	F2
Insert or edit comment / टिप्पणी डालें या संपादित करें	Shift + F2
Cancel editing / संपादन रद्द करें	Esc
Select one character right / एक वर्ण दायीं ओर जाने के लिए चुनें	Shift + →
Select one character left / एक वर्ण बायें जाने के लिए चुनें	Shift + ←
Move one word right / एक शब्द दाएं ले जाएँ	Ctrl + →
Move one word left / एक शब्द बाएँ ले जाएँ	Ctrl + ←
Select one word right / एक शब्द दायें जाने के लिए चुनें	Ctrl + Shift + →
Select one word left / एक शब्द बायें जाने के लिए	Ctrl + Shift + ←
Select to beginning of cell / सेल की शुरुआत के लिए चयन करें	Shift + Home

Select to end of cell / सेल के अंत तक चुनें	Shift + End	Apply italics / इटैलिक लागू करें	Ctrl + I
Delete to end of line / पंक्ति के अंत तक हटाएं	Ctrl + Delete	Apply or remove underline / अंडरलाइन लागू करें या हटाएं	Ctrl + U
Delete character to left of cursor / कर्सर के बाईं ओर वर्ण हटाएं	Backspace	Apply or remove strikethrough / स्ट्राइकथ्रू लागू करें या हटाएं	Ctrl + 5
इसकी सहायता से हम एक्टिव सेल के ठीक ऊपर वाली सेल के डेटा को एक्टिव सेल में ला सकते हैं। (As a duplicate cell)	Ctrl + D	Apply general format / सामान्य प्रारूप लागू करें	Ctrl + Shift + ~
Start a new line in the same cell / उसी सेल में एक नई लाइन शुरू करें	Alt + Enter	Apply number format / संख्या प्रारूप लागू करें	Ctrl + Shift + !
Enter data and move down / डेटा दर्ज करें और नीचे जाएं दर्ज	Enter	Apply time format / समय प्रारूप लागू करें	Ctrl + Shift + @
Enter data and move right / डेटा दर्ज करें और दाएं घूमें	Tab	Apply date format / दिनांक प्रारूप लागू करें	Ctrl + Shift + #
Enter data and move left / डेटा दर्ज करें और बाएं घूमें	Shift + Tab	Apply currency format / मुद्रा प्रारूप लागू करें	Ctrl + Shift + \$
Enter data and stay in same cell / डेटा दर्ज करें और उसी सेल में रहें	Ctrl + Enter	Apply percentage format / प्रतिशत प्रारूप लागू करें	Ctrl + Shift + %
Enter same data in multiple cells (after copying) then selecting cells) / एकाधिक कक्षों में समान डेटा दर्ज करें (प्रतिलिपि बनाने के बाद, फिर कक्षों का चयन करें)	Enter	Apply scientific format / वैज्ञानिक प्रारूप लागू करें	Ctrl + Shift + ^
Insert current date वर्तमान तिथि डालें	Ctrl + ;	Add border around selected cells / चयनित सेल के चारों ओर बॉर्डर जोड़ें	Ctrl + Shift + &
Insert current time / वर्तमान समय डालें	Ctrl + Shift + :	Remove borders / सीमाएं हटाएं	Ctrl + Shift + -
राइट साइड में सेलेक्ट किए गए एक्टिव सेल को भरने के लिए/ एक्टिव सेल के बाईं ओर वाली सेल के डेटा को एक्टिव सेल में भरने के लिए।	Ctrl + R	Begin entering a formula / सूत्र दर्ज करना शुरू करें	= OR +
Copy formula from cell above (formula is exact copy) / ऊपर के सेल से फॉर्मूला कॉपी करें (फॉर्मूला सटीक कॉपी है)	Ctrl + '	Toggle absolute and relative references (in cell edit mode) / निरपेक्ष और सापेक्ष संदर्भों को टॉगल करें (सेल संपादन मोड में)	F4
Copy value from cell above / उपरोक्त सेल से मूल्य कॉपी करें	Ctrl + Shift + "	Open the Insert Function Dialog Box / इन्सर्ट फंक्शन डायलॉग बॉक्स खोलें	Shift + F3
Insert hyperlink / हाइपरलिंक डालें	Ctrl + K	Autosum / ऑटोसम	Alt + =
Display Auto Complete list / स्वतः पूर्ण सूची प्रदर्शित करें	Alt + ↓	Toggle displaying formulas on and off / फॉर्मूलों को चालू और बंद प्रदर्शित करना टॉगल करें	Ctrl + `
Flash fill / फ्लैश फिल	Ctrl + E	Insert function arguments / फंक्शन तर्क सम्मिलित करें	Ctrl + Shift + A
Format cells / प्रारूप सेल	Ctrl + 1	To change name of file or folder / फाइल या फोल्डर का नाम बदलने के लिए	F2
Display Format Cells with Font tab selected / फॉन्ट टैब के साथ चयनित प्रारूप सेल प्रदर्शित करें	Ctrl + Shift + F	Enter array formula / सारणी सूत्र दर्ज करें	Ctrl + Shift + Enter
Apply or remove bold / बोल्ट लागू करें या हटाएं	Ctrl + B	Calculate worksheets / कार्यपत्रकों की गणना करें	F9
		Calculate active worksheet / सक्रिय कार्यपत्रक की गणना करें	Shift + F9
		Expand or collapse the formula bar / सूत्र पट्टी को विस्तृत या संक्षिप्त करें	Ctrl + Shift + U

Open Name Manager / नाम प्रबंधक खोलें	Ctrl + F3
Create name from values in row(s)/ column(s) / पंक्तियों/स्तंभों में मानों से नाम बनाएं	Ctrl + Shift + F3
Paste name into formula / सूत्र में नाम चिपकाएँ	F3
Accept function with auto-complete / स्वतः पूर्ण के साथ कार्य स्वीकार करें	Tab
Display Insert Dialog box / प्रदर्शन सम्मिलित करें संवाद बॉक्स	Ctrl + +
Insert selected number of rows / पंक्तियों की चयनित संख्या सम्मिलित करें	Ctrl + +
Insert selected number of columns/ कॉलम की चयनित संख्या डालें	Ctrl + +
Display Delete dialog box / डिस्टले डिलीट डायलॉग बॉक्स	Ctrl + -
Delete selected number of rows / पंक्तियों की चयनित संख्या हटाएं	Ctrl + -
Delete selected number of columns / कॉलम की चयनित संख्या हटाएं	Ctrl + -
Delete contents of selected cells / चयनित सेल की सामग्री हटाएं	Delete
Hide columns / कॉलम छुपाएँ	Ctrl + 0
Hide rows / पंक्तियाँ छुपाएँ	Ctrl + 9
Unhide rows / पंक्तियाँ दिखाएँ	Ctrl + Shift + 9
Group rows or columns (with rows/ columns selected) / समूह पंक्तियाँ या स्तंभ (चयनित पंक्तियों/स्तंभों के साथ)	Alt + Shift + →
Ungroup rows or columns (with rows/columns selected) / पंक्तियों या स्तंभों को असमूहीकृत करें (पंक्तियों/स्तंभों के साथ चयनित)	Alt + Shift + ←
Open Group Dialog Box (no rows/ columns selected) / समूह संवाद बॉक्स खोलें (कोई पंक्तियाँ/कॉलम चयनित नहीं)	Alt + Shift + →
Open Ungroup Dialog Box / अनग्रुप डायलॉग बॉक्स खोलें	Alt + Shift + ←
Hide or show outline symbols बाह्यरेखा प्रतीकों को छिपाएं या दिखाएं	Ctrl + 8
Create pivot table/पिवोट टेबल बनाएं	Alt + N , V
Select entire pivot table / संपूर्ण पिवोट तालिका का चयन करें	Ctrl + A
Group pivot table items / समूह पिवोट टेबल आइटम	Alt + Shift + →

Ungroup pivot table items / पिवोट टेबल आइटम को अनग्रुप करें	Alt + Shift + ←
Hide pivot table item / पिवोट टेबल आइटम छिपाएं	Ctrl+ -
Move to next control अगले नियंत्रण पर जाएँ	Tab
Move to previous control पिछले नियंत्रण में ले जाएँ	Shift + Tab
Move to next tab अगले टैब पर जाएँ	Ctrl + Tab
Move to previous tab पिछले टैब पर जाएँ	Ctrl + Shift + Tab
Accept and apply स्वीकार करें और लागू करें	Enter
Check and uncheck box बॉक्स को चेक और अनचेक करें	Space
Cancel and close the dialog box संवाद बॉक्स रद्द करें और बंद करें	Esc
(For center alignment) / (केंद्र संरेखण के लिए)	Alt + H, A, C

पूर्ण नाम (Full Name)

Name	Full Form
ANSI	American National Standards Institute
ASCII	American Standard Code For Information Interchange SSC CHSL- 2023
ALU	Arithmetic Logic Unit
API	Application Programming Interface
BIOS	Basic Input Output System
CGI	Common Gateway Interface
CPU	Central Processing Unit
CAD	Computer Aided Design
CDMA	Code Division Multiple Access
CD	Compact Disk NVS- 2019
DOC	Document (Microsoft)
DTP	Desktop Publishing
DOS	Disk Operating System
COBOL	Common Business Oriented Language
ROM	Read Only memory
PROM	Programmable Read-Only memory
EPROM	Erasable Programmable Read-Only memory
EEPROM	Electrically Erasable Programmable Read-Only memory
FTP	File Transfer Protocol SSC CHSL- 2023
FAT	File Allocation Table
GUI	Graphical User Interface

GPS	Global Positioning System	SAN	Storage Area Network
GPRS	General Packet Radio Service	WWAN	Wireless Wide Area Network
HDD	Hard Disk Drive	NAP	Network Access Point / Protection
HTML	Hyper Text Mark-up Language	WMA	Windows Media Audio
HTTP	Hyper Text Transfer Protocol	WAV	Waveform Audio File Format
HTTPS	Hyper Text Transfer Protocol Secure	ENIC	Electronic Numerical Integrator and Computer
ISP	Internet Service Provider	WML	Wireless Markup Language
iOS	iPhone Operating	ISP	Internet Service Provider
ICP	Internet Cache Protocol	WAP	Wireless Application Protocol
MIPS	Million Instructions Per Second	ARPANET	Advanced Research Projects Agency Network
MSDN	Microsoft Developer Network	IBM	International Business Machine
MAC	Media Access Control	AM/FM	Amplitude Modulation / Frequency Modulation
NTFS	New Technology File System	ACPI	Advanced Configuration and Power Interface
NIC	Network Interface Card	AGP	Accelerated Graphics Port
OS	Operating System	ASIC	Application Specific Integrated Circuit
OMR	Optical Mark Recognition	DEC	Digital Equipment Corporation
OCR	Optical Character Recognition	GPU	Graphics Processing Unit
PNG	Portable Network Graphics	GDI	Graphics Device Interface
PDF	Portable Document Format	DPI	Dots per Inch
PSU	Power Supply Unit	VoIP	Voice over Internet Protocol
PCB	Printed Circuit Board	CRS	Computer Reservation System
RAM	Random Access Memory	BFD	Bidirectional Forwarding Detection
SMS	Short Message Service	ABR	Available Bit Rate
SAP	System Applications and Product	GBPS	Gigabits per Second
SMTTP	Simple Mail Transfer Protocol	PING	Packet InterNet Groper
SMPS	Switched Mode Power Supply	AD	Active Directory
SIM	Subscriber Identity Module	ADC	Analog-to-Digital Converter
IP	Internet Protocol	OSI	Open System Interconnection
TIFF	Tagged Image File Format	UART	Universal Asynchronous Receiver Transmitter
URL	Uniform Resource Locator	HAL	Hardware Abstraction Layer
USB	Universal Serial Bus SSC CHSL- 2018	HCI	Human-Computer Interaction
VDU	Visual Display Unit	FCS	Frame Check Sequence
VIRUS	Vital Information Resource Under Seized	CTCP	Client-to-Client Protocol
WiFi	Wireless Fidelity	FPU	Floating Point Unit
WWW	World Wide Web	FXP	File Exchange Protocol
2G	2nd Generation	HID	Human Interface Device
3G	3rd Generation	FDDI	Fiber Distributed Date Interface
4G	4th Generation	DDR	Double Data Rate
5G	5th Generation	VHF	Very High Frequency
MSN	Microsoft Network	UHF	Ultra High Frequency
LAN	Local Area Network	OOPS	Object Oriented Programming System
WAN	Wide Area Network		
MAN	Metropolitan Area Network		
PAN	Personal Area Network		
VPN	Virtual Private Network		

IRC	Internet Relay Chat	DSL	Digital Subscriber Line
EDP	Electronic Data Processing	DBSN	Database Source Name
PCB	Printed Circuit Board	DTE	Data Terminal Equipment
UDP	User Datagram Protocol	CUA	Common User Access
NAT	Network Address Translation	DAO	Data Access Object
BAL	Basic Assembly Language	CAE	Computer-Aided Engineering
BCD	Binary Coded Decimal	DTR	Data Terminal Ready
CRC	Cyclic Redundancy Check	BINAC	Binary Automatic Computer
LLC	Logical Link Control	BLOB	Binary Large Object
ARP	Address Resolution Protocol	RTGS	Real-Time Gross Settlement
IIS	Internet Information Services	SIS	Server Intelligent Storage
BER	Bit Error Rate	BW	Bandwidth
CLI	Command Line Interface	DVI	Digital Visual Interface
ASP	Active Server Pages	ISO	International Organization for Standardization
DRAM	Dynamic Random Access Memory	ISR	Interrupt Service Routine
SRAM	Static Random Access Memory	VFS	Virtual File System
NVRAM	Non-Volatile Random Access Memory	BCR	Bar Code Reader
VRAM	Video Random Access Memory	BPI	Bits per Inch
AVC	Advanced Video Coding	DTS	Digital Theater System RRB ALP- 2019
WUSB	Wireless Universal Serial Bus	VLSI	Very Large Scale Integration
FDD	Floppy Disk Drive	CCD	Charge Coupled Device
DFD	Data Flow Diagram	EFT	Electronic Funds Transfer
DFS	Distributed File System	WINS	Window Internet Name Service
DVE	Digital Video Effect	VGCT	Video Graphics Character Table
CGA	Color Graphics Adapter	VM	Virtual Machine
CIFS	Common Internet File System	LSB	Least Significant Bit
RPM	Revolutions Per Minute	MBCS	Multi Byte Character Set
SAS	Statistical Analysis System	IPTV	Internet Protocol Television
M3G	Mobile 3D Graphics	IPX	Internetwork Packet Exchange
AMD	Advanced Micro Devices	UXFI	Unified Extensible Firmware Interface
3GPP	3rd Generation Partnership Project	URI	Uniform Resource Identifier
SOA	Service-Oriented Architecture	WPA	Wi-Fi Protected Access
LBA	Logical Block Addressing	UNIVAC	Universal Automatic Computer
API	Application Programming Interface	VCR	Video Cassette Recorder
WAP	Wireless Application Protocol	URN	Uniform Resource Name
DAP	Directory Access Protocol	UTF	Unicode Transformation Format
DBA	Database Administrator	NOS	Network Operating System
CTL	Computation Tree Logic	NTP	Network Time Protocol
DLP	Data Loss Prevention	IHV	Independent Hardware Vendor
DMA	Direct Memory Access	CNR	Communication Networking Riser
HTX	Hyper Transport Expansion	ISC	Internet Systems Consortium
ELF	Executable and Linkable Format	TDM	Time Division Multiplexing
SIS	Security and Intelligence Services	ULSI	Ultra Large Scale Integration
AMR	Adaptive Multi Rate	GP	Graphics Port
HPFS	High Performance File System		

NMI	Non-Maskable Interrupt UPSSSC- 2015	MNG	Multiple-image Network Graphics
IMAP	Internet Message Access Protocol UPSSSC- 2025	MPL	Mozilla Public License
IPC	Inter-Process Communication	MSB	Most Significant Bit
IPP	Internet Printing Protocol	MVS	Multiple Virtual Storage
DPMS	Display Power Management Signaling	NFS	Network File System
ECP	Extended Capabilities Port	IPV4	Internet Protocol Version 4
MBR	Memory Buffer Register	IPV6	Internet Protocol Version 6
MDI	Multiple Document Interface	PIO	Programmed Input/Output
MICR	Magnetic Ink Character Recognition	PPI	Pixels Per Inch
MIDI	Musical Instrument Digital Interface RRB Clerk- 2021	PPP	Point-to-Point Protocol
MMU	Memory Management Unit	PPTP	Point-to-Point Tunneling Protocol
MMX	Multimedia Extension	RDF	Resource Description Framework
		RTOS	Real-Time Operating System
		SCSI	Small Computer System Interface
		SDL	Specification and Description Language

स्टैटिक जी.के.

शास्त्रीय नृत्य

- शास्त्रीय नृत्यों का वर्णन भरतमुनि के 'नाट्यशास्त्र' में मिलता है, जिसे पंचम वेद माना जाता है।
- संगीत नाटक अकादमी के अनुसार, शास्त्रीय नृत्यों की कुल संख्या आठ (8) है।
- 'छऊ' को अर्द्धशास्त्रीय नृत्य भी कहा जाता है।

शास्त्रीय नृत्य	संबंधित राज्य
भरतनाट्यम	तमिलनाडु
कथकली	केरल
कथक	उत्तर प्रदेश SSC CHSL-2022, 2023
कुचिपुड़ी	आंध्र प्रदेश SSC CGL-2022
मोहिनीअट्टम	केरल
मणिपुरी	मणिपुर
सत्रिया	असम SSC CGL-2024
ओड़िसी	ओड़िशा

भरतनाट्यम

- सबसे प्राचीन शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्यम को माना जाता है। इसका पुराना नाम 'सादिर' था। **SSC CHSL-2022**
- भरतनाट्यम को प्रायः दासीअट्टम एवं अग्नि नृत्य के नाम से भी जाना जाता है।
- यह नृत्य मंदिरों को समर्पित है।
- भरतनाट्यम की प्रस्तुति अर्थात् आरंभ 'अलारिपु' (**SSC CGL-2023**) से होता है। इस नृत्य का अंत 'तिल्लाना (थिलाना)' पर होता है।
- इस नृत्य प्रदर्शन में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख वाद्ययंत्र मृदंगम, बाँसुरी, वीणा आदि हैं।

प्रमुख कलाकार

यामिनी कृष्णमूर्ति (कुचिपुड़ी से भी संबंधित) (**SSC CGL-2024**), रुक्मिणी देवी अरुंडेल, लीला सैमसन, सोनल मान सिंह (ओड़िसी से भी संबंधित) (**SSC CHSL-2023**), मृणालिनी साराभाई, वैजयंतीमाला, पद्मासुब्रमण्यम, एस. के. सरोजा, सी.वी. चंद्रशेखर, टी. बालासरस्वती (**SSC CHSL-2022**), रमा वैद्यनाथन, प्रतिभा प्रह्लाद।

ओड़िसी

- ओड़िसी नृत्य भगवान कृष्ण से संबंधित है जो त्रिभंग मुद्रा में किया जाता है।
- यह नृत्य मुख्यतः 'महारियों' द्वारा किया जाता था और इसे जैन राजा खारवेल का संरक्षण प्राप्त था।
- इस नृत्य के दौरान नृत्यांगनाएँ अपने शरीर से जटिल 'ज्यामितीय पैटर्न' बनाती हैं इसलिए इसे 'सचल मूर्ति' के रूप में जाना जाता है।
- यह नृत्य 'जल तत्त्व' का प्रतीक है।
- इस नृत्य प्रदर्शन में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख वाद्ययंत्र ढोल, मंजीरा, सितार, बाँसुरी आदि हैं।

प्रमुख कलाकार

केलुचरण महापात्रा (**SSC CHSL-2022**), माधवी मुद्गल, सोनल मानसिंह, पंकज चरण दास, झेलम परांजपे, सुजाता महापात्रा, कालीचरण पटनायक, किरण सहगल, कुमकुम मोहंती (**SSC CHSL-2022**), इंद्राणी रहमान, रंजना गौहर (**SSC CHL-2023**)

मणिपुरी

- मणिपुरी नृत्य वैष्णव सम्प्रदाय से संबंधित है।
- इस नृत्य के अंतर्गत श्रीकृष्ण के बाल्यकाल की कहानियाँ दर्शायी जाती हैं।
- नागबंध मुद्रा इस नृत्य रूप की महत्त्वपूर्ण मुद्रा है जिसमें शरीर 8 के आकार में वक्रों के माध्यम से जुड़ा होता है।

प्रमुख कलाकार

गुरु बिपिन सिंह, झावेरी बहनें (दर्शाना, नयना, सुवर्णा, रंजना) (**SSC CHSL-2021**), गुरु अमली सिंह, एल बिनो देवी, गुरु अमुबी, बिम्बावती देवी, निर्मला मेहता, राजकुमार सिंहजीत सिंह, (**SSC CGL-2022**) चारू माथुर।

कुचिपुड़ी

- भागवत पुराण की कहानियों को इस नृत्य की विषय वस्तु का आधार माना गया है तथा नर्तकों को 'भागवतालु' के नाम से जाना जाता है।
- सिद्धेंद्र योगी को कुचिपुड़ी का आदिगुरु माना जाता है।
- कुचिपुड़ी में कुछ लोकप्रिय एकल तत्त्व भी होते हैं-
- तरंगम: इसके अंतर्गत नर्तक एक पीतल की तशरी के किनारे पर पाँव रखकर तथा अपने सर पर जल पात्र आदि संतुलित करते हुए करतब प्रस्तुत करता है।
- जल चित्र नृत्यम: इसमें कलाकार अपने पैर के अँगूठों से सतह पर चित्र बनाते हैं।
- इसमें प्रयुक्त पुरुष कलाकारों की पोशाक को बगलबंदी कहा जाता है।

प्रमुख कलाकार

- ❑ लक्ष्मी नारायण शास्त्री (कुचिपुडी एकल विधा के जनक), यामिनी कृष्णमूर्ति (भरतनाट्यम से भी संबंधित), राधा रेड्डी, राजा रेड्डी (SSC GD-2023), शोभा नायडू, इंद्राणी रहमान, अपर्णा सतीसन, मल्लिका साराभाई (भरतनाट्यम से भी संबंधित), दीपिका रेड्डी, गुरु वेम्पति चिन्ना सत्यम (SSC CHSL-2023, SSC CGL-2024)

कथक

- ❑ कथक नृत्य को 'नटवरी' नाम से भी जाना जाता है।
- ❑ इस नृत्य रूप को ध्रुपद एवं तुमरी गायन के माध्यम से व्यक्त किया जाता है।
- ❑ यह नृत्य राधा कृष्ण की कथाओं पर आधारित है तथा घुंघरू और चक्कर इस नृत्य की प्रमुख विशेषताएँ हैं।
- ❑ इस नृत्य की वेशभूषा अनारकली या लम्बी कमीज चूड़ीदार के साथ होती है।
- ❑ कथक की शास्त्रीय शैली को 20वीं शताब्दी में 'लेडी लीला सोखे' के द्वारा पुनर्जीवित किया गया।
- ❑ यह नृत्य लखनऊ घराना, जयपुर घराना, बनारस घराना और रायगढ़ घराना शैली में किया जाता है।

प्रमुख कलाकार

- ❑ बिरजू महाराज (SSC CHSL-2023), लच्छू महाराज, सितारा देवी (SSC CHSL-2022), शोभना नारायण, कमलिनी अस्थाना, दमयंती जोशी, शंभू महाराज, भारती गुप्ता आदि।

कथकली

- ❑ कथकली का उदय 17वीं शताब्दी में त्रावणकोर (वर्तमान केरल) में हुआ था।
- ❑ यह नृत्य सामान्यतः पुरुषों द्वारा किया जाता है तथा रामायण, महाभारत इसके प्रमुख आधार हैं।
- ❑ इसमें चेहरे के हाव-भाव का प्रदर्शन किया जाता है।
- ❑ कथकली आकाश तत्व का प्रतीक है।
- ❑ इस नृत्य में प्रयुक्त गीतों के शब्दों को 'अट्टकथा' कहा जाता है।

प्रमुख कलाकार

गोपीनाथ (SSC CGL-2022), कोट्टकल शिवरामन, बल्लथोल नारायण मेनन, शांताराव, हरिप्रिया नंबूद्री।

मोहिनीअट्टम

- ❑ मोहिनीअट्टम सामान्यतः एकल महिला द्वारा किया जाने वाला प्रदर्शन है।
- ❑ इस नृत्य के दौरान केरल कसावु साड़ी पहनी जाती है।
- ❑ इस नृत्य का उल्लेख 'व्यवहारमाला' नामक प्राचीन ग्रंथ में किया गया है।
- ❑ इस नृत्य में सामान्यतः विष्णु के स्त्रैण रूप की कहानी का वर्णन किया जाता है। (SSC CHSL-2022)

प्रमुख कलाकार

- ❑ जयप्रभा मेनन, भारती शिवाजी, हेमामालिनी कलामंडलम कल्याणी कुट्टी अम्मा (द मदर ऑफ मोहिनी अट्टम) (SSC MTS-2022), गोपिका वर्मा (SSC CHSL-2023), सुनंदा नायर आदि।

सत्रिया

- ❑ सत्रिया, 500 वर्ष पुराना एक भारतीय शास्त्रीय नृत्य है जो असम के वैष्णव ऋषियों से विकसित हुआ है।
- ❑ इस नृत्य की शुरुआत महान वैष्णव संत शंकरदेव (संस्थापक) ने की थी।
- ❑ सत्रिया को वर्ष 2000 में संगीत नाटक अकादमी द्वारा शास्त्रीय नृत्य के रूप में मान्यता दी गई थी।
- ❑ 'अंकियानाट' सत्रिया का एक प्रकार है, जिसमें संगीतात्मक नाटक सम्मिलित होता है। इस नाटक को ब्रजबुली भाषा (असमिया-मैथिली मिश्रित) में लिखा जाता है।

प्रमुख कलाकार

- ❑ शंकरदेव, गुरु जतिन गोस्वामी (SSC CHSL-2023), प्रभात शर्मा, ललित ओझा, गहन चंद्रा गोस्वामी, शरोदी सैकिया, प्रदीप चलीहा आदि।

शास्त्रीय भाषाएँ

- ❑ भारत में कुल छः शास्त्रीय भाषाएँ हैं-
 1. तमिल
 2. संस्कृत
 3. कन्नड़
 4. मलयालम
 2. तेलुगु
 3. उड़िया
- ❑ वर्ष 2004 को घोषित प्रथम शास्त्रीय भाषा तमिल है।

SSC MTS-2020

लोक-नृत्य

आंध्र प्रदेश	बुट्टा बोम्मालू, लंबाड़ी, कोलाट्टम, छड़ी, घंटा मर्दाला, तपेता गुल्लू, बोनालु, डांडरिया, धिमसा, गोबी, दप्पू, भामकल्पम
असम	बिहू, बागुरुम्बा, अंकियानाट, कानोई, तलब चोंगली, नागानृत्य, खेल गोपाल, बिछुआ, कलिगोपाल, नटपूजा
अरुणाचल प्रदेश	मुखौटा नृत्य, युद्ध नृत्य, बुइया, कोंगकी पोनुंग, लॉयन एंड पीकॉक (मोनपा जनजाति), वांचो डांस, रिखमपाडा
बिहार	जटा-जटिन, बिरहा, पनवारिया, बिदेसिया, कजरी (मानसून से संबंधित), धोबिया, झिझिया, समा-चकेवा, बखो-बखैन
छत्तीसगढ़	करमा, डागला, राउत नाच, चंदैनी, भारथरी चरित्र, गौर माडिया, पैथी, पण्डवानी, नवारानी, कापालिक, सुवा
गोवा	देक्खनी, फुगड़ी, शिगमो, धालो, धनगर, तरंगमेल (SSC CGL-2022), लैम्प डांस, कुणबी, गॉफ नृत्य
गुजरात	गरबा, डाण्डिया, टिप्पणी, पधार, घेरिया, भवई, लास्या, पणिहारी, रासलीला
हरियाणा	झूमर, फाग नृत्य, डफ, धमाल, गुग्गा, सांग, छठी नृत्य, धमान, खेरिया, मंजीरा, लूर नृत्य
हिमाचल प्रदेश	डांगी, दानव नृत्य, घुघटी, झोरा, नाटी, झाली, चारबा, झंटा, चेडी, छपेली, डंडानाच, कयांगमाला
झारखण्ड	फगुआ, मुंडारी, सरहुल, झिटका, झुमैर, छऊ, पाइका, संधाली, झिका दसाई, जामदा, घोरा नाच, बिरहोर नृत्य

कर्नाटक	यक्षगान, डोल्लू कुनिथा, वीरगासे, नागमण्डला, बैलाटा, कमसाले, बोलक-आट, हुलिवेशा
केरल	थुलाल नृत्य (SSC CGL-2020), थियाट्टु नृत्य, वेलाकली, कुम्मी नृत्य, थम्पी थुल्लल, कुथियोत्तम नृत्य, गुरुदन थुकम, कोलकलि, पढ़यनी, चक्कार कुथु
मध्य प्रदेश	मटकी (SSC CHSL-2023, CGL-2024), राई नृत्य, जारवा नृत्य, लहंगी नृत्य, रीना नृत्य, मांच, सैला, चटकोरा, भगोरिया, बरेदी नृत्य
महाराष्ट्र	लावणी, कोली, तमाशा, धनगरी गजा, पोवाडा नृत्य, लेजिम नृत्य, डिंडी नृत्य
मणिपुर	लाई हरोबा, थांग-टा, पुंग चोलोम, नूपा नृत्य, माई नृत्य, थबल चोंगबा, जागोई, खंबा थाइबी, काबुई
मेघालय	नोंगक्रमे, वांगला, लाहो नृत्य, बेहंदीखलम
मिजोरम	चेराव नृत्य (बांस नृत्य), जंगतालम, चेलम, चोंगला. इजोन, खुआललाम, थांगलम
नागालैण्ड	चोंग, रेंगमा, बाँस नृत्य, चांगसांग नृत्य, आलूयट्टू, चंगई नृत्य (SSC CGL-2023)
ओड़िशा	घुमुरा, दलखाई, छऊ, बाधा नाच, कीसावादी, गोटीपुआ, चैती घोड़ा, पाइका, चांगू नृत्य, डंडा जात्रा, रंगबती, घंटा मृदंगम
उत्तर प्रदेश	रासलीला, नौटंकी, झुला, कजरी, दादरा, चैती (लोक गीत), ख्याल, मयूर, धोबिया, चरकुला, नटवरी
उत्तराखंड	छोलिया, हारूल, तांदी, चौफुला, चंचरी, भोटिया (SSC CHSL-2024)
पश्चिम बंगाल	गम्भीरा, छऊ, कीर्तन, काठी, लाठी, त्रिता नृत्य, संधाल नृत्य, अलकाप नृत्य
पंजाब	भांगड़ा, गिद्दा, झूमर, किकली नृत्य, जागो नृत्य, लुड्डी, धमाल नृत्य, जूली, धनकरा नृत्य
राजस्थान	कालबेलिया, घूमर, तेराताली, चरी नृत्य, कठपुतली, चकरी नृत्य, कच्ची घोड़ी, गणगौर, पनिहारी
तमिलनाडु	कुम्मी, कोलट्टम, करगट्टम, अयट्टम, पीकाँक डांस, मईलट्टम, ओयिलट्टम, करागम नृत्य
सिक्किम	चू-फाट, सिंगिनी, सिंघी छम, गैनी, शबदो, तामांगसेलो, रेचुंगमा, घा तो कितो, ची रम्
तेलंगाना	माथुरी, लम्बाड़ी, धिमसा, दप्पू, गुसादी
त्रिपुरा	होजागिरी, गरिया, मेलाडोम, लेबांग, मोसाक सुमानी, संगराई
लक्षद्वीप	लावा, परिचकली, कोलकाली
जम्मू-कश्मीर	हाफिजा, रऊफ, डमहल, हिकात, धूमल
लद्दाख	शॉडोल, शॉन, जबरो, डूपा-रचेस
दमन और दीव	मंडो, वर्दीगाओ, वीरा
पुडुचेरी	गराडी

वादक एवं वाद्ययंत्र

वाद्ययंत्र	वादक
तबला	अल्लारक्खा खाँ (SSC Steno-2023), जाकिर हुसैन (SSC CHSL-2023), किशन महाराज, गुदई महाराज (समता प्रसाद), पंडित आनन्द गोपाल, सुखविन्दर सिंह, लतीफ अहमद खाँ, फय्याज खान, स्वप्न चौधरी, अनोखे लाल मिश्र, पंडित जसराज, निखिल ज्योति घोष, तन्मय बोस, विक्रम घोष
सितार	पंडित रविशंकर (SSC CHSL-2023), उमाशंकर मिश्र, बुद्धादित्य मुखर्जी, निखिल बनर्जी, विलायत खाँ (SSC CGL-2023), बंदे हसन, शाहिद परवेज, राजीव जनार्दन, कुशल दास
बाँसुरी	हरिप्रसाद चौरसिया (SSC CHSL-2023), पन्नालाल घोष (अमल ज्योति घोष), वी. कुँजमणि, एन. नीला, राजेन्द्र प्रसन्ना, राजेन्द्र कुलकर्णी, राकेश चौरसिया
शहनाई	बिस्मिल्ला खाँ, अली अहमद, हुसैन खाँ, दयाशंकर जगन्नाथ, बागेश्वरी कमर (इकलौती महिला)
सरोद	अमजद अली खाँ, (अमान अली खान, अयान अली खाँ → अमजद अली खाँ के दो पुत्र), जरीन दारुवाला, मुकेश शर्मा, हाफिज खाँ (SSC CHSL-2022), अली अकबर खाँ, विश्वजीत राय चौधरी, बुद्धदेव दास गुप्ता, राजीव तारानाथ, विकास महाराज नोट : वर्ष 2014 में अमजद अली खान ने नोबेल शांति पुरस्कार समारोह में 'राग' का प्रदर्शन किया।
वायलिन	टी.एन. कृष्णन, एल. सुब्रह्मण्यम, विष्णु गोविन्द जोग, डॉ. एन. राजन, संगीता राजन, मोहनन चन्द्र शेखर, लालगुडी जयरामन (SSC CHSL-2022)
मृदंगम	टी. गोपालकृष्णन, पालघाट आर. रघु, ठाकुर भीकम सिंह, डॉ. जगदीश सिंह, के. शिवरामन, पी. मणिअय्यर, राजना स्वामीनाथन (SSC CGL-2022)
संतूर	शिवकुमार शर्मा, भजन सोपोरी
वीणा	इमानी शंकर शास्त्री, एस. बाल चन्द्रन (SSC CHSL-2022), कृष्ण भागवातार, बी. दोरो स्वामी, बदरुद्दीन डागर, जयंती कुमारेण, डी. बालकृष्णन
रुद्रवीणा	उस्ताद सादिक अली खाँ, असद अली खाँ (SSC CPO-2023)
पखावज	कुनाल पाटिल, केलुचरण महापात्र (मृदंगम, तबला, ओडिसी नर्तक), उस्ताद रहमान खाँ, तोता राम शर्मा (SSC CHSL-2022), पंडित भवानी शंकर, ठाकुर लक्ष्मण सिंह, गोपालदास, छत्रपति सिंह
घटम	टी.एच. विनायकराम (SSC CHSL-2022), ई. एम. सुब्रह्मण्यम (SSC CHSL-2022)

वाद्ययंत्र	वादक
सारंगी	शकूर खान, पंडित राम नारायण (SSC CPO-2023), रमेश मिश्रा, सुल्तान खान, उस्ताद बुंदू खाँ, इलियास खान
सिम्झनी	जुबिन मेहता (पद्म भूषण - 1966) (पद्म विभूषण - 2001)
नादस्वरम	राजरत्न पिल्लई, (SSC CPO-2023) नीरू स्वामी पिल्लई, (SSC CPO-2023) शेख चिन्ना मौलाना
तानपुरा	भीमसेन जोशी (भारत रत्न-2008), एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी → कर्नाटक संगीत से सम्बन्ध (भारत रत्न-1998)
सुरबहार	इमरत खान, (SSC CHSL-2022) अन्नपूर्णा देवी
सेक्सोफोन	कादरी गोपालनाथन
गिटार	बैजू धर्मजन, ब्रजभूषण काबरा
हारमोनियम	अप्या जलगांवकर, नुसरत फतेह अली खान

महत्त्वपूर्ण बिन्दु

- प्रसिद्ध तबला वादक जाकिर हुसैन सबसे कम उम्र (37 वर्ष) में पद्म श्री (1988) प्राप्तकर्ता हैं। तथा इन्हें पद्म विभूषण (2023) से भी सम्मानित किया गया है।
- पंडित किशन महाराज भारतीय शास्त्रीय संगीत के बनारस घराने से संबंध रखते थे, जिन्हें पद्म श्री (1973) एवं पद्म विभूषण (2002) प्रदान किया गया।
- अनोखे लाल मिश्र को 'ना धिन धिन्ना' का जादूगर कहा जाता है।
- 'माइ लाइफ माइ म्यूजिक' प्रसिद्ध सितार वादक पंडित रविशंकर द्वारा रचित आत्मकथा है। पंडित रविशंकर को भारत रत्न (1999) से सम्मानित किया गया।
- हरि प्रसाद चौरसिया (बाँसुरी वादक) को पद्म भूषण (1992) तथा पद्म विभूषण (2000) से सम्मानित किया गया।
- प्रसिद्ध शहनाई वादक बिस्मिल्ला खाँ को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू द्वारा 15 अगस्त 1947 को प्रथम स्वतंत्रता दिवस पर शहनाई प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया।
- बिस्मिल्ला खाँ को भारत रत्न (2001) से सम्मानित किया गया।
- 'बागेश्वरी कंमर' भारत की इकलौती महिला शहनाई वादक हैं।
- अमजद अली खाँ ने अपने दो पुत्रों अयान अली खाँ तथा अमान अली खाँ

के साथ 'Raga for Peace' नोबेल प्राइज कॉन्सर्ट में प्रस्तुति दी।

- भारत मुनि ने नाट्य शास्त्र में वाद्ययंत्रों को 4 समूहों में वर्गीकृत किया है।

प्रमुख त्योहार/उत्सव

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	प्रमुख त्योहार/उत्सव
केरल	विशु, थैय्यम, ओणम, त्रिशूर पूरम, वल्लमकली नौका दौड़ उत्सव, अट्टकल पोंगल, मकर विलक्कु महोत्सव, अरट्टू, पेनकुनी, सुंदरेश्वर महोत्सव (SSC MTS-2021), तिरुवातिरै उत्सव (SSC CPO-2022)
तमिलनाडु	पोंगल, जल्लीकट्टू, थाईपुसम (भगवान मुरुगन को समर्पित), पुथंडु (SSC CGL-2022), मामल्लपुरम उत्सव, चिथिराई महोत्सव, आदि पेरुक्कु, चित्राथि, नाट्यांजलि नृत्य महोत्सव, फ्लोट फेस्टिवल, कंथुरी उत्सव
आंध्र प्रदेश	फ्लेमिंगो, ब्रह्मोत्सवम्, डेक्कन फेस्टिवल, विशाखा उत्सव, उगादी/उगादि (SSC CGL-2022), येल्लम्मा जतारा
तेलंगाणा	बोनालु, बथुकम्मा, सम्मक्का-सरलम्मा जतारा, अलाई-बलाई उत्सव
कर्नाटक	हम्पी महोत्सव (SSC CGL-2022), कंबाला महोत्सव (भैंसा दौड़), मैसूर दशहरा, पद्दकल्लु महोत्सव, करगा महोत्सव, कैलपोध उत्सव (हथियारों की पूजा), हुथरी, महामस्तकाभिषेक (जैन उत्सव)
महाराष्ट्र	गुड़ी पडवा (SSC CGL-2022), गणेश चतुर्थी, नारली पूर्णिमा, पोला, कोजागिरी पूर्णिमा, बाणगंगा महोत्सव (SSC MTS-2021), काला घोड़ा महोत्सव, विटोबा
गुजरात	मोढ़ेरा उत्सव, पतंग महोत्सव, खेल महोत्सव, रण उत्सव, रथ यात्रा
राजस्थान	गणगौर उत्सव (भगवान शिव और माँ पार्वती को समर्पित), बूंदी उत्सव, मरु महोत्सव (SSC MTS-2022), हाथी उत्सव, मत्स्य महोत्सव, पतंग महोत्सव, तीज महोत्सव, उर्स महोत्सव, चंद्रभागा उत्सव, कोलायत उत्सव
मध्य प्रदेश	घडल्या, मंडई, काकसार, नीरजा, रसनवा, लोकरंग, भगोरिया, हरीरी, तानसेन संगीत समारोह, चेतियागिरी महोत्सव (SSC Steno-2023), धुपद उत्सव, हरेली, पीर बुधान, लारूकाज उत्सव, मांडू उत्सव
छत्तीसगढ़	हरेली, बस्तर दशहरा (देवी दुर्गा को समर्पित) (SSC CGL-2023), मंडई, देवारी, गोंचा, भोजली, छेर-छेरा, राजिम कुम्भ
बिहार	सामा-चकेवा (पक्षी प्रवास उत्सव), करमा, छठ पूजा (SSC MTS-2022), जितिया (Jitiya), बिहूला, बुद्ध जयंती, राजगीर महोत्सव, मधुश्रावणी, सोनपुर पशु उत्सव

झारखंड	सरहुल, फगुआ, टुसू, जावा, बंदना, भगता परब, रोहिण्ण उत्सव, करमा पूजा, चांडी पर्व, मंडा पूजा पर्व
ओडिशा	छऊ, धनुजात्रा (विष्णु अवतार भगवान कृष्ण को समर्पित), कोणार्क महोत्सव, नुआखाई, नवकलेबर, राजा पर्व, कंढेई जात्रा, बालियात्रा (Balyatra), इको रिट्रीट उत्सव (SSC CGL-2021)
पश्चिम बंगाल	दुर्गा पूजा, डोल जात्रा, नबो बोरशो, गंगा सागर उत्सव, पोइला बैसाखी, जगधात्री पूजा, केन्दुली उत्सव, जल्पेश महोत्सव
उत्तर प्रदेश	कुम्भ महोत्सव, कजली महोत्सव, कालिंजर महोत्सव, ताज महोत्सव, शाकुम्भरी देवी उत्सव, महामंडल उत्सव, आयुर्वेद महोत्सव, बिटूर गंगा महोत्सव
उत्तराखण्ड	फूल देई, हरेला, मरोज पर्व, चैतोल त्योहार, हिलजात्रा, गंगा दशहरा
हरियाणा	पिंजौर हेरिटेज, तीज महोत्सव, गंगौर मेला, सूरजकुंड (शिल्प मेला), गुग्गा नामी महोत्सव, निर्जला एकादशी महोत्सव
पंजाब	होला मोहल्ला, बैसाखी, लोहड़ी, तीज (तीयन), गुरुपर्व
हिमाचल प्रदेश	हलदा (Halda), साजो, गोची (SSC MTS-2022), चैतरुल त्योहार, लावी, हालोग उत्सव, खेपा महोत्सव, डोंगरी उत्सव
गोवा	फीस्ट ऑफ सेंट फ्रांसिस जेवियर, बॉनडरम, अंगूर महोत्सव, शिगमो, साओ जोआओ महोत्सव, सनबर्न फेस्टिवल, मैंगो फेस्टिवल, सांजाव (Sanjav), चिक्कल कालो, मांडो उत्सव (SSC MTS-2022)
अरुणाचल प्रदेश	ड्री महोत्सव, सोलुंग उत्सव (SSC CGL-2022), लोसार, सांगकेन, खान महोत्सव, मोपिन, बूरी बूट, न्योकुम, तमलाडु, तोर्ग्या (Torgya)
असम	बिहू, मी-दम-मी-फी, बैशागु (बोडो जनजाति द्वारा), बैखो, माजुली त्योहार, चाय महोत्सव (SSC CGL-2023), भौना उत्सव, द्विजिंग महोत्सव, रोंगकर, हुसरी, अली-अई-लिगांग महोत्सव (मिशिंग जनजाति द्वारा), देहिंग पटकार्ई
मणिपुर	याओ सांग (डोल जात्रा) (SSC MTS-2022), लाई-हरोबा, सांगाई, चुम्फा, चेरियाओवा महोत्सव, चवांग कुट, हेइकू हिडोंगबा, कांग चिंगबा
मेघालय	वंगाला/वांगला, नोंगक्रम, बेहदीखलम, शादसुक मिनसिम, स्ट्राबेरी महोत्सव
मिजोरम	चापचर कुट (SSC CPO-2023), मिम कुट, थाल फवांग कुट, अंधुरियम
नागालैण्ड	हॉर्नबिल, सेक्रेनेई महोत्सव (अंगामी जनजाति द्वारा), मोअत्सु मोंग (SSC MTS-2019), येमशो, ओलेअंग (Aoleng), बुशू दीमा, कुदांग लेम, तुलुनी महोत्सव
सिक्किम	लोसूंग, सागा दावा, लोसर, कागयेद, मंगन संगीत समारोह, बुमचू

त्रिपुरा	खर्ची पूजा उत्सव (SSC CPO-2022), संतरा उत्सव, बिजू, केर पूजा, होजागिरी, गरिया पूजा, पिलक त्योहार
अंडमान-निकोबार	मैरिअम्मन, मानसून महोत्सव, समुद्र तट महोत्सव, अस्थि पर्व
चंडीगढ़	रोज उत्सव, कैकटस उत्सव, गुलदाउदीशो उत्सव
दिल्ली	ड्रोन महोत्सव, सैर-ए-गुल फरोशन, भारत भाग्य विधाता उत्सव
दादरा नगर और दमन व दीव	दिवासोल, गरबा उत्सव, तर्पा महोत्सव
लद्दाख	लोसार महोत्सव, हेमिस त्सू, कोरजोक, नरोपा महोत्सव, सिंधु दर्शन
जम्मू-कश्मीर	हेमिस महोत्सव, ट्यूलिप महोत्सव, शिकारा महोत्सव, खीर भवानी उत्सव, हेरथ महोत्सव
पुडुचेरी	पोंगल, फ्रेंच फूड उत्सव

भारत के प्रमुख मेले

बिहार	सोनपुर मेला, मलमास मेला, पितृपक्ष मेला (पूर्वजों को पिंडदान)
असम	अम्बुबाची मेला
गुजरात	शामलाजी मेला, चित्र विचित्र मेला, माधवपुर मेला (SSC CGL-2020), चौठा मेला, तरणेश्वर मेला, भवनाथ महादेव मेला
राजस्थान	पुष्कर मेला, गणगौर मेला, कोलायत मेला, बेणेश्वर मेला, नागौर मेला
हरियाणा	सूरजकुंड शिल्प मेला (SSC GD-2019)
पंजाब	सोडल मेला, छापर मेला, मुक्तसर मेला
पश्चिम बंगाल	गंगा सागर मेला, जयदेव केंदुली मेला
हिमाचल प्रदेश	मिंजर मेला (SSC MTS-2019), रेणुका मेला, डुंगरी मेला, रोहडू मेला, भरारा मेला
झारखंड	मांडा मेला
कर्नाटक	गोदाची मेला, श्री विथप्पा मेला
उत्तराखण्ड	वैकुण्ठ चतुर्दशी मेला, मानेश्वर मेला, चैती मेला
उत्तर प्रदेश	देवीपाटन मेला (बलरामपुर), देवा शरीफ मेला (बाराबंकी), ढाई घाट मेला (शाहजहाँपुर), मकनपुर मेला (फर्रुखाबाद), परिक्रमा मेला (अयोध्या), रामायण मेला (चित्रकूट), नौचंदी मेला (मेरठ), श्रावणी मेला (कांवड यात्रा के दौरान)

नोट: कुम्भ मेला विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक सम्मेलन है। यह मेला चार पवित्र हिंदू तीर्थस्थलों हरिद्वार (उत्तराखण्ड), प्रयागराज (उत्तर प्रदेश), नासिक (महाराष्ट्र) तथा उज्जैन (मध्य प्रदेश) में बारी-बारी से आयोजित होता है। यह मेला 12 वर्ष के समयान्तराल के बाद दिए गए स्थान पर आयोजित किया जाता है। हरिद्वार एवं प्रयागराज में अर्द्ध कुम्भ मेला प्रत्येक 6वें वर्ष में होता है।

भारत के नववर्ष त्योहार

नववर्ष	
महाराष्ट्र	गुड़ी पड़वा
पंजाब	बैशाखी
असम	बोहाग बिहू
पश्चिम बंगाल	पोइला बैशाख (नवो बोरसो)
मणिपुर	चोरियाओवा
सिक्किम	लोसंग
ओड़िशा	पना संक्रांति/महाविषुव/माशा संक्रांति
केरल	विशु (मलयालम)
गोवा	संवत्सर पड़वो
बिहार	जूड़ शीतल
तमिलनाडु	पुंथुडु
कश्मीर	नवरेह
आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना	उगादी

राज्यों की प्रमुख चित्रकला

राज्य	चित्रकला
आंध्र प्रदेश	कलमकारी, मुग्गुलु
बिहार	मधुबनी (SSC CGL-2022), मंजूषा
झारखंड	जादोपटिया (SSC CGL-2021) पैटकर (SSC MTS-2021)
कर्नाटक	रंगवाली, मैसूर चित्रकला
हिमाचल प्रदेश	पहाड़ी, गुलेर, कांगड़ा, अरोफ
कोलकाता (पश्चिम बंगाल)	काली घाट
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	चिकनकारी
मध्य प्रदेश	सुरैती, मोरते, तिलंगा, गोंड बाघ (SSC CPO-2019)
महाराष्ट्र	वारली (SSC CHSL-2023), रंगोली
ओड़िशा	पट्टचित्र (SSC MTS-2019), सौरा
गुजरात	पिथौरा, अथिया
राजस्थान	फड, मंडाना, लघु, पिछवाई पेंटिंग
तमिलनाडु	कोल्लम, तंजौर
पंजाब	फुलकारी

तेलंगाना	चेरियल, निर्मल
पश्चिम बंगाल	अल्पना, पटुआ कला
केरल	कलमा जट्टू (कालमेजूथू)
उत्तराखंड	ऐपन
उत्तर प्रदेश	चौक पूर्णा/सोन रखना

नोट- 'तंजौर पेंटिंग' भारतीय चित्रकला शैली है, जिसमें शुद्ध सोने और कीमती पत्थरों की सजवाट है और इसमें हिंदू देवताओं विशेष रूप से भगवान श्री कृष्ण को दर्शाया गया है।

युद्ध कलाएँ

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	युद्ध कला
केरल	कलारीपयट्टू (मार्शल आर्ट का सबसे प्राचीन रूप)
हिमाचल प्रदेश	थोड़ा/टोड़ा
बिहार	परीखंडा (तलवार और ढाल का प्रयोग)
पंजाब	गतका (आरम्भ-गुरु हरगोविन्द सिंह द्वारा)
महाराष्ट्र	मर्दानी (तलवार तथा डोरीदार बर्छी का प्रयोग)
वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	मुष्ठी युद्ध (निशस्त्र मार्शल आर्ट)
जम्मू-कश्मीर	स्काय (तलवार-ढाल का प्रयोग)
ओड़िशा	पाइका अखाड़ा (नृत्य और संग्राम का सम्मिलित रूप)
आंध्र प्रदेश	काठी-सामू (तलवार का प्रयोग)
मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र	मल्ल खंभ (रस्सी और पोल (खंभा) का प्रयोग)
पश्चिम बंगाल और पंजाब	लाठी (हथियार के तौर पर बांस की लाठी का प्रयोग)
तमिलनाडु	• सिलम्बम (लाठी का प्रयोग) (RPF SI-2019) • कट्टू वरिसाई (शाब्दिक अर्थ-खाली हाथ संग्राम)
मणिपुर	• थांग-टा (तलवार और भाला का प्रयोग) (SSC CHSL-2023) • सरित सरक (निशस्त्र मार्शल आर्ट) • चेइबी गद-गा (तलवार और ढाल का प्रयोग)

उत्तर भारत के प्रमुख मंदिर

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	प्रमुख मंदिर
जम्मू-कश्मीर	वैष्णो माता मंदिर, अमरनाथ गुफा मंदिर, मार्तण्ड सूर्य मंदिर, रणबीरेश्वर मंदिर (महाराजा रणबीर सिंह), रघुनाथ मंदिर (महाराज गुलाब सिंह), खीर भवानी मंदिर (महाराजा प्रताप सिंह)
लद्दाख	तारा मंदिर, माथो मंदिर, अलची चोस खोर (रिनचेन सांगपो), लाल मैत्रेय मंदिर (बौद्ध)-(राजा त्रगस्या बुमडे)
हिमाचल प्रदेश	माता चिंतपूर्णी देवी मंदिर, ज्वालामुखी मंदिर, श्री हनुमान/जाखू मंदिर, सकट मोचन मंदिर, हिडिम्बा देवी मंदिर
उत्तराखंड	बद्रीनाथ मंदिर, केदारनाथ मंदिर, सुरकंडा देवी मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर, त्रियुगी-नारायण मंदिर, चन्द्रबदनी मंदिर, जागेश्वर मंदिर, मनसा देवी मंदिर, नंदा देवी मंदिर, नैना देवी मंदिर, स्याही देवी मंदिर, पुशती माता मंदिर
हरियाणा	थानेश्वर महादेव मंदिर, सर्वेश्वर महादेव मंदिर, दादा बूढ़ा मंदिर, सीता माई मंदिर, लकड़हारा मंदिर, शीतला माता मंदिर, एकलव्य मंदिर, भूतेश्वर मंदिर, एटलस राम मंदिर
पंजाब	मुक्तेश्वर मंदिर, दुर्गियाना मंदिर, स्वर्ण मंदिर
राजस्थान	ब्रह्मा जी मंदिर, खाटूश्याम मंदिर, जीण माता मंदिर, कैला देवी मंदिर, बालाजी मंदिर, करणी माता मंदिर (सफेद चूहों का मंदिर), आवरी माता मंदिर, उदय मंदिर, ओसियां मंदिर, किराडू मंदिर, कुंजल माता मंदिर, गंगा महारानी मंदिर, गढ़ गणेश मंदिर, चारभुजा मंदिर, तनोट राय माता मंदिर, लक्ष्मण मंदिर
उत्तर प्रदेश	काशी विश्वनाथ मंदिर, दशाश्वमेध घाट मंदिर, रंगजी मंदिर, प्रेम मंदिर, बड़े हनुमान मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, राम जन्मभूमि मंदिर, हनुमानगढ़ी, भरतमिलाप मंदिर, अष्टभुजा मंदिर, गोरखनाथ मंदिर, भारतमाता मंदिर, शाकुम्भरी देवी मंदिर नोट: भरत मिलाप मंदिर मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित है।
नई दिल्ली	अक्षरधाम मंदिर (SSC CHSL-2020), किलकारी भैरव मंदिर, हनुमान मंदिर, बिरला मंदिर (लक्ष्मी नारायण मंदिर), लोटस टेम्पल, कालकाजी मंदिर, योगमाया मंदिर
बिहार	महाबोधि मंदिर (SSC MTS-2022), विष्णुपद मंदिर, पाटन देवी मंदिर, मिथिला शक्ति पीठ मंदिर, अशोक धाम मंदिर, जल मंदिर, सुमेरा सूर्य मंदिर, विराट रामायण मंदिर

मध्य प्रदेश	ओंकारेश्वर मंदिर, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, चतुर्भुज मंदिर, चौसठ योगिनी मंदिर, बड़ा गणेश मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, काल भैरव मंदिर, कंदरिया महादेव मंदिर
छत्तीसगढ़	दंतेश्वरी मंदिर, चंद्रहासिनी मंदिर, बंजारी माता मंदिर, माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर, भोरमदेव मंदिर, महामाया मंदिर
झारखंड	वैद्यनाथ मंदिर, हरिहर धाम मंदिर, देवड़ी मंदिर, कौलेश्वरी मंदिर, नौलखा मंदिर, तपोवन मंदिर, हल्दीघाटी मंदिर, उग्रतारा मंदिर

दक्षिण भारत के प्रमुख मंदिर

तमिलनाडु	मीनाक्षी मंदिर (शिव+पार्वती), श्रीपुरम गोल्डन टेम्पल (महालक्ष्मी), एकम्बरेश्वर मंदिर, महाबलिपुरम मंदिर, नेल्लेईअप्पार मंदिर, रंगनाथस्वामी मंदिर, ऐरावतेश्वर मंदिर (SSC MTS-2022) वृहदेश्वर मंदिर - राजाराज चोल, गंगैकोण्ड चोलपुरम मंदिर - राजेन्द्रचोल प्रथम शोर मंदिर (SSC CHSL-2020)
कर्नाटक	धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर मंदिर, विरुपाक्ष मंदिर (शिव), उडुपी श्रीकृष्ण मंदिर, चेन्नाकेशव मंदिर, केदारेश्वर मंदिर, हजारा राम मंदिर, विट्टल मंदिर - राजा देवराय द्वितीय
केरल	वडक्कुनाथन मंदिर, अट्टुकल भगवती मंदिर, पद्मनाभस्वामी मंदिर - मार्तण्ड वर्मा, सबरीमाला मंदिर - राजा राजसेखरा
आंध्र प्रदेश	भगवान वेंकटेश्वर मंदिर, अहोबिलम मंदिर, लेपाक्षी मंदिर (भगवान शिव के उग्र रूप वीरभद्र को समर्पित), यांगती मंदिर, कनिपकम विनायक मंदिर, श्री पद्मावती अम्मवारी मंदिर, श्री रंगनाथस्वामी मंदिर, सूर्यनारायण मंदिर
तेलंगाना	सालेश्वरम लिंगमय्या स्वामी मंदिर, चिलकुर बालाजी मंदिर, केसरगुट्टा मंदिर, रामप्पा मंदिर - काकतीय वंश, संगमेश्वर मंदिर - महाराज सत्याश्रय विजयादित्य, जोगुलम्बा मंदिर - बादामी चालुक्यों द्वारा
महाराष्ट्र	साईबाबा मंदिर, यमाई देवी मंदिर, सिद्धि विनायक मंदिर, त्रंबकेश्वर मंदिर - नाना साहेब पेशवा, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मंदिर - छत्रपति शिवाजी घृष्णेश्वर मंदिर - मालोजी राजे भोंसले (छत्रपति शिवाजी के दादा)
गोवा	मंगेशी मंदिर, सप्तकोटेश्वर मंदिर, कामाक्षी मंदिर
पश्चिम बंगाल	कालीघाट काली मंदिर, टेम्पल ऑफ वैदिक प्लेनेटेरियम, अग्नि मंदिर, बेलूर मठ, दक्षिणेश्वर मंदिर

गुजरात	सोमनाथ मंदिर, द्वारकाधीश मंदिर, अंबाजी मंदिर, रुक्मिणी देवी मंदिर, मोढेरा का सूर्य मंदिर, शामलाजी विष्णु मंदिर
ओडिशा	जगन्नाथ मंदिर, सूर्य मंदिर (कोणार्क), लिंगराज मंदिर, मुक्तेश्वर मंदिर, राजारानी मंदिर (SSC CGL-2020)

□ यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति का 46वाँ सत्र जुलाई, 2024 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

समाधि स्थल		
प्रमुख समाधि स्थल	सम्बन्धित व्यक्तित्व	मृत्यु तिथि
राजघाट (दिल्ली)	महात्मा गाँधी	30 जनवरी, 1948
चैत्य भूमि (दादर, महाराष्ट्र)	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर	6 दिसम्बर, 1956
महाप्रयाण घाट (पटना, बिहार)	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	28 फरवरी, 1963
शांति वन (दिल्ली)	जवाहरलाल नेहरू	27 मई, 1964
विजय घाट (दिल्ली)	लाल बहादुर शास्त्री	11 जनवरी, 1966
शांति वन (दिल्ली)	संजय गाँधी	23 जून, 1980
शक्ति स्थल (दिल्ली)	इन्दिरा गाँधी	31 अक्टूबर, 1984
समता स्थल (दिल्ली)	बाबू जगजीवन राम	6 जुलाई, 1986
किसान घाट	चौधरी चरण सिंह	29 मई, 1987
वीर भूमि	राजीव गाँधी	21 मई, 1991
एकता स्थल	ज्ञानी जैल सिंह	25 दिसम्बर, 1994
अभय घाट	मोरारजी देसाई	10 अप्रैल, 1995
नारायण घाट	गुलजारी लाल नंदा	15 जनवरी, 1998
कर्म भूमि	डॉ. शंकर दयाल शर्मा	26 दिसम्बर, 1999
सदैव अटल	अटल बिहारी वाजपेयी	16 अगस्त, 2018
निगमबोध घाट	अरुण जेटली	24 अगस्त, 2019

साइट	स्थान सूचीबद्ध वर्ष
अजंता की गुफाएँ (सांस्कृतिक)	महाराष्ट्र 1983
एलोरा की गुफाएँ (सांस्कृतिक)	महाराष्ट्र 1983
आगरा का किला (सांस्कृतिक)	आगरा (उ.प्र.) 1983
ताजमहल (सांस्कृतिक)	आगरा (उ.प्र.) 1983
कोणार्क का सूर्य मंदिर (सांस्कृतिक)	ओडिशा 1984
महाबलीपुरम में स्मारकों का समूह (सांस्कृतिक)	तमिलनाडु 1984
काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (प्राकृतिक)	असम 1985
मानस वन्यजीव अभयारण्य (प्राकृतिक)	असम 1985
केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (प्राकृतिक)	भारतपुर (राजस्थान) 1985
गोवा के चर्च और कॉन्वेंट (सांस्कृतिक)	गोवा 1986
खजुराहो स्मारक समूह (सांस्कृतिक)	मध्य प्रदेश 1986
हम्पी में स्मारकों का समूह (सांस्कृतिक)	कर्नाटक 1986
फतेहपुर सीकरी (सांस्कृतिक)	उत्तर प्रदेश 1986
एलीफेंटा की गुफाएँ (सांस्कृतिक)	महाराष्ट्र 1987
पट्टकल में स्मारकों का समूह (सांस्कृतिक)	कर्नाटक 1987
महान चोल मंदिर (सांस्कृतिक)	तमिलनाडु 1987, 2004
सुन्दरवन राष्ट्रीय उद्यान (प्राकृतिक)	पश्चिम बंगाल 1987
नंदा देवी और फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान (प्राकृतिक)	उत्तराखंड 1988, 2005
साँची में बौद्ध स्मारक (सांस्कृतिक)	मध्य प्रदेश 1989
हुमायूँ का मकबरा (सांस्कृतिक)	दिल्ली 1993
कुतुब मीनार और उसके स्मारक (सांस्कृतिक)	दिल्ली 1993
दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे	पश्चिम बंगाल 1999
महाबोधि मंदिर परिसर, बोधगया (सांस्कृतिक)	बिहार 2002
भीमबेटका के शैलाश्रय (सांस्कृतिक)	रायसेन (मध्य प्रदेश) 2003
छत्रपति शिवाजी टर्मिनल (पूर्व में विकटोरिया टर्मिनल) (सांस्कृतिक)	महाराष्ट्र 2004
चंपानेर-पावागढ़ पुरातत्व पार्क (सांस्कृतिक)	गुजरात 2004

यूनेस्को हेरिटेज साइट्स

- वर्ष 1972 में स्थापित यूनेस्को, विश्व विरासत कन्वेंशन के हस्ताक्षरकर्ता देशों द्वारा नामित सांस्कृतिक या प्राकृतिक विरासत के उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य के विश्व धरोहर स्थलों को नामित करता है।
- भारत ने 14 नवम्बर, 1977 को कन्वेंशन को स्वीकार कर लिया।
- UNESCO: संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन
- भारत में 43 विश्व धरोहर स्थल हैं। इसमें से 35 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और एक कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान मिश्रित प्रकार का है, जो सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों गुणों के लिए सूचीबद्ध है।
- भारत दुनियाभर में यूनेस्को स्थलों की संख्या के आधार पर छठे स्थान पर है।

नीलगिरी माउण्टेन रेलवे	तमिलनाडु 2005
लाल किला परिसर (सांस्कृतिक)	दिल्ली 2007
कालका शिमला रेलवे	हिमाचल प्रदेश 2008
जंतर मंतर (सांस्कृतिक)	जयपुर (राजस्थान) 2010
पश्चिमी घाट (प्राकृतिक)	महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, गोवा, तमिलनाडु 2012
राजस्थान के छह पहाड़ी किले (सांस्कृतिक)	राजस्थान 2013
रानी.की.बाव (रानी की बावड़ी) पाटन (सांस्कृतिक)	गुजरात 2014
ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क (प्राकृतिक)	हिमाचल प्रदेश 2014
नालन्दा महाविहार का पुरातात्विक स्थल (सांस्कृतिक)	बिहार 2016
ली-कोर्बुजिए का स्थापत्य कार्य (राजधानी परिसर चण्डीगढ़) (सांस्कृतिक)	चण्डीगढ़ 2016
कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान (मिश्रित)	सिक्किम 2016
ऐतिहासिक शहर अहमदाबाद (सांस्कृतिक)	गुजरात 2017
मुंबई के विक्टोरिया गोथिक और आर्ट डेको समूह (सांस्कृतिक)	महाराष्ट्र 2018
जयपुर शहर (सांस्कृतिक)	राजस्थान 2019
काकतीय रूद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर (सांस्कृतिक)	पालमपेट गाँव (तेलंगाना) 2021
धौलावीरा एक हडप्पाई शहर (सांस्कृतिक)	गुजरात 2021
शांति निकेतन (सांस्कृतिक)	पश्चिम बंगाल 2023
होयसल के मंदिर समूह (सांस्कृतिक)	कर्नाटक 2023
चराईदेव-मोइदाम: अहोम राजवंश की टीला दफनाने की प्रणाली (सांस्कृतिक)	असम 2024

प्रमुख उपाधि, प्राप्तकर्ता एवं प्रदाता

प्रमुख उपाधि	प्राप्तकर्ता/सम्बन्धित व्यक्तित्व	प्रदाता/प्रदानकर्ता
महात्मा	गाँधीजी	रवीन्द्रनाथ टैगोर
राष्ट्रपिता	महात्मा गाँधी	सुभाष चन्द्र बोस
वन मैन बाउंड्री फोर्स	महात्मा गाँधी	माउंटबेटन
सरदार	वल्लभभाई पटेल	बारडोली क्षेत्र की महिलाएँ

देशरत्न/अजातशत्रु	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	महात्मा गाँधी
गुरुदेव	रवीन्द्रनाथ टैगोर	महात्मा गाँधी
देशनायक	सुभाष चन्द्र बोस	रवीन्द्रनाथ टैगोर
देशभक्तों के देशभक्त	सुभाष चन्द्र बोस	महात्मा गाँधी
विवेकानन्द	स्वामी विवेकानन्द	महाराजा खेतड़ी
राजा	राजा राममोहन राय	अकबर द्वितीय
दीनबन्धु	चार्ल्स फ्रेयर एंड्रूज	महात्मा गाँधी
नाइटिंगल ऑफ इंडिया	सरोजिनी नायडू	महात्मा गाँधी
भारतीय अशांति का जनक	बाल गंगाधर तिलक	वेलेन्टाइन शिरोल/चिरोल

लोकप्रिय उपनाम	प्रमुख व्यक्ति
बिहार केसरी	डॉ. श्रीकृष्ण सिंह
सीमांत गाँधी	खान अब्दुल गफ्फार ख़ाँ
राष्ट्रपिता, बापू	महात्मा गाँधी
वयोवृद्ध पुरुष	दादाभाई नौरोजी
जननायक	कर्मूरी ठाकुर
शेर-ए-कश्मीर	शेख मोहम्मद अब्दुल्ला
लौह पुरुष, भारत का बिस्मार्क, सरदार	वल्लभभाई पटेल
शांति पुरुष	लाल बहादुर शास्त्री
पंजाब केसरी	लाला लाजपत राय
बंगाल केसरी	आशुतोष मुखर्जी
दीनबन्धु	सी.एफ. एंड्रूज
लोकमान्य	बाल गंगाधर तिलक
लोकनायक	जयप्रकाश नारायण
लोकहितवादी	गोपालहरि देशमुख
देशबन्धु	चित्तरंजन दास
राजर्षि	पुरुषोत्तमदास टंडन
बंगबन्धु	शेख मुजीबुर्रहमान
गुरुदेव	रवीन्द्रनाथ टैगोर
गुरुजी	एम.एस. गोलवलकर
महामना	पं. मदन मोहन मालवीय
बिहार विभूति	डॉ. अनुग्रह नारायण सिन्हा
स्पैरो	मेजर जनरल राजेन्द्र सिंह
भारतीय फिल्मों के पितामह	धुंडीराज गोविन्द फाल्के
विरोधाभासों का मिश्रण	मुहम्मद-बिन-तुगलक

विद्रोही कवि	काजी नजरूल इस्लाम
मैन ऑफ डेस्टिनी	नेपोलियन बोनापार्ट
लिटिल कापॉरल	नेपोलियन बोनापार्ट
राजाजी	चक्रवर्ती राजगोपालाचारी
भारतीय पुनर्जागरण के प्रभात नक्षत्र	राजा राममोहन राय
कायदे आजम	मुहम्मद अली जिन्ना
देशरत्न/अजातशत्रु	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
कश्मीर का अकबर	जैन-उल-आबिदीन
भारत का नेपोलियन	समुद्रगुप्त
भारतीय मैकियावेली	चाणक्य
फ्यूहरर	एडोल्फ हिटलर
भारत का शेक्सपियर	महाकवि कालिदास
महात्मा गाँधी के पाँचवें पुत्र	जमनालाल बजाज
ब्लैक गाँधी	मार्टिन लूथर किंग (जूनियर)
लाल, बाल, पाल	लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, बिपिन चन्द्र पाल
नेताजी	सुभाष चन्द्र बोस
चाचा	जवाहरलाल नेहरू
ताऊ	चौधरी देवीलाल
शहीद-ए-आजम	सरदार भगत सिंह
भारत कोकिला	सरोजिनी नायडू
स्वर कोकिला	लता मंगेशकर
विश्वकवि, कविगुरु	रवीन्द्रनाथ टैगोर
तूती-ए-हिन्द	अमीर खुसरो
बाबूजी	जगजीवन राम

महत्त्वपूर्ण दिवस

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय दिवस	तिथि
वैश्विक परिवार दिवस	1 जनवरी
विश्व ब्रेल दिवस	4 जनवरी
प्रवासी भारतीय दिवस	9 जनवरी
विश्व हिन्दी दिवस	10 जनवरी
राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
भारतीय थल सेना दिवस	15 जनवरी
राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस	16 जनवरी
पराक्रम दिवस (नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती)	23 जनवरी
राष्ट्रीय बालिका दिवस	24 जनवरी

(SSC CGL-2021)	
अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	24 जनवरी
उत्तर प्रदेश दिवस	24 जनवरी
राष्ट्रीय मतदाता दिवस	25 जनवरी
राष्ट्रीय पर्यटन दिवस	25 जनवरी
भारतीय गणतन्त्र दिवस	26 जनवरी
शहीद दिवस (महात्मा गाँधी की पुण्यतिथि)	30 जनवरी
(SSC CHSL-2021)	
विश्व कुष्ठ रोग निवारण दिवस	30 जनवरी
भारतीय तटरक्षक बल दिवस	1 फरवरी
विश्व आर्द्रभूमि दिवस	2 फरवरी
(SSC CGL-2022)	
विश्व कैंसर दिवस	4 फरवरी
विश्व रेडियो दिवस	13 फरवरी
राष्ट्रीय महिला दिवस	13 फरवरी
पुलवामा शहीद दिवस	14 फरवरी
विश्व सामाजिक न्याय दिवस	20 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस	21 फरवरी
विश्व स्काउट्स दिवस	22 फरवरी
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरवरी
(SSC CPO-2019)	
शून्य भेदभाव दिवस	1 मार्च
विश्व वन्यजीव दिवस	3 मार्च
विश्व श्रवण दिवस	3 मार्च
राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस	4 मार्च
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8 मार्च
(SSC CHSL-2023)	
विश्व किडनी दिवस (मार्च माह के दूसरे गुरुवार को)	14 मार्च
विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस	15 मार्च
अंतर्राष्ट्रीय गौरैया दिवस	20 मार्च
अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस	20 मार्च
विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस	21 मार्च
विश्व वानिकी दिवस	21 मार्च
विश्व जल दिवस	22 मार्च
(SSC CGL-2022)	
विश्व क्षय रोग (TB) दिवस	24 मार्च
राष्ट्रीय समुद्री दिवस	5 अप्रैल
अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस	6 अप्रैल
विश्व स्वास्थ्य दिवस	7 अप्रैल

(SSC CHSL-2022)	
विश्व होम्योपैथी दिवस	10 अप्रैल
बाबा साहेब अम्बेडकर जयन्ती (समानता दिवस)	14 अप्रैल
विश्व कला दिवस	15 अप्रैल
विश्व हीमोफीलिया दिवस	17 अप्रैल
विश्व विरासत दिवस	18 अप्रैल
विश्व यकृत (लिवर) दिवस	19 अप्रैल
राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस	21 अप्रैल
विश्व पृथ्वी दिवस	22 अप्रैल
राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस	24 अप्रैल
विश्व बौद्धिक संपदा दिवस	26 अप्रैल
आयुष्मान भारत दिवस	30 अप्रैल
अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस	1 मई
विश्व प्रेस स्वतन्त्रता दिवस	3 मई
विश्व एथलेटिक्स दिवस	7 मई
विश्व रेडक्रॉस दिवस	8 मई
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस	11 मई
विश्व प्रवासी पक्षी दिवस	11 मई
विश्व दूरसंचार दिवस	17 मई
अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस	18 मई
विश्व मधुमक्खी दिवस	20 मई
विश्व माप विज्ञान दिवस	20 मई
आतंकवाद विरोधी दिवस	21 मई
अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस	22 मई
(SSC CHSL-2020)	
विश्व कछुआ संरक्षण दिवस	23 मई
अंतर्राष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस	29 मई
संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक का अंतर्राष्ट्रीय दिवस	29 मई
विश्व तंबाकू निषेध दिवस	31 मई
विश्व दुग्ध दिवस	1 जून
विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून
(SSC CHSL-2023)	
विश्व बाल श्रम निषेध दिवस	12 जून
विश्व रक्तदाता दिवस	14 जून
(SSC CHSL-2023)	

विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस	17 जून
विश्व शरणार्थी दिवस	20 जून
(SSC CHSL-2023)	
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	21 जून
विश्व संगीत दिवस	21 जून
अंतर्राष्ट्रीय नशा व मादक पदार्थ निषेध दिवस	26 जून
राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस	29 जून
(SSC CHSL-2023)	
विश्व जनसंख्या दिवस	11 जुलाई
विश्व युवा कौशल दिवस	15 जुलाई
अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय दिवस	17 जुलाई
नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस	18 जुलाई
कारगिल विजय दिवस	26 जुलाई
विश्व हेपेटाइटिस दिवस	28 जुलाई
विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस	28 जुलाई
विश्व बाघ दिवस	29 जुलाई
(SSC CHSL-2023)	
विश्व शेर दिवस	10 अगस्त
विश्व जैव ईंधन दिवस	10 अगस्त
अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस	12 अगस्त
विश्व हाथी दिवस	12 अगस्त
भारतीय स्वतन्त्रता दिवस	15 अगस्त
राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस	23 अगस्त
राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर ध्यानचंद जयन्ती)	29 अगस्त
(SSC MTS-2022)	
राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस	30 अगस्त
विश्व नारियल दिवस	2 सितंबर
शिक्षक दिवस (डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयन्ती)	5 सितंबर
अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस	8 सितंबर
हिन्दी दिवस	14 सितंबर
(SSC CGL-2021)	
अंतर्राष्ट्रीय लोकतन्त्र दिवस	15 सितंबर
विश्व ओजोन परत संरक्षण दिवस	16 सितंबर
(SSC CHSL-2023)	
विश्व अल्जाइमर दिवस	21 सितंबर
अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस	21 सितंबर
विश्व गैंडा दिवस	22 सितंबर
अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस	23 सितंबर
अंत्योदय दिवस (पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती)	25 सितंबर

विश्व पर्यटन दिवस	27 सितंबर
विश्व रेबीज दिवस	28 सितंबर
विश्व हृदय दिवस	29 सितंबर
अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस	30 सितंबर
अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस	1 अक्टूबर
अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस (महात्मा गाँधी जयन्ती दिवस)	2 अक्टूबर (SSC CGL-2022)
विश्व पशु कल्याण दिवस	4 अक्टूबर
विश्व पशु दिवस	4 अक्टूबर
राष्ट्रीय डॉल्फिन दिवस	5 अक्टूबर
विश्व शिक्षक दिवस	5 अक्टूबर
भारतीय वायु सेना दिवस	8 अक्टूबर
विश्व डाक दिवस	9 अक्टूबर
विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस	10 अक्टूबर
अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस	11 अक्टूबर
विश्व खाद्य दिवस	16 अक्टूबर
विश्व सांख्यिकी दिवस	20 अक्टूबर
पुलिस स्मृति दिवस	21 अक्टूबर
संयुक्त राष्ट्र दिवस	24 अक्टूबर
विश्व पोलियो दिवस	24 अक्टूबर
राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस	29 अक्टूबर
राष्ट्रीय एकता दिवस (सरदार पटेल जयन्ती)	31 अक्टूबर (SSC CGL-2021)
विश्व शहर दिवस	31 अक्टूबर
राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	11 नवम्बर
विश्व दयालुता दिवस	13 नवम्बर
बाल दिवस	14 नवम्बर
विश्व मधुमेह दिवस	14 नवम्बर
राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस	16 नवम्बर
विश्व शौचालय दिवस	19 नवम्बर
विश्व पुरुष दिवस	19 नवम्बर
विश्व बाल दिवस	20 नवम्बर
विश्व टेलीविजन दिवस	21 नवम्बर
राष्ट्रीय कानून (विधि) दिवस/संविधान दिवस	26 नवम्बर
विश्व एड्स दिवस	1 दिसम्बर
विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस	2 दिसम्बर (SSC CHSL-2021)
अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस	3 दिसम्बर
भारतीय नौसेना दिवस	4 दिसम्बर
विश्व मृदा दिवस	5 दिसम्बर
नागरिक सुरक्षा दिवस/मैत्री दिवस	6 दिसम्बर
सशस्त्र बल झंडा दिवस	7 दिसम्बर

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस	10 दिसम्बर
अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस	11 दिसम्बर
राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस	14 दिसम्बर
विजय दिवस	16 दिसम्बर
अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस	18 दिसम्बर
राष्ट्रीय गणित दिवस	22 दिसम्बर
राष्ट्रीय किसान दिवस (चौधरी चरण सिंह जयन्ती)	23 दिसम्बर
राष्ट्रीय सुशासन दिवस (पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जयन्ती)	25 दिसम्बर (SSC CHSL-2021)

प्रमुख पुस्तकें एवं उनके लेखक

प्रमुख पुस्तक	लेखक
पंचतंत्र	विष्णु शर्मा
हुमायूँनामा	गुलबदन बेगम
यामा	महादेवी वर्मा
अर्थशास्त्र	चाणक्य (SSC MTS-2023)
मुद्राराक्षस	विशाखदत्त
अवन्ती सुन्दरी	दण्डी/दण्डिन
प्रेम वाटिका	रसखान
शाहनामा	फिरदौसी
गीत गोविन्द	जयदेव
पद्मावत	मलिक मुहम्मद जायसी
गोदान, गबन, कर्मभूमि, रंगभूमि	प्रेमचन्द
हर्षचरित, कादम्बरी	बाणभट्ट
भारत-भारती	मैथिलीशरण गुप्त
बुद्धचरितम्	अश्वघोष
दशकुमारचरितम्	दण्डी/दण्डिन
चित्रांगदा, गीतांजलि, विसर्जन	रवीन्द्रनाथ टैगोर
मिताक्षरा	विज्ञानेश्वर
राजतरंगिणी	कल्हण
पल्लव, चिदम्बरा	सुमित्रानन्दन पंत
अमरकोष	अमर सिंह
महाभारत	महर्षि वेदव्यास
सूरसागर, साहित्य लहरी	सूरदास
नेचुरल हिस्ट्री	प्लिनी
कामसूत्र	वात्स्यायन
किताब-उल-हिन्द	अलबरूनी
चन्द्रकांता	देवकी नन्दन खत्री
द गार्डनर, गोरा, द हंग्री स्टोन्स एंड अदर स्टोरीज, चण्डालिका	रवीन्द्रनाथ टैगोर
कुरुक्षेत्र, उर्वशी	रामधारी सिंह दिनकर
दादा कॉमरेड	यशपाल

देवदास, चरित्रहीन	शरत चन्द्र चट्टोपाध्याय
द डार्करूम, मालगुडी डेज, द गाइड, माई डेज	आर.के. नारायण
द गोल्डन थ्रेशोल्ड, द ब्रोकेन विंग	सरोजिनी नायडू
कितनी नावों में कितनी बार	अज्ञेय
मृच्छकटिकम्	शूद्रक
हिन्दुइज्म, ए पैसेज टू इंग्लैंड	नीरद सी. चौधरी
ए पैसेज टू इंडिया	ई.एम. फॉर्स्टर
कागज ते कैनवास, 49 डेज, डेथ ऑफ ए सिटी,	अमृता प्रीतम
रसीदी टिकट	(SSC MTS-2023)
ट्रेन टू पाकिस्तान, द कंपनी ऑफ चुमैन	खुशवंत सिंह
इटरनल इंडिया	इन्दिरा गाँधी
द लाइफ डिवाइन, ऐशेज ऑन द गीता	अरविन्द घोष
डिवाइन लाइफ (ए ड्रामा)	स्वामी शिवानन्द
इन्दिरा गाँधी रिटर्न्स	खुशवंत सिंह
अनामिका, परिमल	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
एन एरिया ऑफ डार्कनेस	वी.एस. नायपाल
उत्तररामचरितम्	भवभूति
The Judgement, Beyond The Lines, India After Nehru	कुलदीप नैयर
Coolie, Confession Of A Lover, Death Of A Hero	मुल्क राज आनंद
बीजक (साखी, सबद तथा रमैनी)	कबीरदास
मालती माधवम्	भवभूति
आईन-ए-अकबरी, अकबरनामा	अबुल फजल
कुमारसम्भवम्, रघुवंशम्, अभिज्ञान शाकुन्तलम्	कालिदास
जहाँगीरनामा	जहाँगीर
फुतूहात-ए-आलमगिरी	ईश्वरदास नागर
अष्टाध्यायी	पाणिनी
द वेल्थ ऑफ नेशन्स	एडम स्मिथ
The World As I See It	अल्बर्ट आइंस्टीन
द डिवाइन कॉमेडी	दांते एलघिएरी
रिपब्लिक	प्लेटो
एशियन ड्रामा	गुनार मिर्डल
The Descent Of Man	चार्ल्स डार्विन
मदर इंडिया	कैथरीन मेयो
द प्रिन्स	मैकियावेली
द सोशल कॉन्ट्रैक्ट	रूसो
वार एंड पीस	लियो टॉलस्टॉय
अन्ना करेनिना	(SSC MTS-2022)

इथिक्स एंड पॉलिटिक्स	अरस्तू
द सिपाय म्यूटिनी एंड द रिवोल्ट ऑफ 1857	आर.सी. मजूमदार
ए नेशन इन मेकिंग	सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
द इंडियन वार ऑफ इन्डीपेन्डेन्स 1857	वी.डी. सावरकर
नील दर्पण	दीनबन्धु मित्र
पॉवर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया	दादाभाई नौरोजी
बियोन्ड द लाइन्स	कुलदीप नैयर
	(SSC MTS-2021)
मीन केम्फ (मेरा संघर्ष)	एडॉल्फ हिटलर
As You Like It, Hamlet, Othello, The Comedy Of Errors	विलियम शेक्सपीयर
द इनसाइडर	पी.वी. नरसिम्हा राव
लज्जा, फ्राँसीसी प्रेमी (फ्रेंच लवर)	तस्लीमा नसरीन
A Midsummer Night's Dream	विलियम शेक्सपीयर
ए प्राइम मिनिस्टर टू रिमेम्बर: मेमोरिज ऑफ ए मिलिट्री चीफ	एडमिरल सुशील कुमार
इंडिया शास्त्र: रिफ्लेक्शंस ऑन द नेशन इन अवर टाइम	शशि थरूर
Whither India?	जवाहरलाल नेहरू
लेटर्स फ्रॉम रशिया	रवीन्द्रनाथ टैगोर
गोकर्णानिधि:	स्वामी दयानन्द सरस्वती
इंडिया विन्स फ्रीडम	मौलाना अबुल कलाम आजाद
	(SSC CHSL-2022)
Problems Of The Far East	जॉर्ज एन. कर्जन
गाँधी वर्सेस लेनिन	एस.ए. डांगे
गीतांजलि	रवीन्द्रनाथ टैगोर
	(SSC MTS-2021)
Why Socialism?	अल्बर्ट आइंस्टीन
समाजवाद क्यों?	जयप्रकाश नारायण (अनुवादक-अशोक कुमार)
द इंडियन स्ट्रगल	सुभाष चन्द्र बोस
गीता रहस्य, द आर्कटिक होम इन द वेदाज	बाल गंगाधर तिलक
The Problem Of The Rupee, Buddha or Karl Marx	बी.आर. अम्बेडकर
अनहैप्पी इंडिया	लाला लाजपत राय
The Story Of My Experiments With Truth	एम.के. गाँधी
हिन्द स्वराज (Indian Homerule)	एम.के. गाँधी

ग्राम स्वराज्य	एम.के. गाँधी
Satyagraha In South Africa	एम.के. गाँधी
India Of My Dreams	एम.के. गाँधी
India Divided	राजेन्द्र प्रसाद
संसद उपनिषद्	एम.एफ. हुसैन
फ्यूरी, द सैटेनिक वर्सेज, मिडनाइट्स चिल्ड्रन	सलमान रुश्दी
Straight From The Heart	कपिल देव
माई मास्टर	विवेकानंद
(SSC CHSL-2021)	
The Longest Race	टॉम अल्टर
How I Play Golf	टाइगर वुड्स
डॉटर ऑफ द ईस्ट	बेनजीर भुट्टो
इनाइटेड माइंड्स, इंडिया 2020, विंग्स ऑफ फायर	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
द पाथ टू पावर	मार्ग्रेट थ्रैचर
फियरलेस गवर्नेस	किरण बेदी
(SSC MTS-2022)	
द जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लायमेंट, इंस्ट्रुमेंट एंड मनी	जे.एम. कीन्स
द जिगजैग वे	अनीता देसाई
What Went Wrong And Why	किरण बेदी
The Future Of India	बिमल जालान (Former RBI Governor)
आई डू व्हाट आई डू	रघुराम जी. राजन
ओवरड्रॉफ्ट: सेविंग द इंडियन सेवर	उर्जित पटेल
Forks In The Road: My Days At RBI And Beyond	सी. रंगराजन
The Enchantress Of Florence	सलमान रुश्दी
The Road Ahead	बिल गेट्स
Q and A (A Novel)	विकास स्वरूप
द गॉड ऑफ स्मॉल थिंग्स	अरुंधति रॉय
(SSC CPO-2022)	
City Of Joy	डोमिनिक लैपिएरे
A Suitable Boy, The Golden Gate	विक्रम सेठ
(SSC CPO-2022)	
An Unsuitable Boy	करण जौहर
(SSC MTS-2022)	
मदर टेरेसा	नवीन चावला
Long Walk To Freedom	नेल्सन मंडेला
Let's Kill Gandhi!	तुषार गाँधी
A Brief History Of Time	स्टीफन हॉकिंग
हॉफ ए लाइफ	वी.एस. नायपाल

The Discovery Of India	जवाहरलाल नेहरू
Burial At Sea	खुशवंत सिंह
The Re-discovery Of India	मेघनाद देसाई
द नेमसेक	झुम्पा लाहिड़ी
द व्हाइट टाईगर	अरविन्द अडिगा
First Person	व्लादिमीर पुतिन
आयडल्स	सुनील गावस्कर
इम्परफेक्ट	संजय माजरेकर
(SSC CGL-2022)	
Selection Day	अरविन्द अडिगा
Untouchable	मुल्क राज आनंद
यशोधरा, साकेत	मैथिलीशरण गुप्त
कामायनी, आँसू, अजातशत्रु	जयशंकर प्रसाद
बियॉन्ड टैरिज्म: न्यू होप फॉर कश्मीर	सलमान खुशींद
माई दुथ	इन्दिरा गाँधी
(SSC MTS-2021)	
रोमांसिंग विद लाइफ	देव आनंद
प्लेइंग इट माई वे	सचिन तेन्दुलकर, बोरिया मजूमदार
ए सूटेबल गर्ल	विक्रम सेठ
वन इंडियन गर्ल	चेतन भगत
द मिनिस्ट्री ऑफ अटमोस्ट हैप्पीनेस	अरुंधति रॉय
वर्ड्स फ्रॉम द हिल्स	रस्किन बॉन्ड
हैरी पॉटर एंड द डेथली हैलोज	जे.के. राउलिंग
जस्टिस फॉर द जज	रंजन गोगोई
Tomb Of Sand (रेत की समाधि)	गीतांजलि श्री
The Blue Book: A Writer's Journal	अमिताव कुमार
Beautiful Things	हण्टर बिडेन
राइटिंग फॉर माई लाइफ	रस्किन बॉन्ड
एन इन्कम्प्लीट लाइफ: द ऑटोबायोग्राफी	विजयपत सिंघानिया
आई एम नो मसीहा	सोनू सूद
(SSC CPO-2022)	
वन अरेंज्ड मर्डर	चेतन भगत
इंडोमिटेबल	अरुंधति भट्टाचार्य
द कमिश्नर फॉर लोस्ट काजेस	अरुण शौरी

वर्ष 2023-2024 की प्रमुख पुस्तकें

ए लाइफ इन द शैडोज: ए मेमोयर	ए.एस. दुलत
द मैजिक ऑफ द लोस्ट स्टोरी	सुधा मूर्ति
हैप्पी प्लेस	एमिली हेनरी
चेन ऑफ थॉन्स	कैसांद्रा क्लेयर

स्पेयर	प्रिंस हैरी (द ड्यूक ऑफ ससेक्स)
दोगलापन: द हार्ड टुथ अबाउट लाइफ एंड स्टार्ट-अप्स	अशनीर ग्रोवर
गौतम अडानी: रीमैजनिंग बिजनेस इन इंडिया एंड द वर्ल्ड	आर.एन. भास्कर
कोचिंग बियाँड: माई डेज विद द इंडियन क्रिकेट टीम	आर. श्रीधर, आर. कौशिक
नैवर नैवर	कोलीन हूवर, टैरिन फिशर
द टेल्स ऑफ बीडल द बार्ड	जे.के. राउलिंग
(SSC MTS-2021)	
द मिरेकल मेकर्स: इंडियन क्रिकेट्स ग्रेटेस्ट ऐपिक	भारत सुंदरेसन, गौरव जोशी
विकट्री सिटी	सलमान रुश्दी
बिफोर वी वर इनोसेंट	एला बर्मन
लोक माझे सांगाती... राजकीय आत्मकथा (मराठी)	शरद पवार
होमकमिंग	केट मॉर्टन
द इंडियन मेट्रोपोलिस: डिक्स्ट्रिक्टिंग इंडियाज अर्बन स्पेस	वरुण गाँधी
मैडम प्रेसीडेंट: द बायोग्राफी ऑफ द्रौपदी मुर्मू	संदीप साहू
थू द ब्रोकेन ग्लास: एन ऑटोबायोग्राफी	टी.एन. शेषन
इंडिया राइजिंग: मेमोयर्स ऑफ ए साइंटिस्ट	आर. चिदम्बरम, सुरेश गंगोत्रा
द गोल्डन ईयर्स: द मैनी जॉयस ऑफ लिविंग ए गुड लॉन्ग लाइफ	रस्किन बॉन्ड
मिडनाइट चिल्ड्रन	सलमान रुश्दी
(SSC JE-2019)	
हॉउ द बेस्ट लीडर्स लीड	ब्रायन ट्रेसी
हीरो ऑफ कुमार्यु: द लाइफ ऑफ जिम कॉर्बेट	डफ हार्ट-डेविस
हॉउ प्राइम मिनिस्टर्स डिसाइड	नीरजा चौधरी
मेमोयर्स ऑफ ए मैवेरिक	मणिशंकर अय्यर
अनब्रोकेन: द अनटोल्ड स्टोरी	इन्द्राणी मुखर्जी
एलन मस्क	वाल्टर इसाकसन
द एक्सचेंज ऑफ्टर द फर्म	जॉन ग्रीशम
वी आलसो मेक पॉलिसी	सुभाष चन्द्र गर्ग
यू मस्ट नो योअर कॉन्स्टीट्यूशन	फाली एस. नरीमन
ट्रेटर्स गेट	जेफ्री आर्चर
रोमन स्टोरीज	झुम्पा लाहिडी
द लास्ट टेल ऑफ द फ्लावर ब्राइड	रोशनी चोक्शी

Why Bharat Matters	एस. जयशंकर
नेशन कॉलिंग	सोनल गोयल (IAS)
ए शॉट एट हिस्ट्री	अभिनव बिन्द्रा
(SSC CHSL-2022)	
12 th फेल	अनुराग पाठक
Pranab, My Father: A Daughter Remembers	शर्मिष्ठा मुखर्जी
Nilavu Kudicha Simhanga: Autobiography	एस. सोमनाथ
India's Moment	मोहन कुमार
कश्मीर: ट्रेवल्स इन पैराडाइज ऑन अर्थ	रोमेश भट्टाचार्य
एक समन्दर, मेरे अन्दर (कविता संग्रह)	डॉ. संजीव कुमार जोशी "निश्छल"
डू डिफरेंट: द अनटोल्ड धोनी	जॉय भट्टाचार्य, अमित सिन्हा
राम मन्दिर राष्ट्र मन्दिर एक साझी विरासत (कुछ अनसुनी बातें)	प्रो. गीता सिंह, आरिफ खान
एन अनकॉमन लव	चित्रा बनर्जी दिवाकरणी
Gandhi: A Life In Three Campaigns	एम.जे. अकबर
यादें, यादें! और यादें	पुष्पा भारती
वेलकम टू पैराडाइज	ट्विंकल खन्ना
Four Stars Of Destiny	जनरल मनोज मुकुंद नरवाने
संस्कृति के आयाम	मनोरमा मिश्रा
20 Years Of G20	रजत कथूरिया, प्रतीक कुकरेजा
मुझे पहचानो	संजीव
G20@2023	वी. श्रीनिवास
Rebels Against The Raj	रामचन्द्र गुहा
टाइम शेल्टर	जॉर्जी गोस्पेडिनोव
जेबा: एन एक्सीडेंटल सुपरहीरो	हुमा कुरैशी
Fire On The Ganges	राधिका आयांगर
कारगिल: एक यात्री की जुबानी	ऋषि राज
Letters To Self	नरेन्द्र मोदी
Madam Commissioner	मीरां चड्ढा बोरवणकर
Courting India	नंदिनी दास
Heritage Trees Of Goa	पी.एस. श्रीधरन पिल्लई
कथकली डांस-थियेटर	के.के. गोपालकृष्णन
Droupadi Murmu: From Tribal Hinterlands To Raisina Hill	कस्तूरी रे
पागलखाना (उपन्यास)	ज्ञान चतुर्वेदी
Snakes In The Ganga	विजया विश्वनाथन, राजीव मल्होत्रा
सचिन @50: सेलिब्रेटिंग ए मेस्ट्रो	बोरिया मजूमदार

गाँधी: सियासत और साम्प्रदायिकता	पीयूष बबले
The Little Book Of Joy	दलाई लामा, डेसमंड टूटू
Indian Fiscal Federalism	जी.आर. रेड्डी, वाई.वी. रेड्डी
द बुक ऑफ बिहारी लिटरेचर	अभय के.
Knife: Meditations After An Attempted Murder	सलमान रुश्दी
Fool Bahadur (Magahi Novel)	अभय के.
Assam's Braveheart-Lachit Barphukan	अरुण कुमार दत्ता
इजराइल वॉर डायरी	विशाल पांडेय
The Winner's Mindset	शेन वॉटसन
The Idea Of Democracy	सैम पित्रोदा
Sri Rama In Tamilagam	डॉ. डी.के. हरि, डॉ. डी.के. हेमा हरि
The Babri Masjid Ram Mandir Dilemma	माधव गोडबोले
Call Of The Gir	परिमल नाथवानी
1971: Strategy, Campaign, Valour	सत्यजीत लाल
Kargil War: The Turning Point	एम.बी. रवीन्द्रनाथ
I Have The Streets: A Kutti Cricket Story (आत्मकथा-आर. अश्विन)	सिद्धार्थ मोंगा, आर. अश्विन
A Fly On The RBI Wall	अल्पना किल्लावाला
भारत अध्यात्म, दर्शन, राष्ट्र	आचार्य प्रशांत
कोशिश से कोहिनूर विद्यार्थी का विकास	किल्लाडा सत्यनारायणा (IPS)

विश्व की अन्तर्राष्ट्रीय विमान सेवाएँ

ओलम्पिक एयरवेज	ग्रीस (यूनान)
गरूड एयरवेज	इण्डोनेशिया
कोपा	पनामा
लुफ्तहान्सा	जर्मनी
पैन अमेरिकन एयरवेज	अमेरिका
आइबीरिया	स्पेन
एयरोफ्लोट	रूस
केथी पैसिफिक एयरवेज	हांगकांग
एयर इंडिया	भारत
चाइना इस्टर्न एयरलाइन	चीन
बुद्ध एयर	नेपाल
ब्रिटिश एयरवेज	इंग्लैंड

प्रमुख चिन्ह एवं प्रतीक

कमल	संस्कृति व सभ्यता का प्रतीक
रेड क्रॉस	डाक्टरी सहायता व अस्पताल
लाल झंडा	खतरे व क्रान्ति का सूचक
काला झंडा	विरोध का प्रतीक
उल्टा झंडा	संकट का प्रतीक
झुका झंडा	राष्ट्रीय शोक का प्रतीक
सफेद झंडा	संधि या समर्पण का प्रतीक
पीला झंडा	संक्रामक रोगग्रस्त वाले लोगों के ले जाने वाले वाहनो पर
कबूतर पंक्षी	शान्ति का प्रतीक
लाल त्रिकोण	परिवार नियोजन का प्रतीक
बाँह पर काली पट्टी	शोक, विरोधा, दुःख का प्रतीक
चक्र	प्रगति का प्रतीक
ओलिव (जैतून) की शाखा	शान्ति का प्रतीक

प्रमुख देशों के राष्ट्रीय पशु

कंगारू	ऑस्ट्रेलिया
बाघ	भारत
गाय	नेपाल
बीमर (उदबिलाव)	कनाडा
शेर	यूनाईटेड किंगडम
सांड	स्पेन
मारखोर	पाकिस्तान

प्रमुख देशों के राष्ट्रीय पक्षी

एम्	ऑस्ट्रेलिया
मोर	भारत
कीवी	न्यूजीलैण्ड
हरा तीतर	जापान
हिमालयन मोनाल	नेपाल
बाल्ड ईगल	संयुक्त राज्य अमेरिका
यूरोपीय रॉबिन	यूनाईटेड किंगडम
रेवेन	भूटान

प्रमुख राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

नोबेल पुरस्कार

- नोबेल पुरस्कार अल्फ्रेड नोबेल (स्वीडन) की स्मृति में 10 दिसम्बर (अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि) को नोबेल फाउण्डेशन द्वारा वितरित किए जाते हैं।
- इसकी शुरुआत वर्ष 1901 से हुई।
- यह स्वीडन देश द्वारा दिया जाता है।

(CISF ASI-2019)

- भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य तथा शांति- नोबेल पुरस्कार के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिए जाते हैं।
- इसमें 6वें विषय अर्थशास्त्र को नोबेल पुरस्कार में वर्ष 1968 में सम्मिलित किया गया तथा पहला पुरस्कार वर्ष 1969 में राग्नार फ्रिस्क और जान टिनबर्ग को दिया गया।
- **पुरस्कार राशि:** एक स्वर्ण पदक, एक डिप्लोमा और लगभग 10 मिलियन स्वीडिश क्रोना।
 - ✦ प्रथम प्राप्तकर्ता: वर्ष 1901 में
 - ✦ भौतिकी- विल्हेम कॉनराड रॉन्टजन (SSC CGL-2019)
 - ✦ रसायन विज्ञान- जैकोबस हेनरिकस वैन 'टी हॉफ
 - ✦ शांति- जीन हेनरी डुनैट और फ्रैंडरिक पैसी
- वर्ष 2024 तक कुल 65 महिलाओं को नोबेल पुरस्कार दिए गए हैं।
- पहली महिला नोबेल पुरस्कार विजेता मैडम क्यूरी (1903) हैं।
- यह पुरस्कार मरणोपरांत नहीं दिया जा सकता तथा अधिकतम तीन लोगों को ही एक क्षेत्र में पुरस्कार दिया जा सकता है।
- साहित्य के क्षेत्र में प्रथम भारतीय नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर (गीतांजलि, वर्ष 1913) हैं।
- अंतिम भारतीय नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी (वर्ष 2019) (अर्थशास्त्र के लिए) हैं।
- शांति का नोबेल पुरस्कार नार्वे की राजधानी ओस्लो में दिया जाता है।

नोबेल पुरस्कार 2024

श्रेणी	विजेता
शांति (Peace)	जापानी संगठन निहोन हिदांक्यो
साहित्य (Literature)	हान कांग (दक्षिण कोरिया)
अर्थशास्त्र (Economic Science)	डेरॉन एसमोग्लू (अर्मेनियाई मूल के तुर्की-अमेरिकी) जेम्स ए. रॉबिन्सन (ब्रिटिश-अमेरिकी), साइमन जानसन (ब्रिटिश)
चिकित्सा (Medicine)	विक्टर एम्ब्रोस (अमेरिकी) और गैरी रुवकुन (अमेरिकी)
भौतिकी (Physics)	जेफ्री ई. हिंटन (ब्रिटिश-कनाडाई) और जॉन जे. हॉपफील्ड (अमेरिकी)
रसायन विज्ञान (Chemistry)	डेविड बेकर (अमेरिकी), डेमिस हसाबिस (ब्रिटिश) और जॉन एम. जंपर (अमेरिकी)

नोबेल पुरस्कार विजेता (भारतीय)

रवीन्द्रनाथ टैगोर	साहित्य	1913
सी.वी. रमन	भौतिक विज्ञान	1930
हरगोविन्द खुराना	चिकित्सा	1968
मदर टेरेसा (अल्बानिया) (1948 में भारतीय नागरिकता)	शांति	1979
एस. चन्द्रशेखर	भौतिक विज्ञान	1983
डॉ. अमर्त्य सेन	आर्थिक विज्ञान (कल्याणकारी अर्थशास्त्र)	1998

वी. रामकृष्णन	रसायन (राइबोसोम संरचना)	2009
कैलाश सत्यार्थी	शांति	2014
अभिजीत बनर्जी	आर्थिक विज्ञान	2019

- नोबेल फाउण्डेशन की स्थापना 29 जून, 1900 को हुई थी।
- अल्फ्रेड नोबेल ने वर्ष 1866 में डायनामाइट का आविष्कार किया था और वर्ष 1867 में इसका पेटेंट कराया था। (NTPC-2016)
- अल्फ्रेड नोबेल का जन्म वर्ष 1833 में और मृत्यु वर्ष 1896 में हुई।
- पहले पाँच क्षेत्रों की पुरस्कार राशि नोबेल फाउण्डेशन प्रदान करती है।
- अर्थशास्त्र क्षेत्र की पुरस्कार राशि स्वेरिग्स रिक्स बैंक प्रदान करता है।
- प्रत्येक वर्ष अक्टूबर में शांति के नोबेल पुरस्कार की घोषणा ओस्लो में की जाती है।
- ये पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 10 दिसम्बर को स्टॉकहोम (स्वीडन) में दिये जाते हैं।
- वर्ष 1974 से इस नियम का प्रतिपादन हुआ कि मरणोपरांत नोबेल पुरस्कार नहीं दिया जायेगा।
- अभी तक केवल दो मृत व्यक्तियों को यह पुरस्कार दिया गया है।
 - ✦ एरिक एक्सेल (1931)
 - ✦ डैग हैमरशॉल्ड (1961)
- सबसे अधिक बार नोबेल पुरस्कार रेडक्रॉस को वर्ष 1917, 1944 तथा वर्ष 1963 स्थापना दिवस पर मिले।
- रेडक्रास (Redcross) के संस्थापक हेनरी ड्यूनेट हैं, इन्हें वर्ष 1901 में नोबेल पुरस्कार मिला।
- सबसे कम उम्र के नोबेल पुरस्कार विजेता पुरुष लॉरेंस ब्रैग, (25 साल)।
- सबसे कम उम्र में नोबेल पुरस्कार पाने वाली महिला मलाला युसुफजई (17 साल) हैं इनके साथ वर्ष 2014 में कैलाश सत्यार्थी को भी यह पुरस्कार मिला।
- सबसे अधिक उम्र में नोबेल पुरस्कार पाने वाले व्यक्ति जॉन बी. गुडइनफ (97 साल) हैं। (SSC Steno-2020)
- दो बार नोबेल पुरस्कार विजेता केवल 4 लोग हैं-

1. मैरी क्यूरी (SSC Steno-2019)

- 1903 - रेडियो सक्रियता (भौतिकी)
- 1911 - रेडियम निष्कर्षण (रसायन)

2. जॉन बार्डीन

- 1956 - ट्रांजिस्टर की खोज (भौतिकी)
- 1972 - अति चालकता (भौतिकी)

3. लिनुस पॉलिंग

- 1954 - नाभिकीय परीक्षण (रसायन)
- 1962 - शांति

4. फ्रेडरिक सेंगर

- 1958, 1980 (रसायन)

ऑस्कर अवॉर्ड्स

- अमेरिका की एकेडमी नेशनल ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा दिये जाने वाले वार्षिक अकेडमी पुरस्कार को ही 'ऑस्कर पुरस्कार' कहा जाता है।

- ❑ इसमें फिल्म जगत से जुड़े सर्वश्रेष्ठ निर्देशकों, कलाकारों, लेखकों और तकनीशियनों को सम्मानित किया जाता है।
- ❑ इस पुरस्कार का आयोजन 16 मई, 1929 को किया गया था।
- ❑ बेन हूर (1959), टाइटेनिक (1997) और द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स: द रिटर्न ऑफ द किंग (2003) - इन तीनों को 11-11 ऑस्कर अवॉर्ड मिले हैं।
- ❑ प्रसिद्ध पोशाक डिजाइनर भानु अथैया, भारत की प्रथम ऑस्कर पुरस्कार विजेता हैं। उन्होंने वर्ष 1983 में फिल्म गाँधी के लिए सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइन के लिए ऑस्कर जीता। **(DSSB Nursing-2019)**
- ❑ इसका आधिकारिक नाम 'अकादमी अवॉर्ड ऑफ मेरिट' है।
- ❑ यह अवॉर्ड प्रतिवर्ष फरवरी या मार्च माह में आयोजित किया जाता है।
- ❑ ऑस्कर एवं नोबेल पुरस्कार दोनों पाने वाले 2 व्यक्ति हैं। जॉर्ज बर्नार्ड शॉ और बॉब डिलन।
- ❑ जॉर्ज बर्नार्ड शॉ को साहित्य (1925) के लिए नोबेल तथा 1939 में बेस्ट स्क्रीन प्ले के लिए ऑस्कर अवॉर्ड मिला था तथा बॉब डिलन को वर्ष 2016 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार और वर्ष 2000 में अपने लिखे गीत 'इन वन आफ्टरनून' के लिए ऑस्कर अवॉर्ड दिया गया।
- ❑ भारत के 'सत्यजीत रे' को 1992 में ऑस्कर का 'लाइफटाइम अवॉर्ड' दिया गया। वे पहले ऐसे भारतीय थे जिन्हें सिनेमा में उनकी उपलब्धियों के लिए यह अवॉर्ड मिला।
- ❑ **पुरस्कार व राशि:** ऑस्कर पुरस्कार विजेता को एक ऑस्कर प्रतिमा दी जाती है। इस प्रतिमा पर सोने की परत चढ़ी होती है और इसे पाने वालों से पहले ही एग्जीमेंट करवा लिया जाता है कि वे उसे नहीं बेचेंगे। इसमें विजेताओं को जो ट्रॉफी दी जाती है उसके साथ कोई नकद राशि व अन्य सामान नहीं दिया जाता है।

96वाँ ऑस्कर पुरस्कार-2024

- ❑ इसका आयोजन 10 मार्च, 2024 को लॉस एंजलिस के डॉल्बी थिएटर में किया गया।
- ❖ **सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म:** ओपेनहाइमर
- ❖ **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक:** क्रिस्टोफर नोलन
- ❖ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता:** किलियन मर्फी (ओपेनहाइमर)
- ❖ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री:** एमा स्टोन (पुअर थिंग्स)
- ❖ **बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग:** व्हाट वाज आई मेड फॉर के लिए बिली एलिश और फिनीस ओ कोनेल
- ❖ **सर्वश्रेष्ठ सपोर्टिंग एक्टर:** रॉबर्ट डाउनी जूनियर (ओपेनहाइमर)
- ❑ सबसे ज्यादा पुरस्कार पाने वाले व्यक्ति वॉल्ट डिज़्नी हैं, जिन्होंने (22 अकादमी + 4 मानद अकादमी) कुल 26 पुरस्कार जीते।

ऑस्कर अवॉर्ड पाने वाले भारतीय

1. **भानु अथैया:** भारत की पहली महिला हैं जिनको गाँधी फिल्म में रिचर्ड एटनबरो की Costume designing के लिए वर्ष 1982 में ऑस्कर पुरस्कार मिला था। इस प्रकार वर्ष 1983 में 55वें अकादमी अवार्ड्स में भारत को पहला ऑस्कर अवॉर्ड मिला था।
2. **सत्यजीत रे:** बंगाली फिल्म निर्देशक को वर्ष 1992 में मानद पुरस्कार मिला।
3. **ए.आर. रहमान:** इन्हें 2009 में स्लमडॉग मिलियनेयर फिल्म के 'जय हो' के संगीत के लिये ऑस्कर अवॉर्ड

(SSC CHSL-2022)

4. **गुलजार:** 2009 में मूल गीत 'जय हो' गाने की लिखिका के लिए ऑस्कर अवॉर्ड मिला।
5. **रेसुल पुकुट्टी:** 2009 में स्लमडॉग मिलियनेयर में सर्वश्रेष्ठ साउंड मिक्सिंग के लिए अवॉर्ड मिला।
6. **एम.एम. किरवानी:** कंपोजर; नाटू-नाटू सॉन्ग के लिए **(UPPSC PCS-2023)**
7. **कार्तिकी गोसाल्वेस और गुनीत मोंगा:** द एलीफेंट व्हिस्परर्स (2023)

ऑस्कर में नामित प्रमुख भारतीय फिल्में

1957	-	मदर इंडिया
1988	-	सलाम बॉम्बे
2001	-	लगान
2005	-	पहेली
2006	-	रंग दे बसंती
2023	-	छेल्लो शो
2023	-	आर.आर.आर.
2025	-	लापता लेडीज

ग्रेमी पुरस्कार

- ❑ ग्रेमी अवॉर्ड को मूल रूप से ग्रामोफोन अवॉर्ड कहा जाता है।
- ❑ यह संगीत उद्योग में उत्कृष्ट उपलब्धियों को पहचानने के लिए दिया जाता है। इस पुरस्कार से सम्मानित होने वालों को ग्रामोफोन की एक स्वर्ण प्रतिमा प्रदान की जाती है।
- ❑ स्थापना: 1958
- ❑ **प्रथम सम्मान:** 4 मई, 1959 (ग्रामोफोन पुरस्कार के रूप में)
- ❑ यह पुरस्कार संयुक्त राज्य अमेरिका में नेशनल एकेडमी फॉर रिकार्डिंग आर्ट्स एंड साइंसेज (NARAS) या लैटिन एकेडमी ऑफ रिकार्डिंग आर्ट्स एंड साइंसेज (LARAS) द्वारा संगीत में विशिष्ट योगदान के लिए प्रतिवर्ष प्रदान किए जाते हैं, (LARAS केवल स्पेनिश/पुर्तगाली भाषाओं में रिकार्डिंग के लिए यह पुरस्कार प्रदान करता है)।
- ❑ सुप्रसिद्ध सितार वादक पंडित रविशंकर को वर्ष 1967 में ब्रिटिश एल्बम 'बेस्ट मीट्स ईस्ट' में सहयोग के लिए ग्रेमी पुरस्कार दिया गया यह पुरस्कार पाने वाले वह प्रथम भारतीय थे।
- ❑ वर्ष 2015 में, वितरित ग्रेमी पुरस्कारों में, रिकी केज एवं नीला वासवानी का नाम शामिल हुआ।
- ❑ वर्ष 2022 के ग्रेमी अवॉर्ड में भारतीय मूल की फाल्गुनी शाह को 'बेस्ट चिल्ड्रन म्यूजिक एल्बम', ए कलरफुल वर्ल्ड के लिए यह पुरस्कार मिला।
- ❑ वर्ष 2023 में, रिकी केज को डिवाइन टाइड्स एल्बम के लिए तीसरा ग्रेमी अवॉर्ड मिला। **(SSC CGL-2023)**
- ❑ वर्ष 2024 में, शंकर महादेवन, जाकिन हुसैन, जॉन मैकलॉघलिन, गणेश राजगोपालन तथा सेल्वागणेश विनायकराम की बैंड शक्ति ने अपने एल्बम 'दिस मोमेंट' के लिए 66वाँ ग्रेमी पुरस्कार जीता।
- ❑ वर्ष 2024 में जाकिर हुसैन ने 2 अतिरिक्त ग्रेमी पुरस्कार जीते, जिनमें पश्तो के लिए सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत प्रदर्शन तथा सर्वश्रेष्ठ समकालीन वाद्य एल्बम एज वी स्पीक शामिल हैं।

बुकर पुरस्कार

- यह पुरस्कार प्रतिवर्ष सर्वश्रेष्ठ सतत् कथा साहित्य के लिए प्रदान किया जाता है।
- प्रारंभ में राष्ट्रमंडल देशों के लेखकों को यह पुरस्कार दिया गया। अब यह पुरस्कार दुनिया भर के लेखकों के लिए दिया जाता है।
- यह पुरस्कार प्रतिवर्ष यू.के. एवं आयरलैंड में प्रकाशित तथा अंग्रेजी भाषा में लिखी गई सर्वोत्तम कृति की रचना करने वाले लेखकों को प्रदान किया जाता है।
 - ✦ स्थापना- वर्ष 1969 (यूनाइटेड किंगडम)
 - ✦ पुरस्कार राशि- 50,000 पाउंड
 - ✦ पहला बुकर पुरस्कार 1969 ई. में ब्रिटेन के पीएच न्यूबी को उनके पुस्तक 'समथिंग टू आंसर फॉर' के लिए दिया गया।
 - ✦ बुकर पुरस्कार 2023- पॉल लिंच (आयरिश लेखक को उनके उपन्यास प्रोफेट सॉन्ग के लिए)
 - ✦ बुकर पुरस्कार 2024- सामंथा हार्वे (ब्रिटेन) को उनके उपन्यास 'आर्बिटल' के लिए दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार

- यह पुरस्कार प्रतिवर्ष विश्व भर से अंग्रेजी में अनुवादित सर्वश्रेष्ठ कथा साहित्य के लिए दिया जाता है।
- इस पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 2005 में मेन बुकर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के रूप में हुई थी। **(SSC CHSL-2021)**
- प्रारंभ में यह पुरस्कार किसी भी रचना के लिए दिया जाने वाला द्विवार्षिक पुरस्कार था, इसमें कोई शर्त नहीं थी कि रचना अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य भाषा में लिखी होनी चाहिए। वर्ष 2015 के बाद से यह पुरस्कार प्रतिवर्ष दिया जाता है।
 - ✦ पुरस्कार राशि- 50,000 पाउंड
- 'गीतांजलि श्री' के उपन्यास 'रेत-समाधि' को अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2022 के लिए चुना गया था। 'रेत समाधि' का अंग्रेजी अनुवाद 'टॉम्ब ऑफ सेंड' डेजी रॉकवेल द्वारा किया गया था।
- 2024 का अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार जेनी एर्पेनबेक द्वारा लिखित तथा माइकल हॉफमैन द्वारा अनुवादित 'कैरोस' को प्रदान किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय बुकर/बुकर पुरस्कार जीतने वाले भारतीय		
वर्ष	लेखक	रचना
1971	वी.एस. नायपॉल	इन ए फ्री स्टेट
1981	सलमान रुश्दी	मिडनाइट्स चिल्ड्रन
1997	अरूंधति रॉय	द गॉड ऑफ स्मॉल थिंग्स
2006	किरण देसाई	द इनहेरिटेस ऑफ लॉस
2008	अरविंद अडिगा	द व्हाइट टाइगर
2022	गीतांजलि श्री	टॉम्ब ऑफ सेंड

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार

- रेमन मैग्सेसे पुरस्कार एशिया के व्यक्तियों एवं संस्थाओं को उनके अपने क्षेत्र में विशेष रूप से उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्रदान किया जाता है।
- इसे एशिया का नोबेल पुरस्कार भी कहा जाता है। यह पुरस्कार, रेमन मैग्सेसे पुरस्कार फाउण्डेशन द्वारा फिलीपीन्स के भूतपूर्व राष्ट्रपति रेमन मैग्सेसे की याद में दिया जाता है।
 - ✦ स्थापना: वर्ष 1957 न्यूयॉर्क (रॉकफेलर ब्रदर्स फण्ड के ट्रस्टियों द्वारा)
- यह पुरस्कार प्रतिवर्ष 6 श्रेणियों में दिया जाता है।



- प्रत्येक वर्ष 31 अगस्त को फिलीपींस की राजधानी मनीला में यह पुरस्कार वितरित किया जाता है।
- वर्ष 2024 के रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्तकर्ता-
 - ✦ गुयेन थी न्गोक फुओंग-वियतनाम
 - ✦ मियाजाकी ह्याओ-जापान
 - ✦ फंटशो, कर्मा-भूटान
 - ✦ ग्रामीण चिकित्सक आन्दोलन-थाईलैंड
 - ✦ फरहान, फरवीजा-इंडोनेशिया

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार पाने वाले भारतीय

पुरस्कार प्राप्तकर्ता	श्रेणी	वर्ष
विनोबा भावे	सामुदायिक नेतृत्व	1958
अमिताभ चौधरी	पत्रकारिता, साहित्य एवं सृजनात्मक संवाद कला	1961
मदर टेरेसा	शांति एवं अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना	1962
वर्गीज कुरियन	सामुदायिक नेतृत्व	1963
फिशर वेलथी होन्सिंगर	शांति एवं अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना	1964
जयप्रकाश नारायण	जनसेवा	1965

सत्यजीत रे	पत्रकारिता, साहित्य एवं सृजनात्मक संप्रेषण कला	1967
एम.एस. स्वामीनाथन	सामुदायिक नेतृत्व	1971
एम.एस. सुब्बलक्ष्मी	सार्वजनिक सेवा	1974
बी.जी. वर्गीज़	पत्रकारिता, साहित्य एवं सृजनात्मक संचार कलाएँ	1975
इला रमेश भट्ट	सामुदायिक नेतृत्व	1977
रजनीकांत अरोले	सामुदायिक नेतृत्व	1979
गौर किशोर घोष	पत्रकारिता, साहित्य एवं सृजनात्मक संचार कलाएँ	1981
अरूण शौरी	पत्रकारिता, साहित्य एवं सृजनात्मक संचार कलाएँ	1982
पं. रविशंकर	पत्रकारिता, साहित्य	1992
बानू जहाँगीर कोयाजी	सार्वजनिक सेवा	1993
किरण बेदी	सरकारी सेवा	1994
पांडुरंग अठावले	सामुदायिक नेतृत्व	1996
टी.एन. शेषन	सरकारी सेवा	1996
महेश्वेता देवी	पत्रकारिता	1997
अरूणा रॉय	सामुदायिक नेतृत्व	2000
राजेंद्र सिंह	सामुदायिक नेतृत्व	2001
संदीप पाण्डेय	उभरता नेतृत्व	2002
शांता सिन्हा	सरकारी सेवा	2003
वी. शांता	सार्वजनिक सेवा	2005
अरविंद केजरीवाल	उभरता नेतृत्व	2006
पालगुम्मी साईनाथ	पत्रकारिता, साहित्य	2007
मंदाकिनी आमटे	सामुदायिक नेतृत्व	2008
नीलिमा मिश्रा	सामाजिक कार्य	2011
हरीश हांडे	सामुदायिक नेतृत्व	2011
अंशु गुप्ता एवं संजीव चतुर्वेदी	उभरता नेतृत्व	2015
बेजवाड़ा विल्सन, मदबुसी कृष्ण	जनसेवा	2016
भरत वाटवानी	सामुदायिक सेवा	2018
रवीश कुमार	पत्रकारिता	2019
डॉ. रवि कन्नन	सार्वजनिक सेवा	2023

- ✳ **स्थापना:** 1956-57
- ✳ **मुख्यालय:** मलेशिया
- ✳ **शामिल देश:** विश्व बैडमिंटन संघ के सदस्य देश
- ✳ **सर्वाधिक बार विजेता:** चीन, 16 बार
- ✳ **प्रथम विजेता:** अमेरिका (1957)
- ✳ **वर्ष 2024 का विजेता:** चीन

गोल्डन ग्लोब पुरस्कार

- हर साल हॉलीवुड फॉरेन प्रेस एसोसिएशन (एचएफपीए) मनोरंजन जगत में विशेष उपलब्धियों के लिए देशी-विदेशी कलाकारों, फिल्मों को गोल्डन ग्लोब पुरस्कार से सम्मानित करता है। यह सम्मान फिल्म व टेलीविजन में सर्वश्रेष्ठता के लिए दिया जाता है।
- ✳ **शुरूआत:** वर्ष 1944
- पहला गोल्डन ग्लोब पुरस्कार 20 जनवरी, 1944 को लॉस एंजिल्स में प्रदान किया गया। द साँन ऑफ बर्नडेट को सर्वश्रेष्ठ फिल्म से सम्मानित किया गया तथा इसी फिल्म की अभिनेत्री जेनिफर जॉस को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान दिया गया।
- यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले एशियाई-अमेरिकी एवं एशियाई अजीज अंसारी थे।
- गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड सिनेमा जगत के कलाकारों को अलग-अलग श्रेणियों में दिया जाता है।
- वर्ष 2009 में ए.आर. रहमान, गोल्डन ग्लोब पुरस्कार पाने वाले पहले भारतीय है। **(SSC MTS-2017)**
- 7 जनवरी, 2024 को बेवर्ली हिल्स, लॉस एंजिल्स (कैलिफोर्निया) में आयोजन।
- ✳ **सर्वश्रेष्ठ फिल्म:** ओपनहाइमर
- ✳ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता:** सिलियन मर्फी
- ✳ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री:** लिली ग्लैडस्टोन (फिल्म-किलर्स ऑफ द फ्लॉवर मून)
- ✳ **सिनेमैटिक एंड बॉक्स अचीवमेंट अवॉर्ड:** फिल्म बार्बी को सबसे ज्यादा 9 और ओपेनहाइमर को 8 श्रेणियों में नॉमिनेट किया गया।
- ✳ **सर्वश्रेष्ठ फिल्म (म्यूजिकल/कॉमेडी):** पुअर थिंग्स
- ✳ **सर्वश्रेष्ठ फिल्म (नॉन-इंग्लिश लैंग्वेज):** एनाटॉमी ऑफ ए फॉल (फ्रांस)
- ✳ **सर्वश्रेष्ठ डायरेक्टर:** क्रिस्टोफर नोलन (ओपेनहाइमर)
- ✳ RRR के साँन 'नाटू' को गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड-2023 मिला है।

उबेर कप

- उबेर कप महिलाओं की राष्ट्रीय बैडमिंटन टीमों द्वारा खेली जाने वाली बैडमिंटन प्रतियोगिता है। उबेर कप बैडमिंटन से जुड़ा हुआ है। इस कप का नाम एक पूर्व ब्रिटिश महिला बैडमिंटन खिलाड़ी बिट्टी उबेर के नाम पर रखा गया है।
- इसे अक्सर महिलाओं की विश्व टीम चैंपियनशिप कहा जाता है।
- पहली बार इसका आयोजन वर्ष 1956-1957 में हुआ, उसके पश्चात् प्रत्येक तीन वर्षों के अंतराल पर किया गया, वर्ष 1984 से यह हर दो वर्षों के अंतराल पर होने लगा।

ब्रिटिश अकादमी फिल्म पुरस्कार

(BAFTA - British Academy of Film and Television Arts)

- यह अवॉर्ड ब्रिटिश अकादमी ऑफ फिल्म और टेलीविजन आर्ट्स द्वारा प्रदत्त एक वार्षिक पुरस्कार है, जिसे बाफ्टा पुरस्कार भी कहा जाता है। यह अमेरिका के ऑस्कर पुरस्कार का समकक्ष है जो कि फिल्मकार, अभिनेता, अभिनेत्री को उनके अच्छे अभिनय के लिए दिया जाता है।
- ✳ **स्थापना:** वर्ष 1947
- ✳ **प्रथम पुरस्कार:** वर्ष 1949

- 77वाँ बाफ्टा पुरस्कार: 18 फरवरी, 2024 को लंदन रॉयल फेस्टिवल हॉल में आयोजित समारोह के दौरान यह पुरस्कार प्रदान किया गया।
- सर्वश्रेष्ठ फिल्म-ओपेनहाइमर
- सर्वश्रेष्ठ डायरेक्टर-क्रिस्टोफर नोलन (फिल्म-ओपेनहाइमर)
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेता-सिलियन मर्फी (फिल्म-ओपेनहाइमर)
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री-एम्मा स्टोन (फिल्म-पुअर थिंग्स)
- सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता-राबर्ट डाउनी जूनियर (फिल्म-ओपेनहाइमर)
- सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री-डॉ. वाइन जॉय रैंडोल्फ (फिल्म-द होल्डओवर्स)
- सर्वश्रेष्ठ डाक्यूमेंट्री-20 डेज इन मॉरियुपोल
- आउटस्टैंडिंग ब्रिटिश फिल्म-द जोन ऑफ इंटररेस्ट
- ए.आर. रहमान बाफ्टा फिल्म पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय हैं। (स्लमडॉग मिलियेनेयर)

मिस यूनिवर्स

- मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता को वर्ष 1952 में कैलिफोर्निया स्थित कपड़ा कंपनी पेसिफिक मिल्स द्वारा स्थापित किया गया था।
- पहली मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता लॉन बीच, कैलिफोर्निया में वर्ष 1952 में आयोजित की गयी थी। फिनलैण्ड की अर्मि कुसेला ने प्रथम मिस यूनिवर्स का खिताब जीता था।
- कोलंबिया ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम (सीबीएस) ने वर्ष 1960 से मिस यूनिवर्स का प्रसारण किया।
- भारतीय महिला विजेता
 - ★ सुष्मिता सेन - 1994
 - ★ लारा दत्ता - 2000
 - ★ हरनाज कौर संधु - 2021

नेशनल फिल्म अवॉर्ड 2024

- सर्वश्रेष्ठ फिल्म: आर्टम
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष): ऋषभ शेट्टी, कन्नड़ फिल्म कंतारा के लिए
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (महिला): नित्या मेनन (तिरूचित्रम्बलम) मानसी पारेख (कच्छ एक्सप्रेस)
- सर्वश्रेष्ठ निर्देशक: सूरज आर बड़जात्या, ऊँचाई फिल्म के लिए
- सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता: पवन राज मल्होत्रा, फौजा फिल्म के लिए
- सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री: नीना गुप्ता, फिल्म ऊँचाई वीमेंस के लिए

पुलित्जर पुरस्कार

- न्यूयॉर्क वर्ल्ड के प्रकाशक 'जोसेफ पुलित्जर' की स्मृति में वर्ष 1917 से अमेरिका के कोलम्बिया विश्वविद्यालय द्वारा पत्रकारिता एवं साहित्य के क्षेत्र में दिया जाता है। (UP Police ASI-2018)
- यह पुरस्कार 23 श्रेणियों में प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है।
- 20 श्रेणियों में प्रत्येक विजेता को एक प्रमाण पत्र और 15,000 डॉलर नकद पुरस्कार प्राप्त होता है।
- सार्वजनिक सेवा श्रेणी में विजेता को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाता है। इसमें नकद राशि नहीं होती।
 - ★ स्थापना: वर्ष 1917
 - ★ प्रथम सम्मानित: वर्ष 1917

- प्रथम भारतीय प्राप्तकर्ता: गोबिन्द बिहारी लाल वर्ष 1937

(CDS-2019)

शीर्ष पुलित्जर पुरस्कार विजेता, 2024	
पुरस्कार प्राप्तकर्ता	श्रेणी
जोशुआ कपलान (प्रोपब्लिका)	सार्वजनिक सेवा
हन्ना ड्रेयर (द न्यूयार्क टाइम्स)	खोजी रिपोर्टिंग
डेविड ई. हॉफमैन (द वाशिंगटन पोस्ट)	संपादकीय लेखन
रॉयटर्स का फोटोग्राफी स्टाफ	ब्रेकिंग न्यूज फोटोग्राफी
एसोसिएट प्रेस समाचार एजेंसी टीम को	फीचर फोटोग्राफी

भारत रत्न

- भारत रत्न राष्ट्रीय सेवा के लिए दिया जाता है। यह सम्मान मूल रूप से कला, साहित्य, विज्ञान, सार्वजनिक सेवा और खेल तक सीमित था लेकिन दिसंबर, 2011 में सरकार ने मानव प्रयास के किसी भी क्षेत्र को सम्मिलित करने के लिए मानदंडों का विस्तार किया है।
- इस सम्मान की स्थापना 2 जनवरी, 1954 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री राजेन्द्र प्रसाद द्वारा की गई थी।
- इस सम्मान के प्रथम प्राप्तकर्ता डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, सी. राजगोपालाचारी तथा सी.वी. रमन थे, (SSC GD-2019) जिन्हें वर्ष 1954 में सम्मानित किया गया था।
- वर्ष 1955 से मरणोपरांत भी सम्मान देने का प्रावधान इसमें जोड़ा गया।
- पहला मरणोपरांत भारत रत्न सम्मान वर्ष 1966 में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी को दिया गया।
- एक वर्ष में अधिकतम तीन व्यक्तियों को ही भारत रत्न दिया जा सकता है।
- इस नियम को पहली बार वर्ष 1999 में तोड़ा गया, जब चार लोगों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया - अमर्त्य सेन, जयप्रकाश नारायण, रविशंकर तथा गोपीनाथ बोरदोलोई।
- वर्ष 2024 में इस नियम को पुनः तोड़कर पाँच व्यक्तियों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया - लालकृष्ण आडवानी, कपूरी ठाकुर (मरणोपरांत), चौधरी चरण सिंह (मरणोपरांत), पी.वी. नरसिम्हा राव (मरणोपरांत) तथा डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन (मरणोपरांत)
- अभी तक विभिन्न क्षेत्रों में 53 व्यक्तियों को भारत रत्न पुरस्कार से पुरस्कृत किया जा चुका है।
- विवरण: एक पीपल के पत्ते पर सूर्य की प्लैटिनम छवि के साथ देवनागरी लिपि में खुदा हुआ भारत रत्न।
- सचिन तेंदुलकर एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिनको भारत रत्न प्राप्त हुआ है (SSC MTS-2023) और वह यह सम्मान पाने वाले सबसे कम उम्र के (40 वर्ष) व्यक्ति हैं।
- पुरस्कार: भारत रत्न पाने वालों को भारत सरकार की ओर से एक प्रमाण-पत्र और एक तमगा मिलता है। इस सम्मान के साथ कोई रकम या राशि नहीं दी जाती है।

भारत रत्न विजेताओं की सूची

डॉ. चन्द्रशेखर वेंकटरमण	1954
चक्रवर्ती राजगोपालाचारी	1954
डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन	1954

मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया	1955
डॉ. भगवान दास	1955
जवाहर लाल नेहरू	1955
गोविन्द वल्लभ पंत	1957
डॉ. धोंडो केशव कर्वे (100वें जन्मदिन पर)	1958
डॉ. बिधान चन्द्र राय	1961
पुरुषोत्तम दास टंडन	1961
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	1962
डॉ. जाकिर हुसैन	1963
डॉ. पांडुरंग वामन काणे	1963
लाल बहादुर शास्त्री (मरणोपरांत)	1966
इन्दिरा गाँधी	1971
वराहगिरी वेंकट गिरी	1975
कुमारस्वामी कामराज (मरणोपरांत)	1976
मदर टेरेसा	1980
आचार्य विनोबा भावे (मरणोपरांत)	1983
खान अब्दुल गफ्फार खान	1987
मरुथुर गोपालन रामचन्द्रन (मरणोपरांत)	1988
डॉ. भीमराव अम्बेडकर (मरणोपरांत)	1990
नेल्सन मण्डेला	1990
सरदार वल्लभ भाई पटेल (मरणोपरांत)	1991
मोरारजी देसाई	1991
राजीव गाँधी (मरणोपरांत)	1991
मौलाना अबुल कलाम आजाद (जीते जी स्वीकार नहीं किया) (मरणोपरांत)	1992
जे.आर.डी. टाटा	1992
सत्यजीत रे	1992
डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम	1997
अरुणा आसफ अली (मरणोपरांत)	1997
गुलजारी लाल नंदा (मरणोपरांत)	1997
एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी	1998
चिदंबरम् सुब्रमण्यम	1998
जयप्रकाश नारायण (मरणोपरांत)	1999
पंडित रविशंकर	1999
प्रोफेसर अमर्त्य सेन	1999
गोपीनाथ बोरदोलोई (मरणोपरांत)	1999
उस्ताद बिस्मिल्लाह खान (चारों शीर्ष सम्मान)	2001
लता मंगेशकर	2001
भीमसेन जोशी	2009
चिन्तामणि नागेश रामचन्द्र राव	2014
सचिन तेन्दुलकर (सबसे कम आयु)	2014
अटल बिहारी वाजपेयी	2015

मदन मोहन मालवीय	2015
नानाजी देशमुख (मरणोपरांत)	2019
प्रणव मुखर्जी	2019
भूपेन हजारिका (मरणोपरांत)	2019
कर्पूरी ठाकुर (मरणोपरांत)	2024
लालकृष्ण आडवानी	2024
चौधरी चरणसिंह (मरणोपरांत)	2024
पी.वी. नरसिंहराव (मरणोपरांत)	2024
डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन (मरणोपरांत)	2024

पद्म पुरस्कार

□ भारत सरकार द्वारा उल्लेखनीय योगदान के लिए दिए जाने वाले सम्मानों में पद्म पुरस्कारों का स्थान आता है।

□ पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिए जाते हैं-

पद्म विभूषण	असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए।
पद्म भूषण	उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए।
पद्म श्री	विशिष्ट सेवा के लिए।

□ सरकार परिवर्तन के कारण भारत रत्न पुरस्कार तथा पद्म पुरस्कारों को जुलाई, 1977 से जनवरी, 1980 तक निलंबित किया गया तथा अगस्त, 1992 से दिसम्बर, 1995 के बीच पुनः निलंबित कर दिया गया था।

□ पद्म पुरस्कार चिकित्सा, साहित्य, खेल, कला, समाज सेवा, शिक्षा, विज्ञान, इंजीनियरिंग, सिविल सेवा आदि क्षेत्रों में दिए जाते हैं।

□ वर्ष 2024 में 132 व्यक्तियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिसमें 110 लोगों को पद्म श्री, 17 लोगों को पद्म भूषण तथा 5 लोगों को पद्म विभूषण के लिए नामित किया गया है।

पद्म विभूषण

□ पद्म विभूषण सम्मान भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला दूसरा उच्च नागरिक सम्मान है, जो देश के लिए विभिन्न क्षेत्रों में बहुमूल्य योगदान के लिए दिया जाता है। यह सम्मान भारत के राष्ट्रपति द्वारा दिया जाता है।

□ **स्थापना:** 2 जनवरी, 1954

□ यह भारत रत्न के बाद भारत का दूसरा प्रतिष्ठित सम्मान है।

□ **प्रथम अलंकरण:** वर्ष 1954

□ **प्रथम अलंकृत व्यक्ति:** सत्येन्द्रनाथ बोस व अन्य

पद्म विभूषण पुरस्कार 2024

1. वैजयन्तीमाला बाली
2. कोनिडेला चिंरजीवी
3. एम. वेंकैया नायडू
4. बिदेश्वर पाठक (मरणोपरांत)
5. पद्मा सुब्रमण्यम

पद्म भूषण

□ यह भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला तीसरा उच्च नागरिक सम्मान है।

(SSB LDC-2019)

□ यह पुरस्कार उच्च क्रम की विशिष्ट सेवा, व्यवसाय, स्थिति या जाति व लिंग के भेद के बिना दिया जाता है।

- **स्थापना:** 2 जनवरी, 1954
- **प्रथम सम्मानित:** वर्ष 1954
- वर्ष 2024 में 17 लोगों का पद्म भूषण पुरस्कार दिया गया।
- **पुरस्कार:** इसमें सम्मान के रूप में कांसे का बिल्ला दिया जाता है। इसके बीच में कमल का फूल बना होता है, जिसकी तीन पत्तियाँ इसे घेरे रहती हैं। एक राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षर किया गया प्रमाण-पत्र मिलता है।

पद्मश्री

- भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला चौथा उच्च नागरिक सम्मान है। इसकी घोषणा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है।
- ★ **स्थापना:** वर्ष 1954
- ★ **प्रथम अलंकरण:** 1954
- वर्ष 2024 में पद्म श्री पुरस्कार 110 लोगों को दिया गया।

ज्ञानपीठ पुरस्कार

- यह पुरस्कार वर्ष 1961 में स्थापित तथा पहली बार वर्ष 1965 में प्रदान किया गया था।
- ज्ञानपीठ पुरस्कार, भारत में दिया जाने वाला सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान है। ज्ञानपीठ पुरस्कार, भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा उन भारतीय लेखकों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने साहित्य में उत्कृष्ट योगदान दिया है।
- यह पुरस्कार अंग्रेजी तथा भारतीय संविधान में प्रदत्त 22 भाषाओं में प्रदान किया जाता है तथा यह पुरस्कार मरणोपरांत नहीं दिया जाता है।
- जी. शंकर कुरूप (मलयालम लेखक) को 1965 ई. में अपने संकलन ओडक्कुझल के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले भारतीय लेखक थे। **(SSC CPO-2019)**
- पहली महिला ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता आशापूर्णा देवी (1976) थीं।
- इसमें पुरस्कार के रूप में 11 लाख रुपये की राशि दी जाती है। **(SSC GD-2021)**
- वर्ष 2023 में 58वाँ ज्ञानपीठ पुरस्कार संस्कृत कवि रामभद्राचार्य तथा उर्दू कवि गुलजार को दिया गया है।

व्यास सम्मान

- व्यास सम्मान भारतीय साहित्य के लिए दिया जाने वाला ज्ञानपीठ पुरस्कार के बाद दूसरा सबसे बड़ा साहित्य-सम्मान, साहित्य अकादमिक पुरस्कार है।
- **शुरूआत:** इस पुरस्कार की शुरूआत वर्ष 1991 में के.के. बिड़ला फाउण्डेशन द्वारा की गई थी। **(RRB NTPC-2022)**
- **प्रथम प्राप्तकर्ता:** रामविलास शर्मा (भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी के लिए, 1991)
- 33वाँ व्यास सम्मान पुष्पा भारती (हिन्दी लेखिका) को उनके संस्मरण 'यादें, यादें!.....और यादें' के लिए प्रदान किया गया।
- **पुरस्कार राशि:** 4 लाख रुपये नकद, एक प्रशस्ति पत्र तथा एक प्रतीक चिन्ह प्रदान किया जाता है।
- 10 वर्षों के भीतर प्रकाशित हिन्दी की कोई भी साहित्यिक कृति इस पुरस्कार की पात्र हो सकती है।

शांति स्वरूप भटनागर

- यह पुरस्कार भारत का विज्ञान के क्षेत्र में सर्वोच्च पुरस्कार है।

- इसकी स्थापना वर्ष 1958 में इसके संस्थापक निदेशक शांति स्वरूप भटनागर के सम्मान में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा की गई थी। यह पुरस्कार सीएसआईआर के प्रथम एवं संस्थापक निदेशक सर शांति स्वरूप भटनागर के सम्मान में दिया जाता है।

★ **प्रथम प्रदत्त:** वर्ष 1958

★ **पुरस्कार:** इस पुरस्कार में एक सम्मान पत्र, 5 लाख की राशि और एक पट्टिका दी जाती है।

भारत का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI)

- वर्ष 1952 में स्थापित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) एशिया के सबसे महत्वपूर्ण फिल्म समारोहों में से एक है।
- इस महोत्सव का उद्देश्य फिल्म कला की उत्कृष्टता को प्रदर्शित करने के लिए दुनिया के सिनेमाघरों के लिए एक साझा मंच प्रदान करना है।
- यह सम्मान भारतीय राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के अन्तर्गत सूचना और प्रसारण मंत्रालय के द्वारा प्रदान किया जाता है।

वीरता पुरस्कार

- भारत सरकार द्वारा परमवीर चक्र, महावीर चक्र तथा वीर चक्र की शुरूआत 26 जनवरी, 1950 को की गई, जो 15 अगस्त, 1947 से प्रभावी माने गये।
- वर्ष 2024 में सशस्त्र बलों और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों के लिए 103 वीरता पुरस्कारों की मंजूरी दी गई।
- इन वीरता पुरस्कारों की घोषणा वर्ष में दो बार की जाती है- पहली बार गणतंत्र दिवस के अवसर पर तथा दूसरी बार स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर।
- इस पुरस्कारों का वरीयता क्रम इस प्रकार है- परमवीर चक्र, अशोक चक्र, महावीर चक्र, कीर्ति चक्र, वीर चक्र तथा शौर्य चक्र।

अशोक चक्र

- अशोक चक्र भारत का शांति के समय दिया जाने वाला सर्वोच्च सैन्य पदक है। यह सम्मान सैनिकों और असैनिकों को असाधारण वीरता, शौर्यता या बलिदान के लिए दिया जाता है।
- यह मरणोपरांत भी दिया जा सकता है।
- अशोक चक्र राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है।
- यह पदक थल, जल और नभ में साहस, पराक्रम और आत्म बलिदान का सराहनीय कार्य दिखाने के लिए प्रदान किया जाता है।
- **स्थापना:** 4 जनवरी, 1952
- **प्रथम प्रदत्त:** 26 जनवरी, 1952
- 26 जनवरी, 2022 को जम्मू कश्मीर पुलिस के ASI बाबू राम को मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया गया।

कीर्ति चक्र

- शौर्य का यह पुरस्कार उस वीर को प्रदान किया जाता है, जिसने शत्रु से मुकाबले में अभूतपूर्व साहस का प्रदर्शन किया हो।
- यह सम्मान सैनिकों और असैनिकों को असाधारण वीरता या बलिदान के लिए दिया जाता है।
- यह मरणोपरांत भी दिया जा सकता है।
- यह शांति काल में दिया जाने वाला दूसरा सर्वोच्च सैन्य पदक है।

- बी.बी.एल. दत्त (वर्ष 1952 में) कीर्ति चक्र पाने वाले पहले नागरिक थे।
- **स्थापना:** 4 जनवरी, 1952 को अशोक चक्र-II के रूप में लेकिन कीर्ति चक्र के रूप में यह 27 जनवरी, 1967 को अस्तित्व में आया।
- वर्ष 2024 में तीन मरणोपरांत सहित चार कीर्ति चक्र प्रदान किए गए।

शौर्य चक्र

- यह असाधारण वीरता के लिए सशस्त्र बल के सैनिकों और नागरिकों दोनों को प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

- यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस से पहले के सप्ताह में भारत के राष्ट्रपति द्वारा दिए जाते हैं। यह पुरस्कार 5 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को प्रदान किया जाता है।
- पुरस्कार: एक पदक, 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार एक प्रमाणपत्र और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।
- यह पुरस्कार 7 श्रेणियों (बहादुरी, कला और संस्कृति, पर्यावरण, नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा तथा खेल) में असाधारण उपलब्धि हासिल करने पर दिया जाता है।
- 2024 में यह पुरस्कार 19 बच्चों को दिया गया है।

परमवीर चक्र

- यह भारत का सर्वोच्च सैन्य अलंकरण है जो युद्ध के दौरान अद्वितीय साहस और अदम्य व असाधारण वीरता के कार्यों को प्रदर्शित करने के लिए दिया जाता है।
- यह मेडल कांस्य का बना होता है जिस पर एक और इंद्रवज्र अंकित होता है।
- भारत में प्रथम परमवीर चक्र मेजर सोमनाथ शर्मा को 21 जून, 1950 को मरणोपरांत सैन्य कार्यवाही (वर्ष 1947) के लिए दिया गया।
- परमवीर चक्र प्राप्त करने वाले अंतिम व्यक्ति राइफल मैन संजय कुमार 13वीं जम्मू-कश्मीर राईफल्स कारगिल संघर्ष (1999) में ऑपरेशन विजय के लिए दिया गया।
- **स्थापना:** 26 जनवरी, 1950
- **कुल प्राप्तकर्ता:** 21 (मरणोपरांत 14)

महावीर चक्र

- देश का यह द्वितीय सर्वोच्च शौर्य पुरस्कार है।
- महावीर चक्र भारत के युद्ध के समय वीरता प्रदर्शित के लिए दिया जाने वाला पदक है।
- यह मरणोपरांत भी दिया जा सकता है।
- **स्थापना:** 26 जनवरी, 1950
- **प्रथम प्रदत्त:** दीवान सिंह दानू, 1947 (मरणोपरांत)

वीर चक्र

- यह सम्मान परमवीर चक्र और महावीर चक्र के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा युद्धकालीन वीरता पुरस्कार है।
- **स्थापना:** 26 जनवरी, 1950

तानसेन समारोह या तानसेन सम्मान

- तानसेन समारोह या तानसेन संगीत समारोह हर साल दिसम्बर के माह में मध्य प्रदेश के ग्वालियर में मनाया जाता है।
- यह समारोह मध्य प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा तानसेन के मकबरे के पास आयोजित किया जाता है।
- प्रतिष्ठित 'राष्ट्रीय तानसेन सम्मान' एक संगीत पुरस्कार है, जो हिन्दुस्तानी संगीत के प्रतिपादकों को दिया जाता है।
- **स्थापना:** वर्ष 1980 **(SSC JE-2022)**
- **पुरस्कार:** 5 लाख रुपये

सरस्वती सम्मान

- सरस्वती सम्मान के.के. बिड़ला फाउण्डेशन द्वारा दिया जाने वाला साहित्य पुरस्कार है।
- यह सम्मान प्रतिवर्ष भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में दर्ज 22 भाषाओं में प्रकाशित उत्कृष्ट साहित्यिक कृति को दिया जाता है।
- **पुरस्कार:** इस सम्मान में एक शाल, एक प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह और 15 लाख रुपये की सम्मान राशि दी जाती है।
- सरस्वती सम्मान का आरंभ वर्ष 1991 में किया गया था।
- पहला सरस्वती सम्मान हिन्दी के साहित्यकार डॉ. हरिवंश राय बच्चन को उनकी चार खंडों की आत्मकथा (क्या भूलूं क्या याद करूं) के लिए दिया गया था। **(SSC Steno-2020)**
- यह साहित्य के क्षेत्र में दिया जाता है।
- सरस्वती सम्मान 2023 (33वाँ) प्रभा वर्मा (मलयालम) को उनके प्रमुख कविता संग्रह रौद्र सात्विकम के लिए दिया गया।

इन्दिरा गाँधी शांति पुरस्कार

- इन्दिरा गाँधी शांति पुरस्कार भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गाँधी की याद में दिया जाता है। उनकी स्मृति में स्थापित 'इन्दिरा गाँधी मेमोरियल ट्रस्ट' द्वारा वर्ष 1986 से इन्दिरा गाँधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार प्रतिवर्ष विश्व के किसी ऐसे व्यक्ति को प्रदान किया जाता है, जिसने समाज सेवा, निरस्त्रीकरण या विकास के कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो।
- **स्थापना:** वर्ष 1986
- **प्रथम प्राप्तकर्ता:** पार्लियामेंटैरियन फॉर ग्लोबल एक्शन (1986)
- **अंतिम प्राप्तकर्ता:** डैनियल बरेनबोइम (पियानो वादक) तथा अली अबु अब्बाद को (इजराइल-फिलिस्तीन) संघर्ष के अहिंसक समाधान हेतु, (2023 में)
- इन्दिरा गाँधी शांति पुरस्कार 2024 - मिशेल बैचेलेट

- **पुरस्कार राशि:** 25 लाख रुपये नकद, एक ट्रॉफी और एक प्रशस्ति पत्र

मिस इंडिया अवॉर्ड

- मिस इंडिया अथवा फेमिना मिस इंडिया अवॉर्ड वर्ष में एक बार दिया जाता है।
- इसमें विजेता बनने के बाद ही भारतीय सुंदरी को अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति दी जाती है।
- **स्थापना:** वर्ष 1952 (मुख्यालय मुंबई)
- **अधिकारिक भाषा:** हिन्दी, अंग्रेजी
- **प्रथम विजेता:** एस्तेर विक्टोरिया अब्राहम (प्रमिला), 1947 में
- वर्ष 2024 में मिस इंडिया अवॉर्ड के 60वें संस्करण का खिताब निकिता पोरवाल ने जीता, वह मध्य प्रदेश की 'महाकाल नगरी' उज्जैन से है।

रवीन्द्रनाथ टैगोर साहित्य पुरस्कार

- इस पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 2018 में की गई।
- यह पुरस्कार उपन्यास, कविता, लघु कथाएँ और नाटकों के लिए भारतीय लेखकों को प्रदान किया जाता है।
- वर्ष 2023 में, सुकृता पॉल कुमार को उनकी पुस्तक 'सॉल्ट एंड पेपर' के लिए छठा रवीन्द्रनाथ टैगोर साहित्य पुरस्कार प्रदान किया गया।

जवाहरलाल नेहरू अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना पुरस्कार

- जवाहरलाल नेहरू सद्भावना पुरस्कार भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार है, जिसकी स्थापना वर्ष 1965 में की गई है।
- यह पुरस्कार भारत सरकार के भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद (ICCR) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय समझ, निरस्त्रीकरण एवं विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु प्रदान किया जाता है।
- **स्थापना:** वर्ष 1965
- **प्रथम प्राप्तकर्ता:** यू थॉट (1965))
- **अंतिम प्राप्तकर्ता:** वर्ष 2009 में एन्जेला मार्केल (जर्मनी) को मिला।
- वर्ष 1986 तथा, 1995 से वर्ष 2003 के बीच किसी को भी यह पुरस्कार नहीं दिया गया। अंतिम पुरस्कार वर्ष 2009 में एन्जेला मार्केला (जर्मनी) दिया गया था।
- **पुरस्कार राशि:** 2.5 मिलियन रुपये (25 लाख रुपये), एक प्रशस्ति पत्र।

साहित्य अकादमी पुरस्कार

- यह पुरस्कार साहित्य और भाषा के क्षेत्र में योगदान के लिए वर्ष 1954 में शुरू किया गया।
- यह पुरस्कार भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं तथा अंग्रेजी व राजस्थानी सहित कुल 24 भाषाओं के लिए प्रदान किया जाता है।
- **साहित्य अकादमी पुरस्कार:** 2024

लेखक	भाषा (शैली)	कार्य शीर्षक
गगन गिल	हिंदी (कविता)	'मैं जब तक आई बाहर'
ईस्टरिन किरें	अंग्रेजी (उपन्यास)	'स्पिरिट नाइट्स'
युवा बराल	नेपाली (लघु कथा)	'छिछिमारा'
के.वी. नारायण	कन्नड़ (आलोचना)	'नुडिगाला अलिवु'
महेन्द्र मलंगिया	मैथिली (निबन्ध)	'प्रबंध संग्रह'

- **प्रथम सम्मानित:** 1955, माखनलाल चतुर्वेदी, कृति 'हिमतरंगिनी' (कविता संग्रह)
- वर्ष 2023 का साहित्य अकादमी पुरस्कार संजीव को हिन्दी उपन्यास 'मुझे पहचानो' के लिए प्रदान किया गया।
- **पुरस्कार (राशि):** एक ताम्रपत्र के साथ 1 लाख रुपये नकद, शॉल और प्रशस्ति पत्र।

साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार

- इस पुरस्कार की स्थापना वर्ष 2011 में की गई, जो प्रतिवर्ष 22 मुख्य भाषाओं (संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाएँ) के साथ अंग्रेजी व राजस्थानी भाषाओं में उत्कृष्ट काम करने वाले युवा लेखकों को प्रदान किया जाता है।

- इस पुरस्कार की स्थापना का उद्देश्य 35 वर्ष से कम आयु के युवा लेखकों को साहित्य के क्षेत्र में प्रोत्साहित करना है।
- पुरस्कार के अन्तर्गत 50,000 रुपये की नकद राशि तथा उत्कीर्ण तांबे की पट्टिका प्रदान की जाती है।
- वर्ष 2024 के लिए हिंदी भाषा के क्षेत्र में यह पुरस्कार गौरव पाण्डेय को उनकी कविता संग्रह 'स्मृतियों के बीच घिरी है पृथ्वी' हेतु दिया गया। इसके अलावा, अंग्रेजी भाषा के लिए के. वैशाली को उनके संस्मरण पुस्तक 'होमलेस: ग्रोइंग अप लेस्बियन एण्ड डिस्लेक्सिक इन इण्डिया' हेतु यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

बाल साहित्य पुरस्कार

- इस पुरस्कार की स्थापना वर्ष 2010 में की गई, जो प्रतिवर्ष 22 मुख्य भाषाओं (संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाएँ) के साथ अंग्रेजी एवं राजस्थानी भाषाओं में प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार के अन्तर्गत 50,000 रुपये की नकद राशि और एक उत्कीर्ण तांबे की पट्टिका प्रदान की जाती है।
- वर्ष 2024 के लिए हिंदी भाषा के क्षेत्र में देवेन्द्र कुमार को उनके कहानी संग्रह 'इक्यावन बाल कहानियाँ' हेतु यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अलावा, अंग्रेजी भाषा के लिए नदिनी सेन गुप्ता को उनके कथा संग्रह 'द ब्लू हास एण्ड अदर अमेजिंग एनिमल्स फ्रॉम इण्डियन हिस्ट्री' के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार (पूर्व नाम राजीव गाँधी खेल रत्न पुरस्कार)

- मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, भारत में दिया जाने वाला सर्वोच्च खेल पुरस्कार है।
- **नाम परिवर्तन** - 6 अगस्त, 2021 **(SSC CHSL-2023)**
- इस पुरस्कार का नाम भारत एवं विश्व हॉकी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के नाम पर रखा गया है, जो तीन बार ओलंपिक के स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे।
- यह प्रतिवर्ष युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा गठित एक समिति द्वारा चुना जाता है और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पिछले चार साल की अवधि में खेल क्षेत्र में शानदार और सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाता है।
- **स्थापना:** वर्ष 1991-92
- **प्रथम अलंकरण:** वर्ष 1991 (विजेता - विश्वनाथ आनन्द) **(SSC CHSL-2020, SSC CGL-2022)**
- **पुरस्कार:** इस पुरस्कार में एक पदक, एक प्रशस्ति-पत्र और 25 लाख रुपये की नकद राशि पुरस्कृत व्यक्ति को दिये जाते हैं।

वर्ष 2023 के पुरस्कार प्राप्तकर्ता-

1. सात्विक साईराज रंकी रेड्डी (आंध्र प्रदेश), बैडमिंटन
2. चिराग सेट्टी (महाराष्ट्र)- बैडमिंटन

वर्ष 2024 के पुरस्कार प्राप्तकर्ता-

1. गुकेश डी (शतरंज)
2. हरमनप्रीत सिंह (हॉकी)
3. परवीन कुमार (पैरा एथलेटिक्स)
4. मनु भाकर (शूटिंग)

कलिंग पुरस्कार

- कलिंग पुरस्कार समाज के बीच विज्ञान को बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने में उनके योगदान के लिए प्रदान किया जाता है।
- कलिंग पुरस्कार विज्ञान संचार के क्षेत्र में बड़े योगदान के लिए दिया जाता है।
- यह पुरस्कार यूनेस्को द्वारा प्रदान किया जाता है।
- कलिंग पुरस्कार से सम्मानित प्रथम भारतीय जगजीत सिंह हैं, जिन्हें 1963 में एक लेखक के रूप में यह पुरस्कार मिला था।
- यह पुरस्कार द्विवार्षिक है और विश्व विज्ञान दिवस पर 10 नवम्बर को प्रदान किया जाता है।
- प्रथम प्राप्तकर्ता:** लुइस डी ब्रोग्ली, 1952
- वर्ष 2023 में एना मारियो सेट्टो (मैक्सिको) को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

- दादा साहेब फाल्के पुरस्कार भारत सरकार की ओर से दिया जाने वाला एक वार्षिक पुरस्कार है, जो किसी व्यक्ति विशेष को भारतीय सिनेमा में उसके आजीवन योगदान के लिए दिया जाता है।
- इस पुरस्कार का प्रारम्भ दादा साहेब फाल्के के जन्म शताब्दी वर्ष 1969 से हुआ।
- यह पुरस्कार सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उस व्यक्ति को दिया जाता है, जिसने भारतीय सिनेमा के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया हो।
- स्थापना:** वर्ष 1969
- प्रथम प्राप्तकर्ता:** देविका रानी रेरिक (1969)
- पुरस्कार:** 10 लाख रुपये, एक स्वर्ण कमल पदक व एक शॉल प्रदान की जाती है।

वर्ष 2023 में, वहीदा रहमान (53वाँ संस्करण) तथा वर्ष 2024 में मिथुन चक्रवर्ती (54वाँ संस्करण) को यह सम्मान प्रदान किया गया है।

अर्जुन पुरस्कार

- अर्जुन पुरस्कार खिलाड़ियों को दिया जाने वाला एक पुरस्कार है जो भारत सरकार द्वारा खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है।
- अर्जुन पुरस्कार वर्ष 1961 में शुरू किया गया। **(SSC CGL-2021)**
- अर्जुन पुरस्कार लगातार चार वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को दिया जाता है।
- वर्ष 2020 से इस पुरस्कार के विजेता को 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि, अर्जुन की कांस्य प्रतिमा और एक प्रशस्ति-पत्र शामिल है।
- भारत के प्रथम अर्जुन पुरस्कार विजेता मैनुएल आरोन (1961) थे जो भारत के पहले शतरंज अंतर्राष्ट्रीय मास्टर थे।
- प्रथम सम्मानित:** वर्ष 1961
- पुरस्कार राशि:** 15 लाख रुपये

द्रोणाचार्य पुरस्कार

- द्रोणाचार्य पुरस्कार, खेल और खेलों में उत्कृष्ट योगदान के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार के रूप में जाना जाता है। इस पुरस्कार का नाम गुरु द्रोणाचार्य के नाम पर रखा गया है।
- इस पुरस्कार को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाता है।
- स्थापना:** वर्ष 1985 **(AAI ATC-2022)**

- वर्ग:** खेल में कोच (व्यक्तिगत)
- प्रथम अलंकरण:** 1985 (भारत सरकार द्वारा)
- प्रथम विजेता:** 1. भालचन्द्र भास्कर भागवत (कुश्ती) 2. ओम प्रकाश भारद्वाज (बॉक्सिंग) 3. ओ.एम. नाम्बियार (एथलेटिक्स)
- प्रथम महिला पुरस्कार विजेता:** वर्ष 2000 में हंसा शर्मा (भारोत्तोलन) **(SSC CHSL-2022)**
- द्रोणाचार्य पुरस्कार- 2023**
- नियमित श्रेणी:** आर.बी. रमेश (शतरंज), ललित कुमार (कुश्ती) सहित अन्य।
- लाइफटाइम श्रेणी:** भास्करन ई (कबड्डी), जसकीरत सिंह ग्रेवाल (गोल्फ), जयन्त कुमार पुसीलाल (टेबल टेनिस)
- पुरस्कार:** 15 लाख (लाइफटाइम श्रेणी); 10 लाख (नियमित श्रेणी)

तेनजिंग नॉर्गे राष्ट्रीय साहसिक कार्य पुरस्कार

- तेनजिंग नॉर्गे राष्ट्रीय साहसिक कार्य पुरस्कार, जिसे पहले राष्ट्रीय साहसिक कार्य पुरस्कार के रूप में जाना जाता था। यह भारतीय गणराज्य का सर्वोच्च साहसिक खेल सम्मान है।
- इस पुरस्कार का नाम तेनजिंग नॉर्गे के नाम पर रखा गया है, जो वर्ष 1953 में एडमंड हिलेरी के साथ माउंट एवरेस्ट के शिखर पर पहुँचने वाले पहले दो व्यक्तियों में से एक थे।
- यह पुरस्कार युवा कार्यक्रम और खेल एवं मंत्रालय द्वारा हर साल दिया जाता है।
- प्राप्तकर्ता को पिछले तीन वर्षों में भूमि, जल अथवा हवा में साहसिक खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए सम्मानित किया जाता है।
- यह भारत सरकार द्वारा प्रदान किया जाता है।
- वर्ष 1993-1994 में स्थापित, यह पुरस्कार पहली बार वर्ष 1994 में दिए गए थे। इस पुरस्कार को अर्जुन पुरस्कार के बराबर माना जाता है।
- 9 जनवरी, 2024 को तेनजिंग नॉर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार, 2022 प्रदान किए गए।

पुरस्कार प्राप्तकर्ता	श्रेणी
सविता कंसवाल (मरणोपरांत)	लैंड एडवेंचर
अंशु कुमार तिवारी	एयर एडवेंचर
तुलसी चैतन्य मोथुकुरी	वाटर एडवेंचर
प्रवीण सिंह	लाइफटाइम अचीवमेंट

भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विभिन्न देशों से प्राप्त प्रमुख सम्मान

1.	सऊदी अरब	किंग अब्दुल अजीज सैश (2016)
2.	अफगानिस्तान	अमीर अमानुल्लाह खान पुरस्कार (2016)
3.	फिलिस्तीन	ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन (2018) (SSC MTS-2019)
4.	मालदीव	निशान इज्जुद्दीन (2019)
5.	संयुक्त अरब अमीरात	ऑर्डर ऑफ जायद (2019)
6.	बहरीन	ऑर्डर ऑफ द रेनेसांस (2019)
7.	यूनाइटेड स्टेट अमेरिका	लीजन ऑफ मेरिट (2020)

8.	पलाऊ	एबाकल अवॉर्ड (2023)
9.	फिजी	द कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर फिजी पुरस्कार (2023)
10.	पापुआ न्यू गिनी	ग्रैंड कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू (2023)
11.	मिस्र	ऑर्डर ऑफ द नाइल (2023)
12.	फ्रांस	लीजन ऑफ ऑनर (2023)
13.	ग्रीस	ऑर्डर ऑफ ऑनर (2023)
14.	भूटान	ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्याल्पो (2024)
15.	रूस	ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल (2024)
16.	नाइजीरिया	ऑर्डर ऑफ द नाइजर (2024)
17.	डोमिनिका	डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनर (2024)
18.	गुयाना	द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस (2024)
19.	बारबाडोस	ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस (2024)
20.	कुवैत	ऑर्डर ऑफ मुबारक द ग्रेट (2024)

का प्रतीक बना है इस प्रतीक में दो जैतून की शाखाएँ हैं जो ऊपर की ओर खुली हैं और उनके बीच में विश्व का मानचित्र है।

□ **प्रथम महासचिव:** त्रिग्वेली (नार्वे)

□ **वर्तमान महासचिव:** एंटोनियो गुटेरेस (पुर्तगाल के पूर्व पीएम)

संयुक्त राष्ट्र के मुख्य अंग

- महासभा
- सुरक्षा परिषद
- आर्थिक एवं सामाजिक परिषद
- न्यास परिषद
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय
- सचिवालय

नीदरलैंड के हेग में स्थित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के अतिरिक्त संयुक्त राष्ट्र संघ के सभी अंग न्यूयॉर्क स्थित मुख्यालय में हैं।

(i) **महासभा:** इसमें सभी 193 देशों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। इसलिए इसे लघु संसद भी कहा जाता है। महासभा का अध्यक्ष 1 वर्ष के लिए चुना जाता है। वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष कैमरून के पूर्व प्रधानमंत्री फिलेमोन यांग (79वें) हैं।

महासभा में महत्वपूर्ण निर्णय जैसे कि शांति एवं सुरक्षा, नए सदस्यों को शामिल करना तथा बजट आदि के लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है।

□ सत्र की शुरुआत में महासभा नए अध्यक्ष एवं 21 उपाध्यक्षों का चुनाव करती है।

□ नियमित सत्र के अलावा महासभा सुरक्षा परिषद की सिफारिश पर विशेष सत्र भी आयोजित कर सकती है।

□ सुरक्षा परिषद की सिफारिश पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति, नए देशों की सदस्यता, महासचिव की नियुक्ति तथा संयुक्त राष्ट्र का बजट पारित करना आदि महासभा के कार्य हैं।

(ii) **सुरक्षा परिषद (UNSC):** यह UNO का मुख्य कार्यकारी अंग है। सुरक्षा को बनाए रखना, सुरक्षा परिषद की मुख्य जिम्मेदारी है, इसलिए इसे दुनिया का 'पुलिस मैन' भी कहा जाता है। इसमें 15 सदस्य होते हैं। **5 स्थायी सदस्य (वीटो पॉवर):** चीन, रूस, फ्रांस, UK और USA हैं। जबकि 10 अस्थायी सदस्य महासभा द्वारा दो वर्ष के लिए चुने जाते हैं, जिनका कार्यकाल 2 वर्ष का होता है। अमेरिका ने सबसे पहले वीटो का प्रयोग वर्ष 1970 के दशक में किया था। सोवियत संघ (रूस) ने वीटो का प्रयोग सबसे अधिक बार किया है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद: संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद का गठन वर्ष 2006 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा किया गया था। इसने मानवाधिकार आयोग का स्थान लिया जो कि पहले आर्थिक एवं सामाजिक परिषद के अधीन था। इसका मुख्यालय **जेनेवा (स्विट्जरलैंड)** में है। वर्तमान में इसके अध्यक्ष **उमर जिनबर** हैं।

नोट: राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के वर्तमान अध्यक्ष- **अरुण कुमार मिश्रा** हैं।

(iii) **आर्थिक एवं सामाजिक परिषद:** इसमें महासभा द्वारा चयन किए गए सदस्यों की संख्या 54 होती है, जिनका कार्यकाल 3 वर्ष का होता है। प्रत्येक वर्ष आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ECOSOC) की दो बैठकें

प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संगठन एवं उनके मुख्यालय

संयुक्त राष्ट्र (UN : United Nations)

□ संयुक्त राष्ट्र की स्थापना सन् 1945 में एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन के रूप में हुई थी। संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के विरोधी तत्वों को रोकना, अंतर्राष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्वक ढंग से निपटारा करना और राष्ट्रों के मध्य मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करना है।

□ वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र में कुल 193 सदस्य राष्ट्र हैं। 193वाँ सदस्य वर्ष 2011 में **दक्षिण सूडान** बना था। स्थायी सदस्यों की सूची में चीन, रूस, फ्रांस, UK और USA हैं।

□ भारत संयुक्त राष्ट्र के संस्थापक सदस्यों में से एक है 26 जून, 1945 को भारत अन्य भाग लेने वाले देशों के साथ संयुक्त राष्ट्र के चार्टर पर हस्ताक्षर किए हैं।

□ संयुक्त राष्ट्र चार्टर की पुष्टि के बाद 30 अक्टूबर, 1945 को भारत संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ। **(DSSB TGT-2018, SSC CPO-2020)**

□ **स्थापना वर्ष:** 24 अक्टूबर, 1945

□ **मुख्यालय:** मैनहट्टन द्वीप, न्यूयॉर्क (अमेरिका)

□ संयुक्त राष्ट्र की संचालन भाषाएँ: अंग्रेजी और फ्रॉसीसी (फ्रेंच) हैं।

□ कुल 6 भाषाओं (अंग्रेजी, फ्रॉसीसी, रूसी, चीनी, अरबी और स्पेनिश) को मान्यता प्राप्त है।

□ संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के समय केवल चार भाषाएँ स्वीकृत थी (चीनी, अंग्रेजी, फ्रॉसीसी, रूसी)

□ वर्ष 1973 में अरबी भाषा को जोड़ा गया।

□ संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषाओं के लिए नई प्रस्तावित भाषाएँ- बंगाली, हिन्दी, पुर्तगाली और तुर्की हैं।

□ संयुक्त राष्ट्र का ध्वज हल्के नीले रंग का है और उस पर सफेद रंग से राष्ट्र

अप्रैल में न्यूयॉर्क तथा जुलाई में जेनेवा में होती हैं।
आर्थिक एवं सामाजिक परिषद के वर्तमान अध्यक्ष- **बाब राय (80वें)** है।

यह परिषद आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर कार्य विभिन्न विशेष संस्थाओं के माध्यम से करती है, जैसे- WHO, WTO, विश्व बैंक, UNICEF, UNEP, UNESCO आदि।

(iv) **न्यास परिषद:** न्यास परिषद का भार ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका को सौंपा गया है। वर्तमान में न्यास परिषद में सदस्य देशों की संख्या 12 हैं जिनमें 4 प्रबंधकर्ता, 3 स्थायी सदस्य और 5 निर्वाचित सदस्य हैं। सन् 1994 में प्रशांत द्वीप पलाऊ के स्वतन्त्र होने के साथ-साथ ही न्यास परिषद के कार्य खत्म हो गए थे।

(v) **अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ):**

□ इसकी स्थापना जून, 1945 में हुई और इसने **अप्रैल, 1946** को कार्य करना शुरू किया तथा इसका मुख्यालय **द हेग (नीदरलैंड)** में स्थित **पीस पैलेस** में है।

□ अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की कानूनी पुस्तिका में 5 अध्याय हैं।

□ इसमें 15 न्यायाधीश होते हैं, जिनकी नियुक्ति 9 वर्ष के लिए होती है। इसमें एक ही देश के दो न्यायाधीश नहीं हो सकते हैं। न्यायालय की कोरम संख्या 9 होती है।

□ अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में प्रथम भारतीय न्यायाधीश **बेनेगल रामाराव** थे। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के प्रथम भारतीय अध्यक्ष **नागेंद्र सिंह** थे।

(SSC Steno-2018)

□ अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में भारतीय न्यायाधीश - **दलवीर भंडारी (2018-2027)**

(vi) **सचिवालय:** सचिवालय संयुक्त राष्ट्र के दिन-प्रतिदिन के कार्यों को निपटाता है। इसका प्रमुख महासचिव होता है, जिसे महासभा द्वारा सुरक्षा परिषद की सिफारिश पर 5 वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है। महासचिव को दूसरे कार्यकाल के लिए भी नियुक्त किया जा सकता है। घोषणा पत्र के अनुसार महासचिव संगठन का मुख्य प्रशासनिक अधिकारी होता है। संयुक्त राष्ट्र के प्रथम महासचिव **त्रिग्वेली (नार्वे)** थे। **डेग हैमरसोल्ड** ऐसे महासचिव थे, जिनकी मृत्यु हवाई दुर्घटना में हुई।

संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसियाँ/संगठन

संगठन	स्थापना वर्ष	मुख्यालय
अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)	1919	जेनेवा (स्विट्जरलैंड)
(UPSI-2021)		
विश्व बैंक (World Bank)	1944	वाशिंगटन डीसी, (यूएसए)
अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)	1944	वाशिंगटन डीसी, (यूएसए)
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)	1948	जेनेवा
खाद्य व कृषि संगठन (FAO)	1945	रोम (इटली)
विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)	1950	जेनेवा

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO)	1967	जेनेवा (SSC CGL-2021)
अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण (IAEA)	1957	वियना (ऑस्ट्रिया)
अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO)	1948	लंदन (ब्रिटेन)
यूनेस्को (UNESCO)	1945	पेरिस (फ्रांस)
अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)	1865	जेनेवा
सार्वभौम डाक संघ (UPU)	1874	बर्न (स्विट्जरलैंड)
अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO)	1944	मॉन्ट्रियल (कनाडा)
संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (UNIDO)	1966	वियना (ऑस्ट्रिया)
अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष (IFAD)	1977	रोम (इटली)
व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि संगठन (CTBTO)	1996	वियना (ऑस्ट्रिया)
रासायनिक हथियार निषेध संगठन (OPCW)	1997	हेग (नीदरलैंड)
संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (UNHCR)	1950	जेनेवा
विश्व व्यापार संगठन (WTO)	1995	जेनेवा

विश्व के कुछ प्रमुख संगठन

विश्व व्यापार संगठन (WTO)

- इसकी स्थापना **1 जनवरी, 1995** को की गई थी। इसका मुख्यालय **जेनेवा** में है।
- सदस्य देश- 166 (कोमोरोस और तिमोर लेस्ते 165वें और 166वें सदस्य बने।)
- वर्तमान अध्यक्ष- डा. नागोजी ओकोन्जो इबेला (नाइजीरिया)
- **GATT** : GATT का नाम बदलकर ही बाद में विश्व व्यापार संगठन (WTO) रखा गया था। GATT की स्थापना **1948 ई.** में हुई थी।

रेड क्रॉस

- इसकी स्थापना **8 मई, 1863** में **हेनरी ड्युनेन्ट** ने **जेनेवा** में की थी।
- इसके वर्तमान अध्यक्ष **मिरजाना स्पोल जागरिक एगर** है तथा इसका मुख्यालय **जेनेवा** में है।
- भारतीय रेडक्रॉस समिति की अध्यक्ष **श्रीमती द्रौपदी मुर्मू** हैं।
- इस संगठन को तीन बार शांति के नोबेल पुरस्कार (1917, 1944, 1963) से सम्मानित किया जा चुका है। भारत में रेड क्रॉस की स्थापना **1920 ई.** में हुई थी।
- विश्व रेडक्रॉस दिवस **8 मई** को मनाया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन (इंटरपोल)

- INTERPOL की स्थापना **वर्ष 1923** में की गई थी। वर्तमान में इसमें 196 सदस्य देश हैं। (196वां सदस्य देश- पलाऊ)

- वर्तमान अध्यक्ष- मेजर जनरल अहमद नासर अल रायसी है।
- इंटरपोल द्वारा 'रेड कॉर्नर' (Red Corner) नोटिस जारी किया जाता है। इंटरपोल का मुख्यालय लियोन (फ्रांस) में है। भारत भी इसका सदस्य देश है।

नाटो (NATO)

- इसकी स्थापना 4 अप्रैल, 1949 को हुई। नाटो का मुख्यालय ब्रुसेल्स (बेल्जियम) में है।
- इस संगठन में 32 सदस्य देश हैं (32वाँ स्वीडन)
- वर्तमान महासचिव मार्क रूटे (पूर्व डच प्रधानमंत्री)

दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सहयोग संघ (सार्क या SAARC)

- इसकी स्थापना 8 दिसम्बर, 1985 में की गई थी। इसका मुख्यालय काठमाण्डू (नेपाल) में है। (SSC MTS-2020)
- सार्क का पहला शिखर सम्मेलन वर्ष 1985 को ढाका में हुआ था। (SSC CPO-2020)
- इसके 8 सदस्य देश भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मालदीव और अफगानिस्तान हैं।

ब्रिक्स (BRICS)

- वर्ष 2009 में ब्राजील, रूस, भारत तथा चीन ने एक नए आर्थिक संगठन की स्थापना की।
- 'ब्रिक्स' शब्द को ब्रिटिश अर्थशास्त्री जिम ओनील ने 2001 में दिया।
- ब्रिक्स का पहला शिखर सम्मेलन रूस के येकतेरिनबर्ग शहर में हुआ। वर्ष 2010 में इसके दूसरे सम्मेलन में दक्षिण अफ्रीका को भी इसका सदस्य बनाया गया।
- ब्रिक्स विकास बैंक की स्थापना वर्ष 2014 में ब्राजील के फोर्टालेजा में छठे BRICS शिखर सम्मेलन में हुई थी। इसे न्यू डेवलपमेंट बैंक के नाम से जाना जाता है। (DSSB PRT-2018)
- 14वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी चीन द्वारा की गई थी।
- नोट:- 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) में हुआ जिसमें 6 नए सदस्य देश- ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, मित्र, इथियोपिया तथा अर्जेंटीना शामिल हुए (1 जनवरी, 2024) जिसमें अर्जेंटीना ने शामिल होने से इंकार कर दिया।
- 16वाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी रूस के शहर कजान में आयोजित की गई।
- 17वाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2025 की मेजबानी ब्राजील करेगा।

यूरोपीय संघ (European Union)

- इसकी स्थापना 1993 ई. में हुई इसका मुख्यालय ब्रुसेल्स (बेल्जियम) में है।
- यूरोपीय संघ के सदस्य देशों की संख्या 27 है। यह एक सशक्त आर्थिक और राजनीतिक ब्लॉक के रूप में कार्य करता है।
- 1 जनवरी, 2002 को यूरो नामक मुद्रा का चलन हुआ। इस मुद्रा को इस संगठन के 20 देशों द्वारा प्रयोग में लाया जा रहा है। (20वाँ देश क्रोएशिया) इन देशों को यूरोजोन कहा जाता है।
- जनवरी, 2020 में ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से अलग होने के बाद यूरोपीय संघ में 27 सदस्य देश हैं।

G-7 (पहले G-8, वर्ष 2014 में रूस के अलग होने से पूर्व)

- इसकी स्थापना वर्ष 1975 में फ्रांस द्वारा की गई थी। इसके 7 सदस्य देश निम्न हैं: कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान और इटली।
- जून, 2022 में G-7 के 48वें शिखर सम्मेलन की मेजबानी जर्मनी ने की।
- मई, 2023 में G-7 के 49वें शिखर सम्मेलन की मेजबानी हिरोशिमा (जापान) ने की।
- जून, 2024 में G-7 के 50वें शिखर सम्मेलन की मेजबानी अपुलिया के फसानो शहर (इटली) ने की।

G-20

- इसकी स्थापना वर्ष 1999 में बर्लिन (जर्मनी) में हुई थी। G-20 विश्व के 20 औद्योगिक एवं विकासशील देशों का संगठन है। इसमें 19 देश और यूरोपीय संघ शामिल है।
- इसका पहला सम्मेलन 2008 में वॉशिंगटन, अमेरिका में आयोजित हुआ था।
- 17वें G-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी इंडोनेशिया द्वारा की गई।
- 18वें G-20 शिखर सम्मेलन 2023 की मेजबानी भारत ने की।
 - सम्मेलन की अध्यक्षता- नरेन्द्र मोदी
 - लोगो- खिलता हुआ कमल
 - थीम- Vasudhaiva Kutumbakam (One Earth One Family one Future)
 - आयोजन स्थल- भारत मंडपम
 - 19वाँ संस्करण- रियो डि जेनेरियो, ब्राजील (2024)

आसियान (ASEAN)

- आसियान दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का एक क्षेत्रीय संगठन है।
- इसकी स्थापना 1967 ई. में हुई थी तथा इसका मुख्यालय जकार्ता (इंडोनेशिया) में है। इसमें कुल 10 सदस्य देश हैं। इसका पहला शिखर सम्मेलन 1976 ई. में बाली (इंडोनेशिया) में हुआ था।
- आदर्श वाक्य:- 'वन विजन वन आइडेंटिटी वन कम्प्यूनिटी'
- नोट:- आसियान ने सैद्धान्तिक रूप से तिमोर-लेस्ते को 11वाँ सदस्य के रूप में स्वीकार करने की सहमति व्यक्त की है।

पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (OPEC)

- इसकी स्थापना वर्ष 1960 में बगदाद में हुई थी। इसका मुख्यालय वियना (ऑस्ट्रिया) में है। 1 जनवरी, 2024 में अंगोला द्वारा अपनी सदस्यता वापस लेने के पश्चात् अब OPEC में 12 सदस्य देश हैं।

गुटनिरपेक्ष आन्दोलन

(NAM : Non-Aligned Movement)

- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विश्व धीरे-धीरे मुख्यतः दो गुटों पूँजीवादी अमेरिका और साम्यवादी सोवियत संघ (USSR) में बँट गया था। इन दोनों गुटों की प्रतिद्वंद्विता को शीत युद्ध (Cold War) कहा जाता है। शीत युद्ध की राजनीति में शामिल न होना ही गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का प्रमुख उद्देश्य था।
- इसका पहला शिखर सम्मेलन वर्ष 1961 में बेलग्रेड (यूगोस्लाविया) में हुआ था। वर्तमान में इसमें 120 सदस्य देश हैं। इसका मुख्यालय इंडोनेशिया के जकार्ता में स्थित है। जिस देश में इसका सम्मेलन होता है, वही देश इसकी अध्यक्षता करता है।

अरब लीग (Arab League)

- अरब लीग की स्थापना 22 मार्च, 1945 को काहिरा (मिस्र) में हुई थी। इसका मुख्यालय काहिरा में है। सीरिया के वर्ष 2011 में इस लीग से निलंबित होने के पश्चात् वर्तमान में, अरब लीग में कुल 22 सदस्य हैं।

एशियाई विकास बैंक (ADB)

- इसकी स्थापना 19 दिसम्बर, 1966 को हुई थी।
- इसका मुख्यालय मनीला (फिलीपींस) में है।
- वर्तमान में इसके अध्यक्ष मासात्सुगु असकावा (जापान, 23 फरवरी, 2025 तक) हैं।
- नोट:-** मासातो कांडा को एशियाई विकास बैंक का 11वां अध्यक्ष चुना गया है जो 24 फरवरी, 2025 को पदभार ग्रहण करेंगे।
- ADB की स्थापना के समय इसमें 31 सदस्य थे। वर्तमान में ADB में 69 सदस्य राष्ट्र हैं। (69वाँ इजराइल)

राष्ट्रमंडल (Commonwealth)

- राष्ट्रमंडल उन देशों का संगठन है जो कभी-न-कभी ब्रिटिश साम्राज्य के गुलाम रहे हैं।
- इसकी स्थापना 1931 ई. में हुई थी। इसका मुख्यालय लंदन में है।
- वर्तमान में राष्ट्रमंडल में 56 सदस्य देश हैं। भारत 1949 में राष्ट्रमंडल का सदस्य बना था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)

- इसकी स्थापना 7 अप्रैल, 1948 में हुई थी। इसलिए प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है।
- इसका मुख्यालय जेनेवा (स्विट्जरलैंड) में स्थित है। वर्तमान में WHO में 194 देश सदस्य हैं। भारत 12 जनवरी, 1948 को WHO का सदस्य बना।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन का दक्षिण-पूर्व एशिया का कार्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

यूनेस्को (UNESCO)

- यूनेस्को की स्थापना 16 नवम्बर, 1945 को हुई थी। इसका मुख्यालय पेरिस (फ्रांस) में है।
- यूनेस्को में 193 सदस्य देश हैं जिसमें 11 सहयोगी सदस्य देश हैं। यूनेस्को शिक्षा, विज्ञान व संस्कृति के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का समन्वय करता है।
- भारत में 43 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं।
- यूनेस्को की सूची में शांति निकेतन, होयसल के पवित्र मंदिर (2023) और मोइदम-अहोम (2024) को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।
- विश्व धरोहर समिति का 46वाँ सत्र 21-31 जुलाई, 2024 तक नई दिल्ली (भारत मंडपम) में आयोजित किया गया।
- विश्व में सबसे अधिक धरोहर स्थल इटली में है जिनकी संख्या 60 है, दूसरा स्थान चीन (59) का है।
- विश्व में विश्व धरोहर समिति के अनुसार 1223 धरोहर स्थल हैं। (जुलाई, 2024 तक)

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (UNICEF)

- इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 11 दिसम्बर, 1946 को बनाया था इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क (अमेरिका) में स्थित है। (NTPC CBT-I 2021)
- यूनिसेफ 190 से अधिक देशों में कार्य कर रहा है। यूनिसेफ की गुडविल

ब्रांड एंबेसडर प्रियंका चोपड़ा है।

- पोलैंड के चिकित्सक लुडविक रॉशमन ने यूनिसेफ के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यूनिसेफ का आपूर्ति विभाग कोपनहेगन (डेनमार्क) में स्थित है।

संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (UNIDO)

- संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा संयुक्त राष्ट्र सचिवालय के एक स्वायत्त अंग के रूप में UNIDO की स्थापना वर्ष 1966 में की गई। इसका मुख्यालय वियना (ऑस्ट्रिया) में है। 4 अक्टूबर, 2024 तक UNIDO में 173 सदस्य देश हैं।
- इस संगठन का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण स्थिरता के साथ-साथ औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)

- UNEP की स्थापना 5 जून, 1972 को मौरिस स्ट्रॉन द्वारा स्टॉकहोम (स्वीडन) में पर्यावरण पर संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन के बाद की गई।
- UNEP का मुख्यालय नैरोबी (केन्या) में है। इसमें सदस्य देशों की संख्या 193 है।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO)

- स्थापना- 15 जून, 2001, 2002 में SCO चार्टर पर हस्ताक्षर हुए और 2003 में लागू हुआ
- मुख्यालय - बीजिंग (चीन)
- अधिकारिक भाषाएं- (रूसी, चीनी)
- सदस्य देश - 10 (कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, भारत, पाकिस्तान, ईरान, बेलारूस 10वाँ)
- SCO एक स्थायी अंतर-सरकारी अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।
- यह एक यूरोशियन राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संगठन है जिसका उद्देश्य सम्बन्धित क्षेत्र में शांति, सुरक्षा व स्थिरता बनाए रखना है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC)

- अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) क्रिकेट की वैश्विक शासी संस्था है।
- इसकी स्थापना 1909 ई. में इंपीरियल क्रिकेट कॉन्फ्रेंस के रूप में की गई थी।
- वर्ष 1965 में इसका नाम बदलकर इंटरनेशनल क्रिकेट कॉन्फ्रेंस कर दिया गया।
- वर्ष 1989 में इसका वर्तमान नाम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) रखा गया।

मुख्यालय- दुबई (UAE)

स्थापना- 15 जून, 1909

अध्यक्ष- जयशाह (1 दिसम्बर, 2024) से

विश्व के कुछ अन्य प्रमुख संगठन एवं उनके मुख्यालय

संगठन	मुख्यालय
यूरोपीय संसद	स्ट्रासबर्ग (फ्रांस)
अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA)	वियना (ऑस्ट्रिया)
अफ्रीकी एकता संगठन (OAU) (वर्तमान में अफ्रीकन यूनियन)	अदिस अबाबा (इथियोपिया)
अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी (IOC)	लुसाने (स्विट्जरलैंड)

विश्व वन्यजीव संरक्षण कोष (WWF)	ग्लैड (स्विट्जरलैंड)
अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन	गुरुग्राम (भारत)
इंडियन ओशियन कमिशन (IOC)	पोर्ट लुईस (मॉरीशस)
एमनेस्टी इंटरनेशनल	लंदन (UK)
विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद	लंदन (UK)
विश्व आर्थिक मंच	कोलोगनी, जेनेवा (स्विट्जरलैंड)
विश्व सीमा शुल्क संगठन	ब्रुसेल्स, बेल्जियम
संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम	नैरोबी, केन्या

भारत के प्रमुख अनुसंधान संस्थान

अनुसंधान केन्द्र	शहर	राज्य
नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टिट्यूट	करनाल	हरियाणा
केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान	हिसार	हरियाणा
राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड	गुरुग्राम	हरियाणा
राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान	नागपुर	महाराष्ट्र
नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी	पुणे	महाराष्ट्र
टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च	मुंबई	महाराष्ट्र
राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केन्द्र	सोलापुर	महाराष्ट्र
राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केन्द्र	पुणे	महाराष्ट्र
केन्द्रीय नींबू वर्गीय फल अनुसंधान संस्थान	नागपुर	महाराष्ट्र
केन्द्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान	मुंबई	महाराष्ट्र
नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी	पणजी	गोवा
भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण	नई दिल्ली	दिल्ली
वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट	नई दिल्ली	दिल्ली
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)	नई दिल्ली	दिल्ली
सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टिट्यूट	नई दिल्ली	दिल्ली
भारतीय मौसम विज्ञान वेधशाला	नई दिल्ली	दिल्ली
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान	नई दिल्ली	दिल्ली
राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान	नई दिल्ली	दिल्ली
भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान	नई दिल्ली	दिल्ली
नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन	हैदराबाद	तेलंगाना
सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी	हैदराबाद	तेलंगाना
राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान	हैदराबाद	तेलंगाना
राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान	नोएडा	उत्तर प्रदेश
भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान	इज्जतनगर (बरेली)	उत्तर प्रदेश
सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टिट्यूट	लखनऊ	उत्तर प्रदेश

नेशनल बॉटैनिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट	लखनऊ	उत्तर प्रदेश
भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान	लखनऊ	उत्तर प्रदेश
नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट	कानपुर	उत्तर प्रदेश
इंडियन (ग्रेन) स्टोरेज इंस्टिट्यूट	हापुड़	उत्तर प्रदेश
भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान	वाराणसी	उत्तर प्रदेश
केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान	इज्जतनगर (बरेली)	उत्तर प्रदेश
भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान	झांसी	उत्तर प्रदेश
वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान	नोएडा	उत्तर प्रदेश
नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरी	बेंगलुरु	कर्नाटक
सेंट्रल लेदर रिसर्च इंस्टिट्यूट	चेन्नई	तमिलनाडु
गन्ना प्रजनन संस्थान	कोयंबटूर	तमिलनाडु
इन्दिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र	कलपक्कम	तमिलनाडु
राष्ट्रीय केला अनुसंधान केन्द्र	तिरुचिरापल्ली	तमिलनाडु
सेंट्रल राइस रिसर्च इंस्टिट्यूट	कटक	ओडिशा
केन्द्रीय नमक और समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान	भावनगर	गुजरात
केन्द्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन	चंडीगढ़	चंडीगढ़
सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट	रुड़की	उत्तराखंड
भारतीय पेट्रोलियम संस्थान	देहरादून	उत्तराखंड
केन्द्रीय वन अनुसंधान संस्थान	देहरादून	उत्तराखंड
केन्द्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान	धनबाद	झारखंड
उच्च अक्षांश अनुसंधान प्रयोगशाला	गुलमर्ग	जम्मू-कश्मीर
केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान	शिमला	हिमाचल प्रदेश
सेंट्रल मैकेनिकल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट	दुर्गापुर	पश्चिम बंगाल
केन्द्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान	राजमुन्दरी	आंध्र प्रदेश
ICAR भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान	भोपाल	मध्य प्रदेश
केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान	जोधपुर	राजस्थान
राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र	मुजफ्फरपुर	बिहार
भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान	कोझिकोड	केरल

भारत व विश्व में प्रथम, लंबा एवं चौड़ा

भारत में प्रथम (महिला)

भारत की प्रथम महिला शासिका	रजिया सुल्तान
प्रथम महिला राष्ट्रपति	प्रतिभा देवी सिंह पाटिल
प्रथम महिला प्रधानमंत्री	इन्दिरा गाँधी (1966-77, 1980-84)

प्रथम लोकसभा अध्यक्ष	मीरा कुमार
लोकसभा की प्रथम महिला महासचिव	स्नेहलता श्रीवास्तव
प्रथम महिला केन्द्रीय मंत्री	राजकुमारी अमृत कौर
प्रथम महिला राज्यपाल	सरोजिनी नायडू (उत्तर प्रदेश)
प्रथम महिला मुख्यमंत्री	सुचेता कृपलानी (उत्तर प्रदेश) (1963-67)
यूपीएससी की प्रथम महिला अध्यक्ष	रोज मिलियन बाथ्यू (खरबुली)
सुप्रीम कोर्ट की प्रथम महिला न्यायाधीश	मीरा साहिब फातिमा बीबी (1989)
उच्च न्यायालय की प्रथम महिला मुख्य न्यायाधीश	लीला सेठ (हिमाचल प्रदेश) (1991)
देश की प्रथम महिला सत्र न्यायाधीश	अन्ना चांडी (केरल)
भारत की प्रथम महिला आई.ए.एस.	अन्ना जॉर्ज
भारत की प्रथम महिला आई.पी.एस.	किरण बेदी (1972)
नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला	मदर टेरेसा (1979)
संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रथम भारतीय राजदूत	विजया लक्ष्मी पंडित
ओलंपिक पदक जीतने वाली प्रथम महिला	कर्णम मल्लेश्वरी (2000)
प्रथम महिला कांग्रेस अध्यक्ष	डॉ. एनी बेसेन्ट (1917)
ज्ञानपीठ पुरस्कार पाने वाली प्रथम महिला	आशापूर्णा देवी (1976)
'भारत रत्न' से सम्मानित प्रथम महिला	श्रीमती इन्दिरा गाँधी (1971)
अशोक चक्र पाने वाली प्रथम महिला	नीरजा भनोट (1987)
ग्रैमी पुरस्कार जीतने वाली भारत की पहली महिला	तन्वी शाह (स्लमडॉग मिलियनेयर) 'जय हो' गाने के लिए
ऑस्कर पुरस्कार जीतनेवाली प्रथम महिला	भानु अथैय्या
इंग्लिश चैनल पार करने वाली प्रथम भारतीय महिला	आरती साहा
एवरेस्ट शिखर पर पहुँचने वाली प्रथम महिला	बछेंद्री पाल (1984)
एवरेस्ट पर लगातार दो बार चढ़ने वाली प्रथम महिला	संतोष यादव
'मिस वर्ल्ड' बनने वाली प्रथम महिला	कुमारी रीता फारिया (1966)
'मिस यूनीवर्स' बनने वाली प्रथम महिला	सुष्मिता सेन (1994)
प्रथम महिला मेयर	तारा चेरियन (चेन्नई)
प्रथम महिला स्नातक (प्रतिष्ठा)	कामिनी रॉय (1886)
प्रथम महिला स्नातक	कादम्बिनी गांगुली एवं चन्द्रमुखी बासु

प्रथम महिला सर्जन	डॉ. प्रेमा मुखर्जी
भारतीय रेल की प्रथम महिला ड्राइवर	सुरेखा शंकर यादव
वायुसेना में प्रथम महिला पायलट	हरिता कौर दयाल
प्रथम महिला लेफ्टिनेंट जनरल	पुनीता अरोडा
प्रथम महिला एयर वाइस मार्शल	पी. बंदोपाध्याय
प्रथम महिला चेरपरसर्न ऑफ इंडियन एयरलाइंस	सुषमा चावला
एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली प्रथम महिला	कमलजीत संधू
एशियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाली प्रथम महिला	विनेश फोगाट
डब्ल्यू.टी.ए. टेनिस टूर्नामेंट जीतने वाली प्रथम महिला	सानिया मिर्जा
ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाली प्रथम महिला	मैरी लीला राव
व्यक्तिगत ट्रैक मुकाबले में ओलंपिक फाइनल तक पहुँचने वाली प्रथम महिला	पी.टी. ऊषा
ओलंपिक में मुक्केबाजी (महिला) में कांस्य पदक जीतने वाली प्रथम महिला	मैरी कॉम (2012 लंदन ओलंपिक)
ओलंपिक महिला कुश्ती में कांस्य पदक जीतने वाली प्रथम महिला	साक्षी मलिक (2016 रियो ओलंपिक)
ओलंपिक की जिम्नास्टिक्स प्रतिस्पर्धा के लिए क्वालिफाई करने वाली प्रथम महिला	दीपा कर्माकर
ओलंपिक बैडमिंटन (महिला) में रजत पदक जीतने वाली व विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में महिला एकल का खिताब जीतने वाली प्रथम महिला	पी.वी. सिन्धु
ओलंपिक बैडमिंटन (महिला) में कांस्य पदक जीतने वाली प्रथम महिला	साइना नेहवाल
अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की सदस्य बनने वाली प्रथम भारतीय महिला	नीता अंबानी
सात प्रमुख सागर तैरकर पार करने वाली प्रथम महिला	बुला चौधरी
राज्यसभा की प्रथम महिला महासचिव	वी.एस. रमादेवी
राज्यसभा के लिए नामांकित होने वाली प्रथम महिला फिल्म अभिनेत्री	नरगिस दत्त
स्वतन्त्र भारत की पहली स्वास्थ्य मंत्री	राजकुमारी अमृत कौर (1947-1957)
माउंट मकालू पर सफलतापूर्वक चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला	प्रियंका मोहिते

भारत में प्रथम (पुरुष)

स्वतन्त्र भारत का प्रथम तथा अंतिम (भारतीय) गवर्नर जनरल	चक्रवर्ती राजगोपालाचारी
स्वतन्त्र भारत का प्रथम गवर्नर जनरल	माउंटबेटन
भारत का प्रथम गवर्नर जनरल	विलियम बैंटिक
भारत का अंतिम गवर्नर जनरल एवं प्रथम वायसराय	कैनिंग
भारत का अंतिम वायसराय	माउंटबेटन
भारत का प्रथम राष्ट्रपति	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
भारत का प्रथम मुस्लिम राष्ट्रपति	डॉ. जाकिर हुसैन
भारत का प्रथम उप-राष्ट्रपति	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
भारत का प्रथम प्रधानमंत्री	पं. जवाहरलाल नेहरू
भारत का प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री	सरदार वल्लभ भाई पटेल
भारत का प्रथम शिक्षा मंत्री	अबुल कलाम आजाद
भारत के केन्द्रीय मंत्रीमंडल से इस्तीफा देने वाला प्रथम मंत्री	श्यामा प्रसाद मुखर्जी (1950)
स्वतन्त्र भारत का प्रथम कमांडर-इन-चीफ	जनरल करिअप्पा
प्रथम फील्ड मार्शल	जनरल मानिक शाँ
भारत का प्रथम वायु सेनाध्यक्ष	एयर मार्शल एस. मुखर्जी
प्रथम चीफ ऑफ एयर स्टॉफ	एयर मार्शल सर थॉमस एमहर्स्ट
प्रथम चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ	जनरल एम. राजेन्द्र सिंह
भारत का प्रथम नौसेनाध्यक्ष	वाइस एडमिरल आर.डी. कटारी
भारत का प्रथम मुख्य न्यायाधीश	न्यायमूर्ति हीरालाल जे. कानिया
लोकसभा का प्रथम अध्यक्ष	गणेश वासुदेव मावलंकर
भारत का प्रथम चुनाव आयुक्त	सुकुमार सेन
स्वतन्त्र भारत में जन्मे (29 सितंबर, 1947) भारत के प्रथम न्यायाधीश	न्यायमूर्ति सरोश होमी कपाडिया
अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में प्रथम भारतीय न्यायाधीश (अध्यक्ष)	डॉ. नागेन्द्र सिंह
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष	व्योमेशचन्द्र बनर्जी (1885)
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष	बदरुद्दीन तैयबजी (1887)
राष्ट्रीय कांग्रेस के सम्मेलन में भारत की स्वतन्त्रता का प्रस्ताव पेश करने वाला प्रथम व्यक्ति	मौलाना हसरत मोहानी
नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाला प्रथम भारतीय	रवीन्द्रनाथ टैगोर (1913) गीतांजलि (साहित्य)

भारत के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक	सी.वी. रमण (भौतिकी) (UP Const. 2020)
रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड पाने वाला प्रथम भारतीय	आचार्य विनोबा भावे
स्टालिन पुरस्कार प्राप्त करने वाला प्रथम भारतीय	सैफुद्दीन किचलू
गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड जीतने वाले प्रथम भारतीय	ए.आर. रहमान (2009) (MTS 2018)
भारत रत्न पुरस्कार प्राप्त करने वाला प्रथम भारतीय	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
भारत रत्न से सम्मानित प्रथम विदेशी नागरिक	खान अब्दुल गफ्फार खान
ज्ञानपीठ सम्मानित प्रथम व्यक्ति	जी. शंकर कुरूप (1965) (SSC CPO-2019)
भारतीय रिजर्व बैंक के पहले भारतीय गवर्नर	सी.डी. देशमुख
प्रथम चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ	जनरल विपिन रावत

भारत में सर्वाधिक बड़ा, लंबा एवं ऊँचा

भारत का सर्वोच्च सैन्य सम्मान	परमवीर चक्र
भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान	भारत रत्न (1954)
सबसे लंबा सड़क पुल	भूपेन हजारीका सेतु (9.15 किमी.)
सबसे बड़ा लीवर पुल	हावड़ा ब्रिज (कोलकाता)
सबसे लंबा बाँध	हीराकुण्ड बाँध (ओडिशा)
सबसे ऊँचा बाँध	टिहरी बाँध (उत्तराखंड)
सबसे बड़ा रेगिस्तान	थार
सबसे ऊँची प्रतिमा	स्टैच्यू ऑफ यूनिटी 182 मी. (गुजरात)
सबसे ऊँची मीनार	कुतुबमीनार (दिल्ली)
सबसे ऊँचा दरवाजा	बुलंद दरवाजा (फतेहपुर सीकरी)
सबसे बड़ा गुम्बज	गोल गुम्बज (बीजापुर)
सबसे बड़ा गुरुद्वारा	स्वर्ण मन्दिर, अमृतसर
सबसे बड़ा गिरजाघर	सेंट केथेडरल (गोवा)
सबसे बड़ा अजायबघर	कोलकाता अजायबघर
सबसे बड़ा पशुओं का मेला	सोनपुर (बिहार)
सबसे लंबा रेल मार्ग	डिब्रूगढ़ से कन्याकुमारी
सबसे बड़ा प्राकृतिक बंदरगाह	मुंबई पोर्ट (महाराष्ट्र)

सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग	राष्ट्रीय राजमार्ग 44
(SSC CGL-2019)	
सबसे लंबी नदी	गंगा नदी (2,525 किमी.)
सबसे लंबी नहर	इन्दिरा गाँधी नहर (राजस्थान)
सर्वाधिक वर्षा का स्थान	मासिनराम (मेघालय)
सबसे अधिक ऊँचाई पर स्थित युद्ध स्थल	सियाचीन ग्लेशियर (लद्दाख)
सबसे लंबा रेलवे प्लेटफॉर्म	हुबली, कर्नाटक (1,507 मी.)
सबसे अधिक आबादी वाला शहर	मुंबई (महाराष्ट्र)
सर्वाधिक शहरी क्षेत्र वाला राज्य	महाराष्ट्र
सबसे लंबी तटरेखा वाला राज्य	गुजरात
मीठे पानी की सबसे बड़ी झील	वूलर झील (जम्मू-कश्मीर)
खारे पानी की सबसे बड़ी तटीय झील	चिल्का झील (ओडिशा)
सबसे बड़ी कृत्रिम झील	गोविन्द बल्लभ पंत सागर
भारत की सबसे लंबी सहायक नदी	यमुना नदी (1,376 किमी.)
दक्षिण भारत की सबसे लंबी नदी	गोदावरी (1,465 किमी.)
सबसे गहरी नदी घाटी	भागीरथी व अलकनंदा
सबसे लंबी तटरेखा वाला दक्षिण भारत का राज्य	आंध्र प्रदेश
सबसे लंबा समुद्र तट	मैरिना बीच (चेन्नई)
सबसे अधिक मार्ग बदलने वाली नदी	कोसी नदी
डेल्टा न बनाने वाली सबसे बड़ी नदी	नर्मदा व तापी
सबसे बड़ा नदी द्वीप	माजुली (ब्रह्मपुत्र नदी, असम)

विश्व में प्रथम

विश्व का पहला धर्म	सनातन धर्म
विश्व का प्रथम विश्वविद्यालय	तक्षशिला विश्वविद्यालय
एवरेस्ट शिखर पर पहुँचने वाला पहला व्यक्ति	शेरपा तेंजिंग नोर्गे (नेपाल) व एडमंड हिलेरी (न्यूजीलैंड)
अंतरिक्ष में पहुँचने वाले प्रथम व्यक्ति	मेजर यूरी गगारिन (रूस)
चन्द्रमा पर उतरने वाला प्रथम व्यक्ति	नील आर्मस्ट्रांग (USA)
अंतरिक्ष में तैरने वाला प्रथम व्यक्ति	एलेक्सी लेनोव (रूस)
अंतरिक्ष में भेजा जाने वाला प्रथम अंतरिक्ष शटल	एसटीएस-1 (कोलम्बिया)
अंतरिक्ष में जाने वाली प्रथम महिला	वैलेण्टिना तेरेश्कोवा (रूस)
कृत्रिम उपग्रह को अंतरिक्ष में प्रक्षेपण करने वाला प्रथम देश	रूस

एवरेस्ट पर चढ़ने वाली प्रथम महिला	जुंको तेबई (जापान)
सर्वाधिक उम्र में एवरेस्ट पर चढ़ने वाला प्रथम व्यक्ति	युईचिरो मिउरा
अंटार्कटिका महाद्वीप पर पहुँचने वाली प्रथम महिला	केरोलिन मिक्लसन
पुस्तक मुद्रित करने वाला पहला देश	चीन
कागजी मुद्रा जारी करने वाला पहला देश	चीन
इंग्लिश चैनल तैरकर पार करने वाली प्रथम महिला	गर्टरूड एडरले (USA)
संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रथम महिला सभापति	विजया लक्ष्मी पंडित
सिविल सेवा प्रतियोगिता शुरू करने वाला पहला देश	चीन
संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रथम राष्ट्रपति	जॉर्ज वॉशिंगटन
ब्रिटेन का प्रथम प्रधानमंत्री	रॉबर्ट वालपोल
विश्व में किसी देश की प्रथम महिला राष्ट्रपति	मारिया एस्टेला रजाबेल (अर्जेंटीना)
ब्रिटेन की पहली रानी	एन (Anne)
इंग्लैंड की प्रथम महिला प्रधानमंत्री	मार्ग्रेट थैचर
विश्व में किसी देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री	एस. भण्डारनायके (श्रीलंका)
चीन गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति	सन यात-सेन
किसी मुस्लिम देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री	बेनजीर भुट्टो (पाकिस्तान)
पाकिस्तान के प्रथम गवर्नर जनरल	मोहम्मद अली जिन्ना
संयुक्त राष्ट्रसंघ का प्रथम महासचिव	त्रिग्वेली (नार्वे)
शिक्षा को अनिवार्य करने वाला प्रथम देश	प्रशा (प्रशिया)
प्रथम फुटबॉल विश्व कप जीतने वाला देश	उरुग्वे
संविधान निर्माण करने वाला प्रथम देश	संयुक्त राज्य अमेरिका
गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के प्रथम सम्मेलन का आयोजन स्थल	बेलग्रेड
चीन पहुँचने वाला प्रथम यूरोपियन	मार्को पोलो
वायुयान से पहली उड़ान भरने वाला व्यक्ति	राईट बन्धु
विश्व के चारों ओर समुद्री यात्रा करने वाला प्रथम व्यक्ति	फार्डीनेंड मैगलन
चन्द्रमा पर मानव भेजने वाला प्रथम देश	संयुक्त राज्य अमेरिका
आधुनिक ओलंपिक खेलों का आयोजन करने वाला प्रथम देश	यूनान
प्रथम नगर जिस पर परमाणु बम गिरा	हिरोशिमा (जापान)
सर्वाधिक पशुओं वाला देश	भारत

भारत पर आक्रमण करने वाला प्रथम यूरोप वासी	सिकन्दर
पृथ्वी का मानचित्र बनाने वाला प्रथम व्यक्ति	एनेक्सिमैंडर

अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ

रेडक्लिफ रेखा	भारत और पाकिस्तान
ड्यूरण्ड रेखा	पाकिस्तान और अफगानिस्तान
मैकमोहन रेखा	भारत और चीन
मैगरीनॉट रेखा	जर्मनी और फ्रांस
हिण्डनबर्ग रेखा	जर्मन और पोलैंड
मैनरहीम रेखा	रूस और फिनलैंड
शून्य रेखा	त्रिपुरा और बांग्लादेश

(SSC CPO-2020)

17वीं अक्षांश रेखा	उत्तरी और दक्षिणी वियतनाम
20वीं अक्षांश रेखा	लीबिया और सूडान
22वीं अक्षांश रेखा	मिश्र और सूडान
24वीं अक्षांश रेखा	भारत (कच्छ) और पाकिस्तान

(SSC Steno-2017)

31वीं अक्षांश रेखा	ईराक और ईरान
38वीं समानान्तर रेखा	उत्तरी कोरिया और दक्षिणी कोरिया
49वीं समानान्तर रेखा	अमेरिका और कनाडा

(RRB NTPC-2020)

नोट

- भारत के साथ स्थलीय सीमा साझा करने वाले देश
- बांग्लादेश (4096 किमी.)
- चीन (3488 किमी.)
- पाकिस्तान (3323 किमी.)
- नेपाल (1751 किमी.)
- म्यांमार (1643 किमी.)
- अफगानिस्तान (106 किमी.)
- भूटान (699 किमी.)

विश्व के प्रमुख देश, राजधानी एवं मुद्रा

प्रमुख देश	राजधानी	मुद्रा
कनाडा	ओटावा	डॉलर
मैक्सिको	मैक्सिको सिटी	पीसो
संयुक्त राज्य अमेरिका (यू.एस.ए.)	वाशिंगटन डी.सी.	डॉलर

जर्मैका	किंगस्टन	डॉलर
ब्राजील	ब्रासीलिया	रिएल
अर्जेंटीना	ब्यूनस आयर्स	पीसो
त्रिनिदाद एंड टोबैगो	पोर्ट ऑफ स्पेन	डॉलर
भारत	नई दिल्ली	रुपया
चीन	बीजिंग	रेनमिन्बी (मूल इकाई- युआन)
मंगोलिया	उलानबटोर/उलानबाटार	तुगरिक/टग्रिक
पाकिस्तान	इस्लामाबाद	रुपया
नेपाल	काठमांडू	रुपया
श्रीलंका	श्री जयवर्द्धनपुरा कोटे (विधायी) एवं कोलंबो (कार्यकारी और न्यायिक)	रुपया
बांग्लादेश	ढाका	टका
भूटान	थिम्पू	नुलट्रम
म्यांमार	नेपीडॉ (नेप्यीताव)	क्यात
ईरान	तेहरान	रियाल
कुवैत	कुवैत सिटी	दिनार
अफगानिस्तान	काबुल	अफगानी
इराक	बगदाद	दिनार
इंडोनेशिया	जकार्ता (प्रस्तावित राजधानी-नुसंतारा)	रुपिया
इजराइल	जेरुसलम	न्यू शेकेल
मलेशिया	क्वालालंपुर	रिंग्गित
तुर्की	अंकारा	लीरा
मालदीव	माले	रुफिया
दक्षिण कोरिया	सिओल	वॉन
वियतनाम	हनोई	डांग
थाईलैंड	बैंकाक	बहत
संयुक्त अरब अमीरात	अबूधाबी	दिरहम
सऊदी अरब	रियाद	रियाल
ताइवान	ताइपे	डॉलर
कतर	दोहा	रियाल
ओमान	मस्कट	रियाल
जॉर्डन	अम्मान	दिनार
जापान	टोक्यो	येन
रूस	मॉस्को	रुबल
सीरिया	दमिश्क	पाउण्ड
सिंगापुर	सिंगापुर	डॉलर
नॉर्वे	ओस्लो	क्रोन
डेनमार्क	कोपेनहेगन	क्रोन
फ्रांस	पेरिस	यूरो
स्वीडन	स्टॉकहोम	क्रोना
इंग्लैंड	लंदन	पाउण्ड
यूक्रेन	कीव	रिव्निया

सर्बिया	बेलग्रेड	दिनार
किर्गिजस्तान	बिश्केक	सोम
बेल्जियम	ब्रुसेल्स	यूरो
लक्समबर्ग	लक्समबर्ग	यूरो
इटली	रोम	यूरो
ऑस्ट्रेलिया	केनबरा	डॉलर
न्यूजीलैंड	वेलिंगटन	डॉलर
नाइजीरिया	अबुजा	नैरा/नाइरा
मॉरीशस	पोर्ट लुईस	रुपया
मोरक्को	रबात	दिरहम
टोगो	लोमे	फ्रैंक
मिस्र	काहिरा	पाउण्ड
सेशेल्स	विकटोरिया	रुपया
जिम्बाब्वे	हरारे	डॉलर
केन्या	नैरोबी	शिलिंग
नीदरलैंड्स	एम्स्टर्डम	यूरो
फिनलैंड	हेलसिंकी	यूरो
आयरलैंड	डबलिन	यूरो
जर्मनी	बर्लिन	यूरो
पुर्तगाल	लिस्बन	यूरो

महान कार्यों से सम्बन्धित व्यक्ति

रेड क्रॉस की स्थापना	हेनरी डयूनेन्ट
संस्कृत व्याकरण के जनक	पाणिनि
शान्ति निकेतन की स्थापना	रवीन्द्रनाथ ठाकुर
पवनार आश्रम की स्थापना	विनोबा भावे (1940 महाराष्ट्र)
खालसा पंथ के संस्थापक	गुरू गोविन्द सिंह (1699)
निर्मल हृदय के संस्थापक	मदर टेरेसा
आनन्द वन के संस्थापक	बाबा आम्टे (1951)
लीग ऑफ नेशन्स के संस्थापक	वुडरो विल्सन
ओरविले आश्रम (पुदुचेरी)	अरविन्द घोष
विश्व भारती की स्थापना	रवीन्द्रनाथ ठाकुर
(SSC MTS-2023)	
भूदान आन्दोलन का प्रवर्तक	विनोबा भावे
रेड गार्ड्स की स्थापना	गैरी वाल्डी
स्काउटिंग की स्थापना	बेडनपावेल
समाजवाद के प्रवर्तक	आचार्य नरेन्द्र देव
स्वर्ण मन्दिर का निर्माण	गुरू अर्जुन देव (1588)
(SSC CGL-2019)	

मानचित्र की रेखायें

- ❑ **समलवण रेखायें (Isohaline):** ये रेखायें मानचित्र पर समान लवणता वाले स्थानों को दर्शाती हैं। (CDS-2022)
- ❑ **समदाब रेखायें (Isobars):** ये मानचित्र पर समान वायुदाब वाले क्षेत्र को दर्शाती हैं। (DSSB TGT-2021)

- ❑ **समगहरी रेखायें (Isobaths):** ये समान गहराई के समुन्द्र स्थलों को जोड़ने वाली रेखायें हैं।
- ❑ **समताप रेखा (Isotherm):** मानचित्र पर समान तापमान वाले स्थानों को मिलाने वाली रेखायें हैं।
- ❑ **समवर्षा रेखा (Isohyetes):** समान वर्षा वाले स्थानों को जोड़ने वाली रेखाओं को समवर्षा दर्शक रेखा कहते हैं। (SSC CHSL-2018)
- ❑ **समोच्च्य रेखायें (Isohypes lines):** समान ऊँचाई वाले बिन्दुओं को मिलाने वाली रेखाएं समोच्च्य रेखाएं कहलाती हैं।
- ❑ **सममान रेखा (Isopleth line):** यह रेखा निश्चित तत्व के मान वाली रेखा को मिलाती है।

रेडियो, दूरदर्शन एवं फिल्म

- ❑ आकाशवाणी ने अपने मूल नाम "इण्डियन ब्रॉड-कास्टिंग कम्पनी" से काम करना वर्ष 1927 में प्रारम्भ किया था।
- ❑ भारत में रेडियो प्रसारण का इतिहास वर्ष 1927 में बम्बई और कलकत्ता में दो गैर सरकारी ट्रांसमीटरों की स्थापना से शुरू हुआ।
- ❑ 1936 में इसका नाम बदलकर ऑल इण्डिया रेडियो कर दिया गया। 1957 में इसे आकाशवाणी कहा जाने लगा जो वर्तमान में इसका नाम है।
- ❑ भारत का प्रथम दूरदर्शन केन्द्र 15 सितम्बर, 1959 को नई दिल्ली में स्थापित किया गया था।
- ❑ 1912 ई० में राजा हरिश्चन्द्र नामक मूक फिल्म बनाई गयी थी। 1931 में आलम आरा नामक फिल्म बनायी गयी। यह प्रथम भारतीय बोलती फिल्म थी। इसके निर्माता/निर्देशक अन्देशिर ईरानी थे।
- ❑ भारत में सबसे पहले निर्मित रंगीन चलचित्र "मुगल-ए-आजम" है।
- ❑ फिल्म गाँधी में महात्मा गाँधी की भूमिका बेन किंग्सले ने निभाई थी।

भारत के सांस्कृतिक संस्थान व स्थापना वर्ष

एशियाटिक सोसाइटी	1784 (विलियम जोन्स)
(NTPC-2022)	
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण	1861
भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार	1891
(SSC MTS-2020)	
केन्द्रीय सचिवालय, पुस्तकालय	1891
भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण	1945
राष्ट्रीय पुस्तकालय (कोलकाता)	1948
संगीत नाटक अकादमी	1953
(SSC CHSL-2021)	
ललित कला अकादमी	1954
(SSC CHSL-2021)	
साहित्य अकादमी	1954
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र	1987
राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय	1959

भारत की प्रतिरक्षा

- ❑ भारत की रक्षा के लिए सेना का गठन किया जाता है, जिसका सर्वोच्च सेनापति राष्ट्रपति होता है। किन्तु रक्षा सम्बन्धी सारा कार्य केन्द्रीय मंत्रिमण्डल द्वारा किया जाता है।

□ भारतीय शस्त्र सेनाओं को तीन भागों में बाटा गया है। रक्षामंत्री शस्त्र सेनाओं के प्रशासन का कार्य करता है।

✦ थल सेना:- इसका प्रधान "चीफ ऑफ द आर्मी स्टाफ" होता है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

✦ इसे 7 कमाण्ड में बाटा गया है जिसका विवरण निम्न प्रकार है:-

कमाण्ड	मुख्यालय
पश्चिमी कमाण्ड	चण्डीमंदिर
उत्तरी कमाण्ड	उद्यमपुर
मध्य कमाण्ड	लखनऊ
पूर्वी कमाण्ड	कोलकाता
दक्षिणी कमाण्ड	पुणे
द0-प0 कमाण्ड	जयपुर
ट्रेनिंग कमाण्ड	शिमला

✦ जल सेना (Navy):- इसका प्रधान एडमिरल रैंक का "चीफ ऑफ द नेवल स्टाफ" होता है। इसका मुख्यालय दिल्ली में है। समस्त जल सेना को तीन कमाण्ड में बाँटा गया है। प्रत्येक कमाण्ड का अधिकारी वाइस एडमिरल होता है।

कमाण्ड	मुख्यालय
पूर्वी कमाण्ड	विशाखापत्तनम
पश्चिमी कमाण्ड	मुम्बई
दक्षिणी कमाण्ड	कोच्चि

✦ वायु सेना:- इसका प्रधान "एयर चीफ मार्शल रैंक का होता है जिसे "चीफ ऑफ द एयर स्टाफ" कहा जाता है इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। वायुसेना को 7 कमाण्ड में बाँटा गया है, जिसका विवरण निम्न प्रकार है-

कमाण्ड	मुख्यालय
पूर्वी कमाण्ड	शिलांग
केन्द्रीय कमाण्ड	इलाहाबाद
द.-प. कमाण्ड	गांधीनगर
पश्चिमी कमाण्ड	नई दिल्ली
दक्षिणी कमाण्ड	तिरुवनंतपुरम
ट्रेनिंग कमाण्ड	बंगलुरु
मेन्टेनेन्स कमाण्ड	नागपुर

ऑफिसरों की पद श्रेणियाँ

थल सेना	वायु सेना	जल सेना
जनरल	एयर चीफ मार्शल	एडमिरल
लेफ्टिनेंट जनरल	एयर मार्शल	वाइस एडमिरल
मेजर जनरल	एयर वाइस मार्शल	रियर एडमिरल
ब्रिगेडीयर	एयर कमांडोर	कमांडोर
कर्नल	ग्रुप केप्टन	केप्टन
लेफ्टिनेंट कर्नल	विंग कमांडर	कमांडर
मेजर	स्कवाड्रन लीडर	लेफ्टिनेंट कमांडर
केप्टन	फ्लाइट लेफ्टिनेंट	लेफ्टिनेंट
लेफ्टिनेंट	फ्लाइट ऑफिसर	सब लेफ्टिनेंट

भारत के सैनिक प्रशिक्षण संस्थान

□ थल सेना:-

नेशनल डिफेंस एकेडमी (NDA)	- खडगवासला (महाराष्ट्र)
इण्डियन मिलिट्री एकेडमी (IMA)	- देहरादून
नेशनल डिफेंस कॉलेज	- नई दिल्ली
डिफेंस सर्विस स्टाफ कॉलेज	- वेलिंग्टन

□ वायु सेना:-

एयरफोर्स एकेडमी	- हैदराबाद
एयरफोर्स टेक्निकल कॉलेज	- जलाहली (बंगलुरु)
एयरफोर्स एडमिनिस्ट्रेटिव कॉलेज	- कोयम्बटूर

✦ नौ सेना:-

इण्डियन नेवल एकेडमी	- एझिमाला
आई.एस. एस. चिल्का	- भुवनेश्वर
आई.एन. एस शिवाजी	- लोनावाला

भारत की आन्तरिक सुरक्षा व्यवस्था

संगठन	स्थापना	मुख्यालय
नेशनल केडेट कोर (NCC)	1948 ई०	नई दिल्ली
असम राइफलस (AR)	1835 ई०	शिलांग (मेघालय)
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF)	1939 ई०	नई दिल्ली
होम गार्ड्स (HG)	1946 ई०	विभिन्न राज्यों में
प्रादेशिक सेना (TA)	1949 ई०	विभिन्न राज्यों में
भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)	1962 ई०	नई दिल्ली
सीमा सुरक्षा बल (BSF)	1965 ई०	नई दिल्ली
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF)	1969 ई०	नई दिल्ली
राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG)	1986 ई०	नई दिल्ली
त्वरित कार्य बल (RAF)	1992 ई०	
तटरक्षा बल	1978 ई०	नई दिल्ली
सशस्त्र सीमा बल (SSB)	1963 ई० (2003)	नई दिल्ली

खेल

प्रमुख खेलों में खिलाड़ियों की संख्या

स्नूकर	1	कबड्डी	7
टेनिस/टेबल टेनिस	1 या 2	हैंडबॉल, नेटबॉल	7
बैडमिंटन	1 या 2	बेसबॉल (SSC CPO-2024)	9
पोलो	4	खो-खो	9
फुटसल	5	हॉकी	11
बास्केटबॉल	5	क्रिकेट	11
आइस हॉकी	6	फुटबॉल	11
वालीबॉल	6	रग्बी फुटबॉल (लीग)	13

वाटर पोलो	7	रग्बी फुटबॉल (यूनियन)	15
(SSC CGL-2017)			
महत्त्वपूर्ण बिन्दु			
☐ टेनिस रैकेट की अधिकतम लंबाई 29 इंच होती है।			
(SSC GD-2022)			
☐ स्नूकर में गेंदों की संख्या 22 होती है।			

विभिन्न खेलों के खेल परिसर

परिसर	सम्बन्धित खेल
कोर्ट	टेनिस, बैडमिंटन, नेटबॉल, हैंडबॉल, वॉलीबॉल, स्क्वैश, खो-खो, कबड्डी, बास्केटबॉल
डायमंड	बेसबॉल
रिंग	स्केटिंग, मुक्केबाजी
कोर्स	गोल्फ
पूल	तैराकी
रेंज	निशानेबाजी, तीरंदाजी
मैट	जूडो, कराटे, ताइक्वांडो
एरीना	घुड़सवारी
वेलोड्रम	साइक्लिंग
फील्ड	पोलो, फुटबॉल, हॉकी
बोर्ड	टेबल टेनिस
ट्रैक	एथलेटिक्स
पिच	क्रिकेट, रग्बी
ग्रीन्स	बाउल्स
रिंक	आइस हॉकी

प्रमुख देशों के राष्ट्रीय खेल

देश	खेल
संयुक्त राज्य अमेरिका	बेसबॉल
भारत	मैदानी हॉकी
फ्रांस	फुटबॉल
भूटान	तीरंदाजी
रूस	बैंडी (रूसी हॉकी)/शतरंज
जापान	सूमो कुश्ती
पाकिस्तान	मैदानी हॉकी
बांग्लादेश	कबड्डी
हंगरी	वाटर पोलो
इन्डोनेशिया	बैडमिंटन
दक्षिण अफ्रीका	रग्बी यूनियन
ईरान	कुश्ती
क्यूबा	बेसबॉल (वास्तविक)
दक्षिण कोरिया	ताइक्वांडो

नार्वे	क्रॉस कंट्री स्काईंग
स्पेन	मानव-सांड युद्ध
कनाडा	आइस हॉकी
चीन	टेबल टेनिस (पिंग-पोंग)
स्कॉटलैण्ड	गोल्फ
इंग्लैंड	क्रिकेट
ऑस्ट्रेलिया	क्रिकेट
मलेशिया	बैडमिंटन
श्रीलंका	वॉलीबॉल
नेपाल	वॉलीबॉल
उरुग्वे	फुटबॉल
स्वीडन	बैंडी
न्यूजीलैंड	रग्बी संघ
मैक्सिको	चारैरिया
कोलंबिया	तेजो
आइसलैंड	हैंडबॉल
इजराइल	फुटबॉल
मार्शस	फुटबॉल
अर्जेंटीना	पातो
अफगानिस्तान	बुजकशी
कोलंबिया	तेजा
म्यांमार	चिनलोन

खिलाड़ियों के उपनाम (Nick Names of Players)

उपनाम	खिलाड़ी
हॉकी का जादूगर	मेजर ध्यानचंद
फ्लाइंग फिश	मार्कल फेलप्स
फ्लाइंग सिख	मिल्खा सिंह
उड़नपरी/गोल्डन गर्ल	पी.टी. ऊषा
सुपर मॉम	मैरीकॉम
किंग ऑफ कले	राफेल नडाल
लाइटनिंग किड	विश्वनाथ आनंद
इंडियन एक्सप्रेस	लिनडर पेस, महेश भूपति
लिटिल मास्टर	सुनील गावस्कर
मास्टर ब्लास्टर	सचिन तेंदुलकर
360 डिग्री	ए.बी. डिविलियर्स
चर्ची (गिली)	एडम गिलक्रिस्ट
जम्बो	अनिल कुंबले
सुपर कैट	क्लाइव लॉयड
रावलपिण्डी एक्सप्रेस	शोएब अख्तर
बंगाल टाईगर/दादा	सौरव गांगुली
जेमी/द वॉल/मिस्टर रिलायबल	राहुल द्रविड

टर्बनेटर/भज्जी	हरभजन सिंह
थोरपीडो	इयान थोर्प
ब्लैक पर्ल	पेले
कैप्टन कूल	महेन्द्र सिंह धोनी
चिली	राज्यवर्द्धन सिंह राठौर
सी आर 7	क्रिस्टियानो रोनाल्डो
ढींग एक्सप्रेस	हिमा दास
रन मशीन/चीकू	विराट कोहली
डासिंग अम्पायर	बिली बोडेन
हरियाणा हरिकेन	कपिल देव
डेनिस द मोनोस	आद्रे अगासी
द सिक्किमी संस्नाइपर	बाइचुंग भूटिया
द आयरन लेडी	कर्णम मल्लेश्वरी
फिलकर सिंह	संदीप सिंह
हितमैन	रोहित शर्मा
मुल्तान का सुल्तान	वीरेन्द्र सहवाग
गब्बर	शिखर धवन
कैन्ट स्विस् मिस	मार्टिना हिंगिस

गोल्फ	राइडर कप, वॉकर कप, डनहिल कप, सोल्हेम कप, नोमुरा कप
टेनिस	डेविस कप (SSC CHSL-2022), विंबलडन, फ्रेंच ओपन, यू.एस ओपन, ऑस्ट्रेलियन ओपन, हॉपमैन कप, वोल्वो टेनिस कप, ग्रैंड स्लैम, इटैलियन ओपन।

प्रमुख खेल व उससे सम्बन्धित खिलाड़ियों के नाम (विदेशी)

खिलाड़ी	खेल
क्रिस्टियानो रोनाल्डो	फुटबॉल (पुर्तगाल) (RRB NTPC-2016)
लियोनेल मैसी	फुटबॉल (अर्जेन्टीना)
बाइचुंग भूटिया	फुटबॉल (भारत)
नेमार	फुटबॉल (ब्राजील)
डिएगो माराडोना	फुटबॉल (अर्जेन्टीना)
डेविड बैकहम	फुटबॉल (इंग्लैंड)
जिनेडिन जिदान	फुटबॉल (फ्रांस)
पेले	फुटबॉल (ब्राजील)
काका	फुटबॉल (ब्राजील)
एलेक्सिसा पुटेलास	फुटबॉल (स्पेन)
जोहान क्रूफ	फुटबॉल (नीदरलैंड)
रोजर फेडरर	टेनिस (स्विट्जरलैण्ड)
एण्डी मरे	टेनिस (ब्रिटेन)
आन्द्रे अगासी	टेनिस (U.S.A)
स्टेफी ग्राफ	टेनिस (जर्मनी)
राफेल नडाल	टेनिस (स्पेन) (SSC CHSL-2019)
नोवाक जाकोविच	टेनिस (सर्बिया)
सेरेना विलियम्स	टेनिस (U.S.A)
मारिया शारापोवा	टेनिस (रूस)
एश्ले बार्टी	टेनिस (ऑस्ट्रेलिया)
उसैन बोल्ट	एथलेटिक्स
कार्स्टन वारहोम	एथलिटस (नार्वे)
इलैन थॉमसन हेराह	एथलिटस (जमैका)
मैग्नस कार्लसन	शतरंज
माइकल फेल्ट्स	तैराकी (SSC GD-2021)
फैबियानो कारूआना	शतरंज
डिंग लिरेन	शतरंज
माइकल शुमाकर	कार रेसिंग
किमी राइकोनेन	कार रेसिंग (फिनलैण्ड)
लुइस हेमिल्टन	कार रेसिंग (ब्रिटेन)

प्रमुख भारतीय खिलाड़ी और सम्बन्धित खेल

खिलाड़ी	खेल
किदांबी श्रीकांत	बैडमिंटन (SSC CGL-2022)

विभिन्न खेल व उनसे सम्बन्धित कप

खेल	कप एवं ट्राफी
फुटबॉल	बेगम हजरत महल कप, कोलम्बो कप, डूरंड कप, रोवर्स कप (SSC CHSL-2022, DP Const. 2020), बी. सी. राय ट्रॉफी (राष्ट्रीय प्रतियोगिता), फीफा वर्ल्ड कप, संतोष ट्रॉफी (राष्ट्रीय प्रतियोगिता), सुब्रतो मुखर्जी कप, सर आशुतोष मुखर्जी ट्रॉफी, इंटरकॉन्टिनेंटल कप, मर्डेका कप, इंडियन सुपर लीग (SSC MTS-2021)
बैडमिंटन	बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप, चड्ढा कप, अमृत दीवान कप, नारंग कप, थॉमस कप (SSC CGL-2023, SSC CHSL-2024), टुंकु अब्दुल रहमान कप, उबेर कप, योनेक्स कप।
क्रिकेट	रणजी ट्रॉफी, ईरानी ट्रॉफी, दिलीप ट्रॉफी (SSC CPO-2022), सी.के. नायडू ट्रॉफी, देवधर ट्रॉफी, रोहिन्टन बारिया ट्रॉफी, सैयद मुस्ताक अली ट्रॉफी, शारजाह कप, एशोज कप, एशिया कप, बेंसन एण्ड हेजेस कप, चैम्पियंस ट्रॉफी, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी, जी.डी. बिड़ला ट्रॉफी, रानी झांसी ट्रॉफी, सहारा कप, विजय हजारे ट्रॉफी
हॉकी	बेटन कप, रंगास्वामी कप, बेगम रसूल ट्रॉफी (महिला), महाराजा रंजीत सिंह गोल्ड कप लेडी रतन टाटा ट्रॉफी (महिला), सुल्तान अजलान शाह कप, ध्यानचंद ट्रॉफी, सिंधिया गोल्ड कप, मुरूगप्पा गोल्ड कप, इन्दिरा गाँधी गोल्ड कप
पोलो	राधा मोहन कप

अपर्णा पोपट	बैडमिंटन
लक्ष्य सेन	बैडमिंटन
(SSC GD-2023, CGL-2021)	
लक्खा सिंह	मुक्केबाजी
निकहत जरीन	मुक्केबाजी
तजिंदरपाल सिंह तूर	गोला फेंक
अमन सहरावत	कुश्ती
स्वप्ना बर्मन	हेप्टाथलॉन
सिद्धार्थ सुचढ़े	स्ववैश
अनाका अलंकामोनी	स्ववैश
जेनेट विधि	स्ववैश
दीपिका पल्लीकल	स्ववैश
अनाहत सिंह	स्ववैश
सौरव घोषाल	स्ववैश
दुती चंद	धावक
पी.टी. ऊषा	धावक
(SSC CPO-2020)	
किरण पहल	धावक
ज्योती याराजी	बाधा दौड़
दीपिका कुमारी	तीरंदाज
मनप्रीत सिंह	हॉकी
पी.आर. श्रीजेश	हॉकी
रानी रामपाल	हॉकी
संजय कुमार	हॉकी
नवजोत कौर	हॉकी
बलराज पंवार	नौकायन
अंकिता दास	टेबल टेनिस
अचंत शरत कमल	टेबल टेनिस
मौमा दास	टेबल टेनिस
पोलोमी घटक	टेबल टेनिस
सानिया मिर्जा	लॉन टेनिस
(CRPF Head Const. 2023)	
सुमित नागल	लॉन टेनिस
अंकिता रैना	लॉन टेनिस
श्रेयसी सिंह	निशानेबाजी
सरबजोत सिंह	निशानेबाजी
धर्मेन्द्र तिवारी	तीरंदाजी
संदीप कुमार	तीरंदाजी
भजन कौर	तीरंदाजी
राज्यवर्धन सिंह राठौर	निशानेबाजी
मिताली राज	महिला क्रिकेटर

भाविना बेन पटेल	पैरा-टेबल टेनिस
भवानी देवी	तलवारबाजी
साजन प्रकाश	तैराकी
भक्ति शर्मा	तैराकी
सीमा पुनिया	डिस्कस थ्रोअर
अवनि लेखरा	पैरालंपिक शूटिंग
सुमित अंतिल	पैरालंपिक जेवलिन थ्रो
मनीष नरवाल	पैरालंपिक शूटिंग
प्रमोद भगत	पैरालंपिक, बैडमिंटन
कृष्णा नागर	पैरालंपिक, बैडमिंटन
सिंहराज अधाना	पैरालंपिक शूटिंग
पुरुषोत्तम राय	एथलेटिक्स
अदिति अशोक	गोल्फ
गौरव घई	गोल्फ
अनिर्बान लाहिड़ी	गोल्फ
अर्जुन अटवाल	गोल्फ
करूण चंडोक	कार रेसिंग
अंजुम चोपड़ा	क्रिकेट
जसप्रीत बुमराह	क्रिकेट
कुलदीप यादव	क्रिकेट
पूजा वस्त्राकर	क्रिकेट
पवन सहरावत	कबड्डी
मनिंदर सिंह	कबड्डी
नवीन कुमार	कबड्डी
गौरव बिधुड़ी	मुक्केबाजी
लवलीना बोरगोहेन	मुक्केबाजी
(SSC MTS-2023)	
शिव थापा	मुक्केबाजी
अमित पंघाल	मुक्केबाजी
विकास कृष्ण यादव	मुक्केबाजी
मीना कुमारी	मुक्केबाजी
पूनम यादव	क्रिकेट
हरमनप्रीत कौर	क्रिकेट
रविन्द्र जड़ेजा	क्रिकेट
शोफाली वर्मा	क्रिकेट
अजय ठाकुर	कबड्डी
राहुल चौधरी	कबड्डी
जसवीर सिंह	कबड्डी
प्रदीप नरवाल	कबड्डी
राजेश नरवाल	कबड्डी
अनूप कुमार	कबड्डी

फवाद मिर्जा	घुड़सवारी
दीपा कर्माकर	जिम्नास्टिक
नीरज चोपड़ा	जैवलिन थ्रो (SSC CGL-2023)
देवेन्द्र झाझरिया	जैवलिन थ्रो
टाईगर बुड्स	गोल्फ (U.S.A)
जीव मिल्खा सिंह	गोल्फ
तजिंदरपाल सिंह तूर	गोला फेंक
गीत सेठी	बिलियर्ड्स
पंकज आडवानी	बिलियर्ड्स (स्नूकर)
मीराबाई चानू	भारोत्तोलन
जेरेमी लालरिनुंगा	भारोत्तोलन (भारत)
पूनम यादव	भारोत्तोलन
कर्णम मल्लेश्वरी	भारोत्तोलन (SSC CHSL-2020)
भाविना पटेल	पैरा-टेबल टेनिस
योगेश कथूरिया	चक्का फेंक
अभिनव बिन्द्रा	निशानेबाजी
सौरभ चौधरी	निशानेबाजी
मनु भाकर	निशानेबाजी
गगन नारंग	निशानेबाजी
हिना सिद्धू	निशानेबाजी
मरियप्पन थंगावेलू	ऊँची कूद
प्रवीण कुमार	ऊँची कूद
शरद कुमार	ऊँची कूद
निषाद कुमार	ऊँची कूद
अंजू बाबी जार्ज	लम्बी कूद
हरविंदर सिंह	तीरंदाजी

इमरान खान	पाकिस्तान : ए पर्सनल हिस्ट्री
बलवीर सिंह	गोल्डन हैट्रिक, गोल्डन यार्डस्टिक
पी.टी. ऊषा	गोल्डन गर्ल
मेजर ध्यानचंद	गोल
विश्वनाथन आनंद	माई बेस्ट गेम ऑफ चेस
मैरीकॉम	अनब्रेकेबल: एन ऑटोबायोग्राफी (SSC CHSL-2021)
सायना नेहवाल	प्लेइंग टू विन
मिल्खा सिंह	द रेस ऑफ माई लाइफ (SSC MTS-2022)
टाइगर बुड्स	हाऊ आई प्ले गोल्फ
डेविड बेकहम	माई साइड (SSC CHSL-2021)
शाहीद अफरीदी	गेम चेंजर

ओलंपिक खेल (ग्रीष्मकालीन)

- प्राचीन ओलंपिक खेल युनान के ओलंपिया शहर में 776 ई.पू. में खेले गये। पहली बार यह खेल ग्रीक देवता ज्यूस के सम्मान में खेले गये। उसके बाद रोम के राजा थियोडोसियस के आदेश के कारण इन खेलों का आयोजन बन्द कर दिया गया।
- आधुनिक ओलंपिक खेल प्रतियोगिता का प्रारम्भ वर्ष 1896 ई० में फ्रांस के पियरे डि कोबार्टिन के प्रयासों से यूनान के एथेंस शहर में हुआ। इसका आयोजन प्रत्येक 4 वर्ष के अन्तराल पर होता है।
- अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की स्थापना वर्ष 1894 ई० में हुई थी। इसका मुख्यालय लुसाने (स्विट्जरलैण्ड) में है। इसमें एक डायरेक्टर जनरल, एक अध्यक्ष, 4 उपाध्यक्ष व 10 अन्य सदस्य होते हैं।
- ओलंपिक मशाल जलाने की शुरुआत वर्ष 1928 से एम्स्टर्डम ओलंपिक से हुई।
- ओलंपिक खेलों में शपथ ग्रहण करने की शुरुआत एण्टवर्प ओलंपिक खेल से वर्ष 1920 में प्रारम्भ हुई।
- ओलंपिक खेलों में शुभंकर की शुरुआत वर्ष 1968 के मैक्सिको सिटी ओलंपिक से प्रारम्भ हुई।
- ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में मार्च पास्ट में यूनान की टीम सबसे पहले व मेजबान देश की टीम सबसे पीछे होती है, बाकी टीम बीच में होती है।
- ओलंपिक दिवस मनाने की शुरुआत वर्ष 1948 से हुई। यह 23 जून को मनाया जाता है।

टोक्यो ओलंपिक 2020 में शामिल किए नए खेल

टोक्यो ओलंपिक 2020 में नए खेल शामिल किए गए हैं। जो कि निम्नलिखित हैं-

1. स्केटबोर्डिंग
2. बेसबॉल/सॉफ्टबॉल
3. स्पोर्ट क्लाइंबिंग
4. कराटे
5. सर्किंग

प्रमुख खिलाड़ी एवं उनकी पुस्तकें

खिलाड़ी	पुस्तक
सानिया मिर्जा	एस अगेंस्ट ओड्स
युवराज सिंह	द टेस्ट ऑफ माई लाइफ (RRB NTPC-2021)
सौरभ गांगुली	ए सेंचुरी इज नॉट ऐनफ
सचिन तेंदुलकर	प्लेइंग इट माई वे (SSC CPO-2022)
विराट कोहली	ड्रिवन
कपिल देव	स्ट्रेट फ्रॉम द हार्ट, क्रिकेट माई स्टाइल, बाइ गॉड्स डिक्री
सुनील गावस्कर	आइडल्स, सनी डेज (SSC MTS-2020)
एलन डोनाल्ड	व्हाइट लाइटनिंग
हशेल गिब्स	टू द प्वॉइण्ट (जीवनी)
एडम गिलक्रिस्ट	टू कलर्स (ऑटोबायोग्राफी)
शोएब अख्तर	कण्ट्रोवर्शियली यॉर्स (जीवनी)

ओलंपिक ध्वज

ध्वज का सर्वप्रथम प्रयोग वर्ष 1920 के एण्टवर्प ओलंपिक खेलों में किया गया। ध्वज के मध्य में पाँच चक्र एक-दूसरे से मिले हुए दर्शाये गये हैं, जो विश्व के 5 महाद्वीपों को दर्शाता है। ओलंपिक रिंग सर्वप्रथम वर्ष 1913 में सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत किए गए।

नीला चक्र - यूरोप

हरा चक्र - ऑस्ट्रेलिया

पीला चक्र - एशिया

लाल चक्र - उत्तरी व दक्षिण अमेरिका

काला चक्र - अफ्रीका

अतः ओलंपिक ध्वज में कुल 6 रंग हैं। इसको फ्रांस के कोबर्टिन ने डिजाइन किया था।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की पहली भारतीय महिला सदस्य नीता अम्बानी हैं।

वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति का अध्यक्ष **थॉमस बाख (जर्मनी)** है।

एक ही ओलंपिक में सर्वाधिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी U.S.A के **माइकल फेल्ल्स** है। 'गोल्डन सर्क' के नाम से विख्यात फेल्ल्स ने वर्ष 2008 के बीजिंग ओलंपिक में 8 स्वर्ण पदक जीते थे। अब तक वो 23 स्वर्ण, 3 रजत व 2 कांस्य सहित कुल 28 पदक जीत चुके हैं।

ओलंपिक खेलों में सर्वाधिक स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला **लरीसा लातानोना** है।

भारतीय ओलंपिक परिषद की स्थापना अस्थायी रूप से वर्ष 1924 में हुई, जिसे वर्ष 1927 में स्थायी रूप से स्थापित किया गया था और सर दोराबजी टाटा इसके प्रथम अध्यक्ष थे। वर्तमान अध्यक्ष पी.टी. उषा हैं।

भारत की ओर से ओलंपिक में भाग लेने वाला प्रथम खिलाड़ी एक एंग्लो-इंडियन नॉर्मन प्रिचर्ड था जिसने (1900 ई॰) के ओलंपिक में भाग लिया।

भारतीय हॉकी टीम ने 8 बार ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता है।

(SSC CPO-2022)

ओलंपिक खेलों में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रथम भारतीय **अभिनव बिन्दा** (10 मी. एयर राइफल, बीजिंग ओलंपिक 2008) हैं।

ओलंपिक में भाग लेने वाली प्रथम भारतीय महिला खिलाड़ी मैरी लीला राव हैं। (वर्ष 1956, 100 मी. दौड़)

प्रथम भारतीय महिला **कर्णम मल्लेश्वरी (SSC CHSL-2020)**, जिसने सिडनी ओलंपिक 2000 में भारत को कांस्य पदक दिलाया था और रियो ओलंपिक 2016 में प्रथम भारतीय महिला जिन्होंने रजत पदक जीता **पी. वी. सिन्धु** हैं।

टोक्यो ओलंपिक 2021 के उद्घाटन समारोह में भारत के ध्वजवाहक : मैरीकॉम (मुक्केबाज) एवं मनप्रीत सिंह (पुरुष हॉकी टीम के कप्तान), समापन समारोह में भारत के ध्वजवाहक : बजरंग पुनिया (पहलवान) थे।

टोक्यो ओलंपिक-2021 में पहला स्थान अमेरिका तथा भारत का स्थान 48वाँ (1 स्वर्ण, 2 रजत, 4 कांस्य पदक के साथ) था।

32वें ओलंपिक खेलों का आयोजन 2021 में टोक्यो (जापान) में किया गया।

33वें ओलंपिक खेलों का आयोजन 2024 में पेरिस (फ्रांस) में हुआ।

34वें ओलंपिक खेल का आयोजन 2028 में लॉस एंजिल्स (USA) में निर्धारित है।

35वें ओलंपिक खेलों का आयोजन वर्ष 2032 में ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया) में निर्धारित है।

शीतकालीन ओलंपिक

ये ओलंपिक खेल भी चार वर्षों के अंतराल पर आयोजित होते हैं। शीतकालीन ओलंपिक खेलों की शुरुआत वर्ष 1924 में हुई थी। पहला शीतकालीन ओलंपिक खेल, चामोनिक्स (फ्रांस) में खेला गया था। शीतकालीन ओलंपिक खेल-2022 में बीजिंग (चीन) में आयोजित हुए थे। भारत इनमें वर्ष 1964 से शामिल हुआ।

पैरा ओलंपिक

पैरा ओलंपिक खेल दिव्यांगों की एक अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता है। वर्ष 1960 में पहली बार रोम में पैराओलंपिक गेम्स आयोजित किए गए थे। पैरा ओलंपिक खेलों में भारत वर्ष 1968 में शामिल हुआ था।

देवेन्द्र झाझरिया ने पैरा-ओलंपिक में कुल 3 पदक (2004 - स्वर्ण पदक, 2016 - स्वर्ण तथा 2020 - रजत) जैवलिन श्रो में जीते हैं।

मरियप्पन थंगावेलु ने पैरा ओलंपिक में कुल 3 पदक (वर्ष 2016 में स्वर्ण पदक, वर्ष 2020 में रजत पदक और वर्ष 2024 में कांस्य पदक) मेन्स हाई जंप में जीते हैं।

दीपा मलिक पैरा ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। (रियो 2016 में शॉटपुट इवेंट में रजत पदक जीता)

शीतकालीन ओलंपिक - (बीजिंग, 2022)

नार्वे - 37 (16 स्वर्ण, 8 रजत, 13 कांस्य)

जर्मनी - 27 (12 स्वर्ण, 10 रजत, 5 कांस्य)

चीन - 15 (9 स्वर्ण, 4 रजत, 2 कांस्य)

नोट: शीतकालीन ओलंपिक 2026 - इटली

तीन बार ओलंपिक खेल रद्द हुए हैं।

1916 - बर्लिन (प्रथम विश्व युद्ध के दौरान)

1940 - टोक्यो (द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान)

1944 - लंदन (द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान)

बीजिंग ओलंपिक 2022 में इकलौते भारतीय के तौर पर भाग लेने वाले 31 वर्षीय आरिफ खान थे परंतु वे भारत को कोई पदक नहीं दिला पाये।

यूथ ओलंपिक का आयोजन वर्ष 2026 में सेनेगल में होगा।

पेरिस ओलंपिक-2024

आयोजन तिथि:- 26 जुलाई से 11 अगस्त 2024

आयोजन स्थल:- पेरिस (फ्रांस)

संस्करण:- 33वाँ

समापन समारोह:- स्टेट डी फ्रांस

प्रतिभागी देशों की संख्या:- 206

शुभंकर - फ्रीज/फ्रिजियन

स्लोगन:- "Games Wide Open"

नया खेल:- ब्रेकिंग (ब्रेकडांसिंग)

कुल खेल:- 32

- कुल इवेंट्स:- 329
- भारत के कुल एथलीट:- 117

भारतीय ध्वजवाहक

- आयोजन के समय ध्वजवाहक- पी. वी. सिन्धु (बैडमिंटन)
व शरत कमल (टेबल टेनिस)
- समापन के समय ध्वजवाहक:- मनु भाकर (निशानेबाजी)
व पी. आर. श्रीजेश (हॉकी)

पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय पदक विजेताओं की सूची

खिलाड़ी का नाम	सम्बन्धित राज्य	पदक	इवेंट/वर्ग/श्रेणी
नीरज चोपड़ा	हरियाणा	रजत	एथलेटिक्स भाला फेंक (89.45 मी. फेंका)
मनु भाकर	हरियाणा	कांस्य	निशानेबाजी (10 मी. एयर पिस्टल)
मनु भाकर व सरबजोत सिंह	हरियाणा	कांस्य	निशानेबाजी (10 मी. एयर पिस्टल मिक्सड टीम इवेंट)
स्वप्नील कुशाले	महाराष्ट्र	कांस्य	50 मी. राइफल 3 पोजिशन निशानेबाजी
भारतीय हॉकी टीम	-	कांस्य	हॉकी
अमन सहरावत	हरियाणा	कांस्य	57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती

पदक श्रेणी

क्र.	देश	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक	कुल पदक
1.	संयुक्त राज्य अमेरिका	40	44	42	126
2.	चीन	40	27	24	91
3.	जापान	20	12	13	45
4.	ऑस्ट्रेलिया	18	19	16	53
5.	फ्रांस	16	26	22	64
71.	भारत	0	01	05	06

राष्ट्रमंडल खेल (Commonwealth Games)

- ओलंपिक के बाद में विश्व की सबसे बड़ी खेल स्पर्धा है। इन खेलों का आयोजन प्रायः दो ओलंपिक खेलों के मध्य किया जाता है।
- राष्ट्रमंडल खेलों की शुरुआत वर्ष 1930 से हैमिल्टन (कनाडा) में हुई।
(SSC CHSL-2020)
- भारत ने सबसे पहले वर्ष 1934 के लंदन खेलों में भाग लिया था।
- वर्ष 2022 में राष्ट्रमंडल खेल इंग्लैंड के बर्मिंघम में हुए।
- वर्ष 2026 में होने वाले 23वें राष्ट्रमंडल खेल ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में

होने थे परन्तु ऑस्ट्रेलिया के मना करने के बाद अब ये खेल स्कॉटलैंड की राजधानी ग्लासगो में होंगे।

- कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने पहला स्वर्ण पदक वर्ष 1958 में जीता था। यह स्वर्ण पदक महान फर्रुखा धावक मिल्खा सिंह ने जीता था।

(SSC GD-2023)

- कॉमनवेल्थ गेम्स में रूपा उन्नीकृष्णन स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं, जिन्होंने कुआलालंपुर में CWG 1998 में 50 मीटर राइफल प्रोन खिताब जीता।

- राष्ट्रमंडल खेल 2022 में भारत ने कुल 61 पदक जीते हैं। इसमें 22 स्वर्ण, 16 रजत और 23 कांस्य पदक शामिल हैं। (SSC CHSL-2022)

- राष्ट्रमंडल खेल 2022 में भारत की स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिन्धु और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह को राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारत के ध्वजवाहक थे। समापन समारोह के लिए टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल और मुक्केबाज निकहत जरीन भारत के ध्वजवाहक थे।

- वर्ष 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन भारत में हुआ था।

(SSC MTS-2020)

- ऑस्ट्रेलिया ने पांच बार कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की है।

(RRB NTPC-2022)

एशियाई खेल

- एशियाई खेलों की शुरुआत 4 मार्च, 1951 को नई दिल्ली में हुई थी।

(SSC GD-2019)

- वर्ष 1982 में पुनः इन खेलों की मेजबानी भारत ने की थी। भारत ने वर्ष 1951 के एशियन गेम्स में 51 पदक जीते थे, जिसमें 15 स्वर्ण, 16 रजत और 20 कांस्य पदक शामिल थे।

- चमकता हुआ सूरज एशियाई खेलों का प्रतीक चिन्ह है। वर्ष 2018 के एशियाई खेल, इण्डोनेशिया के जकार्ता और पालेमबांग में हुये थे।

- एशियाई खेल 2018 के उद्घाटन समारोह के ध्वजवाहक नीरज चोपड़ा थे।

(RRB NTPC-2021)

- वर्ष 2023 में एशियाई खेल चीन के हांगझू में हुये, जिन्हें वर्ष 2022 में खेला जाना था।

- वर्ष 2026 में एशियाई खेल ऐची प्रांत और नगोया (जापान) में होंगे।

- वर्ष 2030 में एशियाई खेल कतर की राजधानी दोहा में होंगे।

- वर्ष 2034 में एशियाई खेल सऊदी अरब की राजधानी रियाद में होंगे।

क्रिकेट

- पिच की लम्बाई व चौड़ाई - 22 गज (लगभग 20.12m), 3.05 मीटर, बैट की लम्बाई - 38 इंच (96.52 cm)

- बल्ले की चौड़ाई - 4.25 इंच (अधिकतम) या 10.8 cm

- बॉल का वजन - 155gm - 163gm

बॉल की परिधि

- 8.81- 9 इंच के बीच

- Stump तीन होते हैं, Stump की लम्बाई लगभग 28 इंच (71.1 cm) होती है। चौड़ाई - 9 इंच (SSC CGL-2022)
- पापिंग क्रीज - जहाँ गेंदबाज बॉल डालता है।
- बैटिंग क्रीज - जहाँ बल्लेबाज खड़ा होता है।
- DRS का पूर्ण रूप Decision Review System है।
- पावरप्ले - टी-20 मैच - शुरूआती (6 ओवर), ओडीआई मैच - शुरूआती (10 ओवर)
- 1 खिलाड़ी ओवर लिमिट (टी-20) - 4 ओवर
- 1 खिलाड़ी ओवर लिमिट (50-50) - 10 ओवर
- टाईम-आउट होने वाले पहले खिलाड़ी - एजेलो मैथ्यूज (श्रीलंका) बांग्लादेश के खिलाफ

क्रिकेट में अंपायर के प्रमुख संकेत

1. आउट
2. नॉट आउट
3. नो बॉल
4. फ्री-हिट
5. बाय
6. लेग बाय
7. वाइड बॉल
8. चार रन
9. न्यू बॉल
10. छः रन
11. डेड बॉल
12. थर्ड अंपायर
13. पावर प्ले
14. लास्ट आवर
15. निर्णय रद्द
16. बाउंसर
17. शॉर्ट रन

हॉकी

- हॉकी खेल की उत्पत्ति स्कॉटलैण्ड में हुई थी।
- फील्ड हॉकी मैच खेलने की अवधि 60 मिनट होती है, जिसे चार क्वार्टर में खेला जाता है। इस दौरान पहले और तीसरे क्वार्टर के बाद दोनों टीमों को दो मिनट का ब्रेक मिलता है। हालांकि हाफ टाइम के बाद 15 मिनट का अंतराल भी होता है। इसके साथ ही इजरी और पेनल्टी कॉर्नर देने से लेने तक का समय शामिल नहीं किया जाता है। साल 2019 से पहले हॉकी मुकाबला 70 मिनट के लिए खेला जाता था। जिसमें 35 मिनट के बाद पांच मिनट का हाफ टाइम ब्रेक होता था।
- हॉकी, फील्ड पर खेली जाती है।
- हॉकी के फील्ड की लम्बाई - 91 मी.
- हॉकी के फील्ड की चौड़ाई - 55 मी.
- Hockey Goal Post की चौ. = 3.66 मी.
- Hockey Goal Post की ऊं. = 2.14 मी.
- बॉल का वजन - 155-163 ग्राम लगभग क्रिकेट की गेंद जितना वजन (5.5 औंस - 5.7 औंस)
- हॉकी स्टिक की लम्बाई - 105 सेमी.
- हॉकी स्टिक का वजन 737 ग्राम
- अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय - लुसाने
- भारतीय हॉकी महासंघ की स्थापना - 1925 (2008 में भंग) (SSC Steno-2020)
- हॉकी इंडिया की स्थापना - 2009
- ओलंपिक खेलों में भारत का हॉकी में प्रदर्शन

- 8 गोल्ड - 1928, 1932, 1936, 1948, 1952, 1956, 1964, 1980
- 1 रजत - 1960 (रोम)
- 3 कांस्य - 1968, 1972, 2020

विश्वकप

- पहला विश्वकप - 1971 बार्सिलोना (स्पेन), (विजेता - पाकिस्तान) (SSC GD-2024)

फुटबॉल

- अवधि - 90 मिनट (हाफ - 2, ब्रेक-15 मिनट) हॉफ 45 - मिनट (SSC CGL-2023)
- फुटबॉल फील्ड पर खेली जाती है।
- फुटबॉल के मैदान की लम्बाई = 90-120 मी.
- फुटबॉल के Goal Post की लं. = 7.32 मी.
- फुटबॉल के Goal Post की ऊं. = 8 फीट
- बॉल का वजन - 410-450 ग्राम
- गोल लाईन और पेनल्टी स्पॉट के बीच की दूरी - 12 गज (11 मी.)
- 2 गोल पोस्टों के बीच की दूरी - 7.32 मी. (SSC GD-2023)
- गोलकीपर - 18 यार्ड्स के अन्दर तैनात
- FIFA स्थापना - 1904, पेरिस (फ्रांस)
- मुख्यालय - ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड
- अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की स्थापना - 1937 (SSC CHSL-2024)

- प्रथम फीफा विश्व कप - 1930 (उरुग्वे)

आगामी फीफा विश्वकप

- 2026 - कनाडा, मैक्सिको, अमेरिका
- 2030 - स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को
- 2034 - सऊदी अरब
- आधुनिक फुटबॉल की उत्पत्ति इंग्लैंड में हुई थी।

सर्वाधिक गोल

- क्रिस्टियानो रोनाल्डो (प्रथम स्थान)
- भारत की तरफ से सर्वाधिक गोल सुनील छेत्री ने किए हैं।

वॉलीबॉल

- वॉलीबॉल, कोर्ट पर खेला जाता है।
- वॉलीबॉल खेल का जनक अमेरिका है।
- वॉलीबॉल के कोर्ट की लं. = 18 मी, चौ. = 9 मी.
- नेट की ऊँचाई = 2.43 मी. (पुरुष)
- नेट की ऊँचाई = 2.24 मी. (महिला)
- खिलाड़ियों की संख्या - 06
- ओलम्पिक में शामिल - 1964 (आधिकारिक रूप से)
- बीच वॉलीबॉल के कोर्ट की लं. = 16 मी, चौ. = 8 मी.

टेबल टेनिस

- ☐ टेबल टेनिस, रैकेट से खेला जाता है।
- ☐ रैकेट की लं. व चौ. = 17cm × 15cm
- ☐ टेबल की लं. = 9 फीट, चौ. = 5 फीट
- ☐ टेबल की ऊं. = 76 cm
- ☐ नेट की ऊँचाई - 6 इंच (15.25 cm)
- ☐ मुख्यालय - लुसाने
- ☐ राष्ट्रीय खेल - चीन
- ☐ ओलम्पिक में शामिल - 1988 सियोल
- ☐ टेबल टेनिस खेल की उत्पत्ति इंग्लैंड में हुई।
- ☐ टेबल टेनिस को पिंग-पोंग भी कहा जाता है। पिंग-पोंग एसोसिएशन का गठन 1921 में हुआ था तथा 1926 में इसका नाम बदलकर इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन रखा गया।

बॉस्केटबॉल

- ☐ खिलाड़ियों की संख्या - 05
- ☐ बॉल का वजन - 600 - 650 ग्राम
- ☐ बॉस्केटबॉल कोर्ट की लम्बाई × चौड़ाई - 28 × 15 मी.
- ☐ बॉस्केटबॉल के रिम की ऊँचाई - 3.05 मी.
- ☐ बॉस्केटबॉल, कोर्ट पर खेला जाता है।
- ☐ ओलंपिक में शामिल - 1936
- ☐ महिला बॉस्केटबॉल को ओलंपिक में शामिल - 1976
- ☐ बॉस्केटबॉल रिम का व्यास - 46 सेमी.
- ☐ फेडरेशन इंटरनेशनल डि बस्केटबॉल एसोसिएशन की स्थापना - 1932
- ☐ मुख्यालय - मीस, स्विटजरलैण्ड

बैडमिंटन

- ☐ बैडमिंटन के कोर्ट की लम्बाई - 13.41 मी. (सिंगल और डबल)
- ☐ बैडमिंटन के कोर्ट की चौड़ाई - 5.18 मी. (सिंगल) तथा 6.1 मी. (डबल)
- ☐ Net की ऊँचाई - 5.1 फीट (1.55 मी.)
- ☐ Shuttlecock (चिडियाँ) का वजन - 4.7 से 5.5 ग्राम (16 पंखों से बनी होती है)
- ☐ नेट से सर्विस शॉट दूरी - 1.98 मी (6.5 फीट)
- ☐ इंटरनेशनल बैडमिंटन फेडरेशन की स्थापना - 1934
- ☐ मुख्यालय - कुआलालंपुर (मलेशिया)

लॉन टेनिस

- ☐ लॉन टेनिस कोर्ट की ल. × चौ. = 78 × 27 फीट (जब खिलाड़ी अकेला खेलता हो)
- ☐ डबल्स में 78 × 36 फीट
- ☐ नेट 3 फीट ऊँचा होता है।
- ☐ टेनिस का विकास इंग्लैंड में हुआ था।
- ☐ टेनिस की सर्वोच्च संस्था इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन है जिसका मुख्यालय

लंदन (इंग्लैंड) में है।

(SSC CHSL-2017)

- ☐ टेनिस के ग्रैण्ड स्लैम (1) ऑस्ट्रेलियन ओपन (हार्ड कोर्ट) (2) विंबलडन (घास पर) (3) फ्रेंच ओपन (मिट्टी पर) (4) यू.एस. ओपन (हार्ड कोर्ट)

टेनिस स्कोरिंग प्रणाली

- ☐ कोई भी खेल 0-0 से शुरू होता है और टेनिस में जीरो प्वाइंट 'लव' कहलाता है। अंकों की प्रगति निम्नानुसार होती है:
- ☐ पहला प्वाइंट- 15
- ☐ दूसरा प्वाइंट- 30
- ☐ तीसरा प्वाइंट 40
- ☐ चौथा प्वाइंट - गेम प्वाइंट
- ☐ हालांकि, अगर दोनों खिलाड़ी एक गेम में तीन-तीन अंक जीतते हैं (अर्थात स्कोर 40-40 है), तो इसे ड्यूस कहा जाता है।
- ☐ ड्यूस के बाद अगला अंक जीतने वाले खिलाड़ी को एडवांटेज मिलता है। उसके बाद वह अगला अंक जीतता है, तो वह गेम जीत जाता है।
- ☐ हालांकि, यदि विरोधी खिलाड़ी एडवांटेज के बाद अगला अंक जीतता है, तो स्कोर वापस ड्यूस में चला जाता है। एक खिलाड़ी/ टीम को एक गेम जीतने के लिए ड्यूस के बाद लगातार दो अंक जीतने की जरूरत है।

भारत के प्रमुख स्टेडियम

स्टेडियम का नाम	खेल	शहर
ब्रेबोर्न स्टेडियम	क्रिकेट	मुंबई
(SSC GD-2023)		
वानखेड़े स्टेडियम	क्रिकेट	मुंबई
मौलाना आजाद स्टेडियम	क्रिकेट	श्रीनगर
सवाई मानसिंह स्टेडियम	क्रिकेट	जयपुर
शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम	क्रिकेट	श्रीनगर
चिदंबरम स्टेडियम (चेपाँक स्टेडियम)	क्रिकेट	चेन्नई
फिरोजशाह कोटला स्टेडियम (नया नाम: अरुण जेटली स्टेडियम)	क्रिकेट	नई दिल्ली
सरदार वल्लभभाई पटेल स्टेडियम (नया नाम : नरेन्द्र मोदी स्टेडियम)	क्रिकेट	अहमदाबाद
भूपेन हजारिका स्टेडियम (बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम)	क्रिकेट	गुवाहाटी
राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम	क्रिकेट	हैदराबाद
इकाना स्टेडियम (नया नाम: अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम)	क्रिकेट	लखनऊ
कैप्टन रूप सिंह स्टेडियम	क्रिकेट	ग्वालियर
माधवराय सिंधिया स्टेडियम	क्रिकेट	राजकोट
बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट स्टेडियम	फॉर्मूला-1	ग्रेटर नोएडा
ईडन गार्डन स्टेडियम	क्रिकेट	कोलकाता

ग्रीन पार्क स्टेडियम	क्रिकेट	कानपुर
विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम	क्रिकेट	नागपुर
महाराजा बीर बिक्रम स्टेडियम	क्रिकेट	अगरतला
मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम	हॉकी	नई दिल्ली
चिन्नास्वामी स्टेडियम	क्रिकेट	बंगलुरु
मोइन-उल-हक स्टेडियम	क्रिकेट	पटना
शहीद बीर नारायण स्टेडियम	क्रिकेट	रायपुर
बरकतुल्लाह खान स्टेडियम	क्रिकेट	जोधपुर
बिरसा मुंडा इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम	हॉकी	राउरकेला
साल्ट लेक स्टेडियम (विवेकानंद युवा भारती)	फुटबॉल	कोलकाता

(SSC GD-2021)

बिरसा मुंडा स्टेडियम	एथलेटिक्स	रांची
बाराबती स्टेडियम	क्रिकेट	कटक
गुरु गोविन्द सिंह स्टेडियम	बहुउद्देशीय	जालंधर
महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम	क्रिकेट	पुणे
जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम	फुटबॉल	नई दिल्ली
इन्दिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम	फुटबॉल	गुवाहाटी
हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन	क्रिकेट	धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)
कलिंगा स्टेडियम	बहुउद्देशीय	ओडिशा
नाहर सिंह स्टेडियम	क्रिकेट	हरियाणा
इन्दिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम	क्रिकेट	विशाखापत्तनम
गुरु नानक स्टेडियम	बहुउद्देशीय	लुधियाना

इंडियन प्रीमियर लीग

वर्ष	विजेता	उपविजेता	स्थान
2008	राजस्थान रॉयल्स	चेन्नई सुपर किंग्स	मुंबई
2009	डेक्कन चार्जर्स	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका)
2010	चेन्नई सुपर किंग्स	मुंबई इंडियंस	मुंबई
2011	चेन्नई सुपर किंग्स	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	चेन्नई
2012	कोलकाता नाइट राइडर्स	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
2013	मुंबई इंडियंस	चेन्नई सुपर किंग्स	कोलकाता
2014	कोलकाता नाइट राइडर्स	किंग्स इलेवन पंजाब	बैंगलोर
2015	मुंबई इंडियंस	चेन्नई सुपर किंग्स	कोलकाता
2016	सन राइजर्स हैदराबाद	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	बैंगलोर

2017	मुंबई इंडियंस	राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स	हैदराबाद
2018	चेन्नई सुपर किंग्स	सन राइजर्स हैदराबाद	मुंबई
2019	मुंबई इंडियंस	चेन्नई सुपर किंग्स	हैदराबाद
2020	मुंबई इंडियंस	दिल्ली कैपिटल्स	दुबई (UAE)
2021	चेन्नई सुपर किंग्स	कोलकाता नाइट राइडर्स	दुबई (UAE)
2022	गुजरात टाइटंस	राजस्थान रॉयल्स	अहमदाबाद
(SSC CHSL-2023, SSC GD-2023)			
2023	चेन्नई सुपर किंग्स	गुजरात टाइटंस	अहमदाबाद
2024	कोलकाता नाइट राइडर्स	सन राइजर्स हैदराबाद	चेन्नई

भारत के प्रमुख संग्रहालय

संग्रहालय का नाम	स्थान
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय	भोपाल, मध्य प्रदेश
कैलिको कपड़ा संग्रहालय	अहमदाबाद, गुजरात
छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय (प्रिंस ऑफ वेल्स संग्रहालय)	मुंबई, महाराष्ट्र
डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय स्मारक और संग्रहालय	नई दिल्ली
दाण्डी कुटीर संग्रहालय	गाँधीनगर, गुजरात
नेपियर संग्रहालय	तिरुवनंतपुरम, केरल
नेवल एविएशन संग्रहालय	वास्कोडीगामा, गोवा
नौसेना संग्रहालय (स्वर्ण ज्योति संग्रहालय)	विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
पनडुब्बी संग्रहालय (INS कुरुसुरा संग्रहालय)	विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
पार्टिशन संग्रहालय	अमृतसर, पंजाब
बिड़ला औद्योगिक और तकनीकी संग्रहालय	कोलकाता, पश्चिम बंगाल
बॉम्बे प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय	मुंबई, महाराष्ट्र
भारतीय संग्रहालय (भारत में सबसे बड़ा)	कोलकाता, पश्चिम बंगाल (वर्ष 1814 में स्थापना)
नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय	नई दिल्ली
पटना संग्रहालय	पटना
राष्ट्रीय डाक टिकट संग्रहालय	नई दिल्ली
महाराजा संसार चंद संग्रहालय	कांगडा, हिमाचल प्रदेश
राष्ट्रीय संग्रहालय	नई दिल्ली
राष्ट्रीय हस्तशिल्प एवं हथकरघा संग्रहालय	नई दिल्ली
राष्ट्रीय रेल संग्रहालय	नई दिल्ली
वायु सेना संग्रहालय	नई दिल्ली
विक्टोरिया जुबली संग्रहालय	विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश

विश्वेश्वरैया औद्योगिक और तकनीकी संग्रहालय	बेंगलुरु, कर्नाटक
शंकर अंतर्राष्ट्रीय गुडिया संग्रहालय	नई दिल्ली
एगमोर संग्रहालय	चेन्नई, तमिलनाडु
इलाहाबाद संग्रहालय	प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
स्वराज भवन	प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
सारनाथ संग्रहालय	सारनाथ (वाराणसी), उत्तर प्रदेश
राजकीय संग्रहालय	जोधपुर, राजस्थान
अल्बर्ट हॉल संग्रहालय	जयपुर, राजस्थान
श्री छत्रपति शाहू संग्रहालय	कोल्हापुर, महाराष्ट्र
सिद्धगिरि ग्रामजीवन (कणेरी) संग्रहालय	कोल्हापुर, महाराष्ट्र
राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय	नई दिल्ली 1954 (मुख्य संग्रहालय)
राष्ट्रीय पुरातात्विक संग्रहालय	नई दिल्ली
राज्य संग्रहालय	भोपाल, मध्य प्रदेश
मध्य प्रदेश जनजातीय संग्रहालय	भोपाल, मध्य प्रदेश
क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय	भोपाल, मध्य प्रदेश
साँची पुरातत्व संग्रहालय	रायसेन, मध्य प्रदेश
आदिवासी संग्रहालय	पातालकोट, मध्य प्रदेश
राष्ट्रीय दूरसंचार संग्रहालय	भोपाल, मध्य प्रदेश
सुधा कार संग्रहालय	हैदराबाद, तेलंगाना
निजाम संग्रहालय	हैदराबाद, तेलंगाना
सालार जंग संग्रहालय	हैदराबाद, तेलंगाना
(IB ACIO-2021)	
सरकारी संग्रहालय	चेन्नई, तमिलनाडु
रॉयल संग्रहालय	तंजौर, तमिलनाडु
भारत का पहला खुला रॉक संग्रहालय	हैदराबाद, तेलंगाना
भारत का पहला अंडरवाटर संग्रहालय	पुडुचेरी
पंतग संग्रहालय	अहमदाबाद, गुजरात
ताड़ के पत्तों का पांडुलिपि संग्रहालय	तिरुवनंतपुरम, केरल
काला घोड़ा संग्रहालय	मुंबई, महाराष्ट्र
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस संग्रहालय	दिल्ली (लाल किला परिसर)
HAL हेरिटेज सेंटर और एयरोस्पेश संग्रहालय	बेंगलुरु, कर्नाटक
सिक्का संग्रहालय	नासिक, महाराष्ट्र
भारत का पहला भूमिगत संग्रहालय	नई दिल्ली (हुमायूँ के मकबरे के परिसर में)
(RRC GD-2018)	
युग-युगीन संग्रहालय (निर्माणाधीन)	नई दिल्ली

भारत/विश्व के पर्यटन स्थल

भारत के प्रमुख पर्यटन स्थल

प्रमुख पर्यटन	स्थल
हुमायूँ का मकबरा	दिल्ली (DSSB TGT-2021)
कुतुबमीनार	दिल्ली
राष्ट्रपति भवन	दिल्ली
जामा मस्जिद	दिल्ली
जंतर मंतर	दिल्ली
राजघाट	दिल्ली
इंडिया गेट	दिल्ली
खिड़की मस्जिद	दिल्ली
लाल किला	दिल्ली
कमल मन्दिर	दिल्ली
एलोरा गुफाएँ	महाराष्ट्र
एलिफेंटा गुफा	महाराष्ट्र
गेटवे ऑफ इंडिया	मुंबई, महाराष्ट्र
अजंता की गुफाएँ	महाराष्ट्र (RRB NTPC-2021)
हैगिंग गार्डन	मुंबई, महाराष्ट्र
अमरनाथ गुफा	कश्मीर
डल झील	श्रीनगर
शालीमार बाग	जम्मू और कश्मीर
वैष्णो देवी	जम्मू और कश्मीर
विक्टोरिया मेमोरियल	कोलकाता
हावड़ा पुल	कोलकाता
सेंट पॉल कैथेड्रल	कोलकाता
बिड़ला तारामंडल	कोलकाता
फोर्ट विलियम	कोलकाता
स्वर्ण मन्दिर	अमृतसर, पंजाब
(SSC CHSL-2020)	
ताजमहल	आगरा, उत्तर प्रदेश
बुलंद दरवाजा	फतेहपुर, उत्तर प्रदेश
पंच महल	उत्तर प्रदेश
राम मंदिर	अयोध्या, उत्तर प्रदेश
अकबर का मकबरा	आगरा, उत्तर प्रदेश
गोल गुंबज	कर्नाटक
मैसूर महल	कर्नाटक
सूर्य मन्दिर	कोणार्क,
हम्पी	कर्नाटक
लाल बाग गार्डन	कर्नाटक
गोमतेश्वर की प्रतिमा	कर्नाटक
मरीन बीच	तमिलनाडु
मीनाक्षी मन्दिर	तमिलनाडु

(RRB NTPC-2017, SSC MTS-2019)

बृहदेश्वर मन्दिर	तमिलनाडु
महाबलीपुरम का स्मारक	तमिलनाडु
विवेकानंद रॉक मेमोरियल	रामेश्वरम, तमिलनाडु
हजार स्तंभ मंदिर	तेलंगाना
चारमीनार	हैदराबाद
गोलकुंडा	हैदराबाद
बिरला मन्दिर	हैदराबाद
वेंकटेश्वर मन्दिर	आंध्र प्रदेश
वेम्बनाड झील	केरल
पद्मनाभस्वामी मन्दिर	केरल
सबरीमाला	केरल
ग्वालियर किला	मध्य प्रदेश
मेहरानगढ़ किला	जोधपुर
दिलवाड़ा मन्दिर	राजस्थान
अजमेर शरीफ दरगाह	अजमेर
पुष्कर झील	अजमेर
जूनागढ़ किला	बीकानेर
फतेहसागर	उदयपुर, राजस्थान
पिछौला झील	उदयपुर
हवा महल	जयपुर
अंबर पैलेस	जयपुर
अल्बर्ट हॉल संग्रहालय	जयपुर
जल महल	जयपुर
मानसून महल	राजस्थान
जोधपुर दुर्ग	जोधपुर, राजस्थान
ब्रह्मा मन्दिर	पुष्कर, राजस्थान
डींग महल	राजस्थान
जैसलमेर का किला	राजस्थान
जंतर-मंतर	राजस्थान
जय समंद झील	राजस्थान
रॉक गॉर्डन	चंडीगढ़
रूमटेक मठ	सिक्किम
भद्रेश्वर जैन मन्दिर	गुजरात
कच्छ के महान रण	गुजरात
स्टैच्यू ऑफ यूनिटी	गुजरात (SSC JE-2020)
सोमनाथ मन्दिर	गुजरात
रानी की वाव	गुजरात
शेरशाह का मकबरा	बिहार
रूमी दरवाजा	लखनऊ
राजरानी मन्दिर	ओडिशा

समलेश्वरी मन्दिर	ओडिशा
लिंगराज मन्दिर	ओडिशा
दरिंगबाडी हिल स्टेशन	ओडिशा
जगन्नाथ मन्दिर	ओडिशा
चिल्का झील	ओडिशा
कलिम्पोंग हिल स्टेशन	पश्चिम बंगाल

भारत के प्रमुख समुद्र बीच

राज्य	समुद्र बीच
अंडमान के समुद्र तट	<input type="checkbox"/> वंडूर बीच <input type="checkbox"/> एलिफेण्ट बीच <input type="checkbox"/> राधानगर बीच
गोवा	<input type="checkbox"/> बागा बीच <input type="checkbox"/> वागातोर बीच <input type="checkbox"/> अंगोडा बीच <input type="checkbox"/> पलोलेम बीच <input type="checkbox"/> कैडोलिम बीच
केरल	<input type="checkbox"/> वर्कला बीच <input type="checkbox"/> पूवर बीच <input type="checkbox"/> कोझिकोड बीच <input type="checkbox"/> कोवलम बीच <input type="checkbox"/> मरारी बीच
कर्नाटक	<input type="checkbox"/> हाफ मून बीच <input type="checkbox"/> मालपे बीच <input type="checkbox"/> गोकर्ण बीच <input type="checkbox"/> देवबाग बीच
ओडिशा	<input type="checkbox"/> पुरी बीच <input type="checkbox"/> चांदीपुर बीच <input type="checkbox"/> गोपालपुर बीच
महाराष्ट्र	<input type="checkbox"/> हरिहरेश्वर बीच <input type="checkbox"/> अलीबाग बीच <input type="checkbox"/> जुहु बीच <input type="checkbox"/> गणपतिपुले बीच <input type="checkbox"/> गिरगांव चौपाटी
गुजरात	<input type="checkbox"/> मांडवी बीच

भारत के हिल स्टेशन

हिल स्टेशन	राज्य
लेह	जम्मू-कश्मीर
श्रीनगर	जम्मू-कश्मीर
गुलमर्ग	जम्मू-कश्मीर
शिमला	हिमाचल प्रदेश

मनाली	हिमाचल प्रदेश
शिलांग	मेघालय
दार्जिलिंग	पश्चिम बंगाल
मुन्नार	केरल
ऊटी	तमिलनाडु
औली	उत्तराखंड
मसूरी	उत्तराखंड
नैनीताल	उत्तराखंड
गंगटोक	सिक्किम
माउंट आबू	राजस्थान
कूर्ग	कर्नाटक

विश्व के प्रमुख पर्यटन स्थल

पर्यटन स्थल	स्थिति
गीजा के महान पिरामिड	मिस्र
एफिल टॉवर	पेरिस, फ्रांस
हालीवुड	लॉस एंजिल्स
ग्रांड पैलेस	बैंकाक
टॉवर ऑफ लंदन	लंदन
द स्ट्रिप	लास वेगास
उबुद	बाली
बुर्ज खलीफा	दुबई
स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी	न्यूयॉर्क
पर्ल टॉवर	शंघाई
ब्लू मस्जिद	इस्तांबुल
बकिंघम पैलेस	लंदन
ओपेरा हाउस	सिडनी
चीन की दीवार	चीन
ताजमहल	भारत
द टेंपल ऑफ हेवन	चीन
ग्रेट बैरियर रीफ	ऑस्ट्रेलिया
अंकोरवाट मंदिर	कंबोडिया
मक्का	सऊदी अरब
पशुपतिनाथ मंदिर	काठमांडु, नेपाल
इम्पीरियल पैलेस	टोक्यो, जापान

विश्व के महत्त्वपूर्ण स्मारक प्रमुख देशों के महत्त्वपूर्ण स्मारक

स्मारक	स्थान
ताजमहल	आगरा, भारत
स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी	न्यूयॉर्क, अमेरिका
ग्रेट वाल	चीन
झुकी हुई मीनार/पीसा की मीनार	पीसा, इटली
पिरामिड	गीजा, मिस्र
ओपेरा हाउस	सिडनी, ऑस्ट्रेलिया
एफिल टॉवर	पेरिस, फ्रांस
पार्थेनन	एथेंस, यूनान
पवन चक्की	किंडर डिज्क, डेनमार्क
क्रेमलिन	मास्को, रूस
इम्पीरियल पैलेस	टोक्यो, जापान
स्टैच्यू ऑफ यूनिटी	गुजरात, भारत
माउंट रशमोर	डेकोटा, अमेरिका
स्टोनहेंज	विल्टशायर काउंटी, ब्रिटेन
गोल्डन गेट ब्रिज	सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका
सीएन टॉवर	टोरंटो, कनाडा
क्राइस्ट द रिडीमर	रियो डी जेनेरो, ब्राजील
कोलोसियम	रोम, इटली
अंकोरवाट	कंबोडिया
बिग बेन टॉवर	लंदन, (UK)
ताइपे 101	ताइपे, ताइवान
एम्पायर स्टेट बिल्डिंग	न्यूयॉर्क, अमेरिका
सेंट बेसिल्स कैथेड्रल	मास्को, रूस
पेट्रोनास ट्विन टॉवर	कुआलालंपुर, मलेशिया

विश्व के प्रमुख देश, राजधानी एवं मुद्रा

प्रमुख देश	राजधानी	मुद्रा
कनाडा	ओटावा	डॉलर
मैक्सिको	मैक्सिको सिटी	पीसो
संयुक्त राज्य अमेरिका (यू.एस.ए.)	वाशिंगटन डी.सी.	डॉलर
जर्मनी	किंगस्टन	डॉलर
ब्राजील	ब्रासीलिया	रिएल
अर्जेंटीना	ब्यूनस आयर्स	पीसो

त्रिनिदाद एंड टोबैगो	पोर्ट ऑफ स्पेन	डॉलर
भारत	नई दिल्ली	रुपया
चीन	बीजिंग	रेनमिन्बी (मूल इकाई- युआन)
मंगोलिया	उलानबटोर/उलानबाटार	तुगरिक/टग्रिक
पाकिस्तान	इस्लामाबाद	रुपया
नेपाल	काठमांडू	रुपया
श्रीलंका	श्री जयवर्द्धनपुरा कोटे (विधायी) एवं कोलंबो (कार्यकारी और न्यायिक)	रुपया
बांग्लादेश	ढाका	टका
भूटान	थिम्पू	नुलट्रम
म्यांमार	नेपीडॉ (नेप्यीताव)	क्यात
ईरान	तेहरान	रियाल
कुवैत	कुवैत सिटी	दिनार
अफगानिस्तान	काबुल	अफगानी
इराक	बगदाद	दिनार
इंडोनेशिया	जकार्ता (प्रस्तावित राजधानी-नुसंतारा)	रुपिया
इजराइल	जेरूसलम	न्यू शेकेल
मलेशिया	क्वालालंपुर	रिंगित
तुर्की	अंकारा	लीरा
मालदीव	माले	रुफिया
दक्षिण कोरिया	सिओल	वॉन
वियतनाम	हनोई	डांग
थाईलैंड	बैंकाक	बहत
संयुक्त अरब अमीरात	अबूधाबी	दिरहम
सऊदी अरब	रियाद	रियाल
ताइवान	ताइपे	डॉलर
कतर	दोहा	रियाल
ओमान	मस्कट	रियाल
जॉर्डन	अम्मान	दिनार

जापान	टोक्यो	येन
रूस	मॉस्को	रूबल
सीरिया	दमिश्क	पाउण्ड
सिंगापुर	सिंगापुर	डॉलर
नॉर्वे	ओस्लो	क्रोन
डेनमार्क	कोपेनहेगन	क्रोन
फ्रांस	पेरिस	यूरो
स्वीडन	स्टॉकहोम	क्रोना
इंग्लैंड	लंदन	पाउण्ड
यूक्रेन	कीव	हिरिन्विया
सर्बिया	बेलग्रेड	दिनार
किर्गिजस्तान	बिशकेक	सोम
बेल्जियम	ब्रुसेल्स	यूरो
लक्समबर्ग	लक्समबर्ग	यूरो
इटली	रोम	यूरो
ऑस्ट्रेलिया	केनबरा	डॉलर
न्यूजीलैंड	वेलिंगटन	डॉलर
नाइजीरिया	अबुजा	नैरा/नाइरा
मॉरीशस	पोर्ट लुईस	रुपया
मोरक्को	रबात	दिरहम
टोगो	लोमे	फ्रैंक
मिस्र	काहिरा	पाउण्ड
सेशेल्स	विकटोरिया	रुपया
जिम्बाब्वे	हरारे	डॉलर
केन्या	नैरोबी	शिलिंग
नीदरलैंड्स	एम्स्टर्डम	यूरो
फिनलैंड	हेलसिंकी	यूरो
आयरलैंड	डबलिन	यूरो
जर्मनी	बर्लिन	यूरो
पुर्तगाल	लिस्बन	यूरो